एकीकृत
वार्षिक रिपोर्ट 2021-22

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स
BHARAT ELECTRONICS
QUALITY, TECHNOLOGY, INNOVATION

सीमाओं का विस्तार

वैश्विक आकार निर्माण

विषय-सूची

01
कार्पोरेट अवलोकन

02 कंपनी का अवलोकन

08 हमारी गहन व विविधीकृत सक्षमताएं

10 वर्ष की प्रमुख बातें

12 अध्यक्ष का पत्र

16 निदेशक मंडल

18 वरिष्ठ प्रबंधन

22 हमारा कारोबारी मॉडल

24 अपने पणधारकों के साथ हमारे संबंध

27 हमारे प्रचालनीय परिवेश में जोखिमों को प्रभावी ढंग से कम करना

28 वित्तीय पूंजी

30 निर्मित पूंजी

33 बौद्धिक पूंजी

36 मानव पूंजी

38 सामाजिक एवं संबंध पूंजी

40 प्राकृतिक पंजी

42 दशक में संधारणीयता निष्पादन

43
सांविधिक रिपोर्ट

43 मंडल की रिपोर्ट

57 अनुलग्नक 1
फॉर्म नं. एओसी-II

58 अनुलग्नक 2
सीएसआर कार्यकलापों पर वार्षिक रिपोर्ट

67 अनुलग्नक 3
सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट

70 अनुलग्नक 4
प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट

89 अनुलग्नक 5
कार्पोरेट अभिशासन रिपोर्ट

109 अनुलग्नक 6
संधारणीयता रिपोर्ट

112 अनुलग्नक 7
कारोबारी दायित्व रिपोर्ट (बीआरआर)

121
वित्तीय विवरण

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण

121 स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

136 सी एंड एजी की टिप्पणियां

138 तुलन-पत्र

140 लाभ व हानि का विवरण

141 इक्विटी परिवर्तन का विवरण

143 नकदी प्राप्ति विवरण

145 लेखों की टिप्पणियां

207 उल्लेखनीय लेखा नीतियां

समेकित वित्तीय विवरण

217 स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

226 सी एंड एजी की टिप्पणियां

228 तुलन-पत्र

230 लाभ व हानि का विवरण

232 इक्विटी परिवर्तन का विवरण

234 नकदी प्राप्ति विवरण

236 लेखों की टिप्पणियां

302 उल्लेखनीय लेखा नीतियां

अधिक जानकारी के लिए, देखें
www.bel-india.in

हमारी वार्षिक रिपोर्ट 2021-22 डाउनलोड करने के लिए क्यू.आर. कोड स्कैन करें

प्रगामी विवरण

इस रिपोर्ट में हमारे कारोबारी प्रचालनों से संबंधित कुछेक विवरण प्रगामी विवरण हैं। इनमें ऐतिहासिक तथ्य के अलावा सभी विवरण शामिल हैं जिनमें वित्तीय स्थिति, कारोबारी रणनीति, प्रबंधन की योजनाएं और भावी प्रचालनों के उद्देश्य से संबंधित विवरण शामिल हैं। प्रगामी विवरणों को 'विश्वास', 'प्राक्कलन', 'प्रत्याशा', 'अपेक्षा', 'आशय', 'हो सकता है', 'होगा', 'योजनाएं', 'दृष्टिकोण' और भावी प्रचालन या वित्तीय निष्पादन की चर्चा के संबंध में यही अर्थ देने वाले अन्य शब्दों द्वारा अभिचिह्नित किए जा सकते हैं।

प्रगामी विवरण आवश्यक रूप से ऐसी मान्यताओं, डेटा या विधियों पर निर्भर होते हैं जो गलत या अस्पष्ट हो सकते हैं और जिन्हें साकार नहीं किया जा सकता, इसलिए, ये भावी परिणामों की गारंटी के लिए आशयित नहीं होते लेकिन उचित मान्यताओं के आधार पर हमारी चालू अपेक्षाएं तय करते हैं। वास्तविक परिणाम विभिन्न घटनाओं, जोखिमों, अनिश्चितताओं तथा अन्य कारकों के कारण किसी प्रगामी विवरण में अनुमानित बातों से महत्वपूर्ण रूप से अलग हो सकते हैं। हम नई सूचना, भावी घटनाओं या अन्यथा के परिणामस्वरूप, किसी भी प्रगामी विवरण के संबंध में कोई दायित्व नहीं लेते हैं और न ही उसे अद्यतन या पुनरीक्षित करने का आशय रखते हैं।

रिपोर्ट के बारे में

रिपोर्टिंग का आधार

वित्त वर्ष 2021-22 से शुरु करते हुए हमने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) में एसएएसबी के साथ विलय होने के परिणामस्वरूप गठित पूर्ववर्ती इंटरनेशनल इंटीग्रेटेड रिपोर्टिंग काउंसिल जो अब वैल्यू रिपोर्टिंग फाउंडेशन (वीआरएफ) है, के एकीकृत रिपोर्टिंग <आईआर> सिद्धांतों का अनुसरण करते हुए अधिक पूर्ण रिपोर्टिंग की ओर अपना पहला कदम उठाया है। हमारी इस पहली रिपोर्ट में, हमने <आईआर> व्यवस्था में बताए गए अनुसार कुछ मार्गदर्शी सिद्धांतों और सामग्री को शामिल किया है। आगे की रिपोर्टों में हम अधिक सामग्री शामिल करना चाहते हैं।

इस रिपोर्टिंग द्वारा, हम छह पूंजियों - वित्तीय, निर्मित, मानव, बौद्धिक, सामाजिक व संबंध तथा प्राकृतिक पूंजियों का उपयोग करते हुए अपनी मूल्य सृजन प्रक्रिया पर समग्र दृष्टि डालना चाहते हैं। समय के साथ-साथ मूल्य सृजित करने के लिए हम अपने दृष्टिकोण में रणनीतिक चर्चा के साथ-साथ अपने प्रचालनीय परिवेश और प्रशमन कार्यों में शामिल जोखिमों का भी विवरण प्रदान करेंगे। इस प्रकार की रिपोर्टिंग दुनिया भर में सर्वोत्तम पद्धति के रूप में उभरी है क्योंकि इससे सांविधिक मानदंडों के अतिरिक्त सूचना (वित्तीय और गैर-वित्तीय दोनों) प्राप्त होती है और वित्तीय पूंजी प्रदाताओं को कंपनी के साथ उनकी संबद्धता से संबंधित निर्णय बेहतर तरीके से लेने में मदद मिलती है।

रिपोर्टिंग के सिद्धांत

हमने यह रिपोर्ट कंपनी अधिनियम, 2013 (और उसके तहत बनाए गए नियम), भारतीय लेखा मानक, सेबी (सूचीकरण के दायित्व एवं प्रकटीकरण की आवश्यकताएं) विनियम, 2015 और सचिवीय मानकों के अनुसार तैयार किए हैं। हमने वीआरएफ की <आईआर> व्यवस्था का भी पालन किया है।

रिपोर्टिंग की सीमा, अवधि और कार्यक्षेत्र

इस रिपोर्ट में 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 तक की अवधि के लिए बीईएल और उसकी सहायक कंपनी बीईएल ऑप्ट्रानिक डिवाइसेस लिमिटेड (बेलॉप) और बीईएल-थालेस सिस्टम्स लिमिटेड (बीटीएसएल) की वित्तीय और गैर-वित्तीय सूचनाएं और कार्यकलाप शामिल हैं। इसमें 16 जुलाई 2022 तक की मंडल की बैठकों की महत्वपूर्ण सूचना, यदि कोई हो, दी गई है।

पूंजी का परिचय

वित्तीय पूंजी

यह हमारे पास उपलब्ध विभिन्न प्रकार की पूंजी (ऋण एवं इक्विटी) को और जिसे हम दीर्घकालीन कारोबारी विकास करने के लिए और अपने शेयरधारकों के लिए अधिशेष सृजित करने के लिए अपने कारोबार में दूरदर्शिता को दर्शाती है।

निर्मित पूंजी

यह हमारी भौतिक अवसंरचना को दर्शाती है जिसमें उत्पादन बढ़ाने के लिए हमारे द्वारा किए गए उत्कृष्ट प्रचालनीय उपायों के साथ-साथ निर्माणी संयंत्र और उपकरण शामिल हैं।

मानव पूंजी

यह हमारे कर्मचारियों की जानकारी, कौशल और अनुभव तथा हमारे द्वारा उनके नियोजन और अभिप्रेरण के लिए किए गए निवेश को दर्शाती है। वे कंपनी का प्रतिनिधित्व करते हैं और मूल्य वर्धन में हमारी मदद करते हैं।

रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र की उद्यम, बीईएल दुनिया भर में मान्यताप्राप्त इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरी कंपनी है। इलेक्ट्रॉनिक्स और साफ्टवेयर में हमारी विशेषज्ञता से चलित और नवोन्मेष की गहन आकांक्षा से, हम महत्वपूर्ण समाधानों से भारतीय रक्षा बलों और अपने देश को सशक्त बनाने में अग्रणी रहे हैं। हमने इस विशेषज्ञता को असैनिक तथा निर्यात ग्राहकों के लिए बहु-विषयक समाधान विकसित करने हेतु विविधीकरण करने के लिए इस विशेज्ञता को बढ़ाया भी है।

बाज़ार में अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों के विकसित होने और विश्व में भारत का महत्व स्थिरता से बढ़ने से, हम मानते हैं कि अपनी स्थिति को अधिक मज़बूत बनाने और अगले स्तर पर जाने का यह उपयुक्त समय है।

नई पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए हम लगातार आर एंड डी में निवेश करते आ रहे हैं और दुनिया की अग्रणी फर्मों के साथ गठबंधन करते आ रहे हैं। विकास और संविदा निर्माण की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए हम अपनी निर्माणी क्षमताओं को बढ़ा रहे हैं। हम वैश्विक कार्यालय खोल रहे हैं और वैश्विक सरकारों और ओ.ई.एम. के साथ संबंध बढ़ा रहे हैं। मज़बूत क्षमता निर्माण प्रोग्राम के साथ हम अपनी मानव पूंजी को सशक्त बना रहे हैं।

बीईएल में, हम रणनीतिक रक्षा और ऑफसेट साझेदार के रूप में अधिक बड़ी भूमिका निभाने (और मेक इन इंडिया में सहयोग देने), वैश्विक आकार बढ़ाने और अपने पणधारकों के लिए मूल्य सृजन करने के लिए पूरी तरह तत्पर हैं।

बौद्धिक पूंजी

यह गहन जानकारी, प्रक्रियाएं, अनुसंधान व विकास (आर एंड डी) सक्षमताओं और सूचना प्रौद्योगिकी की अवसंरचना जिसमें हम अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता को सशक्त बनाने के लिए निरंतर निवेश कर रहे हैं, को दर्शाती है। रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में प्रौद्योगिकीय नेतृत्व के साथ यह प्रमुख भूमिका निभाती है।

सामाजिक एवं संबंध पूंजी

यह सौहार्द्रपूर्ण और सहयोगी संबंधों को दर्शाती है जो हमारे पूर्ति कड़ी साझेदारों, ग्राहकों (रक्षा और गैर-रक्षा), अन्य कारोबारी साझेदारों तथा पणधारकों और समग्र रूप से समुदाय के साथ बनते हैं। इन संबंधों से हमें कारोबार प्रभावी ढंग से संचालित करने और एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को सशक्त बनाने में मदद मिलती है। समुदाय हमें अपना कारोबार संचालित करने में सामाजिक रूप से मदद करते हैं।

प्राकृतिक पूंजी

यह विभिन्न अक्षय और गैर-अक्षय संसाधनों को दर्शाता है जिनका उपयोग हम परिणामी पर्यावरण प्रभाव के साथ-साथ मूल्य वर्धन के लिए अपने कारोबार में करते हैं।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स - दुनिया भर में मान्यताप्राप्त इलेक्ट्रॉनिक कंपनी

हम बहु-उत्पाद, बहु-प्रौद्योगिकी और बहु-यूनिट वाली कंपनी है जिसे छह दशकों से अधिक समय का अनुभव है। हमारे पास विविध क्षेत्र में दुनिया भर के ग्राहकों की बढ़ती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों सहित, रणनीतिक इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों/प्रणालियों की व्यापक श्रृंखला की डिज़ाइन, विकास निर्माण और आपूर्ति की क्षमताएं हैं।

हम भारतीय रक्षा खंड में मुख्य आपूर्तिकर्ता हैं और असैनिक व निर्यात खंड में हमारी मौजूदगी बढ़ रही है। हमारी प्रौद्योगिकी और गुणता उत्कृष्टता और उत्कृष्ट निष्पादन देने वाले नवोन्मेषी समाधान विकसित करने की क्षमता से हमारी अच्छी प्रतिष्ठा है।

₹15,044 करोड़

कुल कारोबार*

₹57,570 करोड़

1 अप्रैल 2022 को आदेश बही (यूएसडी 269 मिलियन के निर्यात आदेश सहित)

*वित्त वर्ष 2021-22

दृष्टि

पेशेवर इलेक्ट्रॉनिकी में विश्व-स्तरीय उद्यम बनना ।

ध्येय

रक्षा इलेक्ट्रॉनिकी और पेशेवर इलेक्ट्रॉनिकी के अन्य चुने हुए क्षेत्रों में गुणता, प्रौद्योगिकी और नवीनता के जरिए ग्राहक-केन्द्रित, वैश्विक प्रतिस्पर्धी कंपनी बनना ।

मूल्य

- ग्राहक को सर्वोपरि रखना।
- पारदर्शिता, ईमानदारी और सत्यनिष्ठा से कार्य करना।
- व्यक्तियों पर विश्वास करना और उनका सम्मान करना।
- टीम भावना को पोषित करना।
- अत्यधिक कर्मचारी-संतुष्टि प्राप्त करने का प्रयास करना।
- लोचता और नवीनता को प्रोत्साहित करना ।
- अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को पूरा करने का प्रयत्न करना ।
- संगठन का हिस्सा होने पर गर्व होना।

उद्देश्य

- गुणता, सुपुर्दगी और सेवा की मांगों को पूरा करते हुए अत्याधुनिक उत्पादों व समाधानों को प्रतिस्पर्धी कीमतों में प्रदान करते हुए ग्राहक-केन्द्रित कंपनी बनना ।
- लाभप्रद विकास हेतु आंतरिक संसाधनों को सृजित करना ।
- संस्थागत अनुसंधान व विकास, रक्षा / अनुसंधान प्रयोगशालाओं तथा शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझेदारी के जरिए रक्षा इलेक्ट्रॉनिकी में प्रौद्योगिकीय नेतृत्व हासिल करना ।
- निर्यात पर जोर देना ।
- लोगों के लिए सतत् शिक्षण व टीम-कार्य के जरिए उनकी पूरी क्षमता को प्राप्त कराने हेतु सुविधापूर्ण परिवेश सृजित करना ।
- ग्राहकों को उनके धन का पूरा प्रतिफल प्रदान करना और शेयरधारकों हेतु संपदा सृजित करना ।
- कंपनी के निष्पादन को अंतर्राष्ट्रीय रूप से सर्वोत्कृष्ट श्रेणी के साथ सतत् रूप से निर्देश-चिह्नित करना ।
- विपणन क्षमताओं को वैश्विक मानकों तक बढ़ाना ।
- स्वदेशीकरण के माध्यम से आत्म-निर्भरता का प्रयत्न करना ।

8,853

कर्मचारी#

₹ 11,984 करोड़

निवल मालियत#

यथा 31 मार्च 2022

हमारी प्रचालन संरचना

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड

बीईएल ऑप्ट्रानिक डिवाइसेस लिमिटेड (बेलॉप)
(पूर्ण-स्वामित्व की सहायक कंपनी)
रात्रि दर्शी युक्तियों में प्रयुक्त इमेज इन्टेंसीफायर ट्यूब और शीतलित थर्मल इमेजर अनुप्रयोगों के लिए डेवार असेंबली की निर्माता।

बीईएल-थालेस सिस्टम्स लिमिटेड (बीटीएसएल)
(सहायक कंपनी - 74% हिस्सा)
भारतीय तथा वैश्विक बाज़ार के लिए और अन्य अंतिम प्रयोक्ताओं के लिए असैनिक और चयनित रक्षा रेडारों की डिज़ाइन, विकास, विपणन, आपूर्ति और समर्थन।

जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड (जीईबीईएल)
(जे.वी. - 26% शेयरधारण)
मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स के पुर्जे और एक्स-रे ट्यूबों का निर्माण

डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन (डीआईओ)
(50% शेयरधारण)
रक्षा क्षेत्र में नवोन्मेष का वित्त-पोषण करने वाली 'अलाभार्थ' कंपनी

मेक इन इंडिया की मुख्य योगदानकर्ता

निजी सहभागिता को प्रोत्साहन

- भारतीय संस्थानों से अधिक खरीद और बाह्यस्रोतण।
- नियुक्त नोडल अधिकारियों के साथ बाह्यस्रोतण और पूर्तिकर्ता विकास नीति।
- लागत अनुलाभ प्राप्त करने और निजी क्षेत्र की सक्षमताओं का लाभ लेने के लिए बाह्यस्रोतण।

सहयोगात्मक आर एंड डी और स्वदेशीकरण

- आर एंड डी और उत्पाद डिज़ाइन प्रयासों को बढ़ाने के लिए कंपनियों, संस्थानों, शैक्षिक संस्थानों और विशेषज्ञों / सलाहकारों के साथ सहयोग बढ़ाना।
- स्वदेशीकरण करने की मदों की पहचान।

परीक्षण सेवाएं

- निजी संस्थाओं और स्टार्ट-अप को सामग्री / उप-प्रणाली/ उपकरण परीक्षण की सुविधा।

एमएसएमई और स्टार्ट-अप से खरीद

- एमएसएमई के लिए 358 मदों को आरक्षित करते हुए उनके लिए सार्वजनिक खरीद नीति।
- वित्त वर्ष 2021-22 में 25% की अनिवार्यता के समक्ष कुल घरेलू खरीद का 31% एमएसई से।
- सरकारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए TReDS प्लेटफार्म, जेम, एमएसएमई संबंध और एमएसएमई समाधान पोर्टलों का उपयोग।
- स्टार्ट-अप से खरीदे गए रक्षा इलेक्ट्रॉनिक एप्लीकेशनों के लिए मशीन लर्निंग, सायबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एम्बेडेड कंप्यूटिंग और अन्य नवीनतम प्रौद्योगिकियां।

हमारी वैश्विक पहचान

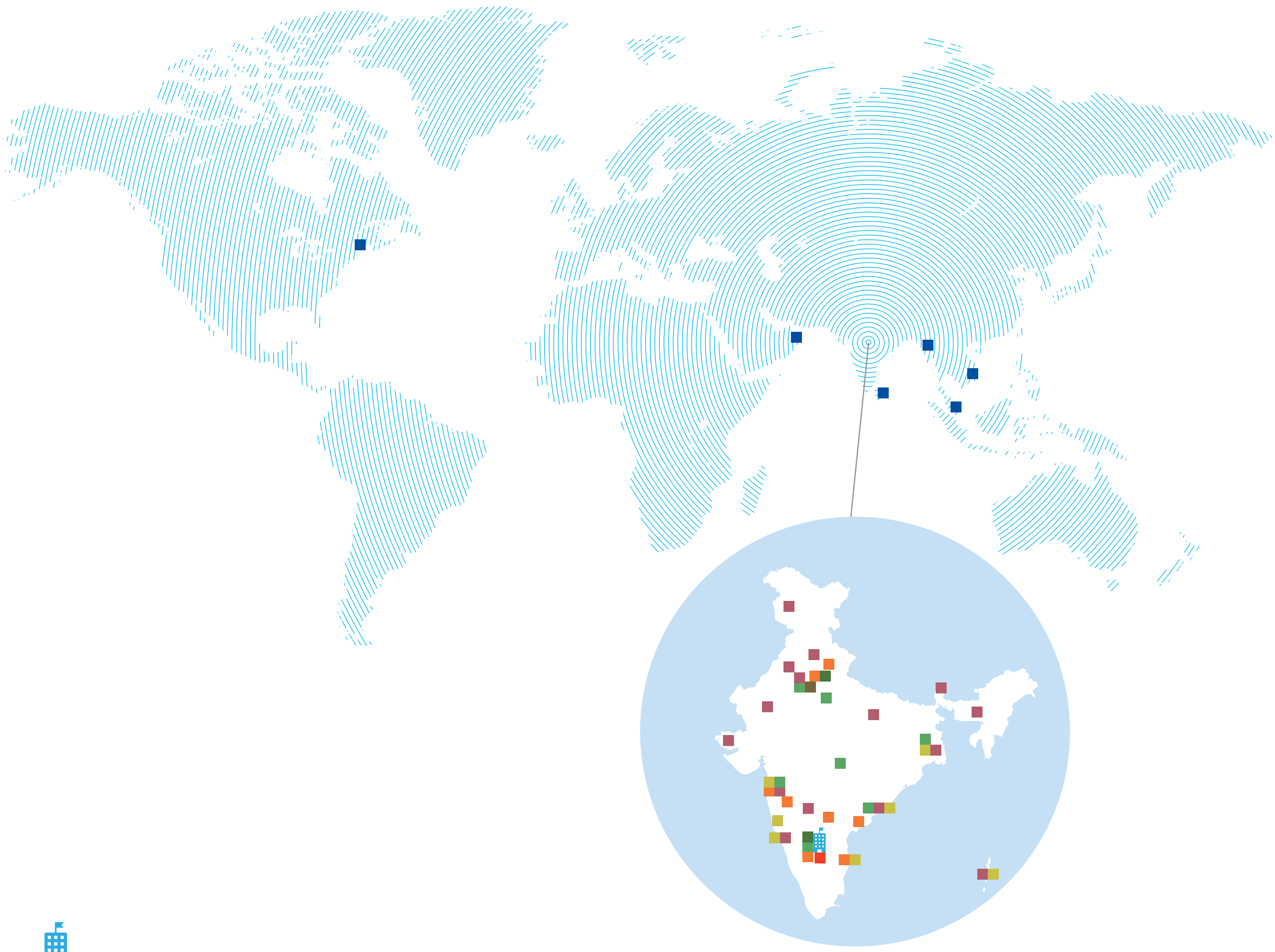

मुख्यालय

बेंगलूरु

निर्माणी यूनिटें

बेंगलूरु, गाज़ियाबाद, पुणे, मछिलिपट्टणम, पंचकूला, चेन्नै, कोटद्वार, हैदराबाद, नवी मुंबई

विदेश स्थित कार्यालय

यूएसए (न्यूयॉर्क), सिंगापूर, ओमान, श्रीलंका, वियतनाम, म्यांमार

विपणन कार्यालय

राष्ट्रीय विपणन - नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय विपणन - नई दिल्ली

सिविलियन विपणन - नई दिल्ली

क्षेत्रीय/संपर्क कार्यालय

बेंगलूरु, दिल्ली, मुंबई, विशाखापट्टणम, कोलकाता, नागपूर, आगरा

क्षेत्रीय उत्पाद समर्थन केंद्र (आरपीएससी)

दिल्ली, कोच्चि, गुवाहाटी, कोलकाता, पोर्ट ब्लेयर, मुंबई, विशाखापट्टणम, जम्मू, चंडीगढ़, इलाहाबाद, जोधपुर, सुलूर, भटिंडा, वडसार, बागडोगरा

केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाएं (सीआरएल)

बेंगलूरु, गाज़ियाबाद

वाटर फ्रंट सपोर्ट सेंटर (डबल्यूएफएससी)

चेन्नै, पोर्ट ब्लेयर, कोच्चि, कारवार, वैजाग, कोलकाता, मुंबई

उत्पाद विकास एवं नवोन्मेष केंद्र (पीडी एंड आईसी)

बेंगलूरु

हमारी गहन व विविधीकृत सक्षमताएं

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में, हमने भारतीय और अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में रक्षा और गैर-रक्षा दोनों खंडों में मज़बूत प्रतिस्पर्धी स्थिति तैयार की है। इस विविधीकरण से प्रचालन की स्थिरता सुनिश्चित होती है और दीर्घकाल में कार्यक्षेत्र बढ़ाने के अवसर मिलते हैं।

रक्षा

संक्षिप्त विवरण - हम भारतीय रक्षा बलों के लिए व्यापक श्रेणी के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, प्रणालियां और सेवाएं विकसित करते हैं। ये हमारी नौ यूनिटों में निर्मित किए जाते हैं जहां 24 रणनीतिक कारोबारी यूनिटें (एसबीयू) हैं।

उत्पाद की सक्षमताएं

रेडार और फायर कंट्रोल सिस्टम, शस्त्र प्रणालियां, संचार, नेटवर्क केंद्रित प्रणालियां (सी4आई), इलेक्ट्रॉनिक युद्धपद्धति प्रणालियां, वैमानिकी, पनडुब्बी-रोधी युद्धपद्धति प्रणालियां और सोनार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स, टैंक इलेक्ट्रॉनिक्स, गन अपग्रेड, रणनीतिक घटकों में हमारे पास गहन प्रक्षेत्र ज्ञान और प्रमुख सक्षमताएं हैं।

हमने हाल ही में हथियार और गोला-बारूद, सीकर और मिसाइल, नेटवर्क और सायबर सुरक्षा तथा मानवरहित प्रणालियों में विविधीकरण किया है।

वित्त वर्ष 2021-22 की झलकियां

- एलसीए तेजस लड़ाकू विमान के लिए हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से रु. 2,400 करोड़ का अब तक का सबसे बड़ा वैमानिकी आदेश प्राप्त किया
- भारतीय वायु सेना (आईएएफ) से अब तक का सबसे बड़ा ठेका प्राप्त किया - लड़ाकू विमान के लिए उन्नत इलेक्ट्रॉनिक युद्धपद्धति सुट के लिए रु. 1,993 करोड़ और इंस्ट्रुमेंटेड इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर रेंज (आईईडबल्यूआर) के लिए रु. 1,109 करोड़ का ठेका
- एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए (i) एसएफसी-एनर्जी-एजी (जर्मनी) और एफसी टेक-इंडिया (फ्यूल सेल) (ii) भारतीय थलसेना (रक्षा अनुप्रयोगों के लिए ए.आई. समाधान) और (iii) एआईएफ (रक्षा शस्त्र और सोनार, रेडार, आईएसीसीएस, अंतरिक्ष, सायबर, ईडबल्यू एंड ए, यूएएस और काउंटर यूएएस, आईटी)
- भारतीय नौसेना के साथ संयुक्त प्रौद्योगिकी इनक्यूबेशन फोरम (टीआईएफ) स्थापित

गैर-रक्षा

संक्षिप्त विवरण - हम चयनित एसबीयू के माध्यम से असैनिक बाज़ार के लिए उत्पाद और समाधान विकसित करते हैं। हमारे पास होमलैंड सुरक्षा और स्मार्ट सिटी (एचएस और एससी) कारोबार के लिए विशेष एसबीयू है और विकास के अधिक अवसरों के लिए बेंगलूरु यूनिट में मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स एवं समाधान हेतु विशेष संस्थापना है।

उत्पाद की सक्षमताएं

हमारे पास इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीन (ईवीएम) और वीवीपैट, एचएस एंड एससी, साप्टवेयर समाधान / सेवाएं, स्वास्थ्य देखभाल समाधान, नागरी विमानन और सोलार सेल / शक्ति संयंत्रों के मुख्य क्षेत्रों की सक्षमताएं हैं।

हमने रेलवे/मेट्रो/विमानपत्तन समाधान, अंतरिक्ष इलेक्ट्रॉनिक्स एवं प्रणालियां, विद्युत वाहन चार्जिंग की अवसंरचना, वैकल्पिक ऊर्जा के समाधान, सेक्योर संचार समाधान और साफ्टवेयर में भी विविधीकरण किया है।

वित्त वर्ष 2021-22 की झलकियां

- एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए (i) डीएमआरसी (मेट्रो के लिए सुपर एससीएडीए) (ii) बीपीएल मेडिकल टेक्नालाजीस (ऑक्सीजन कान्सेंट्रेटर के लिए) (iii) ड्रोनडेक कार्पोरेशन, यूएसए (स्मार्ट मेलबॉक्स के लिए) (iv) बॉश ग्लोबल साफ्टवेयर टेक्नालाजीस (ई-गवर्नेंस, ईआरपी और क्लाउट समाधान के लिए) (v) एएआई (एकीकृत एटीएम स्वचालन प्रणाली और उन्नत सतह संचलन गाइडेंस और कंट्रोल सिस्टम के लिए)
- **सर्वोत्तम निष्पादन** - एचएस एंड एससी परियोजनाएं, केरल फायबर ऑप्टिक नेटवर्क, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स आदि
- कॉम्पैक्ट इनडोर रोबोटिक विहाइकल और ऑक्सीजन कानसेंट्रेटर के नए उत्पाद सफलतापूर्वक विकसित किए।

हमारे उत्पादों और सेवाओं के बारे में अधिक जानकारी हमारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

मुख्य राजस्व स्रोत

उत्पादों की बिक्री से आय

रक्षा और गैर-रक्षा उत्पादों की बिक्री हमारे राजस्व का मुख्य स्रोत है। कारोबार के मौजूदा क्षेत्रों और विविधीकरण के नए क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों का लाभ लेने के लिए हम निर्माणी और आर एंड डी सुविधाओं के आधुनिकीकरण / सृजन और विपणन नेटवर्क में लगातार निवेश कर रहे हैं।

सेवाओं से आय

रक्षा / गैर-रक्षा की आवश्यकताओं में उत्पाद समर्थन आवश्यकताएं प्रदान करने के लिए हमारे पास अपने वैश्विक ग्राहकों के समीप समर्थन केंद्रों (आरपीएससी, डबल्यूएफएससी और संपर्क कार्यालय) का व्यापक नेटवर्क है। लगभग 300 सेवा इंजीनियरों और पर्याप्त पुर्जों के समर्थन से, वे रक्षा की जटिल प्रणालियों का समय पर अनुरक्षण करते हैं।

निर्यात

हम विदेशों और वैश्विक ओईएम को उत्पाद और प्रणालियों का निर्यात करते हैं। उनकी आवश्यकताओं के आधार पर, विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय के साथ वार्ता की जाती है। हमने वर्तमान और भावी ग्राहकों के साथ अच्छे संबंध स्थापित किए हैं और ऑफसेट के दायित्वों को पूरा करने के लिए ओईएम को मदद करने के अवसरों पर ध्यान दे रहे हैं। हम दुनिया भर के बाज़ारों में नागरी और चिकित्सा संबंधी उपकरणों के अवसरों का भी पता लगा रहे हैं।

वित्त वर्ष 2021-22 की झलकियां

- **कीन्या, चिली, सूरीनाम, मलेशिया, नेपाल और बांग्लादेश में नए स्थानीय साझेदारों के साथ सहयोग**
- **जी2जी और सरकारी निविदा के अवसरों का अनुसरण**
- **ओईएम के साथ वैश्विक आपूर्ति कड़ी साझेदारों का पैनल तैयार करते हुए संविदा निर्माण पोर्टफोलियो बढ़ाया**
- **साफ्टवेयर सक्षमताओं और ए.आई. पर आधारित टर्नकी समाधान अवसरों का पता लगाया**
- **भारतीय प्लेटफार्म निर्माताओं के साथ रणनीतिक सहयोग और देश में एक मज़बूत समर्थन तैयार करने के लिए करार पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया शुरु की**
- **वैश्विक बाज़ारों की ज़रूरतें पूरी करने के लिए विदेशी ओईएम के सथ रणनीतिक गठबंधन प्रस्तावित**

कुल कारोबार के अलग-अलग आंकड़े

ग्राहक प्रकार द्वारा

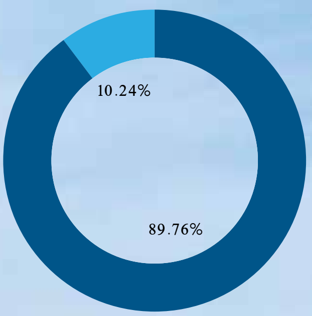

रक्षा
₹ 13,504 करोड़

गैर रक्षा
₹ 1,540 करोड़

स्रोत द्वारा

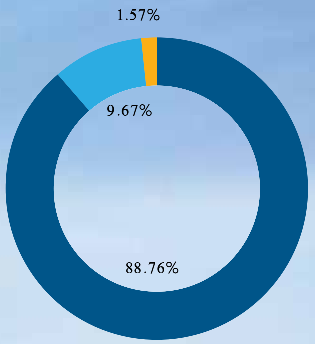

उत्पादों की बिक्री
₹ 13,353 करोड़

सेवाएं
₹ 1,455 करोड़

निर्यात
₹ 236 करोड़

वर्ष की प्रमुख घटनाएं

वित्त वर्ष 2021-22 भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के लिए रोमांचक वर्ष रहा और हमने अनेक चुनौतीपूर्ण परियोजनाएं पूरी की और निर्यात सहित अनेक प्रतिष्ठित परियोजनाएं प्राप्त की जो हमारी वैश्विक मौजूदगी को मज़बूत करेंगे।

क्रिटिकल टू कस्टमर (सीटीसी) परियोजनाओं का सफल निष्पादन

- रक्षा बलों के लिए मिसाइल, नियंत्रण व चौकसी प्रणालियां
- सी4आई प्रणाली
- एएफनेट निष्पादन / सुरक्षा वर्धन तथा सैटकॉम नेटवर्क
- एकीकृत पेरीमीटर सेक्योरिटी सिस्टम
- वाहन आधारित शेल्टर नेटवर्क (सम्युक्ता)
- इलेक्ट्रॉनिक युद्धपद्धति सुट
- केरल फायबर ऑप्टिक नेटवर्क
- प्रगत / एकीकृत संचार प्रणाली
- तोपखाना समाघात कमान व नियंत्रण प्रणालियां
- संचार प्रणालियां

प्रतिष्ठित आदेश प्राप्त

- प्रतिष्ठित सी 295 एयरक्रॉफ्ट प्रोग्राम के तहत रेडार चेतावनी रिसीवर (आरडबल्यूआर) और मिसाइल एप्रोच वार्निंग सिस्टम (एमएडबल्यूएस) के निर्माण व आपूर्ति के लिए एयरबस डिफेंस एंड स्पेस से यूएसडी 93.15 मिलियन का अब तक का सबसे बड़ा निर्यात आदेश
- एलसीए तेजस लड़ाकू विमान प्रोग्राम के लिए 20 प्रकार के महत्वपूर्ण वायुवाहित इलेक्ट्रॉनिक सिस्टमों के निर्माण व आपूर्ति के लिए एचएएल से ₹ 2,400 करोड़ मूल्य का अब तक का सबसे बड़ा वैमानिकी आदेश
- भारतीय वायु सेना के लिए रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से आदेश
  - इंस्ट्रुमेंटेड इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर रेंज (आईईडबल्यूआर) के लिए ₹ 1,109 करोड़ का आदेश
  - लड़ाकू विमान के लिए उन्नत इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर (ईडबल्यू) की आपूर्ति के लिए रु. 1,993 करोड़ का आदेश

कोविड-19 और सेमी कंडक्टर की कमी की चुनौतियों के बावजूद रिकार्ड वित्तीय निष्पादन

- ₹ 15,044 करोड़ का अब तक का सर्वोच्च कुल कारोबार
- ₹ 19,016 करोड़ की नई आदेश बुकिंग के साथ 1 अप्रैल, 2022 को ₹ 57,570 करोड़ की अब तक की सर्वोच्च आदेश बही

सुविधाएं तैयार करने के लिए ₹ 565 करोड़ के कैपेक्स की प्रतिबद्धता

- एलआरसैम के लिए अवसंरचना और परीक्षण सुविधाएं
- आकाश मिसाइल प्रणालियों की सुविधाओं में बढ़ोत्तरी
- वर्चुअल डेस्कटॉप इंफ्रास्ट्रक्चर (वीडीआई)
- क्षेत्रीय उत्पाद समर्थन केंद्र

बीईएल को लगातार दूसरे वर्ष पीएसयू वर्ग ('ग' क्षेत्र) में 'राजभाषा कीर्ति' पुरस्कार (द्वितीय) प्रदान किया गया। 14 सितंबर, 2021 को हिंदी दिवस के अवसर पर विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित वार्षिक पुरस्कार समारोह में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री अजय कुमार मिश्रा और श्री निशिथ प्रामाणिक द्वारा बीईएल की ओर से ये पुरस्कार श्रीमती आनंदी रामलिंगम, सीएमडी ने ग्रहण किया।

प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते

- कार्पोरेट उत्कृष्टता के लिए बिज़नस स्टैंडर्ड के वार्षिक पुरस्कार - स्टार पीएसयू ऑफ दि ईयर 2021
- पीएसयू वर्ग में सीआईआई सीएफओ ऑफ दि ईयर पुरस्कार तथा ग्रीनटेक कार्पोरेट गवर्नेंस प्रोफेशनल ऑफ दि ईयर पुरस्कार
- लगातार दूसरी बार 'राजभाषा कीर्ति' पुरस्कार और 'राजभाषा गौरव' पुरस्कार
- आईईआई उद्योग उत्कृष्टता का पुरस्कार
- साफ्टवेयर के विकास में निष्पादन हेतु आईईटीई का कार्पोरेट पुरस्कार (2021)
- गोल्डन स्टार आउटस्टैंडिंग आर एंड डी लीडरशिप पुरस्कार
- राष्ट्र निर्माण, मानव संसाधन उत्कृष्टता और डिज़िटल सुरक्षा के लिए गवर्नेंस नाऊ के पुरस्कार
- ग्रीनटेक एनर्जी कंज़र्वेशन पुरस्कार 2021
- मैन्युफैक्चरिंग टुडे द्वारा 'मैन्युफैक्चरिंग कंपनी ऑफ दि ईयर पुरस्कार' और 'वुमेन मैन्युफैक्चरर ऑफ दि ईयर पुरस्कार'
- मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा पीएसयू उत्कृष्टता पुरस्कार 2022
- स्वच्छता पखवाड़ा पुरस्कार 2020
- मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा कम्यूनिकेटर ऑफ दि ईयर पुरस्कार
- 'कार्पोरेट सामाजिक दायित्व' के लिए आईसीसी पीएसई उत्कृष्टता पुरस्कार

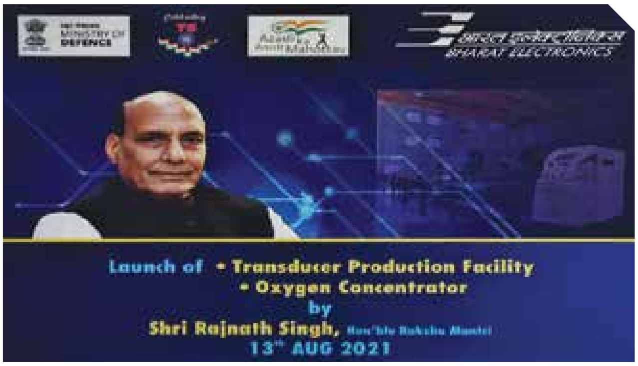

माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 13 अगस्त, 2021 को पी एम केयर्स पहल के तहत बीईएल द्वारा निर्मित ऑक्सीजन कानसेंट्रेटर का वीडियो कॉनफ्रेंसिंग द्वारा उद्घाटन किया।

16 दिसंबर, 2021 को बेंगलूरु में आयोजित पुरस्कार समारोह में पीएसयू वर्ग में प्रतिष्ठित सीआईआई सीएफओ ऑफ दि ईयर का पुरस्कार श्री दिनेश कुमार बत्रा, निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ ने श्री टी वी मोहनदास पै, अध्यक्ष, मणिपाल ग्लोबल एजुकेशन सर्विसेस से ग्रहण किया।

अध्यक्ष का पत्र

प्रिय शेयरधारक,

इस पत्र के माध्यम से मुझे पिछले वर्ष के दौरान हमारी उपलब्धियों और वित्तीय झलकियों को प्रस्तुत करते हुए बड़ी खुशी हो रही है।

वित्त वर्ष 2021-22 की शुरुआत कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के आक्रमण की चुनौती से हुई जिससे जान-माल की हानि हुई। अनेक देशों द्वारा कारोबारी गतिविधियों में इस नई लहर और अवरोधों का सामना करते हुए इस वर्ष में वैश्विक आपूर्ति कड़ी में प्रमुख सामानों की उपलब्धता और कीमतों को प्रभावित करते हुए अत्यधिक बाधा देखने को मिली।

अत्यधिक चुनौतियों के बावजूद आपकी कंपनी आप सभी के समर्थन से समुचित आपूर्ति करने में और मज़बूत बनकर उभरने में सफल रही। हमने व्यापक वृद्धि दर्ज की और अनु. व वि., गुणता, प्रौद्योगिकी व अवसंरचना के आधुनिकीकरण, प्रचालनों में संधारणीयता और उत्कृष्टता पर ज़ोर देना जारी रखा। आपको बताते हुए मुझे खुशी हो रही है कि 31 मार्च 2022 को बीईएल ने ₹ 51,375 करोड़ का बाज़ार पूंजीकरण हासिल किया और शेयरधारकों को समुचित प्रतिफल प्रदान करने के अपने प्रयासों को जारी रखा। लेकिन इससे अधिक महत्वपूर्ण, हमें इस बात का गर्व है कि हम दूसरी लहर के दौरान आईसीयू श्रेणी के वेन्टीलेटरों और ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटरों की सुपुर्दगी करते हुए देश की मदद कर सके।

मैं इस अवसर पर पिछले वर्ष के कार्य-निष्पादन की प्रमुख बातें और कंपनी की भावी दृष्टि आपके साथ साझा करना चाहूंगी।

वर्ष के रिकार्ड कार्य-निष्पादन

वित्त वर्ष 2021-22 में आपकी कंपनी ने ₹ 15,043.67 करोड़ का कुल कारोबार हासिल किया जो वित्त वर्ष 2020-21 में ₹ 13,818.16 करोड़ था और इस प्रकार 8.87% की प्रगति दर्ज की। हमारी सभी नौ यूनिटों का कार्य-निष्पादन अच्छा रहा।

बीईएल ने यूएसडी 33.3 मिलियन की निर्यात बिक्री की और यूएसए, फ्रांस, चीन, जर्मनी, स्विट्ज़रलैंड, आसियान, मॉरीशस, अर्मेनिया गणतंत्र, श्रीलंका, स्वीडन और इज़रिल जैसे देशों को निर्यात किया। निर्यात किए गए प्रमुख उत्पादों / प्रणालियों में तटीय रेडार प्रणाली, संचार उपकरण, डेटा लिंक, रेडार फिंगर प्रिंटिंग प्रणाली, टीआर मॉड्यूल, लो बैंड रिसीवर एलआरयू, यांत्रिक पुर्जे (संविदा विनिर्माण सेवाएं), रेडार स्टेशन स्थलों में सोलार हाइब्रिड शक्ति संयंत्र, ईओएस, केबल लूम, रेडार के पुर्जे, मिसाइल प्रणालियों की उप-असेंबली, शेल्टर के पुर्जे, पीसीबी असेंबली आदि शामिल हैं।

कर पश्चात लाभ वित्त वर्ष 2020-21 के ₹ 2,065.42 करोड़ के मुकाबले 13.73% बढ़कर वित्त वर्ष 2021-22 में ₹ 2,348.93 करोड़ हुआ। हमारी निवल मालियत पिछले वर्ष के ₹ 10,807.89 करोड़ के मुकाबले अब ₹ 11,984.26 करोड़ होकर अधिक मज़बूत हुई है। प्रति कर्मचारी आवर्त वित्त वर्ष 2020-21 में ₹ 1.51 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2021-22 में ₹ 1.70 करोड़ हुआ।

आदेश प्राप्त करने की दृष्टि से भी वित्त वर्ष 2021-22 असाधारण वर्ष रहा। 1 अप्रैल 2022 को ₹ 57,570 करोड़ की संविदाएं प्राप्त करते हुए हमारे आदेश बही की स्थिति और सशक्त हुई है। हमें लगभग ₹ 19,016 करोड़ मूल्य के नए आदेश प्राप्त हुए हैं। प्राप्त कुछेक नए आदेशों में एलसीए के लिए एवियानिक्स पैकेज, लड़ाकू विमान के लिए प्रगत ईडबल्यू सुट, इंस्ट्रुमेंटेड इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर रेंज (आईईडबल्यूआर), सीडीआर टीआई सह डे-लाइट साइट, धनुष गन अपग्रेड, नयन ईडबल्यू प्रणालियां, डबल्यूएलआर (माउंटेन), इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीन और वीवीपैट आदि शामिल हैं। यह आपकी कंपनी के लिए गर्व का क्षण है जब इसे सी-295 एयरक्राफ्ट के लिए एमएडबल्यूएस एवं आरडबल्यूआर के निर्माण व आपूर्ति के लिए एयरबस डिफेंस एंड स्पेस (यूएसए) से अब तक का सर्वोच्च निर्यात आदेश प्राप्त हुआ। हमें आगामी 2-3 वर्षों में अच्छे आदेश प्राप्त होने की आशा है।

रक्षा कंपनी का मुख्य आधार होने के कारण, बिक्री राजस्व में वित्त वर्ष 2020-21 में 78% के समक्ष वित्त वर्ष 2021-22 में

90%

योगदान दिया है।

वित्त वर्ष 2021-22 में आपकी कंपनी ने ₹ 15,043.67 करोड़ का कुल कारोबार हासिल किया जो वित्त वर्ष 2020-21 में ₹ 13,818.16 करोड़ था और इस प्रकार 8.87% की प्रगति दर्ज की। हमारी सभी नौ यूनिटों का कार्य-निष्पादन अच्छा रहा।

अनु. व वि. तथा बौद्धिक संपत्ति का प्रवर्धन

बीईएल में, हम ग्राहकों को अलग-अलग प्रकार के उत्पादों और समाधान प्रस्तुत करने तथा अपने सभी उत्पादों / प्रणालियों में स्वदेशीकरण की मात्रा बढ़ाने और मूल्य वर्धन करने की अपनी प्रतिबद्धता की ओर प्रगति करने के लिए उन्नत और प्रतिस्पर्धी प्रौद्योगिकियों में लगातार निवेश करते आ रहे हैं। वर्ष के दौरान कुल कारोबार के प्रतिशत के रूप में अनु. व वि. में हमारा कुल निवेश 6.95% था। स्वदेशी विकास के लिए हमारे निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप हम स्वदेशी उत्पादों से अपने कुल कारोबार का 78% हिस्सा प्राप्त कर सके। विदेशी ओईएम से टीओटी के माध्यम से निर्मित उत्पादों से जनित राजस्व 22% है। मुख्य कारोबार रक्षा क्षेत्र होने के कारण कंपनी ने 2021-22 में 90% बिक्री राजस्व रक्षा क्षेत्र से हासिल किया जो 2020-21 में 78% था जबकि शेष 10% गैर-रक्षा खंड से प्राप्त हुआ।

आपकी कंपनी ग्राहकों के लिए नवोन्मेषी और गुणतायुक्त उत्पाद लगातार विकसित करने में हमेशा अग्रणी रही है। वित्त वर्ष 2021-22 में शुरु किए गए कुछ प्रमुख उत्पादों / प्रणालियों में एसडीआर के परिवर्त, शिप (लिंक2-एमओडी3) के लिए डेटा लिंक सिस्टम का वर्धित वर्शन, वीएसहोराड के सेन्सर, एमआरसैम के लिए आईएफएफ मार्क XII, नेवीगेशनल कॉम्पलेक्स सिस्टम, हेलीना / नाग / प्रोस्पिना के लिए आईआईआर सीकर, टी-90 के

लिए गनर टीआई साइट, डिजि़टल कैमेरा के साथ स्पॉटर स्कोप, लगातार ज़ूम लैन्स 20-860 mm, ईओ के लिए इमेज स्टेबिलाइज़र, मल्टी-फंक्शन रेडार - वीएलएसआरसैम, वेपन कंट्रोल (पी15बी) के लिए इलेक्ट्रिकल पावर सिस्टम (ईपीएस), हैंड हेल्ड लेज़र डैज़लर, 1135.6 के लिए एसीसीएस/एसवीएल के लिए एसीसीएस शामिल हैं।

अपनी बौद्धिक संपत्ति को सशक्त बनाने के संदर्भ में भी वित्त वर्ष 2021-22 रोमांचक रहा और हमने एम्बेडेड सिस्टम, इलेक्ट्रो ऑप्टिक्स, साफ्टवेयर, संचार, रेडार, नेटवर्क और संचार आदि के क्षेत्रों में 137 आईपीआर (65 पेटेंट सहित) दाखिल किए। हमें 11 पेटेंट प्रदान किए गए और इस तरह पेटेंक की कुल संख्या 24 हुई। वर्ष के दौरान, बीईएल के वैज्ञानिकों और अनु. व वि. अभियंताओं द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों / संगोष्ठियों / सम्मेलनों में 51 तकनीकी पत्र प्रकाशित किए गए।

क्षमताओं और सक्षमताओं का समर्थन

आपकी कंपनी भविष्य निर्माण पर गहन ध्यान देना जारी रखे हुए है। हमने एलआरसैम की अवसंरचना और परीक्षण सुविधाएं तैयार करने और आकाश मिसाइल प्रणाली सुविधा बढ़ाने में निवेश किया है। सैन्य संचार प्रणाली, इलेक्ट्रो ऑप्टिक्स एवं लेज़र तथा रेडार और शस्त्र प्रणालियों के लिए तीन उत्कृष्टता केंद्र बनाए गए।

हमने सहयोगात्मक अनु. व वि. के लिए 303 साझेदारों का पैनल भी तैयार किया है जिसमें अनु. व वि. के 40 साझेदार, 192 डिज़ाइन सेवा प्रदाता, 38 सलाहकार और 39 उत्पादन सेवा प्रदाता शामिल किए गए हैं। हमें अपने उत्पादों के लिए 19 एएस9100 डी मानक प्रमाणीकरण और पांच ग्रीन चैनल प्रमाणीकरण भी प्राप्त हुए हैं।

अनेक पुरस्कार

आपको जानकर खुशी होगी कि आपकी कंपनी के संधारणीय प्रयासों से इसे कार्पोरेट उत्कृष्टता, गवर्नेंस, अनु. व वि., साफ्टवेयर विकास और संधारणीयता के क्षेत्रों में अनेक मंचों से पुरस्कार प्रदान किए गए हैं।

इनमें उल्लेखनीय हैं -

- कार्पोरेट उत्कृष्टता के लिए बिज़नस स्टैंडर्ड पुरस्कार - स्टार पीएसयू ऑफ दि ईयर 2021
- पीएसयू वर्ग में सीआईआई सीएफओ ऑफ दि ईयर का पुरस्कार और ग्रीनटेक कार्पोरेट गवर्नेंस प्रोफेशनल ऑफ दि ईयर का पुरस्कार
- बीईएल के सीएमड को 2021 के लिए "सी वी रामन महिला विज्ञान" पुरस्कार और पीआरसीआई का चाणक्य पुरस्कार
- लगातार दूसरे वर्ष 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' और राजभाषा गौरव पुरस्कार

137 आईपीआर

के लिए दाखिल आवेदन

- आईईआई उद्योग उत्कृष्टता पुरस्कार
- साफ्टवेयर विकास में निष्पादन के लिए आईईटीई कार्पोरेट पुरस्कार (2021)
- गोल्डन स्टार उत्कृष्ट आर एंड डी लीडरशिप पुरस्कार
- राष्ट्र निर्माण, एच.आर. उत्कृष्टता और डिजि़टल सुरक्षा के लिए गवर्नेंस नाऊ के पुरस्कार
- ग्रीनटेक एनर्जी कंज़र्वेशन पुरस्कार 2021
- मैन्युफैक्चरिंग टुडे द्वारा 'मैन्युफैक्चरिंग कंपनी ऑफ दि ईयर पुरस्कार' और 'वुमन मैन्युफैक्चरर ऑफ दि ईयर पुरस्कार'
- मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा पीएसयू उत्कृष्टता पुरस्कार 2022 और कम्यूनिकेटर ऑफ दि ईयर पुरस्कार
- स्वच्छता पखवाड़ा पुरस्कार 2020

मुझे पूरा विश्वास है कि आगामी वर्षों में आपकी कंपनी नए कीर्तिमान स्थापित करना जारी रखेगी और ऐसे अनेक पुरस्कार प्राप्त करेगी।

भावी दृष्टि

यदि हम बीईएल के भविष्य की ओर देखें तो चुनौतियों के साथ-साथ हमें अनेक आशाजनक अवसर दिखते हैं।

निर्माण के क्षेत्र में आत्म निर्भरता के प्रति 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पर सरकार के ज़ोर दिए जाने से आयात प्रतिस्थापन और रक्षा उपकरणों के लिए नवोन्मेषी स्वदेशी समाधान बढ़ाने के लिए प्रचुर अवसर प्राप्त हो रहे हैं। इसके लिए, सरकार ने रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया 2020 (डीएपी 2020) में संशोधन भी जारी किया है जिसमें निर्माण प्रक्रियाओं, डिज़ाइन और विकास तथा रणनीतिक साझेदारी द्वारा स्वदेशीकरण और नवोन्मेष सुकर बनाने का प्रावधान किया गया है। इसे निजी सहभागिता के लिए भी खोले जाने की संभावना है।

अनेक सक्षमताओं और मज़बूत अनु. व वि. सक्षमताओं के विद्यमान होने से बीईएल रक्षा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी है। हमने डीएपी 2020 के तहत अनेक 'मेक-II' परियोजनाओं पर पहले ही कार्य करना शुरु कर दिया है और इनमें सहभागिता बढ़ाने का लक्ष्य तय किया है। हम उप-प्रणालियों, प्रणालियों और सेवाओं के स्वदेशी विकास में प्रगति करने भी ज़ोर दे रहे हैं जिनके लिए क्षमताएं और सक्षमताएं तैयार की जा रही हैं। इनमें अवसंरचना निर्माण और आधुनिकीकरण, कौशल विकास में निवेश करना और भारतीय उद्योगों, विशेषकर एमएसएमी को बाह्यस्रोतण करना शामिल हैं।

इसके अलावा, बढ़ी हुई निजी प्रतिभागिता को देखते हुए, हम एक भरोसेमंद और प्रतिबद्ध साझेदार के रूप में दीर्घकालीन संबंध स्थापित करने के लिए भारतीय रक्षा उद्योग में मुख्य पणधारकों के साथ विभिन्न स्तरों में वर्धित वार्ताएं कर रहे हैं। हम उभरती प्रौद्योगिकियों में नए उत्पाद और प्रणालियां विकसित करने के लिए डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं, अनुसंधान व प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों और अग्रणी प्रौद्योगिकी संस्थानों के साथ भी कार्य करेंगे।

अपने गैर-रक्षा कारोबार में, हम अपनी विद्यमान सक्षमताओं को बढ़ाना जारी रखे हुए हैं।

इनके अलावा, हम मौजूदा और नए भूभागों में नए ग्राहकों का पता लगाते हुए अपने कारोबार को बढ़ाने के अवसरों का लगातार पता लगा रहे हैं। इसके लिए ओपेक्स, सर्विस मॉडल और सरकार-स्वामित्व कंपनी प्रचालित (जीओसीओ) जैसे नए कारोबारी मॉडलों का पता लगाया जा रहा है। निर्यात पर अधिक ज़ोर देने के लिए, हम अपने विपणन कार्यालयों का नेटवर्क बढ़ाने की योजना बना रहे हैं जो वर्तमान में छह देशों में स्थित हैं। ग्राहकों के साथ लगातार बातचीत करते हुए और अन्य भारतीय कंपनियों तथा स्थानीय साझेदारों के साथ सहयोग करते हुए दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य-पूर्व देशों, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में कारोबारी अवसर बढ़ाने का लक्ष्य है।

कुल मिलाकर, हम रणनीतिक इलेक्ट्रॉनिक्स में नेतृत्व की स्थिति बनाए रखना चाहते हैं। हमने प्रतिस्पर्धा से सफलतापूर्वक निपटने और प्रौद्योगिकी तीक्ष्णता बनाए रखने की रणनीतियां तैयार की हैं और संबंधित कार्रवाई की है। नवीनतम प्रौद्योगिकियों के साथ गति बनाए रखते हुए और किफायती तथा नवोन्मेषी समाधान पर ज़ोर देते हुए ग्राहकों की बदलती ज़रूरतें पूरा करते हुए ऐसा करना चाहते हैं। भावी उत्पादों, प्रौद्योगिकी के नए क्षेत्रों, आईपीआर सृजन और मुख्य प्रौद्योगिकियों को अर्जित करने की योजना तैयार की गई है।

वित्त वर्ष 2022-23 में, हमने रक्षा और गैर-रक्षा दोनों कारोबार से 12-15% की बेहतर प्रगति का लक्ष्य तय किया है। हमारे पास अनेक प्रतिष्ठित आदेश हैं जिनका निष्पादन हम निपुणता और समय पर करने पर ध्यान देंगे। एक ओर जहां अनेक अवसर हैं, वहीं हम भू-राजनीतिक परिस्थितियों, उभरती नई प्रौद्योगिकियों, बदलती नीतियों और विनियामक परिस्थितियों, प्रतिस्पर्धा और ग्राहकों की बढ़ती अपेक्षाओं के कारण चुनौतियों की भी प्रत्याशा करते हैं। इसके लिए हम चौकन्ने बने रहेंगे और आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस (ईएसजी) पर ध्यान केंद्रण

ईएसजी ऐसा क्षेत्र है जिसे जिम्मेदार संगठन की स्थिरता के संसूचक के रूप में पूरी दुनिया में महत्ता दी जा रही है। बीईएल में, हम लंबे समय से इन क्षेत्रों में अपेक्षित कार्य करते आ रहे हैं और इन्हें बढ़ाना चाहते हैं।

हमारी समुदाय विकास पहल के रूप में, हम स्वास्थ्य देखभाल, पोषण, पर्यावरणीय संधारणीयता, शिक्षा और व्यावसायिक कौशल विकास के क्षेत्रों में ध्यान दे रहे हैं। वित्त वर्ष 2021-22 में, इन पहलों में कुल ₹ 30.73 करोड़ का खर्च किया गया। मेडिकल ऑक्सीजन जनरेशन संयंत्र की स्थापना और दूरस्थ सरकारी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी सुविधाएं बढ़ाने जैसे विषयगत कार्य करते हुए हमने कोविड-19 के विरुद्ध देश की लड़ाई का पूरी मेहनत के साथ समर्थन किया।

आपकी कंपनी को मूल्य और सिद्धांतों के सर्वोच्च मानक लगातार अपनाने और उन्हें बनाए रखने पर गर्व करती है। आपकी कंपनी को वित्त वर्ष 2021-22 में सी एंड एजी से 'शून्य' टिप्पणी का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। कार्पोरेट गवर्नेंस के दिशा-निर्देशों के अनुपालन पर एक विस्तृत रिपोर्ट मंडल की रिपोर्ट में पढ़ी जा सकती है।

संधारणीय संचालन के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, मुझे आपको बताते हुए खुशी होती है कि हमने कैप्टिव खपत और विभिन्न इमारतों की छत पर ग्रिड कनेक्टेड सौर शक्ति संयंत्रों के लिए कर्नाटक के दावणगेरे और हासन में पवन शक्ति संयंत्र स्थापित किए हैं। इससे 26,205.46 मीट्रिक टन के समतुल्य कार्बन ऑक्साइड की कटौती हुई है। बीईएल में, संधारणीयता के प्रयास नैतिक आचरण करने और आर्थिक विकास के प्रति योगदान देने और अपने सभी पणधारकों की जीवन शैली में सुधार लाने की हमारी प्रतिबद्धता में शामिल हैं। हरित भविष्य तैयार करने के लिए पुनर्चक्रण, पुनर्प्रयोग और कटौती के सिद्धांतों का भी पालन जारी रहेगा।

अभिस्वीकृति

इस चुनौतीपूर्ण समय में अपना अथक समर्थन और मार्गदर्शन देने के लिए मैं निदेशक मंडल, प्रबंध समिति के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करती हूं। रक्षा मंत्रालय और रक्षा सेवाएं लगातार अपना बहुमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन देते आ रहे हैं और हम पर अपना विश्वास जताते आ रहे हैं। मैं अपने शेयरधारकों, सम्मानित ग्राहकों और कारोबारी सहयोगियों की सराहना करती हूं जिन्होंने हमें उनका विश्वास जीतने का अवसर दिया।

हमारे कर्मचारियों और अधिकारियों का समर्पण और सहनशीलता हमारी बड़ी ताकत है जो हमें ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के समाधान प्रस्तुत करने में मदद करती है। हम नई पहल करने और भावी चुनौतियों का सामना करने तथा आगामी वर्षों में लाभप्रद विकास जारी रखने के लिए इस ताकत को और बढ़ाएंगे।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को आपके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीया,

श्रीमती आनंदी रामलिंगम
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)

बेंगलूरु
28 जुलाई 2022

निदेशक मंडल

(यथा 25 जुलाई 2022)

कार्यकारी / पूर्णकालिक निदेशक

श्रीमती आनंदी रामलिंगम
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)
निदेशक (विपणन)
निदेशक (एचआर) (अतिरिक्त प्रभार)

श्री विनय कुमार कत्याल
निदेशक
(बेंगलूरु कॉम्प्लेक्स)

श्री दिनेश कुमार बत्रा
निदेशक
(वित्त) एवं सीएफओ

श्री राजशेखर एम वी
निदेशक
(अनुसंधान व विकास)

श्री भानु प्रकाश श्रीवास्तव
निदेशक (अन्य यूनिटें)

सरकार नामित निदेशक

श्री अनुराग बाजपेई
संयुक्त सचिव (पी एंड सी),
रक्षा मंत्रालय

डॉ बिनॉय कुमार दास
डीजी (ईसीएस), डीआरडीओ

स्वतंत्र निदेशक

डॉ. पार्थसारथी पी वी

श्री मनसुखभाई एस खचारिया

डॉ. संतोषकुमार एन

श्री प्रफुल्ल कुमार चौधुरी

डॉ. शिवनाथ यादव

श्री गोकुलन बंगकंडी

श्रीमती श्यामा सिंह

श्री एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

मंडल का संगठन

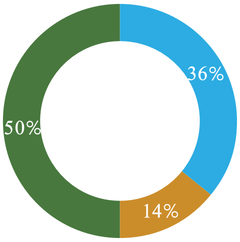

निदेशकों के प्रोफाइल https://bel-india.in/Leadership.aspx?MId=3&CId=1&LId=1&link=0 पर देखे जा सकते हैं।

वरिष्ठ प्रबंधन

(यथा 25 जुलाई 2022)

श्री श्रीकांत वालगद, भा.प्र.से.
मुख्य सतर्कता अधिकारी

श्री मनोज कुमार
ईडी (एनएम) - दिल्ली

श्री जयदीप मजूमदार
ईडी (एनसीएस)-गा.बाद और यू.प्र.

श्री जगदीश चंद
जीएम (रेडार) - गा.बाद

श्री विक्रमन एन
जीएम (एचआर) - सीओ

श्री मनोज जैन
जीएम (ईडबल्यू एंड ए) - बेंगलूरु

श्री शेखर आर एल
जीएम (एससी एंड यूएस) - बेंगलूरु

श्री अनिल पंत
जीएम (आईएम) - दिल्ली

श्रीमती दुर्गा जी के
जीएम (सॉफ्टवेयर) - बेंगलूरु

श्री शंकरसुब्रमणियन आर
जीएम (एमएस) - बेंगलूरु

श्री पुगलेंति आर
जीएम (एचएलएस एंड एससीबी) - बेंगलूरु

श्री लोयोला पेड्रो विएनी जी
जीएम-चेन्नै

श्री सुरेश कुमार के वी
जीएम (पीडी एंड आईसी)

श्रीमती प्रभा गोयल
जीएम-पंचकूला

श्री मुरली वी
जीएम (वित्त) - बेंगलूरु

श्री प्रभाकर राव बी
जीएम-मचिलिपट्नम

श्री रुधिरामूर्ति ए
जीएम - नवी मुंबई

श्रीमती एन्सी जेम्स
जीएम (ईएम) - बेंगलूरु

श्री अनूप कुमार राय
सीएस (सीआरएल) - गा.बाद

श्री उमेश के एस
जीएम (एडीएसएन) - बेंगलूरु

श्री नरेश कुमार एस
जीएम (कंपो.) - बेंगलूरु

श्री रामन आर
जीएम (आईए) - सीओ

श्री संपतकुमार पी
सीटीओ (संचार) - सीओ

श्री मोहन आर पी
जीएम (एचआर) - बेंगलूरु

श्री पाहुजा बी पी
जी एम (ईएस) - बेंगलूरु

श्री रामकृष्णन एल
सीएस (सीआरएल) - बेंगलूरु

श्रीमती रश्मि कथूरिया
जीएम (एससीसीएस) - गा.बाद

श्री सूर्यनारायण मूर्ति जी
जीएम-पुणे

श्री विश्वेश्वर पुच्चा
जीएम-कोटद्वार

श्री नंद कुमार टीडी
जीएम (एनएस/एस एंड सीएस)-बेंगलूरु

श्री श्रीनिवास के
जीएम- हैदराबाद

श्री दामोदर भट्टड एस
जीएम (वित्त)-सीओ

श्री राजेंद्र ऐवाले
जीएम (मिलकॉम) - बेंगलूरु

श्री हरि कुमार आर
जीएम (टीपी) - सीओ

श्रीमती सरला बी
सीटीओ (आर एंड डबल्यूएस) - सीओ

लेखा परीक्षक

सांविधिक लेखा परीक्षक
मेसर्स गुरु एंड जना,
सनदी लेखाकार,
बेंगलूरु

शाखा लेखा परीक्षक
मैसर्स ताम्बी एंड जयपुरकर,
सनदी लेखाकार, पुणे
मेसर्स जे पी कपूर एंड ओबेराय,
सनदी लेखाकार, नई दिल्ली
मेसर्स पी आई रमणा एंड एसोसिएट्स,
सनदी लेखाकार, विजयवाडा

लागत लेखाकार
मेसर्स मूर्ति एंड कं. एलएलपी,
लागत लेखाकार,
बेंगलूरु

सचिवीय लेखा परीक्षक
मेसर्स तिरुपाल गोरिगे एंड
एसोसिएट्स एलएलपी, पेशेवर
कंपनी सचिव, बेंगलूरु

हमारा कारोबारी मॉडल

इनपुट

वित्तीय पूँजी
₹ 10,149 की पूँजी नियोजित

निर्मित पूँजी
- 9 अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाएं
- कल्याण व्यय के लिए रु. 156.72 करोड़ का निवेश
- भारतीय सशस्त्र बलों और अन्य नागरिक संगठनों के साथ सहयोगात्मक कार्य
- एमएसएमई, स्टार्टअप और भारतीय कार्पोरेट्स के लिए नीतियों के साथ मेक-इन-इंडिया साझेदार

बौद्धिक पूँजी
- 12 आर एंड डी केंद्र
- 2,571 अत्यंत कुशल आर एंड डी कार्मिक
- आर एंड डी में ₹ 1,045 करोड़ का निवेश
- नवोन्मेष का बढ़ावा देने के लिए प्रयोगशालाएं, अकादमिया, स्टार्ट अप और कार्पोरेट्स के साथ रणनीतिक सहयोग
- प्रमाणन कार्यक्रमों और केंद्रित समूहों के माध्यम से उभरती प्रौद्योगिकियों में दक्षता
- दृढ बौद्धिक संपत्ति
  - 137 आईपीआर दाखिल (पेटेंट- 65, कॉपी राइट- 64, औद्योगिक डिजाइन- 6, एसआईसीएलडी- 2)
  - 51 तकनीकी पेपर प्रस्तुत किया / प्रकाशित किया
  - 11 पेटेंट प्रदान किया

मानव पूँजी
- 8,853 नियोजित कार्मिक
- 21.75% महिला कार्मिक
- 60,761 घंटे का प्रशिक्षण प्रदान किया गया
- प्रशिक्षण और विकास के लिए ₹ 7.64 करोड़ का व्यय

सामाजिक एवं संबंध पूँजी
- सीएसआर के लिए ₹ 53.29 आवंटित

प्राकृतिक पूँजी
- निर्वहनीय पहल के लिए ₹ 4.29 करोड़ का निवेश
- 19 मेगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता (पवन ऊर्जा संयंत्रों से 13.9 मेगावाट और ग्रिड कनेक्ट सोलर पीवी ऊर्जा संयंत्रों से 5.1 मेगावाट)
- विद्यमान वनरोपण क्षेत्र में 4,730 पौधे
- 47 नए आरओएचएस अनुरूप उत्पाद पेश किए गए

मूल्य सृजन प्रक्रिया

ग्राहक की आवश्यकताओं की पहचान
- भारतीय सशस्त्र बलों के साथ सुदीर्घ संबंध और उनके साथ सहयोगात्मक कार्य
- वैश्विक ओईएम और सरकार के साथ सहयोगात्मक जुड़ाव
- उभरती रुझानों की पहचान करने के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ अद्यतन रहने हेतु हमारे अनुभव और विशेषज्ञता का लाभ उठाना

ग्राहकों के साथ हमारे संबंधों के बारे में अधिक जानकारी पृष्ठ 24 में पढ़ी जा सकती है

अनुसंधान व विकास
- नवोन्मेष हमारी प्रमुख कारोबारी रणनीति है, जो संस्थागत टीम और निरंतर आर एंड डी निवेश और प्रौद्योगिकी के विकास द्वारा समर्थित है।
- भविष्य के उत्पाद विकास के लिए नए प्रौद्योगिकीयों पर गति प्राप्त करने हेतु बाहरी सहयोग

हमारे आर एंड डी पर अधिक जानकारी पृष्ठ 33 पर पढ़ी जा सकती है

उत्पाद डिजाइन, विकास एवं इंजीनियरिंग
- अभिनव एवं सुविधापूर्ण उत्पाद डिजाइन
- आर एंड डी प्रक्रिया के मध्यम से प्राप्त प्रौद्योगिकियों के साथ ग्राहक की आवश्यकताओं को शामिल करना
- सॉफ्टवेयर विकास विशेषज्ञता, जो महत्वपूर्ण और टर्नकी रणनीतिक परियोजनाओं को सक्षम बनाती है।
- गहन क्षेत्र विशेषज्ञता के साथ विकास और इंजीनियरिंग, फील्ड प्रमाणित, युद्ध के लिए तैयार उत्पादों को साकार करना।

आउटपुट

हम रक्षा और गैर-रक्षा खंडों के लिए विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक समाधान का विकास करते हैं।

उत्पाद / प्रणाली का जीवनकाल समर्थन प्रदान करना

- उत्पाद समर्थन और तकनीकी सहायता प्रदान करने, उत्पाद / प्रणालियों के उच्च सेवाक्षमता सुनिश्चित करने के लिए सहायता केंद्रों का व्यापक नेटवर्क
- ग्राहक की आवश्यकता के प्रति अनुक्रियता

विनिर्माण एवं गुणता आश्वासन

- प्रक्रिया, गुणता और प्रचालनीय उत्कृष्टता पर दृढ ध्यान केंद्रण
- अवसंरचना में निवेश के नेतृत्व में अत्याधुनिक विनिर्माण प्रक्रिया और तकनीकों के माध्यम से विनिर्माण में उत्कृष्टता
- सीआईआई-एक्सिम बैंक कारोबार उत्कृष्टता मॉडल (रणनीतिक और प्रचालनीय उत्कृष्टता के लिए) और कुल गुणता प्रबंधन अपनाना

हमारी विनिर्माण के बारे में अधिक जानकारी पृष्ठ 30 पर पढ़ी जा सकती है।

बोली और संविदा

- कंपनी भर में उद्यम संसाधन योजना प्रणाली शामिल करते हुए सुस्थापित प्रक्रिया
- खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए स्रोतण की आवश्यकताओं का अनुपालन

इन्हें इस रिपोर्ट की पृष्ठ सं. 8-9 में दिया गया है।

परिणाम

वित्तीय पूँजी

- ₹ 15,043.67 करोड़ का कुल कारोबार (रक्षा क्षेत्र से ₹ 13,503.63 करोड़ और गैर-रक्षा क्षेत्र से ₹ 1,540.04 करोड़)
- ईबीआईटीडीए ₹ 3,309.24 करोड़
- ईबीआईटी ₹ 2,929.06 करोड़
- पीएटी ₹ 2,348.93 करोड़
- बाज़ार पूँजीकरण ₹ 51,375.56 करोड़
- लाभांश ₹ 1,096.47 करोड़

निर्मित पूँजी

- स्वदेशी रूप में विकसित उत्पादों से कुल कारोबार का 78%
- वित्त वर्ष 2020-21 में रक्षा आपूर्तियों में 78% के समक्ष 90% का कुल कारोबार
- एमएसई से 31% की खरीद

बौद्धिक पूँजी

- 50+ नए उत्पद / प्रौद्योगिकी का विकास
- पहली बार व्यावसायीकरण के लिए ₹ 1,280.58 करोड़
- 350 उत्पाद अपेक्षित है

मानव पूँजी

- प्रति कार्मिक को ₹ 1.70 करोड़ का कुल कारोबार
- एलएफटीआईआर 0.412
- कर्मचारी नियोजन एवं संतुष्टि सूचकांक 81%

सामाजिक एवं संबंध पूँजी

- 10 लाख सीएसआर लाभार्थि
- 2,092 एमएसएमई और स्टार्ट अप समर्थित
- रणनीतिक साझेदारों (स्टार्ट-अप, अकादमिया, निजी रक्षा उद्योग आदि) के व्यापक प्रोफाइल

प्राकृतिक पूँजी

- प्राकृतिक संसाधन संरक्षण
- 26,205.46 एमटी CO_2 उत्सर्जन को रोक
- कार्बन सिंक में वृद्धि और ऑक्सिजन का उत्पाद
- खतरनाक कचरे के उत्पादन को कम करना

हमारे पणधारकों के साथ नियोजन

एक विश्वस्तरीय इलेक्ट्रॉनिक कंपनी बनने पर हमारा ध्यान पणधारकों के लिए मूर्त मूल्य बनाने की हमारी प्रणाली पर आधारित है। हम सभी पणधारकों की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को पूरा करने और दीर्घकालिक संबंध स्थापित करने के लिए उनके साथ निकटता से जुड़े हुए हैं। हम विभिन्न तंत्रों के माध्यम से गुणता को निरंतर मापते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि दीर्घकालिक मूल्य सृजन सुनिश्चित करने के लिए पणधारक हमारे साथ बने रहें।

पणधारक	संबंधित मामले	नियोजन की विधि	उनकी समस्याएं हम कैसे दूर करते हैं
शेयरधारक और निवेशक	• राजस्व, लाभप्रदता और ईपीएस में स्थिर विकास • लाभांश, शेयर मूल्य में वृद्धि और पुनर्खरीद द्वारा प्राप्ति • समुचित और समय पर सूचना का प्रसार • शेयरधारक बैठकों और कार्पोरेट गवर्नेंस निर्णयों में प्रतिभागिता • निदेशक मंडल से प्रश्न पूछने का अवसर • शेयरधारकों की शिकायतें दूर करना	• तिमाही, अर्धवार्षिक और वार्षिक परिणाम • विश्लेषक और निवेशक बैठक • वार्षिक सामान्य बैठक (एजीएम) • प्रेस विज्ञप्तियां • वार्षिक रिपोर्ट • कंपनी की वेबसाइट	• सुदृढ़ वित्तीय निष्पादन और भावी विकास का आधार तय करना सुनिश्चित करते हुए • प्रत्येक वित्त वर्ष में नियमित लाभांश भुगतान • तिमाही, अर्धवार्षिक और वार्षिक वित्तीय परिणाम समय पर प्रस्तुत करना • विश्लेषक और निवेशकों की बैठक हर वर्ष और यथा आवश्यक आयोजित की जाती है • महामारी में वीसी द्वारा समय पर एजीएम आयोजित की गई और शेयरधारकों को बातचीत करने का अवसर प्रदान किया • शेयरधारकों की शिकायतें दूर करने के साथ-साथ सभी शेयरधारकों को ई-मतदान की सुविधा प्रदान की गई • स्टॉक एक्सचेंजों को अपेक्षित, समुचित और समय पर सूचना का प्रसार तथा उन्हें वेबसाइट में अद्यतन करना
ग्राहक **रक्षा-** सशस्त्र बल (थलसेना, नौसेना, वायुसेना), रक्षा मंत्रालय (अधिग्रहण व संबंधित विभाग), डीपीएसई, सीपीएसई, निजी रक्षा कंपनियां **निर्यात ग्राहक -** विदेशी रक्षा मंत्रालय, होमलैंड सुरक्षा के मंत्रालय, अन्य सरकारी / गैर-सरकारी एजेंसियां, ओईएम, आयात / निर्यात एजेंसियां	• अत्युन्नत उत्पादों व सेवाओं के स्वदेशी डिज़ाइन / विकास / निर्माण द्वारा समकालीन प्रौद्योगिकियों से व्यापक समाधान • उत्पाद व सेवाओं की समय पर सुपुर्दगी • ऑनसाइट उत्पाद समर्थन, प्रभावी अप्रचलन प्रबंधन, डिज़ाइन संशोधन आदि द्वारा उत्पाद / सिस्टम के जीवनकाल (दुश्मन के साथ शांति और संघर्ष काल) के दौरान उत्पाद समर्थन • महत्वपूर्ण परियोजनाओं की विश्वसनीयता	• वर्तमान व भावी आवश्यकताओं को समझने के लिए नियमित नियोजन तथा समकालीन प्रौद्योगिकियों के साथ नवोन्मेषी, स्वदेशी समाधान प्रदान करना • वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा मुख्य नीति निर्माताओं तथा ग्राहकों के अंतिम प्रयोक्ताओं के साथ आवधिक संस्थागत बैठकें • वरिष्ठ प्रबंधन, विपणन, डी एंड डी, परियोजना टीमें ग्राहकों के साथ उनकी आवश्यकताओं, अपेक्षाओं और समर्थन पर चर्चा करने के लिए नियमित रूप से बातचीत करती हैं • ग्राहकों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखने, उनकी आवश्यकताओं को समझने और संतोषजनक समाधान प्रस्तुत करने के लिए मुख्य क्षेत्रों में विदेशी विपणन कार्यालय (ओएमए) स्थापित	• रणनीतिक साझेदारों के साथ संस्थागत विकास / सहयोग द्वारा समय-सीमा पूरा करने वाली परियोजनाएं शुरु की गईं (अपना समाधान विकसित करने वाले और प्रायोगिक परीक्षण चाहने वाले ग्राहकों सहित) • जहां विभिन्न स्तरों तथा ग्राहक की एजेंसियों के स्तर पर और परियोजना की संयुक्त समीक्षा आवश्यक हो, परियोजना के क्रम में सुधार की सलाह मांगना • ग्राहक की संतुष्टि तक, प्रोग्राम प्रबंधन तकनीक, उत्पादन और गुणता आश्वासन प्रक्रियाओं, में सुधार तथा आपूर्ति कड़ी प्रक्रम सुधार प्राथमिकता के साथ करते हुए संविदाजन्य समय-सीमा और गुणता बनाए रखना • उत्पाद का तकनीकी समर्थन, आपूरित उपकरण के उच्च सेवा स्तरों, पुर्जे और सर्विस प्रदान करने और अप्रचलन प्रबंधन करना सुनिश्चित करने के लिए ऑनसाइट उपस्थिति बढ़ाने हेतु आरपीएससी स्थापित और विस्तारित • अंतिम प्रयोक्ताओं के साथ ओएमओ तथा उनकी प्रचालनीय / फील्ड चुनौतियों को दूर करना

पणधारक	संबंधित मामले	नियोजन की विधि	उनकी समस्याएं हम कैसे दूर करते हैं
ग्राहक **गैर-रक्षा** - गृह मंत्रालय, ईसीआई, एमओएचयूए, मेट्रो प्राधिकरण, एएआई, इसरो (एनएसआईएल), वाणिज्यिक कारोबार, राज्य सरकारें तथा अन्य सरकारी एजेंसियां	• परियोजना कार्यान्वयन की स्थिति • बीईएल में विकसित / विकसित हो रहे नवीनतम उत्पाद / प्रौद्योगिकियां और उन्हें आवश्यकताओं में परिवर्तित करना तथा समाधान विकसित करना • बीईएल की नई कारोबारी विकास पहल	• आवधिक या आवश्यकता आधारित एकैक / संस्थागत बैठकें • ग्राहकों की ज़रूरतों को समझने के लिए प्रौद्योगिकी / कारोबारी कार्यशालाएं • बीईएल की सक्षमताओं और शक्तियों के बारे में आवधिक संप्रेषण और प्रस्तुतीकरण • प्रदर्शनी / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में सहभागिता • गहन परीक्षण और प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट (पीओसी) डेमो संचालित करना	• ग्राहकों की समस्याओं को संबंधित एसबीयू तथा कार्पोरेट प्रबंधन के साथ निकट संपर्क करते हुए दूर करना जैसे परियोजना कार्यान्वयन में देरी, उत्पाद समर्थन संबंधी मामले तथा कीमत निर्धारण
कर्मचारी	• स्वास्थ्य और संरक्षा • वेतन और मजदूरी • अनुकूल कार्य परिवेश • करियर वृद्धि के अवसर	• प्रवेश कार्यक्रम • प्रशिक्षण कार्यक्रम • कार्य-निष्पादन समीक्षा / टाउनहाल बैठकें • बेहतर चिकित्सा योजना • कर्मचारी अभिमुखी नीतियां और योजनाएं • सुनिर्धारित पदोन्नति नीति	• अनेक प्रशिक्षण व विकास अवसर • कोविड-19 सहायता - घर पर चिकित्सा देखभाल की सुविधाएं, अस्पताल के उपचार के लिए चिकित्सा अग्रिम और कर्मचारियों और उनके आश्रितों को टीकाकरण की सहायता; मृत्यु के मामले में सरल अंतिम निपटान की एसओपी • कार्यपालकों (टीसी कार्मिकों सहित) और गैर-कार्यपालकों के लिए मृत्यु अनुलाभ योजना जिसमें जिसमें क्रमश: ₹ 25 लाख और ₹ 10 लाख का कवरेज; अतिरिक्त सहायता प्रदान करने के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स मृत कर्मचारी के परिवार को सहायता योजना (बीसेफ)
आपूर्तिकर्ता / विक्रेता/ ठेकेदार	• समय पर भुगतान • स्वीकृति / अस्वीकृति की स्थिति • मद की सुपुर्दगी की स्थिति • सामग्रियों और सेवाओं की आपूर्ति में पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (ईएमएस) का अनुपालन	• मद की स्वीकृति / अस्वीकृति तथा भुगतान की स्थिति अद्यतन करना • आपूर्ति की जाने वाली मदों की सूचना • खरीद आदेश द्वारा ईएमएस सूचना	• एसआरएम पोर्टल में डेटा अद्यतन करना तथा भुगतान की स्थिति पर सिस्टम सृजित ईमेल • अस्वीकृति के मामले में आगे की अनुवर्ती कार्रवाई करने तथा सुधारात्मक कार्रवाई की रिपोर्ट प्रदान करने के लिए सिस्टम सृजित ईमेल विक्रेताओं को अग्रेषित किए जाते हैं • सुपुर्दगी के लिए देय मदों के लिए अग्रिम ई-मेल • जागरूकता प्रशिक्षण प्रदान करना

पणधारक	संबंधित मामले	नियोजन की विधि	उनकी समस्याएं हम कैसे दूर करते हैं
रणनीतिक साझेदार	• निर्यात बाज़ार, प्रौद्योगिकी सहयोग तथा संयुक्त रूप से अनुसरित विशिष्ट प्रोग्राम सहित सह-विकास तथा उत्पादन, विपणन और कारोबारी विकास द्वारा पारस्परिक अनुलाभ • जोखिम विभाजन • ग्राहकों के लिए संयुक्त मूल्य सृजन • चयन के न्यायसंगत मानदंड	• वरिष्ठ प्रबंधन की आवधिक बैठकें • साझेदारी का प्रबंधन करने के लिए संयुक्त कार्य समितियां • संयुक्त विकास / संयुक्त उत्पादन के लिए परियोजना टीमें	• क्षमता, विशेषज्ञता और अनुभव, वित्तीय, तकनीकी और विपणन शक्तियों तथा प्रौद्योगिकी परिपक्वता के संबंध में संभावित साझेदारों का चयन करने में पूरी सावधानी सुनिश्चित की जाती है • जोखिम और लागत विभाजन
समुदाय	• कल्याण एवं विकास कार्य • पर्यावरणीय संधारणीयता	• साइनबोर्डों द्वारा जागरूकता • समुदाय / स्थानीय प्रशासन के साथ वार्ता • स्थल के दौरे और निरीक्षण • प्रभाव आकलन सर्वेक्षण	• सीएसआर एवं पर्यावरण नीति विद्यमान • कार्य योजना पर चर्चा करने के लिए आवश्यकता आधारित आकलन सर्वेक्षण तथा स्थानीय प्रशासन से आवश्यक अनुमोदन प्राप्त • समुदाय के प्रमुख पणधारकों के साथ नियमित संवाद सुनिश्चित • हितलाभियों द्वारा दी गई फीडबैक पर कार्रवाई • मंडल की सीएसआर समिति और सीएसआर निगरानी समिति द्वारा स्थल के निरीक्षण
सरकारी और विनियामक संस्थाएं	• लागू कानून, विनियमों का पालन • सामुदायिक विकास ओर कार्य चक्रानुक्रम • राष्ट्रीय आर्थिक विकास के लिए योगदान	• प्रदर्शनी • नियमित बैठकें और समीक्षाएं • सरकारी पहलों में सहभागिता	• लागू कानून, विनियमों और नीतियों का पालन • अवसंरचना विकास में निवेश द्वारा भारत के आर्थिक विकास में योगदान • अपने कार्यकलापों को 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी सरकारी पहलों के अनुरूप बनाना

हमारे प्रचालनीय वातावरण में जोखिमों को प्रभावी रूप से कम करना

तेजी से तकनीकी प्रगति, सरकारी नीतियों और नियामक ढांचे में बदलाव, भू-राजनीतिक तनाव और अन्य अप्रत्याशित प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के साथ चिह्नित एक अस्थिर कारोबारी माहौल में संचालन करते समय, हम विभिन्न जोखिमों के संपर्क में हैं। हम अपने दृष्टिकोण, रणनीतिक लक्ष्यों और उद्देश्यों को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए उनके जोखिम और प्रभाव को कम करने की दिशा में प्रयास कर रहे हैं। हम इसके संभावित लाभों पर विचार करते हुए और उपयुक्त शमन उपायों को लागू करते हुए जोखिम प्रभाव का सक्रिय रूप से मूल्यांकन कर रहे हैं।

जोखिम प्रबंधन ढांचा/शासन

हमारे पास एक सुदृढ उद्यम जोखिम प्रबंधन (ईआरएम) ढांचा है जो जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी) की सिफारिश और मंडल द्वारा अनुमोदित जोखिम प्रबंधन (आरएम) नीति के आधार पर नियोजित किया गया है। यह हमें पहचान, मूल्यांकन, प्राथमिकता और शमन के माध्यम से व्यापक जोखिम का पता लगाने में सक्षम बनाता है। हमारी आरएम नीति आरएम संरचना, कार्यक्षेत्र और उद्देश्यों, फोकस क्षेत्रों, और विभिन्न स्तरों पर आरएमसी की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों, जोखिम चैंपियन और अन्य संबंधित कर्मियों की रूपरेखा तैयार करती है। हमारे पास सभी व्यावसायिक यूनिटों, अनुसंधान एवं विकास केंद्रों और कार्यात्मक क्षेत्रों को कवर करते हुए एक त्रि-स्तरीय जोखिम प्रबंधन ढांचा है।

हमारा त्रि-स्तरीय ईआरएम ढांचा

जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी)

(मंडल के प्रतिनिधि के रूप में)

उल्लेखनीय जोखिमों की समीक्षा करती है और अतिरिक्त चर्चा और यथोचित प्रशमन उपायों के अनुमोदन के लिए मंडल को इसकी सिफारिश करती है

कार्पोरेट जोखिम प्रबंधन समिति (सीआरएमसी)

कार्यशील निदेशक के निर्णय पर और सदस्यों के रूप में महाप्रबंधक स्तर पर कार्पोरेट के वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा कंपनी स्तर पर निगरानी करती है। सीएमआरसी यूआरएमसी को रिपोर्ट की गई जोखिमों का भी विश्लेषण करती है।

यूनिट जोखिम प्रबंधन समितियां (यूआरएमसी)

ये समितियां एसबीयू और अनु. व वि. स्तर पर गठित की जाती हैं जिसमें संबंधित प्रमुख और समन्वयक के रूप में जोखिम चैम्पियन प्रमुख होते हैं। यूआरएमसी प्रचालनीय जोखिम आकलन करती है और जोखिमों की समीक्षा तथा उन्हें कम करने के उपाय तिमाही रूप से करती हैं और जिसका अनुमोदन प्रबंधन / मंडल से प्राप्त किया जाता है। विश्लेषण के लिए जोखिमों की रिपोर्ट सीआरएमसी को की जाती है और उन्हें कम करने के उपायों की सिफारिश करने के लिए आरएमसी (जिसका कंपनी भर में प्रभाव होता है) को की जाती है।

प्रौद्योगिकी जोखिम

रक्षा और एयरोस्पेस खंड विशिष्ट और प्रतिबंधित प्रौद्योगिकियों का उपयोग करता है। उभरती प्रौद्योगिकियों में गतिशील परिवर्तन से प्रौद्योगिकी अंतराल हो सकता है और उत्पादों के लिए बाजार में अधिक समय लग सकता है।

शमन क्रिया

क) संस्थागत विकास, राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास संस्थानों, शिक्षाजगत और स्टार्ट-अप के साथ संयुक्त विकास के माध्यम से महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के विकास पर ध्यान दें।

ख) अपेक्षित प्रौद्योगिकियों के विकास/अधिग्रहण के लिए नए मॉडलों का अन्वेषण करें।

प्रतिस्पर्धी परिदृश्य जोखिम

उदारीकृत रक्षा उत्पादन नीतियों ने घरेलू रक्षा औद्योगिक आधार में वृद्धि को सक्षम बनाया है। इसके परिणामस्वरूप बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धा है जो कुछ क्षेत्रों में कंपनी की बाजार स्थिति को प्रभावित कर सकती है।

शमन क्रिया

क) सह-विकास, निर्माण आदि के लिए रणनीतिक साझेदारी।

ख) उच्च मूल्य वर्धित, उच्च प्रौद्योगिकी उत्पादों/रणनीतिक प्रणालियों पर अधिक ध्यान देना।

ग) निर्यात बाजारों सहित उत्पाद और बाजार विविधीकरण।

वित्तीय पूँजी

सतत मूल्य सृजन के लिए विवेकपूर्ण तरीके से वित्त का प्रबंधन

वित्तीय पूंजी हमारी व्यावसायिक गतिविधियों का समर्थन करने और ऐसे प्रमुख अवसरों में निवेश करने के लिए महत्वपूर्ण है जहां हम विकास देखते हैं। हम पूंजी आवंटन और वित्त प्रबंधन में दक्षता और विवेक सुनिश्चित करते हैं। इसने हमें एक ठोस तुलन-पत्र की स्थिति बनाने में सक्षम बनाया है जो बाजार चक्रों के खिलाफ लचीलापन प्रदान करता है और हमारे दीर्घकालिक विकास का समर्थन करता है।

8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH

हमारा विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन

बीईएल में, हमारी विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन प्रथाओं ने सभी मापदंडों की निरंतर वृद्धि में योगदान दिया है। पिछले पांच वर्षों (वित्त वर्ष 2016-17 से वित्त वर्ष 2021-22 तक) में, हमारा कुल कारोबार (बिक्री और सेवाएं) 11% सीएजीआर से बढ़कर 15,044 करोड़ रुपये हो गया है। इस अवधि के दौरान आदेश बही 31 मार्च 2017 को 40,242 करोड़ रुपये से बढ़कर 31 मार्च 2022 को 57,570 करोड़ रुपये हो गई है।

साथ ही, हमने केंद्रित लागत नियंत्रण उपायों और व्यापक स्वदेशीकरण प्रयासों को सुनिश्चित किया है जिससे लाभप्रदता में सुधार हुआ है। पिछले पांच वर्षों में, हमारा ईबीआईटीडीए 13.43% के सीएजीआर से बढ़कर 3,309 करोड़ रुपये और पीएटी 8.7% बढ़कर 2,349 करोड़ रुपये हो गया है। वित्त वर्ष 2021-22 के लिए हमारा ईबीआईटीडीए मार्जिन 22% था, और आमतौर पर वर्ष के दौरान बेचे गए उत्पाद मिश्रण की प्रकृति के आधार पर 21-23% के बीच होता है।

सक्षम पूंजी आवंटन सुनिश्चित करना

हम अपनी पूंजी आवंटन रणनीति में बहुत अनुशासित और मजबूत रहे हैं, चाहे परियोजना में निवेश के मामले में, अनुसंधान एवं विकास या व्यापार वृद्धि में अधिशेष वापस करने के मामले में हो। इसने वित्त वर्ष 2016-17 में 21% से वित्त वर्ष 2021-22 में 30% तक की पूंजी नियोजित पर हमारे रिटर्न में योगदान दिया है।

कार्यशील पूँजी का प्रबंधन

परिचालन खर्चों के प्रबंधन में हमारी उच्च उत्पादकता और दक्षता हमें महत्वपूर्ण परिचालन लाभ प्रदान करती है। पिछले पांच वर्षों में, हमारी सारी कार्यशील पूंजी पूरी तरह से आंतरिक स्रोतों से पूरी हुई। यह परिचालन से एक मजबूत नकदी प्रवाह द्वारा सक्षम है जो 31 मार्च 2017 को (108 रुपये) करोड़ से बढ़कर 31 मार्च 2022 तक 4,160 करोड़ रुपये हो गया। इसके अलावा, शीर्ष पंक्ति में महत्वपूर्ण वृद्धि के बावजूद, हमारी वस्तुसूची कुल कारोबार (उत्पादन के मूल्य का दिनों की संख्या) 31 मार्च 2017 को 206 दिनों से 31 मार्च 2022 तक 133 दिनों तक काफी कम हो गया है। इसी तरह, प्राप्य कारोबार भी 31 मार्च 2017 को 180 दिनों से घटकर 31 मार्च 2022 को 148 दिन हो गया है।

शेयरधारकों के लिए सृजित मूल्य

एक ठोस व्यापार मॉडल और रणनीति के नेतृत्व में, जो नकदी प्रवाह और मूल्य सृजन में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करता है, बीईएल ने हमेशा अपने शेयरधारकों को पुरस्कृत किया है। पिछले पांच वर्षों में घोषित लाभांश वित्त वर्ष 2016-17 में 225% से बढ़कर वित्त वर्ष 2021-22 में 450% हो गया है। परिणामस्वरूप लाभांश भुगतान वित्त वर्ष 2016-17 में 503 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2021-22 में 1,096 करोड़ रुपये हो गया है। हमारे निरंतर कार्य-निष्पादन और दीर्घकालिक मूल्य सृजन के लिए एक मजबूत दृष्टिकोण को शेयरधारकों द्वारा अच्छी तरह से प्राप्त किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप बाजार पूंजीकरण 31 मार्च 2021 को 30,482 करोड़ रुपये से बढ़कर 31 मार्च 2022 को 51,375 करोड़ रुपये हो गया है।

ईबीआईटीडीए

₹ 3,309 करोड़

सीएजीआर **13.43%**

पीएटी

₹ 2,349 करोड़

सीएजीआर **8.7%**

कुल कारोबार (₹ करोड में)

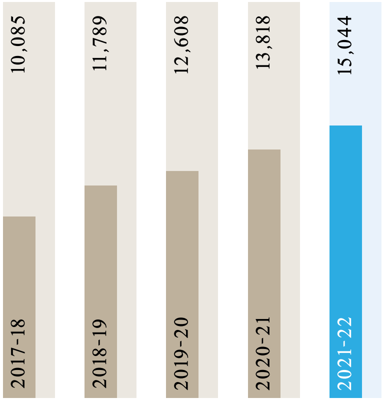

आदेश बही (₹ करोड में)

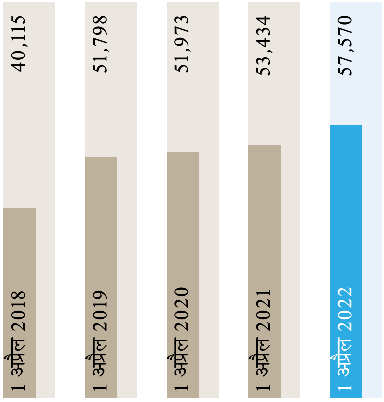

निवल मालियत (₹ करोड में)

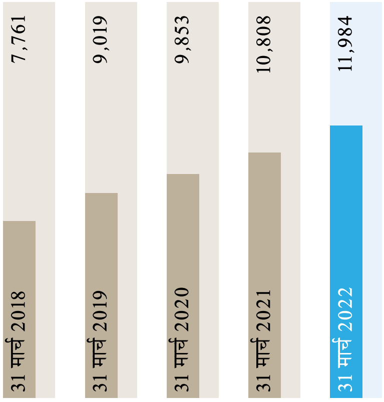

निर्यात (यूएसडी मिलियन)

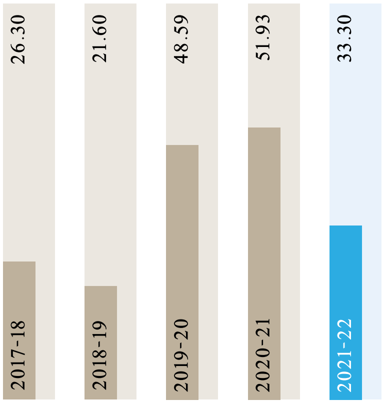

ईबीआईटीडीए और ईबीआईटीडीए मार्जिन

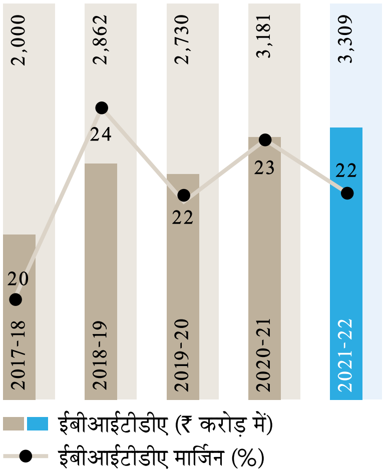

पीएटी और पीएटी मार्जिन

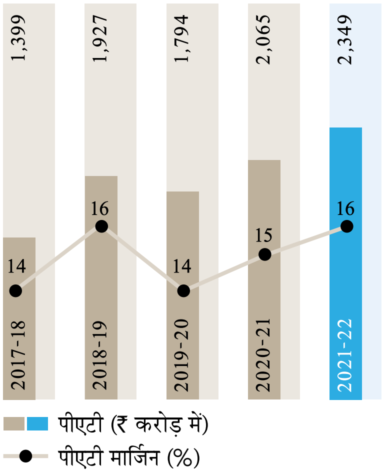

आर एंड डी निवेश (₹ करोड में)

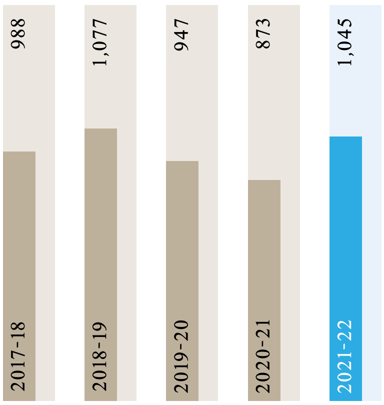

प्रति शेयर अर्जन (₹ में)

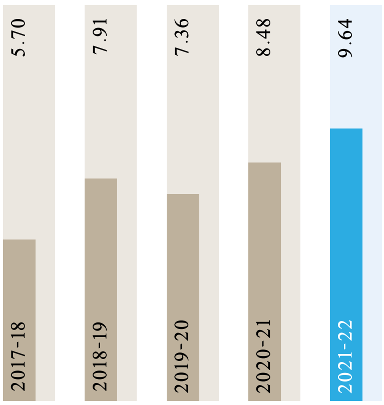

लाभांश वितरण (₹ करोड में)

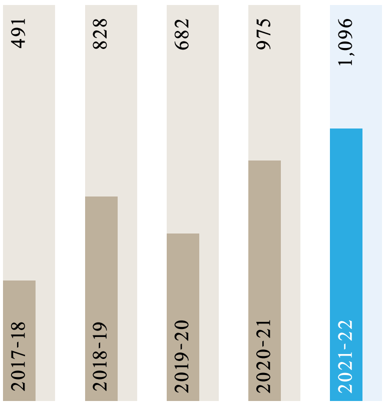

निर्मित पूँजी

प्रचालनीय उत्कृष्टता और विश्व स्तरीय विनिर्माण क्षमताएं

हमारे विनिर्माण क्षमता को गहरी क्षमताओं में उदाहरण दिया गया है जिसे हमने प्रमुख प्रौद्योगिकियों में स्थापित किया है और हमारी गुणवत्ता उत्कृष्टता प्रक्रियाओं में सुधार और लोगों को प्रशिक्षण के माध्यम से प्राप्त हुई है। यह हमारी क्षमता को बढ़ाता है और भारत के रक्षा क्षेत्र और विश्व स्तर पर अन्य ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता के रूप में हमारी प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाता है। हम स्वदेशीकरण में एक प्रमुख कंपनी बनने के लिए प्रौद्योगिकी और उत्पाद विकास के अनुरूप अपनी विनिर्माण और परीक्षण सुविधाओं का लगातार आधुनिकीकरण कर रहे हैं।

विश्व स्तरीय विनिर्माण अवसंरचना

हमारे पास 24 एसबीयू में संगठित नौ विनिर्माण सुविधाएं हैं। हम उनके अवसंरचना और प्रक्रियाओं/प्रणालियों को लगातार अद्यतन करते हैं और रक्षा और चुनिंदा गैर-रक्षा खंडों में इलेक्ट्रॉनिक्स में वैश्विक कंपनी बनने के लिए नई क्षमता का निर्माण करते हैं।

हमारी विनिर्माणी यूनिटें

	प्रमुख ध्यान केंद्रित क्षेत्र
बेंगलूरु, कर्नाटक	• मिसाइल प्रणाली (थल एवं नौसेना) • भू-आधारित रेडार प्रणाली • नौसैनिक प्रणालियाँ (सोनार, संप्रेषण प्रणाली, रेडार और एफसीएस) • मिलिटरी संचार • इलेक्ट्रॉनिक वारफेर एवं एवियोनिक्स • होम लैंड सेक्योरिटी एवं स्मार्ट सिटी • ईवीएम/वीवीपैट • मानवरहित सिस्टम • सोलार सिस्टम एवं सॉल्यूशन • अंतरिक्ष इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सिस्टम • स्ट्रैटेजिक घटक / उपकरण • मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स • साइबर एवं नेटवर्क सुरक्षा • सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन एवं एआई • हथियार एवं गोलाबारुद • सीकर्स

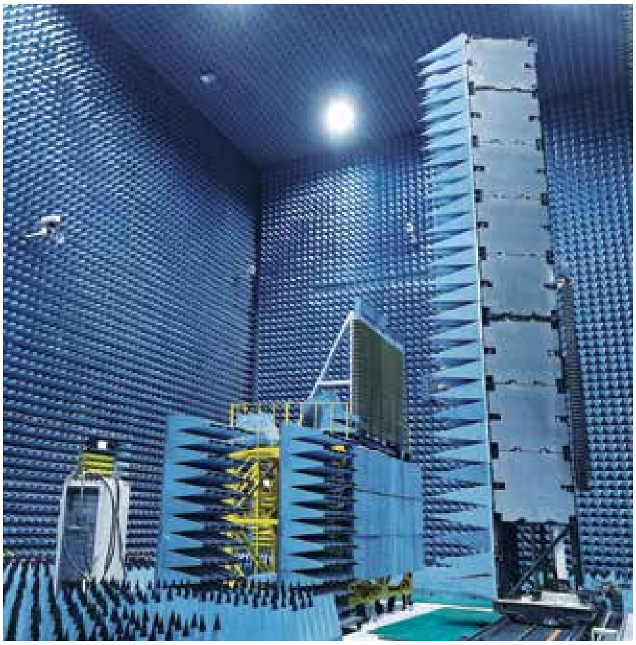

एनएफटीआर की सुविधा

प्रमुख ध्यान केंद्रित क्षेत्र	
गाज़ियाबाद, उत्तरप्रदेश	• रेडार सिस्टम • नेटवर्क केंद्रित सिस्टम • सैटकॉम एवं सेल्युलर कम्यूनिकेशन • एंटेना सिस्टम • एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट सोल्यूशन
पुणे, महाराष्ट्र	• ऊर्जा भंडारण • लेज़र प्रॉडक्ट • फ्यूस • एएफवी के लिए सहयोग सिस्टम • हथियार एवं गोलाबारुद
मचिलिपट्नम, आंध्र प्रदेश	• इलेक्ट्रो ऑप्टिक उपकरण और प्रणाली • एंटी ड्रोन सिस्टम
पंचकूला, हरियाणा	• टैक्टिकल कम्यूनिकेशन • जैमर • एवियोनिक्स (एचयूडी) • ईवी चार्जिंग स्टेशन
चेन्नै, तमिल नाडु	• टैंक इलेक्ट्रॉनिक्स • गन उन्नयन • एयरबोर्न ईओ पेलोड्स • लैंड नेवीगेशन सिस्टम • गन कंट्रोल सिस्टम
कोटद्वार, उत्तराखंड	• टेलीकॉम उत्पाद / सिस्टम • वीसीसीएस सॉल्यूशन • रेल/मेट्रो सॉल्यूशन
हैदराबाद, तेलंगाना	• इलेक्ट्रॉनिक वारफेर सिस्टम
नवी मुंबई, महाराष्ट्र	• शेल्टर सिस्टम • पॉवर सिस्टम • मास्ट सिस्टम • कंपोसिट • ब्लास्ट डोर / वाल्व

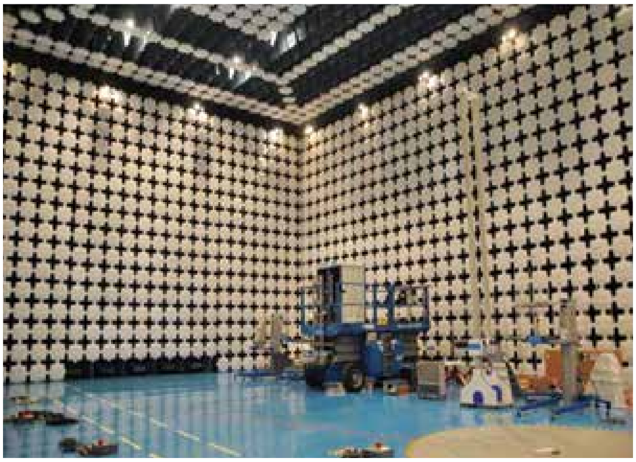

उन्नत ईएमआई / ईएमसी परीक्षण सुविधा

टीआरएम के लिए स्वचालित असेंबली

रोबोटिक / ऑटोमेटिक वेल्डिंग सुविधा

बीईएल की गुणता मानक

आईएसओ 9001:2015
और आईएसओ 14001:2015
सभी यूनिटें / एसबीयू / प्रभाग

आईएसओ 13485:2016
निर्यात विनिर्माण एसबीयू, बेंगलूरु

आईएसओ 27001:2013
10 यूनिटें/एसबीयू / प्रभाग

आईएसओ 45001:2018
गाज़ियाबाद यूनिट

आईएसओ 20000-1
साफ्टवेयर एसबीयू-बेंगलूरु

एएस 9100डी
19 यूनिटें/एसबीयू

CMMi स्तर 5
साफ्टवेयर एसबीयू-बेंगलूरु, हैदराबाद यूनिट और सीआरएल-गाज़ियाबाद

CMMi स्तर 3
चेन्नै यूनिट, डीसीसीएस और एनसीएस एसबीयू - गाज़ियाबाद यूनिट

सुदृढ़ गुणता आश्वासन प्रक्रियाओं, अत्यंत कुशल और योग्य टीम तथा अत्याधुनिक परीक्षण सुविधाओं से आश्वस्त

पुरस्कृत और मान्यता प्राप्त गुणता

- बेंगलुरू यूनिट ने 2018 में सीआईआई एक्सिम बैंक बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड और रोल मॉडल ऑर्गनाइजेशन के लिए प्रशस्ति पत्र जीता है। गाजियाबाद और हैदराबाद यूनिटों को प्लेटिनम स्तर की मान्यता मिली है।
- गाजियाबाद, चेन्नै, मचिलिपट्टनम और हैदराबाद यूनिटों को 2019 में सीआईआई से कारोबारी उत्कृष्टता के लिए प्लेटिनम स्तर की मान्यता प्राप्त हुई है।
- चेन्नै यूनिट ने सीआईआई कुल लागत प्रबंधन (टीसीएम) स्तर 3 पुरस्कार प्राप्त किया।
- 19 यूनिट/एसबीयू द्वारा निर्मित 50 उत्पादों की आपूर्ति के लिए डीजीक्यूए से 16 ग्रीन चैनल स्टैटस प्रमाणपत्र
- चेन्नै और हैदराबाद यूनिटों को 2021 में सीआईआई से कारोबारी उत्कृष्टता के लिए प्लेटिनम स्तर की मान्यता प्राप्त हुई है।

बौद्धिक पूँजी

नवोन्मेष के साथ प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना

आर एंड डी हमारी मुख्य ताकत है। यह अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी, उच्चतम स्तर की गुणता और विश्वसनीयता के साथ हमारे उत्पादों और प्रणालियों में स्वदेशीकरण और मूल्य को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण प्रवर्तक है। हम अपनी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए संस्थागत टीम और सहयोग के माध्यम से अपनी आर एंड डी दक्षताओं का लगातार पोषण कर रहे हैं।

7 AFFORDABLE AND CLEAN ENERGY 8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH 9 INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE 11 SUSTAINABLE CITIES AND COMMUNITIES 12 RESPONSIBLE CONSUMPTION AND PRODUCTION

आर एंड डी दृष्टिकोण

बीईएल में, हमारे पास अधिक से अधिक परिणाम सुनिश्चित करने के लिए बहु-स्तरीय आर एंड डी संरचना है। इसमें केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाएं (सीआरएल), उत्पाद विकास एवं नवोन्मेष केंद्र (पीडी एंड आईसी), उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) और सभी यूनिटों में एसबीयू से जुड़े विकास और इंजीनियरिंग (डी एंड ई) समूह शामिल हैं। हमारे सभी आर एंड डी केंद्र वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) के तहत पंजीकृत हैं, और तीन वर्ष की आर एंड डी योजनाओं के आधार पर पहचाने गए प्रौद्योगिकी और उत्पाद क्षेत्रों पर काम करते हैं।

हमारे आर एंड डी केंद्र और उनका प्रचालनीय मॉडल

अनु. व वि. केंद्र	मुख्य कार्य क्षेत्र
सीआरएल, बेंगलूरु और गाज़ियाबाद	• प्रतिस्पर्धी प्रौद्योगिकियां विकसित करने के लिए ब्लू स्काई रिसर्च • प्रौद्योगिकी के मुख्य क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुसंधान
सीओई (सैन्य संचार प्रणाली, रेडार और शस्त्र प्रणाली और इलेक्ट्रॉनिक युद्धपद्धति तथा फोटोनिक्स के लिए)	• भारतीय रक्षा बलों की मेक-II परियोजनाओं को पूरा करना • सिस्टम विन्यास तथा मुख्य प्रौद्योगिकी मॉड्यूलों की उत्पाद, सिस्टम और सिस्टम ऑफ सिस्टम में अभियांत्रिकी
केंद्रीकृत पीडी एंड आईसी, बेंगलूरु	• नव उत्पाद विकास (एनपीडी)
डी एंड ई	• हार्डवेयर और साफ्टवेयर मॉड्यूलों सहित अंतिम प्रयोक्ताओं के लिए कारोबार से संबंधित सिस्टम और सिस्टम ऑफ सिस्टम का विकास • प्रौद्योगिकी मॉड्यूल तथा सब-सिस्टम विकसित करने, मूल्यांकन व प्रायोगिक परीक्षण के लिए सीआरएल, पीडी एंड आईसी, सीओई और सहयोगी अनु. व वि. साझेदारों की सहायता लेना और अप्रचलन प्रबंधन सहित तकनीकी सहायता बढ़ाना

आर एंड डी ध्यान-केंद्रित क्षेत्र

भविष्य के विकास में आर एंड डी में ध्यान केंद्रित क्षेत्रों को निम्नलिखित तरीकों से वर्गीकृत किया गया है-

बीईएल के कारोबार खंडों के लिए वर्तमान प्रौद्योगिकी क्षेत्र- मिसाइल सिस्टम, रेडार, इलेक्ट्रॉनिक युद्धपद्धति, वैमानिकी, मिलिटरी संप्रेषण, नौसैनिक प्रणाली, सोनार, सी4आई प्रणाली, इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स और लेजर, टैंक इलेक्ट्रॉनिक्स, गन उन्नयन, नागरिक उपकरण, गृहभूमि सुरक्षा, चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स और घटक आदि।

रक्षा- अगली पीढ़ी के स्वदेशी एसएएम प्रणाली, एयरबोर्न रेडार, हथियार और गोला बारूद और विस्फोटक पदार्थ, आरएफ सीकर, इमेजिंग इन्फ्रा-रेड (आईआईआर) सीकर, रणनीतिक इलेक्ट्रॉनिक्स, मानव रहित प्रणाली, रात्रि दृश्य उपकरणों के लिए थर्मल इमेजिंग डिटेक्टर, भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट प्रणाली (आईआरएनएसएस) आधारित इनर्शल नेविगेशन सिस्टम (आईएनएस) और समाधान, लेजर-आधारित निर्देशित ऊर्जा हथियार, हेलमेट माउंटेड डिस्प्ले सिस्टम (एचएमडीएस), विमानों और हेलीकाप्टरों के लिए प्रत्यक्ष इन्फ्रारेड काउंटर उपाय, सेवा के रूप में सॉफ्टवेयर, नेटवर्क और साइबर सुरक्षा, कंपोजिट आदि।

गैर-रक्षा- हवाई यातायात नियंत्रक रेडार, एंटी ड्रोन सिस्टम, स्पेस/सैटेलाइट इलेक्ट्रॉनिक्स, स्पेस लॉन्च व्हीकल, सैटेलाइट कम्युनिकेशन सर्विसेज, स्पेस ग्रेड सोलर सेल, सैटेलाइट असेंबली एंड इंटीग्रेशन, सोलर बिजनेस, रेलवे और मेट्रो समाधान सहित नागरिक उड्डयन क्षेत्र के लिए समाधान, सेवा के रूप में सॉफ्टवेयर, इलेक्ट्रिक वाहन, गृहभूमि सुरक्षा और स्मार्ट सिटी कारोबार, ऊर्जा प्रणाली, चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सामधान की एक श्रृंखला, बैद्धिक ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली आदि।

उभरती हुई प्रौद्योगिकियां- क्वांटम क्रिप्टोग्राफी, फोटोनिक्स आधारित रेडार और ईएसएम, उच्च शक्ति वाले लेजर, भू-स्थानिक विश्लेषिकी, एलआईडीएआरएस का उपयोग करते हुए इमेज प्रोफाइलिंग, 5जी संचार, ओएफसी आधारित पीआईडीएस, 400जी ऑप्टिकल संचार, ड्रोन गार्ड सिस्टम, बिग डेटा एनालिटिक्स, इंटेलिजेंट प्रोसेस ऑटोमेशन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता -आधारित उत्पाद, मानवरहित प्रणाली आदि।

आर एंड डी के लिए रणनीतिक सहयोग

हमारी आरएंडडी क्षमताओं को मजबूत करने और नए उत्पादों में विशेष तकनीकों का तेजी से उपयोग करने के लिए सहयोग महत्वपूर्ण हैं। यह हमें संपूर्ण समाधान और प्लेटफॉर्म प्रदान करने के लिए ग्राहकों की आवश्यकता को पूरा करने में मदद करता है, जिससे हमारी बाजार पहुंच में वृद्धि होती है और नए बाजारों में प्रवेश की सुविधा होती है। वर्ष के दौरान, हमने रक्षा अनुसंधान प्रयोगशालाओं, राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं, डीपीएसयू, डीआईओ आईडीएक्स, शिक्षा जगत, स्टार्टअप, विशिष्ट प्रौद्योगिकी कंपनियों, प्रतिष्ठित वैश्विक ओईएम और भारतीय कंपनियों/एजेंसियों के साथ सफलतापूर्वक सहयोग बढ़ाया है।

हमरे कुछ प्रमुख आर एंड डी साझेदार

रक्षा पीएसयू / रक्षा

- डीआरडीओ
- राष्ट्रीय तकनीकी अनुसंधान संगठन
- इसरो
- डबल्यूईएसईई/भारतीय नौसेना
- आर्मी प्रौद्योगिकी बोर्ड
- भारतीय वायुसेना
- भारतीय थलसेना
- हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड
- हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड

कंपनियां/अन्य

- सैफरान इंजीनियरिंग एंड डिफेंस
- माइक्रोवेव आईसी, रूस
- डीएमआरसी
- एएआई
- बीपीएल मेडिकल टेक्नालॉजीस
- रिनालिक्स हेल्थ सिस्टम्स
- मोटोरोला साल्यूशन्स इंडिया
- एनएचएआई
- बॉश
- एसबीआई
- एसएफसी एनर्जी एजी

शिक्षा जगत

- आईआईएससी
- आईआईटी मद्रास
- आईआईटी कानपुर
- आईआईटी रुड़की
- आईआईटी खड़गपुर
- राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, अहमदाबाद
- आईआईआईटी हैदराबाद
- आईआईटी रोपड़
- आईआईआईटी बेंगलूरु
- आईआईआईटी जबलपुर
- आईआईटी धारवाड़

वित्त वर्ष 2021-22 में हमारी अनुसंधान एवं विकास पहल

- हाई आइसोलेशन ट्रांस-रिसीव एंटेना डिजाइन करने की विधि
- इंटरफेरर्स की उपस्थिति में ड्रोन सिग्नल डिटेक्शन के लिए सिस्टम और विधि
- रेडार डिटेक्शन के लिए हिट-मैप क्लस्टर्स को लेबल करने की विधि
- होलो शाफ्ट के लिए पुल प्रकार सोलनॉइड सक्रिय विफल-सुरक्षित यांत्रिक ब्रेक
- वॉल रेडार टार्गेट के माध्यम से स्वचालित रूप से वर्गीकृत करने की विधि
- सैटेलाइट इमेजरी से स्वचालित लक्ष्य पहचान और वर्गीकरण के लिए हाइब्रिड विधि
- मल्टी-ऑक्टेव फास्ट स्विचिंग, बेहतर आइसोलेशन जीएएस एमएमआईसी रिफ्लेक्टिव सिंगल पोल डबल थ्रो स्विच
- न्यूनतम चरण बदलाव के साथ मल्टी-ऑक्टेव कम बिजली की खपत जीएएस एमएमआईसी 5 बिट डिजिटल एटेन्यूएटर
- अडेप्टिव गेटेड पोजिशनिंग तकनीक का इस्तेमाल करते हुए अंतर्जलीय स्थिति निर्धारण के लिए विधि और प्रणाली
- अन-टेथर्ड अंतर्जलीय वाहन की गहराई से सहायता प्राप्त स्थिति निर्धारण के लिए विधि और प्रणाली
- शेयर्ड अपर्चर डुअल बैंड डुअल फंक्शन एंटेना
- वेंटिलेटर के लिए इलेक्ट्रॉनिक एयर ऑक्सीजन ब्लेंडर

उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए सक्षमता

- उभरती प्रौद्योगिकियों में पीएचडी और एम.टेक कार्यक्रमों के लिए प्रायोजन
- परियोदना प्रबंधन पेशेवर (709), प्रमाणित गुणता इंजीनियर (385), प्रमाणित गुणता इंजीनियर (335), प्रमाणित गुणता/प्रचालनीय उत्कृष्टता के प्रबंधक (124), प्रमाणित सॉफ्टवेयर गुणता इंजीनियर (72), प्रमाणित पूर्तिकर्ता गुणता पेशेवर (14) और प्रमाणित कारोबार विश्लेषण और डाटा प्रबंधन (41) जैसे इंजीनियरों के लिए प्रमाणीकरण कार्यक्रम
- एआई, बिग डेटा एनालिटिक्स, आईओटी, 5जी वायरलेस संप्रेषण, रोबोटिक्स और कंप्यूटर विज़न, एआर/वीआर, क्वांटम क्रिप्टोग्राफी, हथियार एवं गोला बारुद, मानव रहित सिस्टम में केंद्रित विकास समूह

78%

वित्त वर्ष 2021-22 में कुल कारोबार का स्वदेशी प्रौद्योगिकी से उत्पन्न है

मानव पूंजी

अत्यधिक कुशल, भविष्य के लिए तैयार कार्यबल का विकास करना

प्रतिभाशाली और विविध कार्यबल हमें प्रतिस्पर्धा में बढ़त प्रदान करने में प्रमुख होते हैं क्योंकि हम अग्रणी प्रौद्योगिकी क्रांति और विश्व स्तर तक पहुँचने के लिए तत्पर हैं। हम सर्वोत्तम प्रतिभाओं को आकर्षित करने और उन्हें बनाए रखने तथा उन्हें भविष्य के लिए तैयार कौशल के साथ सशक्त बनाने के लिए एक सुदृढ कर्मचारी प्रस्ताव का निर्माण कर रहे हैं। हम अधिक से अधिक परिणाम प्राप्त करने के लिए कार्य निष्पादन-चलित संस्कृति पर भी जोर देते हैं।

3 GOOD HEALTH AND WELL-BEING | 5 GENDER EQUALITY | 8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH | 10 REDUCED INEQUALITIES

ज्ञानार्जन एवं विकास

एक ऐसे व्यवसाय में शामिल होना जिसमें उच्च स्तरीय और विकसित प्रौद्योगिकियों पर काम करने की आवश्यकता होती है, व्यक्तिगत और टीम स्तर पर कर्मचारियों का निरंतर विकास आवश्यक है। हमने सभी श्रेणी के कार्यपालकों के लिए आंतरिक रूप से और प्रमुख प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से विभिन्न प्रबंधन विकास, प्रौद्योगिकी विशिष्ट और गुणता संबंधी कार्यक्रमों को लागू किया है। कार्यक्रम में हमारे विविधीकरण विकास योजना से संबंधित विभिन्न प्रौद्योगिकी क्षेत्र को शामिल करते हैं।

हमारी कुछ प्रमुख ज्ञानार्जन और विकास पहलों में शामिल हैं-

बीईएल उत्कृष्टता अकादमी (नालंदा)- यह आईआईटी, आईआईएम, आईआईएससी, आईईटीई, आईएसआई और एएसक्यू जैसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से डिजाइन किए गए गुणता, प्रौद्योगिकी और नेतृत्व के तीन प्रमुख क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है।

ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र- यह बेंगलुरु यूनिट के गैर-कार्यपालक और शिक्षुता प्रशिक्षुओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है और इसमें एक कौशल विकास केंद्र भी है।

यूनिट एचआरडी- यह संबंधित यूनिटों की प्रशिक्षण आवश्यकता को पूरा करता है जो कार्यपालक और गैर-कार्यपालक दोनों को शामिल करते हुए यूनिटों / एसबीयू के विशिष्ट कारोबार की ओर उन्मुख हैं।

कॉर्पोरेट एचआरडी- यह सभी श्रेणी और यूनिट के कार्यपालकों के रणनीतिक प्रशिक्षण और विकास की जरूरतों को पूरा करता है। यह ऑनलाइन विकास केंद्र, वरिष्ठ अधिकारियों के लिए कार्यपालक कोचिंग आदि जैसी विकासात्मक पहलों को भी चलाता है। इसके अलावा कर्मचारी नियोजन एवं संतुष्टि सर्वेक्षण करता है जो कर्मचारियों की मनोदशा को समझने और आवश्यक कार्यों को लागू करने में मदद करता है।

92%

कर्मचारी 6.86 प्रति कर्मचारी के औसत श्रम घंटों के साथ वित्त वर्ष 2021-22 में प्रशिक्षित किए गए।

कर्मचारी नियोजन एवं खुशहाली

व्यस्त और अभिप्रेरित कर्मचारी उत्पादकता बढ़ाने, संसक्ति बढ़ाने और संगठन की रणनीति हासिल करने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। हम विभिन्न कर्मचारी नियोजन और स्वस्थ पहल करते हुए यह सुनिश्चित करते हैं.

बीईएल ऑफिसर्स क्लब एक ऐसी पहल है जिससे कर्मचारियों और उनके परिवारों को विभिन्न मनोरंजन और जीवन शैली की सुविधाएं प्रदान करते हुए कर्मचारी संतुष्टि लाई जाती है। बीईएल के 85% कार्यपालक इस क्लब के सदस्य हैं। इसके अलावा, कर्मचारियों के बीच संबंध प्रगाढ़ बनाने के लिए मासिक सांस्कृतिक कार्यक्रम,

स्पर्धाएं, वार्षिक समारोह और खेल कार्यक्रम और टूर्नामेंट आयोजित किए जाते हैं और उनका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य सुनिश्चित किया जाता है। कर्मचारियों को सामाजिक और पर्यावरणीय बेहतरी के लिए योगदान देने के मंच प्रदान करते हुए उन्हें सामाजित परिवर्तन लाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। इसके अलावा, हम कर्मचारी नियोजन और संतुष्टि सर्वेक्षण भी कराते हैं जिससे कर्मचारियों की मानसिकता समझने और आवश्यक कार्रवाई करने में मदद मिलती है।

96%

वित्त वर्ष 2020-21 में कर्मचारियों ने कर्मचारी नियोजन और संतुष्टि सर्वेक्षण में भाग लिया और नियोजन अंक 81% है।

i

सर्वेक्षण के बारे में संक्षिप्त विवरण-

1. सर्वेक्षण में 9,019 कर्मचारियों में से 8,645 कर्मचारियों ने भाग लिया जिसमें सभी स्थायी कर्मचारी शामिल थे।
2. सर्वेक्षण ऑनलाइन प्रश्नावली के माध्यम से किया गया था।
3. कर्मचारी का अनुभव, संतुष्टि, प्रेरणा और मनोबल सभी संगठन में विभिन्न कारकों द्वारा संचालित होते हैं। यह सब समझने का एकमात्र तरीका कर्मचारी नियोजन और संतुष्टि सर्वेक्षण (ईईएस) है। ईईएस सर्वेक्षण सफलता और लक्ष्यों की पूर्ति का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं जब उन्हें प्रभावी ढंग से संचालित किया जाता है। इसका समग्र उद्देश्य कर्मचारियों के संगठन के प्रति संबंध को मापना और इसे प्रभावित करने वाले कारकों की जांच करना है।

कार्य-निष्पादन प्रबंधन

हमारे पास एक मजबूत कार्य-निष्पादन प्रबंधन प्रणाली (पीएमएस) है जो बीईएल व्यवहार योग्यता मॉडल के साथ एकीकृत है। यह कार्य-निष्पादन पर निरंतर संवाद और सुधार के उपायों की पहचान करने के साथ-साथ व्यक्तियों के कार्यों को संगठनात्मक लक्ष्यों के साथ संरेखित करने में सक्षम बनाता है। मापने योग्य उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित किया गया है जिसे व्यक्ति प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं, यह विकास, पदोन्नति, कार्यवर्तन और कार्यपालकों की नियुक्ति के लिए महत्वपूर्ण इनपुट प्रदान करता है। यह प्रमुख जिम्मेदारी क्षेत्रों (केआरए) और प्रमुख प्रदर्शन संकेतक (केपीआई) को बेहतर ढंग से परिभाषित करने में सहायता करता है जिससे व्यक्तियों को कार्य प्रदर्शन के बेहतर मानकों को प्राप्त करने में मदद मिलती है।

विविधता और समावेशन

हम एक समावेशी कार्यस्थल होने पर सक्रिय रूप से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जहां सभी पृष्ठभूमि, लिंग और जातीयता के व्यक्ति अपने विविध ज्ञान और विचारों के साथ संगठनात्मक विकास को चलाने के लिए एक साथ आते हैं। हम सभी, विशेषकर महिलाओं के लिए समान अवसर और सुरक्षित कार्यस्थल सुनिश्चित करते हुए इसे प्राप्त करते हैं। कर्मचारी प्रतिधारण को प्रोत्साहित करने के लिए हमारे पास विभिन्न नीतियां हैं। हमारे प्रयासों ने पणधारकों के एक विविध प्रकार के प्रतिनिधित्व में अनुवाद किया है, जो हमें परिवर्तनों में सबसे आगे रहने और सही रणनीति तैयार करने में सक्षम बना रहा है।

बीईएल में विविधता

बीईएल में विविधता

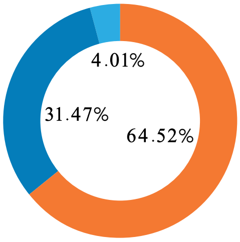

- कार्यपालक 5,712
- गैर-कार्यपालक 2,786
- टीसी 355

कर्मचारी, लिंग के आधार पर

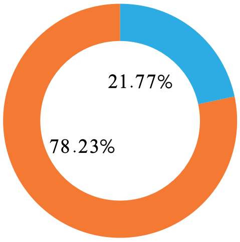

- महिला 1,927
- पुरुष 6,926

कर्मचारी, संघठन के आधार पर

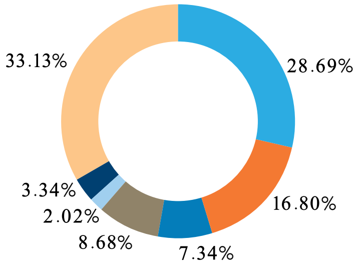

- आर एंड डी 2,540
- उत्पादन 1,487
- विपणन 650
- गुणता और परीक्षण 768
- एचआर 179
- वित्त 296
- समर्थन सेवाएं 2,933

कर्मचारी, सामाजिक-आर्थिक समूहों के आधार पर

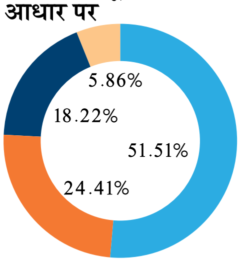

- सामान्य 4,560
- अन्य पिछड़ा वर्ग 2,161
- अनुसूचित जाति 1,613
- अनुसूचित जनजाति 519

सामाजिक और संबंध पूंजी

समुदायों का समग्र विकास सुनिश्चित करना

हम दृढ़ता से मानते हैं कि मूल्य का सृजन करने की हमारी क्षमता समाज के लिए हमारे द्वारा सृजित किए गए मूल्य से जुड़ी हुई है। हम समग्र सामुदायिक विकास, संस्था निर्माण और संधारणीयता से संबंधित पहलों सहित सामाजिक जिम्मेदारियों को पूरा करने का प्रयास करते हैं। यूएन एसडीजी के साथ निकटता से जुड़े हमारे मध्यवर्तन क्षमता निर्माण और वंचितों के सशक्तिकरण के माध्यम से समावेशी और समान विकास में योगदान करते हैं।

बेहतर शिक्षा को सक्षम करना

बीईएल 35 सुदूर स्थित सरकारी स्कूलों में अध्ययन के लिए अनुकूल माहौल तैयार कर रहा है। समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लगभग 15,000 ग्रामीण छात्र इससे लाभान्वित होंगे।

स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता अवसंरचना को बढ़ाना

बीईएल ने सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य की अवसंरचना में सुधार करने और 125 से अधिक सरकारी स्कूलों में स्वच्छता सुविधाओं में में मदद की, जिससे लगभग 15 लाख और 17,000 छात्रों की ग्रामीण आबादी को लाभ होगा।

ग्रामीण विकास को सुगम बनाना

बीईएल ने गोद लिए गए 9 गांवों में विकासात्मक और संधारणीय मध्यवर्तन किया, जिससे लगभग 1.25 लाख ग्रामीण आबादी लाभान्वित होगी।

कौशल निर्माण को बढ़ावा देना

बीईएल ने कौशल भारत को प्राथमिकता दी, और 10 गोद लिए गए सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में अवसंरचना को बढ़ाने का कदम उठाया। 5,000 युवाओं को तकनीकी कौशल, रोजगार योग्यता कौशल पर प्रशिक्षित किया गया और उन्हें बेहतर आजीविका सुरक्षित करने में मदद करने के लिए उद्योग का अनुभव दिया गया।

महामारी के दौरान राष्ट्र का समर्थन

चूंकि कोविड-19 महामारी वित्त वर्ष 2021-22 में जारी रही और स्वास्थ्य और पोषण की तत्काल आवश्यकता को पूरा करने के लिए, हमने, बीईएल में, अपने राहत प्रयासों को जारी रखा। हमने पूरे भारत में विषयगत सीएसआर कार्यों और कोविड-19 सहायता परियोजनाओं के लिए 16.30 करोड़ रुपये की प्रतिबद्धता जताई। हमने लखनऊ, उत्तर प्रदेश में कोविड़ अस्पताल के निर्माण के लिए 5 करोड़ रुपये का योगदान दिया।

हमने 6 राज्यों के 12 सरकारी अस्पतालों में ऑक्सीजन की आवश्यकता को पूरा करने और देश में ऑक्सीजन संकट को कम करने में मदद करने के लिए मेडिकल ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र स्थापित किए हैं। सुदूर सरकारी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य के अवसंरचना को बढ़ाया गया। यादगीर आकांक्षी जिले के सरकारी अस्पतालों में बाल चिकित्सा आईसीयू में वेंटिलेटर दान किए गए। कर्नाटक के रायचूर और यादगीर के आकांक्षी जिलों में विकलांग व्यक्तियों को उनकी गतिशीलता को सुविधाजनक बनाने के लिए सहायता और उपकरण प्रदान किए गए।

बीईएल ने मंधाना गांव में सामुदायिक विकास और संस्था निर्माण का कार्य किया।

₹ 2 करोड़

निवेश

मध्यवर्तन के प्रमुख क्षेत्र

सरकार सीनियर माध्यमिक विद्यालय की अवसंरचना आवर्द्धन

- नया स्कूल भवन
- मौजूदा कक्षा और पुस्तकालय, रसोई, असेंबली क्षेत्र का उन्नयन
- फर्नीचर, व्हाइट बोर्ड और पीसी उपलब्ध कराना
- पानी की टंकी, पीने का पानी, स्वच्छता और हाथ धोने की सुविधा
- चारदीवारी और गेट
- छात्रों के लिए वर्दी, बैग, जूते और स्टेशनरी

ग्रामीण विकास

- सड़कों, नालियों का निर्माण और दीवार प्रतिधारण
- पंचायत प्लेटफॉर्म और बस स्टैंड
- सौर स्ट्रीट लाइट

प्रभाव बनाया

2,500

7 गांवों के लोग लाभान्वित

शिक्षा में सुधार

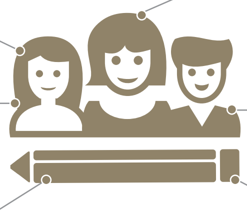

बीईएल ने बेंगलुरु में दोड्डबोम्मसांद्रा झील का पुनर्नवीकरण किया

₹ 13.5 करोड़

निवेश

मध्यवर्तन का क्षेत्र- 10 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी)

बीईएल ने एक अग्रणी पहल में कर्नाटक सरकार के नियामक निकायों के साथ साझेदारी में 10 एमएलडी एसटीपी की स्थापना और कमीशनिंग की।

राजस्व विभाग (भूमि के स्वामी), ब्रुहत बेंगलुरु महानगर पालिके (झील का संरक्षक) और कर्नाटक झील संरक्षण और विकास प्राधिकरण (झीलों पर अंतिम प्राधिकरण) निर्बाध परियोजना निष्पादन के लिए शामिल थे।

प्रभाव बनाया

3 लाख से अधिक

लोग लाभान्वित

पारिस्थितिकी और जैव विविधता में सुधार

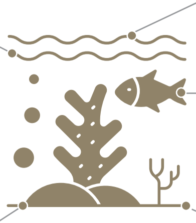

प्राकृतिक पूंजी

जिम्मेदारी से काम करने के लिए प्रतिबद्ध

हम आर्थिक, पारिस्थितिक और सामाजिक जिम्मेदारी के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अपने कारोबार को पर्यावरण की दृष्टि से अधिक टिकाऊ बनाने और एक स्थायी दुनिया की दिशा में योगदान देने के लिए आगे बढ़ने के लिए सक्रिय रूप से कार्रवाई कर रहे हैं। हमारी सभी यूनिट पर्यावरण के अनुकूल प्रक्रियाओं को बनाए रख रही हैं और वर्षा जल संचयन, ऊर्जा संरक्षण और कचरे में कमी के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

6 CLEAN WATER AND SANITATION | 7 AFFORDABLE AND CLEAN ENERGY | 9 INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE | 12 RESPONSIBLE CONSUMPTION AND PRODUCTION | 13 CLIMATE ACTION

स्वच्छ प्रौद्योगिकियों में निवेश

हम स्वच्छ विनिर्माण प्रौद्योगिकियों में लगातार निवेश कर रहे हैं और हमने घटकों और प्रक्रियाओं को पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में आर एंड डी प्रयासों को दिशा दी है जिससे प्रदूषण में काफी कमी आई है। संधारणीय सामग्री, घटकों और निर्माण प्रक्रियाओं के उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए कुछ खतरनाक पदार्थों (आरओएचएस) अभ्यास का वैश्विक सर्वोत्तम मानक प्रतिबंध लागू है। वित्त वर्ष 2021-22 में, 47 नए आरओएचएस-अनुरूप घटकों को पेश किया गया और 63 मानकों को संशोधित किया गया, जिससे इलेक्ट्रॉनिक/इलेक्ट्रिकल/मैकेनिकल घटकों के लिए हमारे कुल 689 आरओएचएस-अनुपालन मानकों को पूरा किया गया।

स्वच्छ और कम कार्बन उत्सर्जन सुनिश्चित करना

वायु उत्सर्जन की निगरानी और नियंत्रण के लिए हमारे संयंत्रों में वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण हैं। हमने उत्सर्जन को कम करने के लिए कई परिचालन नियंत्रणों को अपनाया है जैसे मामूली वैक्यूम (नेगेटीव) दबाव के साथ ऑपरेटिंग पेंट बूथ और प्लेटिंग बाथ, गीले स्क्रबर्स का उपयोग और सोल्डर धुएं को आकर्षित करने के लिए चूषण फिल्टर का उपयोग करना।

इसके अलावा, हरित ऊर्जा और ऊर्जा संरक्षण पर जोर दिया जाता है। हमारे पास 13.9 मेगावाट पवन ऊर्जा क्षमता और 5101 केडब्ल्यूपी संचयी ग्रिड से जुड़ी रूफटॉप सौर ऊर्जा क्षमता है, जो एक साथ हमारी कुल ऊर्जा आवश्यकता का 49.36% योगदान करती है

और इसके परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 26,205.46 मेट्रिक टन CO2 उत्सर्जन समकक्ष से बचा जाता है। ऊर्जा कुशल एलईडी और अन्य कुशल प्रकाश व्यवस्था के उपयोग से ऊर्जा की खपत को कम करने में मदद मिली है। सभी नए भवनों के लिए ग्रीन बिल्डिंग अवधारणा का पालन किया जा रहा है। भविष्य के सभी भवनों के लिए, गृह रेटिंग (एकीकृत आवास मूल्यांकन के लिए ग्रीन रेटिंग) को लक्षित किया जाएगा। हम वित्त वर्ष 2022-23 में 4 मेगावाट पवन ऊर्जा क्षमता जोड़ने का इरादा रखते हैं।

अपशिष्ट जल का पुनर्चक्रण और पुन: उपयोग

हम सुनिश्चित करते हैं कि उत्पन्न सभी अपशिष्ट जल को कम रासायनिक खपत के साथ प्रभावी विषहरण के माध्यम से उपचारित किया जाता है और उत्पादन में पुन: उपयोग किया जाता है। नोन-पोर्टबल एप्लिकेशन के लिए पुनर्नवीनीकरण पानी के प्रभावी उपयोग के लिए नए भवन दोहरी प्लंबिंग प्रणाली से सज्ज हैं। हमारे फाइव स्टार गृह-रेटेड बीईएल उत्कृष्टता अकादमी और सी-टाइप आवासीय क्षेत्र इससे सुसज्जित हैं। हमारे बेंगलूरु कॉम्प्लेक्स में जल सकारात्मक सुविधा है।

प्रभावी ढंग से कचरे का प्रबंधन

हानिकारक अपशिष्ट प्रबंधन

हम हानिकारक कचरे को कम करने, पुन: उपयोग करने, पुनर्प्राप्त करने और पुनर्चक्रण पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उपयुक्त रसायनों और प्रक्रियाओं का उपयोग जो अपशिष्ट जल विषहरण प्रक्रिया, साइनाइड मुक्त गैल्वनाइजिंग और कॉपर प्लेटिंग प्रक्रियाओं में कम हानिकारक कीचड़ उत्पन्न करते हैं, और सौर संयंत्रों में आईपीए के उपयोग को समाप्त करने में योगदान दे रहे हैं। हमने कचरे के सुरक्षित भंडारण के लिए एक विशेष, अच्छी तरह से संरक्षित जगह भी बनाई है। इसके अलावा, ठोस हानिकारक कचरे के निपटान / पुनर्चक्रण के लिए विभिन्न राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) के अधिकारियों के साथ गठजोड़ किया गया है।

ई-कचरा प्रबंधन

कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं जैसे जीवन के अंत सहित सभी ई-कचरे को वैज्ञानिक प्रसंस्करण, पुनर्प्राप्ति और पुनर्चक्रण के लिए अधिकृत पीसीबी एजेंसियों को अलग, संग्रहीत और सौंप दिया जाता है। ईवीएम को विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी पहल के तहत वापस प्राप्त किया जाता है और वैज्ञानिक रूप से निपटाया जाता है। हम हानिकारक घटकों को आरओएचएस-अनुपालन वाले घटकों से बदलने के लिए भी निरंतर प्रयास करते हैं। इसके अलावा, हम अपने इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के उपयोगकर्ताओं को हैंडलिंग और सुरक्षित निपटान दिशानिर्देश प्रदान करने का वचन देते हैं।

बायोमेडिकल अपशिष्ट

बीईएल अस्पताल और चिकित्सा केंद्रों में उत्पन्न बायोमेडिकल कचरे को एकत्र किया जाता है और वैज्ञानिक रूप से नियामक आवश्यकताओं के अनुसार निपटाया जाता है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

हमने कचरे के उचित प्रबंधन के लिए स्रोत पृथक्करण प्रणाली स्थापित की है। हमारे पास 1.0 टन जैविक अपशिष्ट परिवर्तक है जो जैव-निम्नीकरणीय भोजन और कॉलोनी के हरे कचरे को कम्पोस्ट करने के लिए है। इस प्रकार उत्पन्न खाद का उपयोग हमारी संपत्ति में बागवानी के लिए किया जाता है। हरे कचरे को प्राकृतिक रूप से खाद बनाया जाता है और इसकी मात्रा को कम करने के लिए लीफ श्रेडर का उपयोग किया जाता है। खाना पकाने के लिए बायोगैस उत्पन्न करने हेतु 2 टन बायो-मीथेनेशन संयंत्र में कैंटीन खाद्य अपशिष्ट को संसाधित किया जाता है जो लगभग 50 एससीएम पीएनजी बचाता है। लैंडफिल करने योग्य कचरे को बेंगलुरु में ठोस अपशिष्ट उपचार सुविधा में संसाधित किया जाता है।

जल प्रबंधन - जीवन बचा रहा है

हमने पानी की आपूर्ति और बोरवेल से पानी निकालने का स्वचालन, शॉवर-आधारित नल और कुशल डिशवाशिंग सिस्टम, पानी बचाने के लिए ऑटो लेवल कंट्रोलर का उपयोग किया है। जल संरक्षण के लिए वायु उत्तेजन द्वारा जल शुद्धीकरण। यूनिटों में भूजल पुनर्भरण और वर्षा जल के पुन: उपयोग के लिए वर्षा जल संचयन की सुविधा है। आरओ जल उत्पन्न करने के लिए वित्त वर्ष 2021-22 में 745 घन मीटर वर्षा जल का संचयन किया गया था।

पारिस्थितिक संधारणीयता

हम बेंगलुरु में अपने 685 हेक्टर के हरित परिसर में लगभग 4,94,000 एम2 लॉन, 25,200 मीटर की हेज और 1,500 से अधिक प्रकार के 1,40,500 पेड़ों का रखरखाव करते हैं। विभिन्न पक्षियों और अन्य जीवों का घर, यह ग्रीन कार्पेट धूल को रोकने में मदद करता है, गर्मी को अवशोषित करता है, कार्बन सिंक बनाता है और ताजा ऑक्सीजन छोड़ता है।

दशक के दौरान कार्य-निष्पादन की स्थिरता

(₹ करोड़ में)

विवरण	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
बिक्री और सेवाएं	6,012	6,174	6,695	7,541	8,825	10,085	11,789	12,608	13,818	15,044
उत्पादन मूल्य	6,290	6,127	6,659	7,775	9,244	9,670	11,921	12,348	13,947	15,321
अन्य आय	610	428	478	537	471	200	170	102	126	234
सामग्री	4,085	3,584	3,745	4,061	4,832	5,104	6,080	6,846	7,957	9,179
कर्मचारी अनुलाभ व्यय	1,111	1,030	1,263	1,257	1,548	1,772	1,879	2,057	1,941	2,109
मूल्यह्रास / परिशोधन	131	142	154	172	192	251	316	350	366	380
ब्याज/वित्त लागत	1	3	1	5	12	1	12	3	6	5
अन्य व्यय	572	774	674	1,240	1,417	1,110	1,396	1,028	1,114	993
कर पूर्व लाभ	1,115	1,175	1,467	1,732	2,029	1,948	2,703	2,479	2,935	3,158
कर के लिए प्रावधान	225	243	299	425	482	549	776	685	869	809
कर पश्चात लाभ	890	932	1,167	1,307	1,548	1,399	1,927	1,794	2,065	2,349
लाभांश(राशि)	178	186	234	408	503	491	828	682	975	1,096
लाभांश (%)	223	233	292	170	225	200	340	280	400	450
इक्विटी शेयर पूंजी	80	80	80	240	223	244	244	244	244	244
अन्य इक्विटी	6,224	6,937	7,805	8,744	7,285	7,517	8,775	9,609	10,564	11,741
ऋण निधियाँ	0.01	-	-	-	50	67	33	8	-	-
सकल ब्लॉक	2,073	2,227	2,485	1,147	1,617	2,220	3,013	3,795	4,118	4,534
संचयी मूल्यह्रास / परिशोधन	1,498	1,576	1,714	170	362	613	929	1,275	1,638	2,010
वस्तुसूची	3,271	3,370	3,427	4,177	4,905	4,739	4,455	3,963	4,955	5,567
व्यापार लेनदारी	3,335	4,129	3,786	3,712	4,355	5,050	5,369	6,733	6,552	6,103
कार्यशील पूंजी	5,445	6,077	6,910	7,373	5,305	4,366	5,376	5,817	6,812	7,625
नियोजित पूंजी	6,020	6,728	7,681	8,349	6,560	5,973	7,461	8,336	9,292	10,149
निवल मालियत	6,304	7,017	7,885	8,984	7,509	7,761	9,019	9,853	10,808	11,984
प्रति शेयर अर्जन (₹ में)	3.37	3.53	4.42	4.95	6.03	5.70	7.91	7.36	8.48	9.64
प्रति शेयर पुस्त मूल्य (₹ में)	26.27	29.24	32.85	37.43	33.62	31.85	37.01	40.44	44.36	49.18
कर्मचारियों की संख्या	10,305	9,952	9,703	9,848	9,716	9,726	9,612	9,279	9,172	8,853

बोर्ड की रिपोर्ट

सेवा में सदस्यगण,

आपके निदेशकों को 31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए अपनी रिपोर्ट और लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण, सांविधिक लेखापरीक्षकों और भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक की रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

वित्तीय परिणाम और निष्पादन विशिष्टताएं

कंपनी के वित्तीय परिणाम और निष्पादन विशिष्टताएं इस प्रकार हैं:

(₹ लाख में)

विवरण	2021-22	2020-21
उत्पादन का मूल्य	15,32,064	13,94,749
कारोबार	15,04,367	13,81,816
मूल्यह्रास, ब्याज और कर पूर्व लाभ	3,54,283	3,30,722
वित्तीय लागत	485	608
मूल्यह्रास और परिशोधन	38,018	36,633
कर पूर्व लाभ	3,15,780	2,93,481
कर के लिए प्रावधान	80,887	86,939
कर पश्चात लाभ	**2,34,893**	**2,06,542**
अन्य समग्र आय / (हानि)	(14,921)	(8,709)
कुल समग्र आय	2,19,972	1,97,833
लाभांश का भुगतान	1,02,337	1,02,337
लाभांश पर कर	-	-
सामान्य रिजर्व में अंतरण	40,000	40,000
अन्य इक्विटी (रिजर्व और अधिशेष सहित)	11,74,060	10,56,423
कुल मूल्य	11,98,426	10,80,789
प्रति शेयर आय (₹ में)	9.64	8.48
प्रति शेयर बुक वैल्यू (₹ में)	49.18	44.36

वित्त वर्ष 2021-22 के लिए उत्पादन के मूल्य का वितरण नीचे दिया गया है-

(₹ लाख में)

विवरण	राशि	प्रतिशत
सामग्री	9,17,947	59.92%
कर्मचारी लागत	2,10,939	13.77%
अन्य व्यय (निवल)	49,380	3.22%
मूल्यह्रास और परिशोधन	38,018	2.48%
कर के लिए प्रावधान	80,887	5.28%
कर पश्चात लाभ	2,34,893	15.33%
कुल	**15,32,064**	**100.00%**

वर्ष 2021-22 के लिए कंपनी का कारोबार 2020-21 में ₹ 13,81,816 लाख से बढ़कर ₹ 15,04,367 लाख हो गया, जिसमें 8.87% की वृद्धि दर्ज की गई। पिछले वर्ष के ₹ 2,06,542 लाख की तुलना में इस वर्ष के लिए कर पश्चात लाभ (पीएटी) ₹ 2,34,893 लाख है। स्वदेशी रूप से विकसित उत्पादों का कारोबार 78% था। रक्षा आपूर्ति के लिए योगदान पिछले वर्ष 78% की तुलना में 2021-22 में कारोबार का 90% था।

लाभांश

सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियम 43ए के अनुसरण में, कंपनी के निदेशक मंडल ने सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015, कंपनी अधिनियम, 2013, जारी कंपनी के लिए लागू सीमा तक सेबी, डीपीई, दीपम, वित्त मंत्रालय और अन्य दिशानिर्देशों द्वारा दिशानिर्देशों के प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए लाभांश वितरण नीति तैयार की। नीति को कंपनी की वेबसाइट https://www.bel-india.in/ContentPage.aspx?MId=17&CId=527&LId=1&link=527 पर रखा गया है।

निदेशक मंडल ने वर्ष 2021-22 के लिए ₹ 1.50/- प्रति इक्विटी शेयर (150%) के अंतिम लाभांश की राशि ₹ 36,548.89 लाख की सिफारिश की है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए शेयरधारकों को पहला अंतरिम लाभांश ₹ 1.50 प्रति इक्विटी शेयर (150%) और दूसरा अंतरिम लाभांश ₹ 1.50 प्रति इक्विटी शेयर (150%) का भुगतान किया गया है। इस प्रकार, वर्ष 2021-22 के लिए कुल लाभांश ₹ 4.50/- प्रति इक्विटी शेयर (450%) है, जो ₹ 1,09,646 लाख है।

रिजर्व में अंतरण

वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए सामान्य रिज़र्व में ₹ 40,000 लाख की राशि अंतरित की गई है।

शेयर पूंजी

31 मार्च 2022 को कंपनी की अधिकृत पूंजी ₹ 25,000 लाख (₹ 1/- के 2,50,00,00,000 इक्विटी शेयर) थी और चुकता शेयर पूंजी ₹ 24,366 लाख (₹ 1-1/- के पूरी तरह से चुकता 2,43,65,92,943 इक्विटी शेयर) थी। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान कंपनी की अधिकृत / चुकता शेयर पूंजी में कोई बदलाव नहीं हुआ।

निष्पादित प्रमुख आदेश

एएफएनईटी प्रदर्शन/सुरक्षा संवर्धन और सैटकॉम नेटवर्क, एकीकृत परिधि सुरक्षा प्रणाली (आईपीएसएस), वाहन आधारित आश्रय नेटवर्क (सम्युकता), इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट, केरला फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क (के-एफओएन), उन्नत/एकीकृत संचार प्रणाली, आर्टिलरी कॉम्बैट कमांड और नियंत्रण प्रणालियां, संचार प्रणाली, स्मार्ट सिटी परियोजनाएं रक्षा बलों के लिए मिसाइल, नियंत्रण और निगरानी प्रणालियों की आपूर्ति और समर्थन सहित ऊर्जा स्टोरेज परियोजनाएं निष्पादित की गईं।

निर्यात

आपकी कंपनी नागरिक बाजार की जरूरतों को पूरा करने के लिए होमलैंड सिक्योरिटी सॉल्यूशंस, सीमा सुरक्षा प्रणालियों और अत्याधुनिक प्रणालियों और समाधानों और पेशेवर इलेक्ट्रॉनिक्स सहित रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों और प्रणालियों की निर्यात क्षमता का दोहन करने की दिशा में तेजी से ध्यान केंद्रित कर रही है, जो इसका मूल व्यापार क्षेत्र है।

बीईएल विदेशों और वैश्विक ओईएम को विभिन्न उत्पादों और प्रणालियों का निर्यात करता रहा है। अपने वर्तमान और संभावित ग्राहकों के साथ स्वस्थ संबंध स्थापित करने और उनकी आवश्यकताओं के आधार पर बीईएल नियमित रूप से विभिन्न उत्पादों और प्रणालियों की आपूर्ति के लिए विदेश मंत्रालय (एमईए) और रक्षा मंत्रालय (एमओडी) के साथ बातचीत करता रहता है।

बीईएल विकसित, विकासशील और तीसरी दुनिया के देशों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित समाधान, विभिन्न नागरिक परियोजनाओं के लिए सॉफ्टवेयर विकास, आईओटी सेंसर, सेंसर फ्यूजन और प्रबंधन प्रणाली, एकीकृत डेटा एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म सिस्टम जैसे उत्पाद और समाधान, स्मार्ट हब, वीवीआईपी क्षेत्रों के लिए सुरक्षा पैकेज, स्मार्ट सिटी, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का विकास, सौर ऊर्जा उत्पादन परियोजनाएं आदि के साथ नागरिक और चिकित्सा उपकरण बाजार की तलाश कर रहा है।

बीईएल रक्षा खरीद प्रक्रिया में शामिल ऑफसेट नीति के कारण रक्षा मंत्रालय के विभिन्न आरएफपी में ऑफसेट दायित्वों को पूरा करने में ओईएम की मदद करने के क्षेत्र में अवसरों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसके लिए कंपनी विभिन्न प्रमुख विदेशी एयरोस्पेस और रक्षा कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रही है और साझेदारी कर रही है। बीईएल ग्राहकों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सिद्ध उत्पादों और प्रणालियों की पेशकश भी कर रहा है। बीईएल ने उभरते निर्यात अवसरों के नए क्षेत्रों के रूप में संविदा निर्माण (बिल्ड टू प्रिंट और बिल्ड टू स्पेक) और नवीनतम प्रणालियों और समाधान के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की पहचान की है। इसके अलावा, वैश्विक खिलाड़ियों के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति शृंखला कनेक्ट स्थापित करने के प्रयास जारी हैं।

बीईएल मुख्य रूप से विभिन्न 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसने प्रमुख प्लेटफॉर्म ओईएम और उनके टियर-I आपूर्तिकर्ताओं को अपने विभिन्न उत्पादों और सेवाओं की पेशकश की है। इसने बीईएल को न केवल भारतीय कार्यक्रमों के लिए बल्कि वैश्विक आवश्यकताओं के लिए भी बीईएल में उत्पादों के निर्माण और बीईएल की सेवाओं के उपयोग के लिए विभिन्न ओईएम के साथ सह-विकास, सह-उत्पादन और इसी तरह की व्यवस्था के लिए साझेदारी का लाभ उठाने में मदद की है।

दुनिया भर में कोविड-19 महामारी के बावजूद, कंपनी ने विभिन्न वैश्विक ग्राहकों जैसे अमेरिका, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, इज़राइल, स्वीडन, आसियान देशों, मॉरीशस और श्रीलंका से 2021-22 के दौरान यूएसडी 179.05 मिलियन का निर्यात ऑर्डर हासिल किया। इसके साथ, 1 अप्रैल 2022 को निर्यात ऑर्डर 269 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया। ईडब्ल्यू / एवियोनिक्स के लिए प्रमुख ऑर्डर मेसर्स एयरबस डीएस, स्पेन और मेसर्स थेल्स, फ्रांस से प्राप्त हुए हैं।

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान विभिन्न देशों जैसे स्विट्जरलैंड, अमेरिका, फ्रांस, इज़राइल, स्वीडन, सेशेल्स, मालदीव, श्रीलंका, आसियान देशों और विभिन्न एसईजेड को 33.30 मिलियन अमेरिकी डॉलर की निर्यात बिक्री हासिल की गई। निर्यात किए गए प्रमुख उत्पाद / प्रणालियां तटीय निगरानी प्रणाली रेडार, रेडार और ईडब्ल्यू सिस्टम की उप प्रणालियां, डेटा लिंक II, केबल लूम, यांत्रिक पुर्जे, संचार उपकरण, आईएफएफ-इंटेरोगेटर, रेडार फिंगर प्रिंटिंग सिस्टम, ईओएस, पावर स्रोत, रेडार स्पेयर्स आदि थे।

विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय और ग्राहकों के साथ निरंतर और केंद्रित चर्चा, नए और पूर्ण सिस्टम की पेशकश करके ग्राहकों के साथ एक सक्रिय दृष्टिकोण और प्रक्रियाओं, ग्राहकों के आधार में वृद्धि, नई, अनुकूलित और महत्वपूर्ण परियोजनाओं को लेना और ग्राहकों की आवश्यकता के अनुसार उन्हें समय पर प्रदान करना जैसी नई निर्यात पहलों के साथ निर्यात बिक्री हासिल की गई थी। अनुकूलित समाधान और भावी खतरों और अवसरों को विकसित करने के लिए ग्राहकों को प्रदान की गई सहायता / सेवाओं में अधिक प्रयास किए गए थे।

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान उत्पादों और सेवाओं के लिए नए बाजारों के विकास द्वारा निर्यात बढ़ाने के लिए की गई पहल:

❖ 2021-22 में की गई प्रमुख पहलें इस प्रकार हैं

- एक्ज़िम / क्रेता ऋण परियोजना - विभिन्न देशों के लिए बाजार में बढ़त के प्रयास।
- केन्या, चिली, सूरीनाम, मलेशिया, नेपाल, बांग्लादेश में नए स्थानीय भागीदारों के साथ सहयोग।
- विभिन्न पड़ोसी देशों में G2G अवसरों की तलाश।
- ओईएम के साथ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला भागीदार के रूप में बीईएल के पैनल में बढ़ोतरी करके संविदा निर्माण पोर्टफोलियो में वृद्धि।
- सुरक्षित वातावरण के तहत सॉफ्टवेयर क्षमताओं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आधार पर टर्नकी समाधान के क्षेत्र में कारोबार का पता लगाना।
- भारतीय प्लेटफॉर्म निर्माताओं के साथ रणनीतिक गठबंधन और देश के भीतर मजबूत सपोर्ट बनाने के लिए प्रमुख भारतीय प्लेटफॉर्म निर्माताओं के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर करने के लिए चर्चा और प्रक्रियाएं शुरू करना।
- सर्वोत्तम मूल्य प्रस्ताव की पेशकश करके वैश्विक बाजारों में जगह बनाने के लिए विदेशी ओईएम के साथ प्रस्तावित रणनीतिक गठबंधन।
- विदेशों में सरकारी निविदाओं में भागीदारी बढ़ाने के प्रयास।
- भू-स्थानिक पहुंच का तेजी से विस्तार करने के लिए बीईएल के विदेशी प्रतिनिधि/विपणन कार्यालयों (18 देशों) के माध्यम से भारत के रक्षा उद्योगों के विभिन्न उत्पादों और प्रणालियों के विपणन के प्रयास।

- बीईएल नियमित रूप से भारत के मित्र देशों को क्रेडिट लाइन (एलओसी)/अनुदान के तहत उत्पादों / प्रणालियों की आपूर्ति के लिए विदेश मंत्रालय, भारतीय उच्चायोग, रक्षा अटैची और एमओडी, भारत के साथ बातचीत।

❖ विदेशों/ग्राहकों को पेश किए जाने वाले निम्नलिखित उत्पादों और प्रणालियों के लिए प्रमुख लीड पाइप लाइन में -

- तटीय रेडार प्रणाली
- रेडार सिस्टम और समाधान
- नौसेना रेडार और सोनार का उन्नयन
- अनुबंध विनिर्माण
- संचार उपकरण
- इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर एवियोनिक्स

❖ 2021-22 के दौरान ऑफसेट कारोबार की गुंजाइश निम्नलिखित थी-

- डेटा लिंक II
- आईएफएफ - इंटरोगेटर
- रेडार फिंगर प्रिंटिंग सिस्टम
- ईओएस कम्पास
- ईडब्ल्यू और रेडार सब-असेंबली बिल्ट टू प्रिंट आधार पर
- मिसाइल सिस्टम और समाधान

सरकार के साथ समझौता ज्ञापन

आपकी कंपनी डीपीई से जारी दिशा-निर्देशों के आधार पर हर साल रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के साथ समझौता (एमओयू) एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करती रही है। वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए कंपनी के निष्पदान को “बहुत अच्छा” के रूप में दर्जा दिया गया है। सरकार द्वारा वित्त वर्ष 2021-22 के लिए एमओयू रेटिंग की समीक्षा की जा रही है।

ऑर्डर बुक की स्थिति

1 अप्रैल 2022 तक कंपनी की ऑर्डर बुक 57,570 करोड़ है। ऑर्डर बुक में मिसाइल सिस्टम, कमांड और कंट्रोल सिस्टम, एयरक्राफ्ट अपग्रेड, इलेक्ट्रॉनिक्स वोटिंग मशीन, शिप अपग्रेड, रेडार और फायर कंट्रोल सिस्टम, सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो, थर्मल इमेजर्स, केरला फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क (केएफओएन), एएफएनईटी निष्पादन और सुरक्षा संवर्धन और सैटकॉम नेटवर्क, स्मार्ट सिटी परियोजनाएं, नौसेना प्रणाली आदि जैसे प्रमुख कार्यक्रम शामिल हैं।

वित्त

आपकी कंपनी अपने वित्त के प्रबंधन में विवेकपूर्ण रही है। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान, कंपनी ने अपनी सभी कैपेक्स और चल पूंजी आवश्यकताओं को आंतरिक संचय के माध्यम से पूरा किया है। आपकी कंपनी अपने परिचालन खर्चों के प्रबंधन में उत्पादक और कुशल रही है। कंपनी का पीबीटी वित्त वर्ष 2020-21 में 2,93,481 लाख रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 21-22 में 3,15,780 लाख रुपये हो गया है। चालू वित्त वर्ष 21-22 के दौरान ईपीएस बढ़कर ₹ 9.64 हो गया जो पिछले वित्त वर्ष 2020-21 में ₹ 8.48 था। बीईएल का निवल मूल्य ₹ 10,80,789 लाख (वित्त वर्ष 2020-21) से बढ़कर ₹ 11,98,426 लाख हो गया है और संबंधित बुक वैल्यू प्रति शेयर (बीवीपीएस) ₹ 44.36 (वित्त वर्ष 20-21) से बढ़कर ₹ वित्तीय वर्ष 2021-22 में 49.18 हो गया है।

वित्त वर्ष 2020-21 में कारोबार ₹ 13,81,816 लाख से बढ़कर वित्त वर्ष 2021-22 में ₹ 15,04,367 लाख हो जाने के बावजूद, प्राप्य व्यापार ₹ 6,55,154 लाख से घटकर ₹ 6,10,339 लाख हो गया है। इसके अलावा, व्यापार प्राप्य कुल दिनों के कारोबार के रूप में वित्त वर्ष 2020-21 में कारोबार के 173 दिनों से घटकर वित्त वर्ष 2021-22 में कारोबार के 148 दिन रह गया है। दिनों की संख्या में कमी मुख्य रूप से प्रबंधन द्वारा की गई पहल और पुनर्गठन के कारण हुई थी।

हमारा निरंतर निष्पादन और दीर्घकालिक मूल्य सृजन कंपनी द्वारा वितरित किए जा रहे लाभांश की मात्रा में परिलक्षित होता है। चालू वित्त वर्ष 21-22 के दौरान, बीईएल ने ₹ 73,098 लाख की राशि के 150% के 2 अंतरिम लाभांश वितरित किए हैं। निदेशक मंडल ने वर्ष 2021-22 के लिए ₹ 1.50 प्रति इक्विटी शेयर (150%) के अंतिम लाभांश की राशि ₹ 36,548.89 लाख की सिफारिश की है। इस प्रकार, वर्ष 2021-22 के लिए कुल लाभांश ₹ 4.50 प्रति इक्विटी शेयर (450%) है, जो ₹ 1,09,646 लाख है।

जमा

कंपनी के पास वर्तमान में कोई सार्वजनिक जमा योजना नहीं है। हालांकि, कंपनी के पास परिपक्व सार्वजनिक जमा राशि (फरवरी 2006 से पहले एकत्र) 31 मार्च 2022 को ₹ 36.95 लाख थी। इसमें से ₹ 36. 50 लाख की राशि की 34 जमा राशियों का दावा नहीं किया गया है या भुगतान नहीं किया गया है क्योंकि कर्नाटक लोकायुक्त की सलाह पर इन खातों को फ्रीज कर दिया गया था। जमाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत अपर्याप्त दस्तावेजों/अभिलेखों के कारण 31 मार्च, 2022 को 0.45 लाख रु. की शेष परिपक्व जमाराशियों का भुगतान नहीं किया गया है।

अनुसंधान एवं विकास

बीईएल का आर एंड डी दर्शन अनुसंधान और विकास के माध्यम से रक्षा और व्यावसायिक इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए उत्पादों / सेवाओं में अपनी श्रेष्ठता बढ़ाने के लिए है। बीईएल का अनुसंधान एवं विकास अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी मॉड्यूल के साथ निर्मित नए उत्पादों के विकास के लिए प्रयासरत है। ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरी तरह से पूरा करते हुए, बीईएल द्वारा विकसित उत्पाद अत्याधुनिक, प्रतिस्पर्धी और उच्चतम स्तर की गुणवत्ता और विश्वसनीयता वाले हैं।

अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) बीईएल की मुख्य ताकतों में से एक रहा है जिसे आंतरिक और सहयोगी अनुसंधान एवं विकास मोड के माध्यम से बढ़ाया जा रहा है। बीईएल के विभिन्न प्रभाग सामरिक घटकों, प्रौद्योगिकी मॉड्यूल, उप-प्रणालियों, उत्पादों, प्रणालियों और प्रणालियों की प्रणालियों के विकास में शामिल हैं।

बीईएल की तीन स्तरीय अनुसंधान एवं विकास संरचना है, अर्थात् केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाएं (सीआरएल); उत्पाद विकास और नवोन्मेष केंद्र (पीडी एंड आईसी) और उत्कृष्टता केंद्र (सीओई); और रणनीतिक व्यापार यूनिटों (एसबीयू)/ यूनिटों से जुड़े विकास और इंजीनियरिंग (डी एंड ई) समूह। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) के साथ पंजीकृत बीईएल के अनुसंधान एवं विकास केंद्र, भारत भर में विभिन्न स्थानों पर कार्यरत हैं: प्रत्येक एसबीयू और यूनिटों डी एंड ई अर्थात् बेंगलुरु, चेन्नई, गाजियाबाद, हैदराबाद, कोटद्वार, मछलीपट्टनम, नवी मुंबई, पंचकुला और पुणे में; बेंगलुरू में पीडी और आईसी; और बेंगलूरु और गाजियाबाद में सीआरएल। आरएंडडी लैब्स (सीआरएल / पीडी एंड आईसी / सीओई / डी एंड ई) तीन साल की आरएंडडी योजनाओं के आधार पर और सक्षम प्राधिकारी द्वारा फंड/समय के उचित अनुमोदन के बाद, निर्धारित प्रौद्योगिकी और उत्पाद क्षेत्रों में काम करती हैं।

आंतरिक प्रयासों के अलावा, बीईएल आरएंडडी इंजीनियर्स डीआरडीओ, इसरो, सीएसआईआर, अन्य अनुसंधान प्रयोगशालाओं, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शिक्षाविदों, अनुसंधान संस्थानों, ओईएम / उद्योग, विशेषज्ञों / सलाहकारों, एमएसएमई और आला प्रौद्योगिकियों में स्टार्ट-अप के साथ सहयोग करते हैं। बीईएल ने कई व्यावसायिक क्षेत्रों में उत्पाद/समाधान विकसित करने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है।

एसबीयू/यूनिटों में डी एंड ई समूह अंतिम उपयोगकर्ताओं को सिस्टम और सिस्टम ऑफ सिस्टम्स समाधान प्रदान करते हैं। इस दिशा में, वे सीआरएल, पीडी एंड आईसी, सीओई और सहयोगी आर एंड डी भागीदारों के माध्यम से विकसित आवश्यक प्रौद्योगिकी मॉड्यूल और सबसिस्टम प्राप्त करते हैं। वे इन प्रणालियों को सेवा में शामिल करने की प्रक्रिया में आवश्यक सभी मूल्यांकन और परीक्षण करते हैं। वे पूरे उत्पाद जीवन-चक्र के दौरान तकनीकी सहायता भी प्रदान करते हैं और अप्रचलन प्रबंधन का भी ध्यान रखते हैं।

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान शुरू की गई डी एंड ई परियोजनाएं: वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान आंतरिक विकास और सहयोगात्मक प्रयासों (मुख्य रूप से डीआरडीओ के साथ) दोनों के माध्यम से कई आरएंडडी परियोजनाएं शुरू की गई हैं। वित्त वर्ष 2021-22 में शुरू की गई प्रमुख परियोजनाएं एलएमजी के लिए डे टेलीस्कोपिक साइट-6एक्स, एनओपीवी के लिए एलवाईएनएक्स यू2 सिस्टम, जहाजों के तलवार और तेग वर्ग, एसडीआर-एनसी के प्लेटफॉर्म सॉफ्टवेयर एन्हांसमेंट और सीडीएसी से दीर्घकालिक सपोर्ट, डीएमआरसी के लिए सुपर स्काडा, 5G नोडँ समाधान, बीएमपी अपग्रेड के लिए साइटिंग और एफसीएस सिस्टम-811 सिस्टम, वाइडबैंड जीएएन पीए, ए बैंड डीडब्ल्यूआर अपग्रेड, आईएफ / आईएके लिए 1 कि.वा. एचएफ एसडीआर, 1 कि.वा. नैरो लाइन चौड़ाई लेजर, इको साउंडर्स, लेजर टारगेट डिज़ाइनर, आकाश मिसाइल सिस्टम के लिए डेको सिस्टम, डी4 सिस्टम, आर्मर पियर्सिंग फिन स्टेबलाइज्ड डिस्कार्डिंग सबोट (एपीएफएसडीएस), सीबीटीसी रेडियो सिस्टम, एएयू के लिए जीएएन आधारित मॉड्यूल, 80 एमएम रॉकेट, मल्टी फंक्शन रेडार-वीएलएसआरएसएएम, क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन, डीएमआरसी के लिए आईएटीएस और आईएफएफ एमके- XII-ए हैं।

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान कार्यान्वित डी एंड ई परियोजनाएं- वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान कार्यान्वित / पूरी की गई कुछ प्रमुख परियोजनाओं में आकाश-एनजी सिस्टम, रिकॉर्ड और रीप्ले ऑपरेशन, सिंगल कॉम्बैट व्हीकल, कॉम्पैक्ट जीएफसीएस (एलवाईएनएक्स यू 3 जीएफसीएस), मल्टी टारगेट ट्रैकिंग रेडार, एमबीटी अर्जुन के लिए बीएमपी ईओ अपग्रेड, एजीएमएस और सीपीएस, स्पॉटरस्कोप, स्पेस सिचुएशनल अवेयरनेस, आईएफएफ ऑर्डर फॉर 7 एसक्यूएन ऑफ आकाश मिसाइल सिस्टम (एएमएस), रेवती स्टेबलाइज्ड प्लेटफॉर्म, सीएमएस16ए, गाए आधारित सी-बैंड एमएमआईसी, एमएमजी के लिए अनकूल्ड टीआई वेपन साइट्स और असॉल्ट राइफल, सामान्य प्रयोजन के बमों के लिए रेंज एक्सटेंशन किट, एमआरएसएएम-सेना के लिए कमांड पोस्ट, लंबी दूरी की निगरानी के लिए सक्रिय रेंज गेटिंग कैमरा, बेस्ट बसों के लिए एचएचटी का विकास, टी -90 के लिए गनर टीआई साइट, लेजर डैज़लर, डी 4 सिस्टम, फाइबर ऑप्टिक सेंसर पैकेज और आईपीएसएस पठानकोट के लिए टीओटी।

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान प्राप्त महत्वपूर्ण अनुसंधान एवं विकास पुरस्कार/मान्यताएं

- दो बीईएल वैज्ञानिकों (सीआरएल-बीजी) को आईईटीई-आईआरएसआई युवा वैज्ञानिक पुरस्कार
- आईईटीई - बीईएल सॉफ्टवेयर एसबीयू के लिए सॉफ्टवेयर (बड़े उद्यम) के विकास में प्रदर्शन के लिए कॉर्पोरेट पुरस्कार
- गोल्डन स्टार - डी (आर एंड डी) बीईएल के लिए उत्कृष्ट आर एंड डी लीडरशिप अवार्ड इनडिविजुअल।

बीईएल ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए आरएंडडी के सभी एमओयू मापदंडों को समय पर पूरा करते हुए निम्न को पूरा किया है:

क्रमांक	परियोजनाओं का विवरण	एसबीयू/यूनिट/ पीडीआईसी/सीओई/ सीआरएल	स्थिति
1	एआई आधारित पैरामीटर- क) सोशल मीडिया एनालिटिक्स के हिस्से के रूप में एआई सक्षम फेक न्यूज डिटेक्टर: विकास, परीक्षण और स्वतंत्र मूल्यांकन ख) एआई आधारित पैसिव टीडब्ल्यूएस (ट्रैक जबकि स्कैन) प्रणाली: विकास, परीक्षण और स्वतंत्र मूल्यांकन	 क) सॉफ्टवेयर एसबीयू ख) सीआरएल-बीजी	पूर्ण
2	एसडीआर-टीएसी परियोजना के लिए नेटवर्क टाइम सर्वर (एनटीएस) का डिजाइन और विकास: आंतरिक मूल्यांकन और परीक्षण पूर्ण	मिलकॉम	पूर्ण
3	लॉन्ग वेव इन्फ्रारेड (एलडब्ल्यूआईआर) निरंतर ज़ूम लेंस का डिजाइन और विकास- आंतरिक मूल्यांकन और परीक्षण पूर्ण	बीईएल-एमसी	पूर्ण
4	डीएमआरसी के लिए स्वदेशी स्वचालित ट्रेन पर्यवेक्षण (आईएटीएस) प्रणाली का विकास और एनसी-एनसी परीक्षण के लिए ग्राहक को पेशकश	बीईएल-कोट	पूर्ण
5	सागर-III परियोजना के लिए बिग डेटा विश्लेषणात्मक सॉफ्टवेयर का विकास- आंतरिक मूल्यांकन और परीक्षण पूर्ण	सीआरएल-बीजी	पूर्ण
6	निर्यात के लिए सीबीआरएन (ट्रैक्ड) एमके II के लिए रिमोट कंट्रोल वेपन स्टेशन (आरसीडब्ल्यूएस) का विकास पूरा करना- आंतरिक मूल्यांकन और परीक्षण पूर्ण	चेन्नै	पूर्ण

कोच्चि में बीईएल आर एंड डी सेल ने प्रोटोटाइप साइड स्कैन सोनार (इलेक्ट्रॉनिक्स और सिस्टम सॉफ्टवेयर) और इमरजेंसी पिंजर (पीओसी) के लिए कोर टेक्नोलॉजी मॉड्यूल को कार्यान्वित किया है।

आईआईटी मद्रास रिसर्च पार्क में बीईएल आर एंड डी सेल ने आईआईटी-एमआरपी इनक्यूबेटेड स्टार्ट-अप्स के सहयोग से गोला-बारूद, रॉकेट, क्वांटम क्रिप्टोग्राफी, डिस्ट्रिब्यूटेड सेंसिंग के क्षेत्रों में कोर टेक्नोलॉजी मॉड्यूल के विकास की शुरुआत की है।

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान आंतरिक विकास प्रयासों के माध्यम से विकसित नए उत्पाद हैं:

i. लेजर फेन्स प्रणाली

ii. सक्रिय टैंक सुरक्षा प्रणाली के लिए आईआर जैमर

iii. टेथर्ड यूएवी के लिए जिम्बल

iv. ड्रेनेज घुसपैठ खोज प्रणाली

v. आकाश एनजी/क्यूआरएसएएम के लिए सॉलिड स्टेट पावर कंट्रोलर कार्ड (28 वाल्ट 16 और 32 चैनल)

vi. एडीसीआरएस के लिए टैक्टिकल सेवर कमर्शियल और रग्ड वर्जन

vii. उत्तम, डी4 और अन्य प्रणालियों के लिए X-बैंड 12W एचपीए एमएमआईसी

viii. सी-बैंड डिजिटल फेज शिफ्टर, एसपीडीटी स्विच, एलएनए बीईएलएन3019वी1पी, एलएनए बीईएलएन3012वी3पी, ड्राइवर एम्पलीफायर क्यूआरएसएएम

ix. एसबीआर के लिए एस-बैंड 150W पावर एम्पलीफायर

x. एस्ट्रा, आकाश-1एस, क्यूआरएसएएम, वीएलएसआरएसएएम में केयू बैंड सीकर्स के लिए आयातित डीआरओ मॉड्यूल के लिए सी-बैंड पीएलओ फॉर्म-फिट प्रतिस्थापन

xi. 24" रेडार के लिए पैनल पीसी

xii. मारीच के लिए 10.4 इंच और 20.1 पैनल पीसी कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म

xiii. एडीसीआरएस के लिए 26" डिस्प्ले, 19" रैक माउंटेड पीसी, 10.4" रग्ड टैब के रग्ड और व्यावसायिक संस्करण

xiv. जीएनएसएस रिसीवर

xv. प्रबंधित ईथरनेट स्विच -12पीओआरटी - एमएच 60आर

xvi. रग्ड 16 पोर्ट नॉन पीओई L2/L3 स्विच

xvii. वाइडबैंड सिंथेसाइज़र

xviii. क्यूएसआरएक्स पीएलओ

xix. आईपी ईपीएबीएक्स सिस्टम

xx. आरएक्सएसपी, डब्ल्यूजीएम और टीएसजी, एमएसजी आईएफडीसी, बिजली आपूर्ति यूनिट, सिग्नल प्रोसेसर, एलएनबी, एएसआर रेडार के लिए रैक असेंबली

xxi. टीएचडी रेडार के लिए रिसीव चेन, डब्ल्यूजीएम और टीएसजी, एक्साइटर, इंटीग्रेटेड सिग्नल प्रोसेसर, पावर सप्लाई यूनिट, आईएफ बाइट मॉड्यूल, एक्साइटर इंट.एसपी कैबिनेट का डिजिटाइजेशन

xxii. तटीय निगरानी प्रणाली के लिए सामान्य वीईएक्सटी

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान सहयोगात्मक विकास प्रयासों के माध्यम से विकसित नए उत्पाद इस प्रकार हैं-

i. नेविगेशन कॉम्प्लेक्स सिस्टम - एसएएफआरएएन इंजीनियरिंग और रक्षा

ii. फेक न्यूज की पहचान - आईआईआईटी-एच, हैदराबाद

iii. सी बैंड जीएएन पीए - माइक्रोवेव आईसी, रूस।

iv. सी बैंड जीएएस एमएमआईसी - माइक्रोवेव आईसी, रूस।

v. आईएटीएस - डीएमआरसी

vi. ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर 5 एलपीएम और 10 एलपीएम - बीपीएल मेडिकल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड

vii. डायलिसिस मशीन - रेनालेक्स हेल्थ सिस्टम्स प्रा. लिमिटेड

भावी कार्य योजना- बीईएल विकास, विविधीकरण और परिवर्तन के उद्देश्यों के साथ तालमेल बिठाने के लिए पूरे संगठन में नवीन उत्पादों / सेवाओं के लिए आर एंड डी के स्केलिंग को सक्षम करेगा। आर एंड डी (डी एंड ई, पीडी एंड आईसी, सीओई और सीआरएल) के सभी स्तर विकास के नए क्षेत्रों की पहचान करने और ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने में एक दूसरे के पूरक के रूप में सहयोग करना जारी रखेंगे। आंतरिक विकास पर प्रमुख जोर होगा; फिर भी राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं, शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान संस्थानों, उद्योग, एमएसएमई और स्टार्ट-अप के साथ सहयोग को भी मजबूत करना जारी रहेगा। बीईएल ने ग्राहकों की निरंतर विकसित हो रही आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्नत उत्पादों/समाधानों की पेशकश करने के लिए अनुसंधान एवं विकास में निवेश जारी रखने की योजना बनाई है। शस्त्र और गोला-बारूद, चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स, स्वायत्त नेविगेशन प्रणाली और मानव रहित प्रणालियों के क्षेत्रों में विविधीकरण की दिशा में केंद्रित प्रौद्योगिकी/उत्पाद विकास प्रयास शुरू किए गए हैं।

नई स्थापित सुविधाएं

वैश्विक अवसरों के लिए उन्नत बने रहने और व्यवसाय में सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए बुनियादी ढांचे में वृद्धि कंपनी के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है। वर्ष 2021-22 के दौरान, कंपनी ने संयंत्र और मशीनरी के आधुनिकीकरण, परीक्षण उपकरणों, अनुसंधान एवं विकास निवेश, बुनियादी ढांचे के उन्नयन आदि के लिए सीएपीईएक्स निवेश के हिस्से के रूप में लगभग ₹ 56,558 लाख खर्च किए हैं।

2021-22 के दौरान स्थापित कुछ प्रमुख सुविधाएं निम्नलिखित हैं:

- एलआरएसएएम के लिए बुनियादी ढांचा और परीक्षण सुविधाएं।
- आकाश मिसाइल प्रणालियों के लिए सुविधाओं में वृद्धि।
- वर्चुअल डेस्कटॉप इन्फ्रास्ट्रक्चर (वीडीआई)।
- क्षेत्रीय उत्पाद सहायता केंद्र।

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) पहल-

सैप में, स्वचालन और डिजिटलीकरण के लिए विभिन्न नई प्रक्रियाएं शुरू की गई हैं। स्वचालित खरीद प्रक्रिया, आर एंड डी योजना स्वचालन और समझौता प्रबंधन प्रणाली इनमें से कुछ प्रमुख हैं।

वर्चुअल डेस्कटॉप इन्फ्रास्ट्रक्चर (वीडीआई) का कार्यान्वयन इंटरनेट डोमेन में पूरा हो गया है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि अंतिम उपयोगकर्ता उपकरणों में स्टोरेज हटा दिया गया है और पूरा डेटा बेंगलूरु में केंद्रीय सर्वर में रखा गया है। इसने इंटरनेट डोमेन में साइबर सुरक्षा को काफी अधिक बढ़ा दिया है। इंट्रानेट डोमेन वीडीआई का रोल आउट प्रगति पर है।

टर्नकी परियोजनाओं के प्रबंधन के लिए परियोजना प्रबंधन सॉफ्टवेयर टूल प्रिमावेरा को बीईएल में लागू किया जा रहा है। साइट पर तैनात इंजीनियरों के साथ सुरक्षित संचार सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षुओं और परियोजना इंजीनियरों के लिए नया मेल सर्वर चालू किया गया है।

आईएसओ 27001 सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (आईएसएमएस) प्रमाणन के लिए एकीकृत संचार प्रभाग की सिफारिश की गई है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एसटीक्यूसी प्रभाग ने सूचना सुरक्षा के लिए बीईएल ई-प्रोक्योरमेंट सॉल्यूशन एसआरएम को प्रमाणित किया। संपूर्ण बीईएल आईटी अवसंरचना और अनुप्रयोग का वीएपीटी ऑडिट सीईआरटी-इन पैनल वाले विक्रेता द्वारा किया गया था।

गुणता

गुणवत्ता, प्रौद्योगिकी, नवोन्मेष बीईएल की व्यावसायिक पहल के तीन मार्गदर्शक स्तंभ हैं। गुणता, पहला स्तंभ होने के नाते, कंपनी के लिए फोकस क्षेत्रों में से एक रहा है।

कंपनी विश्व स्तरीय गुणता प्रणालियों के अनुरूप प्रक्रिया दृष्टिकोण के माध्यम से निरंतर सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। सभी यूनिटें/रणनीतिक व्यावसायिक यूनिटें (एसबीयू)/सामान्य सेवा समूह (सीएसजी) आईएसओ 9001 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (क्यूएमएस) से मान्यता प्राप्त हैं। कंपनी की उन्नीस यूनिटों/एसबीयू ने अपने क्यूएमएस को एयरोस्पेस स्टैंडर्ड, एएस 9100डी में अपग्रेड किया है। कंपनी की सभी यूनिटें आईएसओ 14001 प्रमाणन के माध्यम से पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली के लिए प्रतिबद्ध हैं। गाजियाबाद यूनिट ने अपने ओएचएसएएस को आईएसओ 18001 से आईएसओ 45001 में अपग्रेड किया है।

बीईएल ने रेडार, नौसेना प्रणाली, संचार, ईओ, मास्ट, बैटरी और गन अपग्रेड के क्षेत्रों में कुल 50 उत्पादों के लिए डीजीक्यूए से 11 यूनिटों/एसबीयू को कवर करते हुए 16 ग्रीन चैनल प्रमाणपत्र प्राप्त किए। गुणवत्ता पहलुओं पर इस नई ऊंचाई तक पहुंचने वाला पहला सार्वजनिक उपक्रम बीईएल है।

कंपनी की ग्यारह यूनिटों/एसबीयू/डिवीजनों को सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली आईएसएमएस आईएसओ 27001 के लिए प्रमाणित किया गया है। वर्ष के दौरान एडीएसएन एसबीयू को एएस9100डी के लिए प्रमाणित किया गया है, पहली बार मछलीपट्नम यूनिट को आईएसओ 9001 से एएस9100डी में उन्नत किया गया है, और मछलीपट्नम यूनिट और यूसी-आईएस/सीओ को पहला आईएसएमएस आईएसओ 27001 प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है। बीईएल के पास कुल 19 एएस9100डी प्रमाणपत्र हैं।

बेंगलूरु कॉम्प्लेक्स, गाजियाबाद, पंचकुला और एनएएमयू यूनिटों (कुल ग्यारह लैब) के परीक्षण उपकरण अंशांकन और रखरखाव विभाग आईएसओ / आईईसी 17025 मानक के अनुसार एनएबीएल द्वारा प्रमाणित हैं। सॉफ्टवेयर एसबीयू सीएमएमआई स्तर 5 और आईटीएसएमएस आईएसओ 20000-1 के लिए भी प्रमाणित है। गाजियाबाद के एनसीएस और डीसीसीएस एसबीयू, सीआरएल - गाजियाबाद, चेन्नई, हैदराबाद यूनिटें सीएमएमआई स्तर 3 के लिए प्रमाणित हैं।

इस वर्ष कंपनी की उल्लेखनीय उपलब्धि 1 एसबीयू, 1 उत्पाद ग्रीन चैनल प्रमाणपत्र से 50 उत्पाद 16 प्रमाणपत्रों में 11 यूनिटों/एसबीयू को कवर करने की है।

बीईएल में 2002 से ईएफक्यूएम (यूरोपियन फाउंडेशन ऑफ क्वालिटी मैनेजमेंट) मॉडल फॉर बिजनेस एक्सीलेंस का पालन किया जा रहा है। बीईएल ने सीआईआई एक्जिम अवार्ड को चुनौती देने के लिए नए ईएफक्यूएम मॉडल 2019 की पहचान की गई यूनिटों के गहन अभियान के लिए एक रोड मैप तैयार किया। बीईएल हैदराबाद और चेन्नई यूनिटों को व्यावसायिक उत्कृष्टता की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए सीआईआई-एक्जिम बैंक बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड 2021-प्लैटिनम श्रेणी से सम्मानित किया गया है।

वर्ष के दौरान, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, बेंगलूरु द्वारा विभिन्न यूनिटों के 17 वरिष्ठ कार्यपालकों को "सिक्स सिग्मा ब्लैक बेल्ट" के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। वर्ष 2021-22 के दौरान कुल 538 सिक्स सिग्मा परियोजनाएं पूरी की गई हैं, जिसके परिणामस्वरूप कंपनी को ₹ 127 करोड़ की अनुमानित बचत हुई है। क्षेत्रीय/राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए नामांकित 30 सिक्स सिग्मा परियोजनाओं में से 15 परियोजनाओं को क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर के दोनों चैंपियनशिप पुरस्कारों में उत्कृष्टता पुरस्कार मिला और 3 परियोजनाओं ने गुणवत्ता नियंत्रण मंडलों (आईसीक्यूसीसी) पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उत्कृष्टता पुरस्कार जीता।

मानव संसाधन

आपकी कंपनी ने 31 मार्च 2021 को 9,172 लोगों की तुलना में 31 मार्च 2022 को 8,853 लोगों को रोजगार दिया। इन कर्मचारियों में से 4,704 इंजीनियर/वैज्ञानिक थे और 1,926 महिला कर्मचारी थीं। वर्ष के दौरान कुल 177 कर्मचारियों को शामिल किया गया। वर्ष के दौरान अनुसूचित जाति (एससी) के 20 कर्मचारी, अनुसूचित जनजाति (एसटी) के 9 कर्मचारी, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के 71 कर्मचारियों की भर्ती की गई।

आपकी कंपनी आरक्षण पर सरकार के निर्देशों का पालन कर रही है। 31 मार्च 2022 तक अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और अन्य श्रेणियों के कर्मचारियों का विवरण इस प्रकार है:

कर्मचारियों की श्रेणी	कार्यपालक	गैर-कार्यपालक		
	समूह 'ए'	समूह 'बी'	समूह 'सी'	समूह 'डी'
अनुसूचित जाति	1,034	38	517	24
अनुसूचित जनजाति	365	17	121	16
अन्य पिछड़ा वर्ग	1,318	59	749	35
पूर्व सैनिक	78	-	268	44
दिव्यांग	94	5	104	2

तकनीकी, कार्यात्मक, प्रबंधकीय और नेतृत्व क्षेत्रों में दक्षता बढ़ाने के लिए वर्ष के दौरान विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभिन्न ग्रेड में पदोन्नत होने वाले कार्यपालकों की विकासशील प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रमुख संस्थानों के साथ संरचित कार्यकारी विकास कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए गए थे। वर्ष के दौरान मानव संसाधन पहल पर एक विस्तृत विवरण प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट में अलग से प्रदान किया गया है, जो इस रिपोर्ट का हिस्सा है।

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के तहत प्रकटीकरण

कंपनी समान अवसर प्रदान करने वाली नियोक्ता है और सचेत रूप से ऐसी कार्य संस्कृति का निर्माण करने का प्रयास करती है जो सभी कर्मचारियों की गरिमा को बढ़ावा दे। कार्यस्थल पर महिला का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के प्रावधानों और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत कंपनी ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण पर नीति लागू की है। जिसे कंपनी के इंट्रानेट पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। सेवा प्रदाताओं सहित सभी महिलाएं, स्थायी, अस्थायी या संविदात्मक इस नीति के अंतर्गत आती हैं।

यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए कॉर्पोरेट कार्यालय सहित सभी नौ घटक यूनिटों में एक-एक आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया गया है। कर्मचारियों को संवेदनशील बनाने और कार्यस्थल पर अपने सहयोगियों की गरिमा को बनाए रखने के लिए, विशेष रूप से यौन उत्पीड़न की रोकथाम के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। वर्ष के दौरान यौन उत्पीड़न से संबंधित दर्ज, निपटाए गए और लंबित शिकायतों का विवरण व्यापार उत्तरदायित्व रिपोर्ट में दिया गया है, जो इस रिपोर्ट का हिस्सा है।

पुरस्कार और सम्मान

आपकी कंपनी उपभोक्ता अंतर्दृष्टि पर विचार करके और उपभोक्ताओं तक पहुंचकर अपने सभी उत्पादों में उच्चतम स्तर की गुणता प्राप्त करने का प्रयास करती है। वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी को निम्नलिखित विभिन्न पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं:

- कॉर्पोरेट उत्कृष्टता के लिए बिजनेस स्टैंडर्ड वार्षिक पुरस्कार- वर्ष 2021 का स्टार पीएसयू।
- पीएसयू श्रेणी में सीआईआई सीएफओ ऑफ द ईयर अवार्ड और ग्रीनटेक कॉर्पोरेट गवर्नेंस प्रोफेशनल ऑफ द ईयर अवार्ड।
- राजभाषा: दूसरी बार कीर्ति पुरस्कार और राजभाषा गौरव पुरस्कार।
- आईईआई उद्योग उत्कृष्टता पुरस्कार।
- सॉफ्टवेयर के विकास में प्रदर्शन के लिए आईईटीई कॉर्पोरेट अवार्ड (2021)।
- गोल्डन स्टार आउटस्टैंडिंग आर एंड डी लीडरशिप अवार्ड।
- राष्ट्र निर्माण, मानव संसाधन उत्कृष्टता और डिजिटल सुरक्षा के लिए गवर्नेंस नाउ पुरस्कार।
- ग्रीनटेक एनर्जी कंजर्वेशन अवार्ड 2021।
- मैन्युफैक्चरिंग टुडे द्वारा 'मैन्युफैक्चरिंग कंपनी ऑफ द ईयर अवार्ड' और 'वुमन मैन्युफैक्चरर ऑफ द ईयर अवार्ड'।
- मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से पीएसयू एक्सीलेंस अवार्ड 2022।
- स्वच्छता पखवाड़ा पुरस्कार 2020।
- मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से कम्युनिकेटर्स ऑफ द ईयर अवार्ड।
- कार्पोरेट सामाजिक दायित्व के लिए आईसीसी पीएसई उत्कृष्टता पुरस्कार

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियां-

- वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला संकट के बावजूद वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान लगभग 15,000 करोड़ रुपये का अब तक का उच्चतम कारोबार हासिल किया है ।
- नए व्यावसायिक अवसरों को हासिल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में वैश्विक खिलाड़ियों के साथ रणनीतिक साझेदारी।
- डीएमआरसीएल, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, भारतीय रेलवे के अनुसंधान डिजाइन मानक संगठन, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड, एनटीआरओ, बॉश इंडिया, मोटोरोला सॉल्यूशंस इंडिया और घरेलू क्षेत्र में विभिन्न प्रौद्योगिकियों / उत्पादों के विकास के लिए कई स्टार्ट-अप और भारत सरकार की मेक इन इंडिया पहल से उत्पन्न होने वाले व्यावसायिक अवसरों को प्राप्त करने के लिए रणनीतिक साझेदारी की गई।

सहायक कंपनी, संयुक्त उद्यम और एसोसिएट्स

बीईएल ऑप्ट्रोनिक डिवाइसेज लिमिटेड (बेलोप) बीईएल की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, जो इमेज इंटेंसिफायर ट्यूब बनाती है। बेलोप ने पिछले वर्ष के ₹ 4,075 लाख की तुलना में इस वर्ष के लिए ₹ 4,586 लाख का कारोबार किया। पिछले वर्ष के ₹ 490 लाख की तुलना में इस वर्ष के लिए कर पश्चात लाभ (पीएटी) ₹ 516 लाख था।

एक सहायक कंपनी, बीईएल-थालेस सिस्टम्स लिमिटेड (बीटीएसएल) का गठन भारतीय और वैश्विक बाजारों के लिए नागरिक और चुनिंदा रक्षा रेडार के डिजाइन, विकास, विपणन, आपूर्ति और सपोर्ट के लिए किया गया था। आपकी कंपनी की बीटीएसएल में इक्विटी पूंजी का 74 प्रतिशत हिस्सा है। वर्ष के दौरान बीटीएसएल ने पिछले वर्ष के ₹ 3,538 लाख की तुलना में इस वर्ष ₹ 3,901 लाख का कारोबार दर्ज किया। पिछले वर्ष के ₹ 315 लाख की तुलना में इस वर्ष के लिए कर पश्चात लाभ (पीएटी) ₹ 521 लाख था।

एसोसिएट कंपनी जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड [बीईएल की 26% शेयरहोल्डिंग] का निष्पादन अच्छा बना हुआ है। यह सीटी मैक्स और अन्य नवीनतम संस्करण एक्स-रे ट्यूब बनाती है। जीई बीई प्रा. लिमिटेड ने पिछले वर्ष में ₹ 1,22,850 लाख की तुलना में इस वर्ष के लिए ₹ 1,56,267 लाख का कारोबार दर्ज किया। पिछले वर्ष के ₹ 11,673 लाख की तुलना में इस वर्ष के लिए कर पश्चात लाभ (पीएटी) ₹ 17,578 लाख था।

रक्षा नवाचार संगठन (डीआईओ) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा-8 के प्रावधानों के अनुसार एक 'लाभ कमाने के लिए नहीं' कंपनी है, जिसकी अधिकृत शेयर पूंजी ₹ 1 करोड़ है। बीईएल से 50% और एचएएल से 50% की इक्विटी भागीदारी वाली इस कंपनी का गठन रक्षा क्षेत्र में नवाचार के वित्तपोषण के उद्देश्य से किया गया था।

कंपनी अधिनियम की धारा 129(3) के प्रावधानों, कंपनी (लेखा) नियम, 2014 (संशोधित) के नियम 5 के साथ पठित के अनुसार, एक अलग विवरण प्रपत्र एओसी-1 में वित्तीय विवरणों के साथ संलग्न है, जिसमें सहायक कंपनियों/एसोसिएट/संयुक्त उद्यमों के वित्तीय विवरण की मुख्य विशिष्टताएं शामिल हैं।

इसके अलावा, अधिनियम की धारा 136 के प्रावधानों के अनुसार, कंपनी के वित्तीय विवरण, प्रासंगिक दस्तावेजों के साथ समेकित वित्तीय विवरण और सहायक कंपनियों के संबंध में अलग-अलग लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण कंपनी की वेबसाइट www.bel-india पर उपलब्ध हैं।

समेकित वित्तीय विवरण

31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आपकी कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों के समेकित वित्तीय विवरण कंपनी अधिनियम और लागू भारतीय लेखा मानकों की धारा 129 (3) के प्रावधानों के अनुसार तैयार किए गए हैं और इस रिपोर्ट का हिस्सा हैं।

सतर्कता

कंपनी के सतर्कता संगठन का नेतृत्व एक मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ), हरियाणा कैडर के आईएएस अधिकारी (1991 बैच) द्वारा किया जाता है। प्रत्येक यूनिट और एसबीयू में स्थायी सतर्कता अधिकारी तैनात हैं। यूनिटों और एसबीयू में सतर्कता प्रशासन की देखरेख के लिए सतर्कता समितियों का गठन किया जाता है। यूनिट/एसबीयू प्रमुखों को सतर्कता समिति के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया है। इसके अलावा, कॉर्पोरेट में एक सतर्कता समिति मौजूद है, जहां अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक समिति के अध्यक्ष हैं और सीवीओ सदस्य सचिव हैं। सतर्कता संगठन का प्रमुख क्षेत्र निवारक सतर्कता रहा है और चालू वर्ष के दौरान इस पर विशेष ध्यान दिया गया। सतर्कता विभाग निरंतर खरीद और प्रक्रियाओं की जांच करता है, नियमित और औचक निरीक्षण करता है और किसी भी संदिग्ध लेनदेन के मामलों की जांच करता है। कोई कर्मचारी या तीसरा पक्ष किसी भी संदिग्ध लेनदेन को जांच के लिए सीवीओ के ध्यान में ला सकता है, जिसकी जांच कंपनी की शिकायत प्रबंधन नीति के अनुसार की जाती है। ऑनलाइन शिकायत प्रबंधन प्रणाली को चालू कर दिया गया है और बीईएल वेब साइट में सतर्कता पोर्टल तक पहुंच के माध्यम से शिकायतें दर्ज की जा सकती हैं।

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, 1943 उच्च मूल्य के खरीद आदेश/अनुबंधों की समीक्षा की गई है। ग्यारह गहन परीक्षा टीमों के गठन के साथ सीटीई प्रकार की गहन परीक्षा का पुनर्गठन किया गया है। वर्ष 2021-22 के दौरान 58 उच्च मूल्य खरीद अनुबंधों की सीटीई प्रकार की गहन परीक्षा शुरू की गई है। क्षेत्र के सतर्कता अधिकारियों द्वारा नियमित और औचक जांच और निरीक्षण भी किया गया है। वर्ष के दौरान, 10 शिकायतें प्राप्त हुईं। कुल 14 शिकायतों का निस्तारण किया गया। कुछ मामलों में जहां खामियां पाई गईं, वहां अनुशासनात्मक कार्रवाई और प्रणाली/प्रक्रिया में सुधार की सिफारिश की गई है।

वर्ष के दौरान, 281 कार्यपालकों और 63 गैर-कार्यपालकों को सतर्कता पर बुनियादी जागरूकता कार्यक्रम में शामिल किया गया। 3 साल से अधिक समय से संवेदनशील क्षेत्रों में काम कर रहे 132 कार्यपालकों और 32 गैर-कार्यपालकों का जॉब रोटेशन किया गया है और प्रतिशत कवरेज 90.1% है।

बीईएल के सतर्कता कार्य के लिए सतर्कता विभाग को आईएसओ 9001/2015 प्रमाणन मिलना जारी है। प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने पर सीवीसी के दिशानिर्देशों के अनुरूप और प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग के द्वारा पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एसएपी और कंपनी की वेबसाइट के माध्यम से निम्नलिखित कार्यों को शुरू किया गया है:

- ई-खरीद।
- विक्रेताओं का ऑनलाइन पंजीकरण।
- विक्रेता भुगतान सूचना प्रणाली।
- विक्रेताओं को भुगतान का ई भुगतान/बैंक अंतरण।
- कार्य अनुबंधों, सेवा अनुबंधों, पूंजीगत वस्तुओं और गैर-उत्पादन मदों के संबंध में ₹ 10 लाख से अधिक मूल्य के दिए गए संविदाओं/खरीद आदेशों का विवरण वेबसाइट पर पोस्ट किया गया है ।
- नामांकन/एकल निविदा आधार पर जारी किए गए अनुबंधों/खरीद आदेशों का विवरण ₹ 5 लाख से अधिक मूल्य की वेबसाइट पर पोस्ट किया गया है।
- भ्रष्टाचार जोखिम प्रबंधन नीति पूरे कंपनी में तैयार और कार्यान्वित की जाती है।
- विक्रेताओं की निर्देशिका को बनाए रखा जाता है।
- फाइल लाइफ साइकिल मैनेजमेंट सिस्टम (एफएलएम) पूरी कंपनी में लागू है।
- एसएपी में सभी कार्यपालकों के लिए एपीआर की ऑनलाइन फाइलिंग की सुविधा है और कार्यकारी एसएपी में एपीआर दाखिल करते रहे हैं।
- एसएपी के माध्यम से सतर्कता मासिक और त्रैमासिक रिपोर्ट तैयार की जाती है
- एसएपी में समर्पित सतर्कता पोर्टल के माध्यम से सतर्कता मंजूरी प्रदान की जाती है।

बीईएल में सतर्कता सेटअप जागरूकता अभियान और प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से सिस्टम और प्रक्रियाओं पर जागरूकता की भावना पैदा करके कंपनी के सभी लेनदेन और प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, निष्पक्षता और इक्विटी लाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। वर्ष के दौरान की गई कुछ प्रमुख गतिविधियां इस प्रकार हैं:

क) भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए सभी एहतियाती उपायों का पालन करते हुए 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2021 के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह "स्वतंत्र भारत@75: अखंडता के साथ आत्मनिर्भरता" विषय के साथ देश भर में अपने सभी कार्यालयों में मनाया है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2021 बैनर और पीआईडीपीआई बैनर कॉर्पोरेट कार्यालय के प्रमुख स्थानों पर और यूनिटों/क्षेत्रीय कार्यालयों/विपणन केंद्रों/उत्पाद सेवा केंद्रों पर भी प्रदर्शित किए गए।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाने की भावना को बनाए रखने के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम और गतिविधियों का आयोजन किया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन व्याख्यान कार्यक्रम, ऑनलाइन प्रतियोगिताएं और अन्य गतिविधियां आयोजित की गई।

बीईएल इंट्रानेट में ई-प्रतिज्ञा की सुविधा दी गई थी जिससे कर्मचारी ई प्रतिज्ञा ले सकें। बीईएल इंट्रानेट के माध्यम से ई-प्रतिज्ञा लेने वाले कर्मचारियों के लिए बीईएल के सीवीओ द्वारा जारी प्रशंसा और प्रतिबद्धता का प्रमाण पत्र डाउनलोड करने योग्य विकल्प में था। 4193 कर्मचारियों ने ई-प्रतिज्ञा ली।

सभी यूनिटों में लगभग 8000 से अधिक कर्मचारियों को उनके संबंधित कार्यस्थलों में सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा दिलाई गई। इसके अलावा कर्मचारियों को सीवीसी वेबसाइट से ई-प्रतिज्ञा लेने के लिए सीवीसी वेबसाइट का लिंक प्रदान किया गया। सप्ताह के दौरान बीईएल के 32,426 भारतीय विक्रेताओं को सतर्कता जागरूकता पर ई-मेल भेजा गया।

ख) हाइब्रिड मोड के माध्यम से विभिन्न कार्यशालाओं और व्याख्यान कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

- 29.10.2021 को श्री ओवी नंदीमठ, प्रोफेसर, नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया बेंगलूरु द्वारा "पीआईडीपीआई संकल्प -2004" पर कार्यशाला।
- 27.10.2021 को श्री सुरेश सेठी, एजीएम (सेवानिवृत्त)/बीईएल द्वारा "खरीद में निवारक सतर्कता परिप्रेक्ष्य" पर कार्यशाला।
- 28.10.2021 को श्रीमती नागरत्न, एसोसिएट प्रोफेसर, नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया बेंगलूरु द्वारा "भारत में निवारक सतर्कता - कानूनी और संस्थागत दृष्टिकोण" पर कार्यशाला।
- 28.10.2021 को श्री एम्ब्रोस डी, डीजीएम, कॉर्पोरेट विजिलेंस द्वारा "पीआईडीपीआई संकल्प-2004" पर वार्ता।

ग) 10 एवं 11 नवम्बर 2021 को अभियंताओं को दो दिवसीय इंडक्शन स्तर का प्रशिक्षण दिया गया।

घ) खरीद प्रक्रिया 2016 पर दो दिवसीय कार्यशाला और मिड-कैरियर विशेष प्रशिक्षण के हिस्से के रूप में सतर्कता केस अध्ययन 21 नवंबर 2021 और 10 दिसंबर 2021 को किया गया था।

ङ) उप-संविदा प्रक्रिया 2017 पर दो दिवसीय कार्यशाला और मिड-कैरियर विशेष प्रशिक्षण के हिस्से के रूप में सतर्कता केस स्टडी 14 दिसंबर 2021 और 24 दिसंबर 2021 को आयोजित की गई थी।

निष्ठा संधि

खरीद गतिविधि में भ्रष्टाचार को मिटाने के लिए केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की पहलों में से एक सरकारी संगठनों के साथ बड़े मूल्य के संविदाओं में निष्ठा संधि की शुरुआत है। रक्षा मंत्रालय और केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशों के अनुरूप, आपकी कंपनी ने 300 लाख रुपये और उससे अधिक मूल्य के सभी आदेशों/संविदाओं के लिए सभी विक्रेताओं/आपूर्तिकर्ताओं/ठेकेदारों/सेवा प्रदाताओं के साथ सत्यनिष्ठा समझौता अपनाया है। निष्ठा संधि अनिवार्य रूप से संभावित विक्रेताओं / बोलीदाताओं और प्रिंसिपल (बीईएल) के बीच एक समझौते की परिकल्पना करता है, जो दोनों पक्षों के व्यक्तियों / अधिकारियों को संविदा के किसी भी पहलू / चरण में किसी भी भ्रष्ट आचरण का सहारा नहीं लेने के लिए प्रतिबद्ध करता है। जो विक्रेता/बोलीदाता, जो प्रिंसिपल के साथ इस तरह के समझौते के लिए प्रतिबद्ध हैं, उनको ही बोली प्रक्रिया में भाग लेने के लिए सक्षम माना जाएगा। किसी विशेष संविदा के संबंध में निष्ठा संधि, बोली आमंत्रित करने के चरण से अनुबंध के अंतिम पूरा होने तक लागू रहेगा। इसका कोई भी उल्लंघन बोली लगाने वालों को अयोग्य ठहराएगा और भावी व्यापारिक सौदों से बहिष्कृत हो जाएगा ।

सीवीसी की सिफारिश के अनुसार, कंपनी ने कंपनी में सत्यनिष्ठा समझौते के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए डॉ. परवेज हयात, आईएएस (सेवानिवृत्त) और डॉ. जोगिंदर पॉल शर्मा, आईएएस (सेवानिवृत्त) को नियुक्त किया है।

सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) से खरीद

आपकी कंपनी सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) से खरीद बढ़ाने पर अधिक जोर दे रही है और एमएसएमई मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों/अधिसूचनाओं के अनुसार एमएसई के लिए सार्वजनिक खरीद नीति लागू कर रही है। बीईएल सरकारी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए टीआरईडीएस प्लेटफॉर्म, जीईएम, एमएसएमई संबंध और एमएसएमई समाधान पोर्टल पर शामिल है।

कंपनी ने साल भर में विभिन्न अवसरों पर एमएसएमई/स्टार्ट-अप सहित भारतीय विक्रेताओं के लिए विक्रेता विकास कार्यक्रम आयोजित किए हैं। बीईएल खरीद में एमएसएमई/स्टार्ट-अप्स के लिए एमएसएमई मंत्रालय की समय-समय पर जारी अधिसूचनाओं में परिकल्पित विभिन्न प्रावधानों को लागू करता है।

2021-22 के दौरान बीईएल ने कुल घरेलू खरीद की 31% खरीदारी एमएसई से की है, जबकि एमएसई के लिए सार्वजनिक खरीद नीति के अनुसार अनिवार्य लक्ष्य 25% है।

राजभाषा नीति का कार्यान्वयन

आपकी कंपनी भारत सरकार की राजभाषा नीति का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। 2021-22 के दौरान, कोविड-19 महामारी की चुनौतियों के बावजूद, कंपनी ने कार्यालयीन कार्य हिंदी में करने के लिए राजभाषा, गृह मंत्रालय (एमएचए), भारत सरकार द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित विभिन्न लक्ष्यों को प्राप्त किया है। वर्ष के दौरान, श्रीमती आनंदी रामलिंगम, सीएमडी ने 14 सितंबर, 2021 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में माननीय गृह राज्य मंत्री से लगातार दो वर्षों (2019-20, 2020-21) के लिए 'राजभाषा कीर्ति' पुरस्कार प्राप्त किया। इसी समारोह में श्री श्रीनिवास राव, अधिकारी (राजभाषा), कार्पोरेट कार्यालय को वर्ष 2018-19 के लिए 'राजभाषा गौरव' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

राजभाषा निरीक्षण- संसद की राजभाषा समिति ने 10.11.2021 को पंचकूला यूनिट का राजभाषा निरीक्षण किया। कार्पोरेट राजभाषा निरीक्षण दल ने अपनी अधीनस्थ यूनिटों/कार्यालयों के 5 राजभाषा निरीक्षण किए।

द्विभाषीकरण - राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अनुसार कार्पोरेट कार्यालय सहित कंपनी की सभी यूनिटें और कार्यालय द्विभाषी में दस्तावेज जारी कर रहे हैं। पत्राचार और कंप्यूटर में हिंदी के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा राजभाषा नियम 10(4) के तहत अपना पूरा काम हिंदी में करने के लिए व्यक्तिश: आदेश उन सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को जारी किए गए जिन्हें हिंदी में प्रवीणता प्राप्त है। साथ ही राजभाषा नियमों के नियम 12(1) के तहत जांच बिंदु बनाने पर परिपत्र जारी किया गया।

कंप्यूटरीकरण और वेबसाइट - राजभाषा से संबंधित अद्यतन जानकारी कॉर्पोरेट कार्यालय के राजभाषा विभाग द्वारा शुरू किए गए राजभाषा पोर्टल गरिमा के माध्यम से संप्रेषित की जा रही है। सैप में यूनिटों/कार्यालयों से तिमाही प्रगति रिपोर्ट ऑनलाइन प्राप्त की जा रही है। फाइल लाइफ-साइकिल मैनेजमेंट (एफएलएम) में टिप्पणियां हिंदी में लिखी जा रही हैं। कंपनी की वेबसाइट हिंदी में भी उपलब्ध है।

प्रशिक्षण और रिपोर्टिंग - हिंदी भाषा के प्रशिक्षण और कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए रोस्टर रखा जाता है जिसे समय-समय पर अद्यतन किया जाता है। रोस्टर के अनुसार, कर्मचारियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण के लिए नामांकित किया गया था। तिमाही / अर्धवार्षिक रिपोर्ट राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय, हिंदी शिक्षण योजना और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) को समयानुसार भेजी जाती है।

हिंदी माह समारोह- सितंबर के दौरान कंपनी की सभी यूनिटों और कार्यालयों में हिंदी माह और हिंदी दिवस मनाया गया।

बैठकें/कार्यशालाएं - राजभाषा कार्यान्वयन समिति (ओएलआईसी) की बैठकें, हिंदी कार्यशालाएं और हिंदी में तकनीकी वार्ता सभी यूनिटों/कार्यालयों में ऑनलाइन मोड में आयोजित की गई।

प्रोत्साहन और पुरस्कार - हिंदी में मूल कार्य करने के लिए कंपनी के पास विभिन्न आकर्षक प्रोत्साहन योजनाएं हैं। इन योजनाओं का नाम प्रसिद्ध हिंदी साहित्यकारों के नाम पर रखा गया है, जिनमें ₹ 2000 से ₹ 10,000 तक नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इन योजनाओं में कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कर्मचारियों ने नराकास प्रतियोगिताओं में भाग लिया और पुरस्कार जीते।

दौरा - डॉ. सुमित जेरथ, सचिव (राजभाषा) ने 30 जुलाई 2021 को हमारे कॉर्पोरेट कार्यालय का दौरा किया और हमारी कंपनी में राजभाषा के कार्यान्वयन की स्थिति पर अत्यधिक संतोष व्यक्त किया।

प्रकाशन - हिंदी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार करने के लिए कंपनी की यूनिटों/ कॉर्पोरेट कार्यालय में हिंदी पत्रिकाएं प्रकाशित की गईं।

नई पहल - कंपनी की वेबसाइट में राजभाषा के लिए एक समर्पित खंड शुरू किया गया है। शिक्षा मंत्रालय के वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग (सीएसटीटी) के समन्वय से बीईएल की रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स शब्दावली तैयार की जा रही है। अब तक कुल 2410 शब्दों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। पहला भारतेंदु राजभाषा कौशल अभिमुखीकरण कार्यक्रम, बेंगलूरु स्थित केंद्र सरकार के कार्यालयों / बैंकों / उपक्रमों के ओएल अधिकारियों / अनुवादकों के लिए कॉर्पोरेट कार्यालय द्वारा शुरू किया गया था। यह आयोजन एक बड़ी सफलता थी।

पूरी कंपनी में राजभाषा कार्यान्वयन और हिंदी के प्रगामी प्रयोग को सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 का कार्यान्वयन

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 (अधिनियम) के प्रावधानों के अनुरूप, अधिनियम के प्रावधानों को पालन करने के लिए आपकी कंपनी के पास एक सुपरिभाषित तंत्र है। आपकी कंपनी के पास कार्यान्वयन की निगरानी के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नामित महाप्रबंधक स्तर का अधिकारी है। प्राप्त अनुरोधों को 16 वरिष्ठ कर्मियों द्वारा संसाधित किया जाता है, जिन्हें केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) के रूप में नामित किया जाता है, जिसमें कॉर्पोरेट कार्यालय में एक और यूनिटों/क्षेत्रीय कार्यालयों में से एक-एक शामिल है। आपकी कंपनी के पास अधिनियम के तहत दायर प्रथम अपीलों के निपटान के लिए प्रथम अपीलीय प्राधिकारी के रूप में नामित महाप्रबंधक स्तर का अधिकारी है। सरकार के निर्देशों के अनुपालन में, आपकी कंपनी अधिनियम के तहत आवेदनों को सफलतापूर्वक ऑनलाइन संसाधित कर रही है।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 4(1)(बी) के तहत उपलब्ध कराई जाने वाली जानकारी कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.in पर पोस्ट कर दी गई है।

एफएए, सीपीआईओ और अन्य आंतरिक हितधारकों को प्रशिक्षण और कार्यशालाओं के माध्यम से अधिनियम के तहत उनके दायित्वों के बारे में जागरूक किया जाता है।

आपकी कंपनी को अप्रैल 2021 से मार्च 2022 की अवधि के दौरान 246 आवेदन (अन्य सार्वजनिक प्राधिकरणों द्वारा बीईएल को हस्तांतरित 64 सहित) प्राप्त हुए, और वित्तीय वर्ष 2020-21 के 33 आरटीआई आवेदनों को भी शामिल किया गया है। कुल 279 आवेदनों में से 41 आवेदनों को खारिज कर दिया गया था, जिसमें कुल 264 आवेदनों का जवाब दिया गया था। आपकी कंपनी को इस अवधि के दौरान 43 प्रथम अपील प्राप्त हुई, जिनमें से 41 का निपटारा कर दिया गया। सभी चार (4) तिमाहियों के लिए त्रैमासिक आरटीआई रिटर्न केंद्रीय सूचना आयोग को भेज दी गई हैं।

बोर्ड और समिति की बैठकें

वर्ष के दौरान, बोर्ड की आठ बैठकें आयोजित की गईं और किन्हीं दो बैठकों के बीच अधिकतम अंतराल 120 दिनों से अधिक नहीं था। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान आयोजित बोर्ड और समिति (समितियों) की बैठकों का विवरण कॉर्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट में दिया गया है, जो इस रिपोर्ट का हिस्सा है।

निदेशकों और प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों और उनकी शेयरधारिता में परिवर्तन

वित्तीय वर्ष के दौरान आपकी कंपनी के निदेशालय और प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों में निम्नलिखित परिवर्तन हुए:

क्रमांक	निदेशक का नाम	पद	नियुक्ति तिथि	समाप्ति की तिथि
1	श्रीमती शिखा गुप्ता	निदेशक (अन्य यूनिटें)	लागू नहीं	07.05.2021
2	श्री एम वी गौतमा	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	लागू नहीं	30.06.2021
3	श्री शिवकुमारन के एम	निदेशक (एचआर)	लागू नहीं	30.08.2021
4	डॉ. पार्थसारथी पी वी	स्वतंत्र निदेशक	28.12.2021	लागू नहीं
5	श्री मनसुखभाई एस खाचरिया	स्वतंत्र निदेशक	28.12.2021	लागू नहीं
6	डॉ. संतोषकुमार एन	स्वतंत्र निदेशक	28.12.2021	लागू नहीं
7	श्री प्रफुल्ल कुमार चौधुरी	स्वतंत्र निदेशक	28.12.2021	लागू नहीं
8	डॉ. शिवनाथ यादव	स्वतंत्र निदेशक	28.12.2021	लागू नहीं
9	श्री गोकुलन बी	स्वतंत्र निदेशक	20.01.2022	लागू नहीं
10	श्रीमती श्यामा सिंह	स्वतंत्र निदेशक	07.02.2022	लागू नहीं

श्रीमती आनंदी रामलिंगम, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार), श्री दिनेश कुमार बत्रा, निदेशक (वित्त) और मुख्य वित्तीय अधिकारी और श्री एस श्रीनिवास, कंपनी सचिव, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(51) के तहत परिभाषित केएमपी हैं।

श्री भानु प्रकाश श्रीवास्तव को 20.04.2022 से अपर निदेशक [निदेशक (अन्य यूनिटें)] के रूप में नियुक्त किया गया था।

डॉ बिनॉय कुमार दास को सुश्री मंजुला जे के स्थान पर 4 जुलाई 2022 से अपर निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था, जो 1 मई 2022 से सरकार नामित निदेशक नहीं रही।

श्री सुनील कुमार कोहली, स्वतंत्र निदेशक कंपनी में अपना कार्यकाल पूरा होने पर 17 जुलाई 2022 को सेवानिवृत्त हुए।

डॉ. पार्थसारथी पी.वी., श्री मनसुखभाई एस खाचरिया, डॉ. संतोषकुमार एन, श्री प्रफुल्ल कुमार चौधुरी, डॉ. शिवनाथ यादव, श्री गोकुलन बी, श्रीमती श्यामा सिंह, श्री भानु प्रकाश श्रीवास्तव और डॉ. बिनॉय कुमार दास, अपर निदेशकों को 68वीं वार्षिक आम बैठक की सूचना में निर्धारित शर्तों पर निदेशकों के रूप में नियुक्त किया जा रहा है।

श्री राजशेखर एम वी, निदेशक (आर एंड डी), आगामी वार्षिक आम बैठक में रोटेशन द्वारा सेवानिवृत्त होते हैं और पात्र होने के कारण खुद को पुनर्नियुक्ति के लिए पेश करते हैं।

31 मार्च 2022 तक कंपनी में शेयर रखने वाले निदेशकों और प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी) का विवरण नीचे दिया गया है:

क्रमांक	नाम	पद	धारित इक्विटी शेयरों की संख्या
1	श्रीमती आनंदी रामलिंगम	निदेशक (विपणन) सीएमडी - अतिरिक्त प्रभार निदेशक (मानव संसाधन) - अतिरिक्त प्रभार	1,263
2	श्री विनय कुमार कत्याल	निदेशक (बेंगलूरु कॉम्प्लेक्स)	1,263
3	श्री दिनेश कुमार बत्रा	निदेशक (वित्त) और सीएफओ	1,263
4	श्री राजशेखर एमवी	निदेशक (आर एंड डी)	1,263
5	श्री श्रीनिवास एस	कंपनी सचिव	1,263

कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई परिवर्तनीय प्रतिभूतियां जारी नहीं की हैं।

निदेशकों का उत्तरदायित्व वक्तव्य

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(सी) और 134(5) के अनुसार आपके निदेशकों का अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार और उनके द्वारा प्राप्त जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार कहना है कि:

क) वार्षिक खातों को तैयार करने में, तथ्यात्मक विचलन से संबंधित उचित स्पष्टीकरण के साथ लागू लेखांकन मानकों का पालन किया गया है;

ख) निदेशकों ने ऐसी लेखा नीतियों का चयन किया था और उन्हें लगातार लागू किया था और निर्णय और अनुमान लगाए थे जो उचित और विवेकपूर्ण थे ताकि 31 मार्च 2022 को कंपनी के मामलों की स्थिति और 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के लाभ के बारे में सही और निष्पक्ष विवरण दिया जा सके।

ग) निदेशकों ने कंपनी की संपत्ति की सुरक्षा के लिए और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और पता लगाने के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखा रिकॉर्ड के रखरखाव के लिए उचित और पर्याप्त ध्यान रखा है;

घ) निदेशकों ने चालू संस्था के आधार पर वार्षिक लेखे तैयार किए हैं;

ङ) निदेशकों ने सुनिश्चित किया कि उचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण मौजूद थे और ऐसे वित्तीय नियंत्रण पर्याप्त थे और प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे; तथा

च) निदेशकों ने सभी लागू कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रणालियां तैयार की हैं और जो पर्याप्त थी और प्रभावी ढंग से काम कर रही थी।

एकीकृत रिपोर्ट

कंपनी ने स्वेच्छा से एकीकृत रिपोर्ट प्रदान की है, जिसमें वित्तीय और गैर-वित्तीय दोनों तरह की जानकारी शामिल है ताकि सदस्यों को अच्छी तरह से सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाया जा सके और कंपनी के लघु, मध्यम, दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य की बेहतर समझ हो सके। यह रिपोर्ट पूंजी के छह रूपों यानी वित्तीय पूंजी, निर्मित पूंजी, बौद्धिक पूंजी, मानव पूंजी, सामाजिक और संबंध पूंजी और प्राकृतिक पूंजी के आधार पर संगठन की रणनीति, गवर्नेंस ढांचे, निष्पादन और मूल्य निर्माण की संभावनाओं जैसे पहलुओं को भी छूती है।

महत्वपूर्ण और न्यायिक आदेश

नियामकों या अदालतों या न्यायाधिकरणों द्वारा कोई महत्वपूर्ण और न्यायिक आदेश पारित नहीं किया गया है जो भविष्य में कंपनी के संचालन की स्थिति और कंपनी के संचालन को प्रभावित करता है।

वित्तीय विवरणों की तिथि के बाद के घटनाक्रम

कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले कोई भौतिक परिवर्तन और प्रतिबद्धताएं नहीं हैं जो 31 मार्च 2022 और इस रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने की तारीख के बीच हुई हों।

संबंधित पार्टी लेनदेन

कंपनी के प्रमोटरों, निदेशकों, प्रबंधन या उनके रिश्तेदारों के साथ ऐसा कोई महत्वपूर्ण संबंधित पार्टी लेनदेन नहीं हुआ, जिससे कंपनी के हितों के साथ संभावित टकराव हो सकता था। वित्तीय वर्ष के दौरान किए गए संबंधित पार्टियों के साथ लेन-देन स्वतंत्र संव्यवहार के आधार पर थे और व्यवसाय के सामान्य क्रम में थे। संबंधित पार्टियों के साथ कोई भी लेन-देन कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 188(1) के दायरे में नहीं आता है। यदि आवश्यक हो तो सभी संबंधित पार्टी लेनदेन को ऑडिट कमेटी के समक्ष और बोर्ड के अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाता है। सदस्य संबंधित पार्टी लेनदेन के विवरण के लिए खातों की टिप्पणियों का संदर्भ ले सकते हैं। संबंधित पार्टी लेनदेन की नीति कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.in पर अपलोड कर दी गई है। कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8(2) के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(एच) के अनुसार जानकारी इस रिपोर्ट के साथ **अनुलग्नक-1** के रूप में संलग्न है।

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व

आपकी कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 और कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व) नियम, 2014 के प्रावधानों के अनुसार कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) द्वारा जारी विभिन्न स्पष्टीकरणों, संशोधनों के साथ एक कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व नीति तैयार की है। सीएसआर परियोजनाओं को कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-VII के अनुरूप लिया जाता है, जिसे कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व नीति में विधिवत रूप से शामिल किया गया है और यह हमारे सभी सीएसआर कार्यक्रमों के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत है। बीईएल की कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व नीति कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.in पर पोस्ट की गई है।

इसका उद्देश्य क्षमता निर्माण उपायों, पिछड़े और वंचित वर्गों/समुदायों के सशक्तिकरण के माध्यम से समावेशी विकास, समाज में निरंतर और समान विकास की दिशा में योगदान करना है। स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, ग्रामीण विकास, पर्यावरणीय स्थिरता और व्यावसायिक कौशल विकास के क्षेत्रों में केंद्रित हस्तक्षेप किए जाते हैं ।

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान, सीएसआर व्यय के लिए डीपीई दिशानिर्देश सीपीएसई को स्वास्थ्य और पोषण के सामान्य विषय पर केंद्रित सीएसआर हस्तक्षेप करने के लिए निर्धारित करते हैं, जिसमें नीति आयोग द्वारा पहचाने जाने वाले आकांक्षी जिलों को प्राथमिकता और कोविड से संबंधित उपायों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। तदनुसार, सीएसआर बजट को विषयगत सीएसआर कार्यक्रमों के लिए आवंटित किया गया है - उन पहलों पर जोर दिया जा रहा है जो कोविड-19 महामारी से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने में सरकार के ठोस प्रयासों का समर्थन करती हैं। स्किल इंडिया के तहत कंपनी तकनीकी कौशल में सुधार करती है, उद्योग के लिए जोखिम प्रदान करती है और समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के युवाओं को रोजगार कौशल प्रदान करती है।

कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व) नियम, 2014 (संशोधित) के तहत आवश्यकता के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए सीएसआर गतिविधियों पर एक रिपोर्ट **अनुलग्नक-2** के रूप में संलग्न है।

सांविधिक लेखा परीक्षक

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 139(5) के अनुसार, वित्त वर्ष 2021-22 के लिए, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सी एंड एजी) ने बेंगलूरु कॉम्प्लेक्स, हैदराबाद यूनिट, चेन्नई यूनिट और कार्पोरेट (F&R) कार्यालय के खातों की लेखापरीक्षा के लिए मैसर्स गुरु एंड जाना, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, बेंगलूरु को कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षकों के रूप में नियुक्त किया था। मैसर्स तांबी और जयपुरकर, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, पुणे को पुणे और नवी मुंबई यूनिटों के शाखा लेखा परीक्षकों के रूप में नियुक्त किया गया था। मेसर्स जेपी कपूर और उबेराय, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, नई दिल्ली को गाजियाबाद, पंचकुला और कोटद्वार यूनिटों के शाखा लेखा परीक्षकों के रूप में नियुक्त किया गया था। मेसर्स पी आई रमणा एंड एसोसिएट्स, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, विजयवाड़ा को मछलीपट्टनम यूनिट के लिए शाखा लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था।

वित्त वर्ष 2021-22 के लिए वित्तीय विवरणों पर सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट और कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(6)(बी) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सी एंड एजी) की शून्य टिप्पणियां, सहित समेकित वित्तीय विवरण, वार्षिक रिपोर्ट में संलग्न हैं।

लागत लेखा परीक्षक और लागत रिकॉर्ड का रखरखाव

आपकी कंपनी ने कंपनी के लागत रिकॉर्ड के ऑडिट के लिए वित्त वर्ष 2021-22 के लिए कंपनी के लागत लेखा परीक्षकों के रूप में मैसर्स मूर्ति एंड कंपनी एलएलपी, कॉस्ट अकाउंटेंट्स, बेंगलूरु को नियुक्त किया। कंपनी कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148(1) के तहत केंद्र सरकार द्वारा निर्दिष्ट लागत रिकॉर्ड रखती है।

सचिवीय लेखा परीक्षक

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 और कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिक की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियम, 2014 (यथा संशोधित) के प्रावधानों के अनुसार, कंपनी ने मेसर्स थिरुपल गोरिगे एंड एसोसिएट्स एलएलपी, प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरी, बेंगलूरु को वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए कंपनी की सचिवीय लेखा परीक्षा करने के लिए नियुक्त किया है। सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट इस रिपोर्ट के साथ **अनुलग्नक-3** के रूप में संलग्न है।

सचिवीय लेखा परीक्षक ने अपनी रिपोर्ट पर्यवेक्षक में पाया कि बोर्ड के पास सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के 17(1)(ए) और (बी) के तहत आवश्यक महिला स्वतंत्र निदेशक सहित स्वतंत्र निदेशकों की अपेक्षित संख्या नहीं थी और इस गैर-अनुपालन को 7 फरवरी 2022 को ठीक कर दिया गया है। इसके अलावा रिपोर्टिंग अवधि के पहली तीन तिमाहियों के लिए लेखा परीक्षा समिति की संरचना और कोरम, और नामांकन और पारिश्रमिक समिति की संरचना सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के क्रमशः विनियमन 18 और 19 के अनुरूप नहीं थी। जनवरी 2021 और जून 2021 के महीने में आयोजित लेखापरीक्षा समिति की दो बैठकों के बीच का अंतर विनियमन 18 (2) के संदर्भ में 120 दिनों से अधिक था।

यह सूचित किया जाता है कि स्वतंत्र निदेशकों की रिक्तियों को भरना नियुक्ति प्राधिकारियों अर्थात् भारत सरकार के पास लंबित था। आगे यह भी सूचित किया जाता है कि राज्य में प्रचलित गंभीर कोविड-19 महामारी की स्थिति प्रतिबंध/लॉक डाउन और निदेशकों की अनुपलब्धता के कारण, लेखा परीक्षा समिति की बैठक पिछली बैठक की तारीख से 120 दिनों के भीतर आयोजित नहीं की जा सकी थी।

लेखा परीक्षकों द्वारा धोखाधड़ी की रिपोर्टिंग

वर्ष के दौरान, न तो सांविधिक लेखा परीक्षक और न ही सचिवीय लेखा परीक्षक ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(2) के तहत लेखा परीक्षा समिति को सूचित किया है कि कंपनी के अधिकारियों या कर्मचारियों द्वारा कंपनी के खिलाफ धोखाधड़ी की कोई घटना हुई है, जिसके विवरण का उल्लेख बोर्ड की रिपोर्ट में किया जाना हो।

वार्षिक विवरणी

अधिनियम की धारा 134(3)(ए) के साथ पठित धारा 92(3) के अनुसार, 31 मार्च 2022 को वार्षिक रिटर्न कंपनी की वेबसाइट: https://www.bel-india.in/ContentPage.aspx?MId=17&CId=427&LId=1&link=427 पर उपलब्ध है।

जोखिम प्रबंधन

सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियम 21 के अनुसार, कंपनी के निदेशक मंडल ने जोखिम प्रबंधन समिति का गठन किया है। समिति का विवरण और इसके विचारणीय विषय, जोखिम प्रबंधन नीति आदि कॉर्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट में वर्णित किए गए हैं और प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट में जोखिम प्रबंधन पर एक विस्तृत नोट प्रदान किया गया है, जो इस रिपोर्ट का हिस्सा है।

निदेशक की नियुक्ति, पारिश्रमिक और बोर्ड मूल्यांकन पर कंपनी की नीति

बोर्ड ने नामांकन और पारिश्रमिक समिति की सिफारिश पर निदेशकों के चयन और नियुक्ति, वरिष्ठ प्रबंधन और उनके पारिश्रमिक, बोर्ड मूल्यांकन आदि के लिए एक नीति तैयार की है। विवरण कॉर्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट में निर्धारित किया गया है, जो इस रिपोर्ट का हिस्सा है।

सतर्कता तंत्र / सचेतक नीति

किसी भी धोखाधड़ी, कुप्रबंधन और अनैतिक व्यवहार से निपटने के लिए कंपनी के पास सचेतक नीति नामक सतर्कता तंत्र है। इस नीति का विवरण कॉर्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट में दिया गया है।

स्वतंत्र निदेशक (निदेशकों) से घोषणा

कंपनी अधिनियन, 2013 की धारा 149(7) और सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियम 16(1)(बी) के तहत कंपनी के स्वतंत्र निदेशक (निदेशकों) से आवश्यक घोषणा प्राप्त हुई है कि स्वतंत्र निदेशक (निदेशकों) कंपनी अधिनियम, 2013 और सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 में निर्धारित अपनी स्वतंत्रता के मानदंडों को पूरा करते हैं।

प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट

सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के तहत आवश्यक प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर सरकार (डीपीई) दिशानिर्देशों के तहत, इस रिपोर्ट के साथ **अनुलग्नक -4** के रूप में संलग्न है।

ऋण, गारंटी और निवेश का विवरण

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी परिपत्र संख्या जीएसआर 463 (ई) दिनांक 5 जून 2015 के अनुसार, कंपनी रक्षा उत्पादन में लगी एक सरकारी कंपनी है जिसे कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 186 से छूट प्राप्त है।

कर्मचारियों का विवरण और संबंधित प्रकटीकरण

भारत सरकार, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना संख्या जीएसआर 463 (ई) दिनांक 5 जून 2015 के अनुसार, कंपनी अधिनियम की धारा 197 के प्रावधानों और निर्दिष्ट सीमा से अधिक पारिश्रमिक प्राप्त करने वाले कर्मचारियों के विवरणों के संबंध में संबंधित नियमों से सरकारी कंपनी को छूट दी गई है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण

वित्तीय विवरणों के संदर्भ में कंपनी के पास पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण हैं। आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर एक विस्तृत नोट प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट में प्रदान किया गया है, जो इस रिपोर्ट का हिस्सा है।

लेखा परीक्षा समिति

वर्ष के दौरान, लेखा परीक्षा समिति में स्वतंत्र निदेशक - श्री सुनील कुमार कोहली, समिति के अध्यक्ष, श्री प्रफुल्ल कुमार चौधुरी और डॉ शिवनाथ यादव सदस्य के रूप में शामिल हैं। वर्ष के दौरान, लेखापरीक्षा समिति द्वारा की गई सभी सिफारिशों को बोर्ड द्वारा स्वीकार कर लिया गया।

कॉर्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट

सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियम 34 और डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार, कंपनी के सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा जारी अनुपालन प्रमाणपत्र के साथ कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर एक रिपोर्ट इस रिपोर्ट के साथ **अनुलग्नक -5** के रूप में संलग्न है।

संधारणीयता रिपोर्ट

'सतत विकास' पर आपकी कंपनी के प्रयासों पर एक रिपोर्ट इस रिपोर्ट के साथ **अनुलग्नक-6** के रूप में संलग्न है।

व्यवसाय उत्तरदायित्व रिपोर्ट

सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 ने बाजार पूंजीकरण के आधार पर शीर्ष 1000 सूचीबद्ध संस्थाओं के लिए वार्षिक रिपोर्ट के हिस्से के रूप में व्यापार उत्तरदायित्व रिपोर्ट (बीआरआर) को शामिल करना अनिवार्य कर दिया। लिस्टिंग विनियमों के विनियम 34 (2) (एफ) के संदर्भ में, वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए एक बीआरआर, जो समय-समय पर सेबी द्वारा निर्दिष्ट प्रारूप में पर्यावरण, सामाजिक और गवर्नेंस के परिप्रेक्ष्य में कंपनी द्वारा की गई पहलों का वर्णन करते हुए इस रिपोर्ट के साथ **अनुलग्नक-7** के रूप में संलग्न है।

ऊर्जा का संरक्षण, प्रौद्योगिकी समावेशन, विदेशी मुद्रा अर्जन और व्यय

आपकी कंपनी, एक रक्षा सार्वजनिक उपक्रम होने के नाते, कंपनियों के नियम 8(3) के साथ पठित धारा 134(3)(एम) के प्रावधानों के तहत ऊर्जा के संरक्षण, प्रौद्योगिकी समावेशन, विदेशी मुद्रा आय और व्यय के संबंध में सूचना का प्रकटीकरण (लेखा) नियम, 2014 (संशोधित) की आवश्यकता नहीं है क्योंकि कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने अधिसूचना जीएसआर संख्या 680 (ई) दिनांक 4 सितंबर 2015 के तहत रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को छूट प्रदान की है।

सचिवीय मानकों का अनुपालन

कंपनी इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया द्वारा जारी सभी लागू अनिवार्य सचिवीय मानकों का अनुपालन करती है।

अभिस्वीकृति

आपके निदेशक सभी ग्राहकों, विशेष रूप से रक्षा सेवाओं और अर्धसैनिक बलों से प्राप्त बहुमूल्य सहयोग के लिए अपनी गहन प्रशंसा और आभार व्यक्त करते हैं और भविष्य में उनके निरंतर सपोर्ट और सहयोग की आशा करते हैं। आपके निदेशक भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विशेष रूप से रक्षा मंत्रालय, रक्षा उत्पादन विभाग से प्राप्त सहयोग के लिए भी अपना आभार व्यक्त करते हैं। आपके निदेशक रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और डीआरडीओ के तहत विभिन्न अनुसंधान प्रयोगशालाओं, विशेष रूप से संयुक्त विकास कार्यक्रमों और नए उत्पादों के लिए अपना आभार व्यक्त करते हैं। आपके निदेशक भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक, सांविधिक लेखा परीक्षकों, शाखा लेखा परीक्षकों, लागत लेखा परीक्षकों, सचिवीय लेखा परीक्षकों, कंपनी के बैंकरों, सहयोगियों और विक्रेताओं के प्रति अपना हार्दिक धन्यवाद व्यक्त करते हैं। आपके निदेशक सभी स्तरों पर कर्मचारियों के ईमानदार प्रयासों की सराहना करते हैं, जिससे कंपनी को वर्ष के दौरान अच्छा निष्पादन हासिल करने में मदद मिली। आपके निदेशक कंपनी में भरोसा और विश्वास जताने के लिए सभी शेयरधारकों/निवेशकों की सराहना और आभार व्यक्त करते हैं और आने वाले वर्षों में कंपनी के विकास को बनाए रखने में उनके निरंतर सहयोग और भागीदारी की आशा करते हैं।

बोर्ड की ओर से

आनंदी रामलिंगम
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

बेंगलूरु
28 जुलाई 2022

अनुलग्नक - 1

फॉर्म संख्या एओसी-II

(कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 की उप-धारा (3) के खंड (एच) और कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8 (2) के अनुसार)

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 188 की उप-धारा (1) में संदर्भित संबंधित पार्टियों के साथ कंपनी द्वारा किए गए संविदाओं/करारों के विवरण के प्रकटीकरण के लिए प्रपत्र, जिसमें उसके तीसरे परंतुक के तहत कुछ स्वतंत्र संव्यवहार लेनदेन शामिल हैं:

1. उन संविदाओं या व्यवस्थाओं या लेन-देन का ब्योरा, जो स्वतंत्र संव्यवहार आधार पर नहीं हैं

    (क) संबंधित पार्टी का नाम और संबंध की प्रकृति: लागू नहीं

    (ख) संविदाओं/व्यवस्थाओं/लेनदेनों की प्रकृति: लागू नहीं

    (ग) संविदाओं/व्यवस्थाओं/लेनदेनों की अवधि: लागू नहीं

    (घ) मूल्य सहित संविदाओं या व्यवस्थाओं या लेनदेन की मुख्य शर्तें, यदि कोई हो: लागू नहीं

    (ङ) ऐसी संविदाओं या व्यवस्थाओं या लेनदेन में शामिल होने का औचित्य : लागू नहीं

    (च) बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तिथि: लागू नहीं

    (छ) अग्रिम के रूप में भुगतान की गई राशि, यदि कोई हो: लागू नहीं

    (ज) जिस तारीख को धारा 188 के पहले परंतुक के तहत आवश्यक आम बैठक में विशेष प्रस्ताव पारित किया गया था: लागू नहीं

2. सामग्री संविदाओं या व्यवस्थाओं या लेन-देन का स्वतंत्र संव्यवहार आधार पर विवरण

    (क) संबंधित पार्टी का नाम और संबंध की प्रकृति: लागू नहीं

    (ख) संविदाओं/व्यवस्थाओं/लेनदेनों की प्रकृति: लागू नहीं

    (ग) संविदाओं/व्यवस्थाओं/लेनदेन की अवधि: लागू नहीं

    (घ) संविदाओं या व्यवस्थों या लेनदेन की मुख्य शर्तें, मूल्य सहित, यदि कोई हो: लागू नहीं

    (ङ) बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तिथि: लागू नहीं

    (च) अग्रिम के रूप में भुगतान की गई राशि, यदि कोई हो: कोई नहीं

बोर्ड की ओर से

आनंदी रामलिंगम
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

बेंगलूरु
28 जुलाई 2022

अनुलग्नक - 2

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) गतिविधियों पर वार्षिक रिपोर्ट

1. कंपनी की सीएसआर नीति पर संक्षिप्त रूपरेखा-

बीईएल की कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) नीति को बीओडी द्वारा अनुमोदित किया गया है और यह कंपनी अधिनियम, 2013 और कंपनी (सीएसआर नीति) नियम, 2014 के अनुरूप है। इसका उद्देश्य क्षमता निर्माण उपायों के माध्यम से पिछड़े और वंचित वर्गों/समुदायों के सशक्तिकरण के द्वारा समाज में समावेशी विकास, निरंतर और समान विकास में योगदान करना है। सीएसआर नीति कंपनी की वेबसाइट https://www.bel-india.in पर अपलोड कर दी गई है।

2. सीएसआर समिति की संरचना-

क्रमांक	निदेशक का नाम	पदनाम/निदेशक की प्रकृति	वर्ष के दौरान आयोजित सीएसआर समिति की बैठकों की संख्या	वर्ष के दौरान सीएसआर समिति की कितनी बैठकों में भाग लिया
1	श्री एम.वी. गौतमा (30.06.2021 से अध्यक्ष नहीं)	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक/अध्यक्ष	01	01
2	श्रीमती आनंदी रामलिंगम (सीएमडी अतिरिक्त प्रभार 01.07.2021 से)	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, अतिरिक्त प्रभार/अध्यक्ष	04	04
3	श्री के.एम. शिवकुमारन (31.08.2021 से सदस्य नहीं)	निदेशक (मानव संसाधन) / सदस्य	02	02
4	श्रीमती शिखा गुप्ता (07.05.2021 से सदस्य नहीं)	निदेशक (अन्य यूनिटें) / सदस्य	--	--
5	श्री विनय कुमार कात्याल (03.06.2021 से सदस्य के रूप में नियुक्त)	निदेशक (बेंगलूरु परिसर) / सदस्य	04	04
6	श्री दिनेश कुमार बत्रा	निदेशक (वित्त) और सीएफओ / सदस्य	05	05
7	श्री सुनील कुमार कोहली	स्वतंत्र निदेशक / सदस्य	05	05
8	श्री मनसुखभाई एस. खाचरिया (31.12.2021 से सदस्य के रूप में नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक / सदस्य	02	02

3. वेब-लिंक प्रदान करें जहां कंपनी की वेबसाइटों पर बोर्ड द्वारा अनुमोदित सीएसआर समिति, सीएसआर नीति और सीएसआर परियोजनाओं की संरचना का खुलासा किया गया है-

वेब-लिंक: https://www.bel-india.in/Documentviews.aspx?fileName=CSR-Policy-31-03-2021.pdf

वेब-लिंक: https://www.bel-india.in/ContentPage.aspx?MId=17&CId=531&LId=1&link= 531

वेब-लिंक: https://www.bel-india.in/ContentPage.aspx?MId=17&CId=427&LId=1&link= 427

4. कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व नीति) नियम, 2014 के नियम 8 के उप-नियम (3) के अनुसरण में किए गए सीएसआर परियोजनाओं के प्रभाव मूल्यांकन का विवरण प्रदान करें, यदि लागू हो (रिपोर्ट संलग्न करें):

कंपनी ने एक स्वतंत्र एजेंसी के माध्यम से स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) के तहत बीईएल द्वारा निर्मित शौचालयों का प्रभाव आकलन अध्ययन किया है। रिपोर्ट कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.in पर उपलब्ध है।

5. कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व नीति) नियम, 2014 के नियम 7 के उप-नियम (3) के अनुसरण में समायोजन के लिए उपलब्ध राशि का विवरण और इस वित्त वर्ष के लिए समायोजन के लिए आवश्यक राशि, यदि कोई हो: शून्य

6. धारा 135(5) के अनुसार कंपनी का औसत निवल लाभ: ₹ 2,66,459.69 लाख

7. (क) धारा 135(5) के अनुसार कंपनी के औसत निवल लाभ का दो प्रतिशत- ₹ 5329.19 लाख

(ख) पिछले वित्तीय वर्ष की सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों या गतिविधियों से बचा अधिशेष: शून्य

(ग) वित्तीय वर्ष के लिए आवश्यक राशि, यदि कोई हो- शून्य

(घ) वित्तीय वर्ष के लिए कुल सीएसआर दायित्व (7क+7ख-7ग)- ₹ 5329.19 लाख

8. (क) वित्तीय वर्ष के लिए खर्च या अव्ययित सीएसआर राशि-

वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि (₹ में)	अव्ययित राशि (₹ में)				
	धारा 135 (6) के अनुसार अव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित कुल राशि		धारा 135(5) के दूसरे परंतुक के अनुसार अनुसूची VII के तहत किसी निर्दिष्ट निधि में हस्तांतरित राशि		
	राशि	हस्तांतरण की तिथि	फंड का नाम	राशि	हस्तांतरण की तिथि
30,72,86,738.32	22,56,32,261.68	29/04/2022	---	शून्य	---

(ख) वित्तीय वर्ष के लिए जारी परियोजनाओं के सामने खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण-

[1]	[2]	[3]	[4]	[5]		[6]	[7]	[8]	[9]	[10]	[11]	
क्रम सं.	परियोजना का नाम	अधिनियम की अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से मद	स्थानीय क्षेत्र (हां/नहीं)	परियोजना का स्थान		परियोजना की अवधि	परियोजना के लिए आवंटित राशि (₹ में)	चालू वित्तीय वर्ष में खर्च की गई राशि (₹ में)	धारा 135(6) के अनुसार परियोजना के लिए अव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि (₹ में)	कार्यान्वयन का तरीका - प्रत्यक्ष (हां नहीं)	कार्यान्वयन का तरीका - कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से	
				राज्य	ज़िला						नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
1	कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए सरकारी अस्पतालों को मेडिकल ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट उपलब्ध कराना	मद (i) - स्वास्थ्य देखभाल	हाँ नहीं	यूपी महाराष्ट्र आंध्र प्रदेश तेलंगाना तमिलनाडु कर्नाटक	गाज़ियाबाद पुणे मछलीपटनम मेडचल मलकाजगिरी चेन्नई तुमकुर, चिक्कबल्लापुर, कोलार, रायचूर, बीदर, कलबुर्गी	2 साल	4,00,00,000.00	2,92,83,937.64	1,07,16,062.36	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
2	कर्नाटक के यादगीर एस्पिरेशनल जिला और तालुक के सरकारी अस्पताल में बाल चिकित्सा आईसीयू के लिए वेंटिलेटर प्रदान करना	मद (i) - स्वास्थ्य सेवा	नहीं	कर्नाटक	यादगीर	2 साल	2,78,50,000.00	2,71,60,000.00	6,90,0000.00	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
3	एलिम्को के माध्यम से कर्नाटक के रायचूर और यादगीर आकांक्षी जिलों में विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) के लिए सहायता और उपकरण	मद (i) - स्वास्थ्य सेवा	नहीं	कर्नाटक	यादगीर और रायचुर	3 साल	1,05,00,000.00	0	1,05,00,000.00	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
4	कर्नाटक के बेंगलूरु ग्रामीण जिला के अनेकल तालुक के सरकारी सामान्य अस्पताल को चिकित्सा उपकरण और एएलएस एम्बुलेंस प्रदान करना	मद (i) - स्वास्थ्य सेवा	नहीं	कर्नाटक	अनेकल	2 साल	62,00,000.00	29,06,400.00	32,93,600.00	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
5	डीबीएस झील, बेंगलूरु, कर्नाटक में चालू किए गए एसटीपी के लिए सीवेज प्रवाह नियंत्रण प्रणाली और ऑनलाइन सतत उपचारित जल निगरानी प्रणाली	मद (iv) पर्यावरणीय संधारणीयता	हाँ	कर्नाटक	बेंगलूरु	2 साल	55,00,000.00	0	लागू नहीं	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं

[1]	[2]	[3]	[4]	[5]		[6]	[7]	[8]	[9]	[10]	[11]	
क्रम सं.	परियोजना का नाम	अधिनियम की अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से मद	स्थानीय क्षेत्र (हां/ नहीं)	परियोजना का स्थान		परियोजना की अवधि	परियोजना के लिए आवंटित राशि (₹ में)	चालू वित्तीय वर्ष में खर्च की गई राशि (₹ में)	धारा 135(6) के अनुसार परियोजना के लिए अव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि (₹ में)	कार्यान्वयन का तरीका - प्रत्यक्ष (हां नहीं)	कार्यान्वयन का तरीका - कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से	
				राज्य	ज़िला						नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
6	पट्टाडकल्लू, बागलकोट जिला, कर्नाटक में सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय में बुनियादी ढांचे का विस्तार	मद (ii) - शिक्षा	नहीं	कर्नाटक	बागलकोट	3 वर्ष	2,28,12,000.00	0	2,28,12,000.00	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
7	कारवार, कर्नाटक में सरकारी उच्चतर प्राथमिक स्कूल के लिए फर्नीचर का प्रावधान	मद (ii) - शिक्षा	नहीं	कर्नाटक	कारवार	2 साल	9,00,000.00	7,30,938.00	1,69,062.00	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
8	एचडी कोटे, मैसूर जिला, कर्नाटक में बोरवेल सबमर्सिबल पंप-सेट की स्थापना	मद (x) - ग्रामीण विकास	नहीं	कर्नाटक	मैसूर	2 साल	11,60,000.00	10,06,218.12	1,53,781.88	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
9	गोद लिए गए गांव इरेम्बेडु, तिरुवन्नामलाई जिला, तमिलनाडु में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उन्नयन	मद (i) - स्वास्थ्य सेवा	नहीं	तमिलनाडु	थिरुवन्नमलाई	4 साल	1,22,00,000.00	0.00	1,22,00,000.00	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
10	बीईएल-चेन्नई, तमिलनाडु के आसपास के क्षेत्र में आरसीसी रोड (बीईएल-आर्मी रोड) का निर्माण	मद (iv) पर्यावरणीय संधारणीयता	हाँ	तमिलनाडु	चेन्नई	4 साल	2,20,00,000.00	0.00	2,20,00,000.00	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
11	अक्षय पात्र फाउंडेशन को उनकी यूनिट मंगलगिरी, गुंटूर जिला, आंध्र प्रदेश में खाद्य वितरण वैन (3 नग) का प्रावधान	मद (i) - स्वास्थ्य सेवा	हाँ	आंध्र प्रदेश	गुंटूर	2 साल	39,00,000.00	24,14,558.43	14,85,441.57	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
12	महाराजपुर गांव, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में ग्रीन पार्क का निर्माण	मद (iv) पर्यावरणीय संधारणीयता	हाँ	उत्तर प्रदेश	गाज़ियाबाद	4 साल	2,80,00,000.00	0.00	2,80,00,000.00	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
13	बीईएल-गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश के आसपास के क्षेत्र में बीईएल सर्कल	मद (iv) पर्यावरणीय संधारणीयता	हाँ	उत्तर प्रदेश	गाज़ियाबाद	4 साल	50,00,000.00	10,000.00	49,90,0000.00	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
14	सरकारी अस्पताल, कोटद्वार, उत्तराखंड में एम्बुलेंस (2 नग) और ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर (30 नग) का प्रावधान	मद (i) - स्वास्थ्य सेवा	हाँ	उत्तराखंड	कोटद्वार	2 साल	88,26,000.00	7,60,445.99	80,65,554.01	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
15	आदिवासी गांव को गोद लेना - गुडीडिब्बा (यानाडी एसटी कॉलोनी), कृथिवेनु मंडल, कृष्णा जिला, आंध्र प्रदेश	मद (i) - स्वास्थ्य सेवा	हाँ	आंध्र प्रदेश	कृष्णा	3 साल	68,50,000.00	0.00	68,50,000.00	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
16	एपीआरजेसी सरकारी आवासीय कॉलेज, निम्मकुरु, कृष्णा जिला, आंध्र प्रदेश में लड़कियों और लड़कों के लिए शौचालय ब्लॉक का निर्माण	मद (i) - स्वास्थ्य सेवा	हाँ	आंध्र प्रदेश	कृष्णा	3 साल	62,83,000.00	0.00	62,83,000.00	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं

[1]	[2]	[3]	[4]	[5]		[6]	[7]	[8]	[9]	[10]	[11]	
क्रम सं.	परियोजना का नाम	अधिनियम की अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से मद	स्थानीय क्षेत्र (हां/ नहीं)	परियोजना का स्थान		परियोजना की अवधि	परियोजना के लिए आवंटित राशि (₹ में)	चालू वित्तीय वर्ष में खर्च की गई राशि (₹ में)	धारा 135(6) के अनुसार परियोजना के लिए अव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि (₹ में)	कार्यान्वयन का तरीका - प्रत्यक्ष (हां नहीं)	कार्यान्वयन का तरीका - कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से	
				राज्य	ज़िला						नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
17	मछलीपट्नम, आंध्र प्रदेश के आसपास के गांवों में जैविक खेती को बढ़ावा देना	मद (iv) पर्यावरणीय संधारणीयता	हाँ	आंध्र प्रदेश	मछलीपट्नम	2 साल	13,00,000.00	0.00	13,00,000.00	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
18	चंडीगढ़, हरियाणा के वरिष्ठ नागरिकों के ऑरल फंक्शन की स्क्रीनिंग के लिए चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड को मोबाइल वैन (1 नग) और चिकित्सा उपकरण का प्रावधान	मद (i) - स्वास्थ्य सेवा	नहीं	चंडीगढ़	चंडीगढ़	2 साल	65,00,000.00	0.00	65,00,000.00	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
19	अलीबाग सरकारी अस्पताल, रायगढ़ जिला, महाराष्ट्र के लिए ए एल एस एम्बुलेंस (1 नग) और रक्त परिवहन वैन (1 नग) का प्रावधान।	मद (i) - स्वास्थ्य सेवा	नहीं	महाराष्ट्र	रायगढ़	3 वर्ष	57,00,000.00	0.00	57,00,000.00	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
20	विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश और पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीप में नौसेना अस्पतालों के लिए चिकित्सा उपकरणों का प्रावधान	मद (i) - स्वास्थ्य सेवा	नहीं	आंध्र प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	विशाखापटनम पोर्ट ब्लेयर	3 वर्ष	52,33,000.00	0.00	52,33,000.00	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
21	सरकारी सिविल अस्पताल, सेक्टर-6, पंचकुला, हरियाणा के लिए 4K UHD कैमरा सिस्टम के साथ लैप्रोस्कोपिक सिस्टम का प्रावधान	मद (i) - स्वास्थ्य सेवा	हाँ	हरियाणा	पंचकुला	3 वर्ष	1,00,00,000.00	0.00	1,00,00,000.00	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
22	जिला एमएमजी अस्पताल, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में ब्लड बैंक के लिए एफेरेसिस मशीन का प्रावधान	मद (i) - स्वास्थ्य सेवा	हाँ	उत्तर प्रदेश	गाज़ियाबाद	2 साल	40,00,000.00	0	40,00,000.00	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
23	भारत इलेक्ट्रॉनिक्स शैक्षिक संस्थान (बीईईआई), जालहल्ली, बेंगलूरु के पांच संस्थानों के परिचालन व्यय को पूरा करने के लिए सीएसआर सहायता	मद (ii) - शिक्षा	हाँ	कर्नाटक	बेंगलूरु	2 साल	4,24,82,000.00	0	4,24,82,000.00	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
24	क्षेत्र अस्पताल, गुडीवाड़ा, कृष्णा जिला, आंध्र प्रदेश में चिकित्सा उपकरणों का प्रावधान	मद (i) - स्वास्थ्य सेवा	नहीं	आंध्र प्रदेश	कृष्णा	2 साल	35,00,000.00	0	35,00,000.00	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
कुल (₹ में)							**28,66,96,000.00**	**6,42,72,498.18**	**22,24,23,501.82**			

(ग) वित्तीय वर्ष के लिए जारी परियोजनाओं के अलावा अन्य के सामने खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण-

[1]	[2]	[3]	[4]	[5]		[6]	[7]	[8]	
क्र.	परियोजना का नाम	अधिनियम की अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र (हां/ नहीं)	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए आवंटित राशि (₹ में)	कार्यान्वयन की तरीका - प्रत्यक्ष (हाँ / नहीं)	चालू वित्तीय वर्ष में खर्च की गई राशि (₹ में)	
				राज्य	ज़िला			नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
1	डीआरडीओ द्वारा लखनऊ, यूपी में स्थापित अटल बिहारी वाजपेयी कोविड अस्पताल में योगदान	मद (i) - स्वास्थ्य सेवा	नहीं	उत्तर प्रदेश	लखनऊ	5,00,00,000.00	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
2	गोद लिए गए गांवों में विकास कार्य - खुबी और करंजले, पुणे जिला, महाराष्ट्र (चरण- छ)	मद (x) - ग्रामीण विकास	हाँ	महाराष्ट्र	पुणे	85,00,000.14	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
3	गोद ली गई सरकारी आईटीआई, मुलशी, पुणे जिला, महाराष्ट्र (चरण- छछ) में विकास कार्य	मद (ii) - शिक्षा	हाँ	महाराष्ट्र	पुणे	29,00,000.00	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
4	प्रौद्योगिकी इनक्यूबेटर-निर्माता गांव, किनफ्रा हाई-टेक पार्क, कोच्चि, केरल में योगदान	मद (i) - स्वास्थ्य सेवा	नहीं	केरल	कोच्चि	10,00,000.00	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
5	अप्रेंटिस प्रशिक्षण के लिए व्यय	मद (ii) - व्यावसायिक कौशल विकास	हाँ	कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड	बेंगलूरु, चेन्नई, कृष्णा, मेडचल मलकाजगिरी, पुणे, रायगढ़, गाजियाबाद, पंचकुला, कोटद्वार	15,34,46,000.00	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
कुल (₹ में)						**21,58,46,000.14**			

(घ) प्रशासनिक उपरिव्यय में खर्च की गई राशि- ₹ 2,53,77,000.00

(ङ) प्रभाव आकलन पर खर्च की गई राशि, यदि लागू हो- 17,91,240.00 (आवंटित राशि: ₹ 50.00 लाख)

(च) वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि (8बी+8सी+8डी+8ई)- ₹ 30,72,86,738.32

(छ) समायोजन के लिए अतिरिक्त राशि, यदि कोई हो- शून्य।

9. (क) पिछले तीन वित्तीय वर्षों के लिए अव्ययित सीएसआर राशि का विवरण-

क्रम सं.	गत वित्त वर्ष	धारा 135 (6) के तहत अव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि (₹ में)	वित्तीय वर्ष में खर्च की गई राशि (₹ में)	धारा 135(6) के अनुसार अनुसूची VII के तहत निर्दिष्ट किसी भी फंड में हस्तांतरित राशि, यदि कोई हो			आगामी वित्तीय वर्षों में खर्च की जाने वाली शेष राशि (₹ में)
				फंड का नाम	राशि (₹ में)	हस्तांतरण की तिथि	
1	2020-21	24,09,27,914.33	3,44,26,575.78				20,65,01,338.55
2	2019-20	7,90,34,548.28	2,42,02,062.85				5,48,32,485.43
3	2018-19	7,59,00,834.24	5,33,35,316.00	पीएम केयर्स फंड	2,25,65,518.24	28.04.2022	0.00
	कुल	**39,58,63,296.85**	**11,19,63,954.63**				

(ख) पिछले वित्तीय वर्ष (वर्षों) की चालू परियोजनाओं के लिए वित्तीय वर्ष में खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण-

1	2	3	4	5	6	7	8	9
क्रम सं.	परियोजना आईडी	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई थी	परियोजना अवधि	परियोजना के लिए आवंटित कुल राशि (₹ में)	वित्त वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि (₹ में)	वित्तीय वर्ष की रिपोर्टिंग के अंत में खर्च की गई संचयी राशि (₹ में)	परियोजना की स्थिति - पूर्ण / जारी
1	बीजीएचएलसी 181902	रायचूर जिले में 4 तालुक सामान्य अस्पतालों और 6 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति	2018-19	चार वर्ष	5,56,58,000.00	4,47,97,903.00	4,55,76,842.00	पूर्ण
2	बीजीईडीयू 181902	यादगीर जिला, कर्नाटक के 122 सरकारी हाई स्कूलों में सौर संचालित स्मार्ट क्लास सुविधा और 100 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में हाथ धोने की सुविधा प्रदान करना	2018-19	चार वर्ष	5,60,00,000.00	57,35,708.16	4,61,14,503.41	पूर्ण
3	बीजीएसडीपी 181901	इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया (ईएसएससीआई) के साथ साझेदारी में बीईएल-बीजी में व्यावसायिक कौशल विकास प्रशिक्षण	2018-19	चार वर्ष	39,00,000.00	2,95,851.00	38,87,819.00	पूर्ण
4	एनएमएसबीए 181901	महाराष्ट्र के धुले जिले के 5 गांवों में सामुदायिक हॉल का निर्माण	2018-19	चार वर्ष	60,00,000.00	(1,30,702.00)	54,44,694.00	पूर्ण
5	केटीएसबीए 181901	पुचिंग गांव, मणिपुर का समावेशी और सतत विकास	2018-19	चार वर्ष	29,18,600.00	16,36,555.84	29,18,600.00	पूर्ण
6	सीओटीआईसी 181903	सोसाइटी फॉर इनोवेशन एंड डेवलपमेंट (एसआईडी), आईआईएससी, बेंगलुरु में सीएसआर फंड का योगदान	2018-19	चार वर्ष	10,00,000.00	10,00,000.00	10,00,000.00	पूर्ण
7	बीजीएनवी 161701	डोड्डाबोम्मासांद्रा झील, बेंगलूरु, कर्नाटक में 10 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की आपूर्ति, स्थापना, कमीशन और परिचालन	2019-20	चार वर्ष	1,14,60,434.50	2,03,259.72	1,14,60,434.50	जारी
8	पीकेईडीयू 192002	सरकारी प्राथमिक विद्यालय, बुधनपुर, पंचकुला, हरियाणा के मौजूदा बीईएल ब्लॉक की पहली मंजिल पर 3 कक्षाओं का निर्माण, मौजूदा 6 कक्षाओं का नवीनीकरण और पुराने ब्लॉक में वाटर प्रूफिंग कार्य	2019-20	चार वर्ष	73,00,000.00	47,59,288.72	48,93,286.58	जारी
9	बीजीईडीयू 192003	सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय, चन्नल गांव, मुधोल तालुक, बागलकोट जिला, कर्नाटक के लिए कक्षाओं, शौचालय ब्लॉक और रसोई का निर्माण; फर्नीचर, स्वच्छ पेयजल और खेल सुविधाएं प्रदान करना	2019-20	चार वर्ष	1,88,00,000.00	39,60,786.48	48,62,487.48	जारी
10	केटीएचएलसी 192001	सियाहा जिला, मिजोरम का समावेशी और सतत विकास - 2 एम्बुलेंस, 1 फायर टेंडर वाहन, 1 आपातकालीन प्रतिक्रिया वाहन और सरकारी स्कूलों को पुस्तकालय अलमारियों और पुस्तकों का प्रावधान	2019-20	चार वर्ष	66,00,000.00	47,182.40	22,97,738.04	जारी
11	केटीएसबीए 192001	पुचिंग (खेबुचिंग) गांव, तामेंगलोंग जिला, मणिपुर (चरण-आईए) का समावेशी और सतत विकास	2019-20	चार वर्ष	39,01,000.00	5,77,919.38	5,77,919.38	जारी

1	2	3	4	5	6	7	8	9
क्रम सं.	परियोजना आईडी	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई थी	परियोजना अवधि	परियोजना के लिए आवंटित कुल राशि (₹ में)	वित्त वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि (₹ में)	वित्तीय वर्ष की रिपोर्टिंग के अंत में खर्च की गई संचयी राशि (₹ में)	परियोजना की स्थिति - पूर्ण / जारी
12	एचवाईईडीयू 192001	आंगनवाड़ी और सरकारी प्राथमिक विद्यालय में बुनियादी ढांचे का विस्तार और गोद लिए गए गाँव -चौदम्मा गुट्टा थांडा, फारूकनगर मंडल, शादनगर तालुक, आरआर जिला, तेलंगाना में स्कूल के लिए सीसी रोड बनाना	2019-20	चार वर्ष	1,67,84,000.00	28,38,605.00	28,38,605.00	जारी
13	बीजीईडीयू 192001	सरकारी उच्च प्राथमिक स्कूल, निसरानी, सोराबा तालुक, शिमोगा जिला, कर्नाटक में 6 कक्षाओं का निर्माण, लड़कों और लड़कियों के लिए शौचालय, खेल सुविधाएं और अन्य संबंधित कार्य	2019-20	चार वर्ष	84,00,000.00	44,18,944.47	59,53,684.47	जारी
14	बीजीईडीयू192004	सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय, सोमपुरा, नेलामंगला तालुक, बेंगलूरु ग्रामीण जिला, कर्नाटक में हाई स्कूल भवन का निर्माण, फर्नीचर और अन्य कार्यों का प्रावधान	2019-20	चार वर्ष	1,94,00,000.00	69,90,645.68	69,90,645.68	जारी
15	सीएचईडीयू192001	बुनियादी ढांचे का विस्तार: (ए) सरकारी उच्च माध्यमिक स्कूल और सरकारी पंचायत यूनियन प्राथमिक विद्यालय, इरुंबेडु गांव, तिरुवन्नामलाई जिला, तमिलनाडु (बी) सरकारी सहायता प्राप्त छावनी बोर्ड स्कूल, नंदमबक्कम और पल्लावरम, चेन्नई, तमिलनाडु (सी) सरकारी आंगनवाड़ी, नंदमबक्कम, चेन्नई, तमिलनाडु	2019-20	चार वर्ष	43,91,000.00	4,05,431.00	21,09,195.34	जारी
16	बीजीएचएलसी192001	यादगीर जिला, कर्नाटक के जिला सामान्य अस्पताल, तालुक सामान्य अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को चिकित्सा उपकरण प्रदान करना	2020-21	चार वर्ष	1,51,00,000.00	65,77,134.00	65,77,134.00	जारी
17	एमसीएचएलसी202107	सरकारी जिला अस्पताल, मछलीपट्टनम, आंध्र प्रदेश को सीटी स्कैनर का प्रावधान	2020-21	चार वर्ष	2,50,00,000.00	1,01,512.67	1,01,512.67	जारी
18	एमसीएचएलसी202103	पुलिस कल्याण अस्पताल, मछलीपट्टनम, आंध्र प्रदेश में चिकित्सा प्रयोगशाला उपकरण, फिजियोथेरेपी उपकरण, पोर्टेबल ईसीजी मशीन और मोबाइल डिजिटल एक्स-रे मशीन का प्रावधान	2020-21	चार वर्ष	10,00,000.00	82,040.00	9,41,840.49	जारी
19	जीडीएडीआई202101	गोद ली गई सरकारी आईटीआई, नोएडा, यूपी (फेज छ) के लिए औजारों और उपकरण का प्रावधान	2020-21	चार वर्ष	26,43,000.00	6,59,097.26	21,46,792.22	जारी
20	बीजीएसडीपी202101	ईएसएससीआई के सहयोग से पीयू/आईटीआई/डिप्लोमा छात्रों के लिए बीईएल-बीजी में व्यावसायिक कौशल विकास प्रशिक्षण	2020-21	चार वर्ष	39,00,000.00	9,85,920.00	9,85,920.00	जारी
21	बीजीएसडीपी202102	सीजीएससी के सहयोग से पीयू/आईटीआई/डिप्लोमा छात्रों के लिए बीईएल-बीजी में व्यावसायिक कौशल विकास प्रशिक्षण	2020-21	चार वर्ष	49,00,000.00	29,382.00	29,382.00	जारी

1	2	3	4	5	6	7	8	9
क्रम सं.	परियोजना आईडी	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई थी	परियोजना अवधि	परियोजना के लिए आवंटित कुल राशि (₹ में)	वित्त वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि (₹ में)	वित्तीय वर्ष की रिपोर्टिंग के अंत में खर्च की गई संचयी राशि (₹ में)	परियोजना की स्थिति - पूर्ण / जारी
22	बीजीएचएलसी202104	डोड्डाबोम्मासांद्रा झील, बेंगलूरु में शौचालय ब्लॉक का प्रावधान और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का संचालन और रखरखाव	2020-21	चार वर्ष	39,87,000.00	9,73,759.14	9,73,759.14	चल रहे
23	बीजीएनबी202101	एमएम हिल्स वन्यजीव अभ्यारण्य, कर्नाटक में चेक डैम का निर्माण, बोर-वेल का प्रावधान, सोलर वाटर पंपिंग सिस्टम, सोलर लाइट और अन्य कार्य	2020-21	चार वर्ष	1,68,39,000.00	56,48,895.30	56,48,895.30	जारी
24	सीओएचएलसी202105	भारत सरकार के कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम के लिए कोल्ड चेन उपकरण का प्रावधान अर्थात डीप फ्रीजर (छोटा) और वॉ क-इन फ्रीजर	2020-21	3 वर्ष	1,11,00,000.00	2,100.00	90,73,645.00	जारी
25	एचडीईडीयू202101	श्री सरस्वती विद्यापीठम, आरआर जिला, तेलंगाना में कौशल विकास केंद्र की स्थापना	2020-21	चार वर्ष	1,40,00,000.00	88,23,842.96	88,23,842.96	जारी
26	बीजीईडीयू202103	शैक्षणिक संस्थानों में बुनियादी ढांचे और सुविधा रखरखाव व्यय का विस्तार	2020-21	चार वर्ष	3,39,78,000.00	18,02,140.00	2,98,37,140.00	जारी
27	एमसीएचएलसी202106	सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, गुडुरु, निम्मुलुरु गांव के पास, मछलीपट्टनम, एपी को चिकित्सा उपकरणों का प्रावधान	2020-21	चार वर्ष	38,69,000.00	31,57,913.99	31,57,913.99	जारी
28	सीओटीआईसी202101	प्रौद्योगिकी इनक्यूबेटर में योगदान - मेसर्स फोर्ज, केसीटी टेक पार्क, कोयंबटूर, तमिलनाडु	2020-21	2 साल	20,00,000.00	20,00,000.00	20,00,000.00	पूर्ण
29	केटीएचएलसी202101	सरकारी जिला अस्पताल, तामेंगलोंग जिला, मणिपुर को हेमोडायलिसिस मशीन प्रदान करना	2020-21	3 वर्ष	15,00,000.00	13,77,600.04	13,77,600.04	जारी
30	जीडीएसबीए202101	सरकारी प्राथमिक विद्यालय को फर्नीचर का प्रावधान और सरकारी मिडल स्कूल, महाराजपुर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश का नवीनीकरण	2020-21	चार वर्ष	11,16,000.00	10,05,238.42	10,05,238.42	जारी
31	एमसीएचएलसी202105	सरकारी जिला अस्पताल, मछलीपट्टनम, एपी को रक्त भंडारण रेफ्रिजरेटर, डोनर काउच आदि का प्रावधान	2020-21	2 साल	12,00,000.00	12,00,000.00	12,00,000.00	पूर्ण
कुल (₹ में)					**36,46,45,034.50**	**11,19,63,954.63**	**22,08,07,071.11**	

10. पूंजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण के मामले में, वित्तीय वर्ष में खर्च किए गए सीएसआर के माध्यम से इस प्रकार बनाई या अर्जित की गई संपत्ति से संबंधित विवरण प्रस्तुत करें (संपत्ति-वार विवरण):

लागू नहीं

(ए) पूंजीगत संपत्ति (संपत्तियों) के निर्माण या अधिग्रहण की तिथि

(बी) पूंजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण के लिए खर्च की गई सीएसआर की राशि

(सी) यूनिट या सार्वजनिक प्राधिकरण या लाभार्थी का विवरण जिनके नाम पर ऐसी पूंजीगत संपत्ति पंजीकृत है, उनका पता आदि

(डी) सृजित या अर्जित की गई पूंजीगत संपत्ति (पूंजीगत संपत्ति का पूरा पता और स्थान सहित) का विवरण प्रदान करें

11. यदि कंपनी धारा 135(5) के अनुसार औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत खर्च करने में विफल रही हो, तो कारण बताएं

सीएसआर के माध्यम से दीर्घकालिक सामाजिक प्रभाव के लिए, कंपनी ने एक वर्ष से अधिक की परियोजना अवधि के साथ परियोजना मोड में कई पहलें की हैं, जिसमें कार्य प्रगति आधारित भुगतान एक से अधिक वित्तीय वर्ष में फैले हुए हैं। यह कंपनी अधिनियम, 2013, कंपनी (सीएसआर नीति) नियम, 2014 और उसके संशोधनों के अनुरूप भी है।

बोर्ड की ओर से

आनंदी रामलिंगम
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

बेंगलूरु
28 जुलाई 2022

अनुलग्नक - 3

सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट

31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए

[कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204(1) और कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिक नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियम, 2014 के नियम संख्या 9 के अनुसार]

सेवा में
सदस्यगण
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
आउटर रिंग रोड
नागवारा, बेंगलूरु - 560045, कर्नाटक

हमने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (CIN:L32309KA1954GOI000787) (अब से कंपनी कहा जाएगा) द्वारा लागू वैधानिक प्रावधानों के अनुपालन और अच्छी कॉर्पोरेट प्रथाओं के पालन का सचिवीय लेखा परीक्षा की है। सचिवीय ऑडिट इस तरीके से किया गया था जिसने हमें कॉरपोरेट आचरण/सांविधिक अनुपालन का मूल्यांकन करने और उस पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए एक उचित आधार प्रदान किया है।

कंपनी के बहीखातों, कागजातों, कार्यवृत्त पुस्तकों, फॉर्म और रिटर्न और कंपनी द्वारा रखे गए अन्य अभिलेखों के सत्यापन के आधार पर और कंपनी, उसके अधिकारियों, एजेंटों और अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा सचिवीय लेखा परीक्षा के दौरान प्रदान की गई जानकारी के आधार पर हम एतद्द्वारा रिपोर्ट करते हैं कि हमारी राय में, कंपनी ने, 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष को कवर करने वाली लेखापरीक्षा अवधि के दौरान, यहां सूचीबद्ध सांविधिक प्रावधानों का अनुपालन किया है और यह भी कि कंपनी के पास उचित बोर्ड-प्रक्रियाएं और अनुपालन-तंत्र उस सीमा तक हैं, जिनके तहत इसके बाद की गई रिपोर्टिंग की गई है।

हमने 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए इन प्रावधानों के अनुसार कंपनी द्वारा रखे गए बहीखातों, कागजातों, कार्यवृत्त पुस्तकों, प्रपत्रों और दाखिल रिटर्न और अन्य अभिलेखों की जांच की है-

(i) कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) और उसके तहत बनाए गए नियम;

(ii) प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 ('एससीआरए') और उसके तहत बनाए गए नियम;

(iii) डिपॉजिटरी एक्ट, 1996 और उसके तहत बनाए गए विनियम और उपनियम;

(iv) विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 और उसके तहत बनाए गए नियम और विनियम प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश और बाहरी वाणिज्यिक उधार की सीमा तक;

(v) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 ('सेबी अधिनियम') के तहत निर्धारित निम्नलिखित विनियम और दिशानिर्देश: -

(क) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयरों और अधिग्रहणों का पर्याप्त अधिग्रहण) विनियम, 2011;

(ख) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) विनियम, 2015;

(ग) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (पूंजी का निर्गम और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2018;

(घ) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयर आधारित कर्मचारी लाभ) विनियम, 2014 / भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयर आधारित कर्मचारी लाभ और स्वेट इक्विटी) विनियम, 2021 (लेखा परीक्षा अवधि के दौरान लागू नहीं);

(ङ) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (गैर-परिवर्तनीय प्रतिभूतियों का निर्गम और सूचीकरण) विनियम, 2021 (लेखा परीक्षा अवधि के दौरान लागू नहीं);

(च) कंपनी अधिनियम और क्लाइंट के साथ व्यवहार के संबंध में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (निर्गम और शेयर हस्तांतरण एजेंटों के लिए रजिस्ट्रार) विनियम, 1993;

(छ) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (इक्विटी शेयरों को असूचीबद्ध करना) विनियम, 2021 (लेखापरीक्षा अवधि के दौरान लागू नहीं) और

(ज) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (प्रतिभूतियों का बाय-बैक) विनियम, 2018 (लेखापरीक्षा अवधि के दौरान लागू नहीं)।

हमने निम्नलिखित के लागू खंडों के अनुपालन की भी जांच की है:

(i) भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी सचिवीय मानक।

(ii) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान कंपनी ने अधिनियम, नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों और मानकों आदि के प्रावधानों का पालन किया है, जैसा ऊपर उल्लेख किया गया है, सिवाय इसके कि:

i) वित्तीय वर्ष के अंत में बोर्ड में कुल चौदह (14) निदेशक हैं जिनमें एक अध्यक्ष शामिल है जो नियमित कार्यकारी निदेशक (प्रबंध निदेशक के अतिरिक्त प्रभार में पूर्णकालिक निदेशक), अन्य तीन (3) कार्यकारी निदेशक, दो (2) गैर-कार्यकारी और गैर-स्वतंत्र निदेशक हैं (सरकारी नामांकित व्यक्ति) और आठ (8) स्वतंत्र निदेशक हैं। हालांकि, बोर्ड के पास सेबी (एलओडीआर) विनियमों के 17(1)(ए) और (बी) के तहत आवश्यक महिला स्वतंत्र निदेशक सहित स्वतंत्र निदेशकों की अपेक्षित संख्या नहीं थी लेकिन गैर-अनुपालन 7 फरवरी 2022 को ठीक कर दिया गया है।

   इसके अलावा रिपोर्टिंग अवधि की पहली तीन तिमाहियों के लिए लेखा परीक्षा समिति की संरचना और कोरम, और नामांकन और पारिश्रमिक समिति की संरचना सेबी (एलओडीआर) विनियम 2015 के क्रमश: विनियम 18 और 19 के अनुरूप नहीं थी।

   इन गैर-अनुपालनों के लिए, स्टॉक एक्सचेंजों ने समय-समय पर कंपनी पर जुर्माना लगाया है।

   जनवरी 2021 और जून 2021 के महीने में आयोजित लेखापरीक्षा समिति की दो बैठकों के बीच का अंतर विनियम 18 (2) के संदर्भ में 120 दिनों से अधिक था। कंपनी द्वारा सूचित किया गया है कि राज्य में प्रचलित कोविड-19 महामारी से जुड़े प्रतिबंधों/लॉक डाउन और निदेशकों की अनुपलब्धता के कारण, लेखा परीक्षा समिति की बैठक पिछली बैठक की तारीख से 120 दिनों के भीतर आयोजित नहीं की जा सकी।

   यह सूचित किया जाता है कि स्वतंत्र निदेशकों की रिक्तियों को भरना नियुक्ति प्राधिकारी अर्थात् भारत सरकार के पास लंबित है। इसकी सूचना देकर, कंपनी द्वारा स्टॉक एक्सचेंजों (बीएसई और एनएसई) को जुर्माने का भुगतान नहीं किया गया है और तथ्यों को समझाते हुए स्टॉक एक्सचेंजों से अनुरोध किया गया है। हालांकि, स्टॉक एक्सचेंजों ने रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक लगाए गए जुर्माने पर कोई छूट नहीं दी है।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि, कंपनी में प्रचलित अनुपालन प्रणाली को ध्यान में रखते हुए और उसके अनुसरण में संबंधित दस्तावेजों और अभिलेखों की जांच के आधार पर, नमूना-जांच के आधार पर, कंपनी ने निम्नलिखित कानूनों/दिशानिर्देशों/नियमों का अनुपालन किया है जो विशेष रूप से कंपनी पर लागू होते हैं:

(i) सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा जारी दिशानिर्देश;

(ii) रक्षा मंत्रालय द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देश/परिपत्र;

(iii) भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी आदेश/विनियम।;

(iv) ई-अपशिष्ट (प्रबंधन और हैंडलिंग) नियम, 2016;

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि:

बोर्ड की संरचना पर उपरोक्त योग्यता के अधीन, कंपनी के निदेशक मंडल का विधिवत गठन किया गया है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान हुए निदेशक मंडल की संरचना में परिवर्तन अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन में किए गए थे।

सभी निदेशकों को बोर्ड की बैठकों को आयोजित करने के लिए पर्याप्त नोटिस दिया गया था, एजेंडा पर विस्तृत नोट्स कम से कम सात दिन पहले भेजे गए थे और बैठक से पहले एजेंडा मदों पर और जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त करने और बैठक में सार्थक भागीदारी के लिए प्रणाली मौजूद है।

बहुमत से निर्णय किए गए थे, जबकि असंतुष्ट सदस्यों के विचार, यदि कोई हो, तो उसे स्वीकार किया गया था और कार्यवृत्त के हिस्से के रूप में दर्ज किया गया था।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि लागू कानूनों, नियमों, विनियमों और दिशानिर्देशों की निगरानी और अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कंपनी के आकार और संचालन के अनुरूप कंपनी में पर्याप्त प्रणालियां और प्रक्रियाएं हैं।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि लेखापरीक्षा अवधि के दौरान उपरोक्त संदर्भित कानूनों, नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों, मानकों के अनुसरण में कंपनी के मामलों पर प्रमुख प्रभाव डालने वाली निम्नलिखित घटनाएं/गतिविधियां हुई हैं: शून्य।

कृते तिरुपाल गोरिगे एंड एसोसिएट्स एलएलपी
पेशेवर कंपनी सचिव

सीएस तिरुपाल गोरिगे
नामित भागीदार
एफसीएस नंबर 6680; सीपी नंबर 6424
यूडीआईएन: F006680D000365161

स्थान: बेंगलूरु
दिनांक: 23 मई 2022

नोट- इस रिपोर्ट को हमारे सम तिथि पत्र के साथ पढ़ा जाए जो **अनुलग्नक-क** के रूप में संलग्न है और इस रिपोर्ट का अभिन्न अंग है।

'अनुलग्नक क'

सेवा में
सदस्यगण
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
आउटर रिंग रोड
नगावरा, बेंगलूरु- 560045, कर्नाटक

उसी तिथि की हमारी रिपोर्ट इस पत्र के साथ पढ़ी जानी है।

(1) सचिवीय रिकॉर्ड का रखरखाव कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। मेरी जिम्मेदारी हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन सचिवीय अभिलेखों पर राय व्यक्त करना है।

(2) हमने उन लेखापरीक्षा प्रथाओं और प्रक्रियाओं का पालन किया है जो सचिवीय अभिलेखों की सामग्री की शुद्धता के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए उपयुक्त थी। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सचिवीय अभिलेखों में सही तथ्य परिलक्षित होते हैं, परीक्षण के आधार पर सत्यापन किया गया था। हम मानते हैं कि हमने जिन प्रक्रियाओं और प्रथाओं का पालन किया है, वे हमारी राय के लिए उचित आधार प्रदान करती हैं।

(3) हमने कंपनी के वित्तीय अभिलेखों और बहीखातों की शुद्धता और उपयुक्तता को सत्यापित नहीं किया है।

(4) जहां कहीं आवश्यक हो, हमने कानूनों, नियमों और विनियमों के अनुपालन और घटनाओं आदि के बारे में प्रबंधन का निवेदन प्राप्त किया है।

(5) कॉर्पोरेट और अन्य लागू कानूनों, नियमों, विनियमों, मानकों के प्रावधानों का अनुपालन प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी परीक्षा परीक्षण के आधार पर प्रक्रियाओं के सत्यापन तक सीमित थी।

(6) सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता के बारे में आश्वासन है और न ही उस प्रभावकारिता या प्रभावशीलता के बारे में जिसके साथ प्रबंधन कंपनी के मामलों का संचालन करता है।

कृते तिरुपाल गोरिगे एंड एसोसिएट्स एलएलपी
पेशवर कंपनी सचिव

सीएस तिरुपाल गोरिगे
नामित भागीदार
एफसीएस नंबर 6680; सीपी नंबर 6424
यूडीआईएन- F006680D000365161

स्थान: बेंगलूरु
दिनांक: 23 मई 2022

अनुलग्नक - 4

प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट

(क) उद्योग संरचना और विकास, ताकत, कमजोरियां, अवसर और खतरे, प्रमुख पहलें की गई और निरंतर प्रदर्शन और विकास सुनिश्चित करने के लिए योजना बनाई गई-

क) अर्थव्यवस्था का सामान्य दृष्टिकोण, उद्योग जिसमें कंपनी संचालित होती है, सरकारी बजट, विशेष रूप से रक्षा बजट, बाजार की स्थिति और ये कंपनी को कैसे प्रभावित करते हैं, कंपनी के हितों की रक्षा के लिए किए गए उपाय / कार्य योजना;

महामारी के आर्थिक झटके को भारत ने अच्छी तरह से झेला है। वित्त वर्ष 2020-21 में अर्थव्यवस्था के तीव्र संकुचन (-7.3%) के बाद, भारतीय अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 2021-22 में अपेक्षित V आकार की रिकवरी और 9% की वृद्धि देखी। वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही के दौरान कोविड की "दूसरी लहर" का आर्थिक प्रभाव अपेक्षाकृत कम था, मुख्य रूप से भारत सरकार की प्रतिक्रिया के कारण समाज के कमजोर वर्गों और व्यापार क्षेत्र पर प्रभाव को कम करने के लिए सुरक्षा-जाल, पूंजी में उल्लेखनीय वृद्धि दीर्घकालिक विस्तार के लिए विकास और आपूर्ति पक्ष सुधारों को बढ़ावा देने के लिए व्यय शामिल थे। भारतीय अर्थव्यवस्था ने लगभग सभी मैक्रोइकॉनॉमिक निष्पादन संकेतकों पर अच्छा प्रदर्शन किया है, जिसमें वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान जीडीपी के 9.2% (वित्त वर्ष 2020-21 में) से जीडीपी के 6.9% तक राजकोषीय घाटे में गिरावट शामिल है।

वित्त वर्ष 2021-22 में महामारी-पूर्व स्तर प्राप्त करने के बाद, वित्त वर्ष 2022-23 में आगे बढ़ते हुए, उच्च विकास पथ पर लौटने की चुनौती होगी। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (22 फरवरी में) के अनुसार, जीडीपी विकास दर 7.8% रहने का अनुमान है। मांग और निजी निवेश दोनों मोर्चे पर अच्छी तेजी दिखाई दे रही है, हालांकि, रूस-यूक्रेन संकट के कारण तेल और वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण मुद्रास्फीति, सेमिकंडक्टरों की निरंतर कमी और वैश्विक कोविड दृष्टिकोण अल्पावधि में गति के लिए चुनौती पेश कर सकते हैं।

रक्षा

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए बजट में रक्षा आवंटन को बढ़ाकर ₹ 5,25,166 करोड़ कर दिया गया है। यह 9.8% की वृद्धि है, लेकिन सीमाओं पर आसन्न खतरे को ध्यान में रखते हुए, लगातार दूसरे वर्ष महत्वपूर्ण पूंजी परिव्यय में 10% से अधिक की वृद्धि की गई है। पूंजीगत व्यय के तहत आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है, जो सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण और बुनियादी ढांचे के विकास से संबंधित है। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए ₹ 1,52,370 करोड़ का पूंजी आवंटन वित्त वर्ष 2021-22 की तुलना में 12.6% की वृद्धि दर्शाता है। आवंटित पूंजीगत व्यय वायु सेना के लिए ₹ 56,852 करोड़, नौसेना के लिए ₹ 47,591 करोड़ और सेना के लिए ₹ 32,135 करोड़ है।

घरेलू रक्षा उद्योग को सपोर्ट करने के लिए, 2022-23 में घरेलू उद्योग के लिए पूंजीगत खरीद बजट का 68% निर्धारित किया गया है। साथ ही, डीआरडीओ और अन्य संगठनों के सहयोग से सैन्य प्लेटफार्मों और उपकरणों के डिजाइन और विकास के लिए भारतीय उद्योग, स्टार्ट-अप और शिक्षाविदों के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास बजट के 25% के आवंटन की योजना बनाई गई है। इसी तरह, अगस्त 2020 से, सरकार ने विभिन्न जटिल रक्षा प्रणालियों और उपकरणों से युक्त 300 से अधिक वस्तुओं (सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियों के हिस्से के रूप में) को अधिसूचित किया है, जिन्हें केवल स्वदेशी निर्माताओं से खरीदा जाना है। इस तरह की प्रगतिशील पहल आत्मनिर्भरता प्राप्त करने और रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के दोहरे उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी के साथ स्वदेशीकरण को और बढ़ावा देगी।

गैर-रक्षा

अपने मुख्य रक्षा व्यवसाय के अलावा, बीईएल ने होमलैंड सिक्योरिटी, स्मार्ट सिटी, एनर्जी स्टोरेज प्रोडक्ट्स, सोलर, स्पेस इलेक्ट्रॉनिक्स, नेटवर्क और साइबर सिक्योरिटी, रेलवे और मेट्रो सॉल्यूशंस, कम्पोजिट्स, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स और हेल्थकेयर सॉल्यूशंस, सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस, आदि जैसे कई गैर-रक्षा क्षेत्रों में कदम बढ़ाया है।

होमलैंड सिक्योरिटी

भारत में होमलैंड सिक्योरिटी बाजार केंद्र / राज्य सरकारों, सरकारी संस्थाओं सहित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और निजी क्षेत्र के संगठनों में फैला हुआ है। पुलिस आधुनिकीकरण, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा, सीमा प्रबंधन, आतंकवाद विरोधी गतिविधियों, शहरी क्षेत्र की सुरक्षा, जमीनी परिवहन, बंदरगाह और समुद्री सुरक्षा, आदि के बाजार में काफी अधिक अवसर मौजूद हैं। आतंकवादी गतिविधियों और अपराध, डेटा चोरी, दूरस्थ निगरानी के कारण आंतरिक सुरक्षा संबंधी चिंताएं मौजूद हैं। केंद्रीकृत कमान और नियंत्रण, परिसंपत्ति संरक्षण और आपदा प्रबंधन, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में वृद्धि, आईटी खर्च में वृद्धि, विभिन्न सरकारी पहल, सुरक्षा खर्च में वृद्धि, भारत में होमलैंड सुरक्षा बाजार की मांग को बढ़ा रहे हैं।

गृह मंत्रालय को 2022-23 के केंद्रीय बजट में ₹ 1.85 लाख करोड़ से अधिक का आवंटन किया गया है, जो पिछले वर्ष के बजट आवंटन ₹ 1.66 लाख करोड़ से लगभग 11.5% अधिक है, जिसमें अधिकांश

सीआरपीएफ, बीएसएफ जैसे केंद्रीय पुलिस संगठनों पर और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के साथ बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए खर्च किया जाना है।

बजट में पुलिस बलों के आधुनिकीकरण, खुफिया जानकारी जुटाने के उपकरण, महिला सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और दशकीय जनगणना को प्राथमिकता दी गई है।

बजट में एमएचए की अधिकांश धनराशि पुलिस को पिछले वर्ष ₹ 1.09 लाख करोड़ की तुलना में 2021-22 में ₹ 1.17 लाख करोड़ आवंटित की है।

केंद्रीय पुलिस संगठनों में, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को 27,307 करोड़ रुपये की तुलना में 2021-22 में 29,325 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो आंतरिक सुरक्षा कर्तव्यों और उग्रवाद से लड़ने के लिए ज्यादातर जिम्मेदार है।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को 21,491 करोड़ रुपये की तुलना में 2021-22 में 22,718 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को आवंटित ₹ 11,373 करोड़ की तुलना में 2021-22 में ₹ 12,202 करोड़ दिए गए हैं, जो परमाणु परियोजनाओं, हवाई अड्डों और मेट्रो नेटवर्क जैसे महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा करता है। एक प्रमुख घरेलू आंतरिक एजेंसी इंटेलिजेंस ब्यूरो को ₹ 2793.02 करोड़ की तुलना में चालू वित्त वर्ष में ₹ 3168.36 करोड़ दिए गए हैं।

स्मार्ट सिटी

जून 2015 में भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए स्मार्ट सिटी मिशन के तहत, 100 स्मार्ट शहरों का चयन किया गया है और सभी 100 में विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) शामिल हैं और विभिन्न स्मार्ट सिटी परियोजनाएं कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। रिपोर्टों के अनुसार, मिशन द्वारा आवंटित परियोजनाओं की कुल संख्या में से लगभग 46% को 2022 में प्रत्येक शहर में कम से कम एक परियोजना के साथ पूरा किया जा चुका है।

2022-23 के लिए मिशन के लिए ₹ 6,444.88 करोड़ के आवंटन के साथ महामारी के कारण स्मार्ट सिटीज मिशन के कार्यान्वयन की समय-सीमा जून 2023 तक बढ़ा दी गई है। इसके अतिरिक्त, बजट 2022-23 में सिटी इनवेस्टमेंट टू इनोवेट, इंटीग्रेट एंड सस्टेन (सीआईटीआईआईएस) के प्रावधान भी हैं, जो एससीएम के तहत एक नई पहल है।

होमलैंड सिक्योरिटी और स्मार्ट सिटी व्यवसाय को देखने के लिए विशेष रूप से गठित स्ट्रैटेजिक बिजनेस यूनिट ने होमलैंड सिक्योरिटी और स्मार्ट सिटी डोमेन में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं।

ऊर्जा स्टोरेज उत्पाद

ऊर्जा स्टोरेज 21वीं सदी के नए व्यवसाय और स्वच्छ ऊर्जा प्रणालियों के हिस्से के रूप में उभर रहा है। रक्षा और रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए भी उच्च ऊर्जा स्टोरेज और रखरखाव मुक्त बैटरी की भारी आवश्यकता के कारण आने वाले वर्षों में ऊर्जा स्टोरेज खंड में पर्याप्त व्यावसायिक अवसर हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक बैटरी ऊर्जा स्टोरेज प्रणाली बाजार का आकार 2022 में 4.4 बिलियन अमरीकी डालर से बढ़कर 2027 तक 27.9% की सीएजीआर से 15.1 बिलियन अमरीकी डालर तक बढ़ने की उम्मीद है।

भारत में ईवी बाजार ने कई नीतिगत पहलों के बाद गति प्राप्त की है जैसे ट्रांसफॉर्मेटिव मोबिलिटी और बैटरी स्टोरेज पर राष्ट्रीय मिशन की स्थापना, 10,000 करोड़ रु. के परिव्यय के साथ इलेक्ट्रिक वाहनों ईवी (फेम II) का विनिर्माण और तेजी से अपनाना, संपूर्ण ईवी मूल्य श्रृंखला में उत्पादन को स्थानीकृत करने के लिए चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम (पीएमपी) की शुरूआत, आदि। वर्तमान में बैटरी सेल की कीमत ईवी की लागत का लगभग 35% है।

परिपक्व स्टोरेज प्रौद्योगिकियों में, लिथियम-आयन (ली-आयन) बैटरी सबसे बहुमुखी और कुशल स्टोरेज उपकरण हैं। ईंधन सेल प्रौद्योगिकी आधारित ऊर्जा स्टोरेज उत्पादों को भी वैश्विक स्तर पर और साथ ही भारत में भावी ऊर्जा स्टोरेज बाजारों पर हावी होने का अनुमान है।

ली-आयन सेल और ईंधन सेल के लिए उभरते बाजार के अवसर को देखते हुए, बीईएल ने एक फोकस क्षेत्र के रूप में ली-आयन सेल/बैटरी और ईंधन सेल की पहचान की और एक केंद्रित तरीके से व्यवसाय को हासिल करने और अपनी उपस्थिति का और विस्तार करने और ली-आयन सेल के निर्माण और ईंधन सैल के विकास / निर्माण द्वारा ऊर्जा स्टोरेज उत्पाद खंड के लिए एक समर्पित माइक्रो एसबीयू बनाया है। बीईएल इस क्षेत्र में विभिन्न सार्वजनिक/निजी संगठनों के साथ सहयोग कर रहा है और वैश्विक कंपनियों जैसे ट्राइटन इलेक्ट्रिक वाहन एलएलसी यूएसए, एसएफसी एनर्जी एजी, जर्मनी, आदि के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

सौर - नवीकरणीय ऊर्जा

सरकार ने 2030 तक स्थापित सौर क्षमता से 280 गीगावाट पैदा करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्ष 2022-23 के बजट में, सरकार ने पूरी तरह से एकीकृत यूनिटों के लिए प्राथमिकता के साथ उच्च दक्षता वाले मॉड्यूल के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए 19,500 करोड़ रुपये के उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) का प्रस्ताव दिया है।

बीईएल ने इंजीनियरिंग प्रोक्योरमेंट कंस्ट्रक्शन (ईपीसी)/डेवलपर मोड के तहत सौर ऊर्जा संयंत्र परियोजनाओं के निष्पादन के लिए एक सेल/मॉड्यूल निर्माण से अपने संचालन को बढ़ाया है। बीईएल ने सौर व्यवसाय की आवश्यकताओं को लक्षित करने के लिए केंद्रित दृष्टिकोण के लिए एक नया माइक्रो एसबीयू बनाया है, जिसके निकट भविष्य में निरंतर आधार पर बीईएल के व्यवसाय में योगदान करने की संभावना है।

अंतरिक्ष अनुप्रयोग के लिए मल्टी-जंक्शन सोलर सेल के निर्माण के लिए इसरो द्वारा बीईएल को भी शॉर्टलिस्ट किया गया है। प्रति वर्ष लगभग

60,000 मल्टी-जंक्शन सेल की क्षमता वाला संयंत्र इसरो द्वारा स्थापित किया जाएगा और बीईएल के माध्यम से, भारतीय रेलवे, करने की योजना बना रहा है। मॉडल के तहत अपने पूर्ण विनिर्माण कार्यों की देखरेख करनी होगी।

अंतरिक्ष इलेक्ट्रॉनिक्स

इसरो ने भारतीय उद्योग के लिए लॉन्च वाहनों और छोटे और सूक्ष्म उपग्रहों के निर्माण के अवसर खोले हैं। छोटे उपग्रहों के लिए वैश्विक आवश्यकता प्रति वर्ष लगभग 500 की संख्या को छूने की उम्मीद है। इसरो की वर्ष 2023-24 से प्रति वर्ष औसतन लगभग 18 उपग्रहों के प्रक्षेपण की संख्या बढ़ाने की महत्वाकांक्षी योजना है। इसरो की योजनाओं के अनुरूप, अंतरिक्ष विभाग को वर्ष 2022-23 के लिए ₹ 13,700 करोड़ का बजट आवंटित किया गया है, जो वित्त वर्ष 2021-22 के संशोधित अनुमान की तुलना में 8.3% अधिक है। इसमें से ₹ 7,465 करोड़ पूंजीगत व्यय के लिए निर्धारित किए गए हैं। यह स्पष्ट रूप से अंतरिक्ष में बढ़ते निवेश और अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम के विकास के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके अलावा, इसरो को आगामी तीन वर्षों में 30 पीएसएलवी और 10 जियो सिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (जीएसएलवी) लॉन्च करने की मंजूरी मिली है।

सैटेलाइट कम्युनिकेशन के ग्राउंड सेगमेंट में बीईएल प्रमुख खिलाड़ियों में से एक है और भारतीय निजी उद्योग के साथ संयुक्त रूप से स्पेस इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स, स्मॉल एंड माइक्रो सैटेलाइट के निर्माण, सैटेलाइट कम्युनिकेशन सर्विसेज और एड्रेस लांच व्हीकल सेगमेंट में प्रवेश करना चाहता है। बीईएल का अंतरिक्ष आधारित परिसंपत्तियों और पेलोड में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने का दीर्घकालिक उद्देश्य है। 2021-22 के दौरान, बीईएल ने इसरो के सहयोग से लघु उपग्रह और लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) के उत्पादन में भागीदारी के लिए भी अपनी रुचि व्यक्त की।

बीईएल ने उपग्रहों के संयोजन, एकीकरण और परीक्षण (एआईटी) के लिए इसरो के उद्योग भागीदार के रूप में अर्हता प्राप्त की है। इसने इसरो में तीन आरआईएसएटी उपग्रहों का उपग्रह एआईटी पूरा कर लिया है। बीईएल ने इसरो के साथ सहयोग किया है और पोजिशनिंग और नेविगेशन (आईआरएनएसएस), सैटकॉम टर्मिनल, एलटीसीसी-आधारित सबस्ट्रेट्स और हाई पावर स्पेस टीडब्ल्यूटी के लिए अगली पीढ़ी के स्वदेशी रिसीवर जैसे नए उत्पाद लेकर आया है, जिनका उपयोग इसरो के सहयोग से रक्षा, सरकारी सेवाओं और अर्धसैनिक अनुप्रयोगों में किया जाएगा। बीईएल उपग्रह संचार अनुप्रयोगों के लिए विभिन्न प्रकार के उपग्रह नेटवर्क और हब की आपूर्ति और चालू करने के लिए इसरो के साथ मिलकर काम कर रहा है।

नेटवर्क और साइबर सुरक्षा

महामारी के दौरान भारत में साइबर हमले बढ़े हैं, और यह चलन जारी है, क्योंकि नया वितरित कार्यबल अपराधियों को इसका लाभ उठाने के अधिक अवसर प्रदान करता है। भारत में साइबर सुरक्षा बाजार 2025 तक लगभग 30,000 करोड़ रुपये तक बढ़ने की उम्मीद है, जो साइबर खतरों से बचाव के लिए संगठनों द्वारा निवेश द्वारा संचालित है। महामारी के जवाब में कई कंपनियों ने घर से काम करने की नीतियों को अपनाया है, जिससे साइबर सुरक्षा एक प्रमुख मुद्दा बन गया है। जबकि प्रत्येक संगठन का उद्देश्य कहीं भी, कभी भी कनेक्शन के तकनीकी रुझानों का पालन करना है, अत: यह उन्हें पूरे नेटवर्क में हमले की सतह में अभूतपूर्व वृद्धि पर विचार करने के लिए भी मजबूर करता है। वैश्विक साइबर सुरक्षा बाजार वर्ष 2028 तक लगभग 366 बिलियन अमरीकी डालर तक पहुंचने की उम्मीद है।

इस नेटवर्क और साइबर सुरक्षा प्रभाग ने सरकारी एजेंसियां के लिए सुरक्षा विश्लेषिकी केंद्र (एसएसी), डीआरडीओ के लिए डेटा-डायोड समाधान, आईएएफ के लिए पीकेआई और संबद्ध सेवाएं, बैंकिंग/सरकारी एजेंसियां के लिए सुरक्षा सेवाएं, आईएएफ के लिए सुरक्षा सूचना और इवेंट मैनेजमेंट (एसआईईएम) समाधान, पीएसयू के लिए सुरक्षा संचालन केंद्र (एसओसी), आदि, जैसे साइबर सुरक्षा व्यवसाय की बड़ी मात्रा को लागू करने में वर्ष के दौरान महत्वपूर्ण प्रगति की है।

अपनी स्थापना के बाद से, वर्टिकल ने स्टार्ट-अप्स, ओईएम, चैनल पार्टनर्स और एकेडेमिया के साथ विभिन्न टाई-अप्स, पार्टनरशिप्स और कंसोर्टियम द्वारा इसे विविधतापूर्ण और मजबूत बनाया है। सूचना सुरक्षा लेखा परीक्षा सेवाएं प्रदान करने के लिए बीईएल को सीईआरटी-इन द्वारा सूचीबद्ध किया गया है। बीईएल नेटवर्क और साइबर सुरक्षा आईएसओ 27001 सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली-प्रमाणित प्रभाग है। इस समूह द्वारा विभिन्न साइबर सुरक्षा प्रमाणपत्र प्राप्त किए गए हैं, जिनमें सीईएच, जीएसईसी, आईएसओ 27001 के लिए लीड ऑडिटर आदि शामिल हैं। टीम घरेलू और वैश्विक निविदाओं में अर्हता प्राप्त करने के लिए प्रमाणित सूचना प्रणाली सुरक्षा पेशेवर (सीआईएसएसपी) प्रमाणन का भी अनुसरण कर रही है।

रेलवे और मेट्रो

भारतीय रेलवे ने भारत 2030 के लिए राष्ट्रीय रेल योजना तैयार की है। आत्मनिर्भर भारत और मेक-इन-इंडिया पहल को सक्षम करने के लिए, इस योजना में 2030 तक भविष्य के लिए तत्पर रेलवे प्रणाली बनाना, भारतीय उद्योगों के लिए लॉजिस्टिक लागत को कम करना शामिल है। डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देने और 5जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल) और ड्रोन के माध्यम से उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

2022-23 के लिए रेलवे द्वारा कुल पूंजीगत व्यय ₹ 2,45,800 करोड़ अनुमानित है, जो 2021-22 के संशोधित अनुमानों से 14% अधिक है। भारतीय रेलवे 100 शहरों में 400 स्टेशनों के पुनर्विकास की योजना बना रहा है। इस कार्यक्रम का परिव्यय ₹ 1 लाख करोड़ से अधिक है। भारतीय रेलवे अगले 3 वर्षों में 400 नई वंदे भारत ट्रेनों को शामिल करने की योजना बना रहा है। मेट्रो के लिए वित्त वर्ष 2022-23 का कुल बजट वंदे भारत 19,130 करोड़ है। भारत में रेल और मेट्रो व्यवसायों में व्यापार के पर्याप्त अवसर हैं। रिपोर्टों के अनुसार, भारत के विभिन्न हिस्सों में नौ नई स्वीकृत परियोजनाओं सहित लगभग 34 मेट्रो रेल परियोजनाएं निर्माण के चरण में हैं।

बीईएल द्वारा आधुनिकीकरण और नई परियोजनाएं जैसे नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) मेट्रो के लिए स्वचालित किराया संग्रह (एएफसी) गेटिंग सिस्टम, भारतीय कंप्यूटर आधारित ट्रेन नियंत्रण / बुद्धिमत्तापूर्ण स्वचालित ट्रेन पर्यवेक्षण (आई-एटीएस), रीयल टाइम इंफॉर्मेशन सिस्टम (आरटीआईएस) भारतीय रेलवे, पर्यवेक्षी नियंत्रण और डेटा अधिग्रहण (एससीएडीए), सीसीटीवी रेडियो, रेलवे के लिए एलटीई आधारित मिशन महत्वपूर्ण संचार नेटवर्क, मानव रहित रेलवे क्रॉसिंग सिस्टम, रेल और मेट्रो के लिए समग्र पैनल, प्लेटफार्म स्क्रीन दरवाजे आदि कुछ प्रमुख क्षेत्रों में कार्य किया जा रहा है।

बीईएल डीएमआरसी, आरडीएसओ, एनसीआरटीसी और आई-एटीएस सिस्टम, मिशन क्रिटिकल कम्युनिकेशन सिस्टम, कम्पोजिट पैनल, प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर आदि के क्षेत्र में विभिन्न सार्वजनिक / निजी संगठनों के साथ सहयोग कर रहा है। बीईएल द्वारा निष्पादित एनसीएमसी-अनुपालन एएफसी गेटिंग सिस्टम को परिवहन के सभी साधनों अर्थात मेट्रो, ट्रेनों या बसों में चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा।

कंपोजिट

कंपोजिट का उपयोग एयरोस्पेस और रक्षा, पवन ऊर्जा, परिवहन, समुद्री अनुप्रयोगों आदि में विभिन्न उत्पादों के निर्माण के लिए किया जाता है। रिपोर्टों के अनुसार, वैश्विक कंपोजिट बाजार का आकार 2026 तक 7.5% की सीएजीआर से यूएस डी 126.3 बिलियन तक बढ़ने का अनुमान है। पवन ऊर्जा, एयरोस्पेस और रक्षा, और मोटर वाहन और परिवहन उद्योगों से हल्के, उच्च प्रदर्शन वाले समाधानों की बढ़ती मांग के कारण समग्र बाजार बढ़ रहा है। हालांकि, कोविड-19 के कारण, विभिन्न उद्योगों की बिक्री में गिरावट आई है, जिसके परिणामस्वरूप कंपोजिट की मांग कम हो गई है।

बीईएल शिपयार्ड, पनडुब्बियों, हवाई संरचनाओं, रेलवे और मेट्रो, भूमि उपकरण, प्रेशराइज्ड मिसाइल कंटेनर, उच्च ऊंचाई वाले एनक्लोजर्स आदि की कंपोजिट संरचनाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने की योजना बना रहा है। बीईएल ने इसके लिए सुविधाएं स्थापित की हैं और परामर्श और समग्र संरचनाओं के विकास के लिए सरकारी प्रयोगशालाओं/ शिक्षाविदों के साथ करार किया है।

नागर विमानन

रिपोर्टों के अनुसार, वैश्विक घरेलू विमानन बाजार का मूल्य 2027 तक 3.2% सीएजीआर से 1,130.8 बिलियन अमरीकी डालर तक पहुंचने की उम्मीद है। भारत में विमान यात्री यातायात 2037 तक 520 मिलियन तक पहुंचने का अनुमान है, और एयरलाइन ऑपरेटरों को 2027 तक अपने बेड़े का आकार बढ़ाकर 1,100 विमान करने का अनुमान है। भारत के विमानन उद्योग में अगले चार वर्षों में 35,000 करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद है। भारत सरकार 2026 तक विमानन नेविगेशन सेवाओं के साथ-साथ हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 1.83 बिलियन अमरीकी डालर का निवेश करने की योजना बना रही है। इसमें हवाई यातायात प्रबंधन, हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे, अन्य आधुनिकीकरण गतिविधियों आदि पर निवेश शामिल है। एएआई ने देश भर में 100 हवाई अड्डों के आधुनिकीकरण के लिए पांच साल की अवधि के लिए ₹ 25,000 करोड़ की राशि निर्धारित की है।

आत्मानिर्भर भारत और मेक-इन-इंडिया पहल को सक्षम करने के लिए, बीईएल हवाई अड्डों के आधुनिकीकरण, हवाई यातायात प्रबंधन, अन्य जमीनी और नेविगेशन समाधानों आदि के लिए समाधान प्रदान करने के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के साथ सहयोग कर रहा है।

बीईएल, हवाई अड्डों और जमीनी बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के लिए आवश्यक प्रणालियों और समाधानों के स्वदेशीकरण के लिए नागरिक उड्डयन खंड में वैश्विक ओईएम के साथ साझेदारी की भी तलाश कर रहा है।

सॉफ़्टवेयर

रक्षा तकनीक प्लेटफॉर्म-केंद्रित युद्ध से नेटवर्क-केंद्रित युद्ध में परिवर्तित हो रही है। इस संक्रमण के बीच, आधुनिक रक्षा प्रणाली में सॉफ्टवेयर एक महत्वपूर्ण हथियार बनता जा रहा है। उन्नत सॉफ्टवेयर सिस्टम और एम्बेडेड सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकियां आधुनिक युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और उत्पाद की पेशकश के हर पहलू को बदल रही हैं।

भारत दुनिया के अग्रणी सॉफ्टवेयर विकास केंद्रों में से एक है और भारतीय आईटी उद्योग 10.71% की सीएजीआर से बढ़ रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, भारतीय आईटी उद्योग के 2025 तक बढ़कर 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने की उम्मीद है, जिसमें सॉफ्टवेयर उत्पाद, आईटी सेवाएं, इंजीनियरिंग और आरएंडडी सेवाएं, आईटीईएस / बीपीओ, हार्डवेयर और ई-कॉमर्स शामिल हैं। राजस्व का अधिकांश हिस्सा सॉफ्टवेयर और सेवाओं के निर्यात से आता है।

बीईएल मौजूदा रक्षा ग्राहकों के अलावा संभावित ग्राहकों जैसे अर्धसैनिक बलों, विशेष बलों, राज्य सरकारों, अन्य गैर-रक्षा ग्राहकों आदि के साथ व्यापार अवसरों को प्राप्त करने का प्रयास कर रहा है। भारतीय और निर्यात बाजार दोनों में एक केंद्रित तरीके से सॉफ्टवेयर व्यवसाय के अवसर को हासिल करने के लिए एक समर्पित महाप्रबंधक की नियुक्ति की गई है।

कोर डिफेंस सेगमेंट के अलावा, होमलैंड सिक्योरिटी, ई-गवर्नेंस प्रोजेक्ट्स, स्मार्ट सिटीज, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन प्रोजेक्ट्स, हेल्थकेयर, सॉफ्टवेयर सिमुलेटर, परीक्षाओं के लिए पोर्टल, सॉफ्टवेयर एश्योरेंस सर्विसेज, ईआरपी इम्प्लीमेंटेशन, डिजिटल एग्रीकल्चर के संबंध में अवसरों पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। बीईएल अपतटीय विकास केंद्र खोलने की भी योजना बना रहा है।

चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी और स्वास्थ्य सेवा समाधान

चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी बाजार 2030 तक 248.43 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है और 11.8% की उल्लेखनीय सीएजीआर से विस्तार कर रहा है।

बीईएल ने महामारी के मुद्दों को हल करने के लिए 30,000 आईसीयू वेंटिलेटर का सफलतापूर्वक निर्माण करने के बाद, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स और हेल्थकेयर सेगमेंट में विविधता लाने के लिए और ठोस कदम उठाए हैं। इस वर्ष के दौरान, बीईएल के मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन ने लगभग 18000 ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर का निर्माण किया। आपकी कंपनी का एक उद्देश्य इस बाजार खंड में प्रवेश करना और भारत में शहरी और ग्रामीण आबादी के लिए किफायती स्वास्थ्य सेवा उत्पाद/समाधान पेश करना और हेल्थकेयर सेगमेंट में आत्मनिर्भरता हासिल करना है।

इस सेगमेंट में तेजी से बढ़ने के लिए, भारतीय कंपनियों द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए कुछ विशिष्ट उत्पादों की पहचान की गई है, जिन्हें टीओटी प्रक्रिया के माध्यम से बीईएल में निर्मित किया जा सकता है। साथ ही, इस सेगमेंट में आगे बढ़ने के लिए, आपकी कंपनी इन-हाउस प्रयास के माध्यम से या सहयोगी आर एंड डी दृष्टिकोण के माध्यम से भावी बाजारों के लिए अपने उत्पादों को लाने की योजना बना रही है। उपरोक्त दृष्टिकोणों के आधार पर, आपकी कंपनी हेमोडायलिसिस मशीन, पोर्टेबल रिमोट रोगी स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली, आईसीयू के लिए रोगी निगरानी प्रणाली, सी-आर्म एक्स-रे मशीन, टरबाइन-आधारित वेंटिलेटर, एमआरआई, आदि का उत्पादन करने की योजना बना रही है।

रक्षा में नए क्षेत्रों के लिए केंद्रित दृष्टिकोण

रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में आगामी क्षेत्रों के लिए केंद्रित दृष्टिकोण देने के लिए, बीईएल ने मानव रहित सिस्टम, आरएफ और आईआर सीकर्स, मिसाइल, रॉकेट, ग्लाइड बम, हथियार और गोला-बारूद में कदम रखा है।

मानव रहित प्रणाली

मिशन की जटिलता, अंतरराष्ट्रीय मानदंडों से जुड़े जोखिम से बचने और मानव जीवन के लिए मूल्य के कारण सैन्य अनुप्रयोग जैसे टोही, खुफिया जानकारी एकत्र करना, खतरों का पता लगाना आदि मानवयुक्त प्रणालियों से मानव रहित प्रणालियों की ओर जा रहे हैं।

भारतीय यूएवी खंड 2027 तक समाप्त होने वाली टीपीसीआर योजना अवधि के दौरान लगभग ₹ 65,000 करोड़ का समग्र अवसर प्रदान करता है। मानव रहित प्रणालियों में अवसरों में मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) सिस्टम, मानव रहित ग्राउंड वाहन (यूजीवी) और मानव रहित पानी के नीचे वाहन (यूयूवी) और मानव रहित भूतल वाहन (यूएसवी) सिस्टम शामिल हैं।

समर्पित संसाधनों के साथ एक केंद्रित तरीके से मानव रहित सिस्टम व्यवसाय के अवसरों का दोहन करने के लिए मानवरहित प्रणाली व्यवसाय प्राप्त करने के लिए बीईएल बेंगलूरु में एक अलग व्यवसाय वर्टिकल बनाया गया है।

बीईएल डीआरडीओ/विदेशी ओईएम/भारतीय अकादमिक/स्टार्ट-अप आदि के साथ साझेदारी करके भारतीय रक्षा/गैर-रक्षा खंडों की यूएवी/यूजीवी/यूयूवी/यूएसवी आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है। बीईएल पेलोड (जैसे ईओ, संचार, ईएसएम, आदि), डेटा लिंक और यूएवी के ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन की आवश्यकताओं पर कार्य कर रहा है। बीईएल ने ड्रोन गार्ड सिस्टम का विकास और आपूर्ति भी की है।

आरएफ और आईआर सीकर्स

सटीक हमले की आवश्यकता के साथ युद्ध की प्रकृति में परिवर्तन, हथियारों और मिसाइलों में सीकर्स के उपयोग में तेजी ला रहा है। यह हाल के वैश्विक संघर्षों में प्रदर्शित किया गया है। 90% से अधिक की मारक संभावना के साथ निर्देशित मिसाइल के साथ उन्नत वायु रक्षा प्रणाली देशों को मिसाइल और रॉकेट से हमले के खिलाफ खुद का बचाव करने में मदद करती है।

सीकर्स की आवश्यकताएं विभिन्न मिसाइलों की खरीद से उत्पन्न होने वाली मांगें हैं। रिपोर्टों के अनुसार, 2027 तक सीकर्स बाजार 7.19 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो 5.2% की सीएजीआर प्रदर्शित करता है।

बीईएल विभिन्न स्वदेशी मिसाइल कार्यक्रमों के लिए आरएफ और आईआर सीकर्स की आगे इंजीनियरिंग और उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी के समवर्ती समामेलन के लिए डीआरडीओ के साथ जुड़ा हुआ है। बीईएल सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची और आत्मानिर्भर भारत के लिए भारत सरकार की नीतिगत पहलों से उत्पन्न होने वाली आगामी आवश्यकताओं और अवसरों के लिए आरएफ और आईआर सीकर्स के निर्माण के लिए आधुनिक विनिर्माण सुविधाओं के निर्माण के लिए निवेश कर रहा है। आरएफ सीकर्स के लिए उत्पादन लाइन का निर्माण पूरा कर लिया गया है और इन लाइनों में निर्मित सीकर्स ने सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण पूरा कर लिया है। यह उम्मीद की जाती है कि आरएफ और आईआर सीकर्स शीर्ष नई प्रौद्योगिकी उत्पादों में शामिल होंगे जो निकट भविष्य में बीईएल के राजस्व में योगदान देंगे।

मिसाइल, हथियार और गोला बारूद

मेक इन इंडिया के लिए प्रमुख नीतिगत पहलों के माध्यम से भारत सरकार/एमओडी ने स्थानीय उत्पादन के माध्यम से केवल घरेलू निर्माताओं से महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों की खरीद के लिए चरणबद्ध लक्ष्यों के साथ सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियों की शृंखला जारी की है। मिसाइल सहित हथियार और गोला-बारूद देश की सामरिक जरूरतों के लिए महत्वपूर्ण हैं, जिसके लिए आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करनी होगी। सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची में अधिकांश उपकरण मिसाइलों और हथियारों और गोला-बारूद से संबंधित हैं और घरेलू रक्षा निर्माताओं के लिए बहुत बड़ा अवसर प्रदान करते हैं और बीईएल इस रणनीतिक खंड में घरेलू विनिर्माण के लिए प्रमुख भूमिका निभाएगा।

रिपोर्टों के अनुसार, वैश्विक शस्त्र और गोला-बारूद का बाजार 2027 तक 4.8% की सीएजीआर के साथ 35.63 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

बीईएल पहले से ही मिसाइल इलेक्ट्रॉनिक्स, गोला-बारूद फ्यूज, ग्लाइड बम आदि के विकास और निर्माण में लगा हुआ है। बीईएल ने सक्रिय रूप

से अवसरों को हासिल करने के लिए समर्पित केंद्रित व्यवसाय वर्टिकल बनाया है। बीईएल डीआरडीओ, प्रौद्योगिकी भागीदारों, शिक्षाविदों, अनुसंधान एवं विकास संस्थानों, स्टार्ट-अप आदि के साथ साझेदारी कर रहा है और मिसाइलों, ग्लाइड बमों, रॉकेटों और इसके संबंधित पुर्जों के निर्माण के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए पर्याप्त निवेश कर रहा है।

ख) उद्योग संरचना और विकास

वर्तमान में, भारत रक्षा उपकरणों के सबसे बड़े आयातकों में से एक है, जिसकी अधिकांश रक्षा जरूरतों को आयात के माध्यम से पूरा किया जाता है, हालांकि रिपोर्ट के अनुसार हाल के वर्षों में भारत के हथियारों के आयात में कमी आई है। भारत सरकार का लक्ष्य रक्षा क्षेत्र में मजबूत आत्मनिर्भर घरेलू उद्योग विकसित करना है, जिसमें निजी क्षेत्र की पर्याप्त भागीदारी हो, जिसमें एमएसएमई और स्टार्ट-अप शामिल हों, ताकि आयात की प्रवृत्ति को उलटा जा सके।

इस संबंध में, सरकार ने मेक-इन-इंडिया कार्यक्रम, एमएसएमई/स्टार्ट-अप आदि द्वारा नवाचार के माध्यम से प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण जैसी कई पहल की हैं। सरकार के सहयोग से, भारतीय उद्योग मूल्य द्वारा शृंखला में आगे बढ़ने और रक्षा बलों को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों, प्रणालियों और सेवाओं को प्रदान करने की उम्मीद है। सरकार ने रक्षा उत्पादन नीति का मसौदा जारी किया है जिसका लक्ष्य 2025 तक रक्षा उत्पादन को बढ़ाकर 1,70,000 करोड़ रुपये करना है।

एमओडी ने डीपीपी 2016 के हिस्से के रूप में भारतीय निजी क्षेत्र के लिए रणनीतिक साझेदारी मॉडल (एसपी) पेश किया है। मॉडल का उद्देश्य जटिल हथियार प्रणालियों और प्लेटफार्मों के डिजाइन, विकास और निर्माण के लिए निजी क्षेत्र में स्वदेशी क्षमताओं का उत्तरोत्तर निर्माण करना है।

रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया 2020 (डीएपी 2020) ने आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित करते हुए कई सुधारों को शामिल किया है, जिसमें स्वदेशीकरण और नवाचार को मेक, डिजाइन और विकास और रणनीतिक साझेदारी की प्रक्रियाओं के माध्यम से सक्षम किया गया है। घरेलू उद्योग/एमएसएमई की मदद से जीवनचक्र लागत को कम करने और मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आयात प्रतिस्थापन की सुविधा प्रदान की गई है। मेक-I और मेक-II खरीद प्रक्रिया को और सरल बनाने, अंतरिक्ष गतिविधियों को शामिल करने आदि के लिए डीएपी-2020 में संशोधन चल रहे हैं।

स्वदेशी रक्षा निर्माण को बढ़ावा देने के लिए, सरकार ने औद्योगिक लाइसेंसिंग के उदारीकरण, रक्षा गलियारों के विकास, आईडीईएक्स / डीआईओ के माध्यम से रक्षा और एयरोस्पेस में नवाचार के लिए वित्त पोषण, डीपीपी के निरंतर अद्यतन, निर्यात पर जोर आदि जैसी पहलें की हैं। मेक-II श्रेणी के तहत अपनी ओर से भी प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं।

जहां भी इसे आधुनिक तकनीक प्राप्त करने की आवश्यकता हो वहां स्वतः अनुमोदित मार्ग के माध्यम से 74% तक और सरकारी मार्ग के तहत 74% से अधिक के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को अनुमति है।

डीआरडीओ द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियां अब टीओटी और रॉयल्टी शुल्क के भुगतान के लिए निजी क्षेत्र सहित भारतीय उद्योग के लिए गैर-अनन्य आधार पर उपलब्ध कराई गई हैं। साथ ही, डीआरडीओ उद्योग को प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के लिए संशोधित नीति और प्रक्रियाओं को लेकर आया है।

सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में दो रक्षा औद्योगिक गलियारे स्थापित किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) में आगरा, अलीगढ़, चित्रकूट, झांसी, कानपुर और लखनऊ में छह नोड होंगे। तमिलनाडु डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (टीएनडीआईसी) में चेन्नई, कोयंबटूर, होसुर, सेलम और तिरुचिरापल्ली में पांच नोड होंगे। नवगठित डीपीएसयू और निजी कंपनियों सहित डीपीएसयू द्वारा क्रमशः तमिलनाडु और यूपी कॉरिडोर के लिए लगभग ₹ 11,100 करोड़ और ₹ 8,700 करोड़ की निवेश योजना की घोषणा की गई है ।

सरकार द्वारा 'मेक-I' और 'मेक-II' कार्यक्रम की प्रक्रिया शुरू की गई है और इसे और सरल बनाया जा रहा है, जिससे एमएसएमई और स्टार्ट-अप कंपनियों को रक्षा उत्पादन में एकीकृत करने में मदद मिलने की संभावना है। बीईएल रक्षा सेवाओं के कई मेक II कार्यक्रमों में भी भाग ले रहा है।

बीईएल भारतीय रक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने वाले विभिन्न जटिल उत्पादों / प्रणालियों का स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्माण कर रहा है। हालांकि, बीईएल मुख्य रूप से स्वदेशी स्रोतों से सोर्सिंग कर रहा है, फिर भी बीईएल सेमीकंडक्टर घटकों, जेनेरिक एम्बेडेड पीसीबी / सब-सिस्टम की आपूर्ति के लिए वैश्विक सेमीकंडक्टर कंपनियों और उनके वितरकों पर भी निर्भर है। ये घटक/उप-प्रणालियां जटिल रक्षा प्रणालियों के निर्माण खंड हैं।

दुनिया में कुछ चुनिंदा कंपनियां सेमीकंडक्टर आईसी का निर्माण करती हैं और इन आईसी की कमी ने बीईएल सहित दुनिया भर के सभी क्षेत्रों में कारोबार को प्रभावित किया है।

बीईएल के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, बीईएल को डिलिवरी समयसीमा प्रतिबद्धता के अनुसार भारतीय और विदेशी दोनों स्रोतों से सेमीकंडक्टर आईसी को शामिल करने वाले घटकों, मॉड्यूल, असेंबली आदि की प्राप्ति

न होने के कारण, कुछ उत्पादों और प्रणालियों को समय-सीमा के अनुसार डिलिवर करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। बीईएल के प्रमुख खंड जैसे हथियार प्रणाली, संचार, टैंक इलेक्ट्रॉनिक्स, नौसेना प्रणाली, गन सिस्टम, सी4आई सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, गैर-रक्षा व्यवसाय आदि वैश्विक सेमीकंडक्टर की कमी से प्रभावित थे।

आत्मनिर्भर भारत पहल को एमओडी के बड़े प्रोत्साहन के लिए, एमओडी ने अगस्त 2020 से 300 से अधिक वस्तुओं पर आयात प्रतिबंध लगा दिया है और रक्षा उत्पादन के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए समयसीमा के साथ तीन सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची प्रकाशित की है। बीईएल के उत्पाद / प्रणालियाँ रक्षा स्वदेशीकरण की इन सकारात्मक सूचियों में से लगभग 35% को पूरा कर सकती हैं।

इन बदलती कारोबारी परिस्थितियों में, बीईएल भारतीय रक्षा उद्योग में उभरते रणनीतिक साझेदारों, प्रयोक्ताओं और अन्य प्रमुख पणधारकों के साथ बातचीत का स्तर बढ़ाने और उनके साथ दीर्घकालिक संबंध बनने पर ध्यान दे रही है।

(ग) स्वोट विश्लेषण

ताकत

- भारत में स्थापित रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स खिलाड़ी
- विविध प्रौद्योगिकी डोमेन विशेषज्ञता
- 9 स्थानों पर चुस्त और अत्याधुनिक विनिर्माण अवसंरचना और मजबूत निष्पादन क्षमता।
- प्रौद्योगिकी डोमेन में आईपीआर उत्पन्न करने के लिए समेकित प्रयास
- रक्षा ग्राहकों के साथ मजबूत जुड़ाव रखने वाला विकासोन्मुखी और दूरंदेशी संगठन
- सभी क्षेत्रों में स्वदेशीकरण में मजबूत क्षमता
- पूरे भारत में मजबूत उत्पाद सपोर्ट नेटवर्क
- ग्राहकों के लिए तकनीकी गहन अनुकूलित समाधान डिजाइन और वितरित करने की क्षमता
- अच्छी ब्रांड छवि, प्रतिष्ठा, मजबूत मूल्य प्रणाली और कार्य नैतिकता के साथ रक्षा सार्वजनिक उपक्रम
- प्रौद्योगिकी और नए उत्पाद विकास के लिए मजबूत बहुस्तरीय आंतरिक अनुसंधान एवं विकास
- अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और विनिर्माण सुविधाओं और गुणवत्ता आश्वासन के साथ प्रतिबद्ध कार्यबल
- कंपनीव्यापी ईआरपी सिस्टम सहित सुस्थापित सिस्टम और प्रक्रियाएं
- दशकों के अनुभव के परिणामस्वरूप उत्कृष्ट डोमेन ज्ञान और रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स में मुख्य दक्षता हासिल
- पूरे भारत में मजबूत उत्पाद सपोर्ट नेटवर्क के साथ विस्तृत उत्पाद शृंखला।
- सशस्त्र बलों, रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं और सरकारी एजेंसियों के साथ मजबूत संबंध
- विविधीकरण पहल में दक्षता
- विकास के लिए साझेदारी का लाभ उठाना
- जटिल प्रणाली एकीकरण परियोजनाओं और टर्नकी समाधानों को क्रियान्वित करने में विशेषज्ञता
- लगातार लाभ कमाना
- ग्राहकों के लिए दीर्घकालिक प्रतिबद्धता

कमजोरी

- कुछ महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अंतराल
- चक्रीय रक्षा बाजार पर निर्भरता
- बाजार का समय - उच्च
- कुछ परियोजनाओं में कम मूल्यवर्धन
- कुछ क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी के लिए डीआरडीओ पर निर्भरता
- कुछ महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के लिए विदेशी ओईएम पर निर्भरता

अवसर

- बढ़ती रक्षा और सुरक्षा की जरूरत
- रक्षा उपकरणों के निर्माण के लिए मेक-इन-इंडिया और आत्मानिर्भर भारत पर सरकार का जोर
- आधुनिकीकरण, उन्नयन कार्यक्रमों और रखरखाव की मरम्मत और ओवरहाल के लिए बढ़ता रक्षा बजट आवंटन
- केंद्रीय अर्धसैनिक बलों और पुलिस बलों के आधुनिकीकरण पर जोर
- विनिर्माण आधार के रूप में चुनिंदा एशियाई देशों से ओईएम की वापसी
- सरकार का वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों (सौर, इलेक्ट्रिक वाहन) को बढ़ावा देने पर जोर
- उद्योगों के लिए अंतरिक्ष खंड को खोलना
- सीपीएमएफ, पुलिस, रेलवे, हवाई अड्डों का आधुनिकीकरण
- संबद्ध गैर-रक्षा क्षेत्रों जैसे होमलैंड सिक्योरिटी, स्मार्ट सिटी, ऊर्जा भंडारण उत्पाद, नेटवर्क और साइबर सुरक्षा, समग्र, सौर आधारित बिजली संयंत्र, रेलवे आदि के लिए बढ़ता बाजार
- पीएलआई और रक्षा स्वदेशीकरण की सकारात्मक सूची।

खतरा

- रक्षा प्रौद्योगिकी में तेजी से बदलाव
- कुछ महत्वपूर्ण और अस्वीकृत प्रौद्योगिकियों की सोर्सिंग में कठिनाई
- निजी क्षेत्र के पक्ष में नीतिगत हस्तक्षेप
- रक्षा क्षेत्र में उनके संयुक्त उद्यमों सहित भारतीय निजी उद्योग और विदेशी ओईएम से प्रतिस्पर्धा में कई गुना वृद्धि
- सामरिक भागीदारी मॉडल के तहत इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों की खरीद

- कोविड जैसी महामारी और सेमीकंडक्टर की कमी के कारण प्रभाव
- भारत सरकार द्वारा विनिवेश और घटता नकदी भंडार
- भारत सरकार द्वारा सीपीएसई का पूंजी पुनर्गठन
- वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य में परिवर्तन

(घ) प्रमुख पहलों को शुरू किया गया/योजना बनाई गई जिनमें कंपनी के निरंतर प्रदर्शन और विकास को सुनिश्चित करने के लिए शीर्ष प्रबंधन द्वारा निर्धारित रणनीति, उद्देश्य और लक्ष्य शामिल हैं।

कंपनी के निरंतर प्रदर्शन और विकास को सुनिश्चित करने के लिए कंपनी ने निम्नलिखित प्रमुख पहलें की हैं-

(i) सह-विकास, सह-उत्पादन और विनिर्माण टीओटी के माध्यम से उभरते व्यवसायों में रणनीतिक गठजोड़-

कंपनी राष्ट्रीय महत्व के कई रणनीतिक और अन्य क्षेत्रों में काम कर रही है जैसे हथियार प्रणाली, निगरानी, ट्रैकिंग और बहुक्रिया एईएसए-आधारित रेडार, नौसेना और हवाई अनुप्रयोग, अगली पीढ़ी के इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट और काउंटर मेजर सिस्टम, एयर डिफेंस सिस्टम, जिसमें सीकर्स और एयर डिफेंस सिस्टम, मिसाइल, भूमि, वायु, सतह और पानी के भीतर अनुप्रयोगों के लिए मानव रहित प्रणाली, पनडुब्बी रोधी युद्ध प्रणाली, सामरिक अनुप्रयोगों के लिए सॉफ्टवेयर परिभाषित रेडियो, नेटवर्क केंद्रित प्रणाली, नाइट विजन डिवाइस, मल्टी-सेंसर स्थिरीकरण प्रणाली, हथियार और गोला-बारूद, रेलवे के लिए परिवहन समाधान और मेट्रो, भूमि के लिए समग्र उत्पाद, समुद्री और एवियोनिक्स खंड, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स, अंतरिक्ष इलेक्ट्रॉनिक्स और लॉन्च वाहन, सौर, चिकित्सा उपकरण और संबंधित समाधान, ऊर्जा भंडारण उत्पाद आदि शामिल हैं।

कई रणनीतिक गठबंधन बनाए गए हैं और निर्यात सहित अन्य चुनिंदा साझेदारियों को रक्षा प्रयोगशालाओं, डीपीएसयू सहित नवगठित डीपीएसयू, अकादमिक, स्टार्टअप, विशिष्ट प्रौद्योगिकी कंपनियों और प्रतिष्ठित वैश्विक ओईएम और भारतीय कंपनियों / एजेंसियों के साथ उभरते रक्षा और गैर-रक्षा व्यवसायों को संबोधित करने के लिए आगे बढ़ाया जा रहा है।

सह-विकास, सह-उत्पादन और विनिर्माण टीओटी और लाइफ साइकल सपोर्ट के लिए गठजोड़ के लिए पहचाने और खोजे जा रहे कुछ उत्पादों और प्रणालियों में सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एसएएम) सिस्टम, आरएफ / आईआईआर सीकर, वायु रक्षा रेडार (भूमि और नौसेना आधारित), नेविगेशनल कॉम्प्लेक्स सिस्टम, सोनार सिस्टम्स, नेक्स्ट जेनरेशन नाइट विजन डिवाइसेस, गन अपग्रेड्स / न्यू गन प्रोग्राम्स, डिफेंस के लिए स्मॉल आर्म्स, एक्सप्लोसिव्स, एम्युनिशन्स, इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम्स, हाई पावर लेजर्स, टिथर्ड अनमैन्ड एरियल व्हीकल और स्वार्म यूएवी, दूर से संचालित वाहन (आरओवी), काउंटर मेजर सिस्टम, फ्यूचरिस्टिक एएफवी प्लेटफॉर्म एफआईसीवी आदि के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम, सैटकॉम टर्मिनल, नेविगेशन रिसीवर, समग्र उत्पाद, रेल और मेट्रो समाधान, ली-आयन सेल, चिकित्सा उपकरण और संबंधित समाधान आदि।

(ii) संयुक्त उद्यम (मौजूदा/उभरते व्यावसायिक क्षेत्रों के लिए)-

बीईएल प्रौद्योगिकी अंतराल को पाटने और मौजूदा क्षेत्रों को बढ़ाने के साथ-साथ उभरते व्यावसायिक क्षेत्रों में प्रवेश करने के लिए पूरक प्रौद्योगिकी/शक्ति क्षेत्रों में प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ संयुक्त उद्यम/विशेष प्रयोजन वाहन स्थापित करने के अवसरों की लगातार तलाश कर रहा है।

संयुक्त उद्यम बीईएल-थालेस सिस्टम्स लिमिटेड (बीटीएसएल) का गठन बीईएल और थालेस, फ्रांस के बीच भारतीय और वैश्विक बाजारों के लिए नागरिक और चुनिंदा रक्षा रेडारों के डिजाइन, विकास, विपणन, आपूर्ति और सपोर्ट में शामिल होने के उद्देश्य से किया गया है। मूल कंपनियों की कार्य संस्कृति और प्रौद्योगिकी/निर्माण सपोर्ट के संगम से लाभ उठाते हुए, जेवी ने दोनों मूल संगठनों की सर्वोत्तम प्रथाओं को आत्मसात कर लिया है और उत्पादों के विकास, विकास और अनुकूलन के केंद्र और एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में विकसित हो रहा है। बीटीएसएल वर्तमान में भारतीय हथियार प्रणाली परियोजनाओं के साथ-साथ वैश्विक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए थालेस नीदरलैंड के साथ एक बहु-लक्ष्य ट्रैकिंग रेडार के सह-विकास में लगा हुआ है। बीटीएसएल ने आईएएफ, कैबसेक जैसे भारतीय ग्राहकों के लिए इश-आधारित पैसिव रेडार की क्षमता को सफलतापूर्वक अनुकूलित और प्रदर्शित किया है। हाई-एंड एवियोनिक्स सिस्टम के लिए सुसज्जित एकीकरण और सत्यापन सुविधा स्थापित की गई है और इस सुविधा का उपयोग एवियोनिक्स उपकरण (ऑफसेट ऑर्डर) के निर्माण और वितरण के लिए किया गया है। कंपनी हवाई यातायात प्रबंधन रेडार के लिए तकनीकी और उत्पाद सहायता प्रदान करने में भी शामिल है।

भारत में हथियार प्रणाली कार्यक्रमों को उत्पाद कालावधि सपोर्ट प्रदान करने के लिए बीईएल एक संयुक्त उद्यम स्थापित करने के लिए इज़राइली ओईएम के साथ चर्चा कर रहा है, जिसके लिए इज़राइल ओईएम मुख्य डिजाइनर है।

प्रौद्योगिकी उन्नयन और अनुसंधान एवं विकास चुनौतियां

अत्याधुनिक उत्पादों और समाधानों को विकसित करने के लिए आवश्यक मुख्य प्रौद्योगिकियां अक्सर आसानी से उपलब्ध नहीं होती हैं। प्रमुख प्रौद्योगिकियों पर अनुसंधान एवं विकास के लिए प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त के साथ समाधानों को साकार करने के लिए नवाचार और निरंतर उन्नयन की आवश्यकता है। जबकि शुरू में मालिकाना प्रौद्योगिकियों का उपयोग करना अनिवार्य है, फिर भी प्रौद्योगिकियों/समाधानों के लिए एकल स्रोत पर निर्भर हो जाना एक बड़ी चुनौती है।

अनुकूलित आकार, वजन, शक्ति, लागत (स्वैप-सी) और गुणता आवश्यकताओं की मांग हमेशा अनुसंधान एवं विकास प्रयासों को आगे बढ़ाती है। घटक स्तर पर, आरएंड डी प्रयासों को सिस्टम ऑन चिप (एसओसी), मोनोलिथिक माइक्रोवेव इंटीग्रेटेड सर्किट (एमएमआईसी), अत्यधिक एकीकृत प्रोसेसर आईसी, माइक्रोवेव सुपर-कंपोनेंट्स, फोटोनिक

घटकों आदि की नई आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ाया जाता है। उत्पाद स्तर पर, आर एंड डी प्रयास मॉड्यूलर, विन्यास योग्य, बहुक्रिया, स्वचालित स्वास्थ्य निगरानी / रिपोर्टिंग, दोष सहिष्णु और उच्च उपलब्धता उत्पाद बनाने की दिशा में हैं। सिस्टम ऑफ सिस्टम को साकार करने के लिए सिस्टम इंटीग्रेशन विशेषज्ञता के साथ सिस्टम इंजीनियरिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में विशेषज्ञता की जरूरत है। महत्वपूर्ण घटकों का अप्रचलन, ओईएम पर निरंतर निर्भरता और संपूर्ण उत्पाद कालावधि सपोर्ट प्रदान करने की आवश्यकता अन्य महत्वपूर्ण चुनौतियां हैं।

उपाय

बीईएल में सभी उत्पादों और समाधानों के लिए अंतर्निहित कोर प्रौद्योगिकियों के निरंतर उन्नयन की चुनौती को दूर करने के लिए, एक 3 स्तरीय अनुसंधान एवं विकास संरचना स्थापित की गई है। उच्चतम स्तर पर, केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाएं (सीआरएल) - बेंगलूरु और गाजियाबाद में एक-एक - जो संचार, नेटवर्किंग, सी 4 आई, नेटवर्क केंद्रित सॉफ्टवेयर, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर, रेडियो फ्रीक्वेंसी और माइक्रोवेव, पावर एम्पलीफायर, एंटेना, रेडार सिग्नल और डेटा प्रोसेसिंग, मल्टी सेंसर ट्रैकिंग और डेटा फ्यूजन, इमेज प्रोसेसिंग, फोटोनिक्स (इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स और लेजर), सिस्टम ऑन चिप (एसओसी), एंबेडेड स्मार्ट कंप्यूटिंग, बिग डेटा, क्लाउड और डेटा एनालिटिक्स, सेंसर, नेविगेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, साइबर एंड नेटवर्क सिक्योरिटी, सिक्योर स्ट्रैटेजिक सिस्टम, मानव रहित वाहन, डिसीजन सपोर्ट, सिमुलेशन, वॉर गेमिंग आदि के मुख्य प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में ब्लू स्काई अनुसंधान और अनुप्रयुक्त अनुसंधान में लगी हुई हैं।

दूसरे स्तर पर, बेंगलूरु में स्थित एक केंद्रीकृत उत्पाद विकास और नवाचार केंद्र (पीडी एंड आईसी), ऑटोमेशन सिस्टम, एंटेना, क्रिप्टो सिस्टम, एंबेडेड सिस्टम, एनर्जी सिस्टम, इंजीनियरिंग सॉल्यूशंस, रेडियो फ्रीक्वेंसी और माइक्रोवेव, मोनोलिथिक माइक्रोवेव इंटीग्रेटेड सर्किट (एमएमआईसी), सोनार सिस्टम, सुपर कंपोनेंट्स, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर, नेविगेशन और स्थिरीकरण, आदि पर केंद्रित है। इसके अतिरिक्त, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर एंड फोटोनिक्स (ईडब्ल्यूएंडपी), मिलिट्री कम्युनिकेशन सिस्टम्स (एमसीएस) और रेडार एंड वेपन सिस्टम्स (आरएंडडब्ल्यूएस) के क्षेत्रों में 3 उत्कृष्टता केंद्र (सीओईएस), बेंगलुरू में स्थित, सिस्टम कॉन्फ़िगरेशन और कोर टेक्नोलॉजी मॉड्यूल के इंजीनियरिंग पर उत्पाद / सिस्टम के सिस्टम पर ध्यान केंद्रित करता है।

तीसरे स्तर पर, विकास और इंजीनियरिंग (डी एंड ई) डिवीजन सभी सामरिक व्यापार यूनिटों (एसबीयू) और यूनिटों में काम करते हैं। ये डी एंड ई डिवीजन अंतिम ग्राहकों के साथ आवश्यकताओं को प्राप्त करने, उन्हें तकनीकी विशिष्टताओं के लिए मैप करने और अन्य स्तरों, यानी सीआरएल, सीओई और पीडी एंड आईसी के द्वारा विकसित मुख्य प्रौद्योगिकी मॉड्यूल को शामिल करते हुए उत्पादों/समाधानों को विकसित करने के लिए संपर्क करते हैं। सॉफ्टवेयर एसबीयू का डी एंड ई (पूर्व में बीईएल सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी सेंटर - बीएसटीसी) सॉफ्टवेयर मॉड्यूल से संबंधित सभी आवश्यकताओं को सीधे ग्राहकों को या एसबीयू / यूनिटों के संबंधित डी एंड ई के माध्यम से पूरा करता है।

बीईएल में, नियोजित अनुसंधान एवं विकास पहल, सिस्टम इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास जनशक्ति के लिए प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण, प्रणाली संचालित अप्रचलन प्रबंधन और उपयुक्त सहयोगी भागीदारों के माध्यम से विशेषज्ञता का लाभ उठाकर प्रौद्योगिकी चुनौतियों का समाधान किया जा रहा है।

मालिकाना प्रौद्योगिकियों में लॉक-इन की चुनौती को दूर करने के लिए, व्यवहार्य क्षेत्रों में, बीईएल मानक प्रोटोकॉल के आधार पर और मॉड्यूलर डिजाइन के साथ वैकल्पिक / समकक्ष प्रौद्योगिकी मॉड्यूल / समाधान विकसित करता है। यहां तक कि जब किसी तकनीकी मॉड्यूल/उत्पाद/समाधान को विशिष्टताओं के लिए बनाया गया हो (रक्षा बलों के लिए बनाया जाता है), तो उन्हें मानक इंटरफेस के साथ विकसित किया जाता है ताकि उन्हें बड़े सिस्टम में प्लग एंड प्ले मॉड्यूल के रूप में इस्तेमाल किया जा सके ताकि मॉड्यूलरिटी और स्केलेबिलिटी सुनिश्चित हो सके। यह लॉक-इन स्थिति के सामने सुरक्षा करता है और यह सुनिश्चित करता है कि विकसित प्रणाली आसानी से अनुरक्षणीय हो।

इसके अलावा, जहां कहीं भी सबसिस्टम या घटक की खरीद की जाती है, तो बीईएल को एक ही स्रोत में लॉक होने से बचाने के लिए इस सबसिस्टम/घटक के लिए कई स्रोत विकसित किए जाते हैं। अनुकूलित आकार, वजन, शक्ति और लागत (स्वैप-सी) की लगातार बढ़ती आवश्यकता को मानक संचालित दृष्टिकोण के साथ प्रसंस्करण प्रदर्शन, पैकेजिंग और थर्मल प्रबंधन को अनुकूलित करके लघु प्लेटफार्मों / उत्पादों / समाधानों की शृंखला के विकास के माध्यम से हल किया जा रहा है। अप्रचलन को स्वदेशीकरण के माध्यम से और वैकल्पिक स्रोत बनाकर संरचित अप्रचलन प्रबंधन योजना के माध्यम से हल किया जा रहा है।

अनुसंधान एवं विकास पहल और उपलब्धियां

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान अनुसंधान एवं विकास और प्रौद्योगिकी विकास के क्षेत्रों में बीईएल द्वारा की गई कुछ नई पहलें निम्नलिखित हैं:

- इन प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्रों का गठन:
  - क) सैन्य संचार प्रणाली
  - ख) इलेक्ट्रॉनिक युद्धपद्धति और फोटोनिक्स
  - ग) रेडार और हथियार प्रणाली
- मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स, हथियार और गोला-बारूद और मानव रहित सिस्टम के उभरते क्षेत्रों में केंद्रित विकास समूह
- बीईएल ने सोशल मीडिया एनालिटिक्स के हिस्से के रूप में एआई सक्षम फेक न्यूज डिटेक्टर, एआई आधारित पैसिव टीडब्ल्यूएस (स्कैन करते समय ट्रैक करना) सिस्टम, स्वचालित सूचना निष्कर्षण

और संश्लेषण-इंटेलिजेंस रिपोर्ट जनरेशन, भौगोलिक प्रोफाइलिंग / सोशल नेटवर्क विश्लेषण के हिस्से के रूप में अपराध और संदिग्ध विश्लेषण के लिए आपराधिक प्रोफाइलिंग, फ्रीक्वेंसी मॉड्यूलेटेड कंटीन्यूअस वेव (एफएमसीडब्ल्यू) रेडार के लिए एआई आधारित क्लासिफायर, एआई का उपयोग करके उपकरणों का पूर्वानुमानित रखरखाव, एकीकृत मौसम सपोर्ट और आपदा प्रबंधन प्रणाली आदि सहित कई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित उत्पादों का विकास किया है।

- प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ाने और चुनिंदा संस्थानों में आर एंड डी / इनोवेशन सेल स्थापित करने के प्रयास जारी हैं। कोच्चि में बीईएल आर एंड डी सेल ने सोनार और सिमुलेटर के लिए मुख्य प्रौद्योगिकी मॉड्यूल / एल्गोरिदम हासिल किया है। आईआईटी मद्रास रिसर्च पार्क में बीईएल आर एंड डी सेल ने संचार प्रणालियों के लिए मुख्य प्रौद्योगिकी मॉड्यूल विकसित किए हैं। अन्य परिसरों में ऐसे अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठों की स्थापना की संभावना तलाशी जा रही है।
- बीईएल साल दर साल बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) से संबंधित गतिविधियों को जोर-शोर से आगे बढ़ा रहा है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान किए गए सम्मिलित प्रयासों के परिणामस्वरूप 11 पेटेंट प्रदान किए गए हैं। 31 मार्च 2022 को, बीईएल को दिए गए पेटेंटों की संचयी संख्या 24 है।
- वित्त वर्ष 2021-22 में कुल 137 नए आईपीआर आवेदन दाखिल किए गए, जिनमें 65 पेटेंट आवेदन शामिल हैं। बीईएल अनुसंधान एवं विकास इंजीनियरों ने प्रतिष्ठित सम्मेलनों/सेमिनारों/पत्रिकाओं में 51 पेपर प्रस्तुत/प्रकाशित किए हैं।
- बीईएल ने वित्त वर्ष 2021-22 में 24 नए सहयोगी अनुसंधान एवं विकास भागीदारों को सूचीबद्ध किया है। 31 मार्च 2022 को पैनल में शामिल संचयी सहयोगी अनुसंधान एवं विकास भागीदार 303 (152 एमएसएमई सहित) हैं। भागीदारों को आर एंड डी समाधान प्रदाताओं, डिजाइन सेवा प्रदाताओं, सलाहकारों और उत्पादन सेवा प्रदाताओं के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है।
- बीईएल ने प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से प्रौद्योगिकियां विकसित करने की पहल की है। इन प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धि, यूएवी, वीडियो एनालिटिक्स, स्मार्ट सिटी आदि शामिल हैं।

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान जिन विशिष्ट क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास किया गया था और जिन गतिविधियों के परिणामस्वरूप लाभ प्राप्त किया गया था उनका और उपकरणों और घटकों के क्षेत्र में प्रमुख उपलब्धियों का विवरण:

विशिष्ट क्षेत्रों में किया गया अनुसंधान एवं विकास और इन गतिविधियों के परिणामस्वरूप प्राप्त लाभ-

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान, बीईएल द्वारा आर एंड डी परियोजनाओं को हाथ में लिया गया और विशिष्ट व्यावसायिक खंडों/क्षेत्रों में कई परियोजनाओं को पूरा किया गया। इनमें मिसाइल सिस्टम, रेडार, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर, एवियोनिक्स, मिलिट्री कम्युनिकेशन, नेवल सिस्टम, सोनार, सी4आई सिस्टम, फोटोनिक्स (इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स और लेजर), टैंक इलेक्ट्रॉनिक्स, गन अपग्रेड, सिविलियन इक्विपमेंट, होमलैंड सिक्योरिटी, चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स और घटक जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं शामिल हैं। व्युत्पन्न लाभ उपरोक्त व्यावसायिक क्षेत्रों में कंपनी द्वारा उत्पन्न राजस्व के प्रमुख हिस्से के रूप में हैं। कई प्रौद्योगिकी मॉड्यूल विकसित किए गए हैं, जिनमें से कुछ ने आयात का स्थान ले लिया है। बीईएल द्वारा विकसित कुछ समाधानों के परिणामस्वरूप निर्यात आदेश भी प्राप्त हुए हैं।

उपकरणों और घटकों के क्षेत्र में प्रमुख उपलब्धियों का विवरण-

- जिन आर एंड डी परियोजनाएं ने कंपनी (रक्षा और गैर-रक्षा दोनों खंडों) के लिए काफी राजस्व प्राप्त किया है, उनमें शामिल हैं-
  - क) एसडीआर वेरिएंट
  - ख) लिंक2-एमओडी3 सिस्टम का बेहतर संस्करण
  - ग) वीएसएचओआरएडी के लिए सेंसर
  - घ) एमआरएसएएम के लिए आईएफएफ मार्क XII
  - ङ) नेविगेशनल कॉम्प्लेक्स सिस्टम
  - च) हेलीना/नाग/प्रोस्पिना के लिए आईआईआर सीकर
  - छ) ऊ-90 के लिए गनर टीआई साइट
  - ज) डिजिटल कैमरा के साथ स्पॉटर स्कोप
  - झ) सतत ज़ूम लेंस 20-860 मिमी
  - ञ) छवि स्थिरीकरण
  - ट) मल्टी फंक्शन रेडार-वीएलएसआरएसएएम
  - ठ) P15B के लिए EPS
  - ड) हैंड हेल्ड लेज़र डैज़लर
  - ढ) एसीसीएस 1135.6/एसीसीएस एसवीएल
- स्वदेशी रूप से विकसित निम्न कुछ प्रमुख प्रौद्योगिकी मॉड्यूल और सबसिस्टम, जिसके परिणामस्वरूप आयात प्रतिस्थापन हुआ है:
  - क) बीयूसी 40W (एलबी)
  - ख) पीडब्ल्यूए मल्टी-मोडेम बेस पीडब्ल्यूए फ्लेक्स मॉडम एस्सी
  - ग) ईटीसी के लिए मोडेम
  - घ) बीयूसी 40W (एचबी)
  - ङ) एमएफएसटीएआर एंटेना
  - च) डीजी सेट 18.5 केवीए
  - छ) जीडीयू के लिए मोडेम
  - ज) एंटेना 7एम सी बैंड
  - झ) एंटेना 2.4एम
  - ञ) नेविगेशन कंप्यूटर
  - ट) सुरक्षित इंटरफ़ेस इकाई
  - ठ) लिक्विड से लिक्विड कूलिंग सिस्टम

ड) 330 किलोवाट विद्युत विद्युत आपूर्ति

ढ) ईटीसी के लिए रेडियो इंटरफेस एडाप्टर

ण) आईपीएसएस के लिए ईएसपीएफ

त) रिपोर्टर रेडार के लिए एलसीडी आधारित टीवी मॉनिटर adar

- बीईएल द्वारा शुरू की गई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं जिनके परिणामस्वरूप निर्यात हुआ है:

क) एसडीआर-एनसी

ख) एचएफ / वीएचएफ रेडियो

ग) सर्वो सिस्टम के लिए पैन और टिल्ट

घ) सीएमएस

ङ) 3डी निगरानी रेडार

च) 43X (20-860एमएम) ज़ूम लेंस

छ) एमडब्ल्यूआईआर एचडी ज़ूम लेंस

ज) एचडी वीएलएफ

झ) बीकन MKIII

ञ) सीएसएस

ट) डब्ल्यूएलआर

ङ) विविधीकरण / विस्तार योजनाएँ - नई सीमाएँ

विविधीकरण रणनीति के रूप में, कंपनी विकास के लिए संबद्ध रक्षा और गैर-रक्षा क्षेत्रों में अवसरों की खोज कर रही है, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स डोमेन में हासिल की गई अपनी ताकत और क्षमताओं का लाभ उठा रही है और स्वदेशी समाधानों को प्रोत्साहित करने वाले अनुकूल नीति वातावरण का लाभ उठा रही है। पिछले 5 वर्षों में, कंपनी के कारोबार में गैर-रक्षा भाग, औसतन कुल कारोबार का लगभग 15-20ऽ है। इस साल कंपनी का टर्नओवर का करीब 12 फीसदी नॉन-डिफेंस सेगमेंट से है। आने वाले वर्षों में कंपनी का लक्ष्य गैर-रक्षा व्यवसाय से कंपनी के कारोबार का लगभग 25% राजस्व प्राप्त करना और बढ़ाना है।

कंपनी सतत विकास के लिए नए बाजारों में अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए रक्षा और गैर-रक्षा दोनों में कई नए क्षेत्रों में प्रवेश करने और संबोधित करने के लिए निरंतर प्रयास और ध्यान केंद्रित कर रही है। रक्षा में जिन कुछ क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है उनमें शामिल हैं: अगली पीढ़ी के स्वदेशी एसएएम सिस्टम, आरएफ सीकर्स, इमेजिंग इन्फ्रा-रेड (आईआईआर) सीकर्स, हथियार और गोला-बारूद और विस्फोटक, मिसाइल इलेक्ट्रॉनिक्स, मानव रहित सिस्टम, एयरबोर्न रेडार, ।। और थर्मल इमेजिंग समाधान, नाइट विजन डिवाइसेस, इंडियन रीजनल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (आईआरएनएसएस) आधारित इनर्टियल नेविगेशन सिस्टम (आईएनएस) और सॉल्यूशंस, डायरेक्टेड एनर्जी वेपन्स, एयर प्लेटफॉर्म के लिए काउंटरमेजर सिस्टम, अगली पीढ़ी के विमान/हेलीकॉप्टर के लिए एवियोनिक्स सिस्टम, सर्विस के रूप में सॉफ्टवेयर, नेटवर्क और साइबर सुरक्षा आदि।

गैर-रक्षा में केंद्रित कुछ क्षेत्रों में शामिल हैं: हवाई यातायात प्रबंधन समाधान, एडवांस ग्राउंड कंट्रोल सरफेस मूवमेंट रेडार, एंटी ड्रोन सिस्टम, स्पेस / सैटेलाइट इलेक्ट्रॉनिक्स, स्पेस लॉन्च व्हीकल, सैटेलाइट कम्युनिकेशन सर्विसेज, स्पेस ग्रेड सहित नागरिक उड्डयन क्षेत्र के लिए समाधान, सोलर सेल, सैटेलाइट असेंबली एंड इंटीग्रेशन, सोलर बिजनेस, रेलवे और मेट्रो सॉल्यूशंस, सर्विस के रूप में सॉफ्टवेयर, इलेक्ट्रिक वाहन (ली-आयन और फ्यूल सेल, चार्जिंग स्टेशन आदि), होमलैंड सिक्योरिटी और स्मार्ट सिटी बिजनेस, स्मार्ट मीटर, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य सेवा समाधान की शृंखला (आईसीयू वेंटिलेटर, डायलिसिस मशीन, रोगी निगरानी प्रणाली, एक्स-रे सी आर्म, अल्ट्रा साउंड, एमआरआई, इमेज / वॉयस / वीडियो एनालिटिक्स आदि)।

बीईएल सफलतापूर्वक इलेक्ट्रॉनिक गोला-बारूद फ्यूज, मिसाइल सीकर्स, लाइट वेट कम्पोजिट शेल्टर्स एंड मास्ट्स, होमलैंड सिक्योरिटी एंड स्मार्ट सिटीज, नेटवर्क एंड साइबर सिक्योरिटी, रेल एंड मेट्रो सॉल्यूशंस, एनर्जी स्टोरेज प्रोडक्ट्स, सोलर पावर प्लांट्स, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स, सेल और मॉड्यूल्स साइबर सुरक्षा, डिजिटल परिवर्तन समाधान, सैटेलाइट असेंबली और एकीकरण, आदि में विविधता लेकर आया है।

बीईएल अपने सिद्ध उत्पादों, प्रणालियों और समाधानों के लिए मौजूदा भौगोलिक बाजारों के साथ-साथ नए भौगोलिक क्षेत्रों में नए ग्राहकों को शामिल करके अपने व्यवसाय का विस्तार करने का निरंतर प्रयास करता है। बीईएल ने सरकार के स्वामित्व वाली कंपनी संचालित (गोको), ओपेक्स मॉडल आदि जैसे नए व्यवसाय मॉडल (जैसे क्लास रूम जैमर, एक्स-रे बैगेज इंस्पेक्शन मशीन, आदि) में कार्य किया है ताकि नए ग्राहक खंडों पर कब्जा करके अपने व्यवसाय का विस्तार किया जा सके। बीईएल बाजार के विस्तार के साथ-साथ नए ग्राहक क्षेत्रों/भौगोलिक क्षेत्रों, विशेष रूप से निर्यात बाजारों में अपने उत्पादों/समाधानों के अनुकूलन के लिए अपनी दोहरे उपयोग वाली प्रौद्योगिकियों (जैसे एसडीआर, सौर सेल, आदि) का दोहन करने का प्रयास कर रहा है।

बीईएल अपने उत्पादों और सेवाओं की पहुंच को नए बाजारों तक बढ़ाने और ऑफसेट अवसरों का पता लगाने के लिए अपने नए अंतरराष्ट्रीय विपणन कार्यालयों का लाभ उठा रहा है। बीईएल संसाधन साझा करके भू-स्थानिक पहुंच का तेजी से विस्तार करने के लिए अन्य पीएसयू/उद्योग के खिलाड़ियों के साथ साझेदारी भी कर रहा है।

(क) जोखिम प्रबंधन, लागत में कमी और स्वदेशीकरण पर विशिष्ट कदम -

1. जोखिम प्रबंधन-

कंपनी के पास अपने व्यावसायिक उद्देश्यों को प्राप्त करने में कंपनी द्वारा सामना किए जा सकने वाले संभावित जोखिमों का व्यापक रूप से सामना करने के लिए एक स्थापित उद्यम जोखिम प्रबंधन (ईआरएम) ढांचा है। ईआरएम की तैनाती बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी) की सिफारिश के आधार पर बोर्ड

द्वारा अनुमोदित कंपनी की जोखिम प्रबंधन (आरएम) नीति पर आधारित है।

प्रौद्योगिकी, बाजार, उत्पाद, साइबर सुरक्षा, संचालन, वित्त, मानव संसाधन आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विभिन्न जोखिमों की जोखिम पहचान, मूल्यांकन, प्राथमिकता और शमन के लिए एक व्यापक रूपरेखा को भी नीति में परिभाषित किया गया है।

कंपनी-व्यापी प्रभाव वाले जोखिमों को आरएमसी के समक्ष रखा जाता है, जिनकी समीक्षा और सलाह की आवश्यकता होती है। आरएमसी द्वारा समीक्षा और सिफारिश और बोर्ड द्वारा अनुमोदन (जैसा लागू हो) के बाद, इन जोखिमों को उचित शमन उपायों के साथ हल किया जाता है। अनुपालन के लिए आरएमसी द्वारा शमन उपायों के कार्यान्वयन की आगे समीक्षा की जाती है और बोर्ड को कार्यान्वयन की स्थिति की सूचना दी जाती है।

कंपनी के संचालन को काफी प्रभावित करने वाले जोखिमों या जहां कभी भी आवश्यक समझा जाता है, वहां आरएमसी को रिपोर्ट किया जाता है जो जोखिमों की समीक्षा करती है और आगे के विचार-विमर्श और शमन उपायों के अनुमोदन के लिए बोर्ड को सिफारिश करती है।

2. लागत में कमी-

नागरिक और रक्षा में बढ़ते प्रतिस्पर्धी माहौल को देखते हुए, बीईएल ने लागत में कमी की रणनीति को एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में अपनाया है। क्रॉस फंक्शनल एरिया के सदस्यों के साथ सभी यूनिटों / एसबीयू में "लागत में कमी" टास्क फोर्स की स्थापना की जाती है। कार्य बल परियोजनाओं की पहचान करते हैं और उन्हें शुरू करते हैं और विनिर्माण और गैर-विनिर्माण दोनों क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए लागत में कमी प्राप्त करने के लिए लक्ष्य निर्धारित करते हैं और व्यवसाय के सभी पहलुओं को शामिल करते हैं।

3. स्वदेशीकरण-

बीईएल का दृढ़ विश्वास है कि आत्मनिर्भरता हासिल करना राष्ट्र की रणनीतिक जरूरतों को पूरा करने के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है। इस प्रयास के लिए, कंपनी का लगभग 80% कारोबार स्वदेशी तकनीक से आता है।

सरकार की "मेक इन इंडिया" नीति के अनुरूप, बीईएल इन-हाउस आरएंडडी और स्वदेशीकरण, भारतीय निजी उद्योगों से आउटसोर्सिंग में वृद्धि, सार्वजनिक निजी भागीदारी, संयुक्त उद्यमों, क्षमता विस्तार, बुनियादी ढांचा विकास और आधुनिकीकरण आदि पर जोर देकर आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए कई पहल कर रहा है। स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में की गई प्रमुख पहलों में शामिल हैं-

- इन-हाउस आर एंड डी प्रयासों के माध्यम से निरंतर उत्पाद विकास, डीआरडीओ के साथ साझेदारी करके संयुक्त विकास, राष्ट्रीय आर एंड डी लैब्स और अकादमिक और भारतीय निजी क्षेत्र (एमएसएमई / स्टार्ट-अप) और विदेशी ओईएम / डिजाइन हाउस के साथ सहयोगात्मक आर एंड डी साझेदारी।
- विदेशी ओईएम से टीओटी आधारित गहन निर्माण।
- आंतरिक/घरेलू विक्रेता विकास के माध्यम से महत्वपूर्ण उप-प्रणालियों का आयात प्रतिस्थापन।
- स्वदेशी विकास के लिए तीन वर्षीय अनुसंधान एवं विकास योजना।
- आउटसोर्सिंग और विक्रेता विकास नीति।
- भारतीय निजी संस्थाओं द्वारा उपयोग के लिए परीक्षण सुविधाएं।
- स्वदेशीकरण के लिए सक्षम/संभावित घरेलू निर्माताओं को आकर्षित करने के लिए मेक-ııı के तहत आयातित वस्तुओं के लिए ईओआई प्रकाशित किया गया है।
- एमओडी के स्वदेशीकरण पोर्टल 'सृजन पोर्टल' पर स्वदेशीकरण के लिए अपलोड की गई वस्तुओं का विवरण।

सरकार ने आयात पर निर्भरता को कम करने के उद्देश्य से भारत के भीतर रक्षा उपकरणों के स्वदेशी डिजाइन, विकास और निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए कई नीतिगत पहल की हैं और सुधार किए हैं। इन पहलों में, अन्य बातों के साथ-साथ, (1) रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी)-2020 के तहत घरेलू स्रोतों से पूंजीगत वस्तुओं की खरीद को प्राथमिकता देना (2) कुल 209 वस्तुओं की दो 'सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची' की अधिसूचना, जिसके लिए उनके सामने दर्शाई समय सीमा के बाद आयात पर प्रतिबंध होगा। सूची में बीईएल के 169 आइटम शामिल हैं। सूचियों को रक्षा मंत्रालय की वेबसाइट पर रखा गया है ताकि रक्षा औद्योगिक आधार को व्यापक रूप से देखा जा सके ताकि वे सशस्त्र बलों की आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूरा कर सकें। भारतीय उद्योग जगत ने इस पहल का स्वागत किया है।

इसके अलावा, दो रक्षा गलियारों की स्थापना (उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में एक-एक) का उद्देश्य आने वाले वर्षों में रोजगार पैदा करना है। इसके बाद, उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) के लिए अलीगढ़, आगरा, चित्रकूट, झांसी, कानपुर और लखनऊ नामक छह नोड्स की पहचान की गई और तमिलनाडु डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (टीएनडीआईसी) के लिए चेन्नई, कोयंबटूर, होसुर, सेलम और तिरुचिरापल्ली नामक पांच नोड्स की पहचान की गई। रक्षा औद्योगिक गलियारे (डीआईसी) का उद्देश्य दोनों राज्यों में रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहन प्रदान करना है।

महत्वपूर्ण घटकों के स्वदेशीकरण के लिए निर्धारित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए, भारत सरकार विभिन्न कार्य योजनाओं को लागू कर रही है जिसमें पारिस्थितिकी तंत्र के सभी पहलुओं का ध्यान रखा जाएगा।

स्वदेशीकरण पर सरकार के उद्देश्यों को साकार करने में बीईएल की बड़ी और पूरक भूमिका है। रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स में बीईएल के निरंतर व्यापार विकास के साथ, इसके आपूर्ति शृंखला भागीदारों के लिए अवसर भी बढ़ रहे हैं, विशेष रूप से एमएसएमई, स्टार्ट-अप और घरेलू खिलाड़ियों के लिए क्योंकि अपनी स्थापना से ही कंपनियों का "जोर और लालसा" स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता रहा है।

जबकि बीईएल का उद्देश्य और पहल स्वदेशीकरण गतिविधियों के लिए जबरदस्त गुंजाइश प्रदान करना है, फिर भी कंपनी को विश्वास है कि सभी क्षेत्रों की भागीदारी में वृद्धि से आत्मनिर्भरता और आपूर्ति-शृंखला भागीदारों के बीच बराबरी की स्थिति पैदा होगी।

डीपीएसयू की सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची - रक्षा मंत्रालय ने दिसंबर 2021 के दौरान बीईएल की 18 वस्तुओं से युक्त 2500 वस्तुओं (पहले से ही स्वदेशी) की पहली डीपीएसयू सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची जारी की है जिसमें बीईएल के 152 आइटम और 351 आइटम (अगले 3 वर्षों में स्वदेशी होने के लिए) शामिल हैं। 2 मार्च 2022 के दौरान दूसरी डीपीएसयू सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची जारी की गई है जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में 107 प्रमुख एलआरयू / सबसिस्टम शामिल हैं। बीईएल के दूसरे डीपीएसयू सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची में 21 प्रमुख एलआरयू/उप प्रणालियां हैं जो मेक-छ योजना के तहत हैं और इसके लिए ईओआई पहले ही प्रकाशित की जा चुकी हैं।

(ख) आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और इसकी पर्याप्तता-

बीईएल में आंतरिक नियंत्रणों की एक मजबूत प्रणाली मौजूद है। इसने सभी वित्तीय और परिचालन कार्यों को कवर करते हुए खरीद, उप-संविदा, कार्य संविदा, लेखा, मानव संसाधन, आईटी और सुरक्षा, अधिकारों के उप-प्रत्यायोजन आदि पर नीतियों और प्रक्रियाओं का दस्तावेजीकरण किया है, और बदलते समय के अनुरूप संशोधित किया है। इन नियंत्रणों को वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने, संचालन की निगरानी, और अनधिकृत उपयोग या हानि से संपत्ति की रक्षा, विनियमों के अनुपालन आदि के लिए उचित लेखांकन नियंत्रण बनाए रखने के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। बीईएल ने खरीद और अन्य प्रस्तावों के ऑनलाइन प्रोसेसिंग और अनुमोदन के लिए फ़ाइल जीवन चक्र प्रबंधन प्रणाली (एफएलएम) लागू किया है, जो सूचना / फाइलों की पूर्ण पारदर्शिता, जवाबदेही, सुरक्षा और सुरक्षा की सुविधा प्रदान करती है। भारतीय लेखा मानक (इंड एएस) और कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुपालन के लिए खातों को तैयार करने के लिए विस्तृत दिशानिर्देशों का लगातार पालन किया जाता है।

बीईएल ने केंद्रीकृत तैनाती के साथ कंपनी-व्यापी ईआरपी सिस्टम (एसएपी) लागू किया है। गवर्नेंस रिस्क एंड कंप्लायंस (जीआरसी) एक्सेस कंट्रोल मॉड्यूल को व्यावसायिक लेनदेन के लिए प्राधिकार सौंपते समय निवारक नियम आधारित जांचों को एम्बेड करके उपयोगकर्ता पहुंच जोखिमों को संबोधित करने के प्राथमिक साधन के रूप में लागू किया जाता है।

उपयोगकर्ताओं को कर्तव्यों के पृथक्करण और न्यूनतम विशेषाधिकार के सिद्धांतों के आधार पर प्राधिकार दिए गए हैं। वित्त, प्रोक्योर टू पे, ऑर्डर टू कैश, मटेरियल मैनेजमेंट, एचआर और पेरोल जैसी कई व्यावसायिक प्रक्रियाओं में सिस्टम में जोखिम नियमों को कॉन्फ़िगर किया गया है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रक्रियाएं नियंत्रण में हैं, जोखिम विश्लेषण रिपोर्ट नियमित रूप से चलाई जाती हैं। महत्वपूर्ण लेनदेन के लिए बायोमेट्रिक फिंगरप्रिंट प्रमाणीकरण के रूप में अतिरिक्त नियंत्रण भी मौजूद है। भूमिकाओं और प्राधिकारों में सभी परिवर्तनों के लिए ऑडिट लॉग बनाए रखा जाता है।

बीईएल का अपना आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग है जो अपने संचालन के आकार के अनुरूप है, और इसके पास पेशेवर रूप से योग्य कर्मियों की टीम है जो यह सुनिश्चित करने के लिए नियमित और व्यापक आंतरिक लेखा परीक्षा करती है कि सभी जांच और आंतरिक नियंत्रण प्रणाली कार्यरत हैं। बाहरी पेशेवर लेखा परीक्षा फर्मों की सेवाओं का उपयोग नौ यूनिटों (बीईएल कॉर्पोरेट कार्यालय, सीआरएल बीजी सीएक्स, सीआरएल गाजियाबाद और पीडीआईसी सहित 2021-22 के दौरान) में विक्रेता भुगतान (यात्रा / चिकित्सा दावों / प्रतिपूर्ति सहित) की 100% वाउचिंग करने के लिए किया जा रहा है। कंपनी के पास बोर्ड की उप-समिति है अर्थात आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के अनुपालन पर कड़ी निगरानी रखने के लिए लेखा परीक्षा समिति (एसी)। साथ ही, सरकारी कंपनी होने के नाते, बीईएल की लेखा परीक्षा भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सी एंड एजी) द्वारा भी की जाती है।

बीईएल की आंतरिक लेखापरीक्षा टीम कंपनी के प्रमुख विनिर्माण यूनिटों और कॉर्पोरेट कार्यालय में स्थित हैं जो बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति द्वारा अनुमोदित जोखिम-आधारित वार्षिक लेखा परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार लेखापरीक्षा करती है। जहां कहीं आवश्यक हो, वहां कुछ क्षेत्रों में लेनदेन की बढ़ी हुई मात्रा को को देखते हुए नए केंद्र की भी योजना है। सभी आंतरिक लेखापरीक्षा टीमें अपने टीम नेताओं को लेखापरीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत करती हैं और लेखापरीक्षितियों के उत्तरों/कार्रवाई रिपोर्ट पर विचार करने के बाद, टीम के नेता समय-समय पर आंतरिक लेखापरीक्षा प्रमुख को लेखापरीक्षा के दौरान देखे गए महत्वपूर्ण मुद्दों की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं। आंतरिक लेखा परीक्षा के प्रमुख सुधारात्मक कार्यवाही के लिए विभिन्न स्तरों पर कंपनी के प्रबंधन को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं और अंत में कंपनी की सुस्थापित आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के अनुपालन की स्थिति और कंपनी की प्रमुख गतिविधियों से संबंधित प्रमुख जोखिमों को कम करने की योजना का इंगित करते हुए बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति को रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं। यदि कोई अनियमितता हो तो उसकी पहचान के लिए डेटा की निगरानी के लिए आंतरिक लेखापरीक्षा में अत्याधुनिक डेटा एनालिटिकल टूल का भी उपयोग किया जा रहा है।

बीईएल की आंतरिक लेखापरीक्षा नियमित लेखा परीक्षा, प्रणाली समीक्षा, प्रक्रिया समीक्षा, डेटा विश्लेषण आदि के माध्यम से आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता और प्रभावशीलता की जांच करती है और कंपनी की कानूनी और नियामक आवश्यकताओं और आंतरिक नीतियों और प्रक्रियाओं के अनुपालन पर आश्वासन प्रदान करती है। आंतरिक लेखापरीक्षा के साथ-साथ आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों की कार्यप्रणाली की बोर्ड-स्तरीय लेखापरीक्षा समिति द्वारा समय-समय पर समीक्षा की जाती है। निदेशक मंडल की लेखा परीक्षा समिति, जिसमें स्वतंत्र निदेशक शामिल हैं, समय-समय पर लेखापरीक्षा योजनाओं, महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा निष्कर्षों, आंतरिक नियंत्रणों की पर्याप्तता, और लेखांकन मानकों और नीतियों के अनुपालन की नियमित रूप से समीक्षा करती है और कंपनी जिस गतिशील वातावरण में काम कर रही है, उसे ध्यान में रखते हुए आंतरिक नियंत्रण प्रणाली को और मजबूत करने के लिए अनुपालन के लिए निर्देश जारी करती है।

कंपनी अपनी सभी प्रक्रियाओं और नियंत्रणों को वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ तालमेल करने के अपने प्रयासों को जारी रखती है, ताकि कॉर्पोरेट गवर्नेंस के उच्चतम स्तर को सुनिश्चित किया जा सके।

(ग) वित्तीय / परिचालन निष्पदान-

1. **रणनीति और उद्देश्य-** आपकी कंपनी की वित्तीय रणनीति का मुख्य उद्देश्य लाभदायक वृद्धि के लिए पर्याप्त आंतरिक संसाधन उत्पन्न करना, पैसे की उपयोगिता देना और शेयरधारकों के लिए धन का सृजन करना, उच्चतम क्रेडिट रेटिंग बनाए रखना और वित्तीय जोखिमों के लिए खतरे को न्यूनतम करने के लिए व्यावसायिक प्रक्रियाओं में जोखिम शमन रणनीतियों का निर्माण करना है।

2. **निष्पादन विशिष्टताएं-**

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष
परिचालन से राजस्व	15,31,376	14,06,383
ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की कमाई (ईबीआईटीडीए)	3,30,924	3,18,112
ईबीआईटीडीए मार्जिन (ईबीआईटीएसए/ऑपरेशन राशन से राजस्व [निवल])	21.61%	22.62%
कर पश्चात लाभ	2,34,893	2,06,542
दिनों की संख्या सूची/उत्पादन का मूल्य	133	130
व्यापार प्राप्य / कारोबारी दिनों की संख्या	148	173

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष
वर्तमान अनुपात	1.39	1.41
ऋण इक्विटी अनुपात	-	-

3. **वित्तीय वर्ष 2021-22 के वित्तीय निष्पदान का विश्लेषण-**

- कारोबार ने 8.87% की वृद्धि दर्ज की जो 2020-21 में ₹ 13,81,816 लाख से बढ़कर 2021-22 में ₹ 15,04,367 लाख हो गई।
- कारोबार ने 8.87% की वृद्धि दर्ज की जो 2020-21 में ₹ 13,81,816 लाख से बढ़कर 2021-22 में ₹ 15,04,367 लाख हो गई।
- कर पश्चात लाभ में 13.73% की वृद्धि हुई, जो 2020-21 में ₹ 2,06,542 लाख से 2021-22 में ₹ 2,34,893 लाख हो गई।
- प्रति कर्मचारी कारोबार 2020-21 में ₹ 150.66 लाख से बढ़कर 2021-22 में ₹ 169.93 लाख हो गया है।
- प्रति शेयर आय 2020-21 में ₹ 8.48 से बढ़कर 2021-22 में ₹ 9.64 हो गई है ।
- बुक वैल्यू प्रति शेयर 2020-21 में 44.36 रुपये से बढ़कर 2021-22 में 49.18 रुपये हो गई है।
- कारोबार अनुपात के लिए पीएटी में वृद्धि हुई है जो 2020-21 में 14.95% से बढ़कर 2021-22 में 15.61% हो गई है।
- कुल मालियत (नेट वर्थ) 2020-21 में ₹ 10,80,789 लाख से बढ़कर 2021-22 में ₹ 11,98,426 लाख हो गई है।
- कुल मालियत पर लाभ 2021-21 में 19.11% से बढ़कर 2021-22 में 19.60% हो गया है। वृद्धि का मुख्य कारण उत्पादन मूल्य में 9.85% की वृद्धि होना है।

(घ) मानव संसाधन विकास

बीईएल विभिन्न मानव संसाधन विकास पहलों के माध्यम से व्यक्तिगत और टीम दोनों स्तरों पर अपने कर्मचारियों के सतत विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। सभी डोमेन और ग्रेड के कार्यपालकों में कार्यात्मक, व्यवहार और नेतृत्व क्षमता के विकास और संवर्धन पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसके अनुरूप विभिन्न प्रौद्योगिकी विशिष्ट कार्यक्रमों, प्रबंधन विकास कार्यक्रमों, गुणवत्ता संबंधी प्रमाणन कार्यक्रमों और सीईपी कार्यक्रमों का आयोजन आंतरिक रूप से विषय विशेषज्ञों के माध्यम से और बाह्य रूप से प्रीमियर प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से किया गया।

वर्ष के दौरान शुरू की गई कुछ शिक्षण और विकास पहलों का विवरण नीचे दिया गया है-

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण	लक्षित स्टॉफ	कवरेज
1	रचनात्मकता और नवाचार कार्यक्रम (सीआईपी)	हमारे संगठन में कार्यपालकों के लिए रचनात्मकता और नवाचार एक अनिवार्य आवश्यकता है। यह कार्यक्रम नवोन्मेष के लिए व्यावसायिक मामले और रचनात्मकता और पार्श्व सोच के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान देगा जो प्रभावी विकास में परिणत होने वाले अभिनव व्यवहार की दिशा में प्रगति के लिए आवश्यक है।	ई- II और ई- III ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 20 कार्यपालकों ने भाग लिया
2	पदोन्नत कार्यपालकों के लिए पुन: अभिविन्यास कार्यक्रम	पदोन्नत कार्यपालकों के लिए पुन: अभिविन्यास कार्यक्रम (आरओपीई) को एक संरचित विकास कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया जाता है ताकि पदोन्नत अधिकारियों को बुनियादी व्यवहार और प्रबंधन सिद्धांतों और अवधारणाओं का प्रशिक्षण दिया जा सके।	ई- I और ई- II ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 30 कार्यपालकों ने भाग लिया
3	युवा कार्यपालकों के लिए सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम (जीईएन-वाई)	युवा कार्यपालकों के लिए सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम (जीईएन भ) कार्यक्रम का आयोजन ई-II/ई-III ग्रेड में कार्यपालकों को कारोबारी माहौल के रुझान के साथ संवेदनशील बनाने और सामान्य प्रबंधन विषयों की मूल बातों का प्रशिक्षण देने के लिए किया जाता है ।	ई- II और ई-III ग्रेड वाले कार्यपालक (सीधे शामिल)	कार्यक्रम में 29 कार्यपालकों ने भाग लिया
4	उप प्रबंधक कार्यपालक शिक्षण कार्यक्रम (डीईईपी)	उप प्रबंधक कार्यपालक शिक्षण कार्यक्रम - रणनीति, वित्त, विपणन, मानव संसाधन, आदि जैसे प्रबंधन कार्यों में गहरी अंतर्दृष्टि विकसित करने और कार्यपालक विकास के लिए एक एकीकृत परिप्रेक्ष्य प्रदान करने के लिए ई-घ ग्रेड के कार्यपालकों को परिचित करने के लिए डीईईपी आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम की सामग्री को बीईएल के एफडीसी की आवश्यकता के अनुरूप तैयार किया जाता है	ई-IV ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 30 कार्यपालकों ने भाग लिया
5	युवा नेता कार्यक्रम (वाईएलपी)	मौजूदा कारोबारी माहौल में कार्यपालकों से व्यावसायिक उत्कृष्टता के लिए शीर्ष प्रदर्शन हासिल करने की अपेक्षा की जाती है। यह समर्पित कार्यक्रम कार्यपालकों के लिए उनके व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक दक्षताओं को हासिल करने के लिए आयोजित किया जाता है ताकि वे व्यावसायिक लक्ष्यों को सुविधाजनक बनाने वाली नेतृत्व भूमिकाओं की दिशा में प्रगति कर सकें।	ई-IV ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 25 कार्यपालकों ने भाग लिया
6	नेतृत्व त्वरण कार्यक्रम (एलईएपी)	प्रबंधक ग्रेड में कार्यपालकों के रूप में नेतृत्व कौशल को बढ़ाने के लिए नेतृत्व त्वरण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिससे उन्हें प्रभावी नेताओं के रूप में विकसित करने में सक्षम बनाया जा सके। यह कार्यक्रम प्रबंधकों को पारस्परिक गतिशीलता को समझने और उच्च निष्पादन कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए इसका लाभ उठाने के लिए तैयार करता है।	ई-V ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 79 कार्यपालकों ने भाग लिया
7	कोचिंग अनिवार्यता पर जागरूकता के लिए कार्यक्रम (पेस)	कोचिंग में अवधारणाओं, कार्यप्रणाली और प्रथाओं को समझने में कार्यपालकों की मदद करने के लिए दो कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।	ई-V ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 71 कार्यपालकों ने भाग लिया
8	इंडक्शन प्रोग्राम प्रोबेशनरी इंजीनियर्स	इंडक्शन प्रोग्राम पीई को प्लांट विजिट और ग्राहक साइट विजिट के साथ विशिष्ट तकनीकी अवलोकन के साथ बीईएल में व्यवसाय संचालन और निर्माण प्रक्रियाओं को समझने में सक्षम करेगा। इंडक्शन प्रोग्राम पीई को पेशेवर कौशल को आत्मसात करने का अवसर भी प्रदान करता है जो उन्हें संगठनात्मक संस्कृति और आवश्यकताओं के साथ तालमेल बिठाने में मदद करेगा।	ई-II ग्रेड वाले कार्यपालक	वित्तीय वर्ष के दौरान भर्ती किए गए 33 परिवीक्षाधीन इंजीनियरों ने कार्यक्रम में भाग लिया
9	बौद्धिक संपदा अधिकार	यह कार्यक्रम विभिन्न प्रकार की बौद्धिक संपदा जैसे पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क आदि को शामिल करते हुए बौद्धिक संपदा अधिकारों पर बुनियादी जागरूकता प्रदान करता है।	सभी कार्यपालक	कार्यक्रम में 143 कार्यपालकों ने भाग लिया।
10	योग्यता वृद्धि प्रशिक्षण कार्यक्रम (सीओएमईटी)	बीईएल बिहेवियरल कंपनी मॉडल के आधार पर ई-I से ई-III ग्रेड में दक्षताओं की मैपिंग करने के बाद, समूह रिपोर्टों का विश्लेषण, व्यवहारिक दक्षताओं की पहचान करने के बाद कार्यपालकों के लिए विशिष्ट दक्षताओं को बढ़ाने के लिए योग्यता वृद्धि प्रशिक्षण कार्यक्रम (सीओएमईटी) आयोजित किया गया था।	ई-I से ई-III ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 155 कार्यपालकों ने भाग लिया
11	गैर-वित्त निष्पादन कार्यक्रम के लिए वित्त	सभी कार्यपालकों के लिए वित्तीय कौशल विकसित करना आवश्यक है। साथ ही, अत्यधिक प्रतिस्पर्धी कारोबारी माहौल में, वित्तीय अवधारणाओं का कार्यसाधक ज्ञान आवश्यक है। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को वित्त के विभिन्न पहलुओं में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने और बदले में सूचित निर्णय लेने में सक्षम करेगा।	ई-III ग्रेड और ऊपर वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 55 कार्यपालकों ने भाग लिया

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण	लक्षित स्टॉफ	कवरेज
12	योग्यता विकास कार्यक्रम (सीओडीई)	बीईएल बिहेवियरल कंपनी मॉडल के आधार पर दक्षताओं में अंतराल की पहचान करने के लिए ई-IV और ई-V ग्रेड वाले अधिकारियों के लिए ऑनलाइन विकास केंद्र (ओडीसी) आयोजित किए गए हैं। व्यक्तिगत और संगठनात्मक उत्कृष्टता के लिए विशिष्ट दक्षताओं को बढ़ाने के लिए समूह रिपोर्टों का विश्लेषण करते हुए, पहचान की गई व्यावहारिक दक्षताओं को सक्षमता विकास कार्यक्रम (सीओडीई) में केंद्रित किया गया है।	ई- IV और ई -V ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 240 कार्यपालकों ने भाग लिया
13	हाई इम्पैक्ट ट्रेनर (ट्रेन द ट्रेनर) (एचआईटी) प्रोग्राम	हाई इम्पैक्ट ट्रेनर प्रोग्राम एक ट्रेन द ट्रेनर प्रोग्राम है जो विभिन्न डोमेन में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आवश्यक उपयुक्त दक्षता रखने वाले आंतरिक प्रशिक्षकों का पूल तैयार करने के लिए आयोजित किया जाता है।	ई- IV और उससे ऊपर के ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 27 कार्यपालकों ने भाग लिया
14	प्रतिक्रिया की कला में महारत हासिल करना (एमएएफ)	प्रतिक्रिया प्राप्त करना और देना प्रदर्शन प्रबंधन का अभिन्न अंग है। यह कार्यक्रम हमारे अधिकारियों को उच्च निष्पादन टीमों में सुधार और निर्माण के लिए प्रतिक्रिया प्राप्त करने और प्रदान करने के लिए सशक्त बनाने के लिए आयोजित किया जा रहा है ।	ई- IV ग्रेड और उससे ऊपर वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 136 कार्यपालकों ने भाग लिया
15	उद्यम जोखिम प्रबंधन (ईआरएम)	संगठन के लिए अप्रत्याशित व्यावसायिक जोखिम अधिक होते हैं। एंटरप्राइज रिस्क मैनेजमेंट प्रोग्राम प्रतिभागियों को एंटरप्राइज रिस्क मैनेजमेंट के सिद्धांत और व्यवहार पर व्यापक अवलोकन प्रदान करेगा।	ई-V ग्रेड और उससे ऊपर वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 35 कार्यपालकों ने भाग लिया
16	रणनीति निर्माण और प्रतिस्पर्धी बुद्धिमत्ता (एसबीसीआई)	वर्तमान व्यापार परिदृश्य अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है और इसलिए विभिन्न व्यवसाय क्षेत्रों में विभिन्न खिलाड़ियों के सामने चुनौतियां हैं। यह कार्यक्रम व्यावसायिक विकास को प्राप्त करने के लिए आवश्यक रणनीतिक कौशल को बढ़ाएगा।	ई-VI ग्रेड और उससे ऊपर वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 27 वरिष्ठ कार्यपालकों ने भाग लिया
17	श्रम कानून और घरेलू जांच प्रक्रिया कार्यक्रम	कानूनी व्यवस्था और श्रम कानूनों का औद्योगिक प्रतिष्ठानों के कामकाज पर काफी प्रभाव पड़ता है। यह कार्यक्रम हमारे कार्यपालकों के विवेकपूर्ण होने और प्रचलित कानूनी प्रक्रियाओं के साथ तालमेल बिठाने के लिए आयोजित किया गया है क्योंकि इसके कानूनी प्रभाव हैं।	विभिन्न ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 32 कार्यपालकों ने भाग लिया
18	उन्नत नेतृत्व कार्यक्रम (एएलपी)-I	वरिष्ठ कार्यपालकों के लिए बीईएल व्यवहार योग्यता मॉडल के आधार पर उनकी व्यवहार क्षमता का आकलन करने के लिए मूल्यांकन केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। समूह रिपोर्टों के आधार पर, व्यक्तिगत विकास और संगठनात्मक उत्कृष्टता के लिए इन दक्षताओं के निर्माण के लिए उन्नत नेतृत्व कार्यक्रम में पहचान की गई व्यावहारिक दक्षताओं को उभारा जाता है।	E-VI और E-VIA और E-VII ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 54 कार्यपालकों ने भाग लिया
19	मूल्यांकन और विकास केंद्र प्रमाणन कार्यक्रम (एडीसीसी)	हमारे कार्यपालकों के नेतृत्व क्षमता के स्तर का आकलन करने के लिए योग्यता आधारित मूल्यांकन और विकास केंद्र कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। यह कार्यक्रम योग्यता आधारित विकास पहल के साथ तालमेल बिठाने के लिए आंतरिक क्षमता निर्माण के लिए हमारे कार्यपालकों के ज्ञान को बढ़ाता है।	ई-V ग्रेड और उससे ऊपर वाले कार्यपालक	कार्यक्रम के लिए 33 कार्यपालक नामांकित
20	प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र-I और II	प्रबंधकों को व्यापार और अर्थव्यवस्था के वैश्वीकरण के कारण बढ़ती प्रतिस्पर्धा की चुनौती का सामना करना पड़ता है। प्रमुख परिवर्तनों में अर्थव्यवस्थाओं का उदारीकरण, नए उद्योग ढांचे, तकनीकी विकास, ग्राहकों की प्राथमिकताओं में बदलाव और संगठन और प्रबंधन प्रथाओं के नए रूपों का उदय शामिल है। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को व्यावसायिक विषयों का गहन ज्ञान रखने में सक्षम करेगा।	ई-IV ग्रेड और उससे ऊपर वाले कार्यपालक	कार्यक्रम के प्रत्येक बैच में भाग लेने वाले 25 कार्यपालक
21	कार्यपालक कोचिंग में प्रमाणपत्र कार्यक्रम	नेता को इस बात को स्वीकार करना होगा कि संगठन में कोचिंग संस्कृति स्थापित करके व्यावसायिक लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है और व्यक्तिगत और संगठन के विकास के लिए नेतृत्व को कार्यपालक कोचिंग में क्षमता निर्माण की प्रक्रिया के माध्यम से मन में बिठाना अनिवार्य है।	ई-V ग्रेड और उससे ऊपर वाले कार्यपालक	कार्यक्रम के लिए 24 कार्यपालक नामित

उपरोक्त के अलावा वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान निम्नलिखित नए डोमेन-वार सक्षमता संवर्धन कार्यक्रम शुरू किए गए थे-

क्र.	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण	लक्षित स्टॉफ	कवरेज
1	सामग्री प्रबंधन अधिकारियों के लिए योग्यता वृद्धि कार्यक्रम (क्रय)	उप-संविदा डोमेन में काम करने वाले कार्यपालकों की क्षमता बढ़ाने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन खरीद प्रक्रिया के महत्वपूर्ण पहलुओं, खरीद डोमेन, सामान और सेवाओं से संबंधित आंतरिक नियंत्रण और आंतरिक नियंत्रण, इनकोटर्म्स 2020 जीएसटी लेटर ऑफ क्रेडिट मैकेनिज्म और सीमा शुल्क प्रक्रिया को कवर करते हुए किया जाता है।	यूनिटों में क्रय विभाग के सभी कार्यपालक	कार्यक्रम में 46 कार्यपालकों ने भाग लिया
2	सामग्री प्रबंधन अधिकारियों के लिए योग्यता वृद्धि कार्यक्रम (उप-संविदा)	उप-संविदा डोमेन में काम करने वाले कार्यपालकों की योग्यता बढ़ाने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन उप-संविदा प्रक्रिया के महत्वपूर्ण पहलुओं को कवर करते हुए किया जाता है।	सभी यूनिटों में उप-संविदा विभाग के सभी कार्यपालक	कार्यक्रम में 33 कार्यपालकों ने भाग लिया
3	विपणन कार्यपालकों के लिए योग्यता वृद्धि कार्यक्रम	यह कार्यक्रम बेहतर ग्राहक अंतर्दृष्टि के विकास पर केंद्रित है ताकि बदलते कारोबारी माहौल में अवसर को प्राप्त किया जा सके। यह ब्रांडिंग, पूर्वानुमान और नियामक ढांचे और अंतरराष्ट्रीय व्यापार कानूनों के पहलुओं को भी छूता है।	सभी यूनिटों के विपणन विभाग के सभी कार्यपालक	कार्यक्रम में 31 कार्यपालकों ने भाग लिया
4	वित्त कार्यपालकों के लिए योग्यता वृद्धि कार्यक्रम	इनकोटर्म्स पर जागरूकता कार्यक्रम - 2020 (6 बैच) कार्यपालकों और संशोधित इनकोटर्म्स 2020 के ज्ञान को बढ़ाने के लिए।	वित्त कार्यपालक	कार्यक्रम में 123 कार्यपालकों ने भाग लिया

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, विभिन्न प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में हमारे इंजीनियरों के डोमेन ज्ञान और दक्षताओं को बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रौद्योगिकी कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यपालकों को प्रीमियर संस्थानों द्वारा संचालित बाहरी प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों के लिए भी नामित किया गया था। बीएई में आयोजित/बीएई द्वारा नामांकित कुछ कार्यक्रम इस प्रकार हैं:

क्र.	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण	लक्षित स्टॉफ	कवरेज
1	विभिन्न प्रौद्योगिकी डोमेन से 60 अद्वितीय प्रौद्योगिकी कार्यक्रम	इसमें संचार, सिग्नल प्रोसेसिंग, रेडार, सोनार, माइक्रोवेव इंजीनियरिंग, एंटेना, रॉब डायनेमिक्स, जीआईएस, ऑटोमेशन, कंट्रोल सिस्टम, सिमुलेटर, एवियोनिक्स और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम, ईएमआई / ईएमसी, आरएफआईसी डिजाइन, मानव रहित सिस्टम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग, क्रिप्टोग्राफी, साइबर सिक्योरिटी, सिमुलेटर, आईओटी, क्लाउड कंप्यूटिंग, प्रोग्रामिंग लैंग्वेज विषय शामिल थे।	ई-II-ई VI ए ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 2057 कार्यपालकों ने भाग लिया
2	प्रमाणन कार्यक्रम	वायरलेस और सेलुलर संचार, एसडीआर, माइक्रोवेव इंजीनियरिंग, मैकेनिकल कंपन, मशीन लर्निंग, क्रिप्टोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एफपीजीए, रेडार, एंटेना, ईडब्ल्यू एंड ए, इमेज प्रोसेसिंग, उद्योग 4.0, एचवीएसी, इंडएएस, जीएसटी, आईबीसी, सीडीएमए/एमआईएमओ/ओएफडीएम, इंजीनियरों और वैज्ञानिकों के लिए पेटेंट कानून, विनिर्माण स्वचालन, नियंत्रण प्रणाली, मानव रहित प्रणाली विषय शामिल थे।	ई-II-ई V ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 117 कार्यपालकों ने भाग लिया
3	एम.टेक (संचार और सिग्नल प्रोसेसिंग) - आईआईटी मद्रास	इसमें डीएसपी, मॉड्यूलेशन और कोडिंग, वेव प्रचार, एंटेना, वेव गाइड, माइक्रोवेव सर्किट और रेडार सिस्टम में उन्नत विषय शामिल थे।	ई-II-ई V ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 20 कार्यपालक भाग ले रहे हैं
4	एम.टेक ((डेटा साइंस एंड इंजीनियरिंग / एआई) -बिट्स, पिलानी	डेटा विज्ञान के लिए गणितीय आधार प्रदान करता है और एआई, एमएल, डीप लर्निंग और नेचुरल लर्निंग प्रोसेसिंग के आधार पर मॉडल विकसित करता है।	ई-II-ई V ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 35 कार्यपालकों ने भाग लिया
5	आईआईटीएम - एम.टेक (माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक) - आईआईटी मद्रास	माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और प्रणालियों के डिजाइन, सिमुलेशन, मॉडलिंग, निर्माण और परीक्षण पर जोर देने के साथ माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक में विशेषज्ञता।	ई-II-ई V ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 20 कार्यपालक भाग ले रहे हैं
6	एम.टेक (नेटवर्क विशेषज्ञता के साथ संचार और सिग्नल प्रोसेसिंग) - आईआईटी मद्रास	वायरलेस एलएएनएस, सेलुलर संचार नेटवर्क सहित नेटवर्क पर ध्यान देने के साथ संचार और सिग्नल प्रोसेसिंग के क्षेत्रों में उन्नत विषयों को शामिल करता है।	ई-II-ई V ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 13 कार्यपालक भाग ले रहे हैं

गुणता क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए -

क्र.	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण	लक्षित स्टॉफ	कवरेज
1	प्रमाणित गुणता इंजीनियर (एएसक्यू-सीक्यूई)	एएसक्यू-सीक्यूई प्रमाणन किसी भी क्षेत्र में काम करने वाले गुणवत्ता इंजीनियरों के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमाणन है। यह सभी एएसक्यू प्रमाणपत्रों की जननी है, और यह गुणवत्ता पर सबसे व्यापक कार्यक्रमों में से एक है। कार्यक्रम में गुणवत्ता अवधारणाओं का पूरा सेट शामिल है जो किसी भी क्षेत्र में काम करने वाले हरेक इंजीनियर, और जो अपनी कार्य प्रक्रियाओं में सुधार करना चाहता है उसके लिए अनिवार्य है। एएसक्यू-सीक्यूई में बॉडी ऑफ नॉलेज (बीओके) गुणवत्ता और संबंधित विषयों पर सभी नवीनतम और प्रासंगिक वैश्विक अवधारणाओं को शामिल किया गया है।	E-III से E-VIA ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 47 कार्यपालकों ने भाग लिया
2	प्रमाणित विश्वसनीयता इंजीनियर (एएसक्यू-सीआरई)	एएसक्यू-सीआरई डिजाइन इंजीनियरों के लिए सबसे अधिक मांग वाला और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमाणन है। एएसक्यू-सीआरई बॉडी ऑफ नॉलेज (बीओके) में डिजाइन समीक्षा और नियंत्रण, भविष्यवाणी, अनुमान और विभाजन पद्धति, एफएमईए, विश्वसनीयता परीक्षण की योजना, संचालन और विश्लेषण शामिल है, जिसमें गणितीय मॉडलिंग, विश्वसनीयता में मानवीय कारकों को समझना और विफलता विश्लेषण में विश्वसनीयता सूचना प्रणाली विकसित करना और प्रदान करने की क्षमता, संपूर्ण उत्पाद जीवनचक्र में डिज़ाइन और प्रदर्शन सुधार शामिल है।	E-III से E-VIA ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 47 कार्यपालकों ने भाग लिया
3	गुणता/संगठनात्मक उत्कृष्टता के प्रमाणित प्रबंधक (एएसक्यू-सीएमक्यू/ओई)	एएसक्यू-सीएमक्यू/ओई शीर्ष स्तर के गुणवत्ता प्रबंधकों के लिए सबसे प्रतिष्ठित और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमाणन में से एक है। एएसक्यू-सीएमक्यू/ओई बॉडी ऑफ नॉलेज (बीओके) में ये विषय शामिल हैं: संगठनों में लीड और चैंपियन प्रक्रिया सुधार पहल। ग्राहक/आपूर्तिकर्ता संबंधों को स्थापित करने और उनकी निगरानी करने के लिए अग्रणी टीम प्रयास; रणनीतिक योजना और तैनाती पहल का सपोर्ट करना। संगठनात्मक सुधार को निर्धारित करने के लिए माप प्रणाली विकसित करना। कर्मचारियों को प्रेरित और मूल्यांकन करना; परियोजनाओं और मानव संसाधनों का प्रबंधन। वित्तीय स्थितियों का विश्लेषण करना, जोखिम का निर्धारण और मूल्यांकन करना, और संगठनात्मक चुनौतियों को हल करने में ज्ञान प्रबंधन उपकरण और तकनीकों को उपयोग करना	ई-V से ई-VII ग्रेड वाले कार्यपालक (ई-V + 4 साल का अनुभव)	कार्यक्रम में 20 कार्यपालकों ने भाग लिया
4	परियोजना प्रबंधन पेशेवर (पीएमपी)	पीएमपी प्रमाणन डपरीक्षा सामग्री रूपरेखा (ईसीओ) पर आधारित परियोजना प्रबंधकों के लिए सबसे अधिक मांग वाले और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमाणन में से एक है। प्रोजेक्ट मैनेजमेंट बॉडी ऑफ नॉलेज (पीएमबीओके) में दस नॉलेज एरिया (केए) और एजाइल प्रैक्टिस गाइड शामिल हैं। इन दस केए में कुल 49 प्रक्रियाएं हैं, जिन्हें पांच प्रक्रिया समूहों के तहत समूहीकृत किया गया है, अर्थात आरंभ करना, योजना बनाना, निष्पादन करना, निगरानी करना और नियंत्रित करना और प्रक्रिया समूह को बंद करना। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को बुनियादी परियोजना प्रबंधन शब्दावली, शब्दावली और अवधारणाओं के साथ पेश करता है जिसमें पीएमबीके गाइड में दी गई चुस्त अवधारणाएं शामिल हैं। यह "35 संपर्क घंटे परियोजना प्रबंधन प्रारंभिक प्रशिक्षण" कार्यक्रम पीएमआई-यूएसए द्वारा प्रस्तावित पीएमपी प्रमाणन परीक्षा देने के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है	ई- IV से ई-VII ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 93 कार्यपालकों ने भाग लिया
5	सिक्स सिग्मा - ग्रीन बेल्ट (डीएफएसएस-जीबी) (आएसआई) के लिए डिज़ाइन	अध्ययनों से पता चला है कि सभी गुणवत्ता समस्याओं में से 70 - 80% डिजाइन से संबंधित हैं। सिक्स सिग्मा के लिए डिज़ाइन (डीएफएसएस) का उद्देश्य सिक्स सिग्मा गुणवत्ता प्राप्त करने के लिए उत्पादों, सेवाओं या प्रक्रियाओं को डिज़ाइन या नया स्वरूप देना है। सिक्स सिग्मा डीएमएआईसी टूल्स के अलावा, प्रोग्राम अंतिम उत्पाद या सेवा की अधिक व्यावसायिक और तकनीकी सफलता प्राप्त करने के लिए नए डिजाइन या डिजाइन संशोधन के लिए अतिरिक्त उपकरण, संरचना और बेहतर तरीके प्रदान करता है। डीएफएसएस दृष्टिकोण डीएमएडीवी की एक संरचित पद्धति का उपयोग करता है, जो डिजाइन सुधार के पांच चरणों, अर्थात परिभाषित, माप, विश्लेषण, डिजाइन और सत्यापन को इंगित करता है।	ई- III से ई-VI ए ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 47 कार्यपालकों ने भाग लिया
6	प्रमाणित सिक्स सिग्मा ब्लैक बेल्ट (सीएसएसबीबी) (आईएसआई)	सिक्स सिग्मा-डीएमएआईसी कार्यप्रणाली डेटा और तथ्य संचालित दृष्टिकोण, और सांख्यिकीय विश्लेषण के साथ मिलकर ध्वनि प्रदर्शन मेट्रिक्स पर आधारित एक शक्तिशाली सफलता व्यवसाय रणनीति है। यह डीएमएआईसी की एक संरचित पद्धति का उपयोग करता है, अर्थात परिभाषित करें, मापें, विश्लेषण करें, सुधारें और नियंत्रण करें। कार्यक्रम ब्लैक बेल्ट (बीबी) स्तर पर है। एक प्रमाणित सिक्स सिग्मा ब्लैक बेल्ट (सीएसएसबीबी) सफलता प्रक्रिया में सुधार के लिए पद्धति को सफलतापूर्वक लागू कर सकता है जिसके परिणामस्वरूप गुणवत्ता, उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता में महत्वपूर्ण सुधार होता है।	ई- IV से ई-VI ए ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 19 कार्यपालकों ने भाग लिया
7	व्यापार विश्लेषिकी और डेटा प्रबंधन (बीए और डीएम) (आईएसआई)	डेटा किसी भी संगठन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। डेटा विश्लेषण से प्राप्त अंतर्दृष्टि एक संगठन को लागत में कमी, नए उत्पाद विकास और अनुकूलित ग्राहक प्रस्ताव, और स्मार्ट व्यापार निर्णय लेने के लिए विशिष्ट रणनीतियों और कार्यों को विकसित करने में मदद कर सकती है जो विकास को बढ़ावा देती है और जोखिम को कम करती है। तथ्य-आधारित निर्णय लेने की संस्कृति में जाने के लिए, प्रदर्शन का प्रबंधन, निर्णय लेने के लिए एक रूपरेखा स्थापित करना और रणनीतियों का तालमेल बिठाना, आज के संगठनों को व्यावसायिक विश्लेषण को अनुकूलित करना चाहिए। पाठ्यक्रम डेटा प्रबंधन तकनीकों, सांख्यिकीय शिक्षण तकनीकों का उपयोग करके मॉडल विकसित करने के लिए पर्यवेक्षित शिक्षण और मशीन सीखने की तकनीकों पर केंद्रित होगा।	ई- III से ई-VIA ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 18 कार्यपालकों ने भाग लिया

क्र.	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण	लक्षित स्टॉफ	कवरेज
8	आईएसओ 14001:2015 ईएमएस आंतरिक लेखा परीक्षक कार्यक्रम	आंतरिक लेखा परीक्षा पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली का एक महत्वपूर्ण पहलू है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य वैश्विक पर्यावरणीय मुद्दों, पर्यावरण संरक्षण के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कानूनी और नियामक ढांचे और आईएसओ 14001:2015 मानक की आवश्यकताओं की समझ प्रदान करना है। कार्यक्रम में आईएसओ 19011 दिशानिर्देशों के अनुसार एक प्रभावी आंतरिक लेखा परीक्षा आयोजित करने के लिए आवश्यक ऑडिटिंग आवश्यकताओं और कार्यप्रणाली को भी शामिल किया गया है। ऑडिट केस स्टडी और ओपन डिस्कशन का उपयोग आंतरिक ऑडिटर के सीखने और आवश्यक कौशल को सुदृढ़ करने के लिए किया जाता है।	E-IV से E-VIA ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 44 कार्यपालकों ने भाग लिया
9	सिक्स सिग्मा डीएमएआईसी - ग्रीन बेल्ट (जीबी)	सिक्स सिग्मा उत्पादों, प्रक्रियाओं और सेवाओं में सफलता में सुधार लाने के लिए एक डेटा-संचालित, प्रक्रिया उन्मुख दृष्टिकोण है। सिक्स सिग्मा व्यवसाय करने की एक नई संस्कृति है। यह प्रक्रियाओं में परिवर्तनशीलता में कमी के माध्यम से दोष उन्मूलन के साथ शुरू हुआ, और अब व्यावसायिक उत्कृष्टता प्राप्त करने का एक साधन बन गया है। सिक्स सिग्मा डीएमएआईसी पद्धति परिभाषित, माप, विश्लेषण, सुधार और नियंत्रण की एक संरचित पद्धति का उपयोग करती है। कार्यक्रम सिक्स सिग्मा की बुनियादी अवधारणाओं, संरचित समस्या समाधान विधि के लिए विभिन्न मात्रात्मक डेटा विश्लेषण तकनीकों, लीन अवधारणाओं, सिद्धांतों और उपकरणों को कवर करेगा। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को सिक्स सिग्मा ग्रीन बेल्ट प्रमाणन प्राप्त करने और सफलता में सुधार के लिए पद्धति को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए तैयार करेगा।	E-III से E-VIA ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 183 कार्यपालकों ने भाग लिया
10	सॉफ्टवेयर के लिए सिक्स सिग्मा ग्रीन बेल्ट (एसएसजीबी-सॉफ्टवेयर) (आईएसआई)	सिक्स सिग्मा उत्पादों, प्रक्रियाओं और सेवाओं में सफलता में सुधार लाने के लिए एक डेटा-संचालित, प्रक्रिया उन्मुख दृष्टिकोण है। यह प्रक्रियाओं में परिवर्तनशीलता में कमी करके दोष उन्मूलन के साथ शुरू हुआ, और अब व्यावसायिक उत्कृष्टता प्राप्त करने का साधन बन गया है। डेटा विश्लेषण के आधार पर उच्च विश्वसनीय सॉफ्टवेयर उत्पादों को डिजाइन और विकसित करने के लिए सॉफ्टवेयर क्षेत्र में सिक्स सिग्मा डीएमएआईसी पद्धति का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा सकता है। यह परिभाषित, माप, विश्लेषण, सुधार और नियंत्रण की एक संरचित विधि का उपयोग करता है। कार्यक्रम प्रतिभागियों को सिक्स सिग्मा सॉफ्टवेयर ग्रीन बेल्ट प्रमाणन प्राप्त करने और सफलता में सुधार के लिए पद्धति को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए तैयार करेगा।	E-III से E-VIA ग्रेड वाले कार्यपालक	कार्यक्रम में 25 कार्यपालकों ने भाग लिया

कुछ बाहरी/खुले कार्यक्रम जिनमें हमारे कार्यपालकों ने सहभागिता की-

i. एसओडीईटी द्वारा आयोजित लीन मैनेजमेंट पर अवलोकन पर वेबिनार।

ii. आईआईए द्वारा आइडिया एनालिटिक्स के साथ ऑपरेशनल ऑडिट पर कोर्स।

iii. एनआई-एमएसएमई द्वारा आयोजित सार्वजनिक खरीद में जीईएम, जीएफआर और सीपीपी के अनुप्रयोगों पर ऑनलाइन कार्यक्रम।

iv. दिवालियापन एवं शोधन अक्षमता संहिता पर डीपीई द्वारा आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम।

v. कॉर्पोरेट रिपोर्टिंग संवाद पर आईआईएमबी सीसीजीसी वेबिनार- आईआईएम बेंगलूरु द्वारा कॉर्पोरेट पारदर्शिता और प्रकटीकरण का भविष्य।

vi. आईपीई द्वारा आयोजित प्रौद्योगिकी और नवाचार के प्रबंधन पर कार्यक्रम।

vii. एनआईपीएम द्वारा आयोजित कार्यशाला में महिलाओं के पीओएसएच पर कार्यशाला।

viii. सीआईआई वार्षिक बैठक 2021- भारत @ 75- आत्म निर्भर भारत के लिए सरकार और व्यवसाय द्वारा मिलकर कार्य विषय पर सीआईआई द्वारा आयोजित।

ix. पीओएसएच के व्यावहारिक पहलुओं पर वेबिनार - ईएफएसआई द्वारा चिंताएँ और चुनौतियाँ।

x. 15वां ग्लोबल कम्युनिकेशंस कॉन्क्लेव - कम्युनिकेशन 2021-2030 पीआरसीआई द्वारा “मेगा ट्रेंड्स का मानचित्रण”।

बोर्ड की ओर से

आनंदी रामलिंगम
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

बेंगलूरु
28 जुलाई 2022

अनुलग्नक - 5

कॉर्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट

दर्शन और गवर्नेंस संहिता

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (कंपनी/बीईएल) का कॉर्पोरेट गवर्नेंस का दर्शन ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, जवाबदेही, पर्याप्त प्रकटीकरण, अनुपालन, निर्णय लेने में पारदर्शिता और हितों के टकराव से बचने के सिद्धांतों पर आधारित है। कंपनी अपनाए गए कॉर्पोरेट मूल्यों और उद्देश्यों को महत्व देती है और कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन में सभी स्तरों पर लगातार नैतिक और जिम्मेदार नेतृत्व सुनिश्चित करती है। कंपनी ग्राहकों की संतुष्टि, वित्तीय विवेक और मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता में विश्वास करती है। हमारी कॉर्पोरेट संरचना, व्यवसाय और प्रकटीकरण प्रथाओं को हमारे कॉर्पोरेट गवर्नेंस दर्शन के अनुरूप बनाया गया है।

कंपनी अपने सभी हितधारकों के लिए मूल्यवर्धन की दिशा में लगातार ध्यान केंद्रित करते हुए, कॉर्पोरेट गवर्नेंस की बुनियादी आवश्यकताओं से बहुत आगे निकलने का प्रयास करती है।

निदेशक मंडल

संरचना

कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड 'सरकारी कंपनी' है क्योंकि 31 मार्च 2022 तक कंपनी की कुल चुकता शेयर पूंजी का 51.14% भारत के राष्ट्रपति के पास है।

सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियम 17 के प्रावधानों (अब से 'सूचीकरण विनियम' कहा जाएगा), और भारत सरकार के सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर जारी दिशानिर्देश (डीपीई दिशानिर्देश) के अनुरूप, कंपनी के निदेशक मंडल की संरचना में कार्यकारी निदेशकों का एक उपयुक्त मिश्रण है, जिसमें सीएमडी और गैर-कार्यकारी निदेशक शामिल हैं, जिनका प्रतिनिधित्व सरकारी नामित निदेशकों और स्वतंत्र निदेशकों द्वारा किया जाता है, ताकि बोर्ड की स्वतंत्रता बनाए रखी जा सके और प्रबंधन और नियंत्रण के बोर्ड के कार्यों को अलग रखा जा सके। चूंकि अध्यक्ष एक कार्यकारी निदेशक है, बोर्ड के आधे निदेशक स्वतंत्र निदेशक होते हैं।

31 मार्च 2022 तक, बीईएल के निदेशक मंडल में चार पूर्णकालिक कार्यकारी (कार्यात्मक) निदेशक शामिल हैं जिनमें सीएमडी, दो अंशकालिक सरकारी (गैर-कार्यकारी) निदेशक और महिला स्वतंत्र निदेशक सहित आठ अंशकालिक स्वतंत्र (गैर-कार्यकारी) निदेशक हैं।

बोर्ड की बैठकों की उपस्थिति

31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान, बोर्ड की आठ बैठकें आयोजित की गईं और किसी भी दो बैठकों के बीच अधिकतम अंतराल 120 दिनों से अधिक नहीं था। बोर्ड की बैठक 30 अप्रैल 2021, 31 मई 2021, 22 जून 2021, 6 अगस्त 2021, 3 सितंबर 2021, 29 अक्टूबर 2021, 28 जनवरी 2022 और 17 मार्च 2022 को आयोजित की गई। सभी बैठकों के लिए अपेक्षित कोरम मौजूद था। 31 मार्च 2022 को निदेशक मंडल की बैठकों में उपस्थिति, वार्षिक आम बैठक और उनके द्वारा आयोजित अन्य निदेशकों/समिति सदस्यताओं की संख्या का विवरण नीचे दिया गया है:

क्र.	निदेशकों का नाम	संबंधित निदेशकों के कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकें	कितनी बैठकों में भाग लिया	28 सितंबर 2021 को आयोजित अंतिम एजीएम में उपस्थिति	धारित निदेशक पद की संख्या *	सभी कंपनियों में समिति सदस्यता की संख्या #		अन्य सूचीबद्ध यूनिट में निदेशक पद (निदेशक पद की श्रेणी)
						सदस्य के रूप में	अध्यक्ष के रूप में	
पूर्णकालिक कार्यात्मक (कार्यकारी) निदेशक								
1	श्री एम वी गौतमा (30.06.2021 से निदेशक नहीं)	03	03	ला.ना.	-	-	-	-
2	श्रीमती आनंदी रामलिंगम	08	08	हाँ	02	02	शून्य	शून्य
3	श्री विनय कुमार कत्याल	08	08	हाँ	02	01	शून्य	शून्य
4	श्री शिवकुमारन के एम (31.08.2021 से निदेशक नहीं)	04	04	ला.ना.	-	-	-	-
5	श्रीमती शिखा गुप्ता (07.05.2021 से निदेशक नहीं)	01	शून्य	ला.ना.	-	-	-	-
6	श्री दिनेश कुमार बत्रा	08	07	हाँ	03	01	02	शून्य
7	श्री राजशेखर एम वी	08	08	हाँ	03	02	शून्य	शून्य

क्र.	निदेशकों का नाम	संबंधित निदेशकों के कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकें	कितनी बैठकों में भाग लिया	28 सितंबर 2021 को आयोजित अंतिम एजीएम में उपस्थिति	धारित निदेशक पद की संख्या *	सभी कंपनियों में समिति सदस्यता की संख्या #		अन्य सूचीबद्ध यूनिट में निदेशक पद (निदेशक पद की श्रेणी)
						सदस्य के रूप में	अध्यक्ष के रूप में	
अंशकालिक सरकारी (गैर-कार्यकारी) निदेशक								
8	सुश्री जे मंजुला	08	01	नहीं	01	शून्य	शून्य	शून्य
9	श्री अनुराग बाजपेयी	08	05	नहीं	04	शून्य	शून्य	मिश्र धातु निगम लिमिटेड - नामित निदेशक
अंशकालिक स्वतंत्र (गैर-कार्यकारी) निदेशक								
10	श्री सुनील कुमार कोहली	08	08	हाँ	01	00	02	शून्य
11	डॉ. पार्थसारथी पी.वी. (28.12.2021 से निदेशक के रूप में नियुक्त)	02	02	ला.ना.	01	00	00	शून्य
12	श्री मनसुखभाई एस. खाचरिया (28.12.2021 से निदेशक के रूप में नियुक्त)	02	02	ला.ना.	01	01	00	शून्य
13	डॉ. संतोषकुमार एन (28.12.2021 से निदेशक के रूप में नियुक्त)	02	02	ला.ना.	01	00	00	शून्य
14	श्री प्रफुल्ल कुमार चौधुरी (28.12.2021 से निदेशक के रूप में नियुक्त)	02	02	ला.ना.	01	01	00	शून्य
15	डॉ. शिवनाथ यादव (28.12.2021 से निदेशक के रूप में नियुक्त)	02	02	ला.ना.	01	01	00	शून्य
16	श्री गोकुलन बी (20.01.2022 से निदेशक के रूप में नियुक्त)	02	02	ला.ना.	01	00	00	शून्य
17	श्रीमती श्यामा सिंह (07.02.022 से निदेशक के रूप में नियुक्त)	01	01	ला.ना.	01	00	00	शून्य

* कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत पंजीकृत कंपनियों में निदेशक, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के तहत निजी कंपनियों, विदेशी कंपनियों और कंपनियों में निदेशक पद को छोड़कर।

लिस्टिंग विनियमों के विनियम 26 के अनुसार, पब्लिक लिमिटेड कंपनियों में ऑडिट कमेटी और स्टेकहोल्डर्स रिलेशनशिप कमेटी की अध्यक्षता/सदस्यता पर विचार किया जाता है।

वर्ष 2021-22 के दौरान किसी भी निदेशक का आपस में कोई संबंध नहीं था। किसी भी गैर-कार्यकारी निदेशक के पास कंपनी का कोई इक्विटी शेयर या परिवर्तनीय दस्तावेज नहीं था।

उपरोक्त निदेशक पद और समिति के पदों की संख्या निदेशकों द्वारा अधिसूचित है और यह पुष्टि की जाती है कि कंपनी का कोई भी निदेशक दस से अधिक समितियों का सदस्य नहीं रहा है या सभी कंपनियों में पांच से अधिक समितियों के अध्यक्ष के रूप में कार्य नहीं किया है, जिसमें वह निदेशक है। कंपनी का कोई भी निदेशक दस से अधिक सार्वजनिक कंपनियों में निदेशक नहीं है और कंपनी का कोई भी निदेशक सात से अधिक सूचीबद्ध कंपनियों में निदेशक या स्वतंत्र निदेशक के रूप में कार्य नहीं करता है। कंपनी का कोई भी पूर्णकालिक निदेशक/प्रबंध निदेशक तीन से अधिक लिस्टिंग कंपनियों में स्वतंत्र निदेशक के रूप में कार्य नहीं करता है।

कंपनी के पास कंपनी पर लागू होने वाले सभी कानूनों की अनुपालन रिपोर्ट और गैर-अनुपालन के मामलों को सुधारने के लिए कंपनी द्वारा उठाए गए कदमों की समय-समय पर समीक्षा करने के लिए बोर्ड को सक्षम करने हेतु उचित प्रणालियां हैं। बोर्ड ने अर्ध-वार्षिक आवधिकता पर अनुपालन रिपोर्टों की समीक्षा की।

स्वतंत्र निदेशक से प्राप्त घोषणाओं के आधार पर, निदेशक मंडल पुष्टि करता है कि स्वतंत्र निदेशक लिस्टिंग विनियमों में निर्दिष्ट स्वतंत्रता के मानदंडों को पूरा करता है और वे प्रबंधन से स्वतंत्र हैं। कंपनी के किसी भी स्वतंत्र निदेशक ने अपना कार्यकाल समाप्त होने से पहले इस्तीफा नहीं दिया।

निदेशक मंडल के कौशल/विशेषज्ञता/क्षमताएं

बीईएल सरकारी कंपनी है और इसके बोर्ड के सभी निदेशकों अर्थात कार्यात्मक निदेशकों, सरकारी नामित निदेशकों और स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रशासनिक मंत्रालय के माध्यम से की जाती है। कंपनी से संबंधित व्यवसाय (व्यवसायों) और क्षेत्र (क्षेत्रों) के संदर्भ में आवश्यक कौशल/विशेषज्ञता/क्षमता की पहचान भारत सरकार द्वारा की जाती है और तदनुसार कंपनी के बोर्ड में निदेशकों का चयन सरकार द्वारा निदेशकों की प्रत्येक श्रेणी के लिए सुनिर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया जाता है।

प्रत्याशियों की वांछनीय योग्यता और अनुभव कार्यात्मक क्षेत्रों अर्थात वित्त, संचालन, तकनीकी, मानव संसाधन और विपणन की आवश्यकता के अनुसार हैं। कार्यात्मक निदेशकों की भर्ती के समय, उम्मीदवारों का कार्य विवरण, वांछनीय योग्यता और अनुभव, रिक्तियों की घोषणा और उम्मीदवारों की भर्ती के लिए प्रशासनिक मंत्रालय के माध्यम से लोक उद्यम चयन बोर्ड को भेजा जाता है।

स्वतंत्र निदेशकों के लिए परिचय कार्यक्रम

स्वतंत्र निदेशक (निदेशकों) को शामिल करते समय, कंपनी अधिनियम 2013, लिस्टिंग विनियम और अन्य लागू विनियम के तहत उनसे अपेक्षित अनुपालनों के अलावा निदेशक के रूप में किए जाने वाले कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के विवरण के साथ एक स्वागत पत्र निदेशक (निदेशकों) को भेजा जाता है। कंपनी का प्रबंधन नवनियुक्त निदेशक (निदेशकों) को कंपनी, कंपनी के संबंध में उसके संचालन, कंपनी की विभिन्न नीतियों और प्रक्रियाओं, कंपनी के विभिन्न प्रभागों और उनकी भूमिका और जिम्मेदारियों, गवर्नेंस और आंतरिक नियंत्रण प्रक्रियाओं और अन्य प्रासंगिक महत्वपूर्ण जानकारी से परिचित कराता है। निदेशकों को विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा आयोजित बोर्ड से संबंधित प्रथाओं और अभिविन्यास कार्यक्रमों आदि से संबंधित महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए नियमित रूप से प्रोत्साहित और प्रायोजित किया जाता है। निदेशकों को दिए गए प्रशिक्षण का विवरण कंपनी की वेबसाइट पर वेब-लिंक: https://www.bel-india.in/ContentPage.aspx?MId=17&CId=2505&LId=1&link=2505 पर पोस्ट किया गया है।

पेशवर कंपनी सचिव से प्रमाण पत्र

मेसर्स तिरुपाल गोरिगे एंड एसोसिएट्स एलएलपी, प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरीज ने लिस्टिंग विनियमों के तहत एक प्रमाण पत्र जारी किया है जिसमें पुष्टि की गई है कि कंपनी के बोर्ड के किसी भी निदेशक को 31 मार्च 2022 तक सेबी/कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय या ऐसे किसी भी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त या जारी रखने से वंचित या अयोग्य घोषित नहीं किया गया है। प्रमाण पत्र इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है।

निदेशक मंडल की अनिवार्य समितियां

लेखा परीक्षा समिति

31 मार्च 2022 तक लेखा परीक्षा समिति की संरचना कंपनी अधिनियम 2013 (अधिनियम) की धारा 177, लिस्टिंग विनियमों के विनियम 18 और डीपीई दिशानिर्देशों के अनुरूप है। कंपनी की लेखा परीक्षा समिति में तीन (03) स्वतंत्र निदेशक होते हैं। इसके अलावा, कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षकों, निदेशक (बेंगलूरु कॉम्प्लेक्स), निदेशक (वित्त), निदेशक (अन्य यूनिट्स) और आंतरिक लेखा परीक्षा के प्रमुख को भी लेखा परीक्षा समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए नियमित रूप से आमंत्रित किया जाता है। लेखा परीक्षा समिति के अध्यक्ष स्वतंत्र निदेशक हैं। लेखा परीक्षा समिति के अध्यक्ष ने 28 सितंबर 2021 को आयोजित कंपनी की 67वीं वार्षिक आम बैठक में भाग लिया है। लेखा परीक्षा समिति के लिए विचारार्थ विषय कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177, अनुसूची II के विनियम के साथ पठित 18 लिस्टिंग विनियमों और डीपीई दिशानिर्देशों के भाग-सी (सरकारी कंपनियों को प्रदान की गई छूट की सीमा को छोड़कर) में निर्दिष्ट हैं। वर्ष 2021-22 के दौरान लेखापरीक्षा समिति की छह (6) बैठकें हुई। लेखा परीक्षा समिति की सभी सिफारिशों को निदेशक मंडल द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

लेखापरीक्षा समिति द्वारा निष्पादित कुछ महत्वपूर्ण कार्य इस प्रकार हैं-

- कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की निगरानी और वित्तीय जानकारी का प्रकटीकरण यह सुनिश्चित करने के लिए कि वित्तीय विवरण सही, पर्याप्त और विश्वसनीय हैं;
- कंपनी के लेखा परीक्षकों की नियुक्ति, पारिश्रमिक और नियुक्ति की शर्तों के लिए सिफारिश;
- सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा प्रदान की गई किसी भी अन्य सेवाओं के लिए सांविधिक लेखा परीक्षकों को भुगतान की स्वीकृति;
- त्रैमासिक अलेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों और लेखापरीक्षकों की सीमित समीक्षा रिपोर्ट की समीक्षा करना / लेखा परीक्षित वार्षिक वित्तीय विवरण और लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट अनुमोदन के लिए बोर्ड को प्रस्तुत करने से पहले, विशेष संदर्भ के साथ जैसा कि लिस्टिंग विनियमों के अनुसूची छ्र भाग सी (ए) (4) में उल्लेख किया गया है;
- ऑडिटर की स्वतंत्रता, निष्पादन और ऑडिट प्रक्रिया की प्रभावशीलता की समीक्षा और निगरानी करना;
- संबंधित पक्षों के साथ कंपनी के लेनदेन की स्वीकृति या उसके बाद का कोई संशोधन;
- अंतर-कॉर्पोरेट ऋणों और निवेशों की संवीक्षा;
- कंपनी के उपक्रमों या परिसंपत्तियों का मूल्यांकन, जहां कहीं आवश्यक हो;
- आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों और जोखिम प्रबंधन प्रणालियों का मूल्यांकन;
- प्रबंधन के साथ समीक्षा, सांविधिक और आंतरिक लेखा परीक्षकों के निष्पादन, आंतरिक नियंत्रण की पर्याप्तता
- आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग की संरचना, स्टाफिंग और विभाग के प्रमुख अधिकारी की वरिष्ठता, रिपोर्टिंग संरचना कवरेज और आंतरिक लेखापरीक्षा की आवृत्ति सहित आंतरिक लेखापरीक्षा कार्य की पर्याप्तता की समीक्षा करना;
- किसी भी महत्वपूर्ण निष्कर्ष के आंतरिक लेखा परीक्षकों के साथ चर्चा और उस पर अनुवर्ती कार्रवाई;
- आंतरिक लेखा परीक्षकों द्वारा किसी भी आंतरिक जांच के निष्कर्षों की समीक्षा उन मामलों में जहां संदिग्ध धोखाधड़ी या अनियमितता या भौतिक प्रकृति की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की विफलता है और मामले को बोर्ड को रिपोर्ट करना;
- लेखापरीक्षा शुरू होने से पहले सांविधिक लेखापरीक्षकों के साथ चर्चा, लेखापरीक्षा की प्रकृति और दायरे के साथ-साथ किसी भी चिंता के विषय का पता लगाने के लिए लेखापरीक्षा के बाद की चर्चा;
- शेयरधारकों (घोषित लाभांश का भुगतान न करने की स्थिति में) और लेनदारों को भुगतान में पर्याप्त चूक के कारणों पर गौर करना;

- व्हिसल ब्लोअर तंत्र के कामकाज की समीक्षा करना
- इनसाइडर ट्रेडिंग की रोकथाम के लिए आचार संहिता की समीक्षा करना;
- वित्तीय स्थिति और संचालन के परिणामों की प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण की समीक्षा करना;
- प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत महत्वपूर्ण संबंधित पार्टी लेनदेन (लेखा परीक्षा समिति द्वारा परिभाषित) के विवरण की समीक्षा करना;
- सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा जारी प्रबंधन पत्र/आंतरिक नियंत्रण कमजोरियों के पत्र की समीक्षा करना;
- उम्मीदवार की योग्यता, अनुभव और पृष्ठभूमि आदि का आकलन करने के बाद मुख्य वित्तीय अधिकारी की नियुक्ति की स्वीकृति;
- होल्डिंग कंपनी द्वारा सहायक कंपनी में ₹ 100 करोड़ या सहायक कंपनी के परिसंपत्ति आकार के 10%, जो भी कम हो, मौजूदा ऋण/अग्रिम/निवेश सहित ऋणों और/या अग्रिमों/निवेशों के उपयोग की समीक्षा करना।
- मुख्य आंतरिक लेखा परीक्षक की नियुक्ति, हटाने और पारिश्रमिक की शर्तें लेखा परीक्षा समिति द्वारा समीक्षा के अधीन होंगी।
- आंतरिक नियंत्रण कमजोरियों से संबंधित आंतरिक लेखापरीक्षा रिपोर्टों की समीक्षा करना;
- सीएजी ऑडिट के लेखापरीक्षा अवलोकन पर अनुवर्ती कार्रवाई की समीक्षा करना;
- कोई अन्य कार्य करना जो बोर्ड द्वारा समिति को निर्दिष्ट किया जाए।

वर्ष 2021-22 के दौरान लेखा परीक्षा समिति की संरचना और बैठकों में सदस्यों की भागीदारी का विवरण निम्नानुसार है:

नाम	श्रेणी	31 मार्च 2022 तक धारित पद	लेखा परीक्षा समिति की इन बैठकों में उपस्थिति					
			22 जून 2021	05 अगस्त 2021	28 अक्टूबर 2021	19 जनवरी 2022	27 जनवरी 2022	25 मार्च 2022
श्री सुनील कुमार कोहली	स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित
सुश्री जे मंजुला (31.12.2021 से सदस्य नहीं)	गैर-कार्यपालक नामित निदेशक	-	उपस्थित	LA	उपस्थित	NA	NA	NA
श्री अनुराग बाजपेयी (31.12.2021 से सदस्य नहीं)	गैर-कार्यपालक नामित निदेशक		LA	उपस्थित	LA	NA	NA	NA
श्री प्रफुल्ल कुमार चौधरी (31.12.2021 से सदस्य के रूप में नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	NA	NA	NA	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित
डॉ. शिवनाथ यादव (31.12.2021 से सदस्य के रूप में नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	NA	NA	NA	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित

स्वतंत्र निदेशक   गैर-कार्यपालक नामित निदेशक   अध्यक्ष   सदस्य

उपस्थित   NA लागू नहीं   LA अनुपस्थित

नामांकन और पारिश्रमिक समिति

31 मार्च 2022 को नामांकन और पारिश्रमिक समिति की संरचना कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 और लिस्टिंग विनियमों के विनियम 19 के अनुरूप है। नामांकन और पारिश्रमिक समिति के अध्यक्ष एक स्वतंत्र निदेशक हैं। नामांकन और पारिश्रमिक समिति के अध्यक्ष ने 28 सितंबर 2021 को आयोजित कंपनी की 67वीं वार्षिक आम बैठक में भाग लिया है। नामांकन और पारिश्रमिक समिति के विचारार्थ विषय कंपनी अधिनियम, 2013, विनियम 19 की धारा 178 में निर्दिष्ट हैं। सूचीकरण विनियमों की अनुसूची II भाग-डी के साथ (सरकारी कंपनियों को प्रदान की गई छूट की सीमा को छोड़कर)। नामांकन और पारिश्रमिक समिति द्वारा किए गए कुछ महत्वपूर्ण कार्यों में शामिल हैं:

- कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों, भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी डीपीई दिशानिर्देशों और राष्ट्रपति के निर्देशों/दिशानिर्देशों के अनुरूप बोर्ड को नीति की सिफारिश करना;
- कंपनी के कर्मचारियों को निष्पादन संबंधी वेतन की स्वीकृति;
- बोर्ड स्तर से नीचे के कार्यकारी निदेशकों (ईडी) / महाप्रबंधकों (जीएम) का चयन।

वर्ष 2021-22 के दौरान नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की छह (6) बैठकें हुई। वर्ष 2021-22 के दौरान समिति की संरचना और उक्त समिति की बैठकों में सदस्यों की भागीदारी का विवरण निम्नानुसार है:

नाम	श्रेणी	31 मार्च 2022 तक धारित पद	नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की इन बैठकों में उपस्थिति					
			30 अप्रैल 2021	17 और 18 जून 2021	29 जुलाई 2021	29 अक्टूबर 2021	05 जनवरी 2022	20 और 21 जनवरी 2022
श्री सुनील कुमार कोहली	स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित
सुश्री जे मंजुला (06.01.2022 से सदस्य नहीं)	गैर-कार्यपालक नामित निदेशक	-	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	LA	LA	NA
श्री अनुराग बाजपेयी (06.01.2022 से सदस्य नहीं)	गैर-कार्यपालक नामित निदेशक	-	LA	LA	LA	LA	LA	NA
श्री एम वी गौतमा (30.06.2021 से सदस्य नहीं)	कार्यपालक निदेशक	-	उपस्थित	उपस्थित	NA	NA	NA	NA
श्रीमती आनंदी रामलिंगम (07.07.2021 से सदस्य के रूप में नियुक्त)	कार्यपालक निदेशक	सदस्य	NA	NA	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित
डॉ. पार्थसारथी पी.वी. (06.01.2022 से सदस्य के रूप में नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	NA	NA	NA	NA	NA	उपस्थित
डॉ. संतोषकुमार एन (06.01.2022 से नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	NA	NA	NA	NA	NA	उपस्थित

स्वतंत्र निदेशक, गैर-कार्यपालक नामित निदेशक, कार्यपालक निदेशक, अध्यक्ष, सदस्य

✓ उपस्थित, NA लागू नहीं, LA अनुपस्थित

निदेशकों की पारिश्रमिक नीति और निष्पादन मूल्यांकन

बीईएल, केंद्र सरकार का सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम होने के नाते, निदेशकों (सीएमडी सहित कार्यात्मक निदेशक) की नियुक्ति, कार्यकाल और पारिश्रमिक सरकार द्वारा निर्धारित किया जाता है। सार्वजनिक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) / सर्च कमेटी के माध्यम से, नियुक्ति के नियमों और शर्तों को दर्शाता है, जिसमें कंपनी के प्रासंगिक नियमों के अनुसार नियुक्ति की अवधि, मूल वेतन, महंगाई भत्ता, आवास की पात्रता आदि जैसे घटकों के साथ वेतनमान शामिल हैं। सीएमडी सहित कार्यात्मक निदेशकों के वेतनमान, रक्षा मंत्रालय से प्राप्त राष्ट्रपति के निर्देशों द्वारा शासित होते हैं।

सरकार नामित निदेशकों को रक्षा मंत्रालय द्वारा (पदेन निदेशक के रूप में) नियुक्त किया जाता है और वे किसी भी पारिश्रमिक / बैठक शुल्क के हकदार नहीं होते।

गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है और वे सरकार के निर्देशों/सांविधिक नियमों और विनियमों के अनुपालन में बोर्ड द्वारा निर्धारित बोर्ड/समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए बैठक शुल्क के हकदार होते हैं।

प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों के संबंध में नियुक्ति/ पारिश्रमिक और अन्य मामले बीईएल भर्ती नियमों और प्रक्रियाओं द्वारा शासित होते हैं और निदेशक मंडल और/या सीएमडी द्वारा समय-समय पर जारी की जा सकने वाली नीतियों और निर्देशों के अधीन होते हैं। केएमपी और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों के वेतनमान रक्षा मंत्रालय से प्राप्त राष्ट्रपति के निर्देशों द्वारा शासित होते हैं।

स्वतंत्र निदेशक (निदेशकों) ने 25 मार्च 2022 को आयोजित स्वतंत्र निदेशक (निदेशकों) की एक अलग बैठक में अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, कार्यात्मक पूर्णकालिक निदेशकों, गैर-स्वतंत्र निदेशकों और बोर्ड के निष्पादन की समीक्षा की। सीएमडी सहित अलग-अलग निदेशकों के निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण मापदंडों जैसे जुड़ाव और योगदान के स्तर, निर्णय की स्वतंत्रता का प्रयोग, उद्देश्यों और लक्ष्यों की उपलब्धि, विभिन्न हितधारकों के हितों की सुरक्षा आदि के आधार पर निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए एक गतिविधि हाथ में ली गई थी। स्वतंत्र निदेशकों के निष्पादन मूल्यांकन का कार्य पूरे बोर्ड द्वारा किया गया था।

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान निदेशकों को दिया गया पारिश्रमिक निम्नानुसार है:

(राशि ₹ में)

निदेशक का नाम	पद 31.03.2022 तक	वेतन और भत्ते	निष्पादन से जुड़ा प्रोत्साहन	अन्य लाभ और अनुलाभ	कुल
श्री एम वी गौतमा (30.06.2021 से निदेशक नहीं रहे)	अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक	12,31,054	55,558	10,36,766	**23,23,378**
श्रीमती आनंदी रामलिंगम	निदेशक (विपणन), अतिरिक्त प्रभार - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशक (मानव संसाधन) एवं निदेशक (अन्य यूनिट्स)	41,58,526	14,77,488	23,77,216	**80,13,230**
श्री विनय कुमार कत्याल	निदेशक (बेंगलूरु परिसर)	37,07,999	13,16,381	21,02,721	**71,27,101**
श्री शिवकुमारन के एम (31.08.2021 से निदेशक नहीं रहे)	निदेशक (एचआर)	16,89,259	35,822	10,41,586	**27,66,667**
श्रीमती शिखा गुप्ता (07.05.2021 से निदेशक नहीं रहीं)	निदेशक (अन्य यूनिट्स)	4,43,039	28,222	2,20,531	**6,91,792**
श्री दिनेश कुमार बत्रा	निदेशक (वित्त) और सीएफओ	35,88,714	11,10,542	19,95,316	**66,94,572**
श्री एम वी राजशेखर	निदेशक (आर एंड डी)	40,78,135	10,56,205	13,51,497	**64,85,837**

अंशकालिक सरकारी (सरकारी/गैर-कार्यकारी) निदेशकों को बोर्ड/समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए कोई पारिश्रमिक या बैठक शुल्क नहीं दिया जाता। अंशकालिक स्वतंत्र (गैर-कार्यकारी) निदेशकों को बोर्ड की प्रत्येक बैठक और बोर्ड की समिति (समितियों) की बैठकों में भाग लेने के लिए ₹ 20,000 के बैठक शुल्क का भुगतान किया जाता है। 22 दिसंबर 2021 से अंशकालिक स्वतंत्र (गैर-कार्यकारी) निदेशकों को बोर्ड की प्रत्येक बैठक के लिए ₹ 30,000 और बोर्ड की प्रत्येक समिति (समितियों) की बैठक के लिए ₹ 25,000 की बैठक शुल्क का भुगतान किया जाता है। वर्ष 2021-22 के दौरान बोर्ड और समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए स्वतंत्र निदेशकों को भुगतान किए गए बैठक शुल्क का विवरण नीचे दिया गया है:

स्वतंत्र निदेशकों का नाम	राशि (₹)
श्री सुनील कुमार कोहली	9,60,000
डॉ. पार्थसारथी पी वी	1,10,000
श्री मनसुखभाई एस खचारिया	1,35,000
डॉ. संतोषकुमार एन	1,10,000
श्री प्रफुल्ल कुमार चौधुरी	1,60,000
डॉ. शिवनाथ यादव	1,60,000
श्री गोकुलन बी	85,000
श्रीमती श्यामा सिंह	55,000
कुल	**17,75,000**

कंपनी अपने निदेशकों को कोई कमीशन नहीं देती है। कंपनी ने अपने निदेशकों को कोई स्टॉक विकल्प जारी नहीं किया है। बैठक शुल्क प्राप्त करने और अपने कर्तव्यों के निर्वहन में किए गए खर्चों की प्रतिपूर्ति के अलावा, गैर-कार्यकारी निदेशकों में से किसी का वर्ष 2021-22 के दौरान कंपनी के साथ कोई आर्थिक संबंध या लेनदेन नहीं था।

हितधारकों की संबंध समिति

31 मार्च 2022 तक हितधारकों की संबंध समिति की संरचना कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 और लिस्टिंग विनियमों के विनियम 20 के अनुरूप है। हितधारक संबंध समिति की अध्यक्ष सुश्री जे मंजुला ने श्री राजशेखर एम वी, निदेशक (आर एंड डी) को उनकी ओर से 28 सितंबर 2021 को आयोजित कंपनी की 67 वीं वार्षिक आम बैठक में भाग लेने के लिए नामित किया है। श्री राजशेखर एम वी ने 28 सितंबर 2021 को आयोजित कंपनी की 67वीं वार्षिक आम बैठक में भाग लिया। हितधारक संबंध समिति के विचारार्थ विषय अधिनियम की धारा 178 और सूचीकरण विनियमों के भाग डी अनुसूची II के साथ पठित विनियम 20 में निर्दिष्ट हैं।

हितधारकों की संबंध समिति द्वारा किए गए कुछ कार्यों में शामिल हैं-

- कंपनी के सिक्योरिटी धारकों की शिकायतों का समाधान जिसमें शेयरों के हस्तांतरण/ट्रांसमिशन, वार्षिक रिपोर्ट प्राप्त न होने, घोषित लाभांश प्राप्त न होने, नए/डुप्लीकेट प्रमाण पत्र जारी करने, आम बैठक आदि से संबंधित शिकायतें शामिल हैं।
- शेयरधारकों द्वारा मतदान अधिकारों के प्रभावी प्रयोग के लिए किए गए उपायों की समीक्षा करना।
- रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न सेवाओं के संबंध में सूचीबद्ध कंपनी द्वारा अपनाए गए सेवा मानकों के पालन की समीक्षा करना।
- दावा रहित लाभांश की मात्रा को कम करने के लिए लिस्टेड कंपनी द्वारा किए गए विभिन्न उपायों और पहलों की समीक्षा करना और कंपनी के शेयरधारकों द्वारा लाभांश वारंट/वार्षिक रिपोर्ट/सांविधिक नोटिस की समय पर प्राप्ति सुनिश्चित करना।

वर्ष 2021-22 के दौरान हितधारकों की संबंध समिति की संरचना और उक्त समिति की बैठक में सदस्यों की भागीदारी का विवरण निम्नानुसार है:

नाम	श्रेणी	31 मार्च 2022 तक धारित पद	जनवरी 2022 को आयोजित हितधारक संबंध समिति की बैठक में उपस्थिति
श्री सुनील कुमार कोहली (31.12.021 से अध्यक्ष के रूप में नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष	उपस्थित
श्री के एम शिवकुमारन (31.08.2021 से सदस्य नहीं)	कार्यपालक निदेशक	-	लागू नहीं
श्रीमती शिखा गुप्ता (07.05.2021 से सदस्य नहीं)	कार्यपालक निदेशक	-	लागू नहीं
श्री दिनेश कुमार बत्रा	कार्यपालक निदेशक	सदस्य	उपस्थित
सुश्री मंजुला जे (31.12.021 से अध्यक्ष नहीं)	गैर-कार्यपालक नामित निदेशक	-	लागू नहीं
श्रीमती आनंदी रामलिंगम [अतिरिक्त प्रभार के रूप में - निदेशक (ओयू) और निदेशक (एचआर).	कार्यपालक निदेशक	सदस्य	उपस्थित
श्री मनसुखभाई एस खचारिया (31.12.2021 से सदस्य के रूप में नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	उपस्थित

स्वतंत्र निदेशक गैर-कार्यपालक नामित निदेशक कार्यपालक निदेशक अध्यक्ष सदस्य

उपस्थित NA लागू नहीं LA अनुपस्थित

शेयरधारकों से प्राप्त शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई की जाती है। वर्ष के दौरान शेयरधारकों से मुख्य रूप से लाभांश भुगतान और वार्षिक रिपोर्ट से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई और उनका समाधान किया गया। 31 मार्च 2022 तक कोई शिकायत लंबित नहीं थी। 2021-22 (सेबी स्कोर) के दौरान निवेशकों की शिकायतों का विवरण निम्नलिखित है:

प्राप्त शिकायतों की संख्या	समाधान की गई शिकायतों की संख्या	लंबित शिकायतों की संख्या
05	05	शून्य

अनुपालन अधिकारी

श्री एस. श्रीनिवास कंपनी सचिव और अनुपालन अधिकारी हैं। उनके संपर्क विवरण हैं-

श्री एस. श्रीनिवास
कंपनी सचिव
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
पंजीकृत एवं कार्पोरेट कार्यालय, आउटर रिंग रोड,
नागवारा, बेंगलूरु - 560045
टेलीफोन: 080-25039266, टेलीफैक्स: 080 25039266,
ईमेल: secretary@bel.co.in

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व समिति

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के प्रावधानों, उसके तहत बनाए गए नियमों (यथा संशोधित) और डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार, कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) समिति का गठन किया गया है। सीएसआर समिति के विचारार्थ मुख्य विषयों में सीएसआर नीति की समीक्षा करना और की अनुसूची-VII और समय-समय पर संशोधित डीपीई दिशानिर्देशों के तहत कंपनी द्वारा की जाने वाली गतिविधियों को इंगित करने के लिए इसे और अधिक व्यापक बनाना शामिल है। समिति के कुछ महत्वपूर्ण विचारार्थ विषय इस प्रकार हैं-

- कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व नीति और कंपनी द्वारा की जाने वाली गतिविधियों को तैयार करना, समीक्षा करना और बोर्ड को सिफारिश करना;
- कार्यक्रमों, वार्षिक कार्य योजना और शुरू की गई गतिविधियों पर किए जाने वाले व्यय की राशि की सिफारिश करना;
- कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के क्षेत्र में कंपनी के निष्पादन की समीक्षा करना;
- समय-समय पर कंपनी की कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व नीति की निगरानी करना।

वर्ष 2021-22 के दौरान सीएसआर समिति की संरचना और उक्त समिति की बैठकों में सदस्यों की भागीदारी का विवरण निम्नानुसार है:

सदस्य का नाम	श्रेणी	31 मार्च 2022 तक धारित पद	सीएसआर की इन बैठकों में उपस्थिति				
			28 मई 2021	29 जुलाई 2021	03 सितंबर 2021	27 जनवरी 2022	03 मार्च 2022
श्रीमती आनंदी रामलिंगम (सीएमडी के रूप में - 01.07.2021 से अतिरिक्त प्रभार)	गैर-कार्यपालक नामित निदेशक	अध्यक्ष	NA	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित
श्री एम वी गौतमा (30.06.2021 से अध्यक्ष नहीं)	गैर-कार्यपालक नामित निदेशक	-	उपस्थित	NA	NA	NA	NA
श्री के एम शिवकुमारन (31.08.2021 से सदस्य नहीं)	गैर-कार्यपालक नामित निदेशक	-	उपस्थित	उपस्थित	NA	NA	NA
श्रीमती शिखा गुप्ता (07.05.2021 से सदस्य नहीं)	गैर-कार्यपालक नामित निदेशक	-	NA	NA	NA	NA	NA
श्री विनय कुमार कत्याल (03.06.2021 से सदस्य के रूप में नियुक्त)	गैर-कार्यपालक नामित निदेशक	सदस्य	NA	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित
श्री दिनेश कुमार बत्रा	गैर-कार्यपालक नामित निदेशक	सदस्य	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित
श्री सुनील कुमार कोहली	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित
श्री मनसुखभाई शामजीभाई खाचरिया (31.12.2021 से सदस्य के रूप में नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	NA	NA	NA	उपस्थित	उपस्थित

स्वतंत्र निदेशक गैर-कार्यपालक नामित निदेशक अध्यक्ष सदस्य उपस्थित NA लागू नहीं

जोखिम प्रबंधन समिति

लिस्टिंग विनियमों के विनियम 21 की आवश्यकताओं के अनुसार, निदेशक मंडल ने निदेशक मंडल के अधिकांश सदस्यों के साथ जोखिम प्रबंधन समिति का गठन किया है। निदेशक मंडल जोखिम प्रबंधन समिति के माध्यम से जोखिम प्रबंधन की स्थिति की समीक्षा और निगरानी करता है, जो आंतरिक कॉर्पोरेट जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा पहचाने गए जोखिमों की जांच करता है, कंपनी में जोखिम प्रबंधन की वर्तमान स्थिति का आकलन करता है, जोखिम कम करने के उपायों के कार्यान्वयन और प्रभावशीलता की निगरानी और समीक्षा करता है। जोखिम प्रबंधन नीति कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.in पर पोस्ट की गई है। जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया पर एक आलेख प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट का एक हिस्सा है।

वर्ष 2021-22 के दौरान जोखिम प्रबंधन समिति की संरचना और उक्त समिति की बैठकों में सदस्यों की भागीदारी का विवरण निम्नानुसार है:

सदस्य का नाम	श्रेणी	31 मार्च 2022 तक धारित पद	आरएमसी की इन बैठकों में उपस्थिति	
			18 अक्टूबर 2021	03 मार्च 2022
श्रीमती आनंदी रामलिंगम	कार्यपालक निदेशक	अध्यक्ष	उपस्थित	उपस्थित
श्री विनय कुमार कत्याल	कार्यपालक निदेशक	सदस्य	उपस्थित	उपस्थित
श्रीमती शिखा गुप्ता (07.05.2021 से सदस्य नहीं)	कार्यपालक निदेशक	-	NA	NA
श्री दिनेश कुमार बत्रा	कार्यपालक निदेशक	सदस्य	उपस्थित	उपस्थित
श्री सुनील कुमार कोहली (22.06.2021 से सदस्य के रूप में नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	उपस्थित	उपस्थित
श्री राजशेखर एम वी (22.06.2021 से सदस्य के रूप में नियुक्त)	कार्यपालक निदेशक	सदस्य	उपस्थित	उपस्थित
श्रीमती हेमलता के. (31.01.2022 से सदस्य नहीं)	ई.डी. रणनीतिक योजना	-	उपस्थित	NA

स्वतंत्र निदेशक कार्यपालक निदेशक ई.डी. रणनीतिक योजना अध्यक्ष सदस्य उपस्थित NA लागू नहीं

स्वतंत्र निदेशकों की बैठक

वर्ष 2021-22 के दौरान, अन्य बातों के साथ-साथ, 25 मार्च 2022 को स्वतंत्र निदेशक (निदेशकों) की एक बैठक आयोजित की गई:

i. गैर-स्वतंत्र निदेशकों और पूरे बोर्ड के निष्पादन की समीक्षा करना;

ii. कार्यकारी और गैर-कार्यकारी निदेशकों के विचारों को ध्यान में रखते हुए, कंपनी के अध्यक्ष के निष्पादन की समीक्षा करना;

iii. कंपनी के प्रबंधन और बोर्ड के बीच सूचना के प्रवाह की गुणवत्ता, सामग्री और समय-सीमा का आकलन करना जो बोर्ड के लिए अपने कर्तव्यों को प्रभावी ढंग से और उचित रूप से करने के लिए आवश्यक है।

अन्य गैर-अनिवार्य समितियां

बोर्ड की निम्नलिखित उप समितियों का गठन किया गया है:

अनुसंधान एवं विकास समिति

प्रमुख अनुसंधान, विकास और इंजीनियरिंग प्रस्तावों पर विचार करने और उन्हें मंजूरी देने के लिए अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, स्वतंत्र निदेशक, निदेशक (वित्त) और निदेशक (आर एंड डी) को मिलाकर अनुसंधान एवं विकास समिति का गठन किया गया है।

पूंजी निवेश समिति

पूंजी निवेश समिति में स्वतंत्र निदेशक, निदेशक (वित्त), निदेशक (बेंगलूरु कॉम्प्लेक्स) और निदेशक (आर एंड डी) शामिल हैं और इसका गठन प्रमुख पूंजी निवेश प्रस्तावों पर विचार और अनुमोदन के लिए किया गया है।

शेयर ट्रांसफर समिति

शेयर ट्रांसफर, ट्रांसमिशन, डुप्लीकेट सर्टिफिकेट आदि पर विचार और अनुमोदन के लिए अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त) और निदेशक (आर एंड डी) को मिलाकर शेयर ट्रांसफर समिति का गठन किया गया है।

कंपनी सचिव ऊपर उल्लिखित बोर्ड की सभी समितियों के सचिव हैं।

आचार संहिता

कंपनी के निदेशक मंडल ने लिस्टिंग विनियमों और डीपीई दिशानिर्देशों के विनियम 17(5) के अनुसार सभी बोर्ड सदस्यों, केएमपी और कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन के लिए व्यावसायिक आचरण और नैतिकता की संहिता निर्धारित की है। व्यापार और नैतिकता आचार संहिता को कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.in पर पोस्ट किया गया है। सभी बोर्ड सदस्यों, केएमपी और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों ने 31 मार्च 2022 तक व्यापार और नैतिकता आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है। अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक द्वारा हस्ताक्षरित इस आशय की एक घोषणा इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है।

इनसाइडर ट्रेडिंग की रोकथाम और निष्पक्ष प्रकटीकरण के लिए संहिता

सेबी (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) विनियम, 2015 (संशोधित) के अनुसरण में, कंपनी ने इनसाइडर द्वारा ट्रेडिंग के विनियमन, निगरानी और रिपोर्टिंग के लिए एक आचार संहिता और अप्रकाशित मूल्य के उचित प्रकटीकरण के लिए अभ्यास और प्रक्रिया संहिता बनाई है। निदेशक मंडल द्वारा विधिवत अनुमोदित संवेदनशील जानकारी (अबसे कोड के रूप में संदर्भित)। यह कोड उन सभी नामित व्यक्तियों पर लागू होता है, जिनमें उनके निकटतम रिश्तेदार शामिल हैं, जो मूल्य संवेदनशील जानकारी और सेबी (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) विनियम, 2015 में परिभाषित किसी भी अन्य से जुड़े हुए हैं। कंपनी सचिव संहिता के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार हैं। इस संहिता को कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.in पर पोस्ट किया गया है।

सहायक कंपनियां

31 मार्च 2022 तक कंपनी के पास कोई भी महत्वपूर्ण असूचीबद्ध भारतीय सहायक कंपनी नहीं है। कंपनी की लेखा परीक्षा समिति कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों के साथ-साथ लेखा परीक्षित वार्षिक वित्तीय विवरणों की समीक्षा करती है, जिसमें सहायक कंपनियों के तिमाही परिणाम शामिल हैं, जिसमें सहायक कंपनियों के द्वारा किए गए निवेश भी शामिल हैं। कंपनी की गैर-सूचीबद्ध सहायक कंपनियों के महत्वपूर्ण लेनदेन और व्यवस्थाओं की एक रिपोर्ट के साथ बोर्ड की बैठकों के कार्यवृत्त कंपनी के निदेशक मंडल के समक्ष रखे जाते हैं। महत्वपूर्ण सहायक कंपनियों पर एक नीति तैयार की गई है और कंपनी की वेबसाइट पर पोस्ट की गई है: https://www.bel-india.in/ContentPage.aspx?MId=17&CId=527&LId=1&link=527

राष्ट्रपति के निर्देश और दिशानिर्देश

आपकी कंपनी राष्ट्रपति के निर्देशों और समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन कर रही है।

सीईओ/सीएफओ प्रमाणन

लिस्टिंग विनियमों और डीपीई दिशानिर्देशों के तहत आवश्यक, सीईओ और सीएफओ प्रमाणपत्र इस रिपोर्ट के साथ संलग्न हैं।

शेयर पूंजी लेखा परीक्षा का मिलान

सेबी (डिपॉजिटरी एंड पार्टिसिपेंट्स) रेगुलेशन, 2018 के विनियम 76 के अनुसार, कंपनी नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल), और कुल जारी और सूचीबद्ध पूंजी के साथ भौतिक होल्डिंग के साथ कुल स्वीकृत पूंजी का मिलान करने के लिए प्रत्येक तिमाही में एक प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरी से शेयर कैपिटल ऑडिट रिपोर्ट (आरएससीएआर) का मिलान प्राप्त करती है। आरएससीएआर पुष्टि करता है कि कुल जारी / प्रदत्त पूंजी भौतिक रूप में शेयरों की कुल संख्या और एनएसडीएल और सीडीएसएल के पास रखे गए डीमैटरियलाइज्ड शेयरों की कुल संख्या के अनुरूप है। आरएससीएआर को स्टॉक एक्सचेंजों (बीएसई और एनएसई) को अग्रेषित किया जाता है।

डीपीई ग्रेडिंग

सीपीएसई के लिए कॉरपोरेट गवर्नेंस पर डीपीई दिशानिर्देश प्रदान करते हैं कि सीपीएसई को दिशानिर्देशों के अनुपालन के आधार पर वर्गीकृत किया जाएगा। डीपीई ने वर्ष 2021-22 के लिए बीईएल को 'उत्कृष्ट' श्रेणी में रखा है।

निवेशक शिक्षण और सुरक्षा कोष खाते में हस्तांतरण

निवेशक शिक्षण और संरक्षण निधि प्राधिकरण (लेखा, लेखा परीक्षा, हस्तांतरण और धनवापसी) नियम, 2016 (संशोधित) के साथ पठित अधिनियम की धारा 124 और 125 के अनुसार, लाभांश, यदि भुगतान की तारीख से सात साल की अवधि के लिए दावा नहीं किया गया है तो कंपनी के अदत्त लाभांश खाते में हस्तांतरण, निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष (आईईपीएफ) में हस्तांतरित किए जाने के लिए उत्तरदायी हैं। इसके अलावा, सभी शेयर जिनके संबंध में लाभांश अदत्त लाभांश खाते में स्थानांतरण की तारीख से लगातार सात वर्षों या उससे अधिक के लिए दावा नहीं किया गया है, उन्हें भी आईईपीएफ प्राधिकरण को हस्तांतरित कर दिया जाएगा। उक्त आवश्यकता उन शेयरों पर लागू नहीं होती है जिनके संबंध में न्यायालय, न्यायाधिकरण या सांविधिक प्राधिकरण का एक विशिष्ट आदेश है, जो शेयरों के किसी भी हस्तांतरण को रोकता है।

वर्ष 2021-22 के दौरान, कंपनी ने अंतिम लाभांश 2013-14 और अंतरिम लाभांश 2014-15 से संबंधित दावारहित/ अदत्त राशि आईईपीएफ को हस्तांतरित की। दावारहित/ अदत्त लाभांश राशि वर्ष 2014-15 के लिए अंतिम लाभांश से संबंधित है और वर्ष 2015-16 के लिए अंतरिम लाभांश 2022-23 के दौरान आईईपीएफ को हस्तांतरण के कारण है। कंपनी ने अपनी वेबसाइट www.bel-india.in पर 'निवेशक - लाभांश' शीर्षक से एक अलग पृष्ठ में दावारहित लाभांश का विवरण और अदत्त लाभांश का दावा करने के लिए मार्गदर्शन जानकारी पोस्ट की है। शेयरधारकों से अनुरोध है कि अदत्त/ दावारहित लाभांश का दावा करने के लिए वहां दिए गए दावा प्रपत्र का उपयोग करें। आईईपीएफ को हस्तांतरित शेयरों का विवरण आईईपीएफ और कंपनी की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

आईईपीएफ को हस्तांतरित किए गए लाभांश/शेयरों के संबंध में, शेयरधारक आईईपीएफ प्राधिकरण (लेखा, लेखा परीक्षा, स्थानांतरण और वापसी) नियम, 2016 के तहत निर्धारित प्रक्रिया का पालन करके आईईपीएफ प्राधिकरण से इसका दावा कर सकते हैं।

आम सभा की बैठकें

(क) जहां पिछली तीन एजीएम आयोजित की गई थीं उनका स्थान और समय: पिछली तीन वार्षिक आम बैठकों का विवरण इस प्रकार है:

साल	स्थान	दिनांक समय
2018-19	कलिंगा हॉल, होटल ललित अशोक, कुमार कृपा हाई ग्राउंड्स, बेंगलूरु - 560001	16 सितंबर 2019 अपराह्न 03:30 बजे
2019-20	वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ("वीसी") / अन्य ऑडियो विजुअल माध्यम (ठओएवीएमठ) के माध्यम से	30 सितंबर 2020 पूर्वाह्न 10:00 बजे
2020-21	वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ("वीसी") / अन्य ऑडियो विजुअल माध्यम ("ओएवीएम") के माध्यम से	28 सितंबर 2021 पूर्वाह्न 10:00 बजे

(ख) पिछले तीन एजीएम में पारित विशेष प्रस्ताव: 16 सितंबर 2019 को आयोजित 65वीं वार्षिक आम बैठक में मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन में उद्देश्य खंड के परिवर्तन के लिए विशेष प्रस्ताव पारित किया गया था।

(ग) पिछले साल पोस्टल बैलेट से पारित हुआ विशेष प्रस्ताव - वोटिंग पैटर्न का विवरण: 2021-22 के दौरान पोस्टल बैलेट के जरिए कोई विशेष प्रस्ताव पारित नहीं किया गया।

(घ) पोस्टल बैलेट प्रयोग करने वाले व्यक्ति : लागू नहीं।

(ङ) पोस्टल बैलेट के माध्यम से प्रस्तावित विशेष संकल्प: फिलहाल पोस्टल बैलेट के माध्यम से विशेष प्रस्ताव पारित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(च) पोस्टल बैलेट की प्रक्रिया: लागू नहीं।

संचार के माध्यम

जैसा कि लिस्टिंग विनियमों के तहत आवश्यक है, कंपनी स्टॉक एक्सचेंजों को बोर्ड की बैठकों के लिए अग्रिम रूप से एक नोटिस जारी करती है, जिसमें गैर-लेखापरीक्षित / लेखा परीक्षित वित्तीय परिणाम विचार के लिए होते हैं। कंपनी के त्रैमासिक (अलेखापरीक्षित) और वार्षिक (लेखापरीक्षित) वित्तीय परिणाम एनएसई इलेक्ट्रॉनिक एप्लिकेशन प्रोसेसिंग सिस्टम (एनईएपीएस) और बीएसई लिस्टिंग सेंटर पर लिस्टिंग विनियमों की आवश्यकताओं के अनुसार अपलोड किए जाते हैं। स्वीकृत वित्तीय परिणाम बोर्ड की बैठक के समापन के 48 घंटों के भीतर पूरे या काफी हद तक पूरे भारत में प्रसारित होने वाले कम से कम एक अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र में और क्षेत्रीय भाषा (कन्नड़) में प्रकाशित एक दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित किए जाते हैं, जहां कंपनी का पंजीकृत कार्यालय स्थित है और कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.in पर भी अपलोड किया जाता है।

कंपनी स्टॉक एक्सचेंज को खुलासा करती है, सेबी विनियमों की अनुसूची III के भाग ए के साथ पठित विनियम 30 के तहत खुलासा करने के लिए आवश्यक सभी जानकारी जिसमें कंपनी के निष्पादन / संचालन या अन्य मूल्य संवेदनशील जानकारी पर असर डालने वाली सामग्री जानकारी शामिल है। आधिकारिक मीडिया विज्ञप्तियां और संस्थागत निवेशकों/विश्लेषकों को दी गई प्रस्तुतियां कंपनी की वेबसाइट पर पोस्ट की जाती हैं।

लिस्टिंग विनियमों के विनियम 46 के अनुपालन में, कंपनी अपनी वेबसाइट पर सूचना प्रसारित करती है जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ निदेशक मंडल की विभिन्न समितियों के निदेशक मंडल की संरचना, आचार संहिता, आरपीटी से निपटने की नीति, निवेशकों की शिकायतों आदि की सहायता और प्रबंधन के लिए जिम्मेदार कंपनी के नामित अधिकारी की संपर्क जानकारी शामिल है।

शेयरधारकों के लिए सामान्य जानकारी

वार्षिक आम बैठक

दिनांक : 30 अगस्त 2022

समय : सुबह 10:00 बजे (आईएसटी)

स्थान: कंपनी की 68वीं वार्षिक आम बैठक एमसीए के सामान्य परिपत्र संख्या 14/2020 दिनांक 8 अप्रैल 2020, 17/2020 दिनांक 13 अप्रैल

2020, 20/2020 दिनांक 5 मई 2020, नवीनतम 2/2022 दिनांक 5 मई 2022 और भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) परिपत्र संख्या सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएमडी2/सीआईआरपी/पी/2022/62 दिनांक 13 मई 2022 के अनुसार वीसी/ओएवीएम के माध्यम से आयोजित की जाएगी और इसलिए तरह एजीएम के लिए स्थल की कोई आवश्यकता नहीं है। अधिक जानकारी के लिए कृपया कंपनी की 68वीं एजीएम की सूचना देखें।

वित्तीय कैलेंडर 2022-23

वित्तीय वर्ष : 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023

पहली तिमाही के नतीजे	: जुलाई 2022 के अंत तक
दूसरी तिमाही के नतीजे	: अक्टूबर 2022 के अंत तक
तीसरी तिमाही के नतीजे	: जनवरी 2023 के अंत तक
वार्षिक लेखापरीक्षित नतीजे	: मई 2023 के अंत तक
वार्षिक आम बैठक	: अगस्त/सितंबर 2023

बही बंदी

11 अगस्त 2022 से 14 अगस्त 2022 तक (दोनों दिन सम्मिलित)।

लाभांश भुगतान तिथि

लाभांश का भुगतान घोषणा की तारीख से 30 दिनों के भीतर किया जाएगा।

स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्टिंग

बीईएल के शेयर वर्तमान में निम्नलिखित स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं:

(1) बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड (बीएसई)
फिरोज जीजीबॉय टावर्स
दलाल स्ट्रीट, मुंबई - 400 001

(2) नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई)
एक्सचेंज प्लाजा, प्लॉट नंबर सी/1, जी ब्लॉक
बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (ई)
मुंबई - 400 051

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2021-22 और 2022-23 के लिए दोनों स्टॉक एक्सचेंजों को लिस्टिंग शुल्क का भुगतान किया है।

संबंधित स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा कंपनी के इक्विटी शेयरों को सौंपा गया स्टॉक कोड और कंपनी के इक्विटी शेयरों के डीमैट व्यापार के लिए डिपॉजिटरी द्वारा सौंपा गया आईएसआईएन नंबर नीचे दिया गया है:

स्टॉक एक्सचेंज	स्टॉक कोड
बीएसई लिमिटेड	500049
नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड	बीईएल
आईएसआईएन	INE263A01024
सीआईएन	L32309KA1954GOI000787

डिपॉजिटरी को कस्टडी फीस

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2020-21 और 2022-23 के लिए दोनों डिपॉजिटरी, अर्थात, नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (NSDL) और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (CDSL) को वार्षिक कस्टडी शुल्क का भुगतान किया है।

रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट

इंटीग्रेटेड रजिस्ट्री मैनेजमेंट सर्विसेज प्रा. लिमिटेड, बेंगलूरु, सेबी पंजीकृत श्रेणी- I रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट कंपनी का रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट (आरटीए) है [सेबी रजि. संख्या: INR000000544] आरटीए का पता सभी शेयर ट्रांसफर / ट्रांसमिशन / स्प्लिट /कॉन्सोलिडेशन / डुप्लीकेट सर्टिफिकेट जारी करने/पते के अनुरोध / डीमैटरियलाइजेशन / रीमैटरियलाइजेशन अनुरोध और संबंधित मामलों के साथ-साथ सभी लाभांश संबंधी प्रश्नों और शिकायतों आदि को अग्रेषित करने के लिए नीचे दिया गया है ।

कंपनी के आरटीए का पता और संपर्क विवरण:

इंटीग्रेटेड रजिस्ट्री मैनेजमेंट सर्विसेज प्रा. लिमिटेड
नंबर 30, रमना रेजीडेंसी, चौथा क्रॉस संपिगे रोड,
मल्लेस्वरम बेंगलूरु - 560 003
टेलीफोन: 080-23460815/16/17/18
फैक्स: 080 23460819
ई-मेल: irg@integratedindia.in.

शेयर ट्रांसफर सिस्टम

सेबी लिस्टिंग विनियमों के विनियम 40(1), समय-समय पर संशोधित के अनुसार, प्रतिभूतियों के ट्रांसमिशन या ट्रांसपोज़िशन के लिए प्राप्त अनुरोध के मामले को छोड़कर, प्रतिभूतियों को केवल 1 अप्रैल 2019 से डीमैट रूप में हस्तांतरित किया जा सकता है। हालांकि, शेयरधारकों को भौतिक रूप में शेयर रखने से रोक नहीं है। भौतिक रूप में शेयर धारित करने वाले सदस्यों से अनुरोध है कि वे अपनी धारिता को डीमेटेरियलाइज रूप में परिवर्तित करने पर विचार करें। इलेक्ट्रॉनिक रूप में इक्विटी शेयरों का हस्तांतरण कंपनी की भागीदारी के बिना डिपॉजिटरी के माध्यम से किया जाता है।

शेयरों और लिक्विडिटी का डीमटेरियलाइजेशन

कंपनी के शेयरों का बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) पर अनिवार्य रूप से डीमैट रूप में कारोबार किया जाता है। 31 मार्च 2022 तक, कंपनी के कुल इक्विटी शेयरों में से 99.99% एनएसडीएल और सीडीएसएल के पास डीमैट रूप में निवेशकों के पास हैं। डिपॉजिटरी सिस्टम के तहत, कंपनी के शेयरों को आवंटित अंतरराष्ट्रीय प्रतिभूति पहचान संख्या (आईएसआईएन) आईएनई263A01024 है।

कंपनी के शेयर काफी लिक्विड हैं और बीएसई और एनएसई में सक्रिय रूप से कारोबार कर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2021-22 के टर्नओवर के प्रासंगिक आंकड़े नीचे दिए गए हैं:

विवरण	बीएसई	एनएसई	कुल
व्यवहरित शेयरों की संख्या	14,43,75,999	2,49,00,67,961	2,63,56,09,837
मूल्य (₹ लाख में)	2,63,256	44,27,006	46,92,614

बाजार मूल्य डेटा

बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) में कंपनी के शेयरों के उच्च/निम्न बाजार मूल्यों का विवरण निम्नानुसार है।

अप्रैल, 2021 से मार्च, 2022 तक बीएसई सेंसेक्स की तुलना में बीएसई पर बीईएल शेयर की कीमत।

महीना	बीएसई सेंसेक्स बंद	बीईएल शेयर मूल्य			ट्रेड किए गए शेयरों की संख्या	कारोबार (₹ लाख में)
		उच्च (₹ में)	निम्न (₹ में)	बंद (₹ में)		
अप्रैल 2021	48,782	136.40	120.55	131.80	98,81,905	12,704
मई 2021	51,937	160.00	128.95	145.35	2,04,22,381	30,082
जून 2021	52,483	178.90	140.50	178.00	1,96,73,801	31,548
जुलाई 2021	52,587	191.60	177.15	184.70	1,42,88,351	26,131
अगस्त 2021	57,552	187.40	162.40	186.70	1,03,64,821	18,210
सितंबर 2021	59,126	212.50	186.55	202.65	92,52,898	18,665
अक्टूबर 2021	59,307	221.50	183.45	206.90	96,00,135	19,732
नवंबर 2021	57,065	227.95	188.85	203.45	73,54,078	15,550
दिसंबर 2021	58,254	214.60	191.95	209.90	2,04,48,996	42,659
जनवरी 2022	58,014	222.80	193.90	209.70	99,69,740	20,767
फरवरी 2022	56,247	212.25	186.90	210.30	62,84,390	12,654
मार्च 2022	58,569	226.40	203.30	210.85	68,34,503	14,553

वर्ष 2021-22 के दौरान बीएसई सेंसेक्स की बंद स्थिति के साथ बीएसई पर कंपनी के शेयर मूल्य के बंद कोटेशन की तुलना निम्नलिखित ग्राफ में प्रस्तुत की गई है:

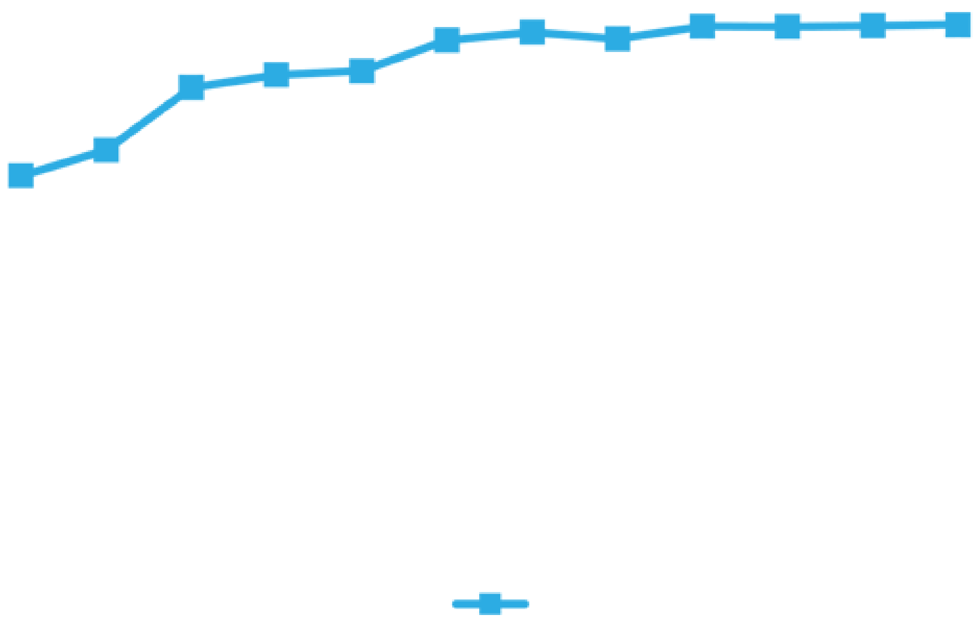

अप्रैल, 2021 से मार्च, 2022 तक एनएसई निफ्टी की तुलना में एनएसई पर बीईएल शेयर की कीमत।

महीना	एनएसई निफ्टी बंद	बीईएल शेयर मूल्य उच्च (₹ में)	बीईएल शेयर मूल्य निम्न (₹ में)	बीईएल शेयर मूल्य बंद (₹ में)	ट्रेड किए गए शेयरों की संख्या	कारोबार (₹ लाख में)
अप्रैल 2021	14,631	136.45	120.50	131.75	19,44,14,850	2,50,203
मई 2021	15,583	160.00	128.85	145.40	50,18,42,165	7,45,135
जून 2021	15,722	178.90	140.50	178.00	39,55,87,024	6,38,755
जुलाई 2021	15,763	191.70	177.10	184.65	19,62,88,011	3,59,951
अगस्त 2021	17,132	187.40	162.35	186.65	19,12,46,700	3,35,852
सितंबर 2021	17,618	212.45	186.55	202.95	15,74,32,400	3,16,866
अक्टूबर 2021	17,672	221.50	183.45	206.85	13,31,28,697	2,75,481
नवंबर 2021	16,983	228.00	188.80	203.75	13,65,49,940	2,88,175
दिसंबर 2021	17,354	214.70	191.65	209.95	12,25,34,669	2,53,929
जनवरी 2022	17,340	222.80	194.20	209.70	13,60,16,272	2,85,675
फरवरी 2022	16,794	212.45	187.00	210.45	12,75,03,918	2,57,284
मार्च 2022	17,465	226.50	203.25	210.80	19,75,23,315	4,19,701

वर्ष 2021-22 के दौरान एनएसई निफ्टी की क्लोजिंग पोजीशन के साथ एनएसई पर कंपनी के शेयर की कीमत के क्लोजिंग कोटेशन की तुलना निम्नलिखित ग्राफ में प्रस्तुत की गई है:

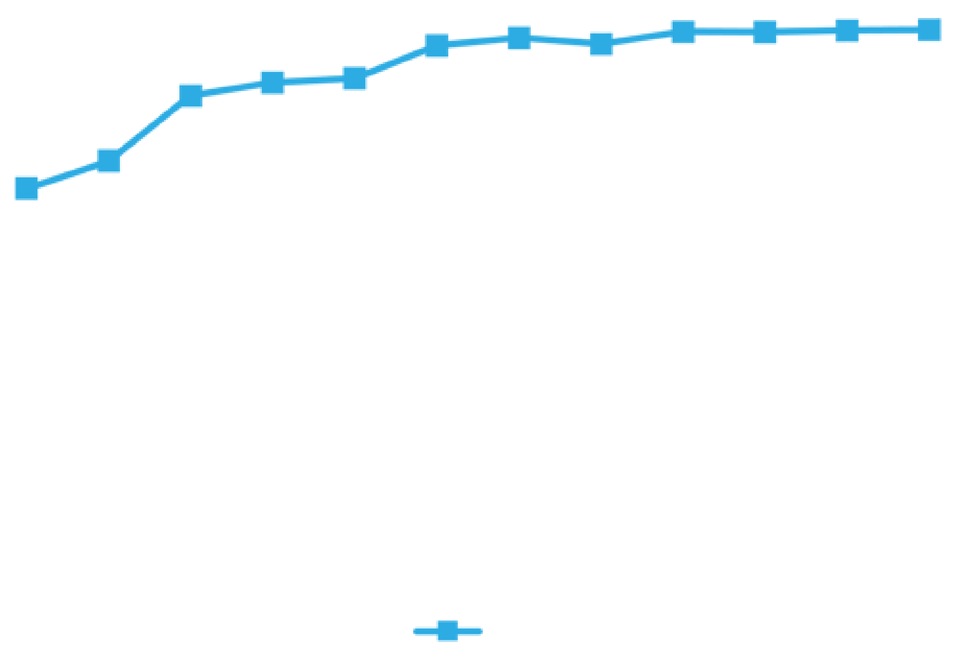

31 मार्च 2022 तक श्रेणी-वार शेयरधारकों का पैटर्न

क्र.	श्रेणी	शेयरधारकों की संख्या	शेयरों की संख्या	होल्डिंग का %
1	केन्द्र सरकार	1	1,24,59,73,978	51.14
2	म्युचुअल फंड / यूटीआई	153	52,95,97,535	21.74
3	वित्तीय संस्थान / बैंक	3	21,000	0.00
4	वैकल्पिक निवेश कोष	12	13,09,360	0.05
5	बीमा कंपनी	64	10,49,25,828	4.31
6	विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक	618	40,86,38,455	16.76
7	भविष्य निधि / पेंशन निधि	27	1,49,40,145	0.61
8	निकाय कॉर्पोरेट	1,087	82,24,324	0.34
9	व्यक्ति	4,22,221	11,49,32,067	4.72
10	न्यास	28	6,22,263	0.03
11	एनआरआई	6,599	58,59,701	0.24
12	विदेशी व्यक्ति	0	0	0.00
13	समाशोधन सदस्य	220	15,25,767	0.06
14	निवेशक शिक्षण और संरक्षण कोष प्राधिकरण कॉर्पोरेट मंत्रालय	1	22,520	0.00
	कुल	**4,31,034**	**2,43,65,92,943**	**100.00**

31 मार्च 2022 तक शीर्ष 10 शेयरधारक (प्रवर्तकों के अलावा) (पैन के आधार पर)

क्र.	शेयरधारक का नाम	शेयरों की संख्या	होल्डिंग का %
1	एचडीएफसी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड - ए / सी एचडीएफसी मिड-कैप अपॉर्चुनिटीज फंड	12,65,04,722	5.19
2	सीपीएसई एक्सचेंज ट्रेडेड स्कीम (सीपीएसई ईटीएफ)	10,86,96,187	4.46
3	कोटक फ्लेक्सीकैप फंड	9,33,06,845	3.83
4	मिराए एसेट लार्ज कैप फंड	4,69,15,239	1.93
5	भारतीय जीवन बीमा निगम	3,10,78,770	1.28
6	एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	2,34,62,194	0.96
7	फिडेलिटी इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट फिडेलिटी सीरीज इमर्जिंग मार्केट्स अपॉर्चुनिटीज फंड	2,19,50,700	0.90
8	फ्रैंकलिन इंडिया फ्लेक्सी कैप फंड	1,90,60,749	0.78
9	एसबीआई ब्लू चिप फंड	1,85,00,000	0.76
10	भारत 22 ईटीएफ	1,69,55,928	0.70

31 मार्च 2022 तक शेयरधारिता का वितरण

धारित इक्विटी शेयरों की संख्या	शेयरधारकों की संख्या	%	शेयरों की संख्या	%
500 तक	3,91,809	90.90	3,26,28,709	1.34
501 - 1000	19,499	4.52	1,51,46,088	0.62
1,001-2,000	10,799	2.51	1,55,83,000	0.64
2,001-3,000	2,808	0.65	70,98,118	0.29
3,001-4,000	1,663	0.39	58,13,097	0.24
4,001-5,000	940	0.22	44,24,940	0.18
5,001-10,000	1,608	0.37	1,15,68,300	0.47
10001 और अधिक	1,908	0.44	2,34,43,30,691	96.21
कुल	**4,31,034**	**100.00**	**2,43,65,92,943**	**100.00**

बकाया जीडीआर/एडीआर/वारंट या कोई कन्वर्टीबल इंस्टुमेंट, रूपांतरण तिथि और इक्विटी पर संभावित प्रभाव:

कंपनी ने अतीत में कोई जीडीआर/एडीआर/वारंट या कोई कन्वर्टीबल इंस्टुमेंट जारी नहीं किया है और इसलिए, 31 मार्च 2022 तक, कंपनी के पास कोई बकाया जीडीआर/एडीआर/वारंट या कोई कन्वर्टीबल इंस्टुमेंट नहीं है।

कमोडिटी मूल्य जोखिम या विदेशी मुद्रा जोखिम और हैजिंग गतिविधियां: विवरण वार्षिक रिपोर्ट में खातों की टिप्पणियों के नोट संख्या 34 में खुलासा किया गया है।

संयंत्र स्थान

1. जालहल्ली पोस्ट, बेंगलूरु - 560013 (कर्नाटक)।
2. साइट IV, साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र, भारत नगर पोस्ट, गाजियाबाद - 201010 (उत्तर प्रदेश)।
3. प्लॉट नंबर 405, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज III, पंचकूला - 134113 (हरियाणा)।
4. बलभद्रपुर, जिला पौड़ी गढ़वाल, कोटद्वार - 246149, (उत्तराखंड)।

5. प्लॉट नंबर L-1, एमआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया, नवी मुंबई - 410208।

6. एनडीए रोड, पाषाण, पुणे - 411021 (महाराष्ट्र)।

7. इंडस्ट्रियल एस्टेट, नाचारम, हैदराबाद - 500076 (तेलंगाना)।

8. पोस्ट बॉक्स नंबर 26, रवींद्रनाथ टैगोर रोड, मछलीपट्टनम - 521001 (आंध्र प्रदेश)

9. पोस्ट बॉक्स नंबर 981, नंदमबाक्कम, चेन्नई - 600089 (तमिलनाडु)

पत्रव्यवहार हेतु पता

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय और कॉर्पोरेट कार्यालय,
आउटर रिंग रोड, नागवारा, बेंगलूरु - 560045
टेलीफोन: (080) 25039300, फैक्स: (080) 25039233
ई-मेल: secretary@bel.co.in
वेबसाइट: www.bel-india.in

क्रेडिट रेटिंग

ICRA (क्रेडिट रेटिंग एजेंसी) ने कंपनी की निम्नलिखित क्रेडिट रेटिंग की पुष्टि की है:

(i) क्रेडिट की निधि आधारित सीमा 500 करोड़ रु. और दीर्घावधि - अनआवंटित 300 करोड़ रु. के लिए डआईसीआरए.की दीर्घावधि रेटिंग एएए (घोषित आईसीआरए ट्रिपल ए)।

(ii) क्रेडिट की गैर-निधि आधारित सीमा 4,500 करोड़ रु. के लिए डआईसीआरए. की अल्पावधि रेटिंग ए1+ (घोषित आईसीआरए ए वन प्लस)।

दीर्घावधि रेटिंग पर आउटलुक 'स्थिर' है। ये रेटिंग दीर्घ और अल्प अवधि में उच्चतम क्रेडिट गुणवत्ता दर्शाती हैं। इन श्रेणियों में रेटेड दस्तावेजों में दीर्घावधि और अल्पावधि में सबसे कम क्रेडिट जोखिम होता है। ये रेटिंग 12 फरवरी, 2023 तक वैध हैं।

अन्य खुलासे -

(क) कंपनी ऐसे किसी भी महत्वपूर्ण संबंधित पार्टी लेनदेन में शामिल नहीं हुई है जिससे बड़े पैमाने पर कंपनी के हितों के साथ संभावित टकराव हो सकता है। वित्तीय वर्ष के दौरान संबंधित पार्टियों के साथ किए गए लेन-देन व्यवसाय के सामान्य क्रम में और स्वतंत्र संव्यहार के आधार पर थे और लेखापरीक्षा समिति द्वारा अनुमोदित किए गए थे। फिर भी, संबंधित पक्षों के साथ लेनदेन का खुलासा वार्षिक रिपोर्ट में खातों की टिप्पणियों के नोट संख्या 31 में किया गया है। संबंधित पार्टी लेनदेन के लिए बोर्ड की अनुमोदित नीति को कंपनी की वेबसाइट https://www.bel-india.in/ContentPage.aspx?MId=17&CId=527&LId=1&link=527 पर रखा गया है और इसे देखा जा सकता है।

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान पूंजी बाजार से संबंधित किसी भी मामले पर कंपनी द्वारा गैर-अनुपालन, स्टॉक एक्सचेंज (जों) या बोर्ड या किसी वैधानिक प्राधिकरण द्वारा कंपनी पर लगाए गए दंड का विवरण;

एनएसई और बीएसई ने विनियमन 17 (1) के प्रावधान - एक स्वतंत्र महिला निदेशक सहित पर्याप्त संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति, 18(1) - लेखा परीक्षा समिति की संरचना और 19(1)/ (2) नामांकन और पारिश्रमिक समिति की संरचना का पालन न करने पर जुर्माना लगाया है। बोर्ड ने सुझाव दिया कि एनएसई और बीएसई को डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार कंपनी द्वारा अपनाई जाने वाली निदेशकों की नियुक्ति की प्रक्रिया के बारे में सूचित किया जाना चाहिए कि सरकारी कंपनी होने के नाते स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा की जाती है। इसलिए, एनएसई और बीएसई द्वारा बीईएल पर लगाए गए दंड को माफ किया जा सकता है। तदनुसार, बीएसई और एनएसई को जवाब भेजा गया था और कोई जुर्माना नहीं दिया गया है।

(ग) कंपनी ने एक सतर्क तंत्र स्थापित किया है और निदेशकों और कर्मचारियों के लिए अनैतिक व्यवहार, वास्तविक या संदिग्ध धोखाधड़ी या कंपनी की व्यावसायिक आचार संहिता और नैतिकता नीति के उल्लंघन के बारे में चिंताओं की रिपोर्ट करने के लिए एक व्हिसल ब्लोअर नीति अपनाई है। कर्मचारियों को अपनी किसी भी चिंता को व्हिसल ब्लोइंग के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और किसी भी कर्मचारी को लेखा परीक्षा समिति तक पहुंच से वंचित नहीं किया गया है। व्हिसल ब्लोअर पॉलिसी कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.in पर उपलब्ध है।

(घ) वर्ष 2021-22 के दौरान, निदेशक मंडल ने अपनी समितियों की उन सभी सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है जिनकी अनिवार्य रूप से आवश्यकता थी।

(ङ) लिस्टिंग विनियमों के विनियम 32 (7ए) में निर्दिष्ट अनुसार कंपनी ने अधिमान्य आवंटन या योग्य संस्थानों के प्लेसमेंट के माध्यम से कोई धन नहीं जुटाया है।

(च) कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों द्वारा सांविधिक लेखापरीक्षक और नेटवर्क में सभी संस्थाओं फर्म/नेटवर्क यूनिट, जिसका सांविधिक लेखापरीक्षक एक हिस्सा है, को वर्ष 2021-22 के दौरान समेकित आधार पर सभी सेवाओं के लिए भुगतान किए गए कुल शुल्क का विवरण नीचे दिया गया है:

विवरण	राशि (₹ लाख में)
लेखा - परीक्षण शुल्क	34
कर लेखा परीक्षा शुल्क	9
अन्य सेवाएं	5
व्यय की प्रतिपूर्ति	12
कुल	**60**

(छ) वित्तीय वर्ष के दौरान यौन उत्पीड़न से संबंधित दायर, निपटाए गए और लंबित शिकायतों का विवरण बोर्ड की रिपोर्ट से जुड़ी व्यावसायिक जिम्मेदारी रिपोर्ट में दिया गया है।

(ज) इसके व्यवसाय से प्रत्यक्ष रूप से संबंधित या उसके आनुषंगिक व्यय के अलावा अन्य कोई भी मद को बहीखातों में डेबिट नहीं किया गया है, जो इसके कर्मचारियों/पूर्व कर्मचारियों के कल्याण के लिए, इसके कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व को पूरा करने के लिए खर्च की गई थी।

(झ) निदेशक मंडल और शीर्ष प्रबंधन के लिए किए गए खर्च कंपनी के नियमों के तहत अनुमत वेतन, भत्ते, अनुलाभ, लाभ और बैठक शुल्क की प्रकृति में हैं। निदेशक मंडल और शीर्ष प्रबंधन के लिए कोई अन्य खर्च नहीं किया गया है, जो प्रकृति में व्यक्तिगत हैं।

(ञ) कुल व्यय के प्रतिशत के रूप में प्रशासनिक और कार्यालय व्यय और वृद्धि के कारण, यदि कोई हो:

वर्ष 2021-22 के लिए प्रशासनिक और कार्यालय खर्च कुल खर्च का 2.51% था, जो पिछले वर्ष में 2.11% था।

गैर-अनुपालन का विवरण

बीईएल के निदेशक मंडल की संरचना में कार्यकारी निदेशकों का एक उपयुक्त मिश्रण है, जिसमें सीएमडी और गैर-कार्यकारी निदेशक शामिल हैं, जिनका प्रतिनिधित्व सरकारी नामितों और स्वतंत्र निदेशकों द्वारा किया जाता है। चूंकि अध्यक्ष कार्यकारी निदेशक हैं, अत: बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों की संख्या आधी होती है। वर्ष के दौरान एक महिला स्वतंत्र निदेशक सहित स्वतंत्र निदेशकों की अस्थायी रिक्तियां थीं। पांच (5) स्वतंत्र निदेशक 28/12/2021 से, एक (1) स्वतंत्र निदेशक 20/01/2022 से और एक (1) महिला स्वतंत्र निदेशक 07/02/2022 से नियुक्त करके भरे गए थे।

बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों की अपेक्षित संख्या की अनुपलब्धता के कारण लेखापरीक्षा समिति की संरचना सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियम 18(1) के अनुरूप नहीं थी। सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियम 18(1) के अनुरूप लेखा परीक्षा समिति का पुनर्गठन 31/12/2021 से किया गया है।

बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों की अपेक्षित संख्या की अनुपलब्धता के कारण नामांकन और पारिश्रमिक समिति की संरचना सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियम 19(1) के अनुरूप नहीं थी। नामांकन और पारिश्रमिक समिति सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियम 19(1) के अनुरूप 06/01/2022 से पुनर्गठित की गई है।

जनवरी 2021 और जून 2021 के महीने में हुई लेखापरीक्षा समिति की दो बैठकों के बीच का अंतर नियमन 18(2) के अनुरूप 120 दिनों से अधिक था। राज्य में प्रचलित गंभीर कोविड-19 महामारी की स्थिति प्रतिबंध/लॉक डाउन और निदेशकों की अनुपलब्धता के कारण, लेखा परीक्षा समिति की बैठक पिछली बैठक की तारीख से 120 दिनों के भीतर आयोजित नहीं की जा सकी।

सभी रिक्तियों को भरने के लिए सरकार को सूचित किया गया था। बीईएल सरकारी कंपनी होने के नाते, बीईएल के बोर्ड में सभी निदेशकों की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है और चयन प्रक्रिया और नियुक्ति में समय लगता है, जिसमें विभिन्न मंत्रालय और एसीसी द्वारा अनुमोदन शामिल है, और यह कंपनी के नियंत्रण से बाहर है।

विवेकाधीन गैर-अनिवार्य प्रावधानों का अनुपालन

लिस्टिंग विनियमों में गैर-अनिवार्य अनुशंसाओं के अनुपालन की स्थिति निम्नानुसार है:

- कंपनी में अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (कार्यकारी) का पद है और कोई गैर-कार्यकारी अध्यक्ष नहीं है।
- शेयरधारकों के साथ संवाद करने की प्रक्रिया बहुत मजबूत है और प्रक्रिया को 'संचार के माध्यम' के तहत स्पष्ट किया गया है।
- कंपनी के वित्तीय विवरणों को असंशोधित लेखापरीक्षा राय के साथ प्रकट किया जाता है।
- आंतरिक लेखा परीक्षा के प्रमुख सीधे अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक को रिपोर्ट करते हैं और लेखा परीक्षा समिति की बैठक में एक स्थायी आमंत्रित व्यक्ति होते हैं।

अनुपालन

निदेशक मंडल, लेखा परीक्षा समिति और नामांकन और पारिश्रमिक समिति की संरचना को छोड़कर विनियमों के विनियम 46 के उप-विनियम (2) के विनियम 17 से 27 और खंड (बी) से (i) में निर्दिष्ट आवश्यकताओं और सीपीएसई के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर डीपीई दिशानिर्देशों की सभी अनिवार्य आवश्यकताओं का विधिवत अनुपालन किया है। कंपनी स्टॉक एक्सचेंजों और सरकार को कॉरपोरेट गवर्नेंस पर तिमाही अनुपालन रिपोर्ट भी प्रस्तुत करती रही है। जैसा कि स्टॉक एक्सचेंजों के साथ लिस्टिंग विनियमों के तहत आवश्यक है, कंपनी द्वारा कॉरपोरेट गवर्नेंस की शर्तों के अनुपालन पर लेखा परीक्षकों का प्रमाणपत्र इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है।

बोर्ड की ओर से

आनंदी रामलिंगम
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

बेंगलूरु
28 जुलाई 2022

निदेशकों की गैर-अयोग्यता का प्रमाण पत्र

(सेबी (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 34(3)
और अनुसूची V पैरा सी खंड (10)(i) के अनुसरण में)

सेवा में
सदस्यगण
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
आउटर रिंग रोड, नागवारा
बेंगलूरु - 560045, कर्नाटक

भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 की अनुसूची V पैरा-सी उप खंड 10(i) के साथ पठित विनियम 34(3) के अनुसरण में, हमने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, जिनके पास सीआईएन L32309KA1954GOI000787 है और जिनका पंजीकृत कार्यालय आउटर रिंग रोड, नागवारा, बेंगलूरु - 560045, कर्नाटक (अबसे 'कंपनी' कहा जाएगा) में है, के निदेशकों से प्राप्त विवरणी और प्रकटीकरण, प्रासंगिक रजिस्टरों, अभिलेखों, प्रपत्रों की जांच की है जिन्हें इस प्रमाणपत्र को जारी करने के लिए कंपनी द्वारा हमारे सामने प्रस्तुत किया गया है।

कंपनी के निदेशकों से प्राप्त लिखित प्रकटीकरण/घोषणाओं के आधार पर और यथावश्यक सत्यापन के अनुसार (पोर्टल www.mca.gov.in पर निदेशक मास्टर डेटा और डीआईएन स्थिति) और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार, हम एतद्द्वारा प्रमाणित करते हैं कि कंपनी के निदेशक मंडल में नीचे दर्शाए अनुसार 31 मार्च, 2022 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के निदेशकों में से किसी को भी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड, कॉर्पोरेट मामलों का मंत्रालय, या ऐसा कोई अन्य सांविधिक प्राधिकरण द्वारा कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त या जारी रखने से वंचित या अयोग्य नहीं ठहराया गया है।

क्र.	निदेशक का नाम	डीआईएन	पद	कंपनी में नियुक्ति की तिथि
1	श्रीमती आनंदी रामलिंगम	07616518	पूर्णकालिक निदेशक	16/09/2016
2	श्री विनय कुमार कत्याल	08281078	पूर्णकालिक निदेशक	27/11/2018
3	श्री दिनेश कुमार बत्रा	08773363	पूर्णकालिक निदेशक	01/08/2020
4	श्री एम वी राजशेखर	08850171	पूर्णकालिक निदेशक	01/09/2020
5	सुश्री जे मंजुला	07684528	सरकार नामित निदेशक	23/04/2018
6	श्री अनुराग बाजपेयी	08948155	सरकार नामित निदेशक	29/10/2020
7	श्री सुनील कुमार कोहली	05321549	स्वतंत्र निदेशक	18/07/2019
8	डॉ. वेंकट पार्थसारथी पोडाला	06400408	स्वतंत्र निदेशक	28/12/2021
9	श्री मनसुखभाई एस खाचरिया	01423119	स्वतंत्र निदेशक	28/12/2021
10	डॉ. एन. संतोषकुमार	09451052	स्वतंत्र निदेशक	28/12/2021
11	श्री प्रफुल्ल कुमार चौधुरी	00871919	स्वतंत्र निदेशक	28/12/2021
12	डॉ. शिव नाथ यादव	09450917	स्वतंत्र निदेशक	28/12/2021
13	श्री गोकुलन बंगाकांडी	09473378	स्वतंत्र निदेशक	20/01/2022
14	सुश्री श्यामा सिंह*	09495164	स्वतंत्र निदेशक	07/02/2022

* एमसीए के अभिलेखों के अनुसार, उनका नाम श्यामा कुमारी (प्रारंभिक नाम) है।

कृते तिरुपाल गोरिगे एंड एसोसिएट्स एलएलपी
पेशेवर कंपनी सचिव

सीएस तिरुपाल गोरिगे
पदनामित साझेदार
एफसीएस नंबर 6680; सीपी नंबर 6424
यूडीआईएन: F006680D000365381

स्थान - बेंगलूरु
दिनांक - 23 मई, 2022

व्यावसायिक आचार संहिता और नैतिकता के अनुपालन की घोषणा

सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के तहत प्रासंगिक प्रावधानों और सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) के दिशानिर्देशों के अनुसार केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कॉरपोरेट गवर्नेंस पर दिशानिर्देश, जैसा कि डीपीई के कार्यालय ज्ञापन संख्या 18(8)/2005-जीएम दिनांक 22 जून 2007 में निहित है, कंपनी के सभी बोर्ड सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों ने 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए बोर्ड के सदस्यों, केएमपी और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के वरिष्ठ प्रबंधन के लिए व्यावसायिक आचरण संहिता और नैतिकता के अनुपालन की पुष्टि की है।

बोर्ड की ओर से

आनंदी रामलिंगम
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

बेंगलूरु
23 मई 2022

सीईओ और सीएफओ द्वारा सर्टिफिकेट

सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के उद्देश्य के लिए और कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर डीपीई दिशानिर्देशों के तहत आवश्यकता के रूप में

सेवा में
निदेशक मंडल
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड

हम यहां प्रमाणित करते हैं:

(क) हमने 31 मार्च 2022 को समाप्त अवधि के लिए स्टैंडअलोन वित्तीय परिणामों की समीक्षा की है और हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार:

- (i) इन परिणामों में कोई तथ्यात्मक रूप से असत्य कथन नहीं है या किसी भी तथ्यात्मक बिंदु को छोड़ा नहीं गया है या ऐसे कथन शामिल नहीं हैं जो भ्रामक हो सकते हैं;
- (ii) ये परिणाम कुल मिलाकर कंपनी के मामलों का सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं और मौजूदा भारतीय लेखा मानकों, लागू कानूनों और विनियमों के अनुपालन में हैं।

(ख) हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार, वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा कोई भी ऐसा लेनदेन नहीं किया गया जो कपटपूर्ण, अवैध या कंपनी की आचार संहिता का उल्लंघन हो।

(ग) हम वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए आंतरिक नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने की जिम्मेदारी स्वीकार करते हैं और हमने वित्तीय रिपोर्टिंग से संबंधित कंपनी की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया है और हमने लेखा परीक्षकों और प्रबंधन को इस तरह के आंतरिक नियंत्रण के डिजाइन या संचालन में कमियों, यदि कोई हों, जिनके बारे में हम जानते हैं और इन कमियों को दूर करने के लिए हमने जो कदम उठाए हैं या उठाने का प्रस्ताव किया है उनका खुलासा किया है।

(घ) हमने लेखा परीक्षकों और प्रबंधन को निम्न के बारे में इंगित किया है:

- (i) इस अवधि के दौरान वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रण में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन;
- (ii) इस अवधि के दौरान लेखांकन नीतियों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन और;
- (iii) वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रबंधन या कर्मचारी की महत्वपूर्ण धोखाधड़ी के किसी भी उदाहरण के बारे में हमें पता चला हो और उसमें भागीदारी, यदि कोई हो।

दिनेश कुमार बत्रा
निदेशक (वित्त) और सीएफओ

आनंदी रामलिंगम
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

बेंगलूरु
23 मई 2022

कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर लेखा परीक्षक का प्रमाण पत्र

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सदस्यगण,

हमने 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ('कंपनी') द्वारा कॉरपोरेट गवर्नेंस की शर्तों के अनुपालन की जांच विनियम 17 से 27, विनियम 46(2) के खंड (बी) से (i) और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 ('लिस्टिंग विनियम') की अनुसूची V के अनुच्छेद सी और डी और सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन पर दिशानिर्देश के अनुसार की है।

प्रबंधन की जिम्मेदारी

कॉरपोरेट गवर्नेंस की शर्तों का अनुपालन कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। लिस्टिंग विनियमों में निर्धारित कॉर्पोरेट प्रशासन की शर्तों के अनुपालन को सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी में आंतरिक नियंत्रण और प्रक्रियाओं का डिजाइन, कार्यान्वयन और बनाए रखना शामिल है।

लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी कॉरपोरेट गवर्नेंस की शर्तों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा अपनाई गई प्रक्रियाओं और उसके कार्यान्वयन की जांच करने तक सीमित है। यह न तो ऑडिट है और न ही कंपनी के वित्तीय विवरणों पर राय की अभिव्यक्ति है। हमने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा विशेष प्रयोजन के लिए रिपोर्ट या सर्टिफिकेट पर जारी गाइडेंस नोट के अनुसार कंपनी के प्रासंगिक रिकॉर्ड की जांच की है। गाइडेंस नोट्स के लिए आवश्यक है कि हम भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट संस्थान द्वारा जारी आचार संहिता की नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें। हमने उन फर्मों के लिए गुणवत्ता नियंत्रण पर मानक की प्रासंगिक लागू आवश्यकताओं का अनुपालन किया है जो ऐतिहासिक वित्तीय जानकारी, और अन्य आश्वासन और संबंधित सेवाओं के जुड़ाव की ऑडिट और समीक्षा करती हैं।

राय

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, हम प्रमाणित करते हैं कि कंपनी ने सेबी (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 और डीपीई दिशानिर्देशों के तहत निम्नलिखित अधिदेशों को छोड़कर विनियम 17 से 27, विनियम 46(2) के खंड (बी) से (i), लिस्टिंग विनियमों की अनुसूची V के और पैराग्राफ सी और डी, यथा लागू में निर्धारित कॉर्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों का अनुपालन किया है:

(i) विनियम 18(2)(ए) के प्रावधानों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही के लिए अंतिम लेखा परीक्षा समिति की बैठक और वित्तीय वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही के लिए पहली बैठक के बीच का अंतर 120 दिनों से अधिक अधिक है।

(ii) वित्तीय वर्ष 2021-22 की अंतिम तिमाही के दौरान कंपनी ने श्री गोकुलन बंगाकांडी और श्रीमती श्यामा सिंह को क्रमश: 20 जनवरी 2022 और 07 फरवरी 2022 से स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया है, जिन्हें सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियम 17(1सी) के अनुसार उनकी नियुक्ति की तारीख से 3 महीने में सामान्य बैठक में नियुक्त किया जाना आवश्यक था। हालांकि, इस प्रमाणपत्र के जारी होने की तारीख तक बाद की घटनाओं पर विचार करते हुए, कंपनी ने कोई आम बैठक आयोजित नहीं की है।

(iii) विनियम 18(2)(बी) के प्रावधानों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए पहली तिमाही (अप्रैल से जून) से तीसरी तिमाही (अक्टूबर से दिसंबर) तक लेखा परीक्षा समिति की बैठकों के लिए कोरम स्वतंत्र निदेशकों की अपेक्षित संख्या की अनुपलब्धता के कारण लिस्टिंग विनियमों की आवश्यकता के अनुरूप नहीं था।

(iv) कंपनी ने विनियम 17(1)(ए) की आवश्यकता के अनुसार कंपनी के बोर्ड में एक स्वतंत्र महिला निदेशक की नियुक्ति नहीं की है, लेकिन बाद में कंपनी ने श्रीमती श्यामा सिंह को 07 फरवरी 2022 से स्वतंत्र महिला निदेशक के रूप में नियुक्त किया है।

(v) वर्ष के दौरान, लेखापरीक्षा समिति की संरचना स्वतंत्र निदेशकों की अपेक्षित संख्या की अनुपलब्धता के कारण विनियम 18(1)(ए) के प्रावधानों के अनुसार में नहीं थी, लेकिन लेखापरीक्षा समिति के 31 दिसंबर 2021 से प्रभावी पुनर्गठन द्वारा इसका अनुपालन किया गया है।

(vi) वर्ष के दौरान, नामांकन और पारिश्रमिक समिति की संरचना आवश्यक संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की अनुपलब्धता के कारण विनियम 19(1)(सी) के प्रावधानों के अनुरूप नहीं थी, लेकिन इसका अनुपालन निदेशक मंडल द्वारा 06 से जनवरी 2022। से नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति के पुनर्गठन द्वारा किया गया है।

(vii) वर्ष के दौरान, निदेशक मंडल की संरचना विनियम 17(1)(बी) के प्रावधानों के अनुरूप नहीं थी, क्योंकि बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों की अपेक्षित संख्या नहीं थी। हालांकि, 28 दिसंबर 2021 से प्रभावी स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति द्वारा इसका अनुपालन किया गया है। वर्ष के अंत तक, बोर्ड में कुल चौदह (14) निदेशक हैं, जिनमें एक अध्यक्ष, जो एक कार्यकारी निदेशक (प्रबंध निदेशक के अतिरिक्त प्रभार में पूर्णकालिक निदेशक), तीन (3) कार्यकारी निदेशक, दो (2) गैर-कार्यकारी और गैर-स्वतंत्र निदेशक (सरकारी नामित) और आठ (8) स्वतंत्र निदेशक हैं।

यह सूचित किया जाता है कि निदेशकों की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है और उक्त स्वतंत्र निदेशकों की रिक्तियों को भरने का कार्य भी नियुक्ति प्राधिकारी अर्थात् भारत सरकार के पास लंबित है।

हमारा कहना है कि इस तरह का अनुपालन न तो कंपनी की भावी व्यवहार्यता का आश्वासन है और न ही दक्षता या प्रभावशीलता जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के मामलों का संचालन किया है।

अन्य मामले और उपयोग पर प्रतिबंध

यह रिपोर्ट न तो कंपनी की भावी व्यवहार्यता का आश्वासन है और न ही उस दक्षता या प्रभावशीलता के बारे में जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के मामलों का संचालन किया है।

यह रिपोर्ट कंपनी के सदस्यों को पूरी तरह से लिस्टिंग विनियमों और लागू दिशानिर्देशों के तहत अपने दायित्वों का पालन करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से प्रदान की जाती है और किसी अन्य व्यक्ति द्वारा या किसी अन्य उद्देश्य के लिए इसका उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। तदनुसार, हम किसी भी दायित्व या देखभाल के किसी भी कर्तव्य या किसी अन्य उद्देश्य के लिए या किसी अन्य पार्टी को जिसे यह दिखाया गया है या जिसके हाथों में यह हमारी पूर्व सहमति के बिना हो सकता है, को स्वीकार या ग्रहण नहीं करते हैं। इस रिपोर्ट की तारीख के बाद होने वाली घटनाओं और परिस्थितियों के लिए इस रिपोर्ट को अपडेट करने की हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं है।

कृते गुरु एंड जना
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म पंजीकरण संख्या: 006826एस

अनंत प्रसाद बी आर
साझेदार
सदस्यता संख्या: 218145
यूडीआईएन: 22218145AJLSGY5611

स्थान: वाराणसी
दिनांक: 23 मई 2022

अनुलग्नक - 6

संधारणीयता रिपोर्ट

आपकी कंपनी पर्यावरण प्रबंधन और सतत विकास कार्यक्रमों को सक्रिय रूप से शुरू करके योजनाबद्ध तरीके से अपने विविध व्यवसाय संचालन और गतिविधियों के माध्यम से सतत विकास के आर्थिक, पारिस्थितिक और सामाजिक जिम्मेदारी के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसने पिछले कुछ वर्षों में जल प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन, ऊर्जा संरक्षण, पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा आदि जैसी गैर-पारंपरिक ऊर्जा के उपयोग सहित संसाधन प्रबंधन और सतत विकास के क्षेत्रों में पर्याप्त आंतरिक विशेषज्ञता हासिल की है। कंपनी इस विशेषज्ञता पर विकास करने का प्रयास करती है और अपने व्यवसाय संचालन और गतिविधियों में सतत विकास पहल को बढ़ावा देती है। इसने इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए सतत विकास की दिशा में एक नीति तैयार की है। बीईएल की सतत विकास नीति इसकी वेबसाइट www.bel-india.in पर पोस्ट की गई है

कंपनी के पर्यावरण प्रबंधन और सतत विकास प्रयासों का सिंहावलोकन निम्नलिखित पैराग्राफ में दिया गया है।

पर्यावरण प्रबंधन - पर्यावरण का संरक्षण

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने लंबे समय तक स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल वातावरण के उद्देश्य से सर्वोत्तम प्रथाओं को विकसित करते हुए, अपने व्यवसाय संचालन में व्यवस्थित रूप से संधारणीयता को एकीकृत किया है। सभी बीईएल यूनिटें पर्यावरण के अनुकूल प्रक्रियाओं को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं और बिल्कुल यह मानती हैं कि पर्यावरणीय संधारणीयता समावेशी विकास की ओर ले जाती है। बीईएल सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) के दिशा-निर्देशों के अनुसार लक्ष्य निर्धारित करता है, डिजाइन से लेकर इसके निपटान तक उत्पादों के पर्यावरणीय प्रदर्शन में सुधार के लिए अत्याधुनिक तकनीकों की शुरुआत करता है। सभी बीईएल यूनिटें वर्षा जल संचयन, ऊर्जा संरक्षण और अपशिष्ट में कमी जैसे प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में सक्रिय रूप से शामिल हैं और पर्यावरणीय संधारणीयता की दिशा में काम कर रही हैं। बीईएल पर्यावरणीय उत्कृष्टता की दिशा में प्रदर्शन में सुधार करने के स्पष्ट तरीकों से परे है।

स्वच्छतर प्रौद्योगिकी - प्रमुख उत्प्रेरक

प्रदूषण को रोकने के लिए विनिर्माण प्रक्रिया में स्वच्छ प्रौद्योगिकी की अवधारणाओं का पालन किया जाता है। इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण प्रक्रियाओं में स्वच्छ प्रौद्योगिकियों की शुरूआत में निरंतर सुधार के प्रयास हमेशा जारी रहते हैं। इन प्रयासों से काफी हद तक प्रदूषण में कमी आई है। हमारे अनुसंधान और विकास विभाग हमेशा पर्यावरण के अनुकूल घटकों और प्रक्रियाओं की तलाश में रहते हैं। कॉर्पोरेट मानक विभाग ने पर्यावरण के अनुकूल सामग्री, घटकों और निर्माण प्रक्रियाओं के लिए कई प्रक्रिया दिशानिर्देश प्रकाशित किए हैं जिन्हें कंपनी भर में डिजाइन में शामिल किया गया है। कॉर्पोरेट मानक नियमित रूप से यूरोपीय और अन्य अंतरराष्ट्रीय निर्देशों का पालन करने वाले कुछ खतरनाक पदार्थों (आरओएचएस) तत्वों के कई प्रतिबंधों की समीक्षा, मानकीकरण और कार्यान्वयन करते हैं। पिछले वर्ष के निरंतर प्रयासों में, 47 नए आरओएचएस-अनुपालन घटक पेश किए गए हैं और 63 मानकों को संशोधित किया गया है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक्स / यांत्रिक घटकों और कच्चे माल जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। इलेक्ट्रॉनिक / इलेक्ट्रिकल / मैकेनिकल घटकों के क्षेत्र में, आठ प्रक्रिया मानकों को संशोधित किया गया है और सुरक्षा और पर्यावरणीय पहलुओं पर दिशानिर्देशों वाले एक खंड के साथ प्रकाशित किया गया है। इलेक्ट्रॉनिक/इलेक्ट्रिकल/मैकेनिकल घटकों के क्षेत्रों के लिए कुल 689 आरओएचएस - अनुपालन मानक मौजूद हैं।

बीईएल समझती है कि प्रदूषण की रोकथाम स्रोत से शुरू होती है, तदनुसार मौजूदा प्रक्रियाओं में विभिन्न सुधार और संशोधन किए गए हैं। पीसीबी निर्माण और सतह के उपचार गतिविधि में कई आरओएचएस-संगत प्रक्रियाएं शुरू की गई हैं। इसमें क्रोम पर आधारित लो-स्मोक हैलोजन केबल, लो-वीओसी फिनिशिंग प्रोसेस (पॉलीयूरेथेन) और ट्रिवेलेंट क्रोमेट रूपांतरण कोटिंग्स शामिल हैं। फास्टनरों और स्क्रू के लिए आरओएचएस-संगत कैडमियम प्लेटिंग विकल्प पर एक तकनीकी शृंखला दस्तावेज़ जारी किया गया है। यह बीईएल में विभिन्न डी एंड ई और गुणवत्ता इंजीनियरों के बीच आरओएचएस-अनुपालन विकल्पों पर जागरूकता फैलाने और पालन करने में सहायता करता है। इसके अलावा, कॉरपोरेट स्टैंडर्ड ने आइसोप्रोपिल अल्कोहल के उपयोग की जगह जलीय-आधारित क्लीनर का उपयोग करके मुद्रित वायरिंग असेंबली की पर्यावरण-अनुकूल स्वचालित सफाई प्रक्रिया के लिए नए मानकों की पहचान की है।

वायु में उत्सर्जन - स्वच्छ आकाश

उपयुक्त वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण के माध्यम से वायु उत्सर्जन की निगरानी और नियंत्रण किया जाता है। इन प्रक्रियाओं से वायु उत्सर्जन निकालने के लिए पेंट बूथ और प्लेटिंग बाथ को एक मामूली वैक्यूम (निगेटिव) दाब के साथ संचालित किया जाता है और वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण में निरुद्ध किया जाता है। गैसीय उत्सर्जन से पहले उत्सर्जन प्रक्रिया के उपचार के लिए गीले स्क्रबर का उपयोग किया जाता है। उत्सर्जन के परिणाम प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्वहन मानकों के भीतर हैं और यूनिटों में विभिन्न स्थानों पर मापी गई परिवेशी वायु गुणवत्ता द्वारा समर्थित हैं। प्लेटिंग बाथ के लिए प्रदान किए गए वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण के अलावा, सोल्डर धुएं को आकर्षित करने के लिए कार्यस्थल पर सक्शन फिल्टर भी लगाए जाते हैं। उत्सर्जन को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के लिए परिचालन नियंत्रण भी स्थापित किए गए हैं।

जल प्रदूषण - प्रतिदान

निर्माण प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न अपशिष्ट जल को स्रोत पर अलग किया जाता है और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानकों को पूरा करने के लिए उचित उपचार किया जाता है। कम रासायनिक खपत के साथ प्रभावी विषहरण सुनिश्चित करने के लिए यह विशिष्ट उपचार इस प्रकार के अपशिष्ट जल के लिए उपयुक्त है। बीईएल ने पुन: प्रयोज्य मानकों को पूरा करने के लिए अपशिष्ट जल के उपचार में एक कदम आगे बढ़ाया है और इस प्रकार उत्पादन उद्देश्यों के लिए इसका पुनर्चक्रण किया है। इसी तरह, घरेलू अपशिष्ट जल का उपचार किया जाता है और बागवानी उद्देश्यों के लिए पुनर्नवीनीकरण किया जाता है। डबल प्लंबिंग सिस्टम सभी नए भवनों के डिजाइन का एक हिस्सा है।

पांच सितारा जीआरआईएचए-रेटेड बीईएल अकादमी फॉर एक्सीलेंस और सी-टाइप आवासीय क्षेत्र दोहरी पंपिंग प्रणाली से लैस हैं। बीईएल बेंगलूरु कॉम्प्लेक्स ने 10 एमएलडी सीवेज के उपचार और स्थानीय बेंगलूरु झील को फिर से जीवंत करने के लिए अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र (एसटीपी) की शुरुआत के साथ जल सकारात्मक स्थिति हासिल की है। इसमें से 2 एमएलडी का उपयोग बीईएल बागवानी और अन्य अनुप्रयोगों के लिए किया जाएगा जिनसे प्राकृतिक संसाधनों और भूजल का अत्यधिक संरक्षण होता है।

खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली - पृथ्वी की देखभाल

खतरनाक कचरे से निपटने के दौरान, कमी, पुन: उपयोग, पुनर्प्राप्ति और पुनर्चक्रण के सिद्धांत का पालन किया जाता है। स्वच्छ प्रौद्योगिकियों के उपयोग के अलावा, अपशिष्ट जल विषहरण प्रक्रिया में कम खतरनाक कीचड़ पैदा करने वाले उपयुक्त रसायनों और प्रक्रियाओं को शुरू करके खतरनाक कचरे के उत्पादन को प्रक्रिया स्तर पर कम किया गया है। चूने, ब्लीच पाउडर और आयरन सल्फेट के स्थान पर सोडियम हाइड्राइड, सोडियम हाइपोक्लोराइट और सोडियम मेटाबिसल्फाइट का उपयोग खतरनाक कीचड़ की मात्रा को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा, साइनाइड मुक्त गैल्वनाइजिंग और कॉपर प्लेटिंग प्रक्रियाओं की शुरूआत ने खतरनाक कचरे के उत्पादन को कम करने में मदद की है। पिछले वर्ष में, बीईएल ने सौर संयंत्र में एचएफ ऑक्साइड नक़्क़ाशी प्रक्रिया में आईपीए के उपयोग को समाप्त करके निरंतर सुधार हासिल किया। इन पहलों के परिणामस्वरूप कम खतरनाक अपशिष्ट उत्पन्न हुआ। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स ने खतरनाक कचरे के सुरक्षित भंडारण के लिए एक विशेष, अच्छी तरह से संरक्षित जगह बनाकर खतरनाक कचरे के सुरक्षित प्रबंधन की प्रणाली स्थापित की है। बीईएल ने ठोस खतरनाक कचरे के निपटान के लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के उपचार, भंडारण और निपटान सुविधा ऑपरेटरों के साथ करार किया है, जिन्हें लैंडफिल में डाला जा सकता है। वैज्ञानिक प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण के लिए पुनर्चक्रण योग्य कचरे को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अधिकृत सुविधाओं को सौंप दिया जाता है। यह प्रणाली खतरनाक कचरे से होने वाले प्रदूषण को प्रभावी ढंग से रोकती है।

ई-अपशिष्ट प्रबंधन

उत्पादों के निर्माण के दौरान उत्पन्न होने वाले इलेक्ट्रॉनिक कचरे को अलग, संग्रह किया जाता है और वैज्ञानिक प्रसंस्करण, पुनर्प्राप्ति और पुनर्चक्रण के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अधिकृत एजेंसियों को और सौंप दिया जाता है। कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं जैसे इलेक्ट्रॉनिक कचरा भी वैज्ञानिक प्रसंस्करण, रिकवरी और रीसाइक्लिंग के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अधिकृत एजेंसियों को सौंप दिया जाता है। नियत कालावधि के बाद ई-अपशिष्ट उत्पादों जैसे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को विस्तारित निर्माता जिम्मेदारी पहल के तहत वापस प्राप्त किया जाता है और वैज्ञानिक रूप से निपटाया जाता है। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के उपयोगकर्ता समाप्ति अवधि के बाद इलेक्ट्रॉनिक कचरे के सुरक्षित निपटान के लिए हैंडलिंग और निपटान दिशानिर्देश प्राप्त करते हैं। अधिक से अधिक आरओएचएस -अनुपालक घटकों को शामिल करके इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में खतरनाक घटक को कम करने का प्रयास किया जा रहा है।

जैव चिकित्सा अपशिष्ट

बीईएल अस्पताल और चिकित्सा केंद्रों में उत्पन्न बायोमेडिकल कचरे को एकत्र किया जाता है और नियामक आवश्यकताओं के अनुसार वैज्ञानिक रूप से निपटाया जाता है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

बीईएल ने कचरे के उचित प्रबंधन के लिए स्रोत पृथक्करण प्रणाली स्थापित की है। खाद्य अपशिष्ट और कॉलोनी के हरे कचरे जैसे बायोडिग्रेडेबल कचरे को 1.0 टन वाले जैविक अपशिष्ट कनवर्टर के माध्यम से प्रतिदिन औसतन 0.45 से 0.6 टन कंपोस्ट किया जाता है, जिसमें खाद पैदा होती है। इस प्रकार उत्पन्न खाद का उपयोग बीईएल एस्टेट क्षेत्र में बागवानी के लिए किया जाता है। बीईएल में उत्पन्न हरे कचरे से प्राकृतिक खाद बनाई जाती है। हरे कचरे के आकार को कम करने के लिए लीफ श्रेडिंग मशीन उपलब्ध है। इसके अलावा, कारखाने की कैंटीन में उत्पन्न खाद्य अपशिष्ट को दैनिक आधार पर बायो-मीथेनेशन प्लांट में पहुँचाया जाता है। एनारोबिक बायोगैस संयंत्र 2.0 टन की क्षमता के साथ यूएएसबी प्रौद्योगिकी पर आधारित है और खाना पकाने में प्रतिदिन लगभग 50 एससीएम पीएनजी की बचत करता है। लैंडफिल योग्य कचरे को प्रसंस्करण के लिए बेंगलूरु में सुस्थापित ठोस अपशिष्ट उपचार सुविधा में भेजा जाता है।

जल प्रबंधन - जीवन बचा रहा है

जल ऑडिट के परिणाम स्वरूप जल संरक्षण उपायों को हासिल किया जाता है। पानी बचाने के लिए कई जल संरक्षण परियोजनाएं चलाई गईं, जैसे कि जल आपूर्ति की जरूरत-आधारित स्वचालन, पानी की बौछार-आधारित नल, और बोरवेल के पानी को खींचने के लिए उपयोग-आधारित स्वचालन, पानी की टंकी के स्तर पर नियंत्रण, कुशल डिशवाशिंग प्रणाली और हवा के आलोड़न के साथ स्वाइल पानी का उपयोग, कूलिंग टॉवर से पानी की बर्बादी को कम करना। इन जल संरक्षण परियोजनाओं के कार्यान्वयन से साल दर साल पानी की खपत में लगातार कमी आई है। वर्षा जल का पुनर्भरण और बोरवेलों के नवीन पुनर्भरण उपाय, सतही अपवाह का सुगम पुनर्भरण, ये सभी भूजल में सुधार के प्रयास हैं। बेंगलूरु में व्यापक वर्षा जल संचयन जलाशय में लगभग 234 मिलियन लीटर की वार्षिक प्राप्ति के साथ 170 मिलियन लीटर की क्षमता है। पिछले साल छत पर वर्षा जल का उपयोग करते समय, 745 घन मीटर वर्षा जल एकत्र किया गया था और सीधे आरओ जल तैयार करने के लिए उपयोग किया गया था। सभी यूनिटों में वर्षा जल के संग्रह और पुन: उपयोग के लिए वर्षा जल संचयन की सुविधा है।

ऑन-साइट आपातकालीन योजना और प्रणालियां

संयंत्र के स्तर और कार्यस्थल के स्तर पर आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया योजनाएं मौजूद हैं, जिन्हें जोखिम मूल्यांकन, जोखिम में कमी और आपातकालीन प्रतिक्रिया को कवर करते हुए एक बहु-अनुशासनात्मक कार्य दल के एकीकरण के साथ संस्थागत बनाया गया है।

अलग-अलग रणनीतिक व्यापार समूहों द्वारा समय-समय पर आपातकालीन योजना पर मॉक ड्रिल आयोजित किए जा रहे हैं जिनमें शामिल हैं:

1. टास्क फोर्स और मरम्मत दल
2. अग्निशमन दल
3. सुरक्षा दल
4. परिवहन दल
5. प्राथमिक चिकित्सा और चिकित्सा दल

मॉक ड्रिल अभ्यास में सुधार के लिए घटनाओं का क्रम रिकॉर्ड किया जाता है जबकि योजना की निगरानी वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा की जाती है।

घटना नियंत्रक दुर्घटनास्थल पर जाते हैं और बचाव दल के साथ समन्वय करते हैं और कोई घटना होने पर सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए कदम उठाते हैं। स्टॉक-टेकिंग मीटिंग से प्राप्त सीख को बेहतरी के लिए सुधारात्मक कार्रवाई उपायों के रूप में लागू किया जाता है।

सतत विकास पहल - मुख्य फोकस

बीईएल ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण विकसित किया है। मुख्य फोकस बिजली, पानी की बचत और कारखाने और उसके आसपास की हरियाली को बेहतर बनाने पर है।

बीईएल ने 13.9 मेगावाट क्षमता वाला पवन ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया है। 2021-22 के दौरान बीईएल के स्वामित्व वाले पवन ऊर्जा संयंत्र से कुल हरित ऊर्जा 210.38 लाख यूनिट प्राप्त हुई, जिसके परिणामस्वरूप 21,023 मीट्रिक टन के बराबर CO2 उत्सर्जन से बचा गया।

ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा संयंत्र की कुल संचयी क्षमता 5101 केडब्ल्यूपी है जो सभी बीईएल यूनिटों के विभिन्न भवनों की छतों पर स्थापित हैं। इसने बीईएल की सभी यूनिटों की कुल ऊर्जा खपत का लगभग 10.1% योगदान दिया है।

कुल मिलाकर, बीईएल के कैप्टिव सौर और पवन ऊर्जा संयंत्रों से अक्षय ऊर्जा का योगदान कुल ऊर्जा खपत का लगभग 49.36% है। इसके अलावा निम्नलिखित ऊर्जा संरक्षण उपाय किए गए हैं, ऊर्जा-कुशल रेट्रोफिटिंग-एलईडी लाइट्स, DALI (डिजिटल एड्रेसेबल लाइटिंग इंटरफेस) लाइटिंग कंट्रोल सिस्टम, डेलाइट हार्वेस्टिंग के लिए स्काई लाइट पाइप, कार्बन फुटप्रिंट और वाटर फुटप्रिंट को कम करना। हरित भवन की अवधारणा को सभी नए भवनों में लागू किया गया है और भविष्य के सभी भवन जीआरआईएचए रेटिंग (एकीकृत आवास मूल्यांकन के लिए ग्रीन रेटिंग) को पूरा करेंगे।

आगामी वित्त वर्ष 2022-23 में अतिरिक्त 4 मेगावाट पवन ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की योजना है, क्योंकि हरित ऊर्जा पहल की दिशा में और वृद्धि के रूप में पर्यावरण में Co2 उत्सर्जन में कमी आई है।

पारिस्थितिक संधारणीयता

हम बीईएल में पारिस्थितिक स्थिरता और हरियाली बनाए रखे हुए हैं। हमारे परिसरों में लगभग 1500 विभिन्न प्रकार के पौधे उगाए जाते हैं और यह विभिन्न पक्षियों और अन्य जीवों का आवास है। बेंगलूरु में हमारे 685 हेक्टेयर के हरित परिसर में, हम लगभग 4,94,000 वर्ग मीटर के लॉन और 25,200 मीटर के हेज के साथ-साथ 1,40,500 से अधिक पेड़ों का रखरखाव करते हैं।

ग्रीन कार्पेट धूल को रोकने में मदद करता है, गर्मी को अवशोषित करता है, कार्बन सिंक बनाता है और ताजा ऑक्सीजन छोड़ता है। कई हेक्टेयर भूमि पर हरे-भरे वृक्षारोपण भारत इलेक्ट्रॉनिक्स की वनीकरण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं।

बोर्ड की ओर से

आनंदी रामलिंगम
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

बेंगलूरु
28 जुलाई 2022

अनुलग्नक - 7

कारोबारी उत्तरदायित्व रिपोर्ट (बीआरआर)

खंड ए: कंपनी के बारे में सामान्य जानकारी:

1.	**कंपनी की कॉर्पोरेट पहचान संख्या (सीआईएन)**	: L32309KA1954GOI000787
2.	**कंपनी का नाम**	: भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
3.	**पंजीकृत पता**	: आउटर रिंग रोड, नागवारा, बेंगलूरु - 560045
4.	**वेबसाइट**	: www.bel-india.in
5.	**ई-मेल आईडी**	: secretary@bel.co.in
6.	**रिपोर्ट का वित्तीय वर्ष**	: 2021-22
7.	**कंपनी किन क्षेत्रों में कार्यरत है (औद्योगिक गतिविधि कोड-वार)**	: वेपन सिस्टम्स - 2927 संचार प्रणाली - 2630 इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम - 2008

8. तीन प्रमुख उत्पादों / सेवाओं की सूची बनाएं जो कंपनी बनाती / प्रदान करती है (जैसा कि बैलेंस शीट में है):

i. हथियार प्रणाली

ii. संचार प्रणाली

iii. इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम

9. उन स्थानों की कुल संख्या जहां कंपनी द्वारा व्यावसायिक गतिविधि की जाती है:

i. अंतरराष्ट्रीय स्थानों की संख्या (प्रमुख 5 का विवरण प्रदान करें):

विदेशी कार्यालय: 6 स्थानों पर यानी न्यूयॉर्क (यूएसए), सिंगापुर, वियतनाम, म्यांमार, श्रीलंका और ओमान।

ii. राष्ट्रीय स्थानों की संख्या:

विनिर्माण यूनिटें: 9 यानी बेंगलूरु (कर्नाटक), गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश), पंचकुला (हरियाणा), कोटद्वार (उत्तराखंड), पुणे और नवी मुंबई (महाराष्ट्र), हैदराबाद (तेलंगाना) और मछलीपट्टनम (आंध्र प्रदेश) और चेन्नई (तमिलनाडु))

क्षेत्रीय/विपणन कार्यालय: नई दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और विशाखापत्तनम।

10. कंपनी का बाजार क्षेत्र - स्थानीय/राज्य/राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय:

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय।

खंड बी: कंपनी का वित्तीय विवरण:

1.	चुकता पूंजी	: ₹ 24,366 लाख
2.	कुल कारोबार	: ₹ 15,04,367 लाख
3.	कर पश्चात कुल लाभ	: ₹ 2,34,893 लाख
4.	कर पश्चात लाभ के प्रतिशत के रूप में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पर कुल खर्च (अलग रखी गई राशि सहित) (%):	: तीन ठीक पूर्ववर्ती वित्तीय वर्षों के दौरान कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का 2%। सीएसआर गतिविधियों पर रिपोर्ट के लिए अनुलग्नक-2 देखें।
5.	उन गतिविधियों की सूची जिनमें उपरोक्त 4 में व्यय किया गया है :-	: (सीएसआर गतिविधियों पर रिपोर्ट के लिए अनुलग्नक -2 देखें)।

खंड सी: अन्य विवरण:

1. क्या कंपनी की कोई सहायक कंपनी/कंपनियां हैं?

हाँ।

i. बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाइसेज लिमिटेड।

ii. बीईएल-थालेस सिस्टम्स लिमिटेड।

2. क्या सहायक कंपनी/कंपनियां मूल कंपनी की बीआर पहल में भाग लेती हैं? यदि हां, तो ऐसी सहायक कंपनी (कंपनियों) की संख्या बताएं

नहीं।

3. क्या कोई अन्य संस्था/संस्थाएं (जैसे आपूर्तिकर्ता, वितरक आदि) कंपनी की बीआर पहल में भाग लेती है जिनके साथ कंपनी कारोबार करती है? यदि हां, तो ऐसी यूनिटों/संस्थाओं का प्रतिशत बताएं? [30% से कम, 30-60%, 60% से अधिक]

बीईएल की पर्यावरण नीतियों को खरीद आदेशों और कार्य आदेशों के माध्यम से आपूर्तिकर्ताओं और विक्रेताओं को सूचित किया जाता है। अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए वार्षिक विक्रेता बैठक के दौरान भी पर्यावरण जागरूकता और नीति संबंधी आवश्यकताओं के बारे में सूचित किया जाता है।

खंड डी: बीआर सूचना

1. बीआर के लिए जिम्मेदार निदेशक/निदेशकों का विवरण:

क) बीआर नीति/नीतियों के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार निदेशक/निदेशकों का विवरण:

- डीआईएन : 07616518
- नाम : श्रीमती आनंदी रामलिंगम
- पद : निदेशक (मानव संसाधन) - अतिरिक्त प्रभार

ख) बीआर शीर्ष का विवरण:

क्र.	विवरण	विवरण
1.	डीआईएन (यदि लागू हो)	07616518
2.	नाम	श्रीमती आनंदी रामलिंगम
3.	पद	निदेशक (मानव संसाधन) - अतिरिक्त प्रभार
4.	टेलीफोन नंबर	080-25039200
5.	ईमेल आईडी	anandiramalingam@bel.co.in

2. सिद्धांत-वार (एनवीजी के अनुसार) बीआर नीति/नीतियां (हां/ना में उत्तर दें):

क्रमांक	प्रश्न	पी1	पी2	पी 3	पी4	पी 5	पी 6	पी7	पी8	पी9 9
1	क्या आपके पास इसके लिए नीति/नीतियां हैं....	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
2	क्या संबंधित हितधारकों के परामर्श से नीति तैयार की जाती है?	सभी कार्यात्मक क्षेत्रों को शामिल करते हुए व्यापक आंतरिक परामर्श के बाद नीति तैयार की जाती है।								
3	क्या नीति किसी राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है? यदि हां, तो निर्दिष्ट करें?	नीति लिस्टेड संस्थाओं के लिए "बीआर रिपोर्ट" पर सेबी के दिशानिर्देशों और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय 'व्यापार की सामाजिक, पर्यावरण और आर्थिक जिम्मेदारियों पर राष्ट्रीय स्वैच्छिक दिशानिर्देश' के अनुरूप है।								
4	क्या नीति को बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है? यदि हां, तो क्या इस पर एमडी/मालिक/सीईओ/उपयुक्त बोर्ड निदेशक द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं?	नीति को प्रबंधन द्वारा अनुमोदित किया गया है और कंपनी भर में सभी स्तरों पर कर्मचारियों द्वारा अनुपालन के लिए कार्यालय आदेश के रूप में जारी किया गया है। हाँ। (फाइल पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा अनुमोदन)								
5	क्या कंपनी के पास नीति के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए बोर्ड/निदेशक/अधिकारी की एक निर्दिष्ट समिति है?	बोर्ड अपनी विभिन्न समितियों के माध्यम से नीतियों के अनुपालन और कार्यान्वयन की देखरेख करता है, जैसा कि कॉर्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट में वर्णित है जो वार्षिक रिपोर्ट का हिस्सा है।								
6	ऑनलाइन देखी जाने वाली नीति के लिए लिंक बताएं ?	नीतियां कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं : https://www.bel-india.in/ContentPage.aspx?MId=17&CId=527&LId=1&link=527								
7	क्या नीति को औपचारिक रूप से सभी प्रासंगिक आंतरिक और बाहरी हितधारकों को सूचित कर दिया गया है?	हाँ								

क्रमांक	प्रश्न	पी1	पी2	पी 3	पी4	पी 5	पी 6	पी7	पी8	पी9 9
8	क्या नीति/नीतियों को लागू करने के लिए कंपनी के पास आंतरिक संरचना है?					हाँ				
9	क्या कंपनी के पास नीति/नीतियों से संबंधित हितधारकों की शिकायतों को दूर करने के लिए नीति/नीतियों से संबंधित शिकायत निवारण तंत्र है?					हाँ				
10	क्या कंपनी ने किसी आंतरिक या बाहरी एजेंसी द्वारा इस नीति के कामकाज का स्वतंत्र ऑडिट/मूल्यांकन किया है?					हाँ				

2ए. यदि किसी भी सिद्धांत के सामने क्रमांक 1 का उत्तर 'नहीं' है, तो कृपया स्पष्ट करें कि क्यों: (अधिकतम 2 विकल्पों पर टिक करें):

क्रमांक	प्रश्न	पी1	पी2	पी 3	पी4	पी 5	पी 6	पी7	पी8	पी 9
1.	कंपनी सिद्धांतों को नहीं समझ पाई है									
2.	कंपनी उस चरण में नहीं है जहां वह खुद को निर्दिष्ट सिद्धांतों पर नीतियां बनाने और लागू करने की स्थिति में पाती हो									
3.	कंपनी के पास इस कार्य के लिए वित्तीय या मानव संसाधन उपलब्ध नहीं हैं					लागू नहीं				
4.	इसे अगले 6 महीनों के भीतर करने की योजना है									
5.	इसे अगले 1 साल के भीतर करने की योजना है									
6.	कोई अन्य कारण (कृपया निर्दिष्ट करें)									

3. **बीआर से संबंधित गवर्नेंस:**

- **किस अंतराल पर निदेशक मंडल, बोर्ड की समिति या सीईओ कंपनी के बीआर निष्पादन का आकलन करते हैं। 3 महीने के भीतर, 3-6 महीने, सालाना, एक साल से ज्यादा?**

  सीएसआर और चिरंतनता नीति के कामकाज, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण पर नीति, व्हिसल ब्लोअर नीति, बोर्ड के सदस्यों, प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए व्यावसायिक आचरण और नैतिकता संहिता, बीईएल सिक्योरिटीज में इनसाइडर ट्रेडिंग के विनियमन, निगरानी, रिपोर्टिंग और निषेध के लिए आचार संहिता और निष्पक्ष प्रकटीकरण प्रक्रिया, संबंधित पार्टी लेनदेन नीति, जोखिम प्रबंधन नीति की आवधिक समीक्षा बोर्ड की निदेशक मंडल / समिति (समितियों) द्वारा की जा रही है।

- **क्या बीआर या चिरंतनता रिपोर्ट प्रकाशित करती है? इस रिपोर्ट को देखने के लिए हाइपरलिंक क्या है? यह कितनी बार प्रकाशित होती है?**

  हाँ। कंपनी अपनी वार्षिक रिपोर्ट के हिस्से के रूप में बीआर रिपोर्ट और चिरंतनता रिपोर्ट प्रकाशित करती है और इसे अपनी वेबसाइट - https://www.bel-india.in/ContentPage.aspx?MId=17&CId=427&LId=1&link=427 पर पोस्ट करती है।

खंड ई: सिद्धांत-वार निष्पादन:

सिद्धांत 1

1. क्या नैतिकता, रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार से संबंधित नीति केवल कंपनी को कवर करती है? हां/नहीं। क्या इसका विस्तार समूह/संयुक्त उद्यमों/आपूर्तिकर्ताओं/ठेकेदारों/गैर सरकारी संगठनों/अन्य तक है?

   हां, यह नीति कंपनी को कवर करती है। इसके अलावा, कंपनी ने 300 लाख रु. मूल्य के सभी आदेशों/अनुबंधों के लिए सभी विक्रेताओं/आपूर्तिकर्ताओं/ठेकेदारों/सेवा प्रदाताओं के साथ एक सत्यनिष्ठा समझौता अपनाया है। यह समझौता अनिवार्य रूप से संभावित विक्रेताओं / बोलीदाताओं और प्रिंसिपल (बीईएल) के बीच समझौते की परिकल्पना करता है, जो दोनों पक्षों के व्यक्तियों / अधिकारियों को संविदा के किसी भी पहलू / चरण में किसी भी भ्रष्ट आचरण का सहारा नहीं लेने के लिए प्रतिबद्ध करता है। उन्हीं विक्रेताओं/बोलीदाताओं को ही बोली प्रक्रिया में भाग लेने के लिए सक्षम माना जाएगा जो प्रिंसिपल के साथ इस समझौते के लिए प्रतिबद्ध होंगे। किसी विशेष संविदा के संबंध में सत्यनिष्ठा समझौता, निविदा आमंत्रण के चरण से अनुबंध के अंतिम पूरा होने तक लागू रहेगा। इसका कोई भी उल्लंघन होने पर बोलीदाता अयोग्य हो जाएगा और भावी व्यापारिक सौदों से बहिष्कृत कर दिया जाएगा।

2. पिछले वित्तीय वर्ष में कितनी हितधारक शिकायतें प्राप्त हुई हैं और प्रबंधन द्वारा कितने प्रतिशत संतोषजनक ढंग से हल किया गया है? यदि हां, तो उसका विवरण लगभग 50 शब्दों में उपलब्ध कराएं।

   कंपनी में ग्राहकों की संतुष्टि के स्तर को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है। तदनुसार, उत्पाद सपोर्ट मुद्दों को प्रभावी ढंग से हल करने के लिए कई पहल की गई हैं। सभी सपोर्ट क्षमता वाले मुद्दों को हल करने के लिए कंपनी भर में उत्पाद सपोर्ट निगरानी समूह स्थापित किए गए हैं। शिकायत निवारण पर प्रगति की निगरानी के लिए सेना, नौसेना और वायु सेना के लिए अपर महाप्रबंधकों/वरिष्ठ उप महाप्रबंधकों के स्तर पर समर्पित वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति की जाती है। बीईएल ने भारतीय वायु सेना और भारतीय सेना की सहायता के लिए 10 क्षेत्रीय उत्पाद सहायता केंद्र खोले हैं और ग्राहकों की शिकायतों का समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए भारतीय नौसेना की सहायता के लिए 7 स्थानों पर वाटर फ्रंट सपोर्ट सेंटर खोले हैं। ये सहायता केंद्र ग्राहकों और बीईएल निर्माण यूनिटों के बीच बेहतर और तेज समन्वय की सुविधा के द्वारा अपने संबंधित परिचालन क्षेत्रों में ग्राहकों के संपर्क का एकल बिंदु

हैं। शिकायतों के पंजीकरण के लिए बेंगलूरु में ग्राहक समन्वय प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है। यह सुविधा इंटरनेट के माध्यम से जुड़े एसएपी के सीआरएम मॉड्यूल के साथ टोल फ्री बीएसएनएल/एमटीएनएल नंबर से लैस है। ग्राहक समन्वय कक्ष में हमारे ग्राहक लॉग-इन कर सकते हैं और शिकायत दर्ज कर सकते हैं। साथ ही, सीआरएम मॉड्यूल पंजीकृत शिकायत के लिए यूनिक डॉकेट नंबर प्राप्त करके ग्राहक को ऑनलाइन शिकायत पर प्रगति को ट्रैक करने में मदद करता है। प्रकोष्ठ प्रबंधन के लिए शिकायतों के सारांश पर मासिक रिपोर्ट तैयार करता है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए शिकायतों का सारांश इस प्रकार है:

पंजीकृत शिकायतों की संख्या	हल की गई शिकायतों की संख्या	लंबित शिकायतों की संख्या
12,939	11,712 (90.52%)	1,227 (9.48%)

सिद्धांत 2

1. अपने उन तीन उत्पादों या सेवाओं की सूची बनाएं, जिनके डिजाइन में सामाजिक या पर्यावरणीय चिंताओं, जोखिमों और/या अवसरों को शामिल किया गया है।

   निम्नलिखित उत्पादों को सामाजिक/पर्यावरण संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

   i. ऑक्सीजन कानसेंट्रेटर

   ii. हेमो डायलिसिस मशीन

   iii. स्मार्ट सिटी परियोजनाएं

   iv. मेट्रो रेल के लिए प्लेटफार्म स्क्रीन दरवाजे

2. ऐसे प्रत्येक उत्पाद के लिए, उत्पाद की प्रति इकाई (वैकल्पिक) द्वारा संसाधन उपयोग (ऊर्जा, पानी, कच्चा माल आदि) के संबंध में निम्नलिखित विवरण प्रदान करें:

   i. सोर्सिंग/उत्पादन/वितरण के दौरान पिछले वर्ष से पूरे मूल्य शृंखला में कमी आई है?

   ii. उपभोक्ताओं द्वारा उपयोग के दौरान (ऊर्जा, पानी) में कमी पिछले वर्ष से प्राप्त की गई है?

   निर्माण प्रक्रिया नियत नहीं है और कई इलेक्ट्रॉनिक घटकों का एकीकरण होता है। उत्पादन एकीकृत परिपथों के निर्माण से लेकर बड़े इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे रेडार आदि तक होता है। इसलिए, उत्पाद-विशिष्ट जानकारी की मात्रा निर्धारित नहीं की जा सकती।

3. क्या कंपनी के पास टिकाऊ सोर्सिंग (परिवहन सहित) के लिए प्रक्रियाएं हैं?

   यदि हां, तो आपके कितने प्रतिशत निवेशों को टिकाऊ रूप से प्राप्त किया गया था? साथ ही, लगभग 50 शब्दों में उसका विवरण प्रदान करें।

   हाँ। कंपनी ने टिकाऊ सोर्सिंग और दीर्घकालिक पारस्परिक लाभ के लक्ष्य के साथ आपूर्तिकर्ता चयन और कंपनी की विक्रेता निर्देशिका में शामिल करने के लिए कठोर चयन तंत्र स्थापित किया है। कंपनी गुणवत्ता, लागत और वितरण सहित विभिन्न मापदंडों पर नियमित रूप से निष्पादन की निगरानी करके आपूर्तिकर्ताओं को प्रतिक्रिया प्रदान करती है। कंपनी की छवि, नैतिक और पारदर्शी व्यावसायिक व्यवहार, और आपूर्तिकर्ताओं के साथ अच्छे संबंध अधिकांश वस्तुओं के लिए टिकाऊ होना संभव बनाते हैं। एमएसएमई बैठकें भी आयोजित की जाती हैं और टिकाऊ आपूर्ति को प्रोत्साहित किया जाता है।

4. क्या कंपनी ने अपने कार्यस्थल के आसपास के समुदायों सहित स्थानीय और छोटे उत्पादकों से माल और सेवाओं की खरीद के लिए कोई कदम उठाया है?

   बीईएल का मुख्य व्यवसाय मुख्य रूप से रक्षा आवश्यकताओं के साथ-साथ चुनिंदा गैर-रक्षा बाजारों के लिए सामरिक इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों / प्रणालियों का निर्माण और आपूर्ति का है। कुल कारोबार का लगभग एक तिहाई स्वदेशी रूप से विकसित उत्पादों से होता है। स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं से खरीद बढ़ाने के लिए, भारत भर में बीईएल की विभिन्न यूनिटें संबंधित यूनिट स्थानों के विक्रेताओं को आकर्षित करने के लिए निरंतर विक्रेता विकास कार्यक्रम में संलग्न हैं।

   इसके अलावा, बीईएल के पास बेंगलूरु में छोटे उद्यमियों के स्वामित्व वाली 16 सहायक यूनिटें भी हैं। उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों में लघु उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए सहायक यूनिटों की स्थापना की गई। सहायक यूनिटों द्वारा निर्मित उत्पादों में कास्टिंग, कंपोजिट, केबल हार्नेस, कॉइल और ट्रांसफॉर्मर, संचार उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स परीक्षण प्रणाली, रक्षा उत्पादों का स्वदेशीकरण, औद्योगिक टेलरिंग, पावर सप्लाई और यूपीएस, रबड़ और प्लास्टिक उत्पाद, शीट धातु उत्पाद, सौर उत्पाद, स्टेनलेस स्टील अनुकूलित उत्पाद और ट्रैफिक सिग्नल सिस्टम शामिल हैं।

   सेवाओं में उन्नत वेल्डिंग, इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की असेंबली और परीक्षण, सीएनसी मशीनिंग, इलेक्ट्रोप्लेटिंग, रक्षा उत्पादों का स्वदेशीकरण, पेंटिंग और कोटिंग, उत्पाद सुधार और शीट मेटल फैब्रिकेशन शामिल हैं। डिजाइन सेवाओं में शामिल हैं: संचार, उपकरण, कंपोजिट, इलेक्ट्रॉनिक्स, उपकरण, मशीन डिजाइन, रबर और प्लास्टिक उत्पाद, शीट धातु उत्पाद, शैल्टर और मैनपैक, सौर उत्पाद, उपकरण और जिग्स आदि।

यदि हां, तो स्थानीय और छोटे विक्रेताओं की क्षमता और क्षमता में सुधार के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

कंपनी पूरे भारत में मानक घटकों, सामग्रियों और उप-संविदा वस्तुओं के लिए एमएसएमई सहित एवीडी उत्पन्न, अद्यतन और रखरखाव करती है। यह छोटे और स्थानीय विक्रेताओं को कंपनी की आवश्यकताओं के अनुरूप अपनी क्षमता और क्षमता में सुधार करके कंपनी के अनुमोदित विक्रेता के रूप में योग्यता प्राप्त करने के पर्याप्त अवसर प्रदान करती है। संबंधित स्थानीय विक्रेताओं से वस्तुओं की खरीद की सुविधा के लिए सभी यूनिटों/एसबीयू द्वारा एवीडी को संदर्भित किया जाता है।

वेंडरों को उनकी क्षमता और दक्षता को बढ़ाने में सुविधा प्रदान करने के लिए, वेंडरों का मूल्यांकन गुणवत्ता और डिलीवरी रेटिंग सहित वेंडर रेटिंग तंत्र के माध्यम से किया जाता है। इसके अलावा, कंपनी मूल्यांकन के लिए क्षमता और दक्षता सहित विभिन्न मानकों पर कड़े मानदंड अपनाती है। उपरोक्त कारकों के कारण उत्पन्न होने वाले विभिन्न मुद्दों को पारस्परिक लाभ के लिए बीईएल की वार्षिक विक्रेता बैठक के दौरान हल किया जाता है। विनिर्माण की सुविधा के लिए बीईएल की परीक्षण सुविधाओं को घरेलू विक्रेताओं के लिए नाममात्र की दरों पर सुलभ बनाया गया है। बीईएल ने स्वदेशीकरण के प्रयासों की दिशा में प्रौद्योगिकी भागीदारों के रूप में एमएसएमई सहित घरेलू विक्रेताओं को शामिल करके सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास प्रक्रिया स्थापित की है। इसके अलावा, कंपनी सरकार के दिशानिर्देशों के अनुरूप स्टार्टअप्स को भी सहायता प्रदान करती है।

5. क्या कंपनी के पास उत्पादों और कचरे के पुनर्चक्रण के लिए कोई तंत्र है? यदि हाँ, तो उत्पादों और कचरे के पुनर्चक्रण का प्रतिशत क्या है (अलग-अलग <5%, 5-10%, >10% के रूप में)। साथ ही उसका विवरण भी दें।

कंपनी उत्पादों का पुनर्चक्रण नहीं करती है क्योंकि अधिकांश उत्पाद रणनीतिक/राष्ट्रीय सुरक्षा अनुप्रयोगों के लिए उपयोग किए जाते हैं। ग्राहकों को दिए गए उत्पाद कंपनी को वापस नहीं किए जाते हैं। ग्राहकों को उनके एंड ऑफ लाइफ उत्पादों के संचालन और निपटान के लिए दिशानिर्देश प्रदान किए गए हैं। हालांकि, उन ग्राहकों को सेवाएं प्रदान की गई हैं जो वैज्ञानिक निपटान के लिए उत्पादों को वापस करने के इच्छुक हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा अनुमोदित एजेंसी के माध्यम से एंड-ऑफ-लाइफ उत्पादों को वैज्ञानिक रूप से संसाधित और पुनर्नवीनीकरण किया जाता है।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा अनुमोदित अधिकृत पुनर्चक्रण के माध्यम से कंपनी के पास अपने उत्पादों / उपकरणों की निर्माण प्रक्रिया से अपशिष्ट डिलीवर करने के लिए एक संरचित तंत्र है। धातु अपशिष्ट, अपशिष्ट तेल, सॉल्वैंट्स और तांबे युक्त रिजेक्ट्स को पुनर्चक्रण और पुनर्प्राप्ति के लिए अधिकृत पुनर्चक्रणकर्ताओं को (100%) भेजा जाता है। कागज और प्लास्टिक को पुनर्चक्रण करने वालों को सौंप दिया जाता है। इसके अलावा, बायो-मीथेनेशन प्लांट में बायोगैस उत्पादन के लिए खाद्य अपशिष्ट का उपयोग किया जाता है, जिसका उपयोग हल्का खाना पकाने के लिए किया जाता है या जैविक पदार्थों को जैविक अपशिष्ट कनवर्टर में खाद में परिवर्तित किया जाता है।

विनिर्माण प्रक्रिया से अपशिष्ट जल का उपचार और पुन: उपयोग किया जाता है। घरेलू अपशिष्ट का उपचार किया जाता है और बागवानी उद्देश्यों के लिए पुनर्नवीनीकरण किया जाता है।

सिद्धांत 3

1. कृपया कर्मचारियों की कुल संख्या बताएं: 8,853।
2. कृपया संविदा/अस्थायी/आकस्मिक आधार पर नियुक्त कर्मचारियों की कुल संख्या का उल्लेख करें: संविदा के आधार पर 4,468।
3. कृपया स्थायी महिला कर्मचारियों की संख्या बताएं: 1,926
4. दिव्यांग स्थायी कर्मचारियों की संख्या बताएं : 205
5. क्या आपके यहां प्रबंधन द्वारा मान्यता प्राप्त कर्मचारी संघ है?: हाँ
6. आपके कितने प्रतिशत स्थायी कर्मचारी इस मान्यता प्राप्त कर्मचारी संघ के सदस्य हैं?: 90.77%

6. कृपया पिछले वित्तीय वर्ष में बाल श्रम, जबरन मजदूरी, अनैच्छिक श्रम, यौन उत्पीड़न से संबंधित और वित्तीय वर्ष के अंत तक लंबित शिकायतों की संख्या इंगित करें:

क्रमांक	श्रेणी	1 अप्रैल 2021 को लंबित शिकायतों की संख्या	2021-22 के दौरान दर्ज शिकायतों की संख्या	2021-22 के दौरान हल की गई शिकायतों की संख्या	31 मार्च 2022 तक लंबित शिकायतों की संख्या
1.	बाल श्रम / जबरन श्रम / अनैच्छिक श्रम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
2.	यौन उत्पीड़न	शून्य	01	01	शून्य
3.	भेदभावपूर्ण रोजगार	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

7. पिछले वर्ष में आपके निम्नलिखित कर्मचारियों में से कितने प्रतिशत को सुरक्षा और कौशल उन्नयन प्रशिक्षण दिया गया था?

क्रमांक	श्रेणी	सुरक्षा पहलुओं पर प्रशिक्षण के माध्यम से कवर किए गए कर्मचारियों का %	कौशल उन्नयन पर प्रशिक्षण के माध्यम से कवर किए गए कर्मचारियों का%
1.	स्थायी कर्मचारी	30%	92%
2.	स्थायी महिला कर्मचारी	32%	91%
3.	आकस्मिक/अस्थायी/संविदात्मक कर्मचारी	65%	18%
4.	दिव्यांग कर्मचारी	23%	89%

सिद्धांत 4

1. क्या कंपनी ने अपने आंतरिक और बाहरी हितधारकों की मैपिंग की है?

   हाँ

2. उपरोक्त में से, क्या कंपनी ने वंचित, कमजोर और पिछड़े हितधारकों की पहचान की है?

   हाँ

   i. एससी/एसटी कर्मचारी

   ii. दिव्यांग कर्मचारी

   iii. महिला कर्मचारी

3. क्या कंपनी द्वारा वंचित, कमजोर और पिछड़े हितधारकों के साथ जुड़ने के लिए कोई विशेष पहल की गई है? यदि हां, तो उसका विवरण लगभग 50 शब्दों में उपलब्ध कराएं।

   <u>अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कर्मचारियों और उनके बच्चों के लिए विशेष पहल:</u> अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कर्मचारियों के मेधावी बच्चों को प्रोत्साहित करने और वित्तीय सहायता प्रदान करने की दृष्टि से, प्रबंधन ने स्वर्गीय प्रधान मंत्री श्री जवाहरलाल नेहरू के नाम पर आईटीआई प्रमाणित पाठ्यक्रम सहित डिप्लोमा/प्रमाणित पाठ्यक्रमों के अलावा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति शुरू की है।

   अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों के उन बच्चों के उत्थान के लिए एक अध्ययन सुविधा केंद्र शुरू किया गया है, जिनके पास माता-पिता की अपर्याप्त देखभाल है और जिनके घरों में पढ़ने के लिए उचित सुविधाएं नहीं हैं। प्रबंधन द्वारा कक्षाओं, फर्नीचर, पुस्तकालय आदि जैसी सुविधाओं के साथ एक नया भवन बनाया गया है।

   इसके अलावा, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों और उनके बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग, कंप्यूटर प्रशिक्षण आदि जैसी विभिन्न सुविधाएं प्रदान की गई हैं।

   <u>महिला कर्मचारियों के लिए विशेष पहल:</u> बीईएल अपनी महिला कर्मचारियों को विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने का अवसर प्रदान करता है, "सार्वजनिक क्षेत्र में महिला" मंच के माध्यम से महिला कर्मचारियों के बीच बातचीत और विचारों और समस्याओं के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करता है। फोरम महिला कर्मचारियों के बीच जागरूकता पैदा करने की दिशा में भी काम करता है और संगठन के भीतर स्वस्थ कामकाजी माहौल को बढ़ावा देने की दिशा में काम करता है।

   बीईएल महिला कर्मचारियों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता पैदा करने से संबंधित कई कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। अन्य अस्पतालों के सहयोग से नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच की जाती है। इसके अलावा, पोषण, आहार, जीवन शैली प्रबंधन आदि पर जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

   दिव्यांग कर्मचारियों के लिए विशेष पहल:

   बीईएल दिव्यांग व्यक्तियों के लिए विशेष भत्ता और सुविधाएं प्रदान करती है जिसमें कंपनी परिवहन का उपयोग नहीं करने वाले शारीरिक रूप से दिव्यांग कर्मचारियों के लिए वाहन भत्ता, दिव्यांग व्यक्तियों की आवाजाही के लिए कारखाने के भीतर जहां आवश्यक हो वहां विशेष रैंप, विशेष शौचालयों की व्यवस्था की गई है, उपस्थिति दर्ज करने के लिए अनुग्रह समय और वाहनों को कार्यस्थल तक ले जाने के लिए अनुमति दी गई है। दिव्यांग, श्रवण और दृष्टिहीनों के लिए श्रवण यंत्र, कैलीपर्स, एल्युमिनियम फोल्डिंग स्टिक आदि जैसे उपकरण भी उपलब्ध कराए गए हैं।

सिद्धांत 5

1. क्या मानव अधिकारों पर कंपनी की नीति केवल कंपनी को कवर करती है या समूह/संयुक्त उद्यमों/आपूर्तिकर्ताओं/ठेकेदारों/गैर सरकारी संगठनों/अन्य तक विस्तारित है?

   कंपनी में उपयोग की जाने वाली सभी नीतियों, प्रणालियों और प्रक्रियाओं में मानवाधिकारों को शामिल किया गया है। मानवाधिकार आपूर्तिकर्ताओं/ठेकेदारों/गैर सरकारी संगठनों और अन्य के साथ कंपनी की सभी नीतियों, बातचीत और व्यावसायिक उपक्रमों (समूह/संयुक्त) का मौलिक सिद्धांत है। इस प्रकार मानवाधिकारों का सम्मान कंपनी में सभी व्यावसायिक प्रक्रियाओं का एक अविभाज्य पहलू है और कंपनी की व्यावसायिक गतिविधियों के पूरे स्पेक्ट्रम को कवर करता है।

2. पिछले वित्तीय वर्ष में कितनी हितधारक शिकायतें प्राप्त हुई हैं और प्रबंधन द्वारा कितने प्रतिशत का संतोषजनक ढंग से हल किया गया है?

   वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए शिकायतों का सारांश:

पंजीकृत शिकायतों की संख्या	हल की गई शिकायतों की संख्या	लंबित शिकायतों की संख्या
12,939	11,712 (90.52%)	1,227 (9.48%)

सिद्धांत 6

1. क्या सिद्धांत 6 से संबंधित नीति केवल कंपनी को कवर करती है या समूह/संयुक्त उद्यमों/आपूर्तिकर्ताओं/ठेकेदारों/गैर सरकारी संगठनों/अन्य तक विस्तारित है।

   यह केवल कंपनी को कवर करती है। इसके अलावा, कंपनी अपने उत्पादों के उपयोग के दौरान पर्यावरण पर प्रभाव को कम करने के लिए पर्यावरण प्रबंधन में ग्राहक जागरूकता को बढ़ावा देती है। कंपनी अपने व्यावसायिक भागीदारों/आपूर्तिकर्ताओं/ठेकेदारों को डिजाइन से निपटान तक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रियाओं की ओर बढ़ने के लिए राजी करती है और प्रोत्साहित करती है।

2. क्या कंपनी के पास जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग आदि जैसे वैश्विक पर्यावरणीय मुद्दों के समाधान के लिए रणनीति/पहल है? हां / नहीं

   हाँ। कंपनी प्रभावी ऊर्जा प्रबंधन उपायों और अक्षय ऊर्जा स्रोतों को अपनाने के माध्यम से जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग जैसे मुद्दों को हल करती है। ऊर्जा-कुशल चिलर, प्रकाश प्रबंधन प्रणाली, भवन प्रबंधन प्रणाली और डेलाइट हार्वेस्टिंग जैसी ऊर्जा-बचत पहलों का पालन किया जाता है। ऊर्जा उत्पादन और सीमित खपत के लिए पवन और सौर जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहन दिया जाता है। कंपनी शुद्ध शून्य ग्रिड ऊर्जा के चरण को प्राप्त करने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

3. क्या कंपनी संभावित पर्यावरणीय जोखिमों की पहचान करती है और उनका आकलन करती है? हां / नहीं

   हाँ। यह आईएसओ 14001 मानकों पर आधारित पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली के एक भाग के रूप में सुस्थापित है। कार्यान्वयन की प्रभावशीलता को सत्यापित करने के लिए नियमित आंतरिक और बाहरी ऑडिट भी किए जाते हैं।

4. क्या कंपनी के पास स्वच्छ विकास तंत्र से संबंधित कोई परियोजना है? यदि हां, तो उसका विवरण दें। साथ ही, यदि हां, तो क्या कोई पर्यावरण अनुपालन रिपोर्ट दाखिल की गई है?

   हाँ। कर्नाटक राज्य के दावणगेरे में 2.5 मेगावाट और 8.4 मेगावाट क्षमता के पवन ऊर्जा बिजली संयंत्रों और हासन में 3 मेगावाट क्षमता की पवन चक्की के माध्यम से पवन ऊर्जा (हरित ऊर्जा) का उत्पादन किया जाता है।

   वर्ष 2021-22 के दौरान दावणगेरे और हासन में पवन ऊर्जा संयंत्रों से प्राप्त विद्युत ऊर्जा, अर्जित कार्बन क्रेडिट आदि के विवरण और इनकी स्थापना से संचयी विवरण नीचे दिए गए हैं:

दावणगेरे का 2.5 मेगावाट पवन ऊर्जा बिजली संयंत्र (0.5 मेगावाट X 5 संयंत्र)

क.	2021-22 के दौरान कुल उत्पादन	22,15,575 किलोवाट घंटा
ख.	2021-22 के दौरान कुल चक्रीय ऊर्जा	19,86,925 किलोवाट घंटा
ग.	CO_2 उत्सर्जन में कमी	1,925 टन CO_2 समतुल्य
घ.	कार्बन क्रेडिट	15,856 सीईआर
ङ.	शुरूआत से संचयी ऊर्जा	4,68,28,538 किलोवाट घंटा
च.	संचयी CO_2 उत्सर्जन में कमी	49,805.98 टन CO_2 समतुल्य

हासन का 3.0 मेगावाट पवन ऊर्जा ऊर्जा संयंत्र (1.5 मेगावाट X 2 संयंत्र)

क.	2021-22 के दौरान कुल उत्पादन	44,84,400 किलोवाट घंटा
ख.	2021-22 के दौरान कुल चक्रीय ऊर्जा	40,15,000 किलोवाट घंटा
ग.	CO_2 उत्सर्जन में कमी	3,913 टन CO_2 समतुल्य
घ.	कार्बन क्रेडिट	यूएनएफसीसी के साथ पंजीकृत
ङ.	स्थापना से संचयी ऊर्जा	6,50,74,524 किलोवाट घंटा
च.	संचयी CO_2 उत्सर्जन में कमी	74,363 टन CO_2 समतुल्य

दावणगेरे का 8.4 मेगावाट पवन ऊर्जा ऊर्जा संयंत्र (2.1 मेगावाट X 4 नग)

क.	2021-22 के दौरान कुल उत्पादन	1,66,17,800 किलोवाट घंटा
ख.	2021-22 के दौरान कुल चक्रीय ऊर्जा	1,50,36,583 किलोवाट घंटा
ग.	CO_2 उत्सर्जन में कमी	15,185 टन CO_2 समतुल्य
घ.	कार्बन क्रेडिट	यूएनएफसीसी के साथ पंजीकृत होना बाकी है
ङ.	स्थापना से संचयी ऊर्जा	9,70,89,357 किलोवाट घंटा
च.	संचयी CO_2 उत्सर्जन में कमी	1,02,471 टन CO_2 समतुल्य

5. क्या कंपनी ने स्वच्छ प्रौद्योगिकी, ऊर्जा दक्षता, नवीकरणीय ऊर्जा आदि पर कोई अन्य पहल की है? हां / नहीं। यदि हाँ, तो कृपया वेब पेज आदि के लिए हाइपरलिंक दें।

   हाँ। प्रदूषण को रोकने के लिए विनिर्माण प्रक्रिया में स्वच्छ प्रौद्योगिकी की अवधारणा का पालन किया जाता है। बीईएल हमेशा स्रोत पर ही प्रदूषण की रोकथाम पर अधिक ध्यान देता है। इस तरह के प्रयास में मौजूदा प्रक्रियाओं में कई सुधार और संशोधन शामिल किए गए हैं। पीसीबी निर्माण और धातु परिष्करण प्रक्रियाओं में कुछ खतरनाक पदार्थ (आरओएचएस) उपयोग करने वाली प्रक्रियाओं पर कई प्रतिबंध लगाए

गए हैं। पर्यावरण के अनुकूल लो स्मोक हैलोजन केबल, निम्न वीओसी धातु फिनिश (पॉलीयूरेथेन), साइनाइड मुक्त चांदी, जस्ता और तांबा चढ़ाना, और त्रिकोणीय क्रोमियम-आधारित क्रोमेट रूपांतरण कोटिंग जैसी अतिरिक्त सामग्री शामिल की गई है। फास्टनरों और स्क्रू के लिए आरओएचएस उपयोग करने वाले कैडमियम प्लेटिंग विकल्प पर दस्तावेजों की तकनीकी शृंखला प्रकाशित की गई है। यह बीईएल के विभिन्न डी एंड ई और गुणवत्ता इंजीनियरों के बीच आरओएचएस उपयोग करने के विकल्पों के बारे में जागरूकता फैलाने और अनुपालन में मदद करता है। आइसो-प्रोपाइल अल्कोहल के उपयोग की जगह जलीय आधारित क्लीनर का उपयोग करके प्रिंटेड वायरिंग असेंबली की पर्यावरण अनुकूल स्वचालित सफाई प्रक्रिया के लिए नया मानक जारी किया गया है।

बीईएल ने 13.9 मेगावाट क्षमता वाला पवन ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया है। 2021-22 के दौरान बीईएल के स्वामित्व वाले पवन ऊर्जा संयंत्र से प्राप्त कुल हरित ऊर्जा 210.38 लाख यूनिट है। इसके अलावा, ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा संयंत्र की कुल संचयी क्षमता 5101 केडब्ल्यूपी है, जिसने 54 लाख यूनिट उत्पन्न की हैं जो सभी बीईएल यूनिटों के विभिन्न भवनों की छतों पर स्थापित हैं। पवन ऊर्जा का योगदान 39% और सौर का योगदान 10% है। कुल अक्षय ऊर्जा योगदान लगभग 49% है। इसके परिणामस्वरूप CO2 के 25,1161 एमटी समतुल्य उत्सर्जन से बचा जा सका है ।

इसके अलावा निम्नलिखित ऊर्जा संरक्षण उपाय किए गए हैं, ऊर्जा-कुशल रेट्रोफिटिंग-एलईडी लाइट्स, डीएएलआई (डिजिटल एड्रेसेबल लाइटिंग इंटरफेस) लाइटिंग कंट्रोल सिस्टम, डेलाइट हार्वेस्टिंग के लिए स्काई लाइट पाइप, कार्बन फुटप्रिंट और वाटर फुटप्रिंट को कम करना। सभी नए भवनों में हरित भवन की अवधारणा शुरू की गई है और भावी सभी भवन जीआरआईएचए रेटिंग (ग्रीन रेटिंग फॉर इंटीग्रेटेड हैबिटेट असेसमेंट) को पूरा करेंगे।

6. क्या कंपनी द्वारा उत्पन्न उत्सर्जन/अपशिष्ट वित्तीय वर्ष के लिए सीपीसीबी/एसपीसीबी द्वारा दी गई अनुमत सीमा के भीतर रिपोर्ट किया जा रहा है?

   हाँ। इस पर कड़ी नजर रखी जा रही है और इसकी सूचना दी जा रही है।

7. वित्तीय वर्ष के अंत तक सीपीसीबी/एसपीसीबी से प्राप्त कारण बताओ/कानूनी नोटिसों की संख्या जो लंबित हैं (अर्थात संतुष्टि के अनुसार समाधान नहीं):

   शून्य, कंपनी का पर्यावरण प्रबंधन और अनुपालन का अच्छा रिकॉर्ड है।

सिद्धांत 7

1. क्या आपकी कंपनी किसी व्यापार और चैंबर या एसोसिएशन की सदस्य है? यदि हां, तो केवल उन्हीं प्रमुख कंपनियों के नाम बताएं जिनसे आपका व्यवसाय संबंधित है:

   क. फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की)

   ख. भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई)

   ग. एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम)

   घ. सार्वजनिक उद्यमों का स्थायी सम्मेलन (स्कोप)

2. क्या आपने सार्वजनिक कल्याण की उन्नति या सुधार के लिए उपरोक्त संघों के माध्यम से वकालत की है/पैरवी की है? हां नहीं; यदि हां, तो विस्तृत क्षेत्र निर्दिष्ट करें (ड्रॉप बॉक्स: गवर्नेंस और प्रशासन, आर्थिक सुधार, समावेशी विकास नीतियां, ऊर्जा सुरक्षा, जल, खाद्य सुरक्षा, सतत व्यापार सिद्धांत, अन्य)।

   हां, जब भी नीतिगत दिशा-निर्देश जारी किए जाते हैं, सुझाव दिए जाते हैं। इसके अलावा, नीतियों पर हमारे दृष्टिकोण को सुगम बनाने के लिए संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में भी भाग लिया जाता है।

सिद्धांत 8

1. क्या कंपनी के पास सिद्धांत 8 से संबंधित नीति के अनुसरण में निर्दिष्ट कार्यक्रम/पहल/परियोजनाएं हैं? यदि हां, तो उसका विवरण दें।

   हाँ।

   कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 और कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) नियम, 2014 के प्रावधानों के अनुसार कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) द्वारा जारी विभिन्न स्पष्टीकरणों, संशोधनों के साथ एक कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति तैयार की है। सीएसआर परियोजनाओं को कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-VII के अनुरूप लिया जाता है, जिसे कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति में विधिवत रूप से शामिल किया गया है और यह हमारे सभी सीएसआर कार्यक्रमों के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत बनाता है।

   हमारे कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व में समग्र सामुदायिक विकास, संस्था निर्माण और टिकाऊपन से संबंधित पहलें शामिल हैं। हमारे कार्यक्रम क्षमता निर्माण उपायों, पिछड़े और वंचित वर्गों/समुदायों के सशक्तिकरण के माध्यम से समाज में समावेशी विकास और समान विकास में योगदान करते हैं।

मुख्य फोकस क्षेत्रों में शामिल है:

(i) **शिक्षा** - दूरस्थ सरकारी स्कूलों में सीखने के लिए अनुकूल माहौल की सुविधा।

(ii) **स्वास्थ्य सेवा और स्वच्छता** - सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को बढ़ाना और सरकारी स्कूलों में स्वच्छता सुविधाएं।

(iii) **ग्रामीण विकास** - गोद लिए गए गांवों में विकासात्मक कार्यक्रम शुरू करना।

(iv) **व्यावसायिक कौशल विकास** - समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के युवाओं को तकनीकी कौशल, रोजगार योग्यता कौशल प्रदान करना और उद्योग का अनुभव प्रदान करना।

(v) पर्यावरण का सतत विकास।

सामुदायिक विकास पर केंद्रित सीएसआर कार्यक्रमों/परियोजनाओं की रणनीति बनाने, योजना बनाने, अनुमोदन करने, कार्यान्वयन, निगरानी और रिपोर्टिंग के लिए दो स्तरीय संगठन संरचना मौजूद है।

2. फाउंडेशन/बाहरी एनजीओ/सरकारी संरचनाएं/कोई अन्य संगठन?

कंपनी की सीएसआर पहल इन-हाउस टीमों के माध्यम से की जाती है।

3. क्या आपने अपनी पहल का कोई प्रभाव मूल्यांकन किया है?

हाँ। कंपनी ने एक स्वतंत्र एजेंसी के माध्यम से स्वच्छ भारत मिशन के तहत बीईएल द्वारा निर्मित शौचालयों का प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन किया है। प्रभाव आकलन रिपोर्ट के लिए अनुलग्नक-2, सीएसआर गतिविधियों पर रिपोर्ट देखें।

4. सामुदायिक विकास परियोजनाओं में आपकी कंपनी का प्रत्यक्ष योगदान आईएनआर में कितना है और शुरू की गई परियोजनाओं का विवरण क्या है?

वर्ष 2021-22 के दौरान कंपनी द्वारा विभिन्न सीएसआर कार्यक्रमों/परियोजनाओं के लिए ₹ 5329.19 लाख की राशि आवंटित की गई थी। वर्ष के दौरान शुरू की गई सीएसआर परियोजनाओं का विवरण अनुलग्नक 2 - सीएसआर गतिविधियों पर रिपोर्ट में दिया गया है।

5. क्या आपने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं कि समुदाय द्वारा इस सामुदायिक विकास पहल को सफलतापूर्वक अपनाया जाए? कृपया स्पष्ट करें।

हाँ। कंपनी ने सामुदायिक विकास पर केंद्रित सीएसआर परियोजनाओं/कार्यक्रमों की पहचान करने और उन्हें लागू करने के लिए एक व्यापक प्रक्रिया स्थापित की है। कोई भी सीएसआर कार्यक्रम एक क्रॉस-फंक्शनल इन-हाउस टीम द्वारा आवश्यकता मूल्यांकन के साथ शुरू होता है। आवश्यकताओं पर समुदाय के साथ विचार-विमर्श किया जाता है, स्थानीय प्रशासन के परामर्श से प्राथमिकता दी जाती है और आवश्यक मंजूरी प्राप्त की जाती है। अनुमोदित सीएसआर परियोजनाओं के निष्पादन के दौरान, बीईएल टीमें अपने प्रमुख हितधारकों (स्थानीय समुदायों/लाभार्थियों, पंचायत, जिला प्रशासन आदि) के साथ नियमित संवाद और परामर्श करती हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सीएसआर परियोजनाओं के पूरा होने पर इच्छित लाभ प्राप्त हो गए हैं, इस प्रकार, यह समुदाय द्वारा सीएसआर कार्यक्रम को सफलतापूर्वक अपनाने का तरीका है।

कंपनी ने मानवता की सेवा के अपने सिद्धांतों और कोविड-19 महामारी के दौरान सामाजिक प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए सीएसआर कार्यक्रमों को शुरू किया है, जिसने सीधे समुदाय को प्रभावित किया। ऑक्सीजन की आवश्यकता को पूरा करने और देश में ऑक्सीजन संकट को कम करने में मदद करने के लिए 6 राज्यों के 12 सरकारी अस्पतालों में मेडिकल ऑक्सीजन जेनरेशन प्लांट स्थापित किए गए। दूरस्थ सरकारी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को संवर्धित किया गया था। यादगीर आकांक्षी जिले के सरकारी अस्पतालों में बाल चिकित्सा आईसीयू को वेंटिलेटर दान किए गए। कर्नाटक में रायचूर और यादगीर आकांक्षी जिलों में दिव्यांग व्यक्तियों को उनकी गतिशीलता को सुविधाजनक बनाने वाले उपकरणों और उपकरणों के साथ सहायता करके राहत प्रयासों में शामिल किया गया था।

सिद्धांत 9

1. वित्तीय वर्ष के अंत तक कितने प्रतिशत ग्राहक शिकायतें/उपभोक्ता मामले लंबित हैं।

31 मार्च 2022 तक कुल 12,939 शिकायतों में से कुल 1,227 ग्राहक शिकायतें लंबित हैं। यह दर्ज की गई कुल शिकायतों का 9.48% है। ग्राहकों की शिकायतों का निपटान एक सतत प्रक्रिया है। कंपनी दोषों को इस तरह से दूर करेगी कि उत्पाद/सिस्टम का डाउन टाइम न्यूनतम हो। हमारी उत्पाद सहायता टीमें उत्पादों/ प्रणालियों के बहुत करीब स्थित हैं और कम समय में उन तक पहुंच जाती हैं। 31 मार्च 2022 तक कोई कानूनी मामला लंबित नहीं है।

2. क्या कंपनी स्थानीय कानूनों के अनुसार अनिवार्य रूप से उत्पाद की जानकारी को उत्पाद लेबल पर प्रदर्शित करती है? हां/नहीं/नहीं/टिप्पणियां (अतिरिक्त जानकारी)

नहीं।

3. क्या पिछले पांच वर्षों के दौरान अनुचित व्यापार प्रथाओं, गैर-जिम्मेदार विज्ञापन और/या प्रतिस्पर्धा-विरोधी व्यवहार के संबंध में किसी भी हितधारक द्वारा कंपनी के खिलाफ कोई मामला दायर किया गया है और वित्तीय वर्ष के अंत तक लंबित है? यदि हां, तो उसका विवरण दें।

शून्य।

4. क्या आपकी कंपनी ने कोई उपभोक्ता सर्वेक्षण किया/उपभोक्ता संतुष्टि प्रवृत्तियों का पता लगाया?

हाँ। इस वर्ष कंपनी ने अंतिम उपयोगकर्ता (उत्पाद सर्वेक्षण) के संबंध में ग्राहकों की समग्र धारणाओं को समझने के लिए ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण आयोजित किया है। प्रश्नावली वितरित की जाती है और विभिन्न विश्लेषणात्मक तकनीकों का उपयोग करके बाहरी सर्वेक्षण एजेंसी द्वारा ग्राहकों की प्रतिक्रिया प्राप्त की जाती है और उनका विश्लेषण किया जाता है। वर्ष के दौरान संगठन को उत्कृष्टता ग्राहक संतुष्टि सूचकांक 84% और शुद्ध प्रमोटर स्कोर 59.06 प्राप्त हुआ है।

बोर्ड की ओर से

आनंदी रामलिंगम
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

बेंगलूरु
28 जुलाई 2022

स्वतंत्र लेखा परीक्षक का प्रतिवेदन

प्रतिष्ठा में, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के सदस्य

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की लेखा-परीक्षा पर रिपोर्ट

अभिमत

हमने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ("कंपनी") के संलग्न स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की लेखा-परीक्षा की है, जिसमें 31 मार्च, 2022 तक का तुलन पत्र, लाभ और हानि का विवरण (अन्य व्यापक आय सहित), इक्विटी में परिवर्तन का विवरण और समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्राप्ति का विवरण और वित्तीय विवरणों की टिप्पणियां, जिसमें महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी का सारांश शामिल है (जिसे यहाँ इसके बाद "स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण"कहा गया है) जिनमें गाज़ियाबाद, पंचकूला, कोटद्वार, पुणे, नवी मुंबई और मछिलिपट्टणम में स्थित कंपनी की शाखाओं के शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षित, उस तारीख को समाप्त वर्ष की विवरणियाँ शामिल हैं ।

हमारी राय में और जहां तक हमारी जानकारी है और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उक्त स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण कंपनी अधिनियम, 2013 ("एक्ट") द्वारा आवश्यक सूचना अपेक्षित ढंग से देते हैं और अधिनियम की धारा 133 जिसे कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015, यथा संशोधित ("भारतीय ए.एस.") के साथ पढ़ा जाना है तथा भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत अन्य लेखा सिद्धांतों में वर्णित भारतीय लेखा मानकों के अनुरूप सच्ची और उचित स्थिति प्रस्तुत करते हैं-

क. तुलन-पत्र के मामले में, 31 मार्च 2022 को कंपनी के कार्यकलाप;

ख. लाभ व हानि विवरण के मामले में, उस तारीख को समाप्त वर्ष के लाभ और कुल व्यापक आय;

ग. इक्विटी में परिवर्तन के विवरण के मामले में, उस तारीख को समाप्त वर्ष की इक्विटी में परिवर्तन तथा

घ. नकदी प्राप्ति विवरण के मामले में, उस तारीख को समाप्त वर्ष की नकदी प्राप्ति।

अभिमत का आधार

हमने अधिनियम की धारा 143 (10) के तहत निर्दिष्ट लेखा मानकों ("एस.ए.") के अनुसार अपनी स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है। उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को हमारी रिपोर्ट के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारियों खंड में अतिरिक्त रूप से बतया गया है। हम नैतिक अपेक्षाएँ जो अधिनियम और उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के तहत स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के साथ-साथ भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान ("आईसीआई") द्वारा जारी नैतिक आचार संहिता के अनुसार कंपनी से स्वतंत्र हैं, और हमने इन अपेक्षाओं तथा आईसीएआई की आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हमारा विश्वास है कि स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर हमने जो लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे हमारे अभिमत का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

लेखा परीक्षा के प्रमुख मामले

लेखा परीक्षा के प्रमुख मामले वे हैं जो हमारे पेशेवर निर्णय में, वर्तमान अवधि के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा में सबसे अधिक महत्वपूर्ण थे । स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की हमारे लेखा परीक्षा के संदर्भ में इन मामलों पर संपूर्ण रूप से विचार किया गया और उन पर हमारी राय निर्धारित करने में, हम इन मामलों पर एक अलग राय प्रदान नहीं करते हैं। हमने अपनी रिपोर्ट में सूचित किए जाने वाले लेखा-परीक्षा के प्रमुख मामलों के रूप में नीचे वर्णित मामलों का निर्धारण किया है

क्र. सं.	लेखा परीक्षा के प्रमुख मामले	लेखा परीक्षक के उत्तर
1	भारतीय लेखा मानक 115 - ग्राहकों की संविदा से राजस्व के प्रति राजस्व तथा संबंधित शेषों का अभिचिह्नन, मापन, प्रस्तुति और प्रकटण की सटीकता । इस मानक के अनुप्रयोग में सुस्पष्ट कार्य-निष्पादन देयताओं की पहचान, प्रत्येक अभिचिह्नित कार्य-निष्पादन देयता के लिए लेनदेन कीमत का निर्धारण, समय के दौरान या किसी निश्चित समय ऐसी कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करना सुनिश्चित करने के लिए प्रयुक्त निर्णयों का आंकलन शामिल है। इसके अतिरिक्त, इस मानक के अनुप्रयोग में संविदा को प्राप्त करने या उसे पूरा करने में उपगत लागत की राशि को अभिचिह्नित करने में प्रयुक्त निर्णय और वे अवधियाँ भी शामिल होती हैं जिनमें रिपोर्टिंग की तारीख के बाद कार्य-निष्पादन की देयताएँ पूरी की जाती हैं। ठेकों से कंपनी के राजस्व में मुख्यत: रक्षा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और प्रणालियों की आपूर्ति शामिल है। (स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की टिप्पणी संख्या 23 देखें और लेखा नीतियों का क्र.सं. 5 देखें)	**लेखा परीक्षा की प्रमुख प्रक्रियाएँ** हमारी लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं में आंतरिक नियंत्रणों तथा इस मानक के अनुप्रयोग के संबंध में उनकी प्रचालनीय प्रभावशीलता की पहचान शामिल है। हमने ऐसे लेनदेनों की सारभूत जाँच भी की है। क. हमने लागू भारतीय लेखा मानकों से तुलना करते हुए राजस्व निर्धारण नीतियों की उपयुक्तता का आकलन किया है। ख. चालू संविदाओं और नए संविदाओं के नमूने का चयन किया और कार्य-निष्पादन देयताओं की पहचान की और उसकी तुलना कंपनी द्वारा अभिचिह्नित कार्य-निष्पादन देयता के साथ की। ग. संविदा में विशिष्ट रूप से उल्लेख न किए जाने पर अभिचिह्नित कार्य-निष्पादन देयता हेतु लेनदेन कीमत के आबंटन के आधार का सत्यापन किया। घ. कार्य-निष्पादन देयता पूरी करना निर्धारित करने के आधार की पहचान की गई और उसकी तुलना कंपनी द्वारा समय के दौरान या किसी निश्चित समय पर कार्य-निष्पादन देयता पूरी करना निर्धारित करने में प्रयुक्त निर्णयों के साथ की गई। ङ. वचनबद्ध माल या सेवाओं के लिए कार्य-निष्पादन देयता पूरी करना निर्धारित करने हेतु विचार किए गए उचित साक्ष्यों का सत्यापन किया गया। च. ऐसी संविदाओं के संबंध में जहाँ कार्य-निष्पादन देयता पूरा करना समय पर निर्भर है, हमने राजस्व को अभिचिह्नित करने क लिए कंपनी द्वारा अभिचिह्नित विधि का सत्यापन किया और यह सुनिश्चित किया कि ऐसी विधियाँ कार्य-निष्पादन देयता की प्रकृति पर विचार करते हुए उपयुक्त हैं। छ. ऐसी लागतों की पहचान करने के लिए कंपनी द्वारा प्रयुक्त निर्णयों का सत्यापन किया जो संविदा को प्राप्त करने या पूरा करने में उपगत हुईं और जिस अवधि में ऐसी लागतों को परिशोधित किया जाएगा। ज. शेष कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने के लिए कंपनी के पास उपलब्ध योजना की समीक्षा की जिन्हें ऐसी अवधियों से संबंधित प्रकटण तैयार करने हेतु ग्राहक के आदेश में निर्धारित सुपुर्दगी शर्तों के आधार पर अभिचिह्नित किया गया जिनमें शेष पूरी न की गई या आंशिक रूप से पूरी की गई कार्य-निष्पादन देयताएँ रिपोर्टिंग तिथि के बाद पूरी की जानी हैं। झ. बिल और होल्ड व्यवस्थाओं के मामले में शर्त रहित विनियोजन के तहत कार्य-निष्पादन देयता की पहचान करने के लिए कंपनी द्वारा प्रयुक्त निर्णयों का सत्यापन किया।

क्र. सं.	लेखा परीक्षा के प्रमुख मामले	लेखा परीक्षक के उत्तर
2	दुर्वह संविदाओं के संबंध में महत्वपूर्ण अनुमान- ऐसी संविदाएँ जो दुर्वह बन गई हैं, के संबंध में कार्य-निष्पादन देयताएँ पूरी करने हेतु अपरिहार्य लागतों का प्राक्कलन करना महत्वपूर्ण है। कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने के लिए अपरिहार्य लागत जो लेखा प्राक्कलन है, प्राक्कलन की अनिश्चितता के अधीन है। (स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की टिप्पणी संख्या 21 और लेखा नीतियों का क्र. सं. 23 देखें)	**लेखा परीक्षा की प्रमुख प्रक्रिया** हमने दुर्वह संविदाओं तथा ऐसी संविदाओं को पूरा करने की लागत की पहचान करने के लिए उपलब्ध आंतरिक नियंत्रणों के संबंध में कंपनी के प्रबंधन से पूछताछ की है । क. चालू तथा नए ठेकों के नमूनों का चयन किया और किसी विशेष ठेके की लागत निर्धारित करने के लिए विद्यमान नियंत्रण और उसमें पूरी न की गई / आंशिक रूप से पूरी की गई कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने की लागत के प्राक्कलन की प्रभावशीलता की जांच की। ख. नियंत्रणों और दुर्वह संविदाओं के लिए अपरिहार्य लागतों के प्राक्कलन निर्धारित करने की समुचित प्रक्रियाओं की जाँच की। ग. कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने और उसमें आई लागत को पूरा करने के लिए जारी क्रय / सेवा आदेशों का सत्यापन किया। घ. संबंधित संविदाओं पर उपगत लागतों की पहचान करने के लिए आंतरिक नियंत्रणों का सत्यापन किया और यह सुनिश्चित किया गया कि संविदा की संबंधित लागत ही दर्ज की जाती है। ङ. जुर्माने, संविदा में संशोधनों के संबंध में शेष कार्य-निष्पादन देयताओं के प्रति संविदा कीमत में संभावित कटौतियों का सत्यापन
3	समय के दौरान कार्य-निष्पादन देयता को पूरा करने की अनुमानित लागत के संबंध में महत्वपूर्ण प्राक्कलन किए गए । इस प्राक्कलन में कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने की लागत का अनुमान लगाने की निश्चितता की अंतर्निहित सीमा है। (स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की टिप्पणी संख्या 23 और लेखा नीतियों का क्र. सं. 5 देखें)	**लेखा परीक्षा की प्रमुख प्रक्रिया-** हमने ऐसी संविदाओं की पहचान करने के लिए उपलब्ध आंतरिक नियंत्रणों के संबंध में कंपनी के प्रबंधन से पूछताछ की है जहाँ समय के दौरान कार्य-निष्पादन देयता पूरी की गई हैं- क. चालू तथा नए ठेकों के नमूनों का चयन किया और किसी विशेष ठेके की लागत निर्धारित करने के लिए विद्यमान नियंत्रण और उसमें पूरी न की गई / आंशिक रूप से पूरी की गई कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने की लागत के प्राक्कलन की प्रभावशीलता की जांच की। ख. नियंत्रणों और संविदा को पूरा करने के लिए किए गए प्राक्कलन निर्धारित करने की समुचित प्रक्रियाओं की जाँच की। ग. कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने और उसमें आई लागत को पूरा करने के लिए जारी क्रय / सेवा आदेशों का सत्यापन किया। घ. संबंधित संविदाओं पर उपगत लागतों की पहचान करने के लिए आंतरिक नियंत्रणों का सत्यापन किया और यह सुनिश्चित किया गया कि संविदा की संबंधित लागत ही दर्ज की जाती है। ङ. जुर्माना, ठेका संशोधनों के संबंध में शेष कार्य-निष्पादन देयताओं के ठेका मूल्य में संभावित कटौतियों का सत्यापन किया। च. कंपनी के प्रबंधन के साथ चर्चा की और इस बात का विश्लेषण किया कि प्राक्कलित लागत ऐसे कार्यों के लिए है जो कार्य-निष्पादन देयता को पूरा करने के लिए लंबित है।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण और उन पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के अलावा अन्य जानकारी

कंपनी का निदेशक मंडल अन्य सूचनाओं की तैयारी के लिए जिम्मेदार है । अन्य सूचना में बोर्ड की रिपोर्ट शामिल है जिसमें इसके अनुलग्नक, कॉर्पोरेट गवर्नेंस और शेयरधारकों की सूचना शामिल है, लेकिन इसमें स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण और उन पर हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट शामिल नहीं है।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर हमारी राय में अन्य जानकारी शामिल नहीं है और हम उन पर किसी भी प्रकार का आश्वासन निष्कर्ष व्यक्त नहीं करते हैं।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की हमारे लेखा परीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी अन्य जानकारी को पढ़ना और ऐसा करते समय यह विचार करना है कि क्या अन्य जानकारी वास्तविक रूप से स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के असंगत है या हमारी लेखा परीक्षा के दौरान प्राप्त हमारा ज्ञान या अन्यथा वास्तविक रूप से गलत बताया गया है या नहीं।

यदि हमारे द्वारा किए गए कार्य के आधार पर, हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि ऐसी अन्य जानकारी में वास्तविक रूप से गलत कथन दिए गए हैं तो हमें ऐसे तथ्य की रिपोर्ट करनी होगी। इस संबंध में हम कोई रिपोर्ट नहीं करते हैं ।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और गवर्नेंस का कार्य सौंपे गए लोगों का उत्तरदायित्व

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत भारतीय एसएस और अन्य लेखा सिद्धांतों के अनुसार कंपनी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय कार्य-निष्पादन, कुल व्यापक आय, स्टैंडअलोन इक्विटी में परिवर्तन तथा नकदी प्राप्तियों की सच्ची और सही स्थिति प्रदान करते हैं, तैयार करने के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(5) में बताए गए मामलों के लिए कंपनी का निदेशक मंडल उत्तरदायी है । कंपनी का प्रबंधन कंपनी की परिसंपत्तियों को सुरक्षित रखने के लिए तथा धोखाधड़ी या अन्य अनियमितताओं से रोकथाम करने और उनका पता लगाने; उचित लेखा नीतियों का चयन और लागू करने; उचित और दूरदर्शी निर्णय लेने और अनुमान लगाने; और समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण तैयार करने, लागू करने और बनाए रखने जो स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण, जो सच्ची और सही स्थिति दर्शाते हैं और महत्वपूर्ण मिथ्याकथनों से मुक्त हैं, चाहे कपट या त्रुटि से क्यों न हों, जिसका उपयोग यथा उपरोक्त कंपनी के निदेशकों द्वारा स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के प्रयोजन के लिए किया गया, को तैयार करने और प्रस्तुत करने से संबंधित, लेखा अभिलेखों की सटीकता और संपूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप से प्रचालित हो रहे थे, के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार समुचित लेखा अभिलेख रखने के लिए उत्तरदायी है।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण तैयार करने में, कंपनी के प्रबंधन सक्रिय व लाभप्रद कारोबार को जारी रखने में योग्यता का आंकलन करने, सक्रिय व लाभप्रद कारोबारी से संबंधित मामलों का यथा लागू प्रकटण करने और लेखों का सक्रिय व लाभप्रद कारोबार के आधार का उपयोग करने के लिए उत्तरदायी है जब तक कि प्रबंधन का आशय कंपनी को परिसमाप्त करना न हो या कामकाज बंद करना न हो या ऐसा करने के अलावा कोई अन्य विकल्प न हो ।

निदेशक मंडल कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया का पर्यवेक्षण करने के लिए भी उत्तरदायी है।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक के उत्तरदायित्व

हमारा उद्देश्य इस संबंध में औचित्यपूर्ण आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या ये स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण पूर्णत: महत्वपूर्ण मिथ्याकथन से मुक्त हैं, चाहे वे कपट या त्रुटि के कारण हों, और अपने विचार के समर्थन में लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना है । औचित्यपूर्ण आश्वासन उच्च स्तर का आश्वासन होता है परंतु यह इस बात की गारंटी नहीं है कि एस.ए. के अनुसार की गई लेखा परीक्षा विद्यमान होने पर हमेशा किसी महत्वपूर्ण मिथ्याकथन का पता लगाएगी। मिथ्याकथन कपट या त्रुटि से उत्पन्न हो सकते हैं और उन्हें वैयक्तिक रूप से या सकल रूप से महत्वपूर्ण माने जाने पर, वे इन स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के आधार पर प्रयोक्ताओं द्वारा लिए गए आर्थिक निर्णयों को पर्याप्त रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

एस.ए. के अनुसार लेखा परीक्षा के भाग के रूप में, हमने पेशेवर निर्णय लिया है और संपूर्ण लेखा परीक्षा के दौरान पेशेवर संशयवाद बनाए रखा है । हमने -

- कपट या त्रुटि, डिज़ाइन के कारण इन स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के महत्वपूर्ण मिथ्याकथनों के जोखिमों की पहचान भी की है और उनका आंकलन भी किया है और ऐसे जोखिमों को कम करने वाली लेखा परीक्षा प्रक्रियाएँ पूरी की है और हमारे विचार का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और समुचित लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किया है। कपट के परिणामस्वरूप किसी महत्वपूर्ण मिथ्याकथन का पता न लगा पाने का जोखिम त्रुटि के परिणामस्वरूप होने वाले मिथ्याकथन से अधिक होता है क्योंकि कपटपूर्ण कार्य में मिली-भगत, धोखाधड़ी, जानबूझकर विलोपन, गलत-बयानी या आंतरिक नियंत्रण का उल्लंघन शामिल होता है।
- परिस्थितियों के लिए उचित लेखा परीक्षा प्रक्रियाएँ तैयार करने के उद्देश्य से लेखा परीक्षा के संगत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण को भी समझा है। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(3)(i) के तहत, हम इस पर भी अपने विचार व्यक्त करने के लिए उत्तरदायी हैं कि, क्या कंपनी के पास स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण के संदर्भ में समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली मौजूद है और क्या ऐसे नियंत्रण प्रभावी से कार्यान्वित किए जा रहे हैं।
- प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखा नीतियों की उपयुक्तता तथा लेखा प्राक्कलनों तथा संबंधित प्रकटणों की औचित्यता का भी मूल्यांकन किया है।
- लेखांकन के सक्रिय व लाभप्रद कारोबार आधार के प्रबंधन के उपयोग की उपयुक्कतता का भी निष्कर्ष निकाला है और लेखा परीक्षा से प्राप्त साक्ष्य के आधार पर, चाहे कार्यशील संस्था के रूप में जारी रहने की ग्रूप और उसके संबद्ध की क्षमता पर उल्लेखनीय संदेह पैदा करने वाली घटनाओं या परिस्थितियों से संबंधित कोई महत्वपूर्ण अनिश्चितता हो या न हो । यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि महत्वपूर्ण निश्चितता है, तो हमें स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटणों के लिए अपनी लेखा परीक्षक की

रिपोर्ट में ध्यान आकृष्ट करना होगा या यदि ऐसे प्रकटण समुचित नहीं हैं तो अपने विचार में संशोधन करना होगा। हमारे निष्कर्ष हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। बहरहाल, भावी घटनाएँ या परिस्थितियाँ ग्रूप और उसके संबद्ध को कार्यशील संस्था के रूप में जारी रखना समाप्त कर सकती हैं।

- प्रकटण सहित स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण, संरचना एवं सामग्री का मूल्यांकन भी किया है और इस बात का भी मूल्यांकन किया है कि क्या ये स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेनों और घटनाओं को उस तरह से दर्शाते हैं कि उनका उचित प्रस्तुतीकरण किया जा सके।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में मिथ्याकथनों की मात्रा की महत्ता होती है जो वैयक्तिक रूप से या सकल रूप से इसकी संभावना बनाते हैं कि इन स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों का उचित ज्ञान रखने वाले प्रयोक्ता के आर्थिक निर्णय प्रभावित हो सकते हैं। हमने (i) अपनी लेखा परीक्षा के कार्यक्षेत्र की योजना बनाने और अपने कार्य के परिणामों का मूल्यांकन करने में; और (ii) स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में किसी अभिचिह्नित मिथ्याकथन के प्रभाव का आंकलन करने में प्रमात्रात्मक महत्ता और गुणात्मक कारकों पर विचार किया है।

हमने अपनी लेखा परीक्षा के दौरान पाई गई आंतरिक नियंत्रण की किसी उल्लेखनीय कमी सहित, लेखा परीक्षा और उल्लेखनीय लेखा परीक्षा के उल्लेखनीय परिणामों के योजित कार्यक्षेत्र और समय के संबंध में, अन्य बातों के साथ-साथ, ऐसे लोग जिन्हें गवर्नेंस का कार्य सौंपा गया है, से बातचीत की है ।

हमने गवर्नेंस का कार्य सौंपे गए लोगों को ऐसे विवरण भी प्रदान किए हैं कि हमने स्वतंत्रता संबंधी संगत नैतिक आवश्यकताओं का पालन किया है और उन्हें ऐसे सभी संबंधों तथा अन्य मामलों के बारे में बताया है जिन्हें हमारी स्वतंत्रता से उचित से संबद्ध माना जा सकता है और जहाँ लागू हो, संबंधित बचाव किए गए हैं।

गवर्नेंस का कार्य सौंपे गए लोगों को बताए गए मामलों में से, हमने ऐसे मामलों को लिया जो चालू अवधि के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा में सर्वाधिक महत्वपूर्ण थे, इसलिए लेखा परीक्षा के प्रमुख मामले हैं। इन मामलों का वर्णन हमने अपनी लेखा परीक्षक रिपोर्ट में किया है जब तक कि ऐसे मामले का प्रकटण कानून या विनियम द्वारा प्रतिबंधित नहीं किया जाता है या जब अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में, हम यह तय करते हैं कि मामले की सूचना हमारी रिपोर्ट में दी जानी चाहिए क्योंकि ऐसा करने के प्रतिकूल परिणाम ऐसी सूचना के लोक हित अनुलाभ से महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।

हमने स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर अपने विचार तय करने में कंपनी के शाखा लेखा परीक्षक द्वारा लेखा परीक्षित छ: शाखाओं की लेखा परीक्षा रिपोर्ट पर विचार किया है।

अन्य मामले

1. हमने कंपनी के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में शामिल छ: शाखाओं के वित्तीय विवरण की लेखा परीक्षा नहीं की है जिनके वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2022 को रु. 5,98,940 लाख की कुल परिसंपत्तियाँ और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए रु. 5,16,364 लाख के कुल राजस्व को दर्शाते हैं जैसा कि इन स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में विचार किया गया है। इन शाखाओं के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा भारत के नियंत्रक व महा लेखा परीक्षक द्वारा नियुक्त शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा की गई है जिनकि रिपोर्ट हमें दी गई है और जहां तक हमारे विचार इन शाखाओं के संबंध में शामिल राशियों और प्रकटणों से संबंधित हैं, पूरी तरह ऐसे शाखा लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर आधारित हैं।

2. 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी की तुलनात्मक वित्तीय सूचना जिसे भारतीय ए.एस. के अनुसार तैयार किया गया है और इन स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में शामिल किया गया है, की लेखा परीक्षा पूर्ववर्ती लेखा परीक्षक द्वारा किया गया है जिसमें अधिसूचना दिनांक 24 मार्च 2021 की अनुसूची III के खंड II में दिए गए संशोधितों के संबंध में प्रस्तुती और प्रकटण संबंधी तुलनात्मक सूचना शामिल नहीं है। तुलनात्मक वित्तीय सूचना पर पूर्ववर्ती लेखा परीक्षक की रिपोर्ट दिनांक 17 अगस्त 2021 पर हमारा विचार संशोधित नहीं है ।

अन्य विधिक एवं विनियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

1. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 की उप-धारा (11) के संदर्भ में भारत के केंद्र सरकार द्वारा जारी कंपनी (लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट) आदेश, 2020 ("ऑर्डर") में की गई अपेक्षा अनुसार, अनुलग्नक-'क' में हमने लागू सीमा तक उक्त आदेश के अनुच्छेद 3 और 4 में निर्दिष्ट मामलों पर एक विवरण प्रस्तुत किया है।

2. अधिनियम की धारा 143(3) में बताई गई आवश्यकता अनुसार, हमारी लेखा परीक्षा के अनुसार हम रिपोर्ट करते हैं कि-

   क. हमने ऐसी सभी सूचनाएँ और स्पष्टीकरण की मांग की और प्राप्त किया जो जहाँ तक हमारी जानकारी और विश्वास है, हमारी उक्त स्टैंडअलोन वित्तीय परिणामों की लेखा परीक्षा के प्रयोजनार्थ आवश्यक थे।

   ख. हमारे विचार से, जहाँ तक खाता बहियों के हमारे परीक्षण से प्रतीत होता है, कंपनी ने कानून द्वारा यथा आवश्यक, उचित लेखा बहियाँ रखी हैं। यूनिटों (बेंगलूरु कॉमप्लेक्स, हैदराबाद और चेन्नै) तथा कार्पोरेट कार्यालय के खातों की लेखा परीक्षा हमारे द्वारा की गई जबकि गाज़ियाबाद, पंचकूला, कोटद्वार, पुणे, नवी मुंबई और मछिलिपट्टणम यूनिटों की लेखा परीक्षा संबंधित शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा की गई। हमने अपनी रिपोर्ट तैयार करते समय इन शाखा लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर विचार किया। न्यू यॉर्क, सिंगापुर और अन्य कार्यालयों के मामले में, जिनका दौरा हमने नहीं किया, उक्त कार्यालयों से प्राप्त विवरणियाँ / अभिलेख का सत्यापन किया गया और हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोजनार्थ उन्हें समुचित पाया गया।

ग. अधिनियम की धारा 143(8) के तहत शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षित कंपनी के शाखा कार्यालयों के लेखों की रिपोर्ट (गाज़ियाबाद, पंचकूला, कोटद्वार, पुणे, नवी मुंबई और मछिलिपट्टणम यूनिटों के संबंध में) हमें भेजी गई और इस रिपोर्ट को तैयार करने में उस पर उचित रूप से विचार किया गया।

घ. इस रिपोर्ट में व्यवहरित तुलन पत्र, लाभ व हानि की विवरणी, अन्य व्यापक आय, इक्विटी में परिवर्तन की विवरणी तथा नकदी प्राप्ति विवरणी कंपनी द्वारा रखी गई लेखा बहियों और कार्यालय जिनकी लेखा परीक्षा हमने नहीं किया, से प्राप्त विवरणियों के अनुरूप हैं ।

ङ. हमारे विचार से, उक्त स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 जिसे कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 7 के साथ पढ़ा जाना है, में निर्दिष्ट भारतीय लेखा मानकों का पालन करते हैं।

च. चूँकि कंपनी सरकारी कंपनी है, निदेशकों की अनर्हता के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 164(2) के प्रावधान लागू नहीं होते हैं।

छ. कंपनी की स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता और ऐसे नियंत्रणों की प्रचालनीय प्रभावशीलता के संबंध में, **"अनुलग्नक-ख"** में हमारी अलग रिपोर्ट देखें, जो कंपनी की लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर है।

ज. कंपनी अधिनियम, 2013, यथा संशोधित, की धारा 197(16) की अपेक्षाओं के अनुसार लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में -

हमारी राय में जहाँ तक हमारी जानकारी है चूँकि यह कंपनी सरकारी कंपनी है, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 जिसे अनुसूची V के साथ पढ़ा जाना है, के प्रावधानों के अनुसार प्रबंधकीय पारिश्रमिक के भुगतान से संबंधित प्रावधान लागू नहीं होते हैं।

झ. कंपनी (लेखा परीक्षा एवं लेखा परीक्षक) नियम, 2014, यथा संशोधित के नियम 11 के अनुसार लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में, हमारे विचार से तथा जहाँ तक हमारी जानकारी है और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार -

ञ. कंपनी ने 31 मार्च 2022 के अपने स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में अपनी वित्तीय स्थिति पर लंबित मुकदमों के प्रभाव को प्रकट किया है - स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं. 30(8) देखें।

ii. कंपनी ने दीर्घकालीन संविदाओं पर महत्वपूर्ण पूर्वानुमान योग्य हानि, यदि कोई हो, के लिए लागू कानून या लेखा मानकों के तहत यथा अपेक्षित प्रावधान किए हैं - स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं. 21 देखें। कंपनी में कोई व्युत्पन्नी संविदा नहीं है - स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं. 30(15) देखें।

iii. कंपनी द्वारा निवेशक शिक्षा एवं संरक्षा निधि को अंतरित की जाने वाली राशि में कोई विलंब नहीं किया गया।

iv. क) प्रबंधन ने बताया है कि जहां तक उसकी जानकारी और विश्वास है, कंपनी द्वारा विदेशी स्वत्व ("मध्यस्थ") सहित किसी अन्य व्यक्ति या स्वत्व में या उसे इस समझौते के साथ, चाहे लिखित रूप में या अन्यथा दर्ज हो, कोई निधि (जो वैयक्तिक रूप से या सम्मिलित रूप से महत्वपूर्ण है) अग्रेषित नहीं की गई है या कर्ज पर नहीं दी गई है या निवेश नहीं की गई है (उधार ली गई निधि से या शेयर प्रीमियम से या किसी अन्य स्रोत से या निधियों के रूप में) कि मध्यस्थ कंपनी ("अंतिम हितलाभी") द्वारा या कंपनी की ओर से किसी भी तरीके से अभिचिह्नित अन्य व्यक्तियों या स्वत्वों में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कर्ज नहीं देंगे या उनमें निवेश नहीं करेंगे या अंतिम हितलाभी की ओर से कोई गारंटी, प्रतिभूति या सदृश्य प्रदान नहीं करेंगे;

ख) प्रबंधन ने बताया है कि जहां तक उसकी जानकारी और विश्वास है, कंपनी द्वारा विदेशी स्वत्व ("वित्तपोषण पक्षकार") सहित किसी अन्य व्यक्ति या स्वत्व से इस समझौते के साथ, चाहे लिखित रूप में या अन्यथा दर्ज हो, कोई निधि (जो वैयक्तिक रूप से या सम्मिलित रूप से महत्वपूर्ण है) प्राप्त नहीं की गई है कि वित्तपोषण पक्षकार ("अंतिम हितलाभी") द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरीके से अभिचिह्नित अन्य व्यक्तियों या स्वत्वों में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कर्ज नहीं देंगे या उनमें निवेश नहीं करेंगे या अंतिम हितलाभी की ओर से कोई गारंटी, प्रतिभूति या सदृश्य प्रदान नहीं करेंगे;

ग) लेखा परीक्षा की प्रक्रियाओं के आधार पर जिन्हें हमने परिस्थितियों में उचित और उपयुक्त पाया है, हमारे संज्ञान में ऐसी कोई बात नहीं आई है जिसके कारण हमें यह विश्वास करना पड़े कि उक्त (क) और (ख) में बताए गए अनुसार, नियम 11(ई) के उप-खंड (i) और (ii) में दिए गए अभ्यावेदन में कोई महत्वपूर्ण मिथ्याकथन है।

v. स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 30(18) में बताए गए अनुसार

क) पिछले वर्ष में प्रस्तावित अंतिम लाभांश जिसे कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान घोषित और अदा किया गया, अधिनियम की यथा लागू धारा 123 के अनुसार है।

ख) कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान तथा इस रिपोर्ट की तारीख तक घोषित और अदा किया गया अंतरिम लाभांश अधिनियम की धारा 123 के अनुसार है।

ग) कंपनी के निदेशक मंडल ने वर्ष के अंतिम लाभांश का प्रस्ताव किया है जो आगामी वार्षिक आम बैठक में सदस्यों के अनुमोदन के अधीन है। प्रस्तावित लाभांश की राशि अधिनियम की यथा लागू धारा 123 के अनुसार है।

vi. लेखा बहियों के रख-रखाव के लिए लेखा साफ्टवेयर पर रिपोर्टिंग उत्तरदायित्व अगले वित्तीय वर्ष के लिए आस्थगित रखा गया है।

3. अधिनियम की धारा 143(5) में की गई अपेक्षा अनुसार, हमने भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक द्वारा जारी निर्देशों, उन पर की गई कार्रवाई और **"अनुलग्नक-ग"** में कंपनी के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर उनके प्रभाव पर विचार किया है।

कृते गुरु एंड जना
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं.- 006826एस
अनंत प्रसाद बी आर
साझेदार
सदस्यता सं. -218145
यूडीआईएन - 22218145AJLRUO1188

वाराणसी
23 मई 2022

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की समान तारीख की रिपोर्ट का "अनुलग्नक-क"

(भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सदस्यों की हमारी इसी तारीख की रिपोर्ट के "अन्य विधिक एवं विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट" खंड के तहत अनुच्छेद 1 में संदर्भित)

जहां तक हमारी जानकारी है और कंपनी द्वारा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों और लेखा परीक्षा के सामान्य क्रम में हमारे द्वारा जांची गई लेखा बहियों और अभिलेखों के अनुसार, हम सूचित करते हैं कि -

i. कंपनी की संपत्ति, संयंत्र व उपकरणों तथा अमूर्त परिसंपत्तियों के संबंध में -

क. क. कंपनी ने सामान्य रूप से उचित अभिलेख रखे हैं जिनमें संपत्ति, संयंत्र व उपकरणों के परिमाणात्मक विवरण और स्थिति तथा उपयोग के अधिकार की परिसंपत्तियों के संबंधित विवरण सहित, पूर्ण विवरण दर्शाए गए हैं।

ख. कंपनी ने अपनी अचल परिसंपत्तियों के प्रमात्रात्मक विवरण और परिस्थितियाँ सहित पूर्ण विवरण दर्शाते हुए सामान्य रूप से उचित अभिलेख रखे हैं।

ख. वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा संपत्ति, संयंत्र व उपकरणों का भौतिक सत्यापन किया गया और ऐसे सत्यापन में कोई महत्वपूर्ण विसंगति देखने को नहीं मिली।

ग. अचल संपत्तियों के हक विलेख कंपनी के नाम पर हैं सिवाय ऐसी संपत्ति के जिसका उल्लेख स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं. 1 (xiv) में किया गया है।

घ. कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी संपत्ति, संयंत्र व उपकरण, उपयोग के अधिकार की परिसंपत्तियों तथा अमूर्त परिसंपत्तियों का पुनर्मूल्यांकन नहीं किया है।

ङ. बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम, 1988 (2016 में यथा संशोधित) और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत किसी बेनामी संपत्ति को धारित करने के लिए 31 मार्च 2022 को कंपनी के समक्ष वर्ष के दौरान कोई कार्यवाही शुरु नहीं की गई या लंबित नहीं है।

ii. क. कंपनी ने उचित अंतराल में वस्तुसूची का भौतिक सत्यापन किया है और हमारे विचार में, कंपनी द्वारा किए गए ऐसे सत्यापन की परिधि और प्रक्रिया उचित है; इसके अलावा, वस्तुसूची के प्रत्येक वर्ग के कुल में 10% या उससे अधिक की विसंगति नहीं थी, इसलिए, हम इस विषय पर कोई टिप्पणी नहीं कर रहे हैं।

उप-ठेकेदारों के पास की सामग्री के संबंध में, अधिकांश पुष्टिकरण प्राप्त किए गए और लेखा बहियों के साथ उनका समाधान किया गया। बहरहाल, ऐसी मदों के मामले में जहां पुष्टिकरण प्राप्त नहीं हुए हैं और जो उल्लेखनीय नहीं हैं, कंपनी लेखा बहियों में आवश्यक प्रावधान करते हुए ऐसे मामलों से निपटती है।

ख. कंपनी ने चालू परिसंपत्तियों की प्रतिभूति के आधार पर बैंकों से कुल पांच करोड़ रु. से अधिक की कार्यशील पूंजी सीमा स्वीकृत की है। किसी भी वित्तीय संस्थान से कोई कार्यशील पूंजी सीमा नहीं ली गई है। ऐसे बैंकों में कंपनी द्वारा दाखिल तिमाही विवरणी या विवरण कंपनी की लेखा बहियों के अनुरूप है।

iii. कंपनी ने कर्मचारियों को ऋण की प्रकृति में दिए गए ऋण और अग्रिम राशि को छोड़कर, किसी कंपनी, फर्म, सीमित दायित्व वाली साझेदारी या किसी अन्य पक्षकार के साथ कोई निवेश नहीं किया है, ऋण, रक्षित या अरक्षित की प्रकृति की कोई गारंटी या प्रतिभूति प्रदान नहीं की है या अग्रिम प्रदान नहीं किया है।

क. वर्ष के दौरान, कंपनी ने कर्मचारियों को ऋण की प्रकृति के ऋण व अग्रिम को छोड़कर किसी अन्य स्वत्व को ऋण की प्रकृति के ऋण, अग्रिम प्रदान नहीं किया है या इसके लिए गारंटी या प्रतिभूति नहीं दी है -

(₹ लाख में)

विवरण	गारंटी	प्रतिभूति	ऋण	ऋण की प्रकृति के अग्रिम
कर्मचारियों को वर्ष के दौरान स्वीकृत/ प्रदान की गई कुल राशि	कुछ नहीं	कुछ नहीं	113.85	340.06
उक्त के संबंध में तुलन-पत्र की तारीख में शेष बकाया	कुछ नहीं	कुछ नहीं	560.33	241.35

ख. यदि ऋण की प्रकृति के स्वीकृत ऋण और अग्रिम कंपनी के हित के प्रतिकूल नहीं है।

ग. ऋण की प्रकृति के स्वीकृत ऋण और अग्रिम के मामले में, मूलधन के चुकतान और ब्याज के भुगतान की अनुसूची निर्दिष्ट है और चुकतान / प्राप्तियां नियमित हैं।

घ. नीचे दी गई राशियों के अलावा, ऋण की प्रकृति के स्वीकृत ऋण और अग्रिम के संबंध में, 90 दिनों से अधिक की अवधि की अतिदेय राशि नहीं है।

(₹ लाख में)

मामलों की सं.	अतिदेय मूलधन	अतिदेय ब्याज	कुल अतिदेय	अभ्युक्ति (यदि कोई हो)
1	0.51	-	0.51	

इसके अलावा, कंपनी द्वारा अतिदेय राशि की वसूली के लिए किए गए उपाय समुचित हैं।

ङ. ऋण की प्रकृति के प्रदान किए गए कोई ऋण / अग्रिम जो वर्ष के दौरान देय थे, को समान पक्षकारों को दिए गए मौजूदा ऋण के अतिदेय को निपटाने के लिए नवीकृत नहीं किया गया या विस्तारित नहीं किया गया अथवा नए ऋण नहीं दिए गए।

च. कंपनी ने मांग पर चुकौती योग्य अथवा चुकतान की शर्त या अवधि को निर्दिष्ट किए बिना ऋण की प्रकृति का कोई ऋण या अग्रिम नहीं प्रदान किया है।

iv. चूँकि कंपनी सरकारी कंपनी है, ऋण, निवेश, गारंटी और प्रतिभूति के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 185 और 186 के प्रावधान लागू नहीं होते हैं।

v. कंपनी ने भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी निर्देशों तथा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 73 से 76 या कोई अन्य संबंधित प्रावधान और उनके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार कंपनी ने चालू वर्ष में सार्वजनिक से कोई जमा राशि स्वीकार नहीं की है। हमें सूचित किया गया कि कंपनी विधि बोर्ड या राष्ट्रीय कंपनी विधि ट्रिब्यूनल या भारतीय रिज़र्व बैंक या किसी न्यायालय अथवा किसी अन्य ट्रिब्यूनल द्वारा कोई आदेश पारित नहीं किया गया ।

सभी जमा राशियाँ परिपक्व हो गई हैं उनका निपटान कर दिया गया है सिवाय रु. 36.95 लाख के, जिसमें से रु. 36.50 लाख को लोकायुक्त, बेंगलूरु के गारनिशी आदेश के अनुसार रोक रखा गया है और शेष रु. 0.45 लाख हालांकि परिपक्व हो गया है, कानूनी मामलों के कारण अदत्त है।

vi. हमने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 (1) (डी) के तहत लागत अभिलेख रखने के लिए केंद्र सरकार द्वारा वर्णित कंपनी (लागत अभिलेख व लेखा परीक्षा) नियम, 2014 के तारतम्य में कंपनी द्वारा रखी गई लागत संबंधी सामग्री, श्रम व अन्य मदों से संबंधित लेखा बहियों की व्यापक समीक्षा की है और हमारा विचार है कि प्रथम दृष्टया, निर्धारित लेखे और अभिलेख बनाए और रखे गए हैं। बहरहाल, वे सटीक या संपूर्ण हैं यह निर्धारित करने की दृष्टि से हमने लागत अभिलेखों का विस्तृत परीक्षण नहीं किया है।

vii. सांविधिक देयों के संबंध में -

क. हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा लेखा बहियों और अभिलेखों के हमारे परीक्षण के आधार पर, कंपनी समुचित प्राधिकारियों को माल व सेवा कर, भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आय कर, विक्रय कर, सेवा कर, उत्पाद कर, सीमा शुल्क, मूल्य वर्धित कर, उपकर तथा अन्य अन्य सांविधिक देयों सहित अविवादित सांविधिक देयों को जमा करने में सामान्य रूप से नियमित रही है। 31 मार्च 2022 को उक्त के संबंध में बकाया राशि के रूप में देय कोई अविवादित राशि नहीं थी जो उनके देय होने की तारीख से छ महीनों से अधिक अवधि के लिए देय थी।

ख. उप-खंड (ए) में संदर्भित सांविधिक देय जो विवाद के कारण 31 मार्च 2022 को जमा नहीं किए गए थे, के ब्यौरे नीचे दिए गए हैं -

सांविधि की प्रकृति	देय राशि की प्रकृति	राशि (₹ लाख में)	अवधि जिससे राशि संबंधित है	फोरम जहाँ विवाद लंबित है
आय कर अधिनियम, 1961	कर निर्धारण आदेशों के अनुसार अस्वीकृतियाँ	2,765.37	2008-09, 2009-10, 2011-12 से 2013-14, 2015-16 से 2017-18	आय कर आयुक्त (अपील)
वित्त अधिनियम, 1994 का अध्याय V	सेवा कर	206.75	2011-12	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय ट्रिब्यूनल (सीईएसटीएटी)
केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	मोडवैट क्रेडिट	23.65	1991-92	आयुक्त अपील
केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	उत्पाद शुल्क पर ब्याज	243.87	2011-12 और 2012-13	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय ट्रिब्यूनल (सीईएसटीएटी)
सीमा शुल्क अधिनियम, 1962	सीमा शुल्क	25.45	2012-13	सीमा शुल्क आयुक्त (अपील)

सांविधि की प्रकृति	देय राशि की प्रकृति	राशि (₹ लाख में)	अवधि जिससे राशि संबंधित है	फोरम जहाँ विवाद लंबित है
केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	उत्पाद शुल्क	6.04	1991-92	आयुक्त (अपील)
विक्रय कर अधिनियम, बिहार	बिहार विक्रय कर के तहत विवादित कर	66.44	1995-96 से 1997-98	वाणिज्यिक कर आयुक्त (अपील), चिरकुंडा, बिहार
आंध्र प्रदेश राज्य वैट अधिनियम	विक्रय कर	21.66	2009-10	वाणिज्यिक कर अधिकारी, नामपल्ली, हैदराबाद
वित्त अधिनियम, 1994 का अध्याय V	सेवा कर	713.31	2014-15 और 2015-16	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय ट्रिब्यूनल (सीईएसटीएटी)
सीमा शुल्क अधिनियम, 1962	सीमा शुल्क	427.80	2015-16	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय ट्रिब्यूनल (सीईएसटीएटी)
वाणिज्यिक कर	वाणिज्यिक कर	31.83	2011-12 और 2013-14	सीटीओ, राजस्थान सरकार
केंद्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956	केंद्रीय विक्रय कर	2,728.91	2016-17	वाणिज्यिक कर- अपील के संयुक्त आयुक्त
कर्नाटक मूल्य वर्धित कर, 2003	कर्नाटक मूल्य वर्धित कर	291.93	2016-17	वाणिज्यिक कर- अपील के संयुक्त आयुक्त
मध्य प्रदेश मूल्य वर्धित कर, 2002	मूल्य वर्धित कर तथा प्रवेश कर	48.37	2010-11	एम.पी. वाणिज्यिक कर अपीलीय बोर्ड
सीमा शुल्क अधिनियम, 1962	सीमा शुल्क	1,540.46	2020-21	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय ट्रिब्यूनल (सीईएसटीएटी)
सीमा शुल्क अधिनियम, 1962	सीमा शुल्क	0.20	2020-21	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय ट्रिब्यूनल (सीईएसटीएटी)
आय कर अधिनियम, 1961	स्रोत पर काटा गया कर	40.13	2007-08 से 2017-18	टीडीएस सर्किल, एलटीयू
केंद्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956	केंद्रीय विक्रय कर	162.87	2020-21	उपायुक्त, वाणिज्यिक कर (डीसीसीटी)
कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948	कर्मचारी राज्य बीमा देय	45.73	2006-2011	अपील का दाखिल किया जाना लंबित
सीमा शुल्क अधिनियम, 1962	सीमा शुल्क	68.98	2021-22	सीमा शुल्क के अपर आयुक्त
वित्त अधिनियम, 1994 का अध्याय V	सेवा कर	10.58	2007-08	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय ट्रिब्यूनल (सीईएसटीएटी)
तमिलनाडु सामान्य विक्रय कर अधिनियम, 1959	विक्रय कर	48.00	2007-08 से 2009-10	विक्रय कर ट्रिब्यूनल
वित्त अधिनियम, 1994 का अध्याय V	सेवा कर	515.90	2010-11 से 2015-16	सीईएसटीएटी, चेन्नै
वित्त अधिनियम, 1994 का अध्याय V	सेवा कर	30.93	2016-17 से 2017-18	सीईएसटीएटी, चेन्नै
तमिलनाडु सामान्य विक्रय कर अधिनियम	विक्रय कर	106.64	2015-16	विक्रय कर ट्रिब्यूनल
तमिलनाडु सामान्य विक्रय कर अधिनियम	विक्रय कर	30.97	2016-17	विक्रय कर ट्रिब्यूनल
वित्त अधिनियम, 1994 का अध्याय V	सेवा कर	211.57	2005-06 से 2008-09	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय ट्रिब्यूनल (सीईएसटीएटी) बेंगलूरु
उत्तर प्रदेश मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2008	मूल्य वर्धित कर	22.54	2014-15	अपर आयुक्त, अधिनियम, 2008 श्रेणी-2 (अपील) - IV, गाज़ियाबाद
वित्त अधिनियम, 1994 का अध्याय V	सेवा कर	60.93	30 जून 2017 तक	अधीक्षक, 2017 रेंज 34, मंडल VII, गाज़ियाबाद

सांविधि की प्रकृति	देय राशि की प्रकृति	राशि (₹ लाख में)	अवधि जिससे राशि संबंधित है	फोरम जहाँ विवाद लंबित है
कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948	विलंब जमा के लिए ब्याज और क्षतिपूर्ति	3.52	2000-01	पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़
वित्त अधिनियम, 1994 का अध्याय V	सेवा कर	6.18	2005-06 से 2008-09	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय ट्रिब्यूनल (सीईएसटीएटी) बेंगलुरु
उत्तराखंड मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2005	व्यापार कर व ब्याज	220.08	2001-02	उत्तराखंड उच्च न्यायालय अधिनियम, नैनीताल
वित्त अधिनियम, 1994 का अध्याय V	सेवा कर	1.01	2005-06 से 2008-09	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय ट्रिब्यूनल (सीईएसटीएटी) बेंगलूरु
कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948	ई.एस.आई. अंशदान	10.17	1992-93	आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय
कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948	ब्याज तथा वसूली की लागत	20.26	1998-99 से 2000-01	आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय
विक्रय कर	विक्रय कर	58.85	2008-09	मामला राजस्थान कर बोर्ड में लंबित
स्थानीय निकाय कर	स्थानीय निकाय कर	41.43	2016-17	सहायक आयुक्त, पनवेल नगर निगम
सांविधि की प्रकृति	देय राशि की प्रकृति	राशि	2017-18	सहायक आयुक्त, पनवेल नगर निगम
कुल विवादित राशि		**10,876.11**		
विरोध के तहत अदा की गई कुल राशि		**723.76**		

viii. पहले दर्ज न की गई आय से संबंधित कोई लेनदेन नहीं है जिसे आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के तहत कर निर्धारण में वर्ष के दौरान अभ्यर्पित या प्रकट किया गया है।

ix. क. कंपनी ने किसी भी ऋणदाता को ऋण या अन्य उधार या उस पर ब्याज के भुगतान की चुकौती में कोई चूक नहीं की है।

ख. कंपनी को किसी बैंक या वित्तीय संस्थान या सरकार या सरकारी प्राधिकारी द्वारा इरादतन चूककर्ता के रूप में घोषित नहीं किया गया है।

ग. कंपनी ने कोई मीयादी ऋण नहीं लिया है, इसलिए, आदेश के खंड 3(ix)(c) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

घ. कंपनी के वित्तीय विवरणों की समग्र जांच करने पर, कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान अल्पकालीन आधार पर जुटाई गई निधियों का उपयोग प्रथम दृष्ट्या, दीर्घकालीन उद्देश्यों के लिए नहीं किया गया।

ङ. कंपनी ने अपनी सहायक कंपनियों, सहयोगी कंपनियों या संयुक्त उद्यमों की देयताओं के कारण या उन्हें पूरा करने के लिए किसी स्वत्व या व्यक्ति से कोई निधि नहीं ली है।

च. कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों या सहयोगी कंपनियों में धारित प्रतिभूतियों को गिरवी रखते हुए कोई ऋण नहीं जुटाया है, इसलिए, आदेश के खंड 3(ix)(एफ) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

x. क. वर्ष के दौरान प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव या अतिरिक्त सार्वजनिक प्रस्ताव (कर्ज लिखत सहित) द्वारा जुटाई गई धनराशि की रिपोर्टिंग आवश्यकता लागू नहीं होगी क्योंकि वर्ष के दौरान ऐसा कोई लेनदेन नहीं था।

ख. वर्ष के दौरान कंपनी ने शेयरों या परिवर्तनीय ऋणपत्रों का अधिमान आबंटन या निजी तौर पर शेयर आबंटन नहीं किया है इसलिए, आदेश के खंड 3(x)(बी) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

xi. क. पूरी की गई लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर, हम यह रिपोर्ट करते हैं कि हमारी लेखा परीक्षा के क्रम में कंपनी द्वारा या कंपनी पर कोई महत्वपूर्ण धोखाधड़ी नहीं देखी गई या रिपोर्ट नहीं की गई।

ख. वर्ष के दौरान और इस रिपोर्ट की तारीख तक कंपनी (लेखा परीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 13 के तहत वर्णित फार्म एडीटी-4 में कंपनी अधिनियम की धारा 143 की उप-धारा (12) के तहत कोई रिपोर्ट केंद्र सरकार में दाखिल नहीं की गई है।

इसके अलावा, प्रबंधन से प्राप्त अभ्यावेदन के अनुसार, वर्ष के दौरान पूर्ववर्ती लेखा परीक्षक द्वारा धारा 143(12) के तहत ऐसी रिपोर्टिंग का कोई मामला नहीं है।

ग. प्रबंधन द्वारा दिए गए अभ्यावेदन के अनुसार, वर्ष के दौरान कंपनी को कोई सचेतक शिकायत प्राप्त नहीं हुई।

xii. कंपनी निधि कंपनी नहीं है, इसलिए, आदेश के खंड (xii) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

xiii. हमारे विचार में, संबंधित पक्षकारों के किए गए सभी लेनदेन कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 और 188, जहां लागू होते हैं, के अनुपालन में हैं और ऐसे लेनदेनों के ब्यौरे भारतीय लेखा मानक द्वारा यथा अपेक्षित, स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में प्रकट किए गए हैं।

xiv. क. कंपनी में आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली मौजूद है जो इसके कारोबार के आकार और प्रकृति के अनुरूप है।

ख. हमने वर्ष के दौरान और इस तारीख तक हमारी लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं की प्रकृति, समय और सीमा तय करने में कंपनी को जारी लेखा परीक्षाधीन वर्ष की आंतरिक लेखा परीक्षा रिपोर्टों पर विचार किया है।

xv. हमारे विचार में, वर्ष के दौरान कंपनी ने अपने निदेशकों या निदेशकों से संबद्ध व्यक्तियों के साथ नकद-इतर कोई लेनदेन नहीं किया है, इसलिए, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 192 के प्रावधान कंपनी पर लाग नहीं होते हैं।

xvi. हमारे विचार में,

क. कंपनी को भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-IA के तहत पंजीकरण कराने की आवश्यकता नहीं है। इसलिए, आदेश के खंड 3(xvi)(ए) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

ख. कंपनी ने कोई गैर-बैंककारी वित्तीय या आवास वित्त कार्य नहीं किया है। इसलिए आदेश के खंड 3(xvi)(बी) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

ग. कंपनी भारतीय रिज़र्व बैंक के विनियमों के तहत परिभाषित कोर निवेश कंपनी (सीआईसी) नहीं है। इसलिए, आदेश के खंड 3(xvi)(सी) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

घ. समूह जिसका कंपनी एक हिस्सा है, में कोई कोर निवेश कंपनी नहीं है। इसलिए, आदेश के खंड 3(xvi)(डी) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

xvii. कंपनी को चालू वित्त वर्ष में या ठीक पिछले वित्त वर्ष में कोई नकद हानि नहीं हुई है।

xviii. वर्ष के दौरान कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षक ने इस्तीफा नहीं दिया है।

xix. वित्तीय अनुपात, वित्तीय परिसंपत्तियों की वसूली तथा वित्तीय देयताओं के भुगतान की काल प्रभावन और अपेक्षित तारीखों के आधार पर, वित्तीय विवरणों के साथ दी गई अन्य सूचना तथा निदेशक मंडल और प्रबंधन की योजनाओं के बारे में हमारी जानकारी और मान्यताओं का समर्थन करने वाले साक्ष्य की हमारे द्वारा किए गए परीक्षण के आधार पर, हमारे संज्ञान में ऐसी कोई बात नहीं आई है जिसके कारण हमें यह विश्वास करना पड़े कि लेखा परीक्षा की रिपोर्ट की तारीख को ऐसी कोई महत्वपूर्ण अनिश्चतता थी कि कंपनी तुलन-पत्र की तारीख को विद्यमान देयताओं के, तुलन-पत्र की तारीख से एक वर्ष के भीतर देय होने पर उसे पूरा करने में सक्षम नहीं थी।

बहरहाल, हम सूचित करते हैं कि यह कंपनी की भावी व्यवहार्यता का आश्वासन नहीं है।

इसके अलावा, हम सूचित करते हैं कि हमारी रिपोर्टिंग, लेखा परीक्षा रिपोर्ट की अद्यतन तारीख के तथ्यों पर आधारित है और हम इस बात की कोई गारंटी या आश्वासन नहीं देते हैं कि तुलन-पत्र की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर देय होने वाली सभी देयताएं उनके देय पर होने पर कंपनी द्वारा पूरी की जाएंगी।

xx. क. कार्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) की चालू परियोजनाएं जिनमें कंपनी अधिनियम की धारा 135 की उप-धारा (5) के दूसरे परंतुक के अनुपालन में कंपनी अधिनियम की अनुसूची VII में निर्दिष्ट कोष को अंतरित करने की आवश्यकता है, को छोड़कर सीएसआर के प्रति खर्च न की जाने वाली कोई राशि नहीं है। तदनुसार, आदेश के खंड 3(xx)(ए) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

ख. चालू परियोजनाओं के संबंध में, कंपनी ने चालू वित्तीय वर्ष के अंत में और पिछले वित्तीय वर्ष की कार्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) की खर्च न की गई राशि को अधिनियम की धारा 135(6) के प्रावधान के अनुपालन में उक्त वित्तीय वर्ष के अंत से 30 दिनों की अवधि के भीतर एक विशेष खाते को अंतरित किया है।

कृते गुरु एंड जना
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं.- 006826एस

अनंत प्रसाद बी आर
साझेदार
सदस्यता सं. -218145
यूडीआईएन - 22218145AJLRUO1188

वाराणसी
23 मई 2022

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की समान तारीख की रिपोर्ट का "अनुलग्नक-ख"

(भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सदस्यों की हमारी इसी तारीख की रिपोर्ट के "अन्य विधिक एवं विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट" खंड के तहत अनुच्छेद 2(जी) में संदर्भित)

कंपनी अधिनियम, 2013 ("एक्ट") की धारा 143 की उप-धारा 3 के खंड (i) के तहत स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर रिपोर्ट

हमने 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के संबंध में उक्त तारीख को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ("कंपनी") की स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा परीक्षा की है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

कंपनी का प्रबंधन भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर मार्गदर्शी टिप्पणी में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रणों के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के मानदंड संदर्भ में आंतरिक नियंत्रण के आधार पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों को संस्थापित करने और उन्हें बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है। इन जिम्मेदारियों में ऐसे समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का अभिकल्प, कार्यान्वयन और अनुरक्षण शामिल है जो कंपनी के कारोबार को उचित और प्रभावी से करना सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी से किए जा रहे थे जिनमें कंपनी की नीतियों का पालन, उसकी परिसंपत्तियों की सुरक्षा, धोखाधड़ी और त्रुटियों का निवारण और पता लगाना, लेखा अभिलेखों की सटीकता और संपूर्णता और कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत अपेक्षित, विश्वसनीय वित्तीय सूचना समय पर तैयार करना शामिल हैं।

लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर विचार व्यक्त करना है। हमने अपनी लेखा परीक्षा आई.सी.ए.आई. द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा परीक्षा पर मार्गदर्शी टिप्पणी ("गाइडेंस नोट") और आई.सी.ए.आई. द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार की है जिन्हें कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(10) के तहत वर्णित माना जाता है, जो स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा परीक्षा पर लागू होते हैं। इन मानकों और मार्गदर्शी टिप्पणी में यह आवश्यक बनाया गया है कि हम नैतिक अपेक्षाओं का पालन करें और इस बात का औचित्यपूर्ण आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा की योजना बनाएँ और निष्पादित करें कि स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण संस्थापित किए गए हैं और रखे गए हैं और क्या ऐसे नियंत्रण सभी महत्वपूर्ण पहलुओं में प्रभावी से प्रचालित हैं या नहीं।

हमारी लेखा परीक्षा में स्टैंडअलोन वित्तीय विविरणों के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता के बारे में लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने के लिए निष्पादित की जाने वाली प्रक्रियाएँ और उनकी प्रचालनीय दक्षता शामिल हैं। स्टैंडअलोन वित्तीय विविरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की हमारी लेखा परीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की समय प्राप्त करना, इस बात के जोखिम का आंकलन करना कि महत्वपूर्ण कमी थी और आंकलित जोखिम के आधार पर आंतरिक नियंत्रण की डिज़ाइन और प्रचालनीय प्रभावशीलता का जांच और मूल्यांकन करना शामिल है। लेखा परीक्षक के निर्णय के अनुसार चयनित प्रक्रियाएं जिनमें वित्तीय विवरणियों के महत्वपूर्ण मिथ्याकथन की जोखिम का आंकलन, चाहे धोखाधड़ी से हो या त्रुटि से हो, शामिल हैं।

हमारा विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखा परीक्षा के साक्ष्य स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली के बारे में अपनी लेखा परीक्षा का विचार प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त और समुचित है।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का अर्थ

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में कंपनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसे वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करने और सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार बाहरी प्रयोजनों के लिए स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए अभिकल्पित है। स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में ऐसी नीतियाँ और प्रक्रियाएँ शामिल हैं जो-

1) ऐसे अभिलेखों के रख-रखाव से संबंधित है जो औचित्यपूर्ण विवरण में, कंपनी की परिसंपत्तियों के लेनदेन और निपटान को सटीक और न्यायोचित से प्रतिबिंबित करते हैं;

2) इस बात का उचित आश्वासन प्रदान करते हैं कि लेनदेन सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के नुसार वित्तीय विवरणों को तैयार करना अनुमत करने हेतु यथा आवश्यक दर्ज किए जाते हैं और यह कि कंपनी की प्राप्तियाँ और खर्च कंपनी के प्रबंधन और निदेशकों के प्राधिकरणों के अनुसार ही किए जा रहे हैं; तथा

3) कंपनी की परिसंत्तियों के अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग या निपटान की रोकथाम या समय पर पता लगने के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करते हैं जो वित्तीय विवरणों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते थे।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाएँ

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं के कारण, जिसमें नियंत्रणों के टकराव या अनुचित प्रबंधन की अवहेलना की संभावना शामिल है, त्रुटि या धोखाधड़ी के कारण महत्वपूर्ण मिथ्याकथन हो सकते हैं जिनका पता नहीं चल सकता है। इसके अलावा, भावी अवधियों के लिए स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के विकसित होने का पूर्वानुमान ऐसे जोखिम के अधीन होता है कि स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों

पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण परिस्थितियों में परिवर्तन के कारण अपर्याप्त हो सकता है या नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन का स्तर क्षीण हो सकता है।

विचार

हमारे विचार में, जहां तक हमारी जानकारी है और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, कंपनी ने हमें भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा परीक्षा पर मार्गदर्शी टिप्पणी में बताए गए आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करने वाले मानदंडों पर आधारित स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की प्रणाली पर लेखा परीक्षा के समुचित और उपयुक्त साक्ष्य प्रदान किए हैं।

हमने अधिनियम की धारा 143(10) के तहत निर्दिष्ट, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार भी लेखा परीक्षा की है जिसमें 31 मार्च 2022 का तुलन-पत्र और संबंधित लाभ व हानि विवरण, इक्विटी में परिवर्तन का विवरण और उस तारीख को समाप्त वर्ष का नकदी प्राप्ति विवरण तथा उल्लेखनीय लेखा नीतियों का सार व अन्य व्याख्यात्मक सूचना तथा उन पर अनर्ह विचार व्यक्त करते हुए हमारी उसी तारीख की रिपोर्ट शामिल हैं।

कृते गुरु एंड जना
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं.- 006826एस

अनंत प्रसाद बी आर
साझेदार
सदस्यता सं. -218145
यूडीआईएन - 22218145AJLRUO1188

वाराणसी
23 मई 2022

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की समान तारीख की रिपोर्ट का "अनुलग्नक ग"

(भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सदस्यों की हमारी इसी तारीख की रिपोर्ट के "अन्य विधिक एवं विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट" खंड के तहत अनुच्छेद 3 में संदर्भित)

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(5) के तहत भारत के महानियंत्रक व महालेखा परीक्षक द्वारा जारी वर्ष 2021-22 के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के वार्षिक लेखों की लेखा परीक्षा के दौरान सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा जाँचे गए क्षेत्रों को दर्शाने वाले निर्देश।

क्र. सं.	निर्देश / उप-निर्देश	की गई कार्रवाई	स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर प्रभाव
1	क्या कंपनी में आई.टी. सिस्टम द्वारा सभी लेखांकन लेनदेनों की प्रक्रिया पूरी करने की प्रणाली है? यदि हाँ, तो वित्तीय विहितार्थ, के साथ-साथ लेखों की सत्यनिष्ठा पर आई.टी. सिस्टम से बाहर के लेखा लेनदेनों की प्रक्रिया करने के विहितार्थ, यदि कोई हो, बताएँ।	जी हाँ। कंपनी में आई.टी. सिस्टम द्वारा दैनंदिन आधार पर सभी लेखा लेनदेन की प्रक्रिया पूरी की जाती है।	कुछ नहीं
2	क्या ऋण की चुकौती करने की कंपनी की अक्षमता के कारण किसी मौजूदा ऋण की पुनर्संरचना या कंपनी को ऋणदाता द्वारा कर्ज / ऋण / ब्याज आदि का अधित्याग किया गया / बट्टे खाते में डाला गया? यदि हाँ, तो उसका वित्तीय प्रभाव बताएँ। क्या ऐसे मामलों का उचित से लेखा किया गया? (यदि ऋणदाता सरकारी कंपनी है तो यह निर्देश ऋणदाता कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षक पर भी लागू होता है)।	हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार तथा अभिलेखों के हमारे सत्यापन के अनुसार, कंपनी ने किसी बैंक या वित्तीय संस्थान से कोई ऋण नहीं लिया है, इसलिए, यह खंड कंपनी पर लागू नहीं होता है।	कुछ नहीं
3	क्या केंद्रीय /राज्य सरकार या उसकी एजेंसियों की विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त / प्राप्य निधियों (अनुदान / सहायकी आदि) का लागू निबंधन व शर्तों के अनुसार उचित लेखांकन किया गया/उपयोग किया गया? विचलन के मामलों की सूची दें।	जी हाँ। हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार तथा अभिलेखों के हमारे सत्यापन के आधार पर, केंद्रीय / राज्य एजेंसियों की विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त निधियों का उचित लेखांकन किया गया और जिस प्रयोजन के लिए उन्हें प्राप्त किया गया, उनके लिए उनका उपयोग किया गया।	कुछ नहीं

कृते गुरु एंड जना
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं.- 006826एस

अनंत प्रसाद बी आर
साझेदार
सदस्यता सं. -218145
यूडीआईएन - 22218145AJLRUO1188

वाराणसी
23 मई 2022

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

स्पीड पोस्ट द्वारा
गोपनीय

सं./No. नि./बी.ई.एल.Accs 21-22/2022-23/149

प्रधान निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा एवं पदेन सदस्य
लेखापरीक्षा बोर्ड का कार्यालय, बेंगलूर – 560 001.
OFFICE OF THE PRINCIPAL DIRECTOR OF COMMERCIAL AUDIT and ex-Officio MEMBER, AUDIT BOARD, BENGALURU - 560 001.

दिनांक/ DATE. 25 जुलाई 2022

सेवा में,
श्रीमती आनंदी रामालिंगम,
अध्यक्ष, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड,
बेंगलुरु - 560 045.

महोदया,

विषयः कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ।

मैं 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के मेसर्स भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बेंगलुरु के लेखाओ पर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का "शून्य टिप्पणी प्रमाण पत्र " अग्रेषित करता हूँ|

कृपया सुनिश्चित करे कि टिप्पणिया:

1. बिना कोई संशोधन किये पूर्ण रूप से छापी जाये|
2. सूचि में उचित संकेत के साथ कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के आगे रखा जाये|
3. कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) के तहत वार्षिक सामान्य बैठक में रखा जाये।

कृपया पत्र की पावती भेजें|

भवदीय,

(अरुण कुमार वी.एम.)
निदेशक (रिपोर्ट्स)

संलग्नः यथोपरि

भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग
INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
प्रथम तल, बसव भवन, श्री बसवेश्वर रोड, बेंगलूर – 560 001.
1st Floor, Basava Bhavan, Sri Basavesware Road, Bengaluru - 560 001.
दू.भा./Phone : 2226 7646 / 2226 1168
Email : mabbangalore@cag.gov.in
फैक्स /Fax : 080-2226 2491

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 143(6) (b) OF THE COMPANIES ACT, 2013 ON THE FINANCIAL STATEMENTS OF BHARAT ELECTRONICS LIMITED, BENGALURU FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2022

The preparation of financial statements of **Bharat Electronics Limited, Bengaluru** for the year ended 31 March 2022 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 (Act) is the responsibility of the management of the company. The statutory auditor appointed by the Comptroller and Auditor General of India under section 139(5) of the Act is responsible for expressing opinion on the financial statements under section 143 of the Act based on independent audit in accordance with the standards on auditing prescribed under section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 23 May 2022.

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit of the financial statements of **Bharat Electronics Limited, Bengaluru** for the year ended 31 March 2022 under section 143(6) (a) of the Act. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the statutory auditor and is limited primarily to inquiries of the statutory auditor and company personnel and a selective examination of some of the accounting records.

On the basis of my supplementary audit, nothing significant has come to my knowledge which would give raise to any comment upon or supplement to the statutory auditors' report under section 143(6)(b) of the Act.

For and on behalf of the
Comptroller & Auditor General of India

25/7/2022

(Santosh Kumar)
Principal Director of Commercial Audit

Place: Bengaluru
Date: 25 July 2022

तुलन-पत्र

(₹ लाख में)

विवरण	टिप्पणी संख्या	यथा 31 मार्च, 2022	यथा 31 मार्च, 2021
परिसंपत्तियाँ			
(1) गैर-चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	1	2,45,451	2,42,265
(ख) पूंजीगत चालू कार्य	2	39,855	35,069
(ग) निवेश संपत्ति	3	7	8
(घ) अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	4	6,905	5,730
(ङ) विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	5	46,045	38,556
(च) वित्तीय परिसंपत्तियाँ			
(i) निवेश	6	1,55,424	1,33,119
(ii) व्यापार प्राप्य	7	-	-
(iii) ऋण	8	728	736
(iv) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	9	2,275	2,813
(छ) आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	10	62,070	46,339
(ज) वस्तुसूचियाँ	11	2,734	3,938
(झ) अन्य गैर-चालू परिसंपत्तियाँ	12	67,784	39,081
		6,29,278	**5,47,654**
(2) चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) वस्तुसूचियाँ	11	5,53,956	4,91,529
(ख) वित्तीय परिसंपत्तियाँ			
(i) व्यापार प्राप्य	7	6,10,339	6,55,154
(ii) नकद और नकद समतुल्य	13	1,23,904	3,01,565
(iii) बैंक शेष [उपर्युक्त (ii) के अलावा]	14	6,26,010	1,99,256
(iv) अन्य	8	148	532
(v) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	9	10,231	5,980
(ग) चालू कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	15	14,325	12,998
(घ) अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	12	7,76,803	6,90,647
		27,15,716	**23,57,661**
कुल परिसंपत्तियाँ		**33,44,994**	**29,05,315**
इक्विटी और देयताएं			
इक्विटी			
(क) इक्विटी शेयर पूँजी	16	24,366	24,366
(ख) अन्य इक्विटी		11,74,060	10,56,423
		11,98,426	**10,80,789**
देयताएं			
1 गैर-चालू देयताएँ			
(क) आस्थगित आय	17	6,152	6,493
(ख) वित्तीय देयताएँ			
(i) उधार	18	-	-
(iक) पट्टे की देयताएं		5,151	117

तुलन-पत्र

(₹ लाख में)

विवरण	टिप्पणी संख्या	यथा 31 मार्च, 2022	यथा 31 मार्च, 2021
(ii) व्यापार प्रदेय	19		
क. सूक्ष्म उद्यमों एवं लघु उद्यमों के कुल बकाया देय; तथा		-	-
ख. सूक्ष्म उद्यमों एवं लघु उद्यमों के अलावा लेनदारों को कुल बकाया देय		34	29
(iii) - अन्य वित्तीय देयताएँ	20	2,022	671
(ग) प्रावधान	21	1,80,006	1,40,744
(घ) अन्य गैर-चालू देयताएँ	22	-	-
		1,93,365	**1,48,054**
2 चालू देयताएँ			
(क) आस्थगित आय	17	339	396
(ख) वित्तीय देयताएं			
(i) उधार	18	-	-
(iक) पट्टे की देयताएं		119	135
(ii) व्यापार प्रदेय	19		
क. सूक्ष्म उद्यमों एवं लघु उद्यमों के कुल बकाया देय; तथा		24,795	15,204
ख. सूक्ष्म उद्यमों एवं लघु उद्यमों के अलावा लेनदारों को कुल बकाया देय		3,11,801	3,14,450
(iii) अन्य वित्तीय देयताएं	20	95,736	95,544
(ग) अन्य चालू देयताएँ	22	14,78,850	12,16,497
(ख) प्रावधान	21	41,563	34,246
(ङ) चालू कर देयताएँ (निवल)	15	-	-
		19,53,203	**16,76,472**
कुल इक्विटी और देयताएं		**33,44,994**	**29,05,315**

उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ एवं साथ में दी गई टिप्पणियाँ वित्तीय विवरणों का अभिन्न हिस्सा हैं।

हमारी संलग्न समान दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार।

कृते गुरु एंड जना
सनदी लेखाकार
फर्म पंजी. सं.006826एस

आनंदी रामलिंगम
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

दिनेश कुमार बत्रा
निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ

अनंत प्रसाद बी आर
साझेदार
सदस्यता सं. 218145

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

वाराणसी
23 मई 2022

लाभ व हानि का विवरण

(₹ लाख में)

	विवरण	टिप्पणी सं.	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
I	प्रचालनों से राजस्व	23	1,531,376	1,406,383
II	अन्य आय	24	23,359	12,610
III	**कुल आय (I + II)**		**1,554,735**	**1,418,993**
IV	**व्यय**			
	क खपत सामग्री की लागत		809,634	668,520
	ख भंडार और खपत पुर्जों की लागत		2,964	3,874
	ग व्यापारगत स्टॉक की खपत		105,349	123,321
	घ तैयार माल, चालू कार्य और रद्दी की वस्तुसूचियाँ में परिवर्तन	25	(27,697)	(12,933)
	ङ कर्मचारी अनुलाभ व्यय	26	210,939	194,068
	च वित्त लागत	27	485	608
	छ मूल्यह्रास एवं परिशोधन व्यय	28	38,018	36,633
	ज अन्य व्यय	29	99,263	111,421
	कुल व्यय (क से ज)		**1,238,955**	**1,125,512**
V	**असाधारण मदों एवं कर पूर्व लाभ (III - IV)**		**315,780**	**293,481**
VI	**असाधारण मदें**		-	-
VII	**कर पूर्व लाभ (V - VI)**		**315,780**	**293,481**
VIII	**कर व्यय**	10		
	- चालू कर		91,052	82,493
	- पूर्व के वर्षों का कर		-	(2,492)
	- आस्थगित कर		(10,165)	6,938
	कराधान का कुल प्रावधान		**80,887**	**86,939**
IX	**वर्ष का लाभ (VII - VIII)**		**234,893**	**206,542**
X	**अन्य व्यापक आय/(हानि)**			
	ऐसी मदें जिन्हें लाभ या हानि के बाद पुन:वर्गीकृत नहीं किया जाएगा			
	- निवल निर्धारित अनुलाभ देयता / परिसंपत्ति का पुनर्मापन		(19,940)	(11,639)
	- अन्य व्यापक आय द्वारा इक्विटी विलेख		1	1
	- इन मदों से संबंधित आय कर		5,018	2,929
	कुल अन्य व्यापक आय /(हानि) (निवल कर)		**(14,921)**	**(8,709)**
XI	**वर्ष की कुल व्यापक आय (IX + X)** **डजिसमें वर्ष का लाभ तथा अन्य व्यापक आय शामिल है**		**219,972**	**197,833**
XII	**प्रति शेयर अर्जन (आईएनआर 1/- प्रत्येक का अंकित मूल्य)-**	30(1)		
	(1) मूल [आईएनआर में]		9.64	8.48
	(2) परिवर्तित [आईएनआर में]		9.64	8.48

उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ एवं साथ में दी गई टिप्पणियाँ वित्तीय विवरणों का अभिन्न हिस्सा हैं।

हमारी संलग्न समान दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार।

कृते गुरु एंड जना
सनदी लेखाकार
फर्म पंजी. सं.006826एस

आनंदी रामलिंगम
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

दिनेश कुमार बत्रा
निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ

अनंत प्रसाद वी आर
साझेदार
सदस्यता सं. 218145

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

वाराणसी
23 मई 2022

इक्विटी में परिवर्तन का विवरण

(₹ लाख में)

क. इक्विटी शेयर पूंजी

विवरण	टिप्पणी सं.	राशि
यथा 1 अप्रैल 2021 को शेष		24,366
वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर पूँजी में परिवर्तन		
- शेयर जारी करना	16	-
- शेयरों की पुनर्खरीद		-
31 मार्च 2022 को शेष		**24,366**

विवरण	टिप्पणी सं.	राशि
यथा 1 अप्रैल 2020 को शेष		24,366
वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर पूँजी में परिवर्तन		
- शेयर जारी करना	16	-
- शेयरों की पुनर्खरीद		-
31 मार्च 2021 को शेष		**24,366**

ख. अन्य इक्विटी

(₹ लाख में)

विवरण	टिप्पणी सं.	प्रारक्षण व अधिशेष				अन्य प्रारक्षण		कुल अन्य इक्विटी
		पूँजीगत प्रारक्षण *	पूँजी मोचन प्रारक्षण *	सामान्य प्रारक्षण	प्रतिधारित अर्जन	अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी विलेख *	अन्य व्यापक आय *	
1 अप्रैल 2021 को शेष		**4,669**	**1,868**	**3,99,546**	**6,78,160**	**8**	**(27,828)**	**10,56,423**
वर्ष का लाभ		-	-	-	2,34,893	-	-	2,34,893
वर्ष के दौरान परिवर्धन		-	-	-	-	1	(14,922)	(14,921)
कुल		**4,669**	**1,868**	**3,99,546**	**9,13,053**	**9**	**(42,750)**	**12,76,395**
सामान्य प्रारक्षण को अंतरित राशि		-	-	40,000	(40,000)	-	-	-
स्वामी के ओहदे में स्वामियों के साथ लेनदेन								
लाभांश	16	-	-	-	(1,02,335)	-	-	(1,02,335)
शेयर जारी करना	16	-	-	-	-	-	-	-
शेयरों की पुनर्खरीद	16	-	-	-	-	-	-	-
31 मार्च 2022 को शेष		**4,669**	**1,868**	**4,39,546**	**7,70,718**	**9**	**(42,750)**	**11,74,060**

इक्विटी में परिवर्तन का विवरण

(₹ लाख में)

विवरण	टिप्पणी सं.	प्रारक्षण व अधिशेष				अन्य प्रारक्षण		कुल अन्य इक्विटी
		पूँजीगत प्रारक्षण *	पूँजी मोचन प्रारक्षण *	सामान्य प्रारक्षण	प्रतिधारित अर्जन	अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी विलेख ङ	अन्य व्यापक आय *	
1 अप्रैल 2020 को शेष		**4,669**	**1,868**	**3,59,546**	**6,13,956**	**7**	**(19,118)**	**9,60,928**
वर्ष का लाभ		-	-	-	2,06,542	-	-	2,06,542
वर्ष के दौरान परिवर्धन		-	-	-	-	1	(8,710)	(8,709)
कुल		**4,669**	**1,868**	**3,59,546**	**8,20,498**	**8**	**(27,828)**	**11,58,761**
सामान्य प्रारक्षण को अंतरित राशि		-	-	40,000	(40,000)	-	-	-
स्वामी के ओहदे में स्वामियों के साथ लेनदेन								
लाभांश	16	-	-	-	(1,02,338)	-	-	(1,02,338)
शेयर जारी करना	16	-	-	-	-	-	-	-
शेयरों की पुनर्खरीद	16	-	-	-	-	-	-	-
31 मार्च 2021 को शेष		**4,669**	**1,868**	**3,99,546**	**6,78,160**	**8**	**(27,828)**	**10,56,423**

* टिप्पणी 16 (ख) देखें

उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ एवं साथ में दी गई टिप्पणियाँ वित्तीय विवरणों का अभिन्न हिस्सा हैं।

हमारी संलग्न समान दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार।

कृते **गुरु एंड जना**
सनदी लेखाकार
फर्म पंजी. सं.006826एस

आनंदी रामलिंगम
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

दिनेश कुमार बत्रा
निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ

अनंत प्रसाद बी आर
साझेदार
सदस्यता सं. 218145

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

वाराणसी
23 मई 2022

नकदी प्राप्ति विवरण

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021को समाप्त वर्ष के लिए
क. प्रचालनीय कार्यकलापों से नकदी प्राप्ति-		
असाधारण मदों और कर से पहले लाभ	3,15,780	2,93,481
इनके लिए समायोजन -		
मूल्यह्रास एवं परिशोधन व्यय	38,018	36,633
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों का प्रावधान	-	7,213
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ जिन्हें प्रभारित किया गया	-	75
प्रभारित चालूगत पूँजी कार्य	-	1,468
कार्पोरेट सामाजिक दायित्व	5,329	4,688
सरकारी अनुदान से अंतरण	(398)	(422)
ब्याज की आय	(17,377)	(5,649)
लाभांश आय	(407)	(351)
पट्टे की देयता पर ब्याज	306	24
वित्त लागत	179	584
सहायक कंपनी को ऋण का उचित मूल्यांकन	-	(14)
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की बिक्री पर लाभ	(45)	(121)
कार्यशील पूँजी में परिवर्तन से पहले प्रचालनीय लाभ	**3,41,385**	**3,37,609**
निम्नलिखित के कारण वृद्धि / (कमी) -		
व्यापार प्राप्य	44,815	18,137
ऋण	392	5,303
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	(3,540)	(2,872)
अन्य परिसंपत्तियाँ	(1,14,859)	(90,426)
वस्तुसूचियाँ	(61,223)	(99,192)
व्यापार देय	6,947	87,188
अय वित्तीय देयताएँ	6,133	8,248
अन्य देयताएँ	2,62,353	2,96,210
प्रावधान	26,640	15,759
चालू कर परिसंपत्तियाँ	(12,683)	(12,388)
प्रचालनों से जनित नकद	**4,96,360**	**5,63,576**
अदा किया गया आय कर (निवल)	(80,244)	(53,230)
असाधारण मदों से पहले नकदी प्राप्ति	**4,16,116**	**5,10,346**
असाधारण मदें	-	-
प्रचालनीय कार्यकलापों से / (में प्रयुक्त) निवल नकद	**4,16,116**	**5,10,346**
ख. निवेश संबंधी कार्यकलापों से नकदी प्राप्ति -		
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरणों तथा अन्य अमूर्त परिसंपत्तियों की खरीद	(55,348)	(46,773)
घटाएँ - अनुदान की प्राप्ति	-	-
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरणों तथा अन्य अमूर्त परिसंपत्तियों की खरीद (निवल)	(55,348)	(46,773)
संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की बिक्री से प्राप्ति	740	133
मियादी जमा तथा अन्य बैंक शेष से वृद्धि / (कमी)	(4,26,927)	(1,99,281)
सहायक कंपनियों और एसोसिएट में इक्विटी निवेश	-	(157)
अन्य में निवेश	(22,305)	(16,781)
प्राप्त ब्याज	17,377	5,649
प्राप्त लाभांश	407	351
निवेश संबंधी कार्यकलापों से / (में प्रयुक्त) निवल नकदी	**(4,86,056)**	**(2,56,859)**

नकदी प्राप्ति विवरण

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021को समाप्त वर्ष के लिए
ग. वित्त संबंधी कार्यकलापों से नकदी प्राप्ति -		
उधार से प्राप्ति / चुकौती (निवल)	-	(833)
कार्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) खर्च	(4,738)	(3,670)
अदा किया गया लाभांश	(1,02,331)	(1,02,274)
पट्टे की देयताओं का चुकौती	(167)	(159)
पट्टे की देयता पर ब्याज	(306)	(24)
वित्त लागत	(179)	(584)
वित्त संबंधी कार्यकलापों से / (में प्रयुक्त) निवल नकदी	**(1,07,721)**	**(1,07,544)**
नकद और नकद समतुल्यों में निवल वृद्धि / (कमी) (क+ख+ग)	**(1,77,661)**	**1,45,943**
वर्ष के प्रारंभ में नकद और नकद समतुल्य	**3,01,565**	**1,55,622**
वर्ष के अंत में नकद और नकद समतुल्य	**1,23,904**	**3,01,565**

वित्त संबंधी कार्यकलापों के कारण देयताओं के संबंध में निर्धारित नकद-इतर परिवर्तन कुछ नहीं (कुछ नहीं)

उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ एवं साथ में दी गई टिप्पणियाँ वित्तीय विवरणों का अभिन्न हिस्सा हैं।

हमारी संलग्न समान दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार।

कृते गुरु एंड जना
सनदी लेखाकार
फर्म पंजी. सं.006826एस

आनंदी रामलिंगम
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

दिनेश कुमार बत्रा
निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ

अनंत प्रसाद वी आर
साझेदार
सदस्यता सं. 218145

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

वाराणसी
23 मई 2022

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 1 - संपत्ति, संयंत्र और उपकरण

विवरण	सकल वहनीय राशि				मूल्यह्रास/परिशोधन				निवल वहनीय राशि	
	यथा 1 अप्रैल 2021	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2022	यथा 1 अप्रैल 2021 को संचित मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष का मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च,2022	यथा 31 मार्च,2022	यथा 31 मार्च, 2021
स्वामित्व की परिसंपत्ति										
पूर्णस्वामित्व की भूमि	13,711	606	-	14,317	-	-	-	-	14,317	13,711
सड़क और पुलिया	2,216	55	-	2,271	396	117	-	513	1,758	1,820
इमारतें	82,337	5,718	-	88,055	11,981	3,370	-	15,351	72,704	70,356
संस्थापनाएँ	4,717	275	2	4,990	2,366	436	2	2,800	2,190	2,351
संयंत्र और मशीनरी	151,093	14,885	146	165,832	65,935	14,981	146	80,770	85,062	85,158
इलेक्ट्रॉनिक उपकरण	59,822	5,169	511	64,480	37,612	7,158	363	44,407	20,073	22,210
अनु. व वि. लैब के उपकरण	46,958	5,567	34	52,491	30,260	7,241	34	37,467	15,024	16,698
वाहन	875	271	50	1,096	540	136	32	644	452	335
कार्यालयीन उपकरण	12,132	1,869	51	13,950	7,743	1,736	51	9,428	4,522	4,389
फर्नीचर, फिक्सर तथा अन्य उपकरण	9,348	799	63	10,084	4,972	931	62	5,841	4,243	4,376
प्रायोजित अनुसंधान के लिए अर्जित परिसंपत्तियाँ	65	-	-	65	65	-	-	65	-	-
परिसंपत्ति के उपयोग का अधिकार										
अन्य परिसंपत्तियों का पट्टा	440	4,459	37	4,862	198	280	37	441	4,421	242
पट्टाधारित भूमि	20,821	757	541	21,037	202	163	13	352	20,685	20,619
कुल	**404,535**	**40,430**	**1,435**	**443,530**	**162,270**	**36,549**	**740**	**198,079**	**245,451**	**242,265**

विवरण	सकल वहनीय राशि				मूल्यह्रास/परिशोधन				निवल वहनीय राशि	
	यथा 1 अप्रैल 2020	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2021	यथा 1 अप्रैल 2021 को संचित मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष का मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च,2021	यथा 31 मार्च,2021	यथा 31 मार्च, 2020
स्वामित्व की परिसंपत्ति										
पूर्णस्वामित्व की भूमि	13,711	-	-	13,711	-	-	-	-	13,711	13,711
सड़क और पुलिया	2,191	25	-	2,216	281	115	-	396	1,820	1,910
इमारतें	76,125	6,212	-	82,337	8,849	3,132	-	11,981	70,356	67,276
संस्थापनाएँ	4,235	532	50	4,717	2,002	414	50	2,366	2,351	2,233
संयंत्र और मशीनरी	137,994	13,249	150	151,093	51,600	14,482	147	65,935	85,158	86,394
इलेक्ट्रॉनिक उपकरण	57,885	1,982	45	59,822	29,947	7,709	44	37,612	22,210	27,938
अनु. व वि. लैब के उपकरण	43,197	3,775	14	46,958	23,230	7,044	14	30,260	16,698	19,967
वाहन	713	173	11	875	421	125	6	540	335	292
कार्यालयीन उपकरण	10,504	1,660	32	12,132	6,135	1,637	29	7,743	4,389	4,369
फर्नीचर, फिक्सर तथा अन्य उपकरण	8,716	664	32	9,348	4,065	939	32	4,972	4,376	4,651
प्रायोजित अनुसंधान के लिए अर्जित परिसंपत्तियाँ	65	-	-	65	65	-	-	65	-	-
परिसंपत्ति के उपयोग का अधिकार										
इमारतों का पट्टा	400	109	69	440	120	147	69	198	242	280
पट्टाधारित भूमि	20,703	118	-	20,821	61	141	-	202	20,619	20,642
कुल	**376,439**	**28,499**	**403**	**404,535**	**126,776**	**35,885**	**391**	**162,270**	**242,265**	**249,663**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

i. पूर्ण स्वामित्व की भूमि में 2,081.80 एकड़ (2,072.87 एकड़) और पट्टाधारित भूमि में 989.28 एकड़ (948.20 एकड़) शामिल हैं ।

ii. पूर्ण स्वामित्व की भूमि में 5.32 एकड़ (7.21 एकड़) व्यावसायिक / धार्मिक संगठनों को पट्टाधारित एवं उनके कब्ज़े में शामिल है ।

iii. वर्ष के दौरान आर एंड डी परिसंपत्तियों से संबंधित परिवर्धन इसमें शामिल है

क) केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला / उत्पाद विकास एवं नवोन्मेष केंद्र की परिसंपत्तियों के संबंध में ₹ 995 (रु. 2,074) नैसर्गिक कोड शीर्ष के तहत परिकलित किया गया है ।

ख) पुणे यूनिट की परिसंपत्तियो के संबंध में कुछ नहीं (₹ 7) नैसर्गिक कोड शीर्ष के तहत परिकलित किया गया है ।

iv. इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के मूल्य में ₹ 886 (₹ 1,026) मूल्य की पीओएस मशीनें शामिल हैं जो हरियाणा सरकार (प्रचालित पट्टा) के नियंत्रण में हैं।

v. **स्थल पुन:स्थापन बाध्यता**

पवन चक्की और सौर शक्ति संयंत्रों के संबंध में स्थल पुन:स्थापन बाध्यता के लिए टिप्पणी 21 देखें ।

संयंत्र और मशीनरी के सकल ब्लॉक मूल्य में पवन चक्की और सौर शक्ति संयंत्रों से संबंधित ₹ 2318 (रु. 2,105) की स्थल पुन:स्थापन बाध्यता शामिल है।

vi. **संविदाजन्य प्रतिबद्धताएं**

बकाया संविदाजन्य प्रतिबद्धताओं के लिए टिप्पणी 30(6) देखें।

vii. **मानी गई लागत**

भारतीय ए.एस. (01.04.2015) अपनाने से, कंपनी ने यथा 1 अप्रैल 2015 को अपनी सभी संपत्तियों, संयंत्रों और उपकरणों के वहनीय मूल्य को जारी रखने का विकल्प लिया जिन्हें पिछले जीएएपी के अनुसार मापा गया और इसमें वहनीय मूल्य को संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की मानी गई लागत के रूप में प्रयोग किया जाता है ।

viii. **परिसंपत्तियाँ के उपयोगी जीवनकाल का प्राक्कलन**

प्रबंधन ने परिसंपत्तियों की अपेक्षित उपयोगिता, तकनीकी और वाणिज्यिक अप्रचलन के जोखिम आदि जैसे कारकों पर विचार करते हुए मूर्त परिसंपत्तियों (जो कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में दर्शित उपयोगी जीवनकाल से अलग हैं) के विभिन्न वर्गों के उपयोगी जीवनकाल का प्राक्कलन किया है ।

मूर्त परिसंपत्तियों के विभिन्न वर्गों के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल इस प्रकार हैं -

परिसंपत्तियों का वर्ग	वर्ष
भवन	20-40
सड़क और पुलिया	20-40
संस्थापना	10
संयंत्र एवं मशीनरी	2-25
इलेक्ट्रॉनिक उपकरण	5-7
वाहन	4-5
कार्यालयीन उपकरण	5-7
फर्नीचर और जुड़नार	6-10
अनु. व वि. लैब के उपकरण	5

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

ix. **मूल्यह्रास / परिशोधन**

मूल्यह्रास की गणना परिसंपत्तियों के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल पर सीधी रेखा के आधार पर की जाती है।

पट्टे की परिसंपत्तियों को उनके प्राक्कलित जीवकाल या उनकी संबंधित पट्टा अवधि, इनमें से जो भी कम हो, के आधार पर सीधी रेखा के आधार पर परिशोधित किया जाता है।

x. **मूल्यह्रास के लेखांकन की विधि**

मूल्यह्रास/परिशोधन की गणना कंपनी की लेखा नीति संख्या 8 के अनुसार की गई है और इसे लाभ और हानि के विवरण में खर्च के रूप में निर्धारित किया गया है। अन्य परिसंपत्तियों के लागत के भाग के रूप में निर्धारित मूल्यह्रास राशि कुछ नहीं (कुछ नहीं) है ।

xi. **परिसंपत्तियों का ह्रास**

टिप्पणी 30 (4) देखें।

xii. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के लिए भुगतान किए गए असमायोजित पूँजी अग्रिम के संबंध में टिप्पणी 12 देखें ।

xiii. कुछ यूनिटों में सरकार से निशुल्क अधिग्रहित भूमि का परिकलन भारतीय एएस 101 के प्रावधानों के अनुरूप किया गया है ।

xiv. **पंजीकरण, लंबित मुकदमेबाजी आदि का विवरण**

क. बीईएल, हैदराबाद को मल्लापुर में आबंटित 5.60 एकड़ (5.60 एकड़) की जमीन के संबंध में हक / बिक्री विलेख का निष्पादन और आंध्र प्रदेश औद्योगिक अवसंरचना निगम (एपीआईआईसी) द्वारा आबंटित जमीन का भौतिक कब्जा सौंपे जाना लंबित होने पर और इस मामले के मुकदमे के तहत होने के कारण, लेखा बहियों में पंजीकरण और अन्य खर्तों का प्रावधान नहीं किया गया। एपीआईआईसी को अदा की गई रु. 65 (रु. 65) राशि की भूमि लागत को पंजीगत अग्रिम में शामिल किया गया है।

ख. रक्षा अधिकारियों के साथ किए गए समझौता ज्ञापन के आधार पर, बीईएल को आवंटित भूमि पर निर्मित संपत्तियां जो बीईएल के कब्जे में है, हैदराबाद यूनिट की स्थापना के संबंधित शीर्षों के तहत पूँजीकरण किया गया । उपयुक्त अधिकारियों द्वारा निबंधन व शर्तों को अंतिम रूप दिया जाना लंबित होने के कारण, 25.11 एकड़ (25.11 एकड़) की भूमि की लागत को लेखा बहियों में हिसाब में लिया गया है ।

ग. इब्राहिपटनम में एपीआईआईसी / टीएसआईआईसी द्वारा आवंटित 122.82 एकड़ (122.82 एकड़) भूमि जिसका कब्जा दिया गया है जिसका बिक्री विलेख लंबित है ।

घ. 22.375 एकड़ (22.375 एकड़) की भूमि जो ऊपर उल्लिखित पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि का भाग है, के लिए दिनांक 31.01.2015 को टीएसआईआईसी से अतिरिक्त क्षतिपूर्ति के लिए नगर सिविल न्यायालय, हैदराबाद द्वारा की गई डिक्री की क्षतिपूर्ति राशि का 50% के रूप में रु.256 (₹ 256) की डिमांड प्राप्त हुई है। यह डिमांड विवाद के अधीन है, इसलिए, लेखा बहियों में इसके संबंध में कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

ङ. 1.22 एकड़ (1.22 एकड़) की पूर्ण स्वामित्व की भूमि जो 1.24 एकड़ (1.24 एकड़) भूमि सौंपने के एवज में सरकारी प्राधिकारियों द्वारा आबंटित की गई थी, मुकदमेबाज़ी के अधीन है ।

च. कंपनी ने तीन स्थलों में पवन चक्की जनरेटर स्थापित किए हैं । पवन चक्की जनरेटर-I को वर्ष 2006-07 में पट्टे की भूमि में पूँजीकृत किया गया। इस पट्टे का अग्रिम किराया कुछ नहीं है और भूमि के पट्टे के करार को अंतिम रूप दिया जाना लंबित है । पवन चक्की जनरेटर - II को ₹ 36 के पट्टे का अग्रिम किराया अदा करते हुए पट्टाधारित भूमि पर वर्ष 2007-08 में पूँजीकृत किया गया । भूमि के पट्टे के करार को अंतिम रूप दिया जाना लंबित है।

छ. 0.30 एकड़ (0.30 एकड़) की भूमि से संबंधित अधिकार विलेख मुकदमेबाज़ी के अधीन है। इस संबंध में दो मामले लंबित हैं ।

ज. पठानकोठ में अधिग्रहित 8.93 एकड़ (8.93 एकड़) की पट्टाधारित भूमि को पूर्ण स्वामित्व की भूमि में परिवर्तित किया गया जो पंजीकरण के लिए लंबित है । लंबित पंजीकरण के लिए खाता बही में पंजीकरण और अन्य लागत के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है ।

झ. पालसमुद्रम, अनंतपूर जिला, आंध्र प्रदेश में 913.99 एकड़ (913.99 एकड़) की भूमि की बिक्री विलेख को अंतिम रूप देना लंबित है ।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

xv. कंपनी ने ओ.एफ.बी. मेडक, इटारसी, बोलांगीर और एच.वी.एफ. आवड़ी, जीसीएफ जबलपुर, वीएफजे जबलपुर, हजरतपुर, मुरादनगर, नालंदा एमएसएफ इशापुर में प्रत्येक संयंत्र के लिए वार्षिक पट्टा किराया के रूप में आई.ए.आर. 1 (परम अंक को दर्शाता है) का नाममात्र मूल्य अदा करते हुए पट्टे की भूमि पर सौर शक्ति संयंत्र स्थापित किया है ।

xvi. भारतीय एएस 116 के परिवर्तन पर उपयोग का अधिकार के रूप में पूँजीकृत 3 मे.वा. हासन और 8.4 मे.वा. दावणगेरे पवन चक्की संयंत्रों के लिए पूर्वदत्त किराए का भुगतान किया ।

xvii. दावणगेरे, बेंगलूरु में स्थित 31.15 एकड़ (31.15 एकड़) की भूमि कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) से प्राप्त की गई और पंजीकरण की लागत के साथ भूमि की लागत जो 7,974 (₹ 7974) है पूर्ण स्वामित्व की भूमि के तहत पूंजीकृत की गई। पट्टा करार की शर्तों के अनुसार, परियोजना को सफलतापूर्वक शुरु करने के लिए इसे पूर्णस्वामित्व में बदल दिया जाएगा ।

xviii. कार्मिक क्वार्टर के प्रति ₹ 974 (₹ 729) (निवल ब्याज की आय) की उधार लागत पूँजीकृत किया है । पूँजीकरण दर प्रति वर्ष 6.47% (प्रति वर्ष 6.47%) है ।

xix. वर्ष के दौरान बढ़ाई गई अल्पकालिक पट्टे की राशि कुछ नहीं (कुछ नहीं) है।

xx. पट्टाधारित भूमि में निर्माण के दौरान सरकारी संगठन को पट्टे पर दी गई 9.62 एकड़ (9.62 एकड़) की भूमि शामिल है जो वर्षांत में एनसीआरटीसी के अधिकार में है (गाज़ियाबाद यूनिट)।

xxi. तमिलनाडु इंडस्ट्रियल एक्सप्लोज़िव लि. (टीईएल), चेन्नै के साथ 29 वर्षों के लिए 50 एकड़ के पट्टे के लिए पट्टे का करार किया गया है जिसे ₹ 5,166 के कुल मूल्य के लिए आरओयू परिसंपत्ति के रूप में वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान पूंजीकृत किया गया है। पट्टे के देयता पर ब्याज व्यय ₹ 289 है। भारतीय-एएस 116 के अनुसार बट्टे की दर 6.95% (यानी लागू वृद्धिशील उधार दर) है। टीईएल की कुल नकदी प्राप्ति ₹ 13,685 है।

xxii. "इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटर सिस्टम" से संबंधित उपकरण जिसका सकल ब्लॉक ₹ 3 (₹ 3) है और संचित मूल्यह्रास ₹ 3 (₹ 2) है और "विविध अनुरक्षण उपकरण" से संबंधित उपकरण जिसका सकल ब्लॉक ₹ 2 (₹ 1) है और संचित मूल्यह्रास ₹ 1 (₹ 1) है, नौसेना गोदी, वैजाग में हैं।

xxiii. यूनिट द्वारा डीएवी पब्लिक स्कूल को पट्टाधारित भूमि का एक हिस्सा प्रदान किया गया। इसे खाली कराने के लिए यूनिट ने डीएवी पब्लिक स्कूल के विरुद्ध मामला दाखिल किया है (गाज़ियाबाद यूनिट)।

xxiv. वर्ष के दौरान पट्टे का चुकतान ₹ 167 (₹ 159) है।

टिप्पणी 2 - पूँजीगत चालू कार्य

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
सिविल निर्माण कार्य	20,849	12,193
संयंत्र एवं मशीनरी	16,918	16,687
अन्य	1,643	4,489
मार्गस्थ पूँजीगत मदें	569	1,824
	39,979	**35,193**
घटाएँ - ह्रास का प्रावधान	(124)	(124)
	39,855	**35,069**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

पूंजीगत चालू कार्य 2021-22

सीडबल्यूआईपी	इस अवधि के लिए पूंजीगत चालू कार्य की राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
चालू परियोजनाएं	22,423	7,240	2,744	1,747	34,154
अन्य	4,817	489	178	217	5,701
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजना	-	-	-	124	124
ह्रास का प्रावधान	-	-	-	(124)	(124)
कुल	**27,240**	**7,729**	**2,922**	**1,964**	**39,855**

समापन अनुसूची - समय और लागत विस्तारण 2021-22

सीडबल्यूआईपी	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
एलआरसैम	18,023	-	-	-	18,023
डीएसआईसी पालसमुद्रम	565	-	-	274	839
उत्पादन भवन	124	-	-	-	124
टीईएल सुविधा	104	-	-	-	104
एमडबल्यूसी भवन	11	-	-	87	98
परियोजना - इब्राहिमपट्नम	47	-	-	-	47
एमसीजी सीएडीईएस भवन	-	-	-	38	38
फ्लैप बैरियर	-	26	-	-	26
कुल	**18,874**	**26**	**-**	**399**	**19,299**

समापन अनुसूची - निलंबित परियोजनाएं 2021-22

सीडबल्यूआईपी	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
उत्पादन भवन	124	-	-	-	124
कुल	**124**	**-**	**-**	**-**	**124**

पूंजीगत चालू कार्य 2020-21

सीडबल्यूआईपी	इस अवधि के लिए पूंजीगत चालू कार्य की राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
चालू परियोजनाएं	19,437	4,113	358	1,611	25,520
अन्य	5,958	296	1,019	2,277	9,549
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजना	-	-	-	124	124
ह्रास का प्रावधान	-	-	-	(124)	(124)
कुल	**25,395**	**4,409**	**1,377**	**3,888**	**35,069**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

समापन अनुसूची - समय और लागत विस्तारण 2020-21

सीडबल्यूआईपी	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
एलआरसैम	14,208	-	-	-	14,208
आरएफ सीकर सुविधा	1,811	-	-	-	1,811
डीएसआईसी पालसमुद्रम	592	-	-	272	864
उत्पादन भवन	-	124	-	-	124
परियोजना - इब्राहिमपट्नम	-	47	-	-	47
मेगा सोलर शक्ति संयंत्र	27	-	-	-	27
कुल	**16,638**	**171**	**-**	**272**	**17,080**

समापन अनुसूची - निलंबित परियोजनाएं 2020-21

सीडबल्यूआईपी	इस अवधि के लिए पूंजीगत चालू कार्य की राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
उत्पादन भवन	-	124	-	-	124
कुल	**-**	**124**	**-**	**-**	**124**

i. सिविल निर्माण में मुख्यत: उत्पादन संबंधी इमारत, अनु. व वि. इमारत और कर्मचारियों के क्वार्टर शामिल हैं।

ii. संविदाजन्य प्रतिबद्धताओं के संबंध में टिप्पणी 30 (6) देखें।

iii. संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के लिए अदा किए गए असमायोजित पूँजी अग्रिम के लिए टिप्पणी 12 देखें।

iv. **परिसंपत्तियों का ह्रास**

₹ 124 की वहनीय मूल्य का निर्माणाधीन भवन का कार्य तीन वर्षों से अधिक समय तक रोका गया क्योंकि ठेकेदार से उक्त कार्य दिया गया था, काम बंद कर रहा था और कार्य में कोई प्रगति नहीं हो रही थी। वर्ष के दौरान स्वतंत्र मूल्यांकन रिपोर्ट के आधार पर अधिकारिक परिसमापक को ₹ 1,398 का दावा प्रस्तुत किया गया। अधिकारिक परिसमापक (उच्च न्यायालय, मद्रास) ने बीईएल को देरी के लिए क्षमा मांगने के साथ दावा प्रस्तुत करने को कहा। कंपनी इसे प्रस्तुत कर रही है। वित्त वर्ष 2018-19 में ₹ 124 की राशि अनर्जक थी। टिप्पणी 30(4) देखें।

v. निर्माणाधीन कर्मचारियों के क्वार्टर के संबंध में उधार की लागत कुछ नहीं (₹ 254) [ब्याज की निवल आय] को पूँजीगत चालू कार्य में शामिल किया गया है। पूँजीकरण की दर 6.47% प्रतिवर्ष (6.47% प्रतिवर्ष) है।

टिप्पणी 3 - निवेश संपत्ति

विवरण	सकल वहनीय राशि				मूल्यह्रास				निवल वहनीय राशि	
	1 अप्रैल, 2021 को	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2022	1 अप्रैल, 2021 को	वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2022	यथा 31 मार्च, 2022	यथा 31 मार्च, 2021
पूर्ण स्वामित्व की भूमि*	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
इमारत	14	-	-	14	6	1	-	7	7	8
कुल	**14**	**-**	**-**	**14**	**6**	**1**	**-**	**7**	**7**	**8**

* पूर्ण स्वामित्व की भूमि में आईएनआर 3,830 (आईएनआर 3,830) [समग्र अंक] शामिल है जिसे पूर्णांकित किया गया है ।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

विवरण	सकल वहनीय राशि				मूल्यह्रास				निवल वहनीय राशि	
	1 अप्रैल, 2020 को	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2021	1 अप्रैल, 2020 को	वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च , 2021	यथा 31 मार्च, 2021	यथा 31 मार्च,2020
पूर्ण स्वामित्व की भूमि*	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
इमारत	14	-	-	14	5	1	-	6	8	9
कुल	**14**	**-**	**-**	**14**	**5**	**1**	**-**	**6**	**8**	**9**

* पूर्ण स्वामित्व की भूमि में आईएनआर 3,830 (आईएनआर 3,830) [समग्र अंक] शामिल है जिसे पूर्णांकित किया गया है ।

i. लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित राशि

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
क. किराए की आय	191	193
ख. किराए की आय प्रदान करने वाली संपत्ति से प्रत्यक्ष प्रचालनीय व्यय (आर एंड एम सहित)	-	-
ग. उपर्युक्त को छोड़कर प्रत्यक्ष प्रचालनीय व्यय (आर एंड एम सहित)	-	-
घ. मूल्यह्रास	(1)	(1)
ङ. निवेश संपत्ति से लाभ	**190**	**192**

ii. संविदाजन्य प्रतिबद्धताओं के लिए टिप्पणी 30 (6) देखें।

iii. निवेश संपत्तियों का अंकित मूल्य

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
भूमि	2,896	2,255
इमारत	**839**	**903**

iv. भूमि जिसमें बेंगलूरु में 1.48 एकड़ (1.48 एकड़) की पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि शामिल है।

v. मानी गई लागत

भारतीय ए.एस. (01.04.2015) अपनाने से, कंपनी ने यथा 1 अप्रैल 2015 को अपनी सभी संपत्तियों, संयंत्रों और उपकरणों के वहनीय मूल्य को जारी रखने का विकल्प लिया जिन्हें पिछले जीएएपी के अनुसार मापा गया और इसमें वहनीय मूल्य को संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की मानी गई लागत के रूप में प्रयोग किया जाता है।

vi. परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवनकाल का प्राक्कलन

प्रबंधन ने परिसंपत्तियों की अपेक्षित उपयोगिता, तकनीकी और वाणिज्यिक अप्रचलन के जोखिम आदि जैसे कारकों पर विचार करते हुए मूर्त परिसंपत्तियों (जो कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में दर्शित उपयोगी जीवनकाल से अलग हैं) के विभिन्न वर्गों के उपयोगी जीवनकाल का प्राक्कलन किया है।

मूर्त परिसंपत्तियों के विभिन्न वर्गों के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल इस प्रकार हैं -

परिसंपत्तियों का वर्ग	वर्ष
इमारत	40

vii. मूल्यह्रास

मूल्यह्रास की गणना परिसंपत्तियों के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल पर सीधी रेखा के आधार पर की जाती है। मूल्यह्रास की राशि को लाभ व हानि के विवरण में व्यय के रूप में निर्धारित किया जाता है।.

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

viii. **मूल्यह्रास के लेखांकन की विधि**

मूल्यह्रास की गणना कंपनी की लेखा नीति संख्या 8 के अनुसार की गई है और इसे लाभ और हानि के विवरण में खर्च के रूप में निर्धारित किया गया है।

ix. **परिसंपत्तियों का ह्रास**

चूँकि निवेश संपत्ति का अंकित मूल्य उसके वहनीय मूल्य से अधिक है, ह्रास का कोई संकेत नहीं है।

x. **निवेश की गई संपत्ति से धनप्राप्ति पर प्रतिबंध**

भूमि भारत सरकार द्वारा आबंटित की गई है।

xi. **संबंधित पक्षकार के लेन-देन**

निवेश संपत्ति में सहायक कंपनी बीईएल थालेस सिस्टम लि. को निरस्त योग्य प्रचालनीय पट्टे के तहत दी गई 0.31 एकड़ (0.31 एकड़) की इमारत और भूमि शामिल है। कृपया टिप्पणी 31 देखें।

xii. **पंजीकरण, लंबित मुकदमों आदि के विवरण**

कुछ नहीं (कुछ नहीं)

xiii. **उचित मूल्य का प्राक्कलन**

कंपनी ने निवेश संपत्ति के स्थल में इसी प्रकार की परिसंपत्तियों के सरकारी मार्गदर्शी मूल्य (नगरपालिका का मूल्य) के आधार पर निवेश संपत्ति के उचित में का प्राक्कलन किया है, पंजीकृत मूल्यांकक के आधार पर नहीं। निवेश संपत्तियों के सभी परिणामी उचित मूल्य प्राक्कलन स्तर-2 में शामिल किए गए हैं।

टिप्पणी 4 - अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ

विवरण	सकल वहनीय राशि				मूल्यह्रास				निवल वहनीय राशि	
	1 अप्रैल, 2021 को	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2022	1 अप्रैल, 2021 को	वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2022	यथा 31 मार्च, 2022	यथा 31 मार्च,2021
सॉफ्टवेयर लाइसेंस/ इंटरप्राइज़ रिसोर्स प्लानिंग (ई.आर.पी.) का कार्यान्वयन	291	2,323	-	2,614	286	394	-	680	1,934	5
अन्य (विकास लागत)*	6,919	320	-	7,239	1,194	1,074	-	2,268	4,971	5,725
कुल	**7,210**	**2,643**	**-**	**9,853**	**1,480**	**1,468**	**-**	**2,948**	**6,905**	**5,730**

* अन्य विकास एजेंसियों को किए गए वित्त-पोषण सहित।

विवरण	सकल वहनीय राशि				मूल्यह्रास				निवल वहनीय राशि	
	1 अप्रैल, 2020 को	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2021	1 अप्रैल, 2020 को	वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च , 2021	यथा 31 मार्च, 2021	यथा 31 मार्च,2020
सॉफ्टवेयर लाइसेंस/ इंटरप्राइज़ रिसोर्स प्लानिंग (ई.आर.पी.) का कार्यान्वयन	285	6	-	291	255	31	-	286	5	30
अन्य (विकास लागत)*	2,745	4,174	-	6,919	478	716	-	1,194	5,725	2,267
कुल	**3,030**	**4,180**	**-**	**7,210**	**733**	**747**	**-**	**1,480**	**5,730**	**2,297**

* अन्य विकास एजेंसियों को किए गए वित्त-पोषण सहित।

i. मानी गई लागत

भारतीय ए.एस. (01.04.2015) अपनाने से, कंपनी ने यथा 1 अप्रैल 2015 को अपनी सभी संपत्तियों, संयंत्रों और उपकरणों के वहनीय मूल्य को जारी रखने का विकल्प लिया जिन्हें पिछले जीएएपी के अनुसार मापा गया और इसमें वहनीय मूल्य को संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की मानी गई लागत के रूप में प्रयोग किया जाता है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

ii. **प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल**

अन्य अमूर्त परिसंपत्तियों का प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल इस प्रकार है -

परिसंपत्तियों का वर्ग	वर्ष
साफ्टवेयर लाइसेंस / इंटरप्राइज़ रिसोर्स प्लानिंग (ई.आर.पी.) का कार्यान्वयन	3
अन्य (विकास लागत)	3-15

iii. परिशोधन

परिशोधन की गणना परिसंपत्तियों के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल पर सीधी रेखा के आधार पर की जाती है। परिशोधन की राशि को लाभ व हानि के विवरण में व्यय के रूप में निर्धारित किया जाता है।

iv. परिशोधन के गणना की विधि

परिशोधन की गणना कंपनी की लेखा नीति संख्या 8 के अनुसार की गई है और इसे लाभ और हानि के विवरण में खर्च के रूप में निर्धारित किया गया है।

v. संविदाजन्य प्रतिबद्धताओं के लिए टिप्पणी 30 (6) देखें।

vi. परिसंपत्तियों का ह्रास

टिप्पणी 30 (4) देखें।

vii. परिसंपत्तियों के अधिकार पर प्रतिबंध करार की शर्तें द्वारा नियंत्रित होता है।

viii. अवधि के दौरान व्यय माने गए अनुसंधान व विकास व्यय की कुल राशि के लिए टिप्पणी 30 (7) देखें।

टिप्पणी 5 - विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
आंतरिक रूप से विकसित *	53,258	45,769
घटाएँ - ह्रास का प्रावधान	(7,213)	(7,213)
	46,045	**38,556**

* अन्य विकास एजेंसियों को किए गए वित्त-पोषण सहित।

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ 2021-22

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	इस अवधि के लिए विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों की राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
चालू परियोजनाएं	6,672	1,526	2,576	34,415	45,189
अन्य	856	-	277	6,936	8,069
ह्रास का प्रावधान	-	-	(277)	(6,936)	(7,213)
कुल	**7,528**	**1,526**	**2,576**	**34,415**	**46,045**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

समापन अनुसूची - समय और लागत विस्तारण 2021-22

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
क्यूआरसैम	17,105	-	-	-	17,105
अतुल्य	8,416	-	-	-	8,416
सारंग के लिए क्यूटी मॉडल	478	-	-	-	478
एएफसी गेट का डिज़ाइन और विकास	242	-	-	-	242
निकश सिस्टम का विकास कार्य	173	-	-	-	173
पारपाइस अपग्रेडेशन परियोजना	118	-	-	-	118
सर्वधारी प्रणाली के लिए विकास कार्य	104	-	-	-	104
समुद्रिका परियोजना का विकास	97	-	-	-	97
सारक्षी के लिए क्यूटी मॉडल	36	-	-	-	36
तुषार के लिए यूईटी मॉडल	15	-	-	-	15
कुल	**26,784**	**-**	**-**	**-**	**26,784**

समापन अनुसूची - निलंबित परियोजनाएं 2021-22

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
कुल	-	-	-	-	-

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ 2020-21

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	इस अवधि के लिए विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों की राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
चालू परियोजनाएं	1,565	2,576	6,957	27,458	38,556
अन्य	-	277	725	6,211	7,213
ह्रास का प्रावधान	-	(277)	(725)	(6,211)	(7,213)
कुल	**1,565**	**2,576**	**6,957**	**27,458**	**38,556**

समापन अनुसूची - समय और लागत विस्तारण 2020-21

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
क्यूआरसैम	-	16,082	-	-	16,082
अतुल्य	7,364	-	-	-	7,364
कुल	**7,364**	**16,082**	**-**	**-**	**23,446**

समापन अनुसूची - निलंबित परियोजनाएं 2020-21

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
कुल	-	-	-	-	-

i. संविदाजन्य प्रतिबद्धताओं के लिए टिप्पणी 30 (6) देखें।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

ii. **परिसंपत्तियों का ह्रास-**

₹ 7,213 की राशि का प्रावधान वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान अनर्जक हानि के रूप में किया गया था क्योंकि विकास कार्य वर्तमान में जारी नहीं है और कंपनी के मूल्यांकन के अनुसार भी, आर्थिक अनुलाभ सृजित करने की संभाव्यता अभिनिश्चित नहीं थी। (टिप्पणी 30(4) देखें)।

टिप्पणी 6 - निवेश

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
सहायक कंपनी को दिए गए ऋण का उचित मूल्यांकन		
बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाइसेस लि., पुणे	227	227
(I) इक्विटी विलेखों में निवेश (अनुद्धत)		
क) सहायक कंपनी (लागत पर)		
बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाइसेस लि., पुणे*		
प्रत्येक आई.एन.आर.100 पूर्ण चुकता के 84,506,970(84,506,970) इक्विटी शेयर	16,763	16,763
बीईएल - थालेस सिस्टम्स लिमिटेड,बेंगलूरु		
प्रत्येक आई.एन.आर.100 पूर्ण चुकता के 42,63,538 (4,263,538 इक्विटी शेयर	4,264	4,264
(ख) संबंद्ध कंपनी (लागत पर)		
जीई-बीई प्राइवेट लि., बेंगलूरु		
प्रत्येक आई.एन.आर.10 पूर्ण चुकता के 2,600,000 (26,00,000) इक्विटी शेयर	260	260
(ग) अन्य (एफवीओसीआई पर) (नीचे दी गई टिप्पणीन्देखें)		
मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि., हैदराबाद		
प्रत्येक ₹ 1000 पूर्ण चुकता के 500 (500) इक्विटी शेयर	13	12
डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन, बेंगलूरु		
प्रत्येक ₹ 1000 पूर्ण चुकता के 50 (50) इक्विटी शेयर	1	1
(II) अन्य निवेश (अनुद्धत)		
(क) कोऑपरेटिव सोसाइटियों में निवेश (लागत पर)		
** कफ़ परेड पर्सोपोलिस प्रिमाइसेस कोऑपरेटिव सोसाइटी, मुंबई		
आई.एन.आर. 50 प्रत्येक पूर्ण चुकता के 40 (40) शेयर	-	-
सुखसागर प्रिमाइसेस कोऑपरेटिव, सोसाइटी, मुंबई		
आई.एन.आर.50 प्रत्येक पूर्ण चुकता के 10 (10) शेयर	-	-
श्री सप्तरत्न कोऑप. सोसाइटी लि., मुंबई		
आई.एन.आर.50 प्रत्येक पूर्ण चुकता के 10 (10) शेयर	-	-
दालामल पार्क कोऑप. सोसाइटी लि., मुंबई		
आई.एन.आर. 50 प्रत्येक पूर्ण चुकता के 5 (5) शेयर	-	-
चंद्रलोक कोऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., पुणे		
आई.एन.आर. 50 प्रत्येक पूर्ण चुकता के 30 (30) शेयर	-	-
(ख) अन्य (एफवीटीपीएल पर)		
भारतीय जीवन बीमा निगम (टिप्पणी ii देखें)	133,896	111,592
	155,424	**133,119**

* मे. बीईएल ऑप्ट्रॉनिक्स डिवाइसेस लि. (पूर्ण स्वामित्व की सहायक कंपनी) ने वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान आईएनआर 100 प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य का आईएनआर 10 प्रति इक्विटी शेयर में उप विभाजन किया, तदनुसार, इक्विटी शेयरों की संख्या पुनर्निर्धारित की गई।

** आईएनआर 4,750 (आईएनआर 4,750) [समग्र अंक] जिसे पूर्णांकित किया गया। यह हाउसिंग सोसाइटियों में उनके उप-नियमों के अनुसार अर्जित शेयर का मूल्य दर्शाते हैं।

i.

विवरण	2021-22	2020-21
उद्धृत निवेशों का कुल मूल्य और उनका बाज़ार मूल्य	-	-
अनुद्धत निवेशों का कुल मूल्य	155,424	133,119
निवेश के मूल्य में ह्रास की कुल राशि	-	-

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

ii. कंपनी ने अपने छुट्टी नकदीकरण और "बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना" (बीईआरईसीएचएस) देयताओं को क्रमशः एलआईसी की न्यू ग्रुप लीव एनकैशमेंट प्लान और न्यू ग्रुप सुपरएन्युएशन कैश एक्यूमिलेशन प्लान में निवेश किया है [टिप्पणी 21 देखें] ।

iii. वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

iv. में. डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन (डीआईओ)में इक्विटी पूँजी के लिए आईएनआर 50,000 [परम अंक दर्शाता है] का अंशदान किया गया। डीआईओ की स्थापना कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 8 के प्रावधानों के अनुसार अलाभ कंपनी के रूप में ₹ 100 की प्राधिकृत शेयर पूँजी (बीईएल-50%; एचएएल-50%) के साथ रक्षा क्षेत्र में नवाचार का वित्तपोषण करने हेतु 10 अप्रैल 2017 को की। कंपनी का पंजीकृत कार्यालय बेंगलूरु में अवस्थित है।

प्रारंभिक कोर्पस निधि में अंशदान हेतु लेखाबहियों में ₹ 5000 का प्रावधान किया गया है। इसमें से ₹ 4000 की राशि वितरण के लिए लंबित है।

v. क. कंपनी ने एफवीओसीआई में मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि. तथा डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन, बेंगलूरु के इक्विटी शेयरों में निवेश किया है क्योंकि ये इक्विटी शेयर ऐसे निवेश को दर्शाते हैं जो रणनीतिक प्रयोजन से लंबे समय तक धारित करने के लिए आशयित हैं। निवल परिसंपत्ति मूल्य विधि के आधार पर निवेश का अंकित मूल्य इस प्रकार है -

विवरण	31 मार्च 2022 को उचित मूल्य	2021-2022 के दौरान निर्धारित लाभांश आय	31 मार्च 2021 को उचित मूल्य	2020-2021के दौरान निर्धारित लाभांश आय
मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि, हैदराबाद	13	-	12	-
डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन, बेंगलूरु	1	-	1	-

ख. कंपनी ने इन निवेशों पर अब तक कोई लाभांश प्राप्त नहीं किया है।

ग. 2021-22 के दौरान कोई रणनीतिक निवेश को निपटाया नहीं गया और इन निवेशों के संबंध में इक्विटी में कोई संचित लब्धि या हानि अंतरित नहीं की गई।

vi. संबंधित पक्षकारों के प्रकटण

संबंधित पक्षकारों के प्रकटण के लिए टिप्पणी 31 देखें।

टिप्पणी 7 - व्यापार प्राप्य

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
गैर चालू		
अरक्षित, जिन्हें संदिग्ध माना गया		
व्यापार प्राप्य	159,043	143,587
घटाएँ - प्रावधान*	(159,043)	(143,587)
उप कुल (क)	-	-
चालू		
रक्षित, जिन्हें खरा माना गया	785	901
अरक्षित, जिन्हें खरा माना गया	609,554	654,253
उप कुल (ख)	**610,339**	**655,154**
कुल (क+ख)	**610,339**	**655,154**

* इसमें प्राप्य जो क्रेडिट ह्रासमान हैं, से संबंधित ₹ 339 (₹339) शामिल है ।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

गैर चालू व्यापार प्राप्य 2021-22

विवरण	बिल न किया गया	बिल किया गया, अदेय	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया					कुल
			6 महीनों से कम	6 महीनों से 1 वर्ष तक	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
अविवादित व्यापार प्राप्य - जिन्हें खरा माना गया	8,582	59	10,507	7,287	14,348	15,291	86,192	142,266
अविवादित व्यापार प्राप्य - उल्लेखनीय ऋण जोखिम	-	-	-	-	-	-	-	-
अविवादित व्यापार प्राप्य - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	339	339
विवादित व्यापार प्राप्य - जिन्हें खरा माना गया	-	-	-	-	-	-	16,438	16,438
विवादित व्यापार प्राप्य - उल्लेखनीय ऋण जोखिम	-	-	-	-	-	-	-	-
विवादित व्यापार प्राप्य - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-
घटाएँ - प्रावधान	(8,582)	(59)	(10,507)	(7,287)	(14,348)	(15,291)	(102,969)	(159,043)
कुल	-	-	-	-	-	-	-	-

चालू व्यापार प्राप्य 2021-22

विवरण	बिल न किया गया	बिल किया गया, अदेय	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया					कुल
			6 महीनों से कम	6 महीनों से 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
अविवादित व्यापार प्राप्य - जिन्हें खरा माना गया	82,465	3,362	311,367	68,204	71,810	45,315	27,015	609,538
अविवादित व्यापार प्राप्य - उल्लेखनीय ऋण जोखिम	-	-	-	-	-	-	-	-
अविवादित व्यापार प्राप्य - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-
विवादित व्यापार प्राप्य - जिन्हें खरा माना गया	-	-	-	-	-	-	801	801
विवादित व्यापार प्राप्य - उल्लेखनीय ऋण जोखिम	-	-	-	-	-	-	-	-
विवादित व्यापार प्राप्य - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल	**82,465**	**3,362**	**311,367**	**68,204**	**71,810**	**45,315**	**27,816**	**610,339**

गैर चालू व्यापार प्राप्य 2020-21

विवरण	बिल न किया गया	बिल किया गया, अदेय	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया					कुल
			6 महीनों से कम	6 महीनों से 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
अविवादित व्यापार प्राप्य - संदिग्ध माना गया	1,036	230	10,029	3,533	21,739	15,551	74,692	126,810
अविवादित व्यापार प्राप्य - उल्लेखनीय ऋण जोखिम	-	-	-	-	-	-	-	-
अविवादित व्यापार प्राप्य - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	339	339
विवादित व्यापार प्राप्य - माना गया	-	-	-	-	-	-	16,438	16,438
विवादित व्यापार प्राप्य - उल्लेखनीय ऋण जोखिम	-	-	-	-	-	-	-	-
विवादित व्यापार प्राप्य - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-
घटाएँ - प्रावधान	(1,036)	(230)	(10,029)	(3,533)	(21,739)	(15,551)	(91,469)	(143,587)
कुल	-	-	-	-	-	-	-	-

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

चालू व्यापार प्राप्य 2020-21

विवरण	बिल न किया गया	बिल किया गया, अदेय	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया					कुल
			6 महीनों से कम	6 महीनों से 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
अविवादित व्यापार प्राप्य - जिन्हें खरा माना गया	1,17,316	4,931	3,04,806	74,746	97,125	24,029	31,400	6,54,353
अविवादित व्यापार प्राप्य - उल्लेखनीय ऋण जोखिम	-	-	-	-	-	-	-	-
अविवादित व्यापार प्राप्य - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-
विवादित व्यापार प्राप्य - जिन्हें खरा माना गया	-	-	-	-	-	-	801	801
विवादित व्यापार प्राप्य - उल्लेखनीय ऋण जोखिम	-	-	-	-	-	-	-	-
विवादित व्यापार प्राप्य - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल	**1,17,316**	**4,931**	**3,04,806**	**74,746**	**97,125**	**24,029**	**32,201**	**6,55,154**

i. भुगतान के निबंधन

क. अधिकांश संविदाओं में, मदों की सुपुर्दगी पर भुगतान (प्राप्त अग्रिम, यदि कोई हो, का निवल) देय है। बहरहाल, कुछ संविदाओं में देयों का एक हिस्सा (सामान्यत: 5% से 10%) अतिरिक्त कार्य-निष्पादन देयता की संतुष्टि से जुड़ा है जैसे संस्थापना एवं कार्यारंभ संबंधी कार्यों को पूरा करना आदि। टर्नकी संविदाओं के संबंध में, भुगतान (निवल अग्रिम, यदि कोई हो) निर्दिष्ट उपलब्धियों को प्राप्त करने से जुड़ा होता है।

ख. ग्राहक से प्राप्त प्रगामी भुगतानों सहित अग्रिम को संविदा की देयता के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और संबंधित कार्य-निष्पादन देयता के समापन पर समायोजित किया जाता है।

ग. संविदा में अन्य कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने के साथ भुगतान को जोड़ने के कारण पूरी की गई कार्य-निष्पादन देयता के संबंध में ग्राहकों द्वारा रोक रखी गई राशि को संविदा परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। प्राप्त शेष राशि को व्यापार प्राप्य के रूप में वर्गीकृत किया जाता है ।

ii. वित्तीय विलेख

वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

iii. वित्तीय परिसंपत्तियों का ह्रास

ह्रास का प्रावधान कंपनी की लेखा नीति सं. 30 के अनुरुप किया गया है।

iv. संबंधित पक्षकारों के प्रकटण

संबंधित पक्षकारों के प्रकटण के लिए टिप्पणी 31 देखें।

v. सुरक्षा, दृष्टिबंधन आदि

टिप्पणी 35 देखें।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 8 - ऋण

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
गैर चालू		
अरक्षित, जिन्हें खरा माना गया		
कर्मचारियों को ऋण	728	736
	728	**736**
अन्य		
कर्मचारियों को ऋण	1	1
घटाएँ - प्रावधान	(1)	(1)
अन्य को ऋण	132	132
घटाएँ -प्रावधान *	(132)	(132)
उप कुल (क)	**728**	**736**
चालू		
अरक्षित, जिन्हें खरा माना गया		
संबंधित पक्षकारों को ऋण **	-	380
अन्य		
कर्मचारियों को ऋण	148	152
उप कुल (ख)	**148**	**532**
कुल (क+ख)	**876**	**1,268**

* इसमें ऐसे ऋणों से संबंधित ₹ 132 (₹132) शामिल है जो क्रेडिट ह्रासमान हैं।

** वर्ष के दौरान किसी भी समय बकाया अधिकतम राशि ₹ 380 (₹ 1,640)है, जिसमें ब्याज शामिल है।

i. वित्तीय विलेख

वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

ii. वित्तीय परिसंपत्तियों का ह्रास

ह्रास का प्रावधान कंपनी की लेखा नीति सं. 30 के अनुरुप किया गया है।

iii. संबंधित पक्षकारों के प्रकटण

संबंधित पक्षकारों के प्रकटण के लिए टिप्पणी 31 देखें।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 9 - अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
गैर चालू		
अरक्षित, जिन्हें खरा माना गया		
सुरक्षा जमा	2,076	2,588
व्यापार प्राप्यों के अलावा प्राप्य	-	26
12 महीनों से अधिक परिपक्वता के साथ बैंक जमा**	173	173
अन्य परिसंपत्तियाँ	26	26
	2,275	**2,813**
अरक्षित, जिन्हें संदिग्ध माना गया		
सुरक्षा जमा	80	104
घटाएँ - प्रावधान	(80)	(104)
अन्य को दिए गए अग्रिम	14	12
घटाएँ - प्रावधान	(14)	(12)
व्यापार प्राप्यों के अलावा प्राप्य	969	966
घटाएँ - प्रावधान*	(969)	(966)
अन्य परिसंपत्तियाँ	74	74
घटाएँ - प्रावधान	(74)	(74)
उप कुल(क)	**2,275**	**2,813**
चालू		
अरक्षित, जिन्हें खरा माना गया		
सुरक्षा जमा	1,881	1,414
कर्मचारियों को दिए गए अग्रिम	168	165
अन्य को दिए गए अग्रिम	3	5
प्रोद्भूत ब्याज परंतु मीयादी जमा पर देय नहीं	3,775	1,219
व्यापार प्राप्यों के अलावा प्राप्य	2,540	588
अन्य परिसंपत्तियाँ	1,864	2,589
उप कुल (ख)	**10,231**	**5,980**
कुल (क+ख)	**12,506**	**8,793**

* टिप्पणी 30 (23) देखें

** बैंक गारंटी के समक्ष मार्जिन राशि के रूप में धारित शेष दर्शाता है।

i. वित्तीय विलेख

वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

ii. वित्तीय परिसंपत्तियों का ह्रास

ह्रास का प्रावधान कंपनी की लेखा नीति सं. 30 के अनुरुप किया गया है।

iii. संबंधित पक्षकारों के प्रकटण

संबंधित पक्षकारों के प्रकटण के लिए टिप्पणी 31 देखें।

iv. कुछ नहीं (कुछ नहीं) की निवल वहनीय राशि को संपत्ति, संयंत्र और उपकरण जो सक्रिय प्रयोग में नहीं हैं के संबंध में अन्य परिसंपत्तियों में शामिल किया गया है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 10 - आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ	83,519	69,264
आस्थगित कर देयताएँ	(21,449)	(22,925)
	62,070	**46,339**

i. लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित आय

क्र. सं.	विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
1	**आय कर के व्यय**		
	- चालू अवधि	91,052	82,493
	- पूर्व के वर्षों से संबंधित प्राक्कलनों में परिवर्तन	-	(2,492)
2	**आस्थगित कर -**		
	- अस्थायी अंतरों का उद्गम और व्युत्क्रमण	(10,165)	6,938
3	**आस्थगित कर के कुल व्यय/(अनुलाभ)**	**(10,165)**	**6,938**
4	**कर के व्यय**	**80,887**	**86,939**

ii. अन्य व्यापक आय में निर्धारित आय कर

क्र. सं.	विवरण	यथा 31 मार्च 2022			यथा 31 मार्च 2021		
		कर पूर्व	कर (व्यय)/ अनुलाभ	निवल कर	कर पूर्व	कर (व्यय)/ अनुलाभ	निवल कर
1	निवल निर्धारित अनुलाभ देयता/ (परिसंपत्ति) का पुन:मापन	(19,940)	5,019	(14,921)	(11,639)	2,930	(8,709)
2	अन्य द्वारा इक्विटी विलेख व्यापक आय	1	(1)	-	1	(1)	-
	कुल	**(19,939)**	**5,018**	**(14,921)**	**(11,638)**	**2,929**	**(8,709)**

iii. इक्विटी में प्रत्यक्ष रूप से निर्धारित आय कर

इक्विटी 31 मार्च 2022 को और 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए इक्विटी में प्रत्यक्ष रूप से अभिचिह्नत कोई आय कर नहीं है।

iv. प्रभावी कर दरों का समाधान

विवरण	यथा 31 मार्च 2022		यथा 31 मार्च 2021	
	दर	राशि	दर	राशि
कर पूर्व लाभ		**315,780**		**293,481**
कंपनी की घरेलू कर दर का इस्तेमाल करते हुए कर	25.17%	79,476	25.17%	73,863
प्रभाव				
अनुसंधान एवं विकास व्ययों पर अतिरिक्त कटौती	-	-	-	-
छूट प्राप्त आय	-	-	-	-
कर प्रोत्साहन	-	-	-	-
पिछले वर्षों से संबंधित प्राक्कलनों में परिवर्तन	-	-	-0.64%	(1,888)
गैर-कटौती योग्य व्यय	0.42%	1,338	0.40%	1,166
कर दर में परिवर्तन का प्रभाव	-	-	4.76	13,993
अन्य	0.02%	73	-0.08%	(195)
प्रभावी कर दर	**25.61%**	**80,887**	**29.62%**	**86,939**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

v. आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ) और देयताएँ निम्नलिखित के कारण हैं -

क्र. सं.	विवरण	आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ)		आस्थगित कर देयताएँ		निवल आस्थगित कर	
		यथा 31.03.2022	यथा 31.03.2021	यथा 31.03.2022	यथा 31.03.2021	यथा 31.03.2022	यथा 31.03.2021
1 .	व्यापार प्राप्य	(10,985)	(10,154)	-	-	(10,985)	(10,154)
2 .	वस्तुसूची	(11,784)	(11,039)	-	-	(11,784)	(11,039)
3 .	प्रावधान अन्य	(17,707)	(14,687)	-	-	(17,707)	(14,687)
4 .	कर्मचारी अनुलाभ	(39,387)	(30,429)	-	-	(39,387)	(30,429)
5 .	अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	-	-	487	442	487	442
6 .	आस्थगित राजस्व	(261)	(268)	-	-	(261)	(268)
7 .	अन्य परिसंपत्तियाँ	-	-	-	1	-	1
8 .	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	-	-	16,488	18,010	16,488	18,010
9 .	आईसीडीएस समायोजन	-	-	-	-	-	-
10 .	इक्विटी निवेश	-	-	2	3	2	3
11 .	अन्य वित्तीय देयताएँ	-	-	8	7	8	7
12 .	ह्रास का प्रावधान	(3,394)	(2,687)	-	-	(3,394)	(2,687)
13 .	विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	-	-	4,463	4,463	4,463	4,463
14 .	**कुल**	**(83,518)**	**(69,265)**	**21,448**	**22,926**	**(62,070)**	**(46,339)**
15 .	(परिसंपत्ति)/ देयता का पृथक्करण	21,448	22,926	(21,448)	(22,926)	-	-
	निवल आस्थगित कर (परिसंपत्ति)/ देयता	**(62,070)**	**(46,339)**	-	-	**(62,070)**	**(46,339)**

vi. आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ) एवं देयताओं का संचलन-

क्रम. सं	विवरण	यथा 1 अप्रैल,2021 को शेष	2021-2022 के दौरान लाभ व हानि में निर्धारित	2021-2022 के दौरान ओसीआई में निर्धारित	यथा 31.03.2022 को शेष
1 .	व्यापार प्राप्य	(10,154)	(831)	-	(10,985)
2 .	वस्तुसूची	(11,039)	(745)	-	(11,784)
3 .	प्रावधान अन्य	(14,687)	(3,020)	-	(17,707)
4 .	कर्मचारी अनुलाभ	(30,429)	(3,391)	(5,567)	(39,387)
5 .	अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	442	45	-	487
6 .	आस्थगित राजस्व	(268)	7	-	(261)
7 .	अन्य परिसंपत्तियाँ	1	(1)	-	-
8 .	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	18,010	(1,522)	-	16,488
9 .	आईसीडीएस समायोजन	-	-	-	-
10 .	इक्विटी निवेश	3	(1)	-	2
11 .	अन्य वित्तीय देयताएँ	7	1	-	8
12 .	ह्रास का प्रावधान	(2,687)	(707)	-	(3,394)
13 .	विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	4,463	-	-	4,463
	कुल	**(46,339)**	**(10,165)**	**(5,567)**	**(62,070)**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

क्र. सं.	विवरण	यथा 01.04.2020 को शेष	2020-21 के दौरान लाभ व हानि में निर्धारित	2020-21 के दौरान ओसीआई में निर्धारित	यथा 31.03.2021 को शेष
1 .	व्यापार प्राप्य	(14,528)	4,374	-	(10,154)
2 .	वस्तुसूची	(14,954)	3,915	-	(11,039)
3 .	प्रावधान अन्य	(17,908)	3,221	-	(14,687)
4 .	कर्मचारी अनुलाभ	(34,217)	7,325	(3,537)	(30,429)
5 .	अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	166	276	-	442
6 .	आस्थगित राजस्व	(373)	105	-	(268)
7 .	अन्य परिसंपत्तियाँ	1	-	-	1
8 .	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	26,790	(8,780)	-	18,010
9 .	आईसीडीएस समायोजन	-	-	-	-
10 .	इक्विटी निवेश	2	-	1	3
11 .	अन्य वित्तीय देयताएँ	10	(3)	-	7
12 .	ह्रास का प्रावधान	(2,006)	(681)	-	(2,687)
13 .	विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	7,277	(2,814)	-	4,463
	कुल	**(49,740)**	**6,938**	**(3,536)**	**(46,339)**

vii. अनिर्धारित आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ) / देयताएँ :

ऐसे कोई अस्थायी अंतर नहीं हैं जिनमें 31 मार्च 2022 और 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ) / देयताओं को निर्धारित किया गया।

viii. आगे ले जाई गई कर की हानि-

ऐसे कोई कर की हानि नहीं हैं जिसे 31 मार्च 2022 और 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ)/देयताओं को निर्धारित किया गया।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 11 - वस्तुसूचियाँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
गैर चालू		
कच्चा माल और घटक	49,002	47,115
जोड़ें - मार्गस्थ कच्चा माल और घटक	64	91
घटाएँ - प्रावधान	(46,419)	(43,358)
	2,647	**3,848**
व्यापारगत स्टॉक	88	188
घटाएँ - प्रावधान	(88)	(188)
भंडार व पुर्जे	275	257
घटाएँ - प्रावधान	(246)	(236)
	29	**21**
खुले औजार	127	147
घटाएँ - प्रावधान	(69)	(78)
	58	**69**
उप कुल(क)	**2,734**	**3,938**
चालू		
कच्चा माल और घटक	3,35,495	2,89,541
जोड़ें - मार्गस्थ कच्चा माल और घटक	21,517	29,168
	3,57,012	**3,18,709**
चालू कार्य	1,67,272	1,36,061
तैयार माल	14,536	17,874
जोड़ें - मार्गस्थ तैयार माल	9,712	9,801
	24,248	**27,675**
व्यापारगत स्टॉक	1,647	6,053
जोड़ें - मार्गस्थ व्यापारगत स्टॉक	5	-
	1,652	**6,053**
भंडार व पुर्जे	2,722	1,955
जोड़ें - मार्गस्थ भंडार व पुर्जे	-	6
	2,722	**1,961**
खुले औजार	814	747
	814	**747**
रद्दी का निपटान	236	323
	236	**323**
उप कुल (ख)	**5,53,956**	**4,91,529**
कुल(क+ख)	**5,56,690**	**4,95,467**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

i. कच्चे माल और घटकों में ₹ 14,707 (रु. 8,440) शामिल हैं जो उप-ठेकेदारों के पास धारित माल है जिसमें ₹ 386 (₹ 694) का माल पुष्टिकरण और समाधान के अधीन है। ₹ 386 (₹ 694) के समक्ष, ₹ 386 (रु.694) की राशि का प्रावधान किया गया है।

ii. वर्ष की स्टॉक सत्यापन विसंगतियाँ इस प्रकार हैं -

₹ 705 (₹ 473) की कमी और ₹ 389 (₹ 405) का अधिशेष । समाधान के लंबित होने पर, ₹ 316 (₹ 68) की राशि का प्रावधान किया गया है।

iii. वस्तुसूचियों का मूल्यांकन कंपनी की लेखा नीति सं. 18 के अनुसार किया गया है।

iv. क. संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सचिवालय ने 05.11.2007 से 31.03.2012 की सत्यापन अवधि के लिए 2.5 मे.वॉ. बीईएल ग्रिड कनेक्टेड पवन शक्ति परियोजना, दावणगेरे जिला, कर्नाटक के लिए, पूर्व के वर्षों के दौरान 15,856 (15,856) टन CO2EQ कार्बन क्रेडिट मंजूर किया है। इन कार्बन क्रेडिट को ₹ 2 (₹ 2) के मूल्य पर तैयार माल के तहत शामिल किया जाता है। सी.ई.आर. को आईसीएआई द्वारा जारी सीईआर संबंधी मार्गदर्शी टिप्पणी द्वारा यथा अपेक्षित लागत पर मूल्यांकित किया जाता है ।

ख. प्रमाणीकरण के तहत सीईआर - कुछ नहीं (कुछ नहीं).

ग. वर्ष के दौरान उत्सर्जन कम करने वाले उपकरणों का मूल्यह्रास और प्रचालन -

क्र.सं.	विवरण	2021-22	2020-21
i.	मूल्यह्रास	287	287
ii.	उत्सर्जन कम करने वाले उपकरणों की प्रचालनीय लागत	201	154
	कुल	**488**	**441**

v. सुरक्षा, दृष्टिबंधन आदि

टिप्पणी 35 देखें।

vi. लाभ व हानि का विवरण में दर्शित राशि

वस्तुसूचियों को निवल वसूली योग्य मूल्य में बट्टे खाते में डालने की राशि ₹ 1,575 (₹ 1,599) है, को लाभ व हानि के विवरण में दर्शाया गया।

vii. वर्ष के दौरान वस्तुसूचियों को बट्टे खाते में डालने का ₹ 539 (₹1,985) का व्युत्क्रमण किया गया जिन्हें पिछले वर्ष में व्यय के रूप में दर्शाया गया ।

viii. परिसंपत्तियों का ह्रास

वस्तुसूची का प्रावधान कंपनी की लेखा नीति सं. 18 के अनुरूप किया गया है।

ix. ₹ 4,350 (रु. 4,370) राशि की सामग्री को ग्राहक के परिसर में वास्तविक रूप से देखा गया ।

x. कंपनी ने संविदाजन्य शर्तों के अनुसार ग्राहकों की परिसंपत्तियों को प्राप्त किया / प्रतिधारित किया है जो वस्तुसूची का भाग नहीं है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 12 - अन्य परिसंपत्तियाँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
गैर चालू		
पूँजीगत अग्रिम	2,576	1,366
	2,576	**1,366**
पूँजीगत अग्रिमों के अलावा अग्रिम		
क्रय के लिए अग्रिम	2,742	2,743
घटाएँ - प्रावधान	(2,742)	(2,743)
	-	-
संविदा परिसंपत्ति	15,282	13,363
घटाएँ - प्रावधान	(15,282)	(13,363)
	-	-
अन्य		
सीमा शुल्क, पत्तन न्यास तथा अन्य सरकारी प्राधिकरणों के पास शेष	497	470
घटाएँ - प्रावधान	(424)	(397)
	73	**73**
पूर्वदत्त व्यय	504	64
प्राप्त दावे - क्रय	1,102	973
घटाएँ - प्रावधान	(1,102)	(973)
	-	-
संविदा की लागत -	64,631	37,578
अन्य - परिसंपत्तियाँ	19	29
घटाएँ - प्रावधान	(19)	(29)
	-	-
उप कुल(क)	**67,784**	**39,081**
चालू		
पूँजीगत अग्रिमों के अलावा अग्रिम		
कर्मचारियों को दिए गए अग्रिम	781	637
क्रय के लिए अग्रिम	141,295	166,327
संविदा परिसंपत्ति	567,036	466,681
अन्य		
सीमा शुल्क, पत्तन न्यास तथा अन्य सरकारी प्राधिकरणों के पास शेष*	35,826	28,472
पूर्वदत्त व्यय	5,348	5,642
पूर्वदत्त व्यय	6,178	6,037
प्राप्त दावे - क्रय	2,370	1,431
संविदा की लागत	16,760	14,392
अन्य - परिसंपत्तियाँ	1,209	1,028
उप कुल(ख)	**776,803**	**690,647**
कुल (क+ख)	**844,587**	**729,728**

* माननीय मद्रास उच्च न्यायालय एकल और बृहद खंडपीट से बीईएल के पक्ष में दो निर्णय किए गए। सर्वोच्च न्यायालय और जीएसटी विभाग में दैखिल प्रतिवाद को राजी किया गया ताकि बीईएल ऋण का उपयोग कर सके। ₹ 1,497 (₹ 1,497) जीएसटी संक्रमण कालीन ऋण का उपयोग लंबित है।

i. परिसंपत्तियों का ह्रास

गैर वित्तीय परिसंपत्तियों के ह्रास का प्रावधान कंपनी की लेखा नीति सं. 13 के अनुरूप किया गया है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

ii. संबंधित पक्षकारों के प्रकटण

संबंधित पक्षकारों के प्रकटण के लिए टिप्पणी 31 देखें।

iii. संविदा परिसंपत्तियों का ह्रास

संविदा परिसंपत्तियों का ह्रास रु. 881 (रु. 3210).

iv. उचित मूल्य का मापन

विवरण	यथा 31 मार्च 2022			यथा 31 मार्च 2021		
	FVPL	FVOCI	परिशोधित लागत	FVPL	FVOCI	परिशोधित लागत
संविदा परिसंपत्ति	-	-	567,036	-	-	466,681

v. संविदा की लागत का अंतिम शेष ग्राहकों से ₹ 7,970 (₹ 6,329) और की संविदा प्राप्त करने की लागत दर्शाता है तथा संविदा पूरा करने की लागत ₹ 73,421 (₹ 45,641)।

vi. संविदा लागतों का परिशोधन और ह्रास-

संविदा लागतों के परिशोधन का निर्धारण जो संविदा लागत से अपेक्षित अनुलाभ की अवधि के आधार पर किया गया, ₹ 11,717 (₹ 7,527) है। संविदा लागतों का ह्रास कुछ नहीं (कुछ नहीं) निर्धारित किया गया।

टिप्पणी 13 - नकद व नकद समतुल्य

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
बैंकों के पास शेष	38,403	51,049
हस्तस्थ नकद	1	1
मीयादी जमा	85,500	250,515
	1,23,904	**3,01,565**

नकद व नकद समतुल्य में तीन महीनों तक की परिपक्वता अवधि की मीयादी जमा शामिल हैं। तीन महीनों से अधिक और बारह महीनों तक की परिपक्वता अवधि की मीयादी जमा को बैंक शेष में शामिल किया गया है (टिप्पणी 14 देखें) और बाहर महीनों से अधिक की मूल परिपक्वता अवधि की मीयादी जमा को अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ में शामिल किया गया है (टिप्पणी 9 देखें)।

i. वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

ii. नकद व नकद समतुल्य के संबंध में कोई प्रत्यावर्ती प्रतिबंध नहीं है।

iii. बैंकों के पास शेष में शामिल हैं- माननीय कर्नाटक उच्च न्यायालय से प्राप्त स्थगन आदेश के अनुसार, बैंक प्राधिकारियों ने वसूली अधिकारी - ईएसआई निगम द्वारा जारी गारनिशी आदेश के आधार पर ₹ 46 (रु. 46) रोक रखा।

टिप्पणी 14 - बैंक शेष [उक्त (ii) के अलावा]

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
मीयादी जमा	624,300	198,000
अदत्त लाभांश खाता *	1,710	1,256
	626,010	**199,256**

* इसमें लाभांश वितरण पर रोका गया (₹ 1,495) ₹ 1,045 का कर शामिल है।

i. वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

ii. कंपनी ने ऐसा कोई मीयादी जमा नहीं किया है जिसकी मूल परिपक्वता अवधि बाहर महीनों से अधिक है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 15 - चालू कर परिसंपत्तियाँ (निवल)

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
चालू कर परिसंपत्तियाँ (निवल)		
आय कर का अग्रिम भुगतान	14,325	12,998
	14,325	**12,998**
चालू कर देयताएँ (निवल)		
कराधान का प्रावधान	-	-

टिप्पणी 16

क. इक्विटी शेयर पूँजी

	विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
i.	**अधिकृत पूँजी**		
	आईएनआर 1 (आईएनआर 1) प्रत्येक के 2,500,000,000(2,500,000,000) इक्विटी शेयर	25,000	25,000
ii.	**जारी, अभिदत्त एवं पूर्ण चुकता पूँजी**		
	आईएनआर 1 (आईएनआर 1) प्रत्येक के 2,436,592,943(2,436,592,943) इक्विटी शेयर	24,366	24,366

iii. अवधि के प्रारंभ और अंत में बकाया शेयरों की संख्या का समाधान

विवरण	यथा 31 मार्च 2022		यथा 31 मार्च 2021	
	शेयरों की सं.	राशि	शेयरों की सं.	राशि
रिपोर्टिंग अवधि के प्रारंभ में बकाया शेयर	2,436,592,943	24,366	2,436,592,943	24,366
जोड़ें - वर्ष के दौरान जारी शेयर	-	-	-	-
घटाएँ - वर्ष के दौरान पुन:खरीद किए गए शेयर	-	-	-	-
रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बकाया शेयर	2,436,592,943	24,366	2,436,592,943	24,366

iv. कंपनी में 5% से अधिक शेयर धारित करने वाले प्रत्येक शेयरधारक द्वारा धारित शेयर

शेयरधारक का नाम	यथा 31 मार्च 2022		यथा 31 मार्च 2021	
	शेयरों की सं.	शेयरधारण का %	शेयरों की सं.	शेयरधारण का %
भारत सरकार	1,245,973,978	51.14%	1,245,973,978	51.14%
सीपीएसई एक्सचेंज ट्रेडेड स्कीम (सीपीएसई-ईटीएफ)	-	-	137,569,765	5.65%
एचडीएफसी ट्रस्टी कंपनी लि. - खाता एचडीएफसी मिड-कैप अपार्च्युनिटी फंड	126,504,722	5.19%	136,388,678	5.60%

v. पिछले 5 वर्षों के दौरान बोनस शेयरों द्वारा पूर्ण चुकता के रूप में आबंटित शेयरों की कुल संख्या और वर्ग।

बोनस शेयरों द्वारा पूर्ण चुकता के रूप में आबंटित इक्विटी शेयर -

वर्ष	2016-2017	2017-2018	2018-2019	2019-2020	2020-2021
शेयरों की सं.	-	22,33,62,793	-	-	-

vi. पिछले 5 वर्षों के दौरान पुन:खरीदे गए शेयरों की कुल संख्या और वर्ग।

पुन:खरीदे गए इक्विटी शेयर -

वर्ष	2016-2017	2017-2018	2018-2019	2019-2020	2020-2021
शेयरों की सं.	1,66,37,207	2,03,97,780	-	-	-

vii. पिछले पांच वर्षों के दौरान कंपनी ने संविदा के अनुसार नकद भुगतान प्राप्त किए बिना पूर्ण चुकता शेयर आबंटित नहीं किया है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

	विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
viii.	विकल्प के तहत जारी करने के लिए आरक्षित शेयर तथा शेयर / विनिवेश की बिक्री की संविदाएँ/प्रतिबद्धताएँ	-	-
ix.	अदत्त कॉल का कुल मूल्य (कंपनी के निदेशकों और अधिकारियों सहित)	-	-
x.	जब्त शेयर	-	-

xi. प्रत्येक वर्ग के शेयर से संबद्ध निबंधन, अधिकार, अधिमानता और प्रतिबंध

क. कंपनी में केवल एक वर्ग के शेयर नामत: इक्विटी शेयर हैं।

ख. इक्विटी शेयर के प्रत्येक धारक हाथ दिखाकर एक मत के हकदार होंगे और धारित शेयरों की संख्या के अनुपात में मतदान कर सकेंगे।

ग. प्रत्येक शेयरधारक को कंपनी द्वारा घोषित लाभांश प्राप्त करने का अधिकार है।

घ. कंपनी के समापन पर, इक्विटी शेयरधारक नियमों के अनुसार सभी अधिमान राशियों के वितरण के बाद, कंपनी की शेष परिसंपत्तियाँ, यदि कोई हो, के वसूल किए जाने वाले मूल्य के हकदार होंगे। यह वितरण शेयरधारकों द्वारा धारित इक्विटी शेयरों की संख्या के अनुपात में किया जाएगा।

xii. क) अंतरिम लाभांश और अंतिम लाभांश

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
वित्तीय वर्ष 2020-2021 और वित्तीय वर्ष 2019-2020 के क्रमश: अंतिम लाभांश	29,239	34,112
वित्तीय वर्ष 2021-2022 और वित्तीय वर्ष 2020-2021 के क्रमश: अंतरिम लाभांश	73,098	68,225

ख) प्रारक्षणों की प्रकृति और उद्देश्य

क. पूँजीगत प्रारक्षण

पूँजी प्रारक्षण प्रतिधारित अर्जन से अंतरण करते हुए बनाया जाता है जो कंपनी द्वारा अर्जित पूँजीगत लाभ के समतुल्य राशि होती है। इस प्रारक्षण का पयोग कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है।

ख. पूँजी मोचन प्रारक्षण

पूँजी मोचन प्रारक्षण सामान्य प्रारक्षण से अंतरण करते हुए बनाया जाता है जो पुन:खरीद किए गए शेयरों के अंकित मूल्य के समतुल्य राशि होती है। इस प्रारक्षण का पयोग कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है।

ग. अन्य व्यापक आय (ओसीआई) द्वारा इक्विटी निवेश

कंपनी ने अन्य व्यापक आय में कुछेक इक्विटी निवेशों के उचित मूल्य में परिवर्तनों को दर्शाने का विकल्प लिया है। उचित मूल्य में परिवर्तन इस प्रारक्षण में संचित होता है। जब कभी निवेश को न दर्शाने का विकल्प लिया जाता है, संचित राशि को प्रतिधारित अर्जन को अंतरित कर दिया जाता है।

घ. अन्य व्यापक आय (ओसीआई)

अन्य व्यापक आय ऐसी लब्धियाँ और हानियाँ होती हैं जिनकी वसूली अभी नहीं हुई है और जिन्हें लाभ व हानि के विवरण में शामिल नहीं किया गया है। इसमें मुख्य रूप से निवल निर्धारित अनुलाभ देयता / परिसंपत्ति (निवल कर) का पुनर्मापन शामिल किया जाता है।

xiii. भारत सरकार प्रवर्तक होने के नाते 31.03.2022 को 51.14% (51.14%) शेयर धारित करती है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 17 - आस्थगित आय

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
गैर चालू		
सरकारी अनुदान - आस्थगित	6,152	6,493
उप कुल(क)	**6,152**	**6,493**
चालू		
सरकारी अनुदान - आस्थगित	339	396
उप कुल(ख)	**339**	**396**
कुल(क+ख)	**6,491**	**6,889**

i. प्रस्तुतीकरण की विधि के लिए लेखा नीति 16 देखें

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
ii. सरकारी अनुदान की उपयोगिता की प्रकृति		
क. राजस्व खर्च	-	-
ख. पूँजीगत खर्च		
- संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	6,491	6,889
iii. अन्य प्रकार की सरकारी सहायता जिससे कंपनी को प्रत्यक्ष रूप से लाभ मिला है	-	-
iv. सरकारी अनुदान से संबद्ध पूरी न की गई शर्तों के विवरण	-	-
v. सरकारी अनुदान से संबद्ध आकस्मिकताएँ	-	-

vi. प्राप्त उक्त अनुदान सौर शक्ति संयंत्रो के लिए व्यवहार्यता कमी के वित्त-पोषण, रूफ़ टॉप सौर प्रणालियों तथा ज़ेडएनएस परियोजना के लिए विशेष प्रोत्साहन पैकेज योजना (एम-शिप) संशोधित सहायता को दर्शाते हैं।

टिप्पणी 18 - उधार

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
गैर चालू		
रक्षित		
बैंकों से मीयादी ऋण	-	-
उप कुल(क)	-	-
चालू		
रक्षित		
बैंकों से मीयादी ऋण	-	-
उप कुल (ख)	-	-
कुल (क+ख)	-	-

i. **सुरक्षा की प्रकृति-** टिप्पणी 35 देखें।.

टिप्पणी 19 - व्यापार देय

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
गैर चालू		
अन्य	34	29
उप कुल (क)	**34**	**29**
चालू		
सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को देय	24,795	15,204
अन्य	311,801	314,450
उप कुल (ख)	**336,596**	**329,654**
कुल (क+ख)	**336,630**	**329,683**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

गैर चालू व्यापार देय 2021-22

विवरण		बिल न किया गया	बिल किया गया, अदेय	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया				कुल
				1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i)	एमएसएमई	-	-	-	-	-	-	-
(ii)	अन्य	-	-	-	-	-	34	34
(iii)	विवादित देय - एमएसएमई	-	-	-	-	-	-	-
(iv)	विवादित देय - अन्य	-	-	-	-	-	-	-
	कुल	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**34**	**34**

चालू व्यापार प्राप्य 2021-22

विवरण		बिल न किया गया	बिल किया गया, अदेय	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया				कुल
				1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i)	एमएसएमई	4,125	12,188	8,317	6	-	1	24,637
(ii)	अन्य	25,425	190,432	75,918	12,263	2,262	5,201	311,501
(iii)	विवादित देय - एमएसएमई	-	158	-	-	-	-	158
(iv)	विवादित देय - अन्य	-	217	-	-	11	72	300
	कुल	**29,550**	**202,995**	**84,235**	**12,269**	**2,274**	**5,274**	**336,596**

गैर चालू व्यापार प्राप्य 2020-21

विवरण		बिल न किया गया	बिल किया गया, अदेय	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया				कुल
				1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i)	एमएसएमई	-	-	-	-	-	-	-
(ii)	अन्य	-	-	-	-	-	29	29
(iii)	विवादित देय - एमएसएमई	-	-	-	-	-	-	-
(iv)	विवादित देय - अन्य	-	-	-	-	-	-	-
	कुल	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**29**	**29**

चालू व्यापार प्राप्य 2020-21

विवरण		बिल न किया गया	बिल किया गया, अदेय	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया				कुल
				1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i)	एमएसएमई	1,083	5,216	8,746	1	-	-	15,046
(ii)	अन्य	29,256	126,444	147,055	3,805	2,275	5,413	314,247
(iii)	विवादित देय - एमएसएमई	-	158	-	-	-	-	158
(iv)	विवादित देय - अन्य	-	203	-	-	-	-	203
	कुल	**30,338**	**132,020**	**155,801**	**3,805**	**2,275**	**5,413**	**329,654**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

i. 31 मार्च, 2022 को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास (एमएसएमईडी) अधिनियम, 2006 के तहत यथा अपेक्षित सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को देय संबंधी सूचना नीचे दी गई है -

विवरण		2021-22	2020-21
क.	उस पर देय मूलधन और ब्याज जो 31 मार्च को अदत्त थे -		
	मूलधन *	25,132	15,412
	ब्याज	14	6
ख.	एमएसएमईडी अधिनियम की धारा 16 के परिप्रेक्ष्य में कंपनी द्वारा अदा किया गया ब्याज और 31 मार्च को समाप्त वर्ष के दौरान निर्धारित दिन के बाद किए गए भुगतान की राशि -		
	मूलधन	-	-
	ब्याज	4	5
ग.	31 मार्च को समाप्त वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा व्युत्क्रमित ब्याज	-	-
घ.	विलंब की अवधि के लिए देय और प्रदेय ब्याज (जिसका भुगतान तो किया गया लेकिन वर्ष के दौरान निर्धारित दिन के बाद) परंतु अधिनियम के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना।**	-	-
ङ.	31 मार्च को समाप्त वर्ष के अंत में प्रोद्भूत एवं अदत्त ब्याज	14	6
च.	ब्याज जो बाद के वर्षों में भी देय और प्रदेय तब तक बना रहा जब तक उपरोक्तानुसार ब्याज की देय राशियाँ एमएसएमईडी अधिनियम की धारा 23 के तहत कटौती करने योग्य खर्च के रूप में अस्वीकृत करने के प्रयोजनार्थ लघु उद्यम को वास्तविक रूप से अदा नहीं कर दी गई।	12	4

* इसमें टिप्पणी 20 में दर्शित राशि शामिल है ।

** इसमें आईएनआर 8,470 (आईएनआर 3,499) [परम अंक को दर्शाता है] शामिल है जिसे पूर्णांकित किया गया है।

ii. यह सूचना ऐसे आपूर्तिकर्ताओं के संबंध में उस सीमा तक दी गई है जहां तक उन्हें कंपनी के पास उपलब्ध सूचना के आधार पर सूक्ष्म एवं लघु उद्यम के रूप में अभिचिह्नित किया जाता है और लेखा परीक्षकों द्वारा इस पर विश्वास किया गया है।

iii. वित्तीय विलेख

वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

iv. संबंधित पक्षकारों के प्रकटण

संबंधित पक्षकारों के प्रकटण के लिए टिप्पणी 31 देखें।

v. व्यापार देय के संबंध में मुद्रा तथा चलनिधि के जोखिम के प्रति कंपनी का एक्सपोज़र टिप्पणी 34 में प्रकट किया गया है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 20 - अन्य वित्तीय देयताएँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
गैर चालू		
सुरक्षा जमा	2,022	671
उप कुल(क)	**2,022**	**671**
चालू		
सुरक्षा जमा	28,476	26,554
व्यापार देय पर प्रोद्भूत एवं देय ब्याज *	14	6
अन्य व्यापार देय	8,745	20,815
अदत्त परिपक्व जमा राशियाँ	37	37
अदत्त लाभांश	215	211
सूक्ष्म व लघु उद्यम को देय गैर-व्यापार देय	337	208
बकाया व्यय	56,912	46,551
अन्य देयताएँ	1,000	1,162
उप कुल(ख)	**95,736**	**95,544**
कुल (क+ ख)	**97,758**	**96,215**
तुलन-पत्र की तारीख को निवेशक शिक्षा और सुरक्षा निधि को अंतरित की जाने वाली राशि	कुछ नहीं	(कुछ नहीं)

* टिप्पणी 19 देखें

i. वित्तीय विलेख

वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

टिप्पणी 21 - प्रावधान

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
गैर चालू कर्मचारी		
अनुलाभ		
दीर्घकालीन प्रतिपूरक अनुपस्थितियाँ	37,444	36,101
बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना (बीईआरईसीएचएस)	106,186	75,567
अन्य		
दुर्वह संविदाओं का प्रावधान	628	573
कार्य-निष्पादन वारंटी का प्रावधान	33,377	26,345
स्थल पुन:स्थापन बाध्यता का प्रावधान	2,371	2,158
उप कुल(क)	**1,80,006**	**1,40,744**
चालू		
कर्मचारी अनुलाभ		
उपदान*	(2,210)	(1,501)
दीर्घकालीन प्रतिपूरक अनुपस्थितियाँ	3,972	3,713
बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना (बीईआरईसीएचएस)	10,308	6,940
अन्य		
कार्य-निष्पादन वारंटी का प्रावधान	26,320	23,846
दुर्वह संविदाओं का प्रावधान	3,173	1,248
उप कुल (ख)	**41,563**	**34,246**
कुल (क+ख)	**2,21,569**	**1,74,990**

* बाध्यता पर योजित परिसंपत्ति का अतिरिक्त दर्शाता है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

i. 2021-2022 को समाप्त वर्ष के लिए प्रावधानों का संचलन

	कार्य-निष्पादन वारंटी	दुर्वह संविदा	स्थल पुन:स्थापन बाध्यता
यथा 1 अप्रैल को	**50,191**	**1,821**	**2,158**
वर्ष के दौरान अभिचिह्नित अतिरिक्त प्रावधान	33,149	2,527	213
वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि (नीचे की टिप्पणी v देखें)	-	-	-
वर्ष के दौरान व्युत्क्रमित राशि	23,643	547	-
यथा 31 मार्च	**59,697**	**3,801**	**2,371**

2020-21 को समाप्त वर्ष के लिए प्रावधानों का संचलन

	कार्य-निष्पादन वारंटी	दुर्वह संविदा	स्थल पुन:स्थापन बाध्यता
यथा 1 अप्रैल को	**43,775**	**1,664**	**2,114**
वर्ष के दौरान अभिचिह्नित अतिरिक्त प्रावधान	27,158	1,294	44
वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि (नीचे की टिप्पणी v देखें)	-	-	-
वर्ष के दौरान व्युत्क्रमित राशि	20,742	1,137	-
यथा 31 मार्च	**50,191**	**1,821**	**2,158**

ii. वारंटियों का प्रावधान - कंपनी की लेखा नीति 20 के अनुसार

ऐसे उत्पादों के संबंध में वारंटियों का प्रावधान किया जाता है जिनकी सामान्य वारंटी अवधि बकाया होती है। चूंकि वारंटी प्रावधान की अवधि उत्पाद-दर-उत्पाद अलग भिन्न होती है, वारंटी अवधि की औसत अवधि के आधार पर रणनीतिक कारोबारी यूनिट (एसबीयू) स्तर पर प्रावधान किया जाता है। संभावित व्ययों की प्रवृत्ति आधारित प्राक्कलन के आधार पर प्रावधान किया जाता है। इस प्रावधान का मापन वारंटी की प्राक्कलित लागत के वर्तमान मूल्य पर किया जाता है।

iii. स्थल पुन:स्थापन का प्रावधान - कंपनी की लेखा नीति 23 के अनुसार

पट्टादाता के साथ किए गए पट्टा करार के निबंधनों व शर्तों के अनुसार, कंपनी को भूमि उसकी मूल स्थिति में वापस करना है। तदनुसार, स्थल पुन:स्थापन देयता का प्रावधान किया गया है। इस प्रावधान की समीक्षा की जाती है और प्रत्येक वर्षांत में आवश्यक समायोजन किए जाते हैं।

इस प्रावधान का मापन पुन:स्थापन की लागत के सर्वोत्तम प्राक्कलन के वर्तमान मूल्य पर किया जाता है।

iv. दुर्वह संविदाओं का प्रावधान - कंपनी की लेखा नीति 23 के अनुसार

कंपनी द्वारा की गई कुछेक संविदाओं के संबंध में, यह अपेक्षा की जाती है कि संविदा को पूरी करने की संभावित लागत संविदा के समक्ष प्राप्त / प्राप्य राजस्व से अधिक होगी। ऐसे मामलों में, संभावित हानियों का प्रावधान किया गया। इस प्रावधान की समीक्षा की जाती है और प्रत्येक वर्षांत में आवश्यक समायोजन किए जाते हैं। इस प्रावधान का मापन संभावित हानि की प्राक्कलित लागत के वर्तमान मूल्य पर किया जाता है।

v. प्रारंभिक प्रावधान को नामे की गई राशि ।

vi. वारंटी की लागत के संबंध में नैसर्गिक कोड शीर्ष के समक्ष ₹ 7,555 (₹ 7,873) की राशि नामें की गई ।

स्थल पुन:स्थापन की देयता के संबंध में नैसर्गिक कोड शीर्षक के समक्ष कुछ नहीं राशि (कुछ नहीं) नामे की गई ।.

vii. ऐसी बिक्री के संबंध में कार्य-निष्पादन वारंटी देयता, जहाँ पूर्तिकर्ता की दुतरफा वारंटी उपलब्ध है, पूर्तिकर्ता द्वारा चूक करने की स्थिति में संभावित देयता यदि कोई हो, अभिनिश्चित नहीं की जाती और इसका महत्वपूर्ण होना अपेक्षित नहीं है ।

viii. वेंटीलेटर परियोजना के संबंध में कार्य-निष्पादन वारंटी प्रबंधन के सर्वोत्तम प्राक्कलन पर आधारित है चूंकि इसकी प्रवृत्ति को सामान्य क्रम में स्थापित नहीं किया जा सकता।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

(क). नियोजन पश्चात् कर्मचारी अनुलाभ देयता

(i) उपदान -

कंपनी भारत में उपदान संदाय अधिनियम, 1972 के अनुसार कर्मचारियों को उपदान प्रदान करती है। कंपनी में अपने कर्मचारियों के लिए एक उपदान योजना है जो वित्त-पोषित योजना है। प्रत्येक वर्ष कंपनी निधि देयताओं पर परिसंपत्तियों की कमी की सीमा तक इस उपदान ट्रस्ट में निधि विप्रेषित करती है जो बीमांकक मूल्यांकन द्वारा तय की जाती है। इस उपदान योजना के अनुसार, कंपनी में कम से कम पाँच वर्षों की सतत् सेवा प्रदान करने के बाद सेवा समाप्ति पर कर्मचारी को देय होता है। सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष या छः महीनों की अवधि से अधिक भाग के लिए, कंपनी अंतिम आहरित मूल वेतन और महंगाई भत्ते के आधार पर पंद्रह दिन के वेतन की दर से कर्मचारी को उपदान का भुगतान करती है।

निम्नलिखित टेबल में लाभ व हानि की विवरणी में निर्धारित निवल अनुलाभ व्यय के घटक और तुलन-पत्र में निर्धारित राशियों का सार और बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार वर्षों के दौरान निवल निर्धारित अनुलाभ देयता का संचलन दिया गया है -

	विवरण	2021-22	2020-21
i)	देयताओं के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन -		
	वर्ष के प्रारंभ में देयताओं का वर्तमान मूल्य	70,202	71,304
	चालू सेवा लागत	1,574	1,783
	ब्याज की लागत	4,661	4,559
	विगत सेवा लागत	-	-
	अदा किए गए अनुलाभ	(6,471)	(5,490)
	अन्य व्यापक आय में निर्धारित बीमांकिक (लब्धि) / हानि		
	योजित देयता में वित्तीय मान्यताओं का परिवर्तन - हानि / (लब्धि)	(2,217)	(1,938)
	योजित देयता में अनुभव समायोजन - हानि / (लब्धि)	352	(16)
	अवधि के अंत में देयताओं का वर्तमान मूल्य	**68,101**	**70,202**
ii)	योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन -		
	वर्ष के प्रारंभ में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	71,703	69,702
	योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	4,765	4,532
	अंशदान	-	2,400
	अदा किए गए अनुलाभ	(6,471)	(5,490)
	अन्य व्यापक आय में निर्धारित योजित परिसंपत्तियों पर बीमांकक लब्धि / (हानि)	378	559
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**70,375**	**71,703**
	निर्धारित अनुलाभ (परिसंपत्ति) / देयता	**(2,274)**	**(1,501)**
	परिसंपत्ति की ऊपरी सीमा के प्रभाव - वर्ष के प्रारंभ में	**-**	**-**
	परिसंपत्ति की ऊपरी सीमा के प्रभाव - वर्ष के अंत में	**64**	**-**
	निवल निर्धारित अनुलाभ (परिसंपत्ति) / देयता	**(2,210)**	**(1,501)**
iii)	लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय -		
	चालू सेवा लागत	1,574	1,783
	निवल निर्धारित अनुलाभ देयता पर निवल ब्याज	(104)	27
	विगत सेवा लागत	-	-
	लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय	1,470	1,810
iv)	अन्य व्यापक आय के विवरण में निर्धारित राशियाँ (पुन:मापन) -		
	योजित देयताओं पर बीमांकिक (लब्धि) / हानि	(1,865)	(1,954)
	योजित परिसंपत्तियों पर वास्तविक प्राप्ति और ब्याज की आय के बीच का अंतर - (लब्धि) / हानि	(378)	(559)
	तुलन-पत्र की परिसंपत्ति सीमा का प्रभाव	64	-
	अन्य व्यापक आय के विवरण में निर्धारित राशियाँ	(2,179)	(2,513)

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

	विवरण	2021-22	2020-21
v)	तुलन-पत्र में निर्धारित राशियाँ -		
	अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	68,101	70,202
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	70,375	71,703
	वित्त पोषण की स्थिति [(अधिशेष) / कमी]	**(2,274)**	**(1,501)**
	परिसंपत्ति की सीमा के प्रभाव - वर्ष के प्रारंभ में	**-**	**-**
	परिसंपत्ति की सीमा के प्रभाव - वर्ष के अंत में	**64**	**-**
	तुलन-पत्र के अनुसार 31 मार्च को वर्ष की देयता / (परिसंपत्ति)	**(2,210)**	**(1,501)**
vi)	योजित परिसंपत्तियाँ		
	योजित परिसंपत्तियों के वर्ग इस प्रकार हैं -		
	राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ	0.11%	0.11%
	भारत सरकार की प्रतिभूतियाँ	1.21%	1.18%
	उच्च गुणता के कार्पोरेट बांड	-	-
	बीमाकर्ता के पास निवेश	98.67%	98.70%
	अन्य (बैंक शेष)	0.01%	0.01%
vii)	बीमांकक मान्यताएँ -		
	बट्टे की दर	7.34%	6.96%
	प्रतिपूरक स्तर में वृद्धि की दर	7.00%	7.00%
	योजित परिसंपत्तियों पर प्राप्ति की अपेक्षित दर	7.34%	6.96%
	अनुमानित औसत भावी कार्यशील जीवन	15.10	15.30
viii)	अदा किए जाने वाले अंशदान का सर्वोत्तम प्राक्कलन -		
	तुलन-पत्र के बाद शुरु होने वाली वार्षिक अवधि के दौरान उपदान के लिए अदा किए जाने वाले अंशदान का सर्वोत्तम प्राक्कलन कुछ नहीं (कुछ नहीं) है ।		
ix)	संवेदनशीलता विश्लेषण -		
	बट्टे की दर (0.50% संचलन) में वृद्धि	7.84%	7.46%
	अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	(2,722)	(2,931)
	बट्टे की दर (0.50% संचलन) में कमी	6.84%	6.46%
	अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	2,945	3,176
	वेतन वृद्धि दर (0.50% संचलन) में वृद्धि	7.50%	7.50%
	अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	741	904
	वेतन वृद्धि दर (0.50% संचलन) में कमी	6.50%	6.50%
	अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	(820)	(960)

अतिरिक्त प्रकटण -

i. संवेदनशीलता विश्लेषण में अन्य मान्यताओं को ध्यान में रखते हुए एक समय में एक प्रमुख बीमांकिक मान्यता का परिवर्तन शामिल है। संवेदनशील विश्लेषण 50 मूल अंकों तक जोड़ते या घटाते हुए परिवर्तित मान्यताओं के संपूर्ण मूल्यांकन मॉडल को दोबारा चलाते हुए प्रत्यक्ष विधि का प्रयोग करते हुए किया गया है।

ii. पिछले वर्ष की तुलना में संवेदनशीलता विश्लेषण करने में प्रयुक्त विधियों और मान्यताओं में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

iii. उपदान निर्धारित अनुलाभ देयता का परिपक्वता प्रोफाइल नीचे दिए गया है -

वर्ष	31 मार्च 2022 को	31 मार्च 2021 को
वर्ष 1	4,134	3,774
वर्ष 2	10,010	9,324
वर्ष 3	8,441	7,180
वर्ष 4	8,085	8,270
वर्ष 5	7,399	7,967
अगले 5 वर्ष	27,642	30,750

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

(ii) बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना (बीईआरईसीएचएस) -

कंपनी में अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए एक अंशदायी स्वास्थ्य योजना "बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना" (बीईआरईसीएचएस) है जो गैर-वित्त पोषित योजना है। इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य अधिवार्षिता की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों या वीआरएस लेने वाले कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना है। इस योजना के तहत अनुलाभ ऐसे कर्मचारियों को उपलब्ध होते हैं जो स्वयं और जिनकी पत्नी/पति मात्र इसके सदस्य बनते हैं।

निम्नलिखित टेबल में लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित निवल अनुलाभ व्यय और तुलन पत्र में निर्धारित राशियां और बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार वर्षों के दौरान निवल निर्धारित अनुलाभ देयताओं का संचलन संक्षेप रूप में दिया गया है-

	विवरण	2021-22	2020-21
i)	देयताओं के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन -		
	वर्ष के प्रारंभ में देयताओं का वर्तमान मूल्य (पीवीओ)	82,507	60,905
	चालू सेवा लागत	4,348	3,185
	ब्याज की लागत	5,775	4,050
	विगत सेवा लागत	1,727	-
	अदा किए गए अनुलाभ	920	(18)
	अन्य व्यापक आय में निर्धारित बीमांकिक (लब्धि) / हानि		
	योजित देयता पर वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन - हानि / (लब्धि)	(2,312)	(1,104)
	योजित देयता पर अनुभव समायोजन - हानि / (लब्धि)	23,529	14,482
	योजित देयताओं पर जनसांख्यिकीय मान्यता में परिवर्तन पर प्रभाव, हानि / (लब्धि)	-	1,007
	अवधि के अंत में देयताओं का वर्तमान मूल्य	**1,16,494**	**82,507**
ii)	गैर-योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन (प्रतिपूर्ति के अधिकार) -		
	वर्ष के प्रारंभ में गैर-योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	72,230	59,839
	गैर-योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	5,549	4,262
	प्रत्यक्ष अनुलाभ भुगतान करने के लिए प्रत्यक्ष अंशदान	4,629	4,280
	अदा किए गए अनुलाभ	(4,629)	(4,280)
	अन्य व्यापक आय में निर्धारित गैर-योजित परिसंपत्तियों पर बीमांकक लब्धि / (हानि)	(902)	(371)
	गैर-योजित परिसंपत्तियों में अंशदान	15,000	8,500
	अवधि के अंत में गैर-योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**91,877**	**72,230**
iii)	लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय -		
	प्रारंभिक निवल देयता	-	-
	चालू सेवा लागत	4,348	3,185
	निर्धारित अनुलाभ देयता पर ब्याज	5,775	4,050
	विगत सेवा लागत	1,727	-
	लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित निवल व्यय [व्यय - कुछ नहीं (₹ 389), प्रावधान - ₹ 11,850 (₹ 6,846)	**11,850**	**7,235**
iv)	अन्य व्यापक आय के विवरण में निर्धारित राशियाँ (पुन:मापन) -		
	गैर-योजित देयताओं पर बीमांकिक (लब्धि) / हानि	21,217	14,385
	गैर-योजित परिसंपत्तियों पर बीमांकिक (लब्धि) / हानि	902	371
	अन्य व्यापक आय के विवरण में निर्धारित राशियाँ	**22,119**	**14,756**
v)	तुलन-पत्र में निर्धारित राशियाँ -		
	अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	1,16,494	82,507
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-
	वित्त-पोषण की स्थिति	(1,16,494)	(82,507)
	तुलन-पत्र में निर्धारित देयता (बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार)	**1,16,494**	**82,507**
	अगले बारह महीनों में प्रदेय के लिए अपेक्षित	**10,308**	**6,940**
	अगले बारह महीनों के बाद प्रदेय के लिए अपेक्षित	**1,06,186**	**75,567**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

विवरण	2021-22	2020-21
vi) बीमांकक मान्यताएँ -		
बट्टे की दर	7.34%	6.96%
चिकित्सा स्फीति दर	6.50%	6.25%
पलायन दर	1.00%	1.00%
vii) सेवा लागत और ब्याज की लागत तथा निर्धारित अनुलाभ देयता के योग पर मानी गई स्वास्थ्य सेवा लागत की प्रवृत्ति दरों में एक प्रतिशत बिंदु वृद्धि का प्रभाव -		
सेवा लागत और ब्याज की लागत के योग पर प्रभाव	1,511	1,442
निर्धारित अनुलाभ देयता पर प्रभाव	11,987	11,798
सेवा लागत और ब्याज की लागत तथा निर्धारित अनुलाभ देयता के योग पर मानी गई स्वास्थ्य सेवा लागत की प्रवृत्ति दरों में एक प्रतिशत बिंदु कमी -		
सेवा लागत और ब्याज की लागत के योग पर प्रभाव	(1,306)	(1,174)
निर्धारित अनुलाभ देयता पर प्रभाव	(10,365)	(9,600)
viii) संवेदनशीलता विश्लेषण -		
बट्टे की दर में (0.50% संचलन) वृद्धि	7.84%	7.46%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	(6,306)	(4,948)
बट्टे की दर में (0.50% संचलन) कमी	6.84%	6.46%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	6,975	5,524
चिकित्सा स्फीति दर में (0.50% संचलन) वृद्धि	7.00%	6.75%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	5,772	5,586
चिकित्सा स्फीति दर में (0.50% संचलन) कमी	6.00%	5.75%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	(5,368)	(5,039)

अतिरिक्त प्रकटण -

i. संवेदनशीलता विश्लेषण में अन्य मान्यताओं को ध्यान में रखते हुए एक समय में एक प्रमुख बीमांकक मान्यता का परिवर्तन शामिल है। संवेदनशील विश्लेषण 50 मूल अंकों तक जोड़ते या घटाते हुए परिवर्तित मान्यताओं के संपूर्ण मूल्यांकन मॉडल को दोबारा चलाते हुए प्रत्यक्ष विधि का प्रयोग करते हुए किया गया है।

ii. पिछले वर्ष की तुलना में संवेदनशीलता विश्लेषण करने में प्रयुक्त विधियों और मान्यताओं में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

iii. बीईआरईसीएचएस का परिपक्वता प्रोफाइल नीचे दिए गया है -

वर्ष	31 मार्च 2022 को	31 मार्च 2021 को
वर्ष 1	6,446	4,507
वर्ष 2	6,834	4,818
वर्ष 3	7,241	5,147
वर्ष 4	7,672	5,514
वर्ष 5	8,089	5,903
अगले 5 वर्ष	46,160	34,182

ख. दीर्घकालीन क्षतिपूरक अनुपस्थिति -

कंपनी में अपने कर्मचारियों के लिए दीर्घकालीन क्षतिपूरक अनुपस्थिति योजना है जो गैर वित्त-पोषित योजना है। कंपनी के कर्मचारी दो प्रकार की दीर्घकालीन क्षतिपूरक अनुपस्थितियाँ लेने के हकदार होते हैं - कार्यपालकों के लिए वार्षिक छुट्टी (ए.एल.) और आधे वेतन की छुट्टी (एच.एल.) और गैर-कार्यपालकों के लिए वार्षिक छुट्टी (ए.एल.) और बीमारी छुट्टी (एस.एल.)। इस योजना में अधिवार्षिता की आयु प्राप्त करने पर प्राप्त न की गई छुट्टी (कार्यपालकों के लिए ए.एल. और एच.एल. और गैर-कार्यपालकों के लिए ए.एल. और एस.एल.) के समक्ष कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति देने का प्रावधान होता है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

निम्नलिखित टेबल में लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित निवल अनुलाभ व्यय के घटक और बीमांकक द्वारा दी गई प्रकटण रिपोर्ट में दिए गए अनुसार, योजना के लिए तुलन-पत्र में निर्धारित राशि के विवरण दिए गए हैं -

विवरण		2021-22	2020-21
i)	**लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय -**		
	लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित निवल व्यय	3,492	5,552
	[2021-22 नकदीकृत छुट्टी - ₹ 1,890, प्रावधान - ₹ 1,602]		
	[2020-21 नकदीकृत छुट्टी - ₹ 1,437, प्रावधान - ₹ 4,115]		
ii)	**तुलन-पत्र में निर्धारित की जाने वाली राशियाँ -**		
	तुलन-पत्र में निर्धारित देयता [बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार]	41,416	39,814
iii)	**बीमांकिक मान्यताएँ -**		
	बट्टे की दर	7.34%	6.96%
	क्षतिपूरण स्तर में वृद्धि की दर	7.00%	7.00%
iv)	विगत अनुभव के आधार पर, कंपनी यह अपेक्षा नहीं करती है कि अगले 12 महीनों में सभी कर्मचारी प्रोद्भूत छुट्टी की पूर्ण राशि लेंगे या इसका भुगतान करने की आवश्यकता होगी। निम्नलिखित राशियाँ ऐसी छुट्टी को दर्शाते हैं जिसे अगले 12 महीनों के भीतर / 12 महीनों के बाद लिया जाएगा या भुगतान किया जाएगा।		
	चालू छुट्टी की देयता अगले 12 महीनों में निपटाना अपेक्षित है	3,972	3,713
	12 महीनों के बाद निपटाने के लिए अपेक्षि छुट्टी की देयता	37,444	36,101
कुल		**41,416**	**39,814**

ग. पेंशन योजना

कंपनी में अपने कर्मचारियों के लिए एक निर्धारित अंशदान पेंशन अनुलाभ योजना है जिसमें इस प्रयोजनार्थ स्थापित ट्रस्ट में वार्षिक आधार पर अंशदान दिया जाता है।

इस योजना के तहत अनुलाभ इस संबंध में निर्धारित नियमों के अनुसार कर्मचारियों पर लागू होते हैं।

i) निर्धारित अनुलाभ योजना (यानी उपदान और बीईआरईसीएचएस) के कारण पैदा होने वाले विशिष्ट या असाधारण जोखिमों का व्याख्यात्मक वर्णन

निर्धारित अनुलाभ योजनाओं से संबंधित विशिष्ट जोखिम इस प्रकार हैं -

दो रिपोर्टिंग अवधियों के बीच दीर्घकालीन सरकारी बांड दर में संचलन बट्टे की दर को प्रभावित करेगा और इसके परिणामस्वरूप देयताओं का वर्तमान मूल्य प्रभावित होगा।

वित्तीय वर्ष में वास्तविक अनुभव के समक्ष मूल्यांकन के लिए विचार किए गए उच्चतर / निम्नतर वेतन वृद्धि / अनुलाभ का जोखिम।

बहरहाल, दोनों प्रकार की जोखिमों को नियमित आधार यानी वार्षिक रूप से कम किया जाता है क्योंकि अद्यतन मान्यताओं के आधार पर ये मूल्यांकन प्रत्येक वर्ष के बाद किए जाते हैं।

ii) किसी परिसंपत्ति - देयता की मेल करने वाली रणनीति का व्याख्यात्मक वर्णन

कंपनी की उपदान योजना वित्त-पोषित योजना है। इस योजना की समर्थक परिसंपत्तियाँ मुख्यत: बीमाकर्ता द्वारा व्यवस्थित निधियाँ होती हैं। इसलिए, इस योजना के लिए परिसंपत्ति-देयता का मेल करने वाली रणनीतियों को कार्यान्वित करने के परिप्रेक्ष्य में, कंपनी की सीमित लोचता होती है।

कंपनी की सेवानिवृत्ति के बाद की चिकित्सा योजना गैर-वित्त पोषित योजना है। इसलिए, परिसंपत्ति-देयता का मेल करने वाली रणनीतियाँ इस योजना के लिए संगत नहीं हैं।

iii) वित्त-पोषण की व्यवस्थाओं और वित्त-पोषण की नीति का वर्णन

कंपनी की उपदान योजना वित्त-पोषित योजना है। इस योजना की योजित परिसंपत्तियों का 98.67% (98.70%) बीमाकर्ता द्वारा व्यवस्थित परिसंपत्तियाँ होती हैं और योजित परिसंपत्तियों का 1.32% (1.29%) निवेश केंद्र और राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में किया जाता है। इस निधि का वार्षिक अंशदान आम तौर पर अनुलाभ देयताओं के पूर्ववर्ती बीमांकिक मूल्यांकन द्वारा प्रकट किए गए अनुसार, कमी के समतुल्य तय किया जाता है।

सेवानिवृत्ति के बाद की चिकित्सा योजना [बीईआरईसीएचएस] गैर-वित्त पोषित योजना है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

(iii) कर्मचारी भविष्य निधि [ब्याज में कमी] -

कर्मचारी भविष्य निधि का प्रबंध कंपनी के भविष्य निधि ट्रस्ट द्वारा किया जाता है। कंपनी इस ट्रस्ट में कर्मचारी भविष्य निधि के प्रति देय प्रबंधन का अंशदान देती है।

कंपनी ने दिनांक 31 मार्च, 2022 के किए गए बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर यह निर्धारित किया है कि मूल्यांकन के तारीख पर ब्याज की कमी के कारण कोई देयता नहीं है (योजना की ऐसी शर्तों के संबंध में की ट्रस्ट की ओर से ऐसी कोई अनिवार्यता नहीं होगी कि वह पीएफ शेषों पर अतिरिक्त ब्याज द्वारा अधिशेष के किसी भी भाग का वितरण करे)।

	विवरण	2021-22	2020-21
i)	**अनुलाभ देयता के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन -**		
	वर्ष के प्रारंभ में देयता का वर्तमान मूल्य	3,34,350	3,00,068
	चालू सेवा लागत	11,723	18,912
	ब्याज की लागत	23,058	20,115
	विगत सेवा लागत (अनिहित अनुलाभ)	-	-
	विगत सेवा लागत (निहित अनुलाभ)	-	-
	बीमांकिक (लब्धि) / हानि	9,944	9,171
	अदा किए गए अनुलाभ	(70,067)	(58,897)
	अंशदान	53,017	44,981
	अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	**3,62,025**	**3,34,350**
ii)	**योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन -**		
	वर्ष के प्रारंभ में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	3,40,609	2,99,644
	योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	23,494	20,087
	अंशदान	63,958	63,722
	अदा किए गए अनुलाभ	(70,067)	(58,897)
	योजित परिसंपत्तियों पर बीमांकिक लब्धि / (हानि)	12,222	16,053
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**3,70,216**	**3,40,609**
iii)	**लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय -**		
	प्रारंभिक निवल देयता	-	-
	चालू सेवा लागत	11,723	18,912
	ब्याज की लागत	23,058	20,115
	योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	(23,494)	(20,087)
	अवधि में निर्धारित निवल बीमांकिक (लब्धि) / हानि	-	-
	विगत सेवा लागत (अनिहित अनुलाभ)	-	-
	विगत सेवा लागत (निहित अनुलाभ)	-	-
	लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय	**11,287**	**18,940**
iv)	**तुलन-पत्र में निर्धारित राशियाँ -**		
	अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	3,62,025	3,34,350
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	3,70,216	3,40,609
	तुलन-पत्र की परिसंपत्ति सीमा का प्रभाव	8,191	6,259
	अंतर	-	-
	अनिर्धारित बीमांकिक (लब्धि) / हानि	-	-
	तुलन-पत्र में निर्धारित देयता	**-**	**-**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

विवरण		2021-22	2020-21
v)	**चालू अवधि की राशि -**		
	देयता का वर्तमान मूल्य	3,62,025	3,34,350
	योजित परिसंपत्तियाँ	3,70,216	3,40,609
	तुलन-पत्र की परिसंपत्ति सीमा का प्रभाव	8,191	6,259
	अधिशेष / (कमी)	-	-
	योजित परिसंपत्तियों पर अनुभव समायोजन - (हानि) / लब्धि	(9,991)	(9,266)
	योजित परिसंपत्तियों पर अनुभव समायोजन - (हानि) / लब्धि	12,222	16,053
vi)	**अन्य व्यापक आय के विवरण में निर्धारित राशियाँ (पुन: मापन) -**		
	योजित देयताओं पर बीमांकिक (लब्धि)/ हानि	9,944	9,171
	योजित परिसंपत्तियों पर वास्तविक प्राप्ति और ब्याज की आय के बीच का अंतर - (लब्धि) / हानि	(12,222)	(16,053)
	तुलन-पत्र की परिसंपत्ति सीमा का प्रभाव	2,278	6,279
	अन्य व्यापक आय के विवरण में निर्धारित राशियाँ	-	(603)
vii)	**यथा 31 मार्च को परिसंपत्तियों का वर्ग -**		
	भारत सरकार की प्रतिभूतियाँ और राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ	54.49%/61.35%	53.72%/58.96%
	उच्च गुणता के कार्पोरेट बांड	32.88%/24.69%	33.93%/24.34%
	म्युच्युअल फंड	2.71%/1.59%	2.14%/1.47%
	अन्य	8.55%/8.55%	9.87%/11.39%
	उद्यम से वसूल किए गए अनुसार*	1.37%/3.82%	0.34%/3.84%
	कुल	**100%/100%**	**100%/100%**
viii)	**बीमांकिक मान्यताएँ -**		
	बट्टे की दर	7.34%	6.96%
	वेतन वृद्धि दर	7.00%	7.00%
	योजित परिसंपत्तियों पर प्राप्ति की अपेक्षित दर	8.07%/8.30%	8.27%/8.52%

नोट - * निवेश का अरक्षित/रक्षित (मूलधन) हिस्सा जो ₹ 8,551 (₹ 5,740) बनता है, को ट्रस्ट द्वारा गैर-निष्पादनीय निवेश माना गया है और इस राशि को चूक होने की स्थिति में उद्यम से वसूली योग्य राशि के रूप में वर्गीकृत किया गया है और इसका तदनुसार प्रावधान किया गया है।

टिप्पणी 22 - अन्य देयताएँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
गैर चालू		
आस्थगित राजस्व - ग्राहक अनुदान	-	-
उप कुल (क)	**-**	**-**
चालू		
आस्थगित राजस्व - ग्राहक अनुदान	-	112
संविदा की देयताएँ		
आस्थगित राजस्व	7,173	3,522
ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम	1,448,782	1,178,727
सांविधिक देयताएँ	17,625	31,964
अन्य	5,270	2,172
उप कुल (ख)	**1,478,850**	**1,216,497**
कुल (क+ख)	**1,478,850**	**1,216,497**

i. संबंधित पक्षकारों के प्रकटण

संबंधित पक्षकार प्रकटण के लिए टिप्पणी 31 देखें।

ii. अवधि के दौरान निर्धारित राजस्व ₹ 4,82,793 (₹ 1,29,761) है जिसे अवधि के प्रारंभ में संविदा देयता शेष में शामिल किया गया।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 23 - प्रचालनों से राजस्व

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
उत्पादों की बिक्री	13,57,069	12,40,956
सेवाओं से आय	1,47,298	1,40,860
	15,04,367	**13,81,816**
सेवाओं से आय		
रद्दी की बिक्री	879	402
परिवहन प्राप्तियां	360	276
किराए की प्राप्तियां	643	675
कैन्टीन से प्राप्ति	1,202	887
एकत्रित बिजली प्रभार	246	208
एकत्रित जल प्रभार	47	50
वापस लिए गए प्रावधान		
- संदिग्ध ऋण, परिनिर्धारित हर्जाना	8,264	7,736
- वस्तुसूची	2,957	4,712
- ऋण व अग्रिम	108	138
- अन्य	-	4
	11,329	**12,590**
शुल्क वापसी सहित सरकारी अनुदान	622	1,019
ग्राहक अनुदान	112	1,041
विविध	11,569	7,419
	15,31,376	**14,06,383**

(i) ग्राहकों की संविदाओं के समक्ष निर्धारित राजस्व का विसमुच्चयन (2021-22)

विवरण	घरेलू			निर्यात	कुल
	भारत सरकार		अन्य		
	रक्षा	गैर-रक्षा			
उत्पादों की बिक्री	12,34,899	75,585	24,758	21,827	13,57,069
सेवाओं से आय	115,464	29,703	359	1,772	1,47,298
कुल	**13,50,363**	**1,05,288**	**25,117**	**23,599**	**15,04,367**

ग्राहकों की संविदाओं के समक्ष निर्धारित राजस्व का विसमुच्चयन (2021-22)

विवरण	घरेलू			निर्यात	कुल
	भारत सरकार		अन्य		
	रक्षा	गैर-रक्षा			
उत्पादों की बिक्री	9,63,225	1,68,909	71,130	37,692	12,40,956
सेवाओं से आय	1,10,453	28,841	1,427	139	140,860
कुल	**10,73,678**	**1,97,750**	**72,557**	**37,831**	**1,381,816**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

(ii) संविदा कीमत के साथ लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित राजस्व का समाधान

विवरण	2021-22		2020-21	
लाभ व हानि के विवरण के अनुसार राजस्व				
उत्पादों की बिक्री	1,357,069		1,240,956	
सेवाओं से आय	147,298		140,860	
कुल (क)		**1,504,367**		**1,381,816**
जोड़ें / (घटाएं) संविदा कीमत का समायोजन				
विदेशी मुद्रा विनियम के उतार-चढ़ाव का दावा	(28,596)		(21,802)	
कीमत पुनरीक्षण	-		-	
दिया गया बट्टा और रिबेट	1,026		357	
अन्य	(2,501)		(4,528)	
कुल समायोजन (ख)		**(30,071)**		**(25,973)**
संविदा कीमत (क + ख)		**1,474,296**		**1,355,843**

निष्पादन देयता पूरा करना

क. अधिकांश संविदाओं में, कार्य-निष्पादन की देयता ऐसे 'समय-बिंदु' में पूरी की जाती है जो प्राथमिक रूप से ग्राहक द्वारा परिसंपत्ति पर नियंत्रण प्राप्त करने से निर्धारित होती है। इसके लिए विचार किया गया एक प्रमुख संसूचक उल्लेखनीय जोखिम का अंतरण और ग्राहकों का पारितोषिक है जो इन्को की शर्तों पर आधारित होता है। जहाँ संविदा में एक से अधिक कार्य-निष्पादन देयताएँ होती हैं तो कार्य-निष्पादन देयता पूरी करने का समय-बिंदु तय करने के लिए भारतीय ए.एस. 115 में निर्दिष्ट मानदंड लागू किया जाता।

ख. "बिल एंड होल्ड" व्यवस्था में, कार्य-निष्पादन देयता संविदा में माल के निस्शर्त विनियोजन पर पूरी की जाती है। सामान्य रूप से, अभिरक्षा सेवा के लिए कोई देयता नहीं होती।

ग. ग्राहक के साथ की गई संविदा में आम तौर पर महत्वपूर्ण वित्तीय घटक नहीं होता और ग्राहक द्वारा प्राप्त अग्रिम भुगतान तथा / या प्रतिधारित राशि संविदा के दोनों पक्षकारों की रक्षा करने के आशय से रखी जाती है।

घ. परिवर्ती प्रतिफल में प्राथमिक रूप से विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव खंड के समक्ष प्राप्य / प्रतिपूर्ति योग्य राशि शामिल होती है। इसके संबंध में निर्धारित राजस्व की राशि संविदा में निर्दिष्ट कार्यप्रणाली के आधार पर तय की जाती है। इस राशि को ग्राहक का दावा प्रोद्भूत होने / स्वीकार करने पर राजस्व के रूप में निर्धारित किया जाता है।

ङ. कंपनी के कुल कारोबार में मुख्य रूप से रक्षा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और प्रणालियों की आपूर्ति शामिल है।

च. ग्राहकों के साथ की गई संविदा में सामान्य रूप से वापसी / धन-वापसी का खंड नहीं होता है।

छ. प्रदान की गई वारंटियाँ मुख्य रूप से कार्य-निष्पादन वारंटी की प्रकृति की होती हैं।

ज. कंपनी ऐसी संविदाओं के संबंध में राजस्व निर्धारित करने के लिए सामान्य रूप से निविष्टि विधि का उपयोग करती है जिनमें कार्य-निष्पादन देयता एक समयावधि में पूरी की जाती है। राजस्व निर्धारित करने के लिए, समापन प्रतिशत विधि अपनाई जाती है जिसमें निर्धारित किए जाने वाले राजस्व की प्रमात्रा तय करने के लिए संविदा की कीमत में कुल प्राक्कलित लागत में उपगत वास्तविक लागत का प्रतिशत लागू किया जाता है।

झ. ग्राहकों के साथ की गई संविदा (ए.एम.सी. को छोड़कर) जिसके संबंध में राजस्व एक समयावधि में निर्धारित की गई है, में सामान्य रूप से विभिन्न प्रकृति के अनेक कार्यकलाप शामिल होते हैं जैसे भवन निर्माण, उपकरणों की आपूर्ति और संस्थापना, उपकरण और सिस्टम की नेटवर्किंग आदि। इसके कारण, किए गए कार्य (यानी उत्पादन) की मात्रा को विश्वसनीय रूप से वास्तविक परिप्रेक्ष्य में निर्धारित करना संभव नहीं होता है। जबकि, निविष्टि विधि के अंतर्गत, इन विविध कार्यकलापों के संबंध में उपगत लागत प्राप्त की जा सकती है और समापन का प्रतिशत ज्ञात करने के लिए आने वाली लागत (जिसका प्राक्कलन विश्वसनीय रूप से किया जा सकता है) के कुल प्राक्कलित लागत से इसकी तुलना की जा सकती है। ए.एम.सी. संविदाओं के मामले में, राजस्व निर्धारित करने के लिए उत्पादन विधि का उपयोग किया जाता है जहाँ कार्य-निष्पादन देयता पूरी करने के लिए समय अंतराल मानदंड होता है।.

ञ. "समय-बिंदु" पर पूरी की गई कार्य-निष्पादन देयता के संबंध में राजस्व निर्धारित करने के लिए, यह तय करने के लिए कि क्या ग्राहक ने "परिसंपत्ति पर नियंत्रण" प्राप्त किया है या नहीं, निम्नलिखित मानदंड का उपयोग किया जाता है -

- उल्लेखनीय जोखिम और परितोष का अंतरण
- ग्राहक का परिसंपत्ति पर कानूनी हक है

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

- संस्थान ने परिसंपत्ति का वास्तविक अधिकार अंतरित कर दिया है
- ग्राहक ने परिसंपत्ति को स्वीकार किया है
- संस्थान का परिसंपत्ति का भुगतान करने का वर्तमान अधिकार है

ट. लेनदेन की कीमत का निर्धारण सामान्य रूप से ग्राहक के साथ की गई संविदा पर आधारित होता है। अनेक देयताओं के संबंध में लेनदेन की कीमत का आबंटन सापेक्ष स्टैंडअलोन बिक्री कीमत पर आधारित होता है।

ठ. चालू / पिछले वर्ष के दौरान कोई नकद-रहित प्रतिफल प्राप्त नहीं किया गया / दिया गया।

पिछली अवधियों में पूरी की गई कार्य-निष्पादन देयता में से वर्ष के दौरान राजस्व के रूप में ₹ 247 (₹ 7,043) (निवल) की राशि निर्धारित की गई।

iii. एक परियोजना में 10 में से 1 साइट 2015 से ग्राहक द्वारा अब तक नहीं सौंपी गई है। शेष 9 साइटों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और कंपनी को इन 9 साइटों के लिए समय विस्तारण मिला था; इसलिए, प्रबंधन से प्राप्त विचार के आधार पर, क्रमश: 9 साइटों और 1 साइट को अलग कार्य-निष्पादन देयता माना गया। इसके कारण राजस्व में कुछ नहीं (रु. 8,786) की बढ़ोत्तरी और लाभ में कुछ नहीं (रु. 8,540) की बढ़ोत्तरी हुई।

टिप्पणी 24 - अन्य आय

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
दीर्घकालीन निवेश (लाभांश) से आय*	292	432
दीर्घकालीन निवेश (लाभांश) से आय**	407	351
मीयादी जमा से ब्याज की आय	17,377	5,649
पीपीई की बिक्री पर लाभ	45	121
किराए की आय - निवेश संपत्ति	191	193
विदेशी मुद्रा विनिमय लब्धि	4,190	5,634
म्यूचुअल फंड पर लाभ / (हानि)	587	-
विविध (व्ययों का निवल)	270	230
	23,359	**12,610**

* संबंधित पक्षकार के प्रकटणों के लिए टिप्पणी 31 देखें

** सहायक कंपनियों और संबद्ध कंपनियों से आय को दर्शाता है जिसे लागत पर निर्धारित किया गया।

i. विदेशी मुद्रा विनिमय की लब्धि / हानि ऐसे लेनदेन को दर्ज करने की तारीख और निपटान / रिपोर्टिंग की तारीख के बीच विदेशी मुद्रा के लेनदेनों से आने वाले दर उतार-चढ़ाव के कारण है।

टिप्पणी 25 - तैयार माल, चालू कार्य और रद्दी की वस्तुसूचियों में परिवर्तन

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	
चालू कार्य -				
अंतिम वस्तुसूची	167,272		136,061	
प्रारंभिक वस्तुसूची	136,061		126,787	
		(31,211)		**(9,274)**
तैयार माल				
अंतिम वस्तुसूची	24,248		27,675	
प्रारंभिक वस्तुसूची	27,675		24,146	
		3,427		**(3,529)**
रद्दी -				
अंतिम वस्तुसूची	236		323	
प्रारंभिक वस्तुसूची	323		193	
		87		**(130)**
		(27,697)		**(12,933)**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 26 - कर्मचारी अनुलाभ व्यय

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	
वेतन, मजदूरी और बोनस / अनुग्रह		164,123		157,844
सेवानिवृत्ति अनुलाभ व्यय				
उपदान	1,460		1,810	
भविष्य निधि और पेंशन निधि में अंशदान	11,798		11,229	
बीईएल अधिवार्षिता (पेंशन) योजना में प्रबंधन का अंशदान	6,063		5,749	
बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना का प्रावधान	11,868		6,846	
		31,189		**25,634**
कल्याण व्यय		15,627		10,590
		210,939		**194,068**

कल्याण व्यय में वेतन रु.1,107 (₹ 1,114), पी.एफ. अंशदान ₹ 117 (₹ 116)

i. टिप्पणी 21 (ए) (iii) देखें, तदनुसार ₹ 2,811 (कुछ नहीं) का प्रावधान किया गया।

ii. मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों के पारिश्रमिक के लिए टिप्पणी 31 देखें।

टिप्पणी 27 - वित्त लागत

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	
ब्याज व्यय				
सूक्ष्म व लघु उद्यमों को देयों पर ब्याज	13		4	
पट्टे की देयता पर ब्याज व्यय	306		24	
अन्य ब्याज व्यय	144		552	
		463		**580**
उधार की अन्य लागत				
ऋण प्रसंस्करण प्रभार		22		28
		485		**608**

टिप्पणी 28- मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण पर मूल्यह्रास / परिशोधन	36,106	35,597
निवेश संपत्ति पर मूल्यह्रास	1	1
अन्य अमूर्त परिसंपत्तियों पर परिशोधन	1,468	747
प्रयोगाधिकार परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास	443	288
	38,018	**36,633**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 29 - अन्य व्यय

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	
बिजली और ईंधन*		3,711		3,273
जल प्रभार		419		375
रॉयल्टी और तकनीकी सहायता		1,346		17,472
किराया		1,713		1,608
दर व कर		530		433
बीमा		2,413		2,407
लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक				
लेखा परीक्ष शुल्क	34		24	
कर लेखा परीक्षा के शुल्क	5		6	
अन्य सेवाएं (प्रमाणीकरण शुल्क)	9		10	
व्ययों की प्रतिपूर्ति	12		6	
		60		**46**
लागत लेखा परीक्षा शुल्क		4		4
मरम्मत और रख-रखाव				
भवन	2,602		1,983	
संयंत्र व मशीनरी	1,120		1,400	
अन्य	11,364		9,374	
		15,086		**12,757**
बैंक प्रभार		342		314
मुद्रण व लेखन सामग्री		277		227
विज्ञापन व प्रचार		289		404
यात्रा के व्यय		7,823		4,023
वैन/टैक्सी भाड़े पर लेने के व्यय		1,124		1,126
पैकिंग व फार्वर्डिंग		2,845		2,287
अशोध्य ऋण एवं अग्रिम राशि, जिन्हें बट्टा खाते में डाला गया	1,307		1,626	
घटाएं - प्रावधानो को प्रभारित	(1,307)		(1,618)	
		-		**8**
अप्रचलित/व्यतिरिक्त सामग्रियों का प्रावधान		6,840		6,988
संदिग्ध ऋण, एलडी, ग्राहकों के दावों और अस्वीकृतियों का प्रावधान		26,963		21,161
संदिग्ध अग्रिम, दावों का प्रावधान		219		736
निष्पादन वारंटी का प्रावधान (निवल)**		9,507		6,416
दुर्वह संविदाओं का प्रावधान		1,980		157
अप्रचलन और व्यतिरिक्तता के कारण कच्चे माल, भंडार और घटकों को बट्टे खाते में डालना	936		1,266	
घटाएँ - प्रावधानों को प्रभारित	(920)		(1,248)	
		16		**18**
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों का प्रावधान		-		7,213
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों को बट्टे खाते में डालना		-		75
प्रभारित पूंजी चालू कार्य		-		1,468
कार्पोरेट सामाजिक दायित्व		5,075		4,467
अन्य				
अन्य विविध प्रत्यक्ष खर्च	7,585		11,488	
बिक्री पश्चात सेवा	316		424	
टेलीफ़ोन	766		893	
संगोष्ठियों और पाठ्यक्रमों पर खर्च	685		839	
बिक्री संबंधी अन्य व्यय	1,250		378	
विविध	5,040		3,912	
		15,642		**17,934**
घटाएँ - पूंजीगत कार्यों के लिए आवंटित खर्च		(4,961)		(1,976)
		99,263		**111,421**

* वित्तीय वर्ष के दौरान उपगत बिजली खर्च ₹ 1,627 (₹ 1,623) के पन बिजली सृजन को समंजित करने के बाद है।

** टिप्पणी 21 देखें

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 30 - लेखों पर सामान्य टिप्पणियाँ

1 प्रति इक्विटी शेयर अर्जन

	विवरण	2021-22	2020-21
क	**सतत् प्रचालनों से**		
	प्रति शेयर मूल अर्जन [आईएनआर]	9.64	8.48
	प्रति शेयर परिवर्तित अर्जन [आईएनआर]	9.64	8.48
ख	प्रति शेयर मूल व परिवर्तित अर्जन में न्यूमरेटर के रूप में प्रयुक्त राशि	2,34,893	2,06,542
ग	प्रति शेयर मूल व परिवर्तित अर्जन का परिकलन करने में प्रयुक्त इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या	2,43,65,92,943	2,43,65,92,943

2 अनुपालन का विवरण

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण भारतीय लेखांकन मानकों (भारतीय ए.एस.) [कंपनी अधिनियम ("एक्ट" की धारा 133 जिसे कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015, यथा संशोधित, के साथ पढ़ा जाना है, में यथा अधिसूचित] और अधिनियम के अन्य संगत प्रावधान के अनुसार तैयार किए जाते हैं।

31 मार्च 2016 तक के और इस तारीख के लिए कंपनी के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 और अधिनियम के अन्य संगत प्रावधानों के तहत अधिसूचित, कंपनी (लेखा मानक) नियम, 2006 के अनुसार तैयार किए गए थे।

3 प्रचालनीय चक्र

कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III की अपेक्षाओं के अनुसार, रणनीतिक कारोबारी यूनिट (एसबीयू) / यूनिट स्तर, जो लागू हो, में प्रचालनीय चक्र तय किया गया है।

4 परिसंपत्तियों की अनर्जकता

कंपनी ने नकद सृजक यूनिट (सीजीयू) मानी गई प्रत्येक भौगोलिक सम्मिश्रित निर्माणी यूनिट की परिसंपत्तियों की अनर्जकता के सूचकों का विश्लेषण किया है। आंतरिक और बाहरी कारकों के आंकलन के आधार पर, अनर्जकता के प्रावधान के रूप में ₹ 7,337 (₹ 7,337) की राशि का प्रावधान किया गया है।

5 अल्पकालीन उधार

क कंपनी को संघीय बैंकों (एसबीई अग्रणी बैंक) द्वारा ₹ 400,000 की कार्यशील पूँजी सीमा मंजूर की गई है। इस मंजूर सीमा में ₹ 50,000 की निधि आधारित सीमा और रु. 3,50,000 की गैर निधि आधारित सीमा शामिल है।

ख निधि आधारित सीमा पर देय ब्याज दर एसबीआई की 3 माह (1 वर्ष) की एमसीएलआर दर से जुड़ी है। [31.03.2022 को देय ब्याज दर 6.65% प्रति वर्ष (7.00%) है]

ग प्रयुक्त राशि की चुकौती मांग पर की जाती है। यथा 31.03.2022 को यह उपयोगिता कुछ नहीं (कुछ नहीं) है।

घ उक्त मंजूरी सीमा कंपनी की चालू परिसंपत्तियों के दृष्टबंधन द्वारा रक्षित है (टिप्पणी 35 देखें)

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

6 **संविदाजन्य प्रतिबद्धताएँ**

विवरण		यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
क.	संविदाओं की प्राक्कलित राशि जो पूँजी खाते में निष्पादित की जानी है और 31 मार्च को जिनका प्रावधान नहीं किया गया है		
	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	43,332	46,722
	निवेश संपत्ति	-	-
	अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	4,473	1,267
ख.	निवेश संपत्ति की मरम्मत और रख-रखाव तथा वर्धन के लिए संविदाजन्य प्रतिबद्धता	-	-
ग.	31 मार्च को अन्य प्रतिबद्धताएँ यानी निरस्त न करने योग्य संविदाजन्य प्रतिबद्धताएँ (यानी जिसे निरस्त करने से संबंधित अनुलाभ के लिए अनुपातरहित जुर्माना लगाया जाएगा)	-	-

7 **अनुसंधान व विकास पर किया गया खर्च -**

कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान अनुसंधान व विकास पर किए गए खर्च को संबंधित प्राकृतिक वर्गीकरण में शामिल किया गया है, इस प्रकार है -

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
व्यय		
सामग्री	23,708	20,177
कर्मचारी पारिश्रमिक और अनुलाभ	52,987	48,699
मूल्यह्रास	9,021	8,751
अन्य	21,222	12,528
सकल खर्च	**1,06,938**	**90,155**

नोट - उक्त खर्च में ₹ 3647 (₹ 1,577) शामिल है जिसे प्रभारित नहीं किया गया है।

8 **आकस्मिक देयताएँ -**

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
दावे जिन्हें ऋण नहीं माना गया	1,00,509	98,672
बकाया साख पत्र	72,997	72,543
अन्य	3,486	2,946
ग्राहक के अनिष्पादित आदेश जहाँ सुपुर्दगी की तारीख समाप्त हो चुकी है, में 31 मर्च तक का अनंतिम निर्णीत हर्जाना	35,986	26,305

9 **आकस्मिक परिसंपत्ति -**

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
कुछ नहीं	-	-

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

10 शेषों का पुष्टीकरण

व्यापार की लेनदारी, व्यापार देय, अग्रिम और जमा राशियों के संबंध में शेषों के पुष्टिकरण का अनुरोध करते हुए पत्र भेजे गए हैं। जहां कहीं उत्तर प्राप्त हुए हैं, समाधान प्रगति में है और वित्तीय विवरणों पर इसका प्रभाव महत्वपूर्ण होने की अपेक्षा नहीं है।

11 श्रम विवाद

श्रम मामलों के संबंध में, चूँकि ऐसे मामलों पर अधिनिर्णय अभी किया जाना है, देयता, यदि कोई हो, अभिनिश्चित नहीं की जा सकती। बहरहाल, ऐसी देयता का महत्वपूर्ण होना अपेक्षित नहीं है।

12 पट्टा

भारतीय ए.एस. 116 को अपनाना

1 अप्रैल, 2019 से प्रभावी करते हुए कंपनी ने संशोधित पूर्वप्रभावी दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए भारतीय ए.एस. 116 "पट्टे" को अपनाया है। इस मानक को अपनाने से कंपनी के वित्तीय परिणामों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ता है।

क) पट्टाकर्ता के रूप में -

i) भावी प्राप्त न्यूनतम पट्टा किराया

विवरण	31 मार्च 2022 को	31 मार्च 2021 को
एक वर्ष से अधिक नहीं	53	322
एक वर्ष से अधिक परंतु पाँच वर्षों से अधिक नहीं	241	230
पाँच वर्षों से अधिक	2,785	2,847

ii) कंपनी ने 2016-17 से 2021-22 तक की अवधि के लिए हरियाणा सरकार को प्वाइंट ऑफ सेल्स मशीनों को पट्टे पर दिया है।

iii) कंपनी ने रद्द न करने योग्य प्रचालनीय पट्टे के तहत विभिन्न संगठनों को भूमि का कुछ हिस्सा पट्टे पर दिया है। पट्टे की अवधि वर्ष 1967 से 2077 तक की है। पट्टों की विभिन्न शर्तें, वृद्धि खंड, पट्टा नवीकरण अधिकार आदि है। नवीकरण पर, पट्टे की शर्त दोबारा वार्ता कर तय की जाती हैं।

कंपनी ने आकस्मिक किराए के रूप में कोई आय निर्धारित नहीं की है।

ख) पट्टेदार के रूप में -

कंपनी में ऐसे पट्टे हैं जिन्हें भारतीय ए.एस. 17 लागू करते हुए वित्त पट्टों के रूप में वर्गीकृत किया गया था, ऐसे पट्टों के लिए, भारतीय ए.एस. 116 के प्रारंभिक अनुप्रयोग की तारीख में उपयोग के अधिकार की राशि की वहनीय राशि, भारतीय ए.एस. 17 को लागू करते हुए मापे गए अनुसार संक्रमण की तारीख पर पट्टे की वहनीय राशि है। तदनुसार, संपत्ति, संयंत्र और उपकरण से रु. 1,275 की राशि परिसंपत्तियों के उपयोग के अधिकार में वर्गीकृत की गई ।

संक्रमण पर, कंपनी पट्टे की समाप्त न हुई अवधि के लिए अंतर्निहित परिसंपत्ति के उपयोग के अपने अधिकार को दर्शाते हुए परिसंपत्ति के उपयोग का अधिकार निर्धारित करती है।

उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति को इसमें निर्धारित किया जाता है -

क) पूर्वदत्त किराए की वहनीय राशि जब कोई भावी पट्टा भुगतान देय नहीं होता है; या

ख) वहनीय राशि तथा वृद्धिशील उधार दर पर भुनाया गया। तदनुसार, उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति रु. 365 है और पट्टे की संबंधित देयता रु. 365 निर्धारित की गई। इन परिसंपत्तियों के संबंध में भारतीय ए.एस. 116 को लागू करने पर, व्ययों की प्रकृति को पट्टे के किराए से उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति की मूल्यह्रास लागत में और पट्टे की देयता पर प्रोद्भूत ब्याज की वित्त लागत में पुन:वर्गीकृत किया गया ।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

कंपनी द्वारा दर्ज उक्त पट्टे की संविदाएँ सौर परियोजना द्वारा बिजली पैदा करने और कारोबारी प्रयोजनों के लिए भवन निर्माण के लिए पट्टे पर ली गई भूमि से संबंधित हैं। इन परिसंपत्तियों का निपटान करना कंपनी के लिए प्रतिबंधित है।

कंपनी ने किसी भी व्यय को आकस्मिक किराए के रूप में निर्धारित नहीं किया है।

पट्टे की देयताओं के ठेकाजन्य नकदी प्राप्ति का परिपक्वता विश्लेषण टिप्पणी 34 में दिया गया है।

13 खंडवार रिपोर्टिंग

कार्पोरेट कार्य मंत्रालय ने अपनी अधिसूचना सं. 463 (ई) दिनांक 5 जून, 2015, यथा संशोधित, द्वारा खंडवार रिपोर्टिंग करने की आवश्यकता से रक्षा उत्पाद में लगी कंपनियों को छूट प्रदान की है।

14 प्रतिधारण बिक्री

वर्ष के कुल कारोबार में शामिल प्रतिधारण बिक्री (यानी, ग्राहकों के अनुरोध पर और उनके जोखिम पर कंपनी के पास रखा गया सामान) का मूल्य ₹ 80,880 (₹ 49,302) है।

उक्त में से, कारखाना बाह्य बिक्री का मूल्य कुछ नहीं (₹ 6,884) है।

15 विदेशी मुद्रा विनिमय के एक्सपोज़र

"विदेशी मुद्रा विनिमय एक्सपोज़र" के प्रकटण की आवश्यकता बताते हुए आईसीएआई की घोषणा के अनुसार, 31 मार्च 2022 को प्रमुख मुद्रा-वार एक्सपो. जर नीचे दिए गए हैं। [विदेशी मुद्राएँ लाख में दर्शाई गई हैं] (पिछले वर्ष के आंकड़े कोष्ठक में दिए गए हैं) ।

मुद्रा	देय		प्राप्य / संविदा परिसंपत्ति		आकस्मिक देयता*	
	विदेशी मुद्रा	भारतीय रुपए के समतुल्य	विदेशी मुद्रा	भारतीय रुपए के समतुल्य	विदेशी मुद्रा	भारतीय रुपए के समतुल्य
USD	626	47,968	134	10,007	576	44,175
	(615)	(45,741)	(275)	(19,943)	(260)	(19,325)
EURO	203	17,446	0	22	172	14,822
	(158)	(13,882)	(20)	(1,673)	(201)	(17,595)
GBP	10	966	-	-	10	1,050
	(22)	(2,294)	-	-	(14)	(1,433)
JYEN	11	7	-	-	-	-
	(117)	(79)	-	-	-	-
CHF	10	849	-	-	1	94
	(11)	(853)	-	-	ङङ	(7)
OTHERS	9	532	-	-	15	125
	(9)	(475)	-	-	-	-
कुल (₹)		**67,768**		**10,029**		**60,265**
		(63,324)		**(21,616)**		**(38,360)**
उक्त में से ग्राहकों से विनिमय दर उतार-चढ़ाव खंड द्वारा शामिल राशि		17,830		-		27,997
		(29,154)		-		(17,449)

* इसमें बकाया साख पत्रों और पूँजीगत प्रतिबद्धताओं से संबंधित एक्सपोज़र शामिल हैं।

** CHF 9,000 शामिल हैं। [परम अंक को दर्शाता है]

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, कंपनी ने दृढ़ प्रतिबद्धताओं के संबंध में विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव की रक्षा करने के लिए वायदा संविदा किया है। 31.03.2022 को कोई बकाया वायदा संविदा नहीं है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

16 सीएसआर खर्च संबंधी प्रकटण

क वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान कंपनी द्वारा खर्च की जाने वाली सकल राशि ₹ 5329 (₹ 4,688) है।

ख वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान खर्च की गई राशि -

क्र. सं.	विवरण	नकद में	नकद में अदा किया जाना बाकी	कुल	खर्च न की गई राशि का विनियोजन / प्रावधान*	सीएसआर का सकल योग
i)	किसी परिसंपत्ति पर निर्माण / अधिग्रहण	-	-	-	-	-
		-	-	-	-	-
ii)	उक्त (i) के अलावा प्रयोजन	2,958	115	3,073	2,256	5,329
		(2,279)	-	(2,279)	(2,409)	(4,688)

* सीएसआर की खर्च न की गई राशि के लिए, कंपनी (कार्पोरेट सामाजिक दायित्व नीति) संशोधन नियम, 2021 ("नियम") के अनुसार ₹ 2256 (₹ 2,409) का प्रावधान किया गया चूंकि यह चालू परियोजनाओं से संबंधित है।

उक्त खर्च में ₹ 254 (₹ 221) का सीएसआर प्रशासनिक ऊपरीव्यय शामिल है जिसे कर्मचारी अनुलाभ व्यय के तहत समूहित किया गया है।

ग. सीएसआर प्रावधान का संचलन

क्र. सं.	विवरण	2021-22	2020-21
i	1 अप्रैल को	4,504	3,485
ii	वर्ष के दौरान निर्धारित अतिरिक्त प्रावधान / विनियोजन	2,256	2,409
iii	घटाएँ - वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि	1,665	1,390
iv	घटाएँ - वर्ष के दौरान व्युत्क्रमित राशि	-	-
v	31 मार्च को	5,095	4,504

* इसमें सीएसआर निधियों से अर्जित ब्याज का प्रावधान शामिल है - कुछ नहीं (कुछ नहीं)

क्र. सं.	विवरण	2021-22	2020-21
1	कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान खर्च की जाने वाली राशि	5,329	4,688
2	किए गए खर्च की राशि	3,073	2,279
3	वर्षांत में कमी	2,256	2,409
4	पिछले वर्षों की कमी का कुल	2,839	2,095
5	कमी के कारण	चालू परियोजनाओं से संबंधित	
6	सीएसआर कार्यकलापों की प्रकृति	शिक्षा, स्वास्थ्य की देखभाल और साफ-सफाई, ग्रामीण विकास की परियोजनाएं, पर्यावरण का संधारणीय विकास, कौशल भारत पहल	
7	संबंधित पक्षकार के लेनदेन के ब्यौरे जैसे संगत लेखा मानकों के अनुसार सीएसआर व्यय के संबंध में कंपनी द्वारा नियंत्रित ट्रस्ट को अंशदान	ला.न.	ला.न.
8	यदि ठेकाजन्य देयता करते हुए उपगत देयता से संबंधित कोई प्रावधान किया गया है तो वर्ष के दौरान ऐसे प्रावधान का संचलन अलग से दर्शाया जाए।	ला.न.	ला.न.

17 कोविड-19 का प्रभाव

कंपनी ने वित्तीय विवरणों को तैयार करने में कोविड 19 महामारी के परिणामस्वरूप संभावित प्रभावों पर विचार किया है जिसमें वित्तीय एवं गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों की वहनीय राशि वसूल करने की संभावना शामिल है। महामारी के कारण वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों में संभावित भावी अनिश्चितता से संबंधित मान्यताएँ तय करने में, कंपनी ने सूचना के अपने उपलब्ध आंतरिक और बाहरी स्रोतों तथा आर्थिक पूर्वानुमान का प्रयोग किया है और कंपनी यह अपेक्षा करती है कि इन परिसंपत्तियों की वहनीय राशि वसूल की जाएगी। वित्तीय विवरणों पर कोविड-19 का प्रभाव इन वित्तीय विवरणों के अनुमोदन की तारीख पर किए गए प्राक्कलन से अलग हो सकता है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

18 रिपोर्टिंग अवधि के अंत में निर्धारित न किया गया लाभांश

निदेशकों ने प्रति शेयर आईएनआर 1.50 (आईएनआर 1.20) के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। [परम अंक दर्शाता है]

प्रस्तावित लाभांश आगामी वार्षिक सामान्य बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन की शर्त पर है और यदि अनुमोदन प्रदान किया जाता है तो इसके कारण लगभग ₹ 36,549 (₹ 29,239) का नकदी बहिर्वाह होगा।

19 कुछ नहीं (₹ 25) की राशि रक्षा उत्पादन के आई.टी. प्रभाग को प्रदान की गई है जिसे आयुध निर्माणी बोर्ड(ओएफबी) और रक्षा क्षेत्र की सरकारी यूनिटों सहित रक्षा उत्पादन विभाग में आई.टी. संबंधी पहल कार्यान्वित करने के लिए एचएएल के एक प्रभाग के रूप में सृजित किया गया है।

20 शेष कार्य-निष्पादन देयता का मूल्य (लंबित आदेश जिनका निष्पादन करना है)

ग्राहकों की संविदाओं से अनिर्धारित राजस्व जिन्हें आंशिक रूप से पूरा किया गया है या पूरा नहीं किया गया है (लंबित आदेश जिनका निष्पादन करना है)

विवरण	कुल राशि	एक वर्ष के भीतर	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक
अनिष्पादित आदेश का मूल्य	57,56,955	24,62,081	16,35,325	6,51,703	10,07,846

विशेष रूप से प्रमुख आदेश रक्षा से प्राप्त होते हैं जिनकी उत्पादन-पूर्व अवधि लंबी होती है। कंपनी पूरी न की गई (या आंशिक रूप से पूरी न की गई) कार्य-निष्पादन देयता के संबंध में कंपनी 3 से 5 वर्षों की अवधि में राजस्व को अभिचिह्नित करने की आशा करती है।

21 संशोधित अनुसूची III की अपेक्षाओं के अनुसार वित्तीय अनुपात -

क्र.सं.	विवरण	2021-22	2020-21	% परिवर्तन	अभ्युक्तियां
अंश	चाल परिसंपत्तिया	27,15,716	23,57,661		
हर	चालू देयताएं		16,76,472		
(क)	**चालू अनुपात (गुना में)**	**1.39**	**1.41**	**(1.42)**	
अंश	कुल ऋण	-	-		
हर	शेयरधारकों की इक्विटी / निवल मालियत	11,98,426	10,80,789		
(ख)	**ऋण-इक्विटी अनुपात (गुना में)**	**-**	**-**		
अंश	ठऋण सेवा के लिए उपलब्ध अर्जन (पीएटी + ब्याज लागत + मूल्यहास / परिशोधन)	2,73,396	2,43,783		
हर	ठऋण सेवा (ब्याज + पट्टे के भुगतान + मूलधन की चुकौती)	485	1,441		
(ग)	**ऋण सेवा कवरेज अनुपात (गुना में)**	**563.70**	**169.18**	**233.20**	पिछले वर्ष के दौरान ₹ 833 की बकाया ऋण राशि की पूर्ण चुकौती के कारण ऋण सेवा में आई कमी के कारण।
अंश	कर पश्चात् लाभ (पीएटी)	2,34,893	2,06,542		
हर	औसत शेयरधारकों की इक्विटी/ निवल मालियत	11,39,608	10,33,042		
(घ)	**इक्विटी अनुपात में प्राप्ति (% में)**	**20.61**	**19.99**	**3.10**	

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

क्र.सं.	विवरण	2021-22	2020-21	% परिवर्तन	अभ्युक्तियां
अंश	विक्रय और सर्विस		13,81,816		
हर	औसत वस्तुसूची	5,26,079	4,45,871		
(ङ)	**वस्तुसूची आवर्त अनुपात (गुना में)**	**2.86**	**3.10**	**(7.73)**	
अंश	विक्रय और सर्विस	15,04,367	13,81,816		
हर	औसत व्यापार लेनदारियां	6,32,747	6,64,223		
(च)	**व्यापार लेनदारी आवर्त अनुपात (गुना में)**	**2.38**	**2.08**	**14.28**	
अंश	खरीद	9,79,170	8,94,907		
हर	औसत व्यापार देय	3,33,157	2,86,089		
(छ)	**व्यापार देय आवर्त अनुपात (गुना में)**	**2.94**	**3.13**	**(6.04)**	
अंश	बिक्री और सर्विस	15,04,367	13,81,816		
हर	कार्यशील पूंजी	7,62,513	6,81,189		
(ज)	**निवल पंजी आवर्त अनुपात (गुना में)**	**1.97**	**2.03**	**(2.74)**	
अंश	कर पश्चात लाभ (पीएटी)	2,34,893	2,06,542		
हर	बिक्री और सर्विस	15,04,367	13,81,816		
(झ)	**निवल लाभ अनुपात (% में)**	**15.61**	**14.95**	**4.41**	
अंश	ब्याज और कर पूर्व अर्जन (ईबीआईटी	3,16,265	2,94,089		
हर	नियोजित पूंजी	10,14,876	9,29,192		
(ञ)	**नियोजित पूंजी पर प्राप्ति (% में)**	**31.16**	**31.65**	**(1.55)**	
अंश	दीर्घकालीन निवेशों से आय (लाभांश)	408	352		
हर	इक्विटी लिखत में निवेश	21,308	21,300		
(ट)	**निवेश पर प्राप्ति (% में)**	**1.92**	**1.65**	**16.36**	

22 अनुसूची III के संशोधनों के अनुसार अपेक्षित अन्य प्रकटण

क कंपनी में कोई बेनामी संपत्ति नहीं है जहां बेनामी संपत्ति धारित करने के लिए कंपनी के खिलाफ कोई कार्यवाही की गई है या लंबित है।

ख **समाप्त कंपनियां**

आईएनआर में ₹ (परम अंक दर्शाता है)

समाप्त की गई कंपनी का नाम	समाप्त की गई कंपनी के साथ किए गए लेनदेन की प्रकृति	समाप्ति की गई कंपनी के साथ संबंध, यदि कोई प्रकट की जानी है	31 मार्च 2022 को	31 मार्च 2021 को
मुस्कान इंटरप्राइजेस प्राइवेट लिमिटेड	प्राप्त अग्रिम	-	3,012	3,012
राजू इंटरप्राइजेस प्राइवेट लिमिटेड	प्राप्त अग्रिम	-	1,67,649	1,67,649
हेमा इंटरप्राइजेस प्राइवेट लिमिटेड	प्राप्त अग्रिम	-	16,815	16,815
शार्प प्रॉडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	प्राप्त अग्रिम	-	28,932	28,932
एम एस इंटरप्राइज प्राइवेट लिमिटेड	प्राप्त सुरक्षा जमा	-	53,640	-
एम एस इंटरप्राइज प्राइवेट लिमिटेड	व्यापार प्राप्य	-	22,443	11,043
एस पी इंटरप्राइजेस प्राइवेट लिमिटेड	प्राप्त अग्रिम	-	1,908	-

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

आईएनआर में ₹ (परम अंक दर्शाता है)

समाप्त की गई कंपनी का नाम	समाप्त की गई कंपनी के साथ किए गए लेनदेन की प्रकृति	समाप्ति की गई कंपनी के साथ संबंध, यदि कोई प्रकट की जानी है	31 मार्च 2022 को	31 मार्च 2021 को
एयरकंफोर्ट इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड	व्यापार प्राप्य	-	32,253	32,253
आर्कटेक इंडिया सेल्स प्राइवेट लिमिटेड	व्यापार प्राप्य	-	1,10,520	26,583
बर्जेन एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड	व्यापार प्राप्य	-	3,07,390	68,510
बिगटेक साफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड	व्यापार प्राप्य	-	68,759	68,759
चावला हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड	व्यापार प्राप्य	-	1,57,976	1,69,603
चावला हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड	प्राप्त सुरक्षा जमा	-	4,87,435	2,34,588
चावला हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड	अदा किया गया अग्रिम	-	-	4,305
कंपू लीज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड	व्यापार देय	-	12,86,926	27,12,177
ईएल कैमिनो टेक्नालाजीस प्राइवेट लिमिटेड	व्यापार देय	-	19,500	19,500
एम्बेडेड साफ्टवेयर डवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड	व्यापार देय	-	8,13,920	8,13,920
एक्सीजेन्ट साल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड	अदा किया गया अग्रिम	-	19,50,934	19,50,934
एक्सीजेन्ट साल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड	व्यापार देय		72,632	72,632
इन्नोवायर टेक्नालाजीस प्राइवेट लिमिटेड	व्यापार देय	-	4,98,550	4,98,550
इनटेग्रा माइक्रो सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड	व्यापार देय	-	1,95,216	1,95,216
कैपट्रॉन प्राइवेट लिमिटेड	व्यापार देय	-	1,26,000	1,26,000
रोड कैरियर ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	प्राप्त सुरक्षा जमा	-	25,000	25,000
एस.बी.एस. टेक्नोकाट्र्स एंड इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड	प्राप्त सुरक्षा जमा	-	2,23,054	2,23,054
एस.बी.एस. टेक्नोकाट्र्स एंड इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड	व्यापार देय	-	3,74,973	3,74,973
सोलास्टेक नेटवर्क सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड	व्यापार देय	-	11,02,839	11,02,839
स्टार इन्फार्मेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड	प्राप्त सुरक्षा जमा	-	1,50,450	1,50,450
सुमिट्रॉन एक्सपोर्टस् प्राइवेट लिमिटेड	व्यापार देय	-	41,681	29,581
स्वाति एयरकंडीशनिंग प्राइवेट लिमिटेड	प्राप्त सुरक्षा जमा	-	6,251	6,251
वैल्यू प्वाइंट आईटी सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड	प्राप्त सुरक्षा जमा	-	2,000	2,000
वैल्यू प्वाइंट आईटी सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड	व्यापार देय	-	1,971	1,971
सतिदम इंडस्ट्रीज़ प्राइवेट लिमिटेड	शेयरधारक	-	12,000	5,300
गर्ग कैपिटल एंड स्टॉक प्राइवेट लिमिटेड	शेयरधारक	-	3,300	3,300
डी आर शेयर्स प्राइवेट लिमिटेड	शेयरधारक	-	3,300	3,300
सलासार सेक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड	शेयरधारक	-	1,200	1,500
ऐस्ट्रल ऑटो पार्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	शेयरधारक	-	1,100	4,000
अरविंद सेक्योरिटीज़ प्राइवेट लिमिटेड	शेयरधारक	-	198	198

ग कंपनी में ऐसे कोई प्रभार या चुकौती नहीं है जिसे सांविधिक अवधि से परे कंपनियों के पंजीयक (आरओसी) के पास दर्ज किया जाना है।

घ कंपनी ने वित्तीय वर्ष के दौरान क्रिप्टो करेंसी या वर्चुअल करेंसी में कोई लेनदेन या निवेश नहीं किया है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

ङ **कंपनी ने इस समझ के साथ किसी विदेशी स्वत्व (मध्यवर्ती) सहित किसी अन्य व्यक्ति या स्वत्व को कोई अग्रिम राशि नहीं दी है या ऋण नहीं दिया है या उसमें निवेश नहीं किया है, कि मध्यवर्ती -**

क. कंपनी द्वारा या उसकी ओर से (अंतिम हितलाभी) किसी भी तरीके से अन्य व्यक्तियों या स्वत्वों में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उधार या निवेश नहीं करेंगे या

ख. अंतिम हितलाभी को या उसकी ओर से कोई गारंटी, जमानत नहीं देंगे या इसी प्रकार का कार्य नहीं करेंगे।

च कंपनी ने इस समझ के साथ विदेशी स्वत्व (वित्तपोषण पक्ष) सहित किसी अन्य व्यक्ति या स्वत्व से कोई निधि प्राप्त नहीं की है (लिखित में या अन्यथा दर्ज) कि कंपनी -

क. वित्तपोषण पक्ष (अंतिम हितलाभी) द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरीके से अभिचिह्नित अन्य व्यक्तियों या स्वत्वों में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उधार नहीं देगी या निवेश नहीं करेगी या

ख. अंतिम हितलाभी को या उसकी ओर से कोई गारंटी, जमानत नहीं देंगी या इसी प्रकार का कार्य नहीं करेगी।

झ कंपनी ने ऐसा कोई लेनदेन नहीं किया है जो लेखा बहियों में दर्ज नहीं है और जिसे आय कर अधिनियम, 1961 के तहत कर निर्धारण में वर्ष के दौरान आय के रूप में अभ्यर्पित या प्रकट किया गया है (जैसे खोज या सर्वेक्षण या आय कर अधिनियम, 1961 का किसी अन्य संगत प्रावधान)

23 वर्ष 2019-20 के दौरान, नेमी आंतरिक लेखा परीक्षा के दौरान कर्मचारियों द्वारा कंपनी के साथ रु. 1,000 की धोखाधड़ी की घटना का पता चला है। उक्त राशि में से, ₹ 64 की वसूली की गई और शेष ₹ 936 की राशि को लेनदारी के रूप में निर्धारित किया गया, वसूली के लंबित होने के कारण, इसे लाभ व हानि के विवरण में संदिग्ध माना गया है। कंपनी ने इस संबंध में उचित कार्रवाई की है और जाँच प्रगति में है।

24 सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 को लागू करने की तारीख अधिसूचित नहीं की गई है और कंपनी इसके लागू होने पर इसके प्रभाव का आकलन करेगी और ऐसे प्रभाव को संहिता के प्रभावी होने पर दर्ज करेगी।

25 कोष्ठक में दिए गए आंकड़े पिछले वर्ष से संबंधित हैं।

26 वित्तीय विवरणों के सभी आंकड़ों को निकटतम लाख में पूर्णांकित किया गया है जब तक कि अन्यथा उल्लिखित न हो।

27 स्टैंडअलोन भारतीय ए.एस. वित्तीय विवरणों को दिनांक 23 मई 2022 को निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया।

टिप्पणी 31 - संबंधित पक्षकार के लेनदेन

क. सहायक कंपनियाँ और एसोसिएट

निकाय का नाम	कारोबार का स्थान	कंपनी द्वारा धारित स्वामित्व हित		नियंत्रण-रहित हितों द्वारा धारित स्वामित्व हित		मुख्य कार्यकलाप
		यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021	
बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाइसेस लि. (बेलॉप) - सहायक कंपनी	भारत	100%	100%	-	-	इमेज इंटेन्सीफायर ट्यूबों का निर्माण व आपूर्ति
बीईएल - थालेस सिस्टम्स लि. - सहायक कंपनी	भारत	74%	74%	26%	26%	रक्षा व नागरी रेडारों का अभिकल्प, विकास, आपूर्ति और समर्थन
डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइ. जेशन - एसोसिएट	भारत	50%	50%	50%	50%	रक्षा संबंधी अनुसंधान एवं विकास कार्यकलाप करना
जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड - एसोसिएट	भारत	26%	26%	-	-	चिकित्सा उपकरणों का निर्माण

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

ख. मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों के विवरण

i. मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों के नामे

श्रीमती आनंदी रामलिंगम, निदेशक [विपणन], 01.07.2021 से अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक के पद पर अतिरिक्त प्रभार
श्री विनय कुमार कत्याल, निदेशक [बेंगलूरु कॉमप्लेक्स]
श्री दिनेश कुमार बात्रा, निदेशक [वित्त] व सीएफओ
श्री राजशेखरन एम वी, निदेशक [आर एंड डी]
श्री एम वी गौतमा, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक 30.06.2021 तक
श्रीमती शिखा गुप्ता, निदेशक [अन्य यूनिटें] 08.05.2021 तक
श्री शिवकुमारन के एम, निदेशक [एच.आर.] 31.08.2021 तक
श्री महेश वी, निदेशक [आर एंड डी] 31.08.2020 तक
श्री कोशी एलेक्ज़ाण्डर, निदेशक [वित्त] व सीएफओ 31.07.2020 तक
श्री एस श्रीनिवास, कंपनी सचिव

ii. मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों को प्रतिपूर्ति

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
अल्पकालिक कर्मचारी अनुलाभ	301	372
नियोजन के बाद के अनुलाभ	11	15
दीर्घकालिक कर्मचारी अनुलाभ	62	39
सेवा समाप्ति अनुलाभ	-	-
शेयर आधारित भुगतान	-	-
कुल	**374**	**426**

ग. मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों के अलावा संबंधित पक्षकारों के साथ किए गए लेनदेन इस प्रकार हैं (पिछले वर्ष के आंकड़े कोष्ठक में दर्शाए गए हैं) -

विवरण	सहायक कंपनी		एसोसिएट		कुल योग
	बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाइसेस लि. (बेलॉप)	बीईएल-थालेस सिस्टम्स लि.	जीई बीई प्राइवेट लि.	डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन	
माल की खरीद	1,268	-	-	-	1,268
	(1,183)	(2,313)	-	-	(3,496)
माल की बिक्री	-	2,543	2,365	-	4,908
	-	(316)	(1,758)	-	(2,074)
प्राप्त सेवाएँ	57	432	-	-	489
	-	(576)	-	-	(576)
प्रदान की गई सेवाएँ	-	7	-	-	7
	-	(2)	-	-	(2)
प्राप्त किराया (पट्टा)	-	45	-	-	45
	-	(43)	-	-	(43)
ब्याज की आय	3	-	-	-	3
	(98)	-	-	-	(98)
निवेश पर लाभांश आय	147	-	260	-	407
	(91)	-	(260)	-	(351)

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

विवरण	सहायक कंपनी		एसोसिएट		कुल योग
	बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाइसेस लि. (बेलॉप)	बीईएल-थालेस सिस्टम्स लि.	जीई बीई प्राइवेट लि.	डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन	
वितरित ऋण	-	-	-	-	-
	(267)	-	-	-	(267)
शेयरों की खरीद	-	-	-	-	-
	(157)	-	-	-	(157)
यथा 31.03.2022 * को बकाया ऋण (ब्याज सहित)	-	-	-	-	-
	(381)	-	-	-	(381)
31.03.2022 को बकाया व्यापार देय	36	440	-	-	476
	(47)	(353)	-	-	(400)
31.03.2022 को बकाया व्यापार प्राप्य	1	330	606	-	937
	-	(237)	(540)	-	(777)
31.03.2022 को इक्विटी में निवेश	16,990	4,264	260	1	21,515
	(16,990)	(4,264)	(260)	(1)	(21,515)
31.03.2022 को बकाया अंशदान	-	-	-	4,000	4,000
	-	-	-	(4,000)	(4,000)

निदेशकों का बैठक शुल्क -

गैर कार्यकारी निदेशकों को अदा किया गया बैठक शुल्क 31 मार्च 2022 को ₹ 18 और 31 मार्च 2021 को रु. 16 है।

घ. संबंधित पक्षकारों के साथ किए गए सभी लेनदेन स्वतंत्र संव्यवहार आधार पर हैं। सहायक कंपनी (बेलॉप) को दिए गए ऋण के संबंध में नीचे दी गई टिप्पणी "छ" देखें।

ङ. सभी बकाया शेष अरक्षित हैं। सभी बकाया शेष (ऋण के अलावा) अगले 6 महीनों के भीतर नकद में चुकौती योग्य हैं। ऋणों के बकाया शेष के लिए नीचे दी गई टिप्पणी "छ" देखें।

च. कंपनी ने एक्सडी-4 II ट्यूबों के टीओटी के लिए भुगतान करने के लिए बेलॉप को ₹ 10,416 [₹26,040 में से ₹ 15,624 घटाकर] की राशि का अस्थायी रूप से वित्त-पोषण करने के लिए अप्रैल, 2013 में बेलॉप के साथ एक करार किया था, जिसकी शेष राशि की रसीद रक्षा मंत्रालय से लंबित है। 31.03.2022 को, बेलॉप को ₹ 9,851 (₹ 9,851) की राशि बेलॉप को अदा की गई जिसमें से ₹ 9,851 (₹ 9851) की राशि रक्षा मंत्रालय से प्राप्त हुई है।

इस करार के अनुसार, वित्तीय वर्ष के दौरान ₹ कुछ नहीं (₹ 21) की राशि निधि लागत के लिए बेलॉप से प्राप्त हुई है।

छ. संबंधित पक्षकारों को ऋण

1. कंपनी ने ₹ 4,600 का मीयादी ऋण प्रदान करने के लिए अगस्त 2016 में बेलॉप के साथ एक करार किया था जिसमें से ₹ 2,935 की राशि 31.03.2022 को वितरित कर दी गई और 31.03.2022 को शून्य की राशि बकाया है।

   i) मूलधन की राशि अगस्त 2019 से 36 किस्तों में चुकता की जाएगी।

   ii) बीईएल की जमा राशि पर आय की बीईएल की दर पर, मासिक आधार पर बकाया ऋण राशि पर या भारत सरकार के बांड पर प्राप्त होने वाली ब्याज दर, इनमें से जो भी अधिक होगा, ब्याज प्रभारित किया जाएगा।

2. * बकाया ऋण में बाज़ार दर से नीचे पर सहायक कंपनी (बेलॉप) को दिए गए ऋण के उचित मूल्यांकन के कारण समायोजित ₹ शून्य (₹ 1) शामिल नहीं है।

ज. कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति सहित प्रबंधन की संविदाएँ

बीईएल के दो अधिकारियों को बेलॉप (सहायक कंपनी) में और सात अधिकारियों को बीईएल-थालेस सिस्टम्स लिमिटेड (सहायक कंपनी) में तैनात किया गया और वर्ष के दौरान उनके वेतन तथा अन्य भत्ते नियोजन के निबंधन व शर्तों के अनुसार क्रमश: बेलॉप और बीईएल-थालेस सिस्टम्स लि. द्वारा अदा किए गए।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

झ सरकार और सरकार संबंधी निकायों के साथ लेनदेन

चूंकि बीईएल रक्षा मंत्रालय के नियंत्रण के अधीन एक सरकारी कंपनी है, कंपनी ने सरकार और सरकारी निकायों के साथ लेनदेन के संबंध में भारतीय ए.एस. 24 के तहत अपेक्षित विवरणों को प्रकटण करने से छूट प्राप्त की है।

बहरहाल, भारतीय ए.एस. 24 के तहत यथा अपेक्षित, निम्नलिखित लेनदेन वैयक्तिक रूप से उल्लेखनीय हैं -

₹ 52,331 (₹ 52,331) की राशि वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान लाभांश के रूप में अदा की गई।

उपर्युक्त के अलावा, कंपनी के कुल कारोबार का लगभग 97% (92%), व्यापार प्राप्य का लगभग 99% (95%) और ग्राहकों के अग्रिम का लगभग 99% (99%) सरकार और सरकार संबंधी निकायों से संबंधित है।

ञ बेलॉप से संबंधित निवेश में ऋण का उचित मूल्यांकन शामिल है।

ट कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के प्रावधानों के अनुसार, 10 अप्रैल 2017 को `लाभ रहित कंपनी' के रूप में डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन (डीआईओ) की स्थापना रक्षा क्षेत्र में नवोन्मेषी कार्य का वित्त पोषण करने के उद्देश्य से ₹ 100 बीईएल: 50%; एचएएल: 50%) की प्राधिकृत शेयर पूँजी के साथ की गई। कंपनी का पंजीकृत कार्यालय बेंगलूरु में बीईएल के परिसर में स्थित है।

टिप्पणी 32 - एसोसिएट में हित

क

निकाय का नाम		जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड
कारोबार का स्थान / निगमन का स्थान		भारत
स्वामित्व हित का %		26%
संबंध		एसोसिएट
वहनीय राशि	2021-22	23,299
	2020-21	(18,995)

एसोसिएट में निवेश का उचित मूल्य प्रकट नहीं किया गया है क्योंकि जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड की इक्विटी अनुद्धृत है।

जीई बीई प्राइवेट लि. चिकित्सा यंत्रों का निर्माण करती है और उसके उत्पाद बीईएल बेंगलूरु कॉम्प्लेक्स के कंपोनेंट एसबीयू और बीईएल पुणे यूनिट के कारोबारी खंड में मदद करते हैं।

जीई बीई प्राइवेट लि. में कंपनी के हित की वहनीय राशि (लेखा परीक्षित)

संक्षिप्त तुलन-पत्र	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
गैर-चालू परिसंपत्तियाँ	24,378	23,303
चालू परिसंपत्तियाँ		
नकद और नकद समतुल्य	1,344	53
अन्य परिसंपत्तियाँ	92,831	76,552
कुल चालू परिसंपत्तियाँ	**94,175**	**76,605**
कुल परिसंपत्तियाँ	**1,18,553**	**99,908**
गैर-चालू देयताएँ		
व्यापार देय के अलावा वित्तीय देयताएँ	18	31
प्रावधान तथा अन्य देयताएँ	439	688
कुल गैर-चालू देयताएँ	**457**	**719**
चालू देयताएँ		
व्यापार देय के अलावा वित्तीय देयताएँ	771	713
अन्य देयताएँ	27,714	25,419
कुल चालू देयताएँ	**28,485**	**26,132**
कुल देयताएँ	**28,942**	**26,851**
निवल परिसंपत्तियाँ	**89,611**	**73,057**
निवल परिसंपत्तियों में कंपनी का अंश	**23,299**	**18,995**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

लाभ व हानि का संक्षिप्त विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
राजस्व	1,56,672	1,23,839
ब्याज की आय	1,682	1,403
मूल्यह्रास एवं परिशोधन	3,598	3,481
ब्याज व्यय	16	32
आय कर संबंधी व्यय	6,041	3,890
वर्ष का लाभ	**17,578**	**11,673**
अन्य व्यापक आय	(24)	14
कुल व्यापक आय	**17,554**	**11,687**
कंपनी का लाभ में हिस्सा	4,570	3,035
ओसीआई में कंपनी का हिस्सा	(6)	4
कुल व्यापक आय में कंपनी का हिस्सा	**4,564**	**3,039**

कंपनी ने ₹ 260 (₹ 260) का लाभांश प्राप्त किया है ।

वहनीय राशियों का समाधान

विवरण	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
प्रारंभिक निवल परिसंपत्तियां	**18,995**	**16,216**
वर्ष का लाभ	4,570	3,035
अन्य व्यापक आय	(6)	4
अदा किया गया लाभांश	260	260
अंतिम निवल परिसंपत्तियाँ	**23,299**	**18,995**

एसोसिएट संबंधी प्रतिबद्धताएँ एवं आकस्मिक देयताएँ -

विवरण	जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड	
	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
पूँजीगत प्रतिबद्धताएँ	180	174
अन्य प्रतिबद्धताएँ	-	-
अन्य आकस्मिक देयताएँ	831	831

संस्था का नाम		**डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन**
कारोबार का स्थान / निगमन का स्थान		भारत
स्वामित्व हित का %		50%
संबंध		एसोसिएट
वहनीय राशि	2021-22	1
	2020-21	1

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 33 - वित्तीय विलेख - उचित मूल्य मापन

1 लेखा वर्गीकरण एवं उचित मूल्य

निम्नलिखित टेबल वित्तीय परिसंपत्तियों एवं देयताओं की वहनीय राशि और उचित मूल्य दर्शाता है -

	विवरण	यथा 31 मार्च 2022			यथा 31 मार्च 2021		
		FVPL	FVOCI	परिशोधित लागत	FVPL	FVOCI	परिशोधित लागत
	उचित मूल्य में मापित वित्तीय परिसंपत्तियाँ						
I	**निवेश**						
i	इक्विटी विलेख - मना एफ्लूएंट ट्रीटमेंट प्रा. लि.	-	13	-	-	12	-
ii	इक्विटी विलेख - डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन	-	1	-	-	1	-
iii	अन्य निवेश	-	-	-	-	-	-
क	भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में निवेश (छुट्टी नकदीकरण और बीईआरईसीएचएस के लिए)	1,33,896	-	-	1,11,592	-	-
	उप कुल	**1,33,896**	**14**	**-**	**1,11,592**	**13**	**-**
	वित्तीय परिसंपत्तियाँ जिन्हें उचित मूल्य में नहीं मापा गया						
II	**व्यापार प्राप्य**	-	-	6,10,339	-	-	6,55,154
III	**ऋण**						
क	संबंधित पक्षकारों को ऋण	-	-	-	-	-	380
ख	कर्मचारियों को ऋण	-	-	876	-	888	888
ग	अन्य को ऋण	-	-	-	-	-	-
IV	**नकद और नकद समतुल्य**	-	-	1,23,904	-	-	3,01,565
V	**अन्य बैंक शेष**	-	-	6,26,010	-	-	1,99,256
VI	**अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ**						
क	प्रतिभूति जमा	-	-	3,957	-	-	4,002
ख	कर्मचारियों को अग्रिम	-	-	168	-	-	165
ग	अन्य को अग्रिम	-	-	3	-	-	5
घ	प्राप्य (व्यापार प्राप्यों के अलावा)	-	-	2,540	-	-	614
ङ	12 महीनों से अधिक परिपक्व के साथ बैंक जमा	-	-	173	-	-	173
च	प्रोद्भत ब्याज परंतु जो मीयादी जमा पर देय नहीं है	-	-	3,775	-	-	1,219
छ	अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	-	-	1,890	-	-	2,615
	अन्य निवेश						
क	को-ऑपरेटिव सोसाइटियों, हाउसिंग सोसाइटियों आदि में निवेश*	-	-	-	-	-	-
ख	सहायक कंपनियों में निवेश	-	-	21,254	-	-	21,254
ग	एसोसिएट में निवेश	-	-	260	-	-	260
	उप कुल	**-**	**-**	**13,95,149**	**-**	**-**	**11,87,550**
	कुल	**1,33,896**	**14**	**1395149**	**1,11,592**	**13**	**11,87,550**

* आईएनआर 4,750 (आईएनआर 4,750) [परम अंक दर्शाता है] जिसे पूर्णांकित किया गया।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

	विवरण	यथा 31 मार्च 2022			यथा 31 मार्च 2021		
		FVPL	FVOCI	परिशोधित लागत	FVPL	FVOCI	परिशोधित लागत
	उचित मूल्य में मापित वित्तीय देयताएँ						
	कुल	-	-	-	-	-	-
	वित्तीय देयताएँ जिन्हें उचित मूल्य पर मापा नहीं गया						
I	उधार	-	-	-	-	-	-
II	व्यापार देय	-	-	3,36,630	-	-	3,29,683
III	**अन्य वित्तीय देयताएँ**						
क	**प्रतिभूति जमा**	-	-	**30,498**	-	-	**27,225**
ख	**मीयादी ऋण पर प्रोद्भूत और देय ब्याज**	-	-	-	-	-	-
ग	**व्यापार देय पर प्रोद्भूत और देय ब्याज**	-	-	14	-	-	6
घ	**अन्य व्यापार देय**	-	-	8,745	-	-	20,815
ङ	अदत्त परिपक्व जमा राशियाँ	-	-	37	-	-	37
च	अदत्त लाभांश	-	-	215	-	-	211
छ	सूक्ष्म व लघु उद्यमों को बकाया गैर व्यापार देय	-	-	337	-	-	208
ज	बकाया व्यय		-	56,912	-	-	46,551
झ	पट्टे की अन्य देयता	-	-	5,270	-	-	252
ञ	अन्य देयताएँ		-	1,000	-	-	1,162
	कुल	-	-	**4,39,658**	-	-	**4,26,150**

2 उचित मूल्य का पदानुक्रम

जहाँ कहीं लागू हो, वित्तीय विवरणों के उचित मूल्य के मापन के लिए प्रयुक्त अनुक्रम स्तर नीचे दिए गए हैं -

	विवरण	टिप्पणी	यथा 31 मार्च 2022			यथा 31 मार्च 2021		
			स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3
I	**उचित मूल्य पर मापित वित्तीय परिसंपत्तियाँ एवं देयताएँ - आवर्ती उचित मूल्य मापन**							
A	वित्तीय परिसंपत्तियाँ							
i	FVPL में वित्तीय निवेश	6	-	1,33,896	-	-	1,11,592	-
ii	FVOCI में वित्तीय निवेश - अनुद्धृत	6	-	-	14	-	-	13
II	**वित्तीय परिसंपत्तियाँ एवं देयताएं जिन्हें परिशोधित लागत पर मापा गया**		किसी अलग उचित मूल्य का प्रकटण नहीं किया गया है क्योंकि इन परिसंपत्तियों और देयताओं का वहनीय मूल्य उनके उचित मूल्य को दर्शाता है।					

स्तर 1 - स्तर 1 के पदानुक्रम में उद्धृत कीमतों का उपयोग करते हुए मापित वित्तीय विलेख शामिल हैं।

स्तर 2 - ऐसे वित्तीय विलेख जिनका लेनदेन सक्रिय बज़ार में नहीं किया गया है, का उचित मूल्य ऐसी मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग कर तय किया जाता है जो प्रेक्षणीय बाज़ार आंकड़ों का उपयोग अधिकतम करते हैं और निकाय के विशिष्ट प्राक्कलनों पर कम से कम निर्भर होते हैं।

स्तर 3 - यदि एक या एक से अधिक महत्वपूर्ण निविष्टियाँ प्रेक्षणीय बाज़ार आंकड़ों पर आधारित नहीं होती हैं तो विलेख को स्तर 3 में शामिल किया जाता है। गैर-सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों के मामलों में ऐसा किया जाता है।

3 उचित मूल्य तय करने में प्रयुक्त मूल्यांकन तकनीक

क. एलआईसी निवेश - (स्तर 2)

एलआईसी की योजना के मूल्यांकन रिपोर्ट पर आधारित

ख मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि. - (स्तर 3)

बीईएल ने मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि. जो कि गैर-सूचीबद्ध कंपनी है, की इक्विटी प्रतिभूतियों में निवेश किया है। मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि. में निवेश की कंपनी की लागत केवल ₹ 5 (रु. 163 की जारी शेयर पूँजी में से) है। कंपनी ने उचित मूल्यांकन के लिए निवल परिसंपत्ति मूल्य विधि चुना है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

ग डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन (डीआईओ) - (स्तर 3)

बीईएल ने डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन (डीआईओ) जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के प्रावधानों के अनुसार एक 'लाभरहित कंपनी' है और जिसका उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में नवोन्मेष का वित्त-पोषण करना है, की इक्विटी पूँजी में अंशदान किया है। कंपनी ने उचित मूल्यांकन के लिए निवल परिसंपत्ति मूल्य विधि चुना है।

टिप्पणी 34 - वित्तीय जोखिम प्रबंधन

i) जोखिम प्रबंधन का ढांचा और नीतियाँ

कंपनी में वित्तीय विलेखों के परिणामस्वरूप व्यापक रूप से क्रेडिट जोखिम, चलनिधि जोखिम और बाज़ार का जोखिम (विनिमय दरों, ब्याज की दरों और कीमत जोखिम में उतार-चढ़ाव) बना रहता है।

कंपनी की जोखिम प्रबंधन संरचना की संस्थापना, निगरानी और पर्यवेक्षण की समग्र जिम्मेदारी निदेशक मंडल की होगी। मंडल ने इस प्रयोजनार्थ एक जोखिम प्रबंधन समिति गठित की है जो जोखिम प्रबंधन नीतियों को तैयार करने और उनकी निगरानी करने के लिए जिम्मेदार होगी। कंपनी ने एक जोखिम प्रबंधन नीति तैयार की है जिसमें जोखिम प्रबंधन की संरचना दी गई है और वित्त तथा प्रचालन से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी विभिन्न जोखिमों की पहचान, मूल्यांकन, वरीयता और उपचार की व्यापक संरचना दी गई है।

कंपनी में एक केंद्रीकृत निधि विभाग है जो मंडल द्वारा तैयार की गई नीतियों और प्रक्रियाओं के अनुसार वित्तीय जोखिमों को कम करने के उचित उपाय करता है। बचाव संबंधी व्यवहार बाहरी विशेषज्ञ के सलाह से उपयुक्त कौशल और अनुभव रखने वाली टीम द्वारा किए जाते हैं। कंपनी सट्टा बाज़ार में व्यापार नहीं करती।

ii) बाज़ार जोखिम

बाजार जोखिम वह जोखिम है जो विदेशी मुद्रा दरों के रूप में बाजार मूल्य में परिवर्तन करता है, ब्याज दरें कंपनी की आय या वित्तीय साधनों की इसकी होल्डिंग के मूल्य को प्रभावित करेगी। बाजार जोखिम प्रबंधन का उद्देश्य रिटर्न को अनुकूलित करते हुए स्वीकार्य मापदंडों के भीतर बाजार जोखिम जोखिमों का प्रबंधन और नियंत्रण करना है।

कंपनी की गतिविधियाँ मुख्य रूप से विदेशी विनिमय दरों और ब्याज दर आंदोलनों में बदलाव के वित्तीय जोखिमों को उजागर करती हैं (मुद्रा जोखिम और ब्याज जोखिम के नीचे के नोट देखें)।

iii) मुद्रा जोखिम

बीईएल विदेशी मुद्रा संचालन से उत्पन्न होने वाले विदेशी विनिमय जोखिम खासकर अमेरिकी डॉलर, यूरो, ग्रेट ब्रिटेन पाउंड और जापानीस येन जैसे विदेशी मुद्राओं में खरीदी और बिक्री से संबंधित होता है इसका खुलासा करता है। विदेशी मुद्रा जोखिम मौजूदा और भविष्य के वाणिज्यिक लेनदेन से उत्पन्न होता है और मान्यता प्राप्त परिसंपत्तियों और देनदारियों की मुद्रा मानी जाती है जो कि कंपनी की कार्यात्मक मुद्रा (आई.एन.आर.) नहीं है ।

कम्पनी के पास जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा कार्यान्वित एक बोर्ड अनुमोदित मुद्रा जोखिम प्रबंधन नीति है जो इस जोखिम के लिए कंपनी के जोखिम को नियमित आधार पर समीक्षा करती है। जोखिम प्रबंधन नीति खुली विदेशी मुद्रा जोखिम के 50% तक बचाव व्यवस्था की सिफारिश करती है। हालांकि बचाव व्यवस्था में प्रवेश करने का निर्णय प्रासंगिक डेटा आदानों के आधार पर जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा किया जाता है और इस उद्देश्य के लिए बनाए गए बाहरी विशेषज्ञ सलाहकार की सलाह दी जाती है।

कंपनी का निर्यात आय ज्यादातर एक निर्यात अर्जक विदेशी मुद्रा खाते (ईईएफसी) में प्रेषण द्वारा महसूस होता है, जिसका उपयोग विदेशी मुद्रा में किए जाने वाले भुगतानों के लिए किया जाता है, जिससे निर्यात पर मुद्रा जोखिम को कम किया जा सकता है। लगभग 8% (8%) वार्षिक विदेशी मुद्रा के बाहर जाने का आयात संबंधित ग्राहक संविदा में विनिमय दर भिन्नता (ईआरवी) खंड द्वारा कवर नहीं किया गया है और इसलिए यह मुद्रा जोखिम के लिए खुला होता है। इन आयातों को मामले दर मामले के आधार पर नीति और जोखिम को कवर करने के लिए उचित निर्णय मामले के आधार पर मानदंड किया जाता है। जहां भी जरूरत हो, कंपनी की मुद्रा जोखिम नीति आगे की आवश्यकता के मुताबिक जोखिम को कम करने के लिए बचाव व्यवस्था संविदा का समर्थन करती है।

यथा 31 मार्च 2022 को, कोई बकाया वायदा संविदा नहीं है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

प्रमुख मुद्राओं के संबंध में विदेशी मुद्रा जोखिम हेतु कंपनी एक्सपोज़र नीचे दिए गए है -

विवरण	यथा 31 मार्च 2022					यथा 31 मार्च 2021				
	USD	EURO	GBP	CHF	J Yen	USD	EURO	GBP	CHF	J Yen
व्यापार प्रदेय	626	203	10	10	11	615	158	22	11	117
व्यापार प्राप्य / संविदा संपत्ति	134	-	-	-	-	275	20	-	-	-
निवल एक्सपोज़र	**492**	**203**	**10**	**10**	**11**	**340**	**138**	**22**	**11**	**117**

iv) विदेशी मुद्रा संवेदनशीलता

विनिमय दर में होने वाले लाभ या हानियों की संवेदनशीलता मुख्य रूप से विदेशी मुद्रा में निहित वित्तीय साधनों से होती है । प्रमुख मुद्राओं के संबंध में संवेदनशीलता की विविधता नीचे दी गई है । यह विश्लेषण स्पष्ट करता है कि अन्य सभी परिवर्तनशील लगातार बने रहते हैं।

विवरण	लाभ पर प्रभाव	
	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
USD – 5% बढ़ोत्तरी	1,885	1,264
USD – 5% कमी	(1,885)	(1,264)
EURO – 5% बढ़ोत्तरी	874	604
EURO – 5% कमी	(874)	(604)
GBP – 5% बढ़ोत्तरी	51	113
GBP – 5% कमी	(51)	(113)
CHF – 5% बढ़ोत्तरी	42	44
CHF – 5% कमी	(42)	(44)
J Yen – 5% बढ़ोत्तरी	-	4
J Yen – 5% कमी	-	(4)

v) ब्याज दर जोखिम

ब्याज दर जोखिम या तो उचित मूल्य ब्याज दर जोखिम या नकदी प्रवाह ब्याज दर जोखिम हो सकता है। उचित मूल्य ब्याज दर जोखिम ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के कारण निश्चित ब्याज वाले निवेश के उचित मूल्यों में होने वाले बदलावों का जोखिम है। नकदी प्रवाह ब्याज दर जोखिम वह जोखिम है ताकि बाजार में ब्याज दर में उतार-चढ़ाव की वजह से चलायमान ब्याज वाले उपकरणों के भविष्य के नकदी प्रवाह में उतार-चढ़ाव होगा।

vi) परिवर्तनीय दर उधार

इसके अलावा कंपनी को 4,00,000 की कार्यशील पूँजी की सीमा को मंजूरी दी गई है। स्वीकृत सीमा में निधि आधारित सीमा 50,000 रुपये और गैर-आधारित आधार सीमा ₹3,50,000 शामिल हैं। वर्ष के दौरान ₹50,000 की निधि आधारित सीमा का उपयोग नहीं किया गया है [31 मार्च 2022 तक बकाया शून्य है (31 मार्च 2021 शून्य है)]। गैर-निधि आधारित सीमा के संबंध में 31.03.2022 को बकाया राशि ₹ 2,69,500 (₹ 2,80,322) है। यह ब्याज एसबीआई की 1 वर्ष की एमसीएलआर दर के आधार पर देय है। चूंकि ऋण लेना शून्य है, इसलिए ब्याज दरों में संभावित बदलाव का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

vii) इक्विटी मूल्य जोखिम

इक्विटी मूल्य जोखिम के संबंध में कंपनी का निवेश नगण्य है क्योंकि इसके औचित्य निवेश (सहायक व सहयोगी के अलावा) नगण्य है।

viii) चलनिधि जोखिम

चलनिधि जोखिम वह जोखिम है कि कंपनी को वित्तीय देनदारियों से जुड़ी दायित्वों को पूरा करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है, नकदी और अन्य वित्तीय संपत्ति या जोखिम के जरिये कंपनी को अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधनों को बढ़ाने में कठिनाई का सामना करना होगा। लिक्विडिटी जोखिम के लिए कंपनी का अनावरण बहुत कम है क्योंकि इसमें एक विवेकपूर्ण चलनिधि जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया होती है, जिसकी वजह

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

से पर्याप्त दायित्वों का भुगतान करने के लिए पर्याप्त नकदी और बिक्री योग्य प्रतिभूतियां बनाए रखता है। जब आवश्यक हो वित्तपोषण की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए, कंपनी को बैंक ओवरड्राफ्ट सुविधा, नकद ऋण सुविधा और अल्पकालिक उधार की प्रकृति में अपनी चालू कार्यशील पूँजी आवश्यकताओं और विकास की जरूरतों के लिए उपयोग किया जाता है।

कंपनी अपनी चलनिधि आवश्यकताओं को पूरा करती है मुख्य रूप से आंतरिक रूप से उत्पन्न नकदी प्रवाहों के माध्यम से जो कि राजकोष द्वारा मुख्य बिन्दु पर निगरानी रखी जाती है। विभिन्न ऑपरेटिंग यूनिटों से नकद पूर्वानुमान के रोलिंग की एक स्थापित प्रक्रिया है जो देयताओं को पूरा करने के लिए अपेक्षित नकदी प्रवाह को अंकित करने का आधार बनाती है।

नीचे दी गई तालिका में कंपनी की वित्तीय देनदारियों का विश्लेषण किया गया है, जो उनके संविदा संबंधी परिपक्वता पर आधारित हैं। दर्शित राशि संविदात्मक और रियायती नकदी प्रवाह है।

यथा 31 मार्च 2022

विवरण	3 महीनों से कम	3 से 6 महीने	6 महीनों से 1 वर्ष	1 से 2 वर्षों के बीच	2 से 5 वर्षों के बीच	5 वर्षों से अधिक	कुल
उधार	-	-	-	-	-	-	-
व्यापार प्रदेय	3,10,782	11,751	14,063	-	34	-	3,36,630
व्यापार प्रदेय पर दावे एवं प्रोद्भूत ब्याज	14	-	-	-	-	-	14
पट्टे की देयता	275	36	46	245	676	3,992	5,270
अन्य वित्तीय देयताएँ	72,295	2,894	20,232	2,266	59	-	97,744

यथा 31 मार्च 2021

विवरण	3 महीनों से कम	3 से 6 महीने	6 महीनों से 1 वर्ष	1 से 2 वर्षों के बीच	2 से 5 वर्षों के बीच	5 वर्षों से अधिक	कुल
उधार	-	-	-	-	-	-	-
व्यापार प्रदेय	3,13,490	13,106	3,058	29	-	-	3,29,683
व्यापार प्रदेय पर दावे एवं प्रोद्भूत ब्याज	6	-	-	-	-	-	6
पट्टे की देयता	36	33	66	68	38	11	252
अन्य वित्तीय देयताएँ	74,187	5,246	16,105	501	170	-	96,209

31 मार्च 2022को कंपनी में कोई बकाया व्युत्पन्नी नहीं है।

ix) ऋण जोखिम

ऋण जोखिम ऐसे जोखिम को दर्शाता है जिससे कारण प्रति-पक्षकार द्वारा अपने संविदा संबंधी दायित्वों पर चूक करने के परिणामस्वरूप कंपनी को वित्तीय नुकसान होता है । ग्राहकों से ऋण जोखिम, बैंकों के साथ नकदी और नकद समकक्ष, सुरक्षा जमा और ऋण से ऋण जोखिम उत्पन्न होता है।

कंपनी के ऋण जोखिम को जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा एक कॉरपोरेट स्तर पर प्रबंधित किया जाता है जिसने अपने ग्राहकों और अन्य प्राप्तियों के लिए क्रेडिट नीति मानदंडों की स्थापना की है। व्यापार प्राप्तियों की महत्वपूर्ण मात्रा सरकारी / सरकारी विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) की वजह से होती है जिसके परिणामस्वरूप कंपनी को ऐसी प्राप्तियों के साथ जुड़े क्रेडिट जोखिम नहीं मिलता है। गैर सरकारी व्यापार प्राप्तियों के मामले में, आम तौर पर बिक्री ग्राहक द्वारा स्थापित साख-पत्र के आधार पर किया जाता है जिससे क्रेडिट जोखिम कम हो जाता है।

कुछ मामलों में, ग्राहक की शोधन क्षमता का आकलन करने के बाद और ऋण योग्यता को निर्धारित करने के लिए आवश्यक कारणों से बाजार की स्थितियों के आधार पर ग्राहकों के ऋण को बढ़ाया जाता है। अग्रिम भुगतान बैंक गारंटी के प्रतिकूल किए जाते हैं जो इस तरह के भुगतान से जुड़े क्रेडिट जोखिम को सुरक्षित रखते हैं। वित्तीय परिसंपत्तियों पर नुकसान हानि (जो मुख्य रूप से विलंबित सुपुर्दगियों तथा अन्य अस्वीकृतियों के लिए उगाही योग्य निर्णीत हर्जाने को दर्शाते हैं) संविदा के नियमों आदि कारकों और अन्य संकेतकों के बाद किया गया है।

बैंकों के साथ नकद और नकद समकक्ष 1 वर्ष तक की परिपक्वता अवधि के परिप्रेक्ष्य अवधि के साथ अल्पकालिक जमा के रूप में हैं। कंपनी की एक अच्छी तरह से संरचित जोखिम निवारण नीति है जिसके तहत प्रत्येक बैंक के लिए अपनी कुल मूल्य और कमाई क्षमता के आधार पर निर्धारित सीमाएं हैं, जो कि आवधिक आधार पर समीक्षा की जाती हैं। कंपनी ने जमाओं पर बैंकों से चूक के कारण किसी भी प्रकार की हानि नहीं की है ।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के संबंध में ऋण जोखिम नगण्य है क्योंकि वे ज्यादातर सरकारी विभाग / पक्षकारों के कारण होते हैं।

बेलॉप (100% सहायक कंपनी) से (यथा 31.03.2022 को) कुछ नहीं (₹ 381) का ऋण बकाया है। सहायक कंपनी अपनी देय राशि (ब्याज और मूलधन) के पुनर्भुगतान में नियमित रूप से रही है और ऋण राशि की चुकाने के संदर्भ में कोई ऋण जोखिम नहीं है।

x) पूँजी प्रबंधन

कंपनी का पूँजी प्रबंधन का उद्देश्य शेयरधारकों को पर्याप्त रिटर्न प्रदान करने के लिए एक मजबूत पूँजी आधार बनाए रखना है और कंपनी की क्षमता बढ़ती चिंता के रूप में जारी रखने की क्षमता सुनिश्चित करना है। कंपनी के पास ऋण के माध्यम से पूँजी जुटाने के लिए एक रूढ़िवादी दृष्टिकोण है, लेकिन यह उचित समय पर इस विकल्प का लाभ उठाने और इष्टतम पूँजी संरचना को बनाए रखने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

कंपनी के पास एक अच्छी तरह से निर्धारित लाभांश वितरण नीति है जो भविष्य के विकास और शेयर धारकों के धन को बढ़ाने के लिए अधिशेष के लाभांश और प्रतिधारण के भुगतान के लिए रूपरेखा तैयार करती है। कंपनी को बैंकों के साथ उधार की सीमा को 4,00,000 की मंजूरी दी गई है।

गियरिंग अनुपात -

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
निवल ऋण	-	-
कुल इक्विटी	11,98,426	10,80,789
निवल ऋण से इक्विटी का अनुपात	-	-

टिप्पणी 35 - सुरक्षा हेतु गिरवी परिसंपत्तियाँ

मियादी ऋण एवं चालू पूँजी उधार राशियाँ के लिए सुरक्षा हेतु गिरवी परिसंपत्तियाँ का स्वीकृत राशि -

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
(i) वस्तुसूचियाँ	5,53,956	4,91,529
(ii) व्यापार प्राप्य	6,10,339	6,55,154
(iii) नकद एवं नकद समतुल्य	1,23,857	3,01,452
(iv) बैंक शेष [उपर्युक्त (iii) के अलावा]	6,24,300	1,98,000
(v) ऋण	148	1,946
(vi) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	10,231	4,566
(vii) अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	7,48,517	6,64,576
सुरक्षा हेतु गिरवी कुल चालू परिसंपत्तियाँ	**26,71,348**	**23,17,223**

उधार राशियाँ के विवरण हेतु टिप्पणी 18 देखें ।

टिप्पणी 36 - महत्वपूर्ण प्राक्कलन और फैसले

वित्तीय विवरणों की तैयारी करते समय, प्रबंधन ने कुछ निर्णय, प्राक्कलन और धारणाएं बनाई हैं जो लेखांकन नीतियों के अनुप्रयोग और परिसंपत्तियों, देनदारियों, आय और व्यय की रिपोर्ट की मात्रा को प्रभावित करती हैं। वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से अलग हो सकते हैं।

अनुमान और अंतर्निहित मान्यताओं की निरंतर आधार पर समीक्षा की जाती है। लेखांकन अनुमानों के लिए संशोधनों को भविष्य में मान्यता प्राप्त है।

लेखा नीतियों को कार्यान्वित करते समय लिए गए फैसले वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त राशि पर महत्वपूर्ण प्रभाव है जिसके तहत सामग्री समायोजन में जिसके परिणामस्वरूप होने का एक महत्वपूर्ण जोखिम इस प्रकार है -

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

i. अनुसंधान और विकास व्यय - लेखा नीति सं. 10 (टिप्पणी संख्या 5 एवं 12 देखें)

नहीं लागत नहीं प्रतिबद्धता (एनसीएनसी) परियोजनाओं और संयुक्त विकास परियोजनाओं के संबंध में किए गए विकास संबंधी व्यय जो कि विकास साझेदार द्वारा पूरी तरह से क्षतिपूरण नहीं किए जाते हैं, परियोजना के पूरा होने तक आगे किए जा रहे हैं।

ii. निर्धारित लाभ दायित्व का अनुमान - मुख्य बीमांकिक मान्यताएं - (टिप्पणी संख्या 21 देखें)

iii. वारंटी दावों के प्रावधान का आकलन (टिप्पणी संख्या 21 देखें)

वारंटी प्रावधान गणना में प्रवृत्ति आधारित विश्लेषण के आधार पर औसत वारंटी लागत का आकलन शामिल है। यदि विविध अनुमान लगाया जाए, तो यह उसी मान्य व्यय को प्रभावित करेगा।

iv. राजस्व का अभिचिह्नन - (टिप्पणी संख्या 23 देखें)

पूर्णता विधि का प्रतिशत संविदा पूरा करने के लिए अनुमानित कुल लागतों के वास्तविक लागत के आधार पर पूरा होने के चरण का अनुमान लगाता है। अगर विविध अनुमान लगाए जाए, तो यह उसी संबंधित राजस्व को प्रभावित करेगा।

v. अमूर्त परिसंपत्तियाँ - (टिप्पणी संख्या 4 और 5 देखें)

अन्य अमूर्त परिसंपत्ति और विकास के तहत अमूर्त परिसंपत्ति के रूप में आगे की गई राशि को भविष्य के आर्थिक लाभों की निश्चितता के संबंध में प्रतिवर्ष हानि के लिए परीक्षण किया जाता है।

vi. पट्टा (टिप्पणी 1 देखें)

यदि भारतीय ए.एस. 116 की अपेक्षाओं के अनुसार कोई करार पट्टे के रूप में योग्य बनता है तो कंपनी इसका मूल्यांकन करती है। पट्टे की पहचान करना निर्णायक होता है। कंपनी पट्टे के निबंधन (प्रत्याशित नवीकरणों सहित) और लागू बट्टा दर का मूल्यांकन करने में महत्वपूर्ण निर्णय लेती है।

बट्टे की दर सामान्य रूप से मूल्यांकन किए जा रहे पट्टे की वृद्धिशील उधार दर पर आधारित होती है।

टिप्पणी 37 - हाल में की गई लेखांकन घोषणाएँ

कार्पोरेट कार्य मंत्रालय ("एमसीए") समय-समय पर जारी कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियमों के तहत मौजूदा मानकों में नए मानक या उनके संशोधन अधिसूचित करता है। 23 मार्च, 2022 को एमसीए ने नीचे दिए गए अनुसार कंपनी (भारतीय लेखा मानक) संशोधन नियम, 2022 में संशोधन किया है।

भारतीय एएस 16 - संपत्ति, संयंत्र और उपकरण - इस संशोधन में यह स्पष्ट किया गया है कि परीक्षण लागत, यदि कोई हो, पर निर्मित मदों की बिक्री से निवल प्राप्ति से अतिरेक राशि को लाभ या हानि में निर्धारित नहीं किया जाएगा लेकिन उसकी कटौती संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की मद की लागत के भाग के रूप में माने जाने वाली प्रत्यक्ष स्रोतजन्य लागत से की जाएगी। इस संशोधन को अपनाने की प्रभावी तारीख 1 अप्रैल, 2022 को या उसके बाद शुरु होने वाली वार्षिक अवधियां हैं। कंपनी ने इस संशोधन का आंकलन किया है और इसके समेकित वित्तीय विवरणों पर इसका कोई प्रभाव नहीं है।

भारतीय एएस 37 - प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक परिसंपत्तियां - इस संशोधन में यह बताया गया है कि एक ठेके को 'पूरा करने की लागत' में 'ठेके से प्रत्यक्ष संबंधित लागतें' शामिल होती हैं। ठेके से प्रत्यक्ष रूप से संबंधित लागतें उस ठेके को पूरा करने की वृद्धिशील लागत हो सकती हैं (जैसे प्रत्यक्ष श्रम, सामग्री) या ऐसी अन्य लागतों का आबंटन हो सकता है जो ठेके पूरा करने से सीधे संबंधित हो सकते हैं (जैसे ठेके को पूरा करने में प्रयुक्त संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की मद के लिए मूल्यह्रास प्रभार का आबंटन)। इस संशोधन को अपनाने की प्रभावी तारीख 1 अप्रैल, 2022 को या उसके बाद शुरु होने वाली वार्षिक अवधियां हैं, हालांकि इसे पहले अपनाने की अनुमति है। कंपनी ने इस संशोधन का आंकलन किया है और इसका प्रभाव महत्वपूर्ण होना अपेक्षित नहीं है।

भारतीय लेखा मानक स्टैन्डअलोन वित्तीय विवरणों पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

कार्पोरेट सूचना

साथ में दिए गए वित्तीय विवरणों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (कंपनी) के वित्तीय विवरण हैं। कंपनी भारत में स्थित एक सरकारी कंपनी है और भारत में लागू कंपनी अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत निगमित है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर भारत में दो मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं। कंपनी का पंजीकृत कार्यालय और इसके कारोबार का मुख्य स्थान बेंगलूरु, कर्नाटक, भारत में स्थित है ।

कंपनी रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन एक सरकारी क्षेत्र का उद्यम है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड रक्षा क्षेत्र के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और प्रणालियों का निर्माण और आपूर्ति करती है। रक्षा क्षेत्र के अलावा, कंपनी असैनिक बाजार में भी सीमित स्तर तक मौजूद है।

उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

1. तैयार करने का आधार

वित्तीय विवरण भारत में आम तौर पर मान्य लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के अनुसार तैयार किए जाते हैं और प्रस्तुत किए जाते हैं जिनमें अनिवार्य भारतीय लेखा मानक (भारतीय एएस) [कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 जिसे कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के नियम 3 के साथ पढ़ा जाना है, के तहत यथा अधिसूचित], समय-समय पर यथा संशोधित, और जो जहाँ तक लागू हैं, कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधान शामिल हैं और इन्हें निरंतरता के साथ लागू किया गया है।

2. प्राक्कलनों का प्रयोग

जीएएपी के अनुरूप वित्तीय विवरण की तैयारी के लिए प्रबंधन के लिए यह आवश्यक होता है कि वह ऐसे अनुमान और पूर्वानुमान लगाए जो वित्तीय विवरणों की तारीख पर रिपोर्ट की गई परिसंपत्तियों और देनदारियों की रिपोर्ट की गई राशियों, आकस्मिक देयता और आकस्मिक परिसंपत्तियों के प्रकटण को प्रभावित करते हैं। यद्यपि ऐसे अनुमान सभी उपलब्ध सूचनाओं को ध्यान में रखते हुए औचित्यपूर्ण और दूरदर्शी आधार पर किए जाते हैं, तथापि वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं और ऐसे अंतरों को उस अवधि में निर्धारित किया जाता है जिसमें परिणाम अभिनिश्चित किए जाते हैं।

3. मापन का आधार

वित्तीय विवरणों को ऐतिहासिक लागत के आधार पर तैयार किया गया है सिवाय निम्नलिखित परिसंपत्तियों और दायित्वों के, जिन्हें उचित मूल्य पर मापा गया है-

- व्युत्पन्नी वित्तीय विलेख, यदि कोई हो
- वित्तीय परिसंपत्तियाँ और देयताएँ जो उचित मूल्य पर मापे जाने योग्य हैं
- निर्धारित अनुलाभ परिसंपत्ति / देयता को निर्धारित अनुलाभ देयता के वर्तमान मूल्य में से योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य को घटाकर निर्धारित किया जाता है ।

4. कार्यात्मक और प्रस्तुति मुद्रा

वित्तीय विवरण भारतीय रुपए (आईएनआर) में प्रस्तुत किए जाते हैं जो कंपनी की कार्यात्मक और प्रस्तुति मुद्रा है ।

5. राजस्व का निर्धारण

क) ग्राहकों के साथ ठेका से राजस्व

i. राजस्व को तब निर्धारित किया जाता है जब (या जैसे) कंपनी ग्राहक को वचनबद्ध माल या सेवाओं (जैसे परिसंपत्ति) को अंतरित करते हुए कार्य-निष्पादन की देयता को पूरी करती है ।

ii. समय के साथ कार्य-निष्पादन देयता को पूरा करना

क. राजस्व को ऐसे समय के दौरान निर्धारित किया जाता है जहाँ उस कार्य-निष्पादन देयता की पूर्ति के लिए हुई प्रगति को मापते हुए समय के साथ माल या सेवाओं का नियंत्रण अंतरित किया जाता है यदि निम्न से कोई भी एक मानदंड पूरा किया जाता हो-

- कंपनी के कार्य-निष्पादन से ग्राहक को कंपनी के कार्य-निष्पादन करने के साथ-साथ अनुलाभ प्राप्त करने और उनका उपभोग करने का हक मिलता है।
- कंपनी के कार्य-निष्पादन से किसी परिसंपत्ति को तैयार किया जाता है या बढ़ाया जाता है जिसे ग्राहक परिसंपत्ति सृजित करने या बढ़ने के साथ-साथ नियंत्रित करता है।
- कंपनी के कार्य-निष्पादन से कंपनी के वैकल्पिक उपयोग के साथ परिसंपत्ति तैयार नहीं की जाती और कंपनी को यथातिथि पूर्ण किए गए कार्य-निष्पादन के लिए भुगतान का प्रवर्तनीय हक होता है।

ख. कार्य-निष्पादन देयता को पूर्ण करने के लिए की हुई प्रगति का आंकलन रिपोर्टिंग की तारीख तक संविदा पर उपगत वास्तविक लागत से संविदा को पूरा करने के लिए अपेक्षित कुल प्राक्कलित लागत के अनुपात के आधार पर किया जाता है। यदि कार्य-निष्पादन देयता के परिणाम का विश्वसनीय अनुमान नहीं लगाया जा सकता है और जहां यह संभव है कि लागत की वसूली हो जाएगी, राजस्व को उपगत लागत की सीमा तक निर्धारित किया जाता है ।

ग. एएमसी संविदाओं के मामले में जहाँ समय विस्तारण कार्य-निष्पादन देयताओं को पूर्ण करने का एक मापदंड होता है, राजस्व को निर्गत पद्धति के अनुसार निर्धारित किया जाता है।

iii. किसी निश्चित समय में कार्य-निष्पादन देयता को पूर्ण करना

क. ऐसे मामलों में जहाँ नियंत्रण का अंतरण समय के साथ नहीं होता है, कंपनी उस समय बिंदु पर राजस्व को निर्धारित करती है जब कार्य-निष्पादन देयताएँ पूरी की जाती हैं।

ख. कार्य-निष्पादन देयता को तब पूरा माना जाता है जब ग्राहक परिसंपत्ति का नियंत्रण प्राप्त करता है। नियंत्रण को अंतरित करने के सूचकों में निम्नलिखित शामिल हैं -

- कंपनी ने परिसंपत्ति के भौतिक स्वामित्व का अंतरण किया है
- ग्राहक के पास परिसंपत्ति का न्यायिक अधिकार है
- ग्राहक ने परिसंपत्ति को स्वीकार किया है
- जब कंपनी को परिसंपत्ति पर भुगतान का वर्तमान अधिकार है
- ग्राहक के पास परिसंपत्ति के स्वामित्व का महत्वपूर्ण जोखिम और प्रतिफल है। महत्वपूर्ण जोखिम और प्रतिफल स्वामित्व के अंतरण का आंकलन संविदाओं के अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक शर्तों (इन्को-टर्म) के आधार पर किया जाता है ।

कारखाना बाह्य संविदा- कारखाना बाह्य संविदाओं के मामले में, राजस्व तब निर्धारित किया जाता है, जब पूर्व निरीक्षण और स्वीकृति, यदि आवश्यक हो, के बाद निर्दिष्ट माल को किसी शर्त के बिना विनियोजित किया जाता है।

एफ.ओ.आर. संविदाएँ- एफ.ओ.आर. संविदाओं के मामले में, राजस्व को तब निर्धारित किया जाता है, जब माल पूर्व निरीक्षण और स्वीकृति यदि निर्दिष्ट हो, के बाद वाहक को खरीददार तक पारेषित करने के लिए सौंप दिया जाता है, और एफ.ओ.आर. गंतव्य संविदाओं के मामले में, यदि इस बात की उचित अपेक्षा हो कि माल लेखांकन अवधि के भीतर गंतव्य तक पहुंच जाएगा।

ग. बिल और होल्ड बिक्री

बिल और होल्ड बिक्री को तब निर्धारित किया जाता है जब निम्नलिखित मानदंडों को पूरा किया जाता है-

- बिल और होल्ड बिक्री का समुचित कारण है
- उत्पाद की अलग से पहचान की गई है कि वह ग्राहक का है
- उत्पाद वर्तमान में ग्राहक को भौतिक हस्तांतरण के लिए तैयार है
- कंपनी उत्पाद का उपयोग करने या किसी अन्य ग्राहक को निर्देशित करने में असमर्थ है।

iv. मापन

क. राजस्व को लेनदेन मूल्य की ऐसी राशि में निर्धारित किया जाता है जो कार्य-निष्पादन देयता के लिए आबंटित की गई है।

लेन-देन की कीमत उस प्रतिफल की राशि है, जिसके लिए कंपनी को उम्मीद है कि वह तीसरे पक्ष की ओर से एकत्र की गई राशि को छोड़कर, किसी ग्राहक को वचनबद्ध माल या सेवाओं को स्थानांतरित करने के बदले में हकदार होगी।

मूल्य वृद्धि और ईआरवी के मामले में, राजस्व का निर्धारण संविदाजन्य शर्तों के अनुसार ग्राहक से वसूल की जाने वाली सर्वाधिक संभावित राशि पर किया जाता है ।

ख. जहां संविदाओं में कई कार्य-निष्पादन देयताएँ शामिल हैं, कंपनी संबंधित स्टैंड-अलोन बिक्री मूल्य के आधार पर प्रत्येक कार्य-निष्पादन दायित्व के लिए लेनदेन मूल्य आबंटित करती है।

संयुक्त संविदाएँ - संयुक्त संविदा के मामले में, जहां संस्थापना और कार्यारंभ या अलग से निर्धारित किए जाने वाले किसी अन्य घटक के लिए अलग शुल्क निर्धारित नहीं है, कंपनी लेनदेन के अलग से पहचाने जाने योग्य घटकों (माल की बिक्री, संस्थापना और कार्यारंभ आदि) का निर्धारण मानदंड लागू करती है और राजस्व को इन घटकों को स्टैंडअलोन बिक्री दर के आधार पर आबंटित करती है।

एकाधिक तत्व - ऐसे मामलों में जहाँ संस्थापना और कार्यारंभ अथवा कोई अलग से निर्धारित किए जाने वाला घटक निर्दिष्ट किया गया है जिसकी कीमत पर अलग से सहमति हुई है, तो कंपनी ऐसे लेनदेन के अलग से निर्धारित किए जाने योग्य घटक (माल की बिक्री तथा संस्थापना एवं कार्यारंभ आदि) पर निर्धाण मानदंड लागू करती है और ऐसे अलग घटकों की स्टैंडअलोन बिक्री कीमत के आधार पर उनके लिए राजस्व आबंटित करती है।

ग. अगर स्टैंड-अलोन बिक्री कीमत उपलब्ध नहीं है तो कंपनी स्टैंड-अलोन बिक्री कीमत का अनुमान लगाती है।

v. जुर्माना

संविदा में निर्दिष्ट जुर्माने (सुपुर्दगी में देरी के लिए निर्णीत हर्जाने सहित) को लेनदेन की कीमत दर का अंतर्निहित हिस्सा नहीं माना जाता यदि उसकी उगाही ग्राहक के समीक्षाधीन हो।

vi. महत्वपूर्ण वित्तीय घटक

रक्षा संबंधी परियोजनाओं के निष्पादन के लिए प्राप्त अग्रिमों को महत्वपूर्ण वित्तपोषण घटक निर्धारित करने के लिए विचार में नहीं लिया जाता क्योंकि इसका उद्देश्य संविदा में शामिल पक्षकारों के हितों की रक्षा करना है।

अन्य संविदाओं के लिए, महत्वपूर्ण वित्तपोषण घटक की विद्यमानता की समीक्षा मामला-दर-मामला आधार पर की जाती है।.

ख. अन्य आय

अन्य आय का निर्धारण इस प्रकार किया जाता है-

i. ब्याज आय

ब्याज आय को प्रभावी ब्याज दर विधि का उपयोग करते हुए निर्धारित किया जाता है ।

ii. लाभांश आय

कंपनी द्वारा भुगतान प्राप्त करने का अधिकार स्थापित होने पर लाभांश आय को निर्धारित किया जाता है।

iii. किराए की आय

प्रचालनीय पट्टों से होने वाली किराए की आय का परिकलन पट्टे की अवधि पर सीधी रेखा आधार पर किया जाता है, जब तक किराए में वृद्धि अपेक्षित मुद्रास्फीति के अनुरूप नहीं होती है या अन्यथा उचित होती है।

iv. शुल्क की कमियां

निर्यात पर शुल्क की कमी के दावों का परिकलन प्रोद्भूत आधार पर किया जाता है।

v. अन्य आय

अन्य आय जिसे ऊपर विशिष्ट रूप से नहीं बताया गया है, को प्रोदभूत आधार निर्धारित किया जाता है।

6. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण, पूंजीगत चालू कार्य

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण को शुरू में लागत पर मापा जाता है और बाद में लागत में से संचित मूल्यह्रास और संचयी अनर्जक हानि, यदि कोई हो, को घटाकर मापा जाता है । इस उद्देश्य के लिए लागत में परिसंपत्ति को उसके स्थान और स्थिति में लाने से संबंधित सभी लागत शामिल किए जाते हैं। यदि किसी प्रावधान के लिए निर्धारण मानदंडों को पूरा किया जाता है, तो परिसंपत्ति को इसके उपयोग के बाद समाप्त करने के लिए अपेक्षित लागत का वर्तमान मूल्य संबंधित परिसंपत्ति की लागत में शामिल किया जाता है।

संपत्ति, संयंत्र और उपस्कर की लागत जो प्रत्येक रिपोर्टिंग तारीख पर उनके आशयित उपयोग के लिए तैयार नहीं है, को पूंजीगत चालू कार्य के रूप में प्रकट किया जाता है।

पूंजीगत चालू कार्य में आपूर्ति-सह-निर्माण संविदाएं, स्थल पर प्राप्त एवं स्वीकृत पूंजी और मार्गस्थ एवं निरीक्षणाधीन पूंजीगत माल शामिल होते हैं।

7. अमूर्त परिसंपत्तियाँ, विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्ति

आंतरिक उपयोग के लिए अर्जित साफ्टवेयर (जो संबंधित हार्डवेयर का एक अभिन्न हिस्सा नहीं है) और जिससे भविष्य में महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ अपेक्षित है, उपयोग के लिए तैयार होने पर उसकी लागत को लेखा बहियों में एक अमूर्त परिसंपत्ति के रूप में निर्धारित किया जाता है। अमूर्त परिसंपत्तियाँ जो रिपोर्ट करने की तारीख तक अपने आशयित उपयोग के लिए तैयार नहीं हैं, को "विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्ति" के रूप में वर्गीकृत किया जाता है ।

पूरे किए गए विकास कार्य की लागत, जहाँ कहीं अर्ह हो, को अमूर्त परिसंपत्ति के रूप में निर्धारित किया जाता है।

विकासाधीन कार्य की लागत, जहाँ कहीं अर्ह हो, को "विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ" के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्ति में विकास परियोजनाओं के लिए बाहरी एजेँसियों को कंपनी द्वारा वित्त पोषित राशि और कंपनी द्वारा सामग्री की लागत, कर्मचारी लागत तथा अन्य प्रत्यक्ष व्यय पर उपगत व्यय शामिल होते हैं।

अमूर्त परिसंपत्तियों को प्रारंभिक रूप से लागत पर और उसके बाद लागत में से संचित परिशोधन और संचित अनर्जक हानि, यदि कोई हो, को घटाकर मापा जाता है।

अमूर्त परिसंपत्ति को निपटान पर या जब उसके उपयोग अथवा निपटान से कोई भावी आर्थिक अनुलाभ अपेक्षित नहीं होते हैं, निर्धारण से बाहर किया जाता है। अमूर्त परिसंपत्तियों को निर्धारण से बाहर किए जाने से होने वाली लब्धि या हानि, यदि कोई हो, को लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित किया जाता है।

8. मूल्यह्रास / परिशोधन

मूल्यह्रास का परिकलन परिसंपत्तियों के अनुमानित उपयोगी जीवन पर सीधी रेखा आधार पर किया जाता है। तकनीकी आकलन के आधार पर कंपनी भवन, संयंत्र और उपकरण की कुछेक मदों तथा परिसंपत्तियों के अन्य वर्गों का मूल्यह्रास प्राक्कलित उपयोगी जीवन पर करती है जो कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में वर्णित उपयोगी जीवनकाल से अलग होते हैं। प्रबंधन का मानना है कि ये प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल वास्तविक हैं और उस अवधि के निष्पक्ष अनुमान को प्रतिबिंबित करते हैं जिन पर संपत्ति का उपयोग होने की संभावना है।

जहाँ परिसंपत्ति के किसी भाग की लागत उस परिसंपत्ति की कुल लागत के लिए उल्लेखनीय होती है और उस भाग का प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल शेष परिसंपत्ति के अनुमानित उपयोगी जीवनकाल से अलग होता है तो ऐसे उल्लेखनीय भाग के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल का अलग से निर्धारण किया जाता है और उल्लेखनीय भाग को उसके प्राक्कलित

उपयोगी जीवनकाल पर सीधी-रेखा पद्धति आधार पर मूल्यह्रास किया जाता है।

संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के अवशिष्ट मूल्य, उपयोगी जीवन और मूल्यह्रास की विधियों की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में की जाती है और यदि उपयुक्त हो, तो भविष्यलक्षी रूप से समायोजित किया जाता है।

अमूर्त परिसंपत्तियों को उनके उपयोग के लिए उपलब्ध होने की तारीख से, उनके वैयक्तिक प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल पर सीधी रेखा पद्धति आधार पर परिशोधित किया जाता है। अवशिष्ट मूल्य, उपयोगी जीवन और परिशोधन के तरीकों की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में की जाती है और उपयुक्त होने पर भविष्यलक्षी रूप से समायोजित किया जाता है।

9. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का निपटान

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की कोई मद तथा उसका कोई भाग जिसे प्रारंभ में निर्धारित किया जाता है, को उनके निपटान पर या जब उनके उपयोग या निपटान से भविष्य में कोई आर्थिक अनुलाभ अपेक्षित नहीं होता है, को निर्धारण से बाहर किया जाता है। संपत्ति, संयंत्र और उपकरण को निर्धारण से बाहर करने के कारण प्राप्त लब्धि या हानि (जिसका परिकलन निवल निपटान प्राप्ति, यदि कोई हो, और संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की वहनीय राशि के बीच के अंतर के रूप में किया जाता है) को संपत्ति, संयंत्र और उपकरण को निर्धारण से बाह करने पर लाभ व हानि के विवरण में शामिल किया जाता है।

10. अनुसंधान और विकास व्यय

(i) अनुसंधान गतिविधि पर व्यय को उसके खर्चे की अवधि के दौरान व्यय के रूप में निर्धारित किया जाता है ।

(ii) विकास व्यय (ग्राहक के अनुरोध पर शुरू किए गए विशिष्ट विकास-सह-बिक्री संविदा और विकास संबंधी परियोजनाओं के अलावा), को उपगत होने पर व्यय के रूप में प्रभारित किया जाता है। विकास-सह-बिक्री संविदाओं और विकास संबंधी परियोजनाएं जो, ग्राहक के अनुरोध पर शुरू किए जाते हैं, पर विकास संबंधी व्यय को अन्य बिक्री संविदाओं के समान माना जाता है।

संयुक्त विकास परियोजनाओं के संबंध में किए गए विकास व्यय, जो विकास साझेदार द्वारा पूरी तरह से प्रतिपूर्ति नहीं किए गए हैं, आगे ले जाया जाते हैं जहां कंपनी को उत्पादन एजेंसी के रूप में नामित किया गया है और जिनसे भविष्य के आर्थिक लाभ की उम्मीद है।

विकास परियोजनाओं की आवधिक समीक्षा की जाती है और अग्रेनीत राशि, यदि कोई हो, को ग्राहक द्वारा आदेश के लिए किसी प्रतिबद्धता के बिना परियोजना को बंद घोषित किए जाने पर शुल्क लिया जाता है।

(iii) अन्य विकास कार्यों से संबंधित व्यय (बाहरी एजेंसियों के सहयोग से किए जाने वाले संयुक्त विकास कार्य सहित) जहाँ अनुसंधान के परिणामों या अन्य ज्ञान का उपयोग नए या वर्धिक उत्पादों या प्रक्रियाओं को विकसित करने के लिए किया जाता है, को अमूर्त परिसंपत्ति के रूप में निर्धारित किया जाता है यदि भारतीय एएस 38 में दिए निर्धारण मानदंड पूरे किए जाते हों और जब विकसित उत्पाद या प्रक्रिया को तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से उपयोग करने की अपेक्षा हो, कंपनी के पास इसको पूर्ण रूप से विकसित कर इस अमूर्त परिसंपत्ति का उपयोग करने या बिक्री करने के लिए पर्याप्त संसाधन हों और वह उत्पाद या प्रक्रिया से भावी आर्थिक अनुलाभ प्राप्त होने की संभावना हो।

(iv) ग्राहक से प्राप्त कोटेशन के अनुरोध के आधार पर, लागत नहीं, प्रतिबद्धता नहीं (एनसीएनसी) परीक्षणों में भाग लेने के लिए विकास संबंधी परियोजनाओं पर किए गए खर्च को परीक्षण समाप्त होने तक आगे ले जाया जाता है और इन्हें आदेशों के प्राप्त होने पर परिशोधित किया जाता है।

यदि ग्राहक का आदेश तुरंत प्राप्त नहीं होने वाला है -

- राशि पूँजीकृत कर दी जाती है यदि उसके उपयोग से अतिरिक्त आर्थिक अनुलाभ अपेक्षित हो, या
- परियोजना को ग्राहक / अंतिम प्रयोक्ता द्वारा आदेश देने की किसी प्रतिबद्धता के बिना बंद किए जाने पर राशि प्रभारित कर दी जाती है।

11. तकनीकी जानकारी पर व्यय

तकनीकी जानकारी पर किए गए खर्च को ऐसे खर्च के उपगत होने पर लाभ व हानि के विवरण में प्रभारित किया जाता है जब तक कि वह पृथक रूप से स्वयं या अन्य परिसंपत्तियों / व्ययों के संयोजन से एक अमूर्त परिसंपत्ति के रूप में निर्धारित करने के लिए अर्ह नहीं बन जाता है ।

12. निवेश संपत्ति

निवेश संपत्तियों को प्रारंभ में लेनदेन लागत सहित लागत पर मापा जाता है। प्रारंभिक निर्धारण के बाद निवेश संपत्तियों को लागत में से संचित मूल्यह्रास और संचित हानि के नुकसान, यदि कोई हो, पर मापा जाता है।

13. गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों का ह्रास

कंपनी प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर यह मूल्यांकन करती है कि क्या किसी परिसंपत्ति के ह्रास होने के कोई संकेत तो नहीं है। अगर कोई संकेत मौजूद है, या जब परिसंपत्ति के लिए वार्षिक हानि जांच की आवश्यकता होती है, तो कंपनी परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाती है। एक परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि उसे माना जाता है जो परिसंपत्ति या नकद-पैदा करने वाली यूनिट (सीजीयू) के उचित मूल्य में से उसके निपटान लागत और उपयोग के दौरान उसके मूल्य को घटाकर जो राशि बचती है, उससे अधिक हो। किसी वैयक्तिक परिसंपत्ति की वसूल योग्य राशि निर्धारित की जाती है जब तक कि परिसंपत्ति द्वारा ऐसी नकदी प्राप्ति नहीं होती जो अन्य परिसंपत्तियों या परिसंपत्ति के समूह से उत्पन्न नकदी प्रवाह से अधिकतर स्वतंत्र नहीं है। जब किसी परिसंपत्ति या सीजीयू की

वहनीय राशि इसकी वसूली योग्य राशि से अधिक होती है, तो परिसंपत्ति को ह्रासमान माना जाता है और उसे उसकी वसूली योग्य राशि से बट्टे खाते में डाल दिया जाता है।

उपयोग के दौरान मूल्य का आंकलन करने में प्राक्कलित भावी नकदी प्रवाह को उस समय प्रचलित बाज़ार मूल्यांकन को और उचित मूल्य में से निपटान की लागत को घटाकर उसे निर्धारित करने में परिसंपत्ति विशिष्ट जोखिम को प्रतिबिंबित करने वाले कर-पूर्व डिस्काउंट दर का उपयोग करते हुए उसके वर्तमान मूल्य पर बट्टा दिया जाता है।

ह्रास के प्रावधान को तब व्युत्क्रमित किया जाता है जब किसी परिसंपत्ति या नकद सृजित करने वाली यूनिट (सीजीयू) की प्राक्कलित सेवा संभाव्यता में, ऐसी परिसंपत्ति के ह्रास को अंतिम बार निर्धारित करने की तारीख के बाद, पुनर्मूल्यांकन पर, उपयोग या बिक्री से, बढ़ोत्तरी होती हो।

14. पट्टे

पट्टेदार के रूप में कंपनी-

तृतीय पक्षकारों की संविदाएँ जिनसे कंपनी को किसी परिसंपत्ति के उपयोग का अधिकार प्राप्त होता है, का परिकलन भारतीय ए.एस. 116 - पट्टे के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है, यदि लेखा मानक में निर्दिष्ट निर्धारण मानदंड पूरे होते हों।

अल्पकालिक पट्टों से और कम मूल्य की परिसंपत्तियों से संबंधित पट्टों के भुगतान को पट्टे की अवधि पर सीधी रेखा आधार पर या अन्य क्रमबद्ध आधार, जो लागू हो, पर व्ययों के रूप में प्रभारित किया जाता है।

प्रारंभ की तारीख पर, “प्रयोग का अधिकार” के मूल्य को पट्टे के बकाया मूल्य के वर्तमान मूल्य तथा अंतर्निहित परिसंपत्ति को अलग करने या हटाने तथा जिसे संयंत्र, संपत्ति और उपकरण के भाग के रूप में प्रस्तुत किया गया है, की किसी प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागत या प्राक्कलित लागत, यदि कोई हो, पर पूँजीकृत किया जाता है।

इसके बाद प्रयोग का अधिकार परिसंपत्ति का मापन लागत मॉडल द्वारा किया जाता है।

पट्टे की देयता उस राशि के लिए सृजित की जाती है जो पट्टे के बकाया भुगतान के वर्तमान मूल्य के समतुल्य हो और उसे उधार के रूप में दर्शाया जाता है।

पट्टे के प्रत्येक भुगतान को सृजित देयता और वित्त लागत के बीच आबंटित किया जाता है। वित्त लागत को पट्टे की अवधि पर लाभ व हानि के विवरण में प्रभारित किया जाता है ताकि इससे प्रत्येक अवधि के लिए देयता की शेष राशि पर ब्याज की स्थिर आवधिक दर प्राप्त हो सके।

प्रयोग के अधिकार की परिसंपत्ति का मूल्यह्रास परिसंपत्ति के उपयोगी जीवनकाल से कम अवधि पर और सीधी रेखा आधार पर पट्टे की अवधि पर किया जाता है ।

पट्टे के भुगतान को पट्टे में निहित ब्याज दर का उपयोग कर भुनाया जाता है यदि इसकी दर निर्धारित की जा सकती हो या कंपनी की वृद्धिशील उधार दर पर भुनाया जाता है।

पट्टे के संशोधन, यदि कोई हो, का परिकलन अलग पट्टे के रूप में किया जाता है यदि मानक में निर्दिष्ट मानदंड पूरे किए जाते हों।

पट्टाकर्ता के रूप में कंपनी-

पट्टों को भारतीय ए.एस. 116 - पट्टे में निर्दिष्ट निर्धारण मानदंडों के आधार पर प्रचालन पट्टे या वित्त पट्टे के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

क) वित्तीय पट्टा -

प्रारंभ की तारीख में, “पट्टे में निवल निवेश” के समतुल्य राशि लेनदारी के रूप में दर्शाई जाती है। “पट्टे में निवल निवेश” के मूल्य का मापन करने के लिए अंतर्निहित ब्याज दर का उपयोग किया जाता है।

पट्टे के प्रत्येक भुगतान को सृजित लेनदारी और वित्त आय के बीच आबंटित किया जाता है। वित्त लागत को पट्टे की अवधि पर लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित किया जाता है ताकि पट्टे में निवल निवेश पर प्राप्ति की स्थिर आवधिक दर दर्शाई जा सके।

परिसंपत्ति की जाँच विनिर्धारण और भारतीय ए.एस. 109 - वित्तीय विलेख के अनुसार अनर्जकता की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए की जाती है।

पट्टे के संशोधन, यदि कोई हों, का परिकलन अलग पट्टे के रूप में किया जाता है यदि उक्त मानक में निर्दिष्ट निर्धारण मानदंड पूरे किए जाते हों।

ख) प्रचालनीय पट्टा -

कंपनी प्रचालनीय पट्टों के पट्टे के भुगतान को सीधी-रेखा आधार या किसी दूसरे क्रमबद्ध आधार, यदि आवश्यक हो, पर आय के रूप में निर्धारित करती है।

पट्टे के संशोधन, यदि कोई हों, का परिकलन अलग पट्टे के रूप में किया जाता है यदि उक्त मानक में निर्दिष्ट निर्धारण मानदंड पूरे किए जाते हों।

15. उधार की लागत

उधार की लागतें प्रत्यक्ष रूप से ऐसी परिसंपत्ति के अधिग्रहण, निर्माण या उत्पादन के कारण होती है जिसमें उसके आशयित उपयोग के लिए तैयार होने की सारभूत अवधि आवश्यक रूप से लगती है या बिक्री को परिसंपत्ति की लागत के भाग के रूप में पूँजीकृत किया जाता है । उधार की सामान्य लागतों को उस परिसंपत्ति पर खर्च की पूँजीकरण दर का उपयोग करते हुए अर्हक परिसंपत्तियों में पूँजीकृत किया जाता है । पूँजीकरण की दर विशिष्ट उधार को छोड़कर, सामान्य उधार बकाया पर लागू उधार की

लागतों का भारित औसत होती है । उधार की अन्य सभी लागतों के व्यय उस अवधि में किए जाते हैं जिसमें वे उपगत होते हैं । उधार की लागतों में ब्याज और ऐसी अन्य लागतें शामिल होती है जो एक निकाय निधियों के उधार के संबंध में उपगत करता है । उधार की लागत में विनिमय के ऐसे अंतर भी शामिल होते हैं जहाँ तक उन्हें उधार की लागतों का समायोजन माना जाता है ।

16. सरकारी अनुदान

सरकार से प्राप्त अनुदान उचित मूल्य पर मापे जाते हैं जिन्हें शुरू में आस्थगित आय के रूप में निर्धारित किया जाता है।

अचल परिसंपत्ति के अधिग्रहण के कारण आस्थगित आय में उपलब्ध राशि को संबंधित परिसंपत्ति का ह्रास मूल्य के अनुपात में अधिग्रहण के लिए उपयोग किए जाने वाले सरकारी अनुदानों तक सीमित करते हुए लाभ और हानि विवरण में स्थानांतरित किया जाता है।

राजस्व व्यय के कारण आस्थगित आय में उपलब्ध राशि को कुल मंजूर लागत और वित्त-पोषण के अनुपात अनुमान के अनुसार व्यय और सरकारी अनुदान तक सीमित रखते हुए वहित लाभ और हानि विवरण में स्थानांतरित किया जाता है।

17. संयुक्त उद्यम और एसोसिएट में निवेश

कम्पनी अपने सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों में अपने हितों को लागत के अनुसार अलग-अलग वित्तीय विवरण में दर्शाता है।

18. वस्तुसूचियां

प्रयोज्य रद्दी को छोड़कर कंपनी के सभी वस्तु सूचियां मूल्य या निवल वसूली योग्य मूल्य में से कम पर मूल्यित किए जाते है। रद्दी अनुमानित निवल प्राप्य मूल्य पर मूल्यित किया जाता है। सामग्री की लागत का भारित औसत लागत सूत्र का उपयोग करते हुए पता लगाया जाता है।

कार्य प्रगति और तैयार माल की लागत में सामग्री, प्रत्यक्ष श्रम और उपयुक्त उपरी प्रभार शामिल हैं।

वस्तु सूचियों के लिए पर्याप्त प्रावधान किया जाता है जो पांच वर्ष से अधिक पुराना हो, जो आगे उपयोग के लिए आवश्यक नहीं हो सकता है।

19. आय कर

आयकर में मौजूदा और आस्थगित कर शामिल हैं।

(i) वर्तमान आय कर

वर्तमान कर परिसंपत्तियां और देनदारियां कराधान प्रधिकारियों से अपेक्षित वसूली की या भुगतान की राशि पर मापे जाते है। इस राशि की गणना करने के लिए प्रयुक्त कर की दरें और कर कानून उन रिपोर्टिंग तारीखों पर अधिनियमित या मूल रूप से अधिनियमित होते हैं। ऐसी मदों से संबंधिक चालू कर जिसे प्रत्यक्ष रूप से अन्य व्यापक आय में निर्धारित किया जाता है या इक्विटी को अन्य व्यापक आय में या इक्विटी में निर्धारित किया जाता है, लाभ और हानि के विवरण में नहीं।

(ii) आस्थगित कर

आस्थगित कर रिपोर्टिंग तिथि पर वित्तीय रिपोर्टिंग प्रयोजनों के लिए परिसंपत्तियों और देनदारियों के कर आधारों के बीच अस्थायी अंतर और उनकी आगे लाई गई राशि के साथ तुलन-पत्र विधि का उपयोग करते हुए प्रदान किया जाता है।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों को सभी कटौती योग्य अस्थायी अंतर, अप्रयुक्त कर क्रेडिट को आगे ले जाते हुए और अप्रयुक्त कर हानियों के लिए निर्धारित किया जाता है जहाँ तक कि इस बात की संभावना हो कि कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसके समक्ष कटौती योग्य अस्थायी अंतर का उपयोग किया जा सकता है।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों की मात्रा प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर समीक्षा की जाती है और इस हद तक कम हो जाती है कि यह अब संभव नहीं है कि आस्थगित कर संपत्ति के सभी या हिस्से का उपयोग करने के लिए पर्याप्त कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा।

20. वारंटियों के लिए प्रावधान

कार्य-निष्पादन की गारंटी और बेचे गए माल के प्रतिस्थापन / मरम्मत के कारण व्यय का प्रावधान प्रवृत्ति आधारित अनुमानों के आधार पर किया जाता है।

ऐसे मामले में जहाँ प्रवृत्ति का पता लगाने योग्य नहीं है, प्रबंधन के सर्वोत्तम अनुमानों के आधार पर वारंटी का प्रावधान किया जाता है।

21. विदेशी मुद्राएं के लेनदेन और रूपांतरण

विदेशी मुद्राओं में लेन-देन शुरू में कंपनी द्वारा उस तारीख की संबंधित मुद्रा विनिमय दरों पर दर्ज किया जाता है जिस तारीख में ऐसे लेनदेन निर्धारित करने के लिए पहले अर्ह होते हैं। विदेशी मुद्रा में मूल्यवर्गित मौद्रिक परिसंपत्तियों और देयताओं को रिपोर्टिंग की तारीख में अंतिम मुद्रा-विनिमय दर का प्रयोग करते हुए कार्यशील मुद्रा में रपांतरित किया जाता है। मौद्रिक मदों के निपटान या रूपांतरण से आने वाले अंतर को लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित किया जाता है। गैर-मौद्रिक मदें जिन्हें विदेशी मुद्रा में ऐतिहासिक लागत के परिप्रेक्ष्य में मापा जाता है, को प्रारंभिक लेनदेन की तारीखों की मुद्रा-विनिमय दर का प्रयोग करते हुए रूपांतरित किया जाता है।

22. कर्मचारी हितलाभ

(i) संबंधित सेवाएँ प्रदान करने के बारह महीनों के भीतर पूरी तरह देय सभी कर्मचारी हितलाभों को अल्पावधि कर्मचारी हितलाभ के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और उनमे मुख्य रूप से शामिल हैं (क) मजदूरी और वेतन; (ख) अल्पकालिक प्रतिपूरक अनुपस्थिति; (ग) लाभ-भाजन, प्रोत्साहन और बोनस और (घ) गैर-मौद्रिक लाभ

जैसे चिकित्सा देखभाल, सहायता-प्राप्त परिवहन, कैंटीन सुविधाएं आदि, जिन्हें बट्टारहित आधार पर मूल्यांकित किया जाता है और संबंधित सेवाएं प्रदान करने की अवधि के दौरान निर्धारित किया जाता है।

(ii) दीर्घकालीन प्रतिपूरक अनुपस्थितियाँ जैसे वार्षिक छुट्टी, बीमारी छुट्टी और आधा वेतन छुट्टी को प्रक्षेपित यूनिट क्रेडिट विधि का प्रयोग करते हुए बीमांकिक आधार पर वार्षिक रूप से निर्धारित देयता के वर्तमान मूल्य तथा तुलन-पत्र में किए गए प्रावधान के वहनीय मूल्य के बीच के अंतर के रूप में निर्धारित किया जाता है और इसका प्रावधान किया जाता है।

(iii) कर्मचारियों को उपदान और कर्मचारी भविष्य निधि के भुगतान के लिए वृद्धिशील देयता का निर्धारण प्रक्षेपित यूनिट क्रेडिट विधि का प्रयोग करते हुए बीमांकिक आधार पर वार्षिक रूप से निर्धारित देयता के वर्तमान मूल्य और इस प्रयोजनार्थ स्थापित अनुमोदित ट्रस्ट जिसके लिए भविष्य निधि के मामले में मासिक अंशदान किए जाते हैं और उपदान के मामले में एकमुश्त अंशदान दिए जाते हैं, में वित्त-पोषित योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य के बीच के अंतर के रूप में निर्धारित की जाती है।

(iv) बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना (बीईआरईसीएचएस) के तहत वृद्धिशील देयता का निर्धारण प्रक्षेपित यूनिट क्रेडिट विधि का प्रयोग करते हुए बीमांकिक आधार पर वार्षिक रूप से किया जाता है और इसका प्रावधान किया जाता है।

(v) वर्ष की बीमांकिक देयता का निर्धारण प्रत्येक वर्ष जनवरी के अंत में कर्मचारियों के संदर्भ में किया जाता है।

(vi) बीमांकिक लाभ और हानि और योजित परिसंपत्तियों (ब्याज को छोड़कर) पर प्राप्ति और परिसंपत्ति की ऊपरी सीमा का प्रभाव (यदि कोई हो, ब्याज को छोड़कर) का निर्धारण अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में तुरंत किया जाता है। निवल निर्धारित देयता (परिसंपत्ति) पर निवल ब्याज व्यय (आय) का परिकलन बट्टे की दर लागू करते हुए किया जाता है जिसका प्रयोग वर्ष के दौरान अंशदान और अनुलाभ भुगतानों के परिणामस्वरूप, किसी परिवर्तन को ध्यान में रखने के बाद, वित्तीय वर्ष के प्रारंभ में निवल निर्धारित देयता (परिसंपत्ति) में निवल निर्धारित देयता (परिसंपत्ति) को मापने में किया जाता है। निर्धारित अनुलाभ योजनाओं से संबंधित निवल ब्याज व्यय तथा अन्य व्ययों को लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित किया जाता है।

जब किसी योजना का लाभ बदल जाता है या जब कोई योजना कम की जाती है, तो अनुलाभ में परिणामी परिवर्तन जो पिछली सेवा से या ऐसी कटौती पर लब्धि या हानि से संबंधित होता है, को लाभ व हानि के विवरण में तुरंत निर्धारित किया जाता है।

(vii) स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति अनुलाभों का भुगतान होने पर उसे राजस्व को प्रभारित किया जाता है।

(viii) निर्धारित अंशदान योजना

कंपनी अपने कर्मचारियों के लिए कर्मचारी पेंशन योजना और अधिवार्षिता पेंशन योजना संचालित करती है जिन्हें निर्धारित योगदान योजनाओं के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। निर्धारित अंशदान योजनाओं के लिए, कंपनी कर्मचारियों के वेतन के एक निश्चित प्रतिशत पर स्वतंत्र रूप से संचालित निधियों में अंशदान देती है। इन योगदानों को लाभ व हानि के विवरण में दर्ज किया गया है। कंपनी की देयता इन योजनाओं में दिए गए अंशदान की सीमा तक ही सीमित है।

23. प्रावधान

क. प्रावधान

प्रावधान तब निर्धारित किए जाते हैं जब किसी पिछली घटना के परिणामस्वरूप कंपनी की वर्तमान देयता (कानूनी या प्रलक्षित) होती है, हो सकता है कि आर्थिक लाभों में शामिल संसाधनों का बहिर्वाह देयता के निपटान के लिए आवश्यक हो और ऐसी देयता की राशि का विश्वसनीय अनुमान लगाया जा सकता हो। जब कंपनी कुछ या सभी प्रावधानों की प्रतिपूर्ति की अपेक्षा करती है, उदाहरण के लिए, बीमा संविदा के तहत, प्रतिपूर्ति एक अलग परिसंपत्ति के रूप में निर्धारित की जाती है, लेकिन केवल तभी, जब प्रतिपूर्ति लगभग निश्चित हो। ऐसे प्रावधान से संबंधित व्यय किसी भी प्रतिपूर्ति के निवल के रूप में लाभ व हानि के विवरण में दर्शाया जाता है।

दुर्वह संविदाओं का प्रावधान तब निर्धारित किया जाता है जब संविदा से कंपनी को प्राप्त होने वाले अपेक्षित अनुलाभ संविदा के तहत इसकी देयताओं को पूरा करने की अपरिहार्य लागत से कम होते हैं। ऐसे प्रावधान को संविदा समाप्त होने की अपेक्षित लागत से कम के वर्तमान मूल्य और संविदा जारी रखने की अपेक्षित निवल लागत से मापा जाता है। प्रावधान स्थापित करने से पहले, कंपनी ऐसी संविदा से जुड़ी परिसंपत्तियों पर किसी प्रकार की अनर्जक हानि को निर्धारित करती है।

यदि धन के समय मूल्य का प्रभाव महत्वपूर्ण होता है तो चालू कर-पूर्व दर जो विनियोजित होने पर देयता के लिए विशिष्ट जोखिम दर्शाता है, का प्रयोग करते हुए ऐसे प्रावधानों को भुनाया जाता है। जब ऐसी भुनाई का उपयोग किया जाता है, तो समय बीतने के कारण प्रावधान में बढ़ोत्तरी को वित्त लागत के रूप में निर्धारित किया जाता है।

ख. आकस्मिक देयताएं / परिसंपत्तियाँ

आकस्मिक देनदारियों / परिसंपत्तियों को प्रबंधन की जानकारी तक वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों के माध्यम से प्रकट किया जाता है।

24. नकद प्राप्ति विवरण

नकद प्राप्ति का विवरण भारतीय एएस 7 - नकदी प्राप्ति विवरण में वर्णित अप्रत्यक्ष विधि के अनुसार तैयार किया जाताहै।

25. उचित मूल्य का मापन

कंपनी कुछ वित्तीय विलेखों को अपने वित्तीय विवरणों में प्रत्येक रिपोर्टिंग तारीख पर उचित मूल्य पर मापती है जैसे व्युत्पन्नी तथा अन्य मदें।

सभी परिसंपत्तियां और देनदारियां जिनके लिए उचित मूल्य को वित्तीय विवरणों में मापा या प्रकट किया गया है, को निम्नतम स्तर इनपुट जो संपूर्ण रूप से उचित मूल्य के मापन के लिए महत्वपूर्ण है, के आधार पर उचित मूल्य के पदानुक्रम में वर्गीकृत किया जाता है -

स्तर 1 - समरूप परिसंपत्तियों या देयताओं के लिए सक्रिय बाजार में कोट की गई कीमतें (असमायोजित)।

स्तर 2 - स्तर 1 में शामिल कोट की गई कीमतों के अलावा अन्य निविष्टियाँ जो प्रत्यक्ष रूप से या परोक्ष रूप से परिसंपत्ति या देयता के लिए प्रेक्षणीय है (यानी कीमतों से व्युत्पन्न)।

स्तर 3 - ऐसी परिसंपत्तियों या देयताओं की निविष्टियाँ जो प्रेक्षणीय बाज़ार आंकड़ों पर आधारित नहीं हैं (अप्रेक्षणीय निविष्टियां)।

उचित मूल्य प्रकटीकरण के प्रयोजनार्थ, कंपनी ने प्रकृति, विशेषताओं और परिसंपत्तियों या देयताओं के जोखिमों और उचित मूल्य पदानुक्रम के स्तर के आधार पर परिसंपत्तियों और देयताओं के वर्गों का निर्धारण किया है।

26. वित्तीय परिसंपत्तियां

(i) प्रारंभिक निर्धारण और मापन

सभी वित्तीय परिसंपत्तियां शुरू में उचित मूल्य पर निर्धारित की जाती हैं। यदि वित्तीय परिसंपत्तियों को लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर दर्ज नहीं किया जाता है, तो लेनदेन की लागत वित्तीय परिसंपत्ति के अधिग्रहण के कारण होती है जिसे परिसंपत्ति की लागत में शामिल किया जाता है।

(ii) अनुवर्ती मापन

अनुवर्ती माप के प्रयोजनार्थ, वित्तीय परिसंपत्तियों को चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है-

- परिशोधित लागत पर मापे गए ऋण विलेख,
- अन्य व्यापक आय (एफवीटीओसीआई) के माध्यम से उचित मूल्य पर मापे गए ऋण विलेख,
- लाभ या हानि (एफवीटीपीएल) के माध्यम से उचित मूल्य पर मापे गए ऋण विलेख, व्युत्पन्नी और इक्विटी विलेख,
- अन्य व्यापक आय (एफवीटीओसीआई) के माध्यम से उचित मूल्य पर मापे गए इक्विटी विलेख।

(iii) विनिर्धारण

किसी वित्तीय परिसंपत्ति या उसका हिस्से को तब विनिर्धारित किया जाता है जब परिसंपत्ति से नकदी प्राप्त करने के अधिकार की समय सीमा समाप्त हो जाती है।

(iv) व्यापार और अन्य लेनदारियां

लेनदारियों को प्रारम्भ में उचित मूल्य पर निर्धारित किया जाता है, जो ज्यादातर मामलों में मामूली मूल्य के लगभग होता है। यदि ऐसा कोई अनुवर्ती संकेत हो कि उन परिसंपत्तियों का ह्रास हो सकता है, तो हानि के लिए उनकी समीक्षा की जाती हैं।

27. वायदा संविदाएं

कंपनी अपने विदेशी मुद्रा जोखिमों का बचाव करने के लिए वायदा मुद्रा संविदा जैसे व्युत्पन्नी वित्तीय विलेखों का उपयोग करती है। ऐसे व्युत्पन्न वित्तीय विलेखों को प्रारंभ में उस तारीख को उचित मूल्य पर निर्धारित किया जाता है जिस पर व्युत्पन्नी संविदा की जाती है और बाद में उचित मूल्य पर फिर से मापा जाता है। व्युत्पन्नी को वित्तीय संपत्ति के रूप में लिया जाता है जब उचित मूल्य धनात्मक होता है और वित्तीय देयताओं के रूप में उचित मूल्य ऋणात्मक होता है ।

28. अंतर्निहित व्युत्पन्नी

आवश्यकता पड़ने पर अंतर्निहित व्युत्पन्नी को समूह संविदा से अलग किया जाता है और उचित मूल्य पर मापा जाता है।

29. नकद और नकद समतुल्य

नकद में हस्तस्थ नकद और मांग जमा शामिल हैं। नकद समतुल्य तीन महीने या उससे कम की मूल परिपक्वता के अत्यधिक अल्पकालिक चलनिधि निवेश होते हैं जो नकदी की ज्ञात राशि में आसानी से परिवर्तनीय होते हैं और जो मूल्य में परिवर्तन के मामूली जोखिम के अधीन होता है।

बैंक ओवरड्राफ्ट, यदि कोई हो, को तुलन-पत्र में चालू देयताओं के तहत उधार के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

30. वित्तीय परिसंपत्तियों का ह्रास

भारतीय ए.एस. 109 के अनुसार, कंपनी ऋण जोखिम वाली वित्तीय परिसंपत्तियों के ह्रास के मापन एवं निर्धारण के लिए प्रत्याशित क्रेडिट हानि (ईसीएल) पद्धति का उपयोग करती है।

क. सरकार / सरकारी विभागों / सरकारी कंपनियों से कालातीत बकाया राशि को आम तौर पर ऐसी वित्तीय परिसंपत्तियों के क्रेडिट जोखिम में वृद्धि नहीं माना जाता है।

ख. यदि देय कानूनी कार्यवाही में विवादित होते हैं तो वहां प्रावधान किया जाता है अगर कोई निर्णय कंपनी के खिलाफ दिया जाता है, भले ही इसके लिए उच्चतर प्राधिकारियों / न्यायालयों में अपील की गई हो।

ग. समय की महत्वपूर्ण अवधि के बकाया देय की समीक्षा की जाती है और मामला-दर-मामला आधार पर प्रावधान किया जाता है।

हानि भत्ता (या व्युत्क्रमण) को लाभ व हानि के विवरण में व्यय / आय के रूप में निर्धारित किया जाता है ।

31. वित्तीय देयताएं

(i) प्रारंभिक निर्धारण और मापन

वित्तीय देयताओं को ऋण, उधार, प्रदेय या व्युत्पन्नी, के रूप में लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य में, जैसा उपयुक्त हो, पर वर्गीकृत किया जाता है ।

ऋण, उधार और प्रदेय को लेनदेनों की ऐसी निवल लागत उन पर दर्शाया जाता है जो प्रत्यक्ष रूप से उनके कारण सृजित होते हैं।

(ii) अनुवर्ती मापन

वित्तीय देयताओं का मापन नीचे बताए गए अनुसार उनके वर्गीकरण पर निर्भर करता है-

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताएं-

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताओं में लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य में प्रारंभिक निर्धारण पर दी गई वित्तीय देयताएं शामिल हैं। इस श्रेणी में कंपनी द्वारा तैयार किए गए ऐसे व्युत्पन्नी वित्तीय विलेख भी शामिल हैं, जिन्हें भारतीय ए.एस. 109 में परिभाषित बचाव संबंधों में बचाव विलेख के रूप में निर्दिष्ट नहीं किया गया है। विलगित अंतर्निहित व्युत्पन्नों को भी व्यापार के लिए धारित के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जब तक कि उन्हें प्रभावी बचाव विलेख नहीं कहा जाता है। व्यापार के लिए धारित देयताओं पर लाभ या हानि को लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित किया जाता है ।.

(iii) ऋण और उधार

प्रारंभिक निर्धारण के बाद, ब्याजयुक्त ऋणों और उधार को कबाद में प्रभावी ब्याज दर पद्धति (ईआईआर) का उपयोग करते हुए परिशोधित लागत पर मापा जाता है। लाभ और हानि को लाभ या हानि के रूप में तब निर्धारित किया जाता है जब देयताओं को ईआईआर परिशोधन प्रक्रिया के साथ-साथ विनिर्धारित किया जाता है ।

वित्तीय देयता को तब विनिर्धारित किया जाता है जब देयता के तहत दायित्व का निर्वहन किया जाता है या उसे रद्द या समाप्त किया जाता है।

(iv) व्यापार और अन्य देय

देयताओं का निर्धारण प्राप्त माल या सेवाओं के लि भविष्य में अदा की गई राशि के लिए किया जाता है चाहे वे आपूर्तिकर्ता द्वारा बिल किए गए हों या न हों।

32. वित्तीय विलेखों का पुन: वर्गीकरण

कंपनी प्रारंभिक निर्धारण पर वित्तीय परिसंपत्तियों और देनदारियों का वर्गीकरण निर्धारित करती है। प्रारंभिक निर्धारण के बाद, वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए कोई पुनर्वितरण नहीं किया जाता है जो इक्विटी उपकरण और वित्तीय देनदारियां हैं। वित्तीय साधनों के लिए जो ऋण के साधन हैं, एक पुनर्वर्गीकरण केवल तभी किया जाता है जब उन परिसंपत्तियों के प्रबंधन के लिए व्यापार मॉडल में बदलाव होता है। यदि कंपनी वित्तीय परिसंपत्तियों का पुनर्वर्गीकरण करती है, ऐसा पुनर्वर्गीकरण भविष्यलक्षी रूप से किया जाता है।

33. वित्तीय विलेखों का समंजन

वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताओं का समंजन किया जाता है और निवल राशि की रिपोर्ट तुलन-पत्र में की जाती है यदि वर्तमान में निर्धारित राशियों को समंजित करने का कानूनी अधिकार प्रवर्तनीय हो और परिसंपत्तियों को वसूल करने और देयताओं को एक साथ निपटाने के लिए, निवल आधार पर निपटाने का आशय हो।

34. इक्विटी धारकों को नकद लाभांश और गैर-नकद वितरण

कंपनी इक्विटी धारकों को नकद या गैर नकद वितरण करने के लिए देयता निर्धारित करती है जब ऐसा वितरण अधिकृत हो और कंपनी के विवेकाधिकार में न हो।

35. त्रुटियां और अनुमान

यदि भारतीय ए.एस. में परिवर्तन के कारण या यदि परिवर्तन करने से वित्तीय विवरणओं के उपयोगकर्ताओं को अधिक संगत और विश्वसनीय सूचना मिलती है, तो कंपनी अपनी लेखांकन नीतियों का संशोधन करती है। लेखा नीतियों में परिवर्तन पूर्वव्यापी रूप से किए जाते हैं जब तक कि ऐसा करना अव्यवहार्य न हो ।

लेखा अनुमान में बदलाव, जिसके परिणामस्वरूप निर्धारित परिसंपत्तियों या देयताएं की मात्रा में परिवर्तन या लाभ और हानि का ब्यौरा परिवर्तन की अवधि (ओं) में भविष्यलक्षी रूप से लागू किया जाता है।

महत्वपूर्ण त्रुटियों की खोज पूर्वावधि, जिसमें ऐसी त्रुटि ज्ञात हुई की परिसंपत्तियो, देयताओं और इक्विटी की तुलनात्मक राशियों को दोबारा दर्शते हुए पूर्व प्रभावी रूप से पुनरीक्षण में परिणामित होती हैं । पूर्व की अवधि के प्रारंभिक शेषों को भी दोबारा बताया जाता है ।

36. प्रति शेयर अर्जन

कंपनी अपने साधारण शेयरों के लिए मूल एवं परिवर्तन प्रति शेयर अर्जन डेटा दर्शाती है। प्रति शेयर मूल आय की गणना कंपनी के साधारण इक्विटी धारकों के लिए लाभ या हानि को विभाजित कर सामान्य शेयरधारकों की भारित औसत संख्या द्वारा, उस समय के दौरान बकाया साधारण शेयरों से की जाती है, जो अपने शेयरों के लिए समायोजित होते हैं। परिवर्तित प्रति शेयर अर्जत कमाई सामान्य इक्विटी धारकों के लिए मुनाफे या हानि का समायोजन करते हुए और बकाया साधारण शेयरों की भारित औसत संख्या, सभी शेयरों के लिए समायोजित, सभी परिवर्तित संभावित साधारण शेयरों के प्रभावों के लिए निर्धारित करते हुए निर्धारित की जाती है।

37. रिपोर्टिंग अवधि के बाद की घटनाएं

समायोजनीय घटनाएं ऐसी घटनाएं होती हैं जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में मौजूद परिस्थितियों का अतिरिक्त साक्ष्य प्रदान करती हैं । ऐसी घटनाओं के लिए वित्तीय विवरणों को जारी करने के प्राधिकरण से पहले समायोजित किया जाता है।

गैर-समायोजन घटनाएं ऐसी घटनाएं हैं जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक उत्पन्न होने वाली स्थिति की संकेतक हैं। रिपोर्टिंग की तारीख के बाद गैर-समायोजन घटनाओं को हिसाब में नहीं लिया गया है, परंतु उन्हें प्रकट किया गया है।

हमारी संलग्न समान दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार।

कृते गुरु एंड जना
सनदी लेखाकार
फर्म पंजी. सं.006826एस

अनंत प्रसाद वी आर
साझेदार
सदस्यता सं. 218145

वाराणसी
23 मई 2022

आनंदी रामलिंगम
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

दिनेश कुमार बत्रा
निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन

सेवा में, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सदस्यों के लिए

समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा-परीक्षा पर रिपोर्ट

अभिमत

हमने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ("धारक कंपनी") और उसकी सहायक कंपनियों (धारक कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों को मिलकर "समूह" कहा गया है) और उसकी संबद्ध कंपनियों के संलग्न समेकित वित्तीय विवरणों का लेखा-परीक्षा किया है, जिसमें 31 मार्च, 2022 तक का समेकित तुलन पत्र, लाभ और हानि का समेकित विवरण (अन्य व्यापक आय सहित), इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण और समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्राप्ति का समेकित विवरण और समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणियां, जिसमें महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी (जिन्हें यहाँ इसके बाद "समेकित वित्तीय विवरण" कहा गया है) का सारांश शामिल है ।

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, भारत में आमतौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप उपरोक्त समेकित वित्तीय विवरण कंपनी अधिनियम, 2013 ("एक्ट") द्वारा आवश्यक जानकारी अपेक्षित ढंग से प्रदान करते हैं तथा सच्ची और निष्पक्ष जानकारी प्रदान करते हैं-

क) समेकित तुलन-पत्र के मामले में, 31 मार्च 2022 को ग्रुप और उसके संबंद्ध कंपनी के कार्यकलाप;

ख) लाभ व हानि के समेकित विवरण के मामले में, उस तारीख को समाप्त वर्ष के लाभ और कुल व्यापक आय;

ग) इक्विटी में परिवर्तन के समेकित विवरण के मामले में, उस तारीख को समाप्त वर्ष की इक्विटी में परिवर्तन तथा

घ) नकदी प्राप्ति समेकित विवरण के मामले में, उस तारीख को समाप्त वर्ष की नकदी प्राप्ति।

अभिमत का आधार

हमने अधिनियम की धारा 143 (10) के तहत निर्दिष्ट लेखा मानकों (" एस.ए.") के अनुसार अपनी समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है। उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को हमारी रिपोर्ट के समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारियों खंड में अतिरिक्त रूप से बतया गया है। हम नैतिक अपेक्षाएँ जो अधिनियम और उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के तहत समेकित वित्तीय विवरणों के साथ-साथ भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान ("आईसीएआई") द्वारा जारी नैतिक आचार संहिता के अनुसार ग्रूप और उसके संबद्ध कंपनी से स्वतंत्र हैं, और हमने इन अपेक्षाओं तथा आईसीएआई की आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है।

हमारा विश्वास है कि समेकित वित्तीय विवरणों पर हमने जो लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे हमारे अभिमत का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

लेखा परीक्षा के प्रमुख मामले

लेखा परीक्षा के प्रमुख मामले वे हैं जो हमारे पेशेवर निर्णय में, वर्तमान अवधि के समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा में सबसे अधिक महत्वपूर्ण थे । समेकित वित्तीय विवरणों की हमारे लेखा परीक्षा के संदर्भ में इन मामलों पर संपूर्ण रूप से विचार किया गया और उन पर हमारी राय निर्धारित करने में, हम इन मामलों पर एक अलग राय प्रदान नहीं करते हैं। हमने अपनी रिपोर्ट में सूचित किए जाने वाले लेखा-परीक्षा के प्रमुख मामलों के रूप में नीचे वर्णित मामलों का निर्धारण किया है।

क्रम. सं.	लेखा परीक्षा के प्रमुख मामले	लेखा परीक्षक के उत्तर
1	भारतीय लेखा मानक 115 - ग्राहकों की संविदा से राजस्व के प्रति राजस्व तथा संबंधित शेषों का अभिचिह्नन, मापन, प्रस्तुति और प्रकटण की सटीकता । इस मानक के अनुप्रयोग में सुस्पष्ट कार्य-निष्पादन देयताओं की पहचान, प्रत्येक अभिचिह्नित कार्य-निष्पादन देयता के लिए लेनदेन कीमत का निर्धारण, समय के दौरान या किसी निश्चित समय ऐसी कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करना सुनिश्चित करने के लिए प्रयुक्त निर्णयों का आंकलन शामिल है। इसके अतिरिक्त, इस मानक के अनुप्रयोग में संविदा को प्राप्त करने या उसे पूरा करने में उपगत लागत की राशि को अभिचिह्नित करने में प्रयुक्त निर्णय और वे अवधियाँ भी शामिल होती हैं जिनमें रिपोर्टिंग की तारीख के बाद कार्य-निष्पादन की देयताएँ पूरी की जाती हैं। ठेकों से धारित कंपनी के राजस्व में मुख्यत: रक्षा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और प्रणालियों की आपूर्ति शामिल है। (समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी संख्या 23 देखें और लेखा नीतियों का क्र. सं. 5 देखें)	**लेखा परीक्षा की प्रमुख प्रक्रियाएँ** हमारी लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं में आंतरिक नियंत्रणों तथा इस मानक के अनुप्रयोग के संबंध में उनकी प्रचालनीय प्रभावशीलता की पहचान शामिल है। हमने ऐसे लेनदेनों की सारभूत जाँच भी की है। क) हमने लागू भारतीय लेखा मानकों से तुलना करते हुए राजस्व निर्धारण नीतियों की उपयुक्तता का आकलन किया है। ख) चालू संविदाओं और नए संविदाओं के नमूने का चयन किया और कार्य-निष्पादन देयताओं की पहचान की और उसकी तुलना घारित कंपनी द्वारा अभिचिह्नित कार्य-निष्पादन देयता के साथ की। ग) संविदा में विशिष्ट रूप से उल्लेख न किए जाने पर अभिचिह्नित कार्य-निष्पादन देयता हेतु लेनदेन कीमत के आबंटन के आधार का सत्यापन किया। घ) कार्य-निष्पादन देयता पूरी करना निर्धारित करने के आधार की पहचान की गई और उसकी तुलना धारित कंपनी द्वारा समय के दौरान या किसी निश्चित समय पर कार्य-निष्पादन देयता पूरी करना निर्धारित करने में प्रयुक्त निर्णयों के साथ की गई । ङ) वचनबद्ध माल या सेवाओं के लिए कार्य-निष्पादन देयता पूरी करना निर्धारित करने हेतु विचार किए गए उचित साक्ष्यों का सत्यापन किया गया। च) ऐसी संविदाओं के संबंध में जहाँ कार्य-निष्पादन देयता पूरा करना समय पर निर्भर है, हमने राजस्व को अभिचिह्नित करने क लिए धारित कंपनी द्वारा अभिचिह्नित विधि का सत्यापन किया और यह सुनिश्चित किया कि ऐसी विधियाँ कार्य-निष्पादन देयता की प्रकृति पर विचार करते हुए उपयुक्त हैं। छ) ऐसी लागतों की पहचान करने के लिए धारित कंपनी द्वारा प्रयुक्त निर्णयों का सत्यापन किया जो संविदा को प्राप्त करने या पूरा करने में उपगत हुईं और जिस अवधि में ऐसी लागतों को परिशोधित किया जाएगा। ज) शेष कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने के लिए कंपनी के पास उपलब्ध योजना की समीक्षा की जिन्हें ऐसी अवधियों से संबंधित प्रकटण तैयार करने हेतु ग्राहक के आदेश में निर्धारित सुपुर्दगी शर्तों के आधार पर अभिचिह्नित किया गया जिनमें शेष पूरी न की गई या आंशिक रूप से पूरी की गई कार्य-निष्पादन देयताएँ रिपोर्टिंग तिथि के बाद पूरी की जानी हैं। झ) बिल और होल्ड व्यवस्थाओं के मामले में शर्त रहित विनियोजन के तहत कार्य-निष्पादन देयता की पहचान करने के लिए कंपनी द्वारा प्रयुक्त निर्णयों का सत्यापन किया।

क्रम. सं.	लेखा परीक्षा के प्रमुख मामले	लेखा परीक्षक के उत्तर
2	दुर्वह संविदाओं के संबंध में महत्वपूर्ण अनुमान- ऐसी संविदाएँ जो दुर्वह बन गई हैं, के संबंध में कार्य-निष्पादन देयताएँ पूरी करने हेतु अपरिहार्य लागतों का प्राक्कलन करना महत्वपूर्ण है। कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने के लिए अपरिहार्य लागत जो लेखा प्राक्कलन है, प्राक्कलन की अनिश्चितता के अधीन है। (समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी संख्या 21 और लेखा नीतियों का क्र.सं. 22 देखें)	**लेखा परीक्षा की प्रमुख प्रक्रिया** हमने दुर्वह संविदाओं तथा ऐसी संविदाओं को पूरा करने की लागत की पहचान करने के लिए उपलब्ध आंतरिक नियंत्रणों के संबंध में धारित कंपनी के प्रबंधन से पूछताछ की है । क) चालू तथा नए ठेकों के नमूनों का चयन किया और किसी विशेष ठेके की लागत निर्धारित करने के लिए विद्यमान नियंत्रण और उसमें पूरी न की गई / आंशिक रूप से पूरी की गई कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने की लागत के प्राक्कलन की प्रभावशीलता की जांच की। ख) नियंत्रणों और दुर्वह संविदाओं के लिए अपरिहार्य लागतों के प्राक्कलन निर्धारित करने की समुचित प्रक्रियाओं की जाँच की। ग) कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने और उसमें आई लागत को पूरा करने के लिए जारी क्रय / सेवा आदेशों का सत्यापन किया। घ) संबंधित संविदाओं पर उपगत लागतों की पहचान करने के लिए आंतरिक नियंत्रणों का सत्यापन किया और यह सुनिश्चित किया गया कि संविदा की संबंधित लागत ही दर्ज की जाती है। ङ) जुर्माने, संविदा में संशोधनों के संबंध में शेष कार्य-निष्पादन देयताओं के प्रति संविदा कीमत में संभावित कटौतियों का सत्यापन
3	समय के दौरान कार्य-निष्पादन देयता को पूरा करने की अनुमानित लागत के संबंध में महत्वपूर्ण प्राक्कलन किए गए । इस प्राक्कलन में कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने की लागत का अनुमान लगाने की निश्चितता की अंतर्निहित सीमा है। (समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी संख्या 23 और लेखा नीतियों का क्र.सं. 5 देखें)	**लेखा परीक्षा की प्रमुख प्रक्रिया -** हमने ऐसी संविदाओं की पहचान करने के लिए उपलब्ध आंतरिक नियंत्रणों के संबंध में धारित कंपनी के प्रबंधन से पूछताछ की है जहाँ समय के दौरान कार्य-निष्पादन देयता पूरी की गई हैं- क) चालू तथा नए ठेकों के नमूनों का चयन किया और किसी विशेष ठेके की लागत निर्धारित करने के लिए विद्यमान नियंत्रण और उसमें पूरी न की गई / आंशिक रूप से पूरी की गई कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने की लागत के प्राक्कलन की प्रभावशीलता की जांच की। ख) नियंत्रणों और संविदा को पूरा करने के लिए किए गए प्राक्कलन निर्धारित करने की समुचित प्रक्रियाओं की जाँच की। ग) कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने और उसमें आई लागत को पूरा करने के लिए जारी क्रय / सेवा आदेशों का सत्यापन किया। घ) संबंधित संविदाओं पर उपगत लागतों की पहचान करने के लिए आंतरिक नियंत्रणों का सत्यापन किया और यह सुनिश्चित किया गया कि संविदा की संबंधित लागत ही दर्ज की जाती है। ङ) जुर्माना, ठेका संशोधनों के संबंध में शेष कार्य-निष्पादन देयताओं के ठेका मूल्य में संभावित कटौतियों का सत्यापन किया। च) कंपनी के प्रबंधन के साथ चर्चा की और इस बात का विश्लेषण किया कि प्राक्कलित लागत ऐसे कार्यों के लिए है जो कार्य-निष्पादन देयता को पूरा करने के लिए लंबित है।

समेकित वित्तीय विवरण और उन पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के अलावा अन्य जानकारी

धारित कंपनी का निदेशक मंडल अन्य सूचनाओं की तैयारी के लिए जिम्मेदार है। अन्य सूचना में बोर्ड की रिपोर्ट शामिल है जिसमें इसके अनुलग्नक, कॉर्पोरेट गवर्नेंस और शेयरधारकों की सूचना शामिल है, लेकिन इसमें समेकित वित्तीय विवरण और उन पर हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट शामिल नहीं है।

समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय में अन्य जानकारी शामिल नहीं है और हम उन पर किसी भी प्रकार का आश्वासन निष्कर्ष व्यक्त नहीं करते हैं।

समेकित वित्तीय विवरणों की हमारे लेखा परीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी अन्य जानकारी को पढ़ना और ऐसा करते समय यह विचार करना है कि क्या अन्य जानकारी वास्तविक रूप से समेकित वित्तीय विवरणों के असंगत है या हमारी लेखा परीक्षा के दौरान प्राप्त हमारा ज्ञान या अन्यथा वास्तविक रूप से गलत बताया गया है या नहीं।

यदि हमारे द्वारा किए गए कार्य के आधार पर, हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि ऐसी अन्य जानकारी में वास्तविक रूप से गलत कथन दिए गए हैं तो हमें ऐसे तथ्य की रिपोर्ट करनी होगी। इस संबंध में हम कोई रिपोर्ट नहीं करते हैं ।

समेकित वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और गवर्नेंस का कार्य सौंपे गए लोगों का उत्तरदायित्व

समेकित वित्तीय विवरण जो अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट लेखा मानकों सहित, भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार ग्रूप और उसके संबद्ध की समेकित वित्तीय स्थिति, समेकित वित्तीय कार्य-निष्पादन, समेकित कुल व्यापक आय, समेकित इक्विटी में परिवर्तन तथा समेकित नकदी प्राप्तियों की सच्ची और सही स्थिति प्रदान करते हैं, तैयार करने के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(5) में बताए गए मामलों के लिए धारक कंपनी का निदेशक मंडल उत्तरदायी है । ग्रूप और उसकी संबद्ध कंपनियों में शामिल कंपनियों के संबंधित निदेशक मंडल ग्रूप और उसकी संबद्ध कंपनियों की परिसंपत्तियों को सुरक्षित रखने और धोखाधड़ी तथा अन्य अनियमितताओं से रोकथाम करने और उनका पता लगाने; उचित लेखा नीतियों का चयन और लागू करने; उचित और दूरदर्शी निर्णय लेने और अनुमान लगाने; और समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण तैयार करने, लागू करने और बनाए रखने जो समेकित वित्तीय विवरण, जो सच्ची और सही स्थिति दर्शाते हैं और महत्वपूर्ण मिथ्याकथनों से मुक्त हैं, चाहे कपट या त्रुटि से क्यों न हों, जिसका उपयोग यथा उपरोक्त धारक कंपनी के निदेशकों द्वारा समेकित वित्तीय विवरणों के प्रयोजन के लिए किया गया, को तैयार करने और प्रस्तुत करने से संबंधित, लेखा अभिलेखों की सटीकता और संपूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप से प्रचालित हो रहे थे, के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार समुचित लेखा अभिलेख रखने के लिए उत्तरदायी हैं।

समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने में, ग्रूप और उसकी संबद्ध कंपनियों में शामिल कंपनियों के संबंधित निदेशक मंडल एक कार्यशील संस्था के रूप में जारी रहने में ग्रूप और उसके संस्थान की क्षमता का मूल्यांकन करने, कार्यशील संस्था से संबंधित मामलों, जो लागू हो, का प्रकटण करने और लेखांकन के कार्यशील संस्था आधार का उपयोग करने के लिए उत्तरदायी है जब तक कि प्रबंधन का आशय ग्रूप को परिसमाप्त करना न हो या कामकाज बंद करना न हो या ऐसा करने के अलावा कोई अन्य विकल्प न हो ।

ग्रूप और उसकी संबद्ध कंपनियों से संबंधित निदेशक मंडल ग्रूप और उसके संबद्ध की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया का पर्यवेक्षण करने के लिए भी उत्तरदायी है।

समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक की जिम्मेदारी

हमारा उद्देश्य इस संबंध में औचित्यपूर्ण आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या ये समेकित वित्तीय विवरण पूर्णत: महत्वपूर्ण मिथ्याकथन से मुक्त हैं, चाहे वे कपट या त्रुटि के कारण हों, और अपने विचार के समर्थन में लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना है । औचित्यपूर्ण आश्वासन उच्च स्तर का आश्वासन होता है परंतु यह इस बात की गारंटी नहीं है कि एस.ए. के अनुसार की गई लेखा परीक्षा विद्यमान होने पर हमेशा किसी महत्वपूर्ण मिथ्याकथन का पता लगाएगी। मिथ्याकथन कपट या त्रुटि से उत्पन्न हो सकते हैं और उन्हें वैयक्तिक रूप से या सकल रूप से महत्वपूर्ण माने जाने पर, वे इन समेकित वित्तीय विवरणों के आधार पर प्रयोक्ताओं द्वारा लिए गए आर्थिक निर्णयों को पर्याप्त रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

एस.ए. के अनुसार लेखा परीक्षा के भाग के रूप में, हमने पेशेवर निर्णय लिया है और संपूर्ण लेखा परीक्षा के दौरान पेशेवर संशयवाद बनाए रखा है । हमने -

- कपट या त्रुटि, डिज़ाइन के कारण इन समेकित वित्तीय विवरणों के महत्वपूर्ण मिथ्याकथनों के जोखिमों की पहचान भी की है और उनका आंकलन भी किया है और ऐसे जोखिमों को कम करने वाली लेखा परीक्षा प्रक्रियाएँ पूरी की है और हमारे विचार का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और समुचित लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किया है। कपट के परिणामस्वरूप किसी महत्वपूर्ण मिथ्याकथन का पता न लगा पाने का जोखिम त्रुटि के परिणामस्वरूप होने वाले मिथ्याकथन से अधिक होता है क्योंकि कपटपूर्ण कार्य में मिली-भगत, धोखाधड़ी, जानबूझकर विलोपन, गलत-बयानी या आंतरिक नियंत्रण का उल्लंघन शामिल होता है।

- परिस्थितियों के लिए उचित लेखा परीक्षा प्रक्रियाएँ तैयार करने के उद्देश्य से लेखा परीक्षा के संगत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण को भी समझा है। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(3)(ग) के तहत, हम इस पर भी अपने विचार व्यक्त करने के लिए उत्तरदायी हैं कि क्या ग्रूप और उसके संबद्ध में समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ के साथ समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली मौजूद है और क्या ऐसे नियंत्रण प्रभावी ढंग से कार्यान्वित किए जा रहे हैं।

- प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखा नीतियों की उपयुक्तता तथा लेखा प्राक्कलनों तथा संबंधित प्रकटणों की औचित्यता का भी मूल्यांकन किया है।

- लेखांकन के कार्यशील संस्था आधार के प्रबंधन के उपयोग की उपयुक्तता का भी निष्कर्ष निकाला है और लेखा परीक्षा से प्राप्त साक्ष्य के आधार पर, चाहे कार्यशील संस्था के रूप में जारी रहने की ग्रूप और उसके संबद्ध की क्षमता पर उल्लेखनीय संदेह पैदा करने वाली घटनाओं या परिस्थितियों से संबंधित कोई महत्वपूर्ण अनिश्चितता हो या न हो । यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि महत्वपूर्ण निश्चितता है, तो हमें समेकित वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटणों के लिए अपनी लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में ध्यान आकृष्ट करना होगा या यदि ऐसे प्रकटण समुचित नहीं हैं तो अपने विचार में संशोधन करना होगा। हमारे निष्कर्ष हमारे लेखा परीक्षक की

रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। बहरहाल, भावी घटनाएँ या परिस्थितियाँ ग्रूप और उसके संबद्ध को कार्यशील संस्था के रूप में जारी रखना समाप्त कर सकती हैं।

- प्रकटण सहित समेकित वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण, संरचना एवं सामग्री का मूल्यांकन भी किया है और इस बात का भी मूल्यांकन किया है कि क्या ये समेकित वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेनों और घटनाओं को उस तरह से दर्शाते हैं कि उनका उचित प्रस्तुतीकरण किया जा सके।

समेकित वित्तीय विवरणों में मिथ्याकथनों की मात्रा की महत्ता होती है जो वैयक्तिक रूप से या सकल रूप से इसकी संभावना बनाते हैं कि इन वित्तीय विवरणों का उचित ज्ञान रखने वाले प्रयोक्ता के आर्थिक निर्णय प्रभावित हो सकते हैं। हमने (i) अपनी लेखा परीक्षा के कार्यक्षेत्र की योजना बनाने और अपने कार्य के परिणामों का मूल्यांकन करने में; और (ii) समेकित वित्तीय विवरणों में किसी अभिचिह्नित मिथ्याकथन के प्रभाव का आंकलन करने में प्रमात्रात्मक महत्ता और गुणात्मक कारकों पर विचार किया है।

हमने अपनी लेखा परीक्षा के दौरान पाई गई आंतरिक नियंत्रण की किसी उल्लेखनीय कमी सहित, लेखा परीक्षा और उल्लेखनीय लेखा परीक्षा के उल्लेखनीय परिणामों के योजित कार्यक्षेत्र और समय के संबंध में, अन्य बातों के साथ-साथ, धारक कंपनी, ऐसे अन्य संस्थान, जो इन समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल है और जिनके लिए हम स्वतंत्र लेखा परीक्षक हैं, के ऐसे लोग जिन्हें गवर्नेंस का कार्य सौंपा गया है, से बातचीत की है ।

हमने गवर्नेंस का कार्य सौंपे गए लोगों को ऐसे विवरण भी प्रदान किए हैं कि हमने स्वतंत्रता संबंधी संगत नैतिक आवश्यकताओं का पालन किया है और उन्हें ऐसे सभी संबंधों तथा अन्य मामलों के बारे में बताया है जिन्हें हमारी स्वतंत्रता से उचित ढंग से संबद्ध माना जा सकता है और जहाँ लागू हो, संबंधित बचाव किए गए हैं।

गवर्नेंस का कार्य सौंपे गए लोगों को बताए गए मामलों में से, हमने ऐसे मामलों को लिया जो चालू अवधि के समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा में सर्वाधिक महत्वपूर्ण थे, इसलिए लेखा परीक्षा के प्रमुख मामले हैं। इन मामलों का वर्णन हमने अपनी लेखा परीक्षक रिपोर्ट में किया है जब तक कि ऐसे मामले का प्रकटण कानून या विनियम द्वारा प्रतिबंधित नहीं किया जाता है या जब अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में, हम यह तय करते हैं कि मामले की सूचना हमारी रिपोर्ट में दी जानी चाहिए क्योंकि ऐसा करने के प्रतिकूल परिणाम ऐसी सूचना के लोक हित अनुलाभ से महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।

अन्य मामले

1. हमने दो सहायक कंपनियों के वित्तीय विवरण की लेखा परीक्षा नहीं की है जिनके वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2022 को रु. 45,877 लाख की कुल परिसंपत्तियाँ और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए रु. 9,822 लाख के कुल राजस्व और रु. 3,457 की निवल नकदी प्राप्ति दर्शाते हैं जैसा कि इन समेकित वित्तीय विवरणों में विचार किया गया है । समेकित वित्तीय विवरण में, वर्ष 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए सहायक कंपनियों के शेयर का निवल लाभ (अन्य व्यापक आय सहित) रु. 1,048 लाख शामिल है, जिनके वित्तीय विवरणों का हमारे द्वारा लेखा परीक्षा नहीं किया गया है ।

   समेकित वित्तीय विवरण सहायक कंपनी जिसके वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा हमारे द्वारा नहीं की गई है, में ₹ 23,392 लाख की निवल परिसंपत्तियां और ₹ 4,570 लाख के निवल लाभ (अन्य व्यापक आय सहित) के समूह के हिस्से को दर्शाते हैं।

   इन वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा की गई है जिनके रिपोर्ट प्रबंधन द्वारा हमें प्रस्तुत किए गए हैं और समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारा विचार, जहाँ तक वे इन सहायक कंपनियों और संबद्ध कंपनी के संबंध में शामिल राशियों और प्रकटणों से संबंधित हैं, और अधिनियम की धारा 143 की उप-धारा (3) और (11) के अनुसार हमारी रिपोर्ट में, जहाँ तक उक्त सहायक कंपनी और संबद्ध कंपनी से संबंधित है, ऐसे अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर एकमात्र रूप से आधारित हैं।

   समेकित वित्तीय विवरण पर हमारा विचार और नीचे दी गई अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर हमारी रिपोर्ट, किए गए कार्य और अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट तथा प्रबंधन द्वारा प्रमाणित वित्तीय विवरणों के आधार पर उक्त मामले के संबंध में हमारा विचार संशोधित नहीं है ।

2. 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए ग्रूप की तुलनात्मक वित्तीय सूचना जिसे भारतीय ए.एस. के अनुसार तैयार किया गया है और इन समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल किया गया है, की लेखा परीक्षा पूर्ववर्ती लेखा परीक्षक द्वारा किया गया है जिसमें अधिसूचना दिनांक 24 मार्च 2021 की अनुसूची ।।। के खंड ।। में दिए गए संशोधितों के संबंध में प्रस्तुती और प्रकटण संबंधी तुलनात्मक सूचना शामिल नहीं है। तुलनात्मक वित्तीय सूचना पर पूर्ववर्ती लेखा परीक्षक की रिपोर्ट दिनांक 17 अगस्त 2021 पर हमारा विचार संशोधित नहीं है।

   इन मामलों पर हमारा विचार संशोधित नहीं है।

अन्य विधिक एवं विनियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

1. लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में शामिल करने हेतु अधिनियम की धारा 143(11) के परिप्रेक्ष्य में, केंद्र सरकार द्वारा जारी कंपनी (लेखा परीक्षक की रिपोर्ट) आदेश, 2020 ("आर्डर" / "सी.ए.आर.ओ.") के अनुच्छेद 3(xxi) और 4 में निर्दिष्ट मामलों के संबंध में, हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरणों के अनुसार तथा इस समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल धारक कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों जिनके लिए सी.ए.आर.ओ. के तहत रिपोर्टिंग लागू होती है, के लिए जारी सी.ए.आर.ओ. रिपोर्ट के आधार पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि इन सी.ए.आर.ओ. रिपोर्ट की कोई अर्हता नहीं है या इनमें कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की गई है।

2. अधिनियम की धारा 143 (3) में बताई गई आवश्यकता अनुसार, हमारी लेखा परीक्षा के अनुसार जहाँ तक लागू है, हम रिपोर्ट करते हैं कि-

   क) हमने ऐसी सभी सूचनाएँ और स्पष्टीकरणों की मांग की और प्राप्त किया जो जहाँ तक हमारी जानकारी और विश्वास है, उक्त समेकित वित्तीय विवरण की लेखा परीक्षा के प्रयोजनार्थ आवश्यक थे।

   ख) हमारे विचार से, उपरोक्त समेकित वित्तीय विवरणों को तैयार करने के संबंध में कानून द्वारा यथा आवश्यक, उचित लेखा बहियाँ रखी गई हैं जैसा कि अन्य लेखा परीक्षकों की खाता बहियों और रिपोर्ट के हमारे परीक्षण से प्रतीत होता है ।

   ग) इस रिपोर्ट में व्यवहरित समेकित तुलन पत्र, लाभ व हानि की समेकित विवरणी (अन्य व्यापक आय सहित), इक्विटी में परिवर्तन की समेकित विवरणी तथा नकदी प्राप्ति समेकित विवरणी समेकित वित्तीय विवरणी तैयार करने के प्रयोजनार्थ लेखा बहियों, से प्राप्त विवरणियों के अनुरूप हैं ।

   घ) हमारे विचार से, उक्त समेकित वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 जिसे कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 7 के साथ पढ़ा जाना है, में निर्दिष्ट भारतीय लेखा मानकों का पालन करते हैं।

   ङ) चूँकि धारित कंपनी और उनकी सहायक कंपनी सरकारी कंपनी है, निदेशकों की अनर्हता के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 164(2) के प्रावधान लागू नहीं होते हैं।

   भारत में निगमित सहायक कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर, सहायक कंपनी के कोई भी निदेशक अधिनियम की धारा 164(2) के परिप्रेक्ष्य में निदेशक के पद पर नियुक्त होने के लिए यथा 31 मार्च 2022 को अयोग्य नहीं हैं।

   च) ग्रूप और उसकी संबंद्ध कंपनियों की समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता और ऐसे नियंत्रणों की प्रचालनीय प्रभावशीलता के संबंध में, **"अनुलग्नक-क"** में हमारी अलग रिपोर्ट देखें, जो धारक कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों की लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर है।

   छ) कंपनी अधिनियम, 2013, यथा संशोधित, की धारा 197(16) की अपेक्षाओं के अनुसार लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में -

   चूँकि धारक कंपनी और उसकी सहायक कंपनी सरकारी कंपनी होने के कारण और उसके संबद्ध निजी कंपनी होने के कारण, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 जिसे अनुसूची ꠲ के साथ पढ़ा जाना है, द्वारा अनिवार्य बनाए गए अनुसार प्रबंधकीय पारिश्रमिक के भुगतान से संबंधित प्रावधान लागू नहीं होते हैं।

   ज) कंपनी (लेखा परीक्षा एवं लेखा परीक्षक) नियम, 2014, यथा संशोधित के नियम 11 के अनुसार लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में, हमारे विचार से तथा जहाँ तक हमारी जानकारी है और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार -

   i. समेकित वित्तीय विवरणों में ग्रूप और उसके संबद्ध के वित्तीय स्थिति पर लंबित मुकदमों के प्रभाव को प्रकट किया गया है - समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 30(10) देखें।

   ii. ग्रूप और उसकी संबद्ध कंपनी ने दीर्घकालीन संविदाओं पर महत्वपूर्ण पूर्वानुमान योग्य हानि, यदि कोई हो, के लिए लागू कानून या लेखा मानकों के तहत यथा अपेक्षित प्रावधान किए हैं - समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं. 21 देखें । ग्रूप और उसके संबद्ध में कोई व्युत्पन्नी संविदा नहीं है ।

   iii. ग्रूप और उसकी संबद्ध कंपनी द्वारा निवेशक शिक्षा एवं संरक्षा निधि को अंतरित की जाने वाली राशि के अंतरण में कोई विलंब नहीं किया गया।

   iv. क) कंपनी और उसकी सहायक कंपनियां जो भारत में निगमित कंपनियां हैं और जिनके वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा अधिनियम के तहत की गई है, के संबंधित प्रबंधन ने हमें बताया है कि जहां तक उसकी जानकारी और विश्वास है, धारक कंपनी या उसकी किसी सहायक कंपनी द्वारा किसी अन्य व्यक्ति या संस्थान में या को, जिसमें विदेशी संस्था ("मध्यस्थ") भी शामिल है, लिखित में दर्ज या अन्यथा किसी आशय के साथ कोई निधि (जो वैयक्तिक रूप से सम्मिलित रूप से महत्वपूर्ण है) अग्रेषित नहीं की गई या ऋण या निवेश के लिए नहीं दी गई (उधार की निधियों या या शेयर प्रीमियम से या किसी अन्य स्रोत से या किसी प्रकार की निधि से) कि प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से धारक कंपनी या उसकी किसी सहायक कंपनी ("अंतिम हितलाभी") द्वारा या उसकी ओर से किसी भी प्रकार से अभिचिह्नित अन्य व्यक्तियों या संस्थानों में उधार या निवेश नहीं करेंगे या अंतिम हितलाभियों की ओर से कोई गारंटी, जमानत या इसी तरह की अन्य सुविधा प्रदान नहीं करेंगे;

ख) कंपनी और उसकी सहायक कंपनियां जो भारत में निगमित कंपनियां हैं और जिनके वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा अधिनियम के तहत की गई है, के संबंधित प्रबंधन ने हमें बताया है कि जहां तक उनकी जानकारी और विश्वास है, धारक कंपनी या उसकी किसी सहायक कंपनी द्वारा किसी अन्य व्यक्ति या संस्थान से, जिसमें विदेशी संस्था ("वित्तपोषण पक्ष'') भी शामिल है, लिखित में दर्ज या अन्यथा किसी आशय के साथ कोई निधि (जो वैयक्तिक रूप से सम्मिलित रूप से महत्वपूर्ण है) प्राप्त नहीं की गई कि धारक कंपनी या उसकी किसी सहायक कंपनी वित्तपोषण पक्ष ("अंतिम हितलाभी") द्वारा या उसकी ओर से किसी भी प्रकार से अभिचिह्नित अन्य व्यक्तियों या संस्थानों में उधार या निवेश नहीं करेंगे या अंतिम हितलाभियों की ओर से कोई गारंटी, जमानत या इसी तरह की अन्य सुविधा प्रदान नहीं करेंगे;

ग) धारक कंपनी और उसकी सहायक कंपनियां जो भारत में निगमित कंपनियां हैं और जिनके वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा अधिनियम के तहत की गई है, के संबंध में हमारे द्वारा निष्पादित परिस्थितियों में हमारे द्वारा उचित और उपयुक्त समझी गई लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर, हमारी जानकारी में ऐसी कोई बात नहीं आई है जिसके कारण हमें यह विश्वास करना पड़ा हो कि नियम 11 (ई) के उप-खंड (i) और (ii) के तहत, जैसा कि ऊपर (क) और (ख) में बताया गया है, किए गए अभ्यावेदन में कोई महत्वपूर्ण मिथ्याकथन हो।

v. समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 30(16) में बताए गए अनुसार

क) पिछले वर्ष में प्रस्तावित अंतिम लाभांश जिसे ग्रूप द्वारा वर्ष के दौरान घोषित और अदा किया गया, अधिनियम की यथा लागू धारा 123 के अनुसार है।

ख) ग्रूप द्वारा वर्ष के दौरान तथा इस रिपोर्ट की तारीख तक घोषित और अदा किया गया अंतरिम लाभांश अधिनियम की धारा 123 के अनुसार है।.

ग) धारित कंपनी के निदेशक मंडल ने वर्ष के अंतिम लाभांश का प्रस्ताव किया है जो आगामी वार्षिक आम बैठक में सदस्यों के अनुमोदन के अधीन है। प्रस्तावित लाभांश की राशि अधिनियम की यथा लागू धारा 123 के अनुसार है।

कृते गुरु एंड जना
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं.- 006826S

अनंत प्रसाद बी आर
साझेदार
सदस्यता सं.- 218145
यूडीआईएन- 22218145AJLRXT6019

वाराणसी
23 मई 2022

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की इसी दिनांक की रिपोर्ट का "अनुलग्नक-क"

(भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सदस्यों को इसी दिनांक की हमारी रिपोर्ट के "अन्य विधिक तथा विनियामक आवश्यकतों पर रिपोर्ट" खंड के तहत अनुच्छेद 2 (एफ) में संदर्भित)

कंपनी अधिनियम, 2013 ("एक्ट") की धारा 143 की उप-धारा 3 के खंड (i) के तहत समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर रिपोर्ट

हमने 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के संबंध में, हमने उक्त तारीख को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ("धारक कंपनी") और उसकी सहायक कंपनियां, जो भारत में निगमित कंपनियाँ हैं, के समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा परीक्षा की है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

धारक कंपनी और उसकी सहायक कंपनियां जो भारत में निगमित हैं, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान ("आई.सी.ए.आई.") द्वारा जारी मार्गदर्शी टिप्पणी में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रणों के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए संबंधित कंपनियों द्वारा स्थापित समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक नियंत्रण के आधार पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण संस्थापित करने और उन्हें बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है। इन जिम्मेदारियों में ऐसे समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का अभिकल्प, कार्यान्वयन और अनुरक्षण शामिल है जो कंपनी के कारोबार को उचित और प्रभावी ढंग से करना सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से किए जा रहे थे जिनमें कंपनी की नीतियों का पालन, उसकी परिसंपत्तियों की सुरक्षा, धोखाधड़ी और त्रुटियों का निवारण और पता लगाना, लेखा अभिलेखों की सटीकता और संपूर्णता और कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत अपेक्षित, विश्वसनीय वित्तीय सूचना समय पर तैयार करना शामिल हैं ।

लेखा परीक्षक की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर धारक कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों के समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर विचार व्यक्त करना है। हमने अपनी लेखा परीक्षा वित्तीय रिपोर्टिंग ("मार्गदर्शी नोट") पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण और आईसीएआई द्वारा जारी तथा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(10) के तहत वर्णित लेखा परीक्षा के मानक के अनुसार किया है जो जहां तक समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा परीक्षा पर लागू होते हैं। इन मानकों और मार्गदर्शी टिप्पणी में यह आवश्यक बनाया गया है कि हम नैतिक अपेक्षाओं का पालन करें और इस बात का औचित्यपूर्ण आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा की योजना बनाएँ और निष्पादित करें कि वित्तीय रिपोर्टिंग पर समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण संस्थापित किए गए हैं और रखे गए हैं और क्या ऐसे नियंत्रण सभी महत्वपूर्ण पहलुओं में प्रभावी ढंग से प्रचालित हैं या नहीं।

हमारी लेखा परीक्षा में समेकित वित्तीय विवरणों की रिपोर्टिंग और उनकी प्रचालनीय पर्याप्तता के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता के बारे में लेखा परीक्षा के साक्ष्य प्राप्त करने हेतु निष्पादनीय प्रक्रियाएं शामिल हैं। समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की हमारी लेखा परीक्षा में समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों को समझना, किसी महत्वपूर्ण कमजोरी होने के जोखिम का आकलन करना और आकलित जोखिम के आधार पर आंतरकि नियंत्रण की डिज़ाइन और प्रचालनीय दक्षता का परीक्षण और आकलन करना शामिल है। लेखा परीक्षक के निर्णय के अनुसार चयनित प्रक्रियाएं जिनमें वित्तीय विवरणियों के महत्वपूर्ण मिथ्याकथन की जोखिम का आंकलन, चाहे धोखाधड़ी से हो या त्रुटि से हो, शामिल हैं।

हमारा विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखा परीक्षा के साक्ष्य तथा नीचे दिए गए 'अन्य मामलों' के संदर्भ में उनकी रिपोर्ट के अनुसार अन्य लेखा परीक्षक द्वारा प्राप्त लेखा परीक्षा के साक्ष्य, धारक कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों के समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के बारे में अपनी लेखा परीक्षा का विचार प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त और समुचित है।

समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का अर्थ

समेकित वित्तीय विवरणों पर कंपनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसे सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार बाहरी प्रयोजनों के लिए वित्तीय विवरण की विश्वसनीयता के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करने के लिए अभिकल्पित है। समेकित वित्तीय विवरणों पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में ऐसी नीतियाँ और प्रक्रियाएँ शामिल हैं जो -

1) ऐसे अभिलेखों के रख-रखाव से संबंधित है जो औचित्यपूर्ण विवरण में, कंपनी की परिसंपत्तियों के लेनदेन और निपटान को सटीक और न्यायोचित ढंग से प्रतिबिंबित करते हैं;

2) इस बात का उचित आश्वासन प्रदान करते हैं कि लेनदेन सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय विवरणों को तैयार करना अनुमत करने हेतु यथा आवश्यक दर्ज किए जाते हैं और यह कि कंपनी की प्राप्तियाँ और खर्च कंपनी के प्रबंधन और निदेशों के प्राधिकरणों के अनुसार ही किए जा रहे हैं; तथा

3) कंपनी की परिसंतियों के अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग या निपटान की रोकथाम या समय पर पता लगने के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करते हैं जो वित्तीय विवरणों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते थे।

समेकित वित्तीय विवरणों पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाएँ

समेकित वित्तीय विवरणों पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं के कारण, जिसमें नियंत्रणों के टकराव या अनुचित प्रबंधन की अवहेलना की संभावना शामिल है, त्रुटि या धोखाधड़ी के कारण महत्वपूर्ण मिथ्याकथन हो सकते हैं जिनका पता नहीं चल सकता है। इसके अलावा, भावी अवधियों के लिए समेकित वित्तीय विवरणों पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के विकसित होने का पूर्वानुमान ऐसे जोखिम के अधीन होता है कि समेकित वित्तीय विवरणों पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण परिस्थितियों में परिवर्तन के कारण अपर्याप्त हो सकता है या नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन का स्तर क्षीण हो सकता है।

विचार

हमारे विचार में, जहाँ तक हमारी जानकारी है और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, धारक कंपनी और उसकी सहायक कंपनियां जो भारत में निगमित कंपनियां हैं, में सभी महत्वपूर्ण पहलुओं से, समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली मौजूद है और समेकित वित्तीय विवरणों पर ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा परीक्षा पर मार्गदर्शी टिप्पणी में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए संबंधित कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर 31 मार्च, 2022 को प्रभावी रूप से प्रचालित थे ।

अन्य मामले

समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और प्रचालनीय दक्षता के बारे में अधिनियम की धारा 143(3) (i) के तहत हमारी उपरोक्त रिपोर्ट, जहाँ तक वे दो सहायक कंपनियाँ तथा एक सहयोगी कंपनी, जो भारत में निगमित कंपनियाँ हैं, से संबंधित हैं, भारत में निगमित उक्त कंपनियों की लेखा परीक्षक की संबंधित रिपोर्टों पर आधारित हैं।

अधिनियम की धारा 143(10) के तहत यथा निर्दिष्ट, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार, हमने धारक कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों की भी लेखा परीक्षा की है जिनमें 31 मार्च 2022 को समाप्त समेकित तुलन पत्र और लाभ व हानि का समेकित विवरण, इक्विटी में परिवर्तनों का समेकित विवरण और उस अवधि को समाप्त वर्ष की नकदी प्राप्ति का समेकित विवरण और उल्लेखनीय लेखा नीतियों का सार तथा अन्य व्याख्यात्मक सूचना तथा उन पर अनर्ह विचार व्यक्त करने वाली हमारा इसी दिनांक की रिपोर्ट शामिल हैं।

कृते गुरु एंड जना
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं.- 006826S

अनंत प्रसाद बी आर
साझेदार
सदस्यता सं.- 218145
यूडीआईएन- 22218145AJLRXT6019

वाराणसी
23 मई 2022

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

स्पीड पोस्ट द्वारा
गोपनीय

सं./No. नि./बी.ई.एल.Accs 21-22/2022-23/149

प्रधान निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा एवं पदेन सदस्य
लेखापरीक्षा बोर्ड का कार्यालय, बेंगलूर – 560 001.
OFFICE OF THE PRINCIPAL DIRECTOR OF COMMERCIAL AUDIT and ex-Officio MEMBER, AUDIT BOARD, BENGALURU - 560 001.

दिनांक/ DATE. 25 जुलाई 2022

सेवा में,
श्रीमती आनंदी रामालिंगम,
अध्यक्ष, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड,
बेंगलुरु - 560 045.

महोदया,

विषयः कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ।

मैं 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के मेसर्स भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बेंगलुरु के लेखाओ पर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का "शून्य टिप्पणी प्रमाण पत्र " अग्रेषित करता हूँ|

कृपया सुनिश्चित करे कि टिप्पणिया:

1. बिना कोई संशोधन किये पूर्ण रूप से छापी जाये|
2. सूचि में उचित संकेत के साथ कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के आगे रखा जाये|
3. कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) के तहत वार्षिक सामान्य बैठक में रखा जाये।

कृपया पत्र की पावती भेजें|

भवदीय,
(अरुण कुमार वी.एम.)
निदेशक (रिपोर्ट्स)

संलग्नः यथोपरि

भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग
INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
प्रथम तल, बसव भवन, श्री बसवेश्वर रोड, बेंगलूर – 560 001.
1st Floor, Basava Bhavan, Sri Basavesware Road, Bengaluru - 560 001.

दू.भा./Phone : 2226 7646 / 2226 1168
Email : mabbangalore@cag.gov.in

फैक्स /Fax : 080-2226 2491

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 143(6)(b) READ WITH SECTION 129(4) OF THE COMPANIES ACT, 2013 ON THE CONSOLIDATED FINANCIAL STATEMENTS OF BHARAT ELECTRONICS LIMTED, BENGALURU FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2022

The preparation of consolidated financial statements of **Bharat Electronics Limited, Bengaluru** for the year ended 31 March 2022 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 (Act) is the responsibility of the management of the company. The statutory auditors appointed by the Comptroller and Auditor General of India under section 139(5) read with section 129(4) of the Act are responsible for expressing opinion on the financial statements under section 143 read with section 129(4) of the Act based on independent audit in accordance with the standards on auditing prescribed under section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 23 May 2022.

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit of the consolidated financial statements of **Bharat Electronics Limited, Bengaluru** for the year ended 31 March 2022 under section 143(6) (a) read with section 129(4) of the Act. We conducted a supplementary audit of the financial statements of **Bharat Electronics Limted, Bengaluru, BEL Thales Systems Limited, Begaluru and BEL Optronic Devices Limited, Pune** for the year ended on that date. **Further, section 139(5) and 143(6)(a) of the Act are not applicable to GE BE Private Limited, Bengaluru being private entity for appointment of their Statutory Auditor and for conduct of supplementary audit. Accordingly, Comptroller and Auditor General of India has neither appointed the Statutory Auditor nor conducted the supplementary audit of this company.** This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the statutory auditors and is limited primarily to inquiries of the statutory auditors and company personnel and a selective examination of some of the accounting records.

On the basis of my supplementary audit, nothing significant has come to my knowledge which would give raise to any comment upon or supplement to the statutory auditors' report under section 143(6)(b) of the Act.

For and on behalf of the
Comptroller & Auditor General of India

25/7/22

(Santosh Kumar)
Principal Director of Commercial Audit

Place: Bengaluru
Date: 25 July 2022

समेकित तुलन-पत्र

(₹ लाख में)

विवरण	टिप्पणी सं.	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
परिसंपत्तियाँ			
(1) गैर-चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	1	2,50,937	2,48,550
(ख) पूँजीगत चालू कार्य	2	44,593	39,747
(ग) निवेश संपत्ति	3	7	8
(घ) अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	4	16,582	16,656
(ङ) विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	5	56,011	48,521
(च) संबंद्ध कंपनी में निवेश		23,292	18,989
(छ) वित्तीय परिसंपत्तियाँ			
(i) निवेश	6	1,33,910	1,11,605
(ii) व्यापार प्राप्य	7	-	-
(iii) ऋण	8	728	736
(iv) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	9	2,417	2,871
(ज) आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	10	62,094	46,346
(झ) वस्तुसूचियाँ	11	2,734	3,938
(ञ) अन्य गैर-चालू परिसंपत्तियाँ	12	68,382	39,669
		6,61,687	**5,77,636**
(2) चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) वस्तुसूचियाँ	11	5,59,190	4,96,798
(ख) वित्तीय परिसंपत्तियाँ			
(i) व्यापार प्राप्य	7	6,10,809	6,56,199
(ii) नकद और नकद समतुल्य	13	1,30,086	3,04,290
(iii) बैंक शेष [उपर्युक्त (ii) के अलावा]	14	6,26,288	2,03,086
(iv) ऋण	8	148	152
(v) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	9	10,254	6,066
(ग) चालू कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	15	14,474	13,364
(घ) अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	12	7,78,122	6,91,376
		27,29,371	**23,71,331**
कुल परिसंपत्तियाँ		**33,91,058**	**29,48,967**
इक्विटी और देयताएं			
इक्विटी			
(क) इक्विटी शेयर पूँजी	16	24,366	24,366
(ख) अन्य इक्विटी		12,04,227	10,81,592
कंपनी के स्वामियों के कारण सृजित कुल इक्विटी		**12,28,593**	**11,05,958**
नियंत्रणेतर ब्याज		1,634	1,499
कुल इक्विटी		**12,30,227**	**11,07,457**

समेकित तुलन-पत्र

(₹ लाख में)

विवरण	टिप्पणी सं.	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
देयताएं			
(1) गैर-चालू देयताएँ			
(क) आस्थगित आय	17	14,843	16,499
(ख) वित्तीय देयताएँ			
(i) उधार	18	-	-
(iक) पट्टा देयताएं		5,151	117
(ii) व्यापार प्रदेय	19		
- सूक्ष्म उद्यमों एवं लघु उद्यमों के कुल बकाया देय; और		-	-
- सूक्ष्म उद्यमों एवं लघु उद्यमों के अलावा लेनदारों को कुल बकाया देय		34	29
(iii) अन्य वित्तीय देयताएँ	20	2,022	671
(ग) प्रावधान	21	1,80,532	1,41,203
(घ) अस्थगित कर देयताएँ (निवल)	10	145	36
(ङ) अन्य गैर-चालू देयताएँ	22	-	-
		2,02,727	**1,58,555**
(2) चालू देयताएँ			
(क) आस्थगित आय	17	1,654	1,711
(ख) वित्तीय देयताएँ			
(i) उधार	18	-	-
(iक) पट्टा देयताएं		119	135
(ii) व्यापार प्रदेय	19		
- सूक्ष्म उद्यमों एवं लघु उद्यमों के कुल बकाया देय; और		24,844	15,343
- सूक्ष्म उद्यमों एवं लघु उद्यमों के अलावा लेनदारों को कुल बकाया देय		3,12,086	3,14,547
(iii) अन्य वित्तीय देयताएँ	20	96,043	95,895
(ग) अन्य चालू देयताएँ	22	14,80,907	12,20,296
(घ) प्रावधान	21	42,382	35,028
(ङ) चालू कर देयताएँ (निवल)	15	69	-
		19,58,104	**16,82,955**
कुल इक्विटी और देयताएं		**33,91,058**	**29,48,967**

उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ एवं साथ में दी गई टिप्पणियाँ वित्तीय विवरणों का अभिन्न हिस्सा हैं।

हमारी संलग्न समान दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार।

कृते गुरु एंड जना
सनदी लेखाकार
फर्म पंजी. सं. 006826एस

आनंदी रामलिंगम
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

दिनेश कुमार बत्रा
निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ

अनंत प्रसाद बी आर
साझेदार
सदस्यता सं. - 218145

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

वाराणसी
23 मई 2022

लाभ व हानि का समेकित विवरण

(₹ लाख में)

क्र. सं.	विवरण	टिप्पणी सं.	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
I	प्रचालनों से राजस्व	23	15,36,818	14,10,869
II	अन्य आय	24	23,154	12,496
III	**कुल आय (I + II)**		**15,59,972**	**14,23,365**
IV	**व्यय**			
	क खपत सामग्री की लागत		8,09,336	6,67,816
	ख भंडार और खपत पुर्जों की लागत		3,059	3,936
	ग व्यापारगत स्टॉक की खपत		1,05,349	1,23,321
	घ तैयार माल, चालू कार्य और रद्दी की वस्तुसूचियाँ में परिवर्तन	25	(28,028)	(12,469)
	ङ कर्मचारी अनुलाभ व्यय	26	2,12,801	1,95,589
	च वित्त लागत	27	505	637
	छ मूल्यहास एवं परिशोधन व्यय	28	40,113	38,732
	ज अन्य व्यय	29	1,00,213	1,11,625
	कुल व्यय (क से ज)		**12,43,348**	**11,29,187**
V	**असाधारण मदों, इक्विटी विधि के तहत परिकलित एसोसिएट के निवल लाभ के हिस्से और कर से पहले लाभ (III - IV)**		**3,16,624**	**2,94,178**
VI	**असाधारण मदें**		-	-
VII	**इक्विटी विधि के तहत परिकलित एसोसिएट के निवल लाभ के हिस्से और कर से पहले लाभ (V - VI)**		**3,16,624**	**2,94,178**
VIII	**कर व्यय**	10		
	- चालू कर		91,431	82,654
	- पूर्व के वर्षों का कर		6	(2,492)
	- आस्थगित कर		(10,259)	7,082
	कराधान का कुल प्रावधान		**81,178**	**87,244**
IX	**इक्विटी विधि के तहत परिकलित एसोसिएट के निवल लाभ के हिस्से और कर से पहले लाभ (VII - VIII)**		**2,35,446**	**2,06,934**
X	इक्विटी विधि के तहत परिकलित एसोसिएट के निवल लाभ का हिस्से		4,576	3,042
XI	**वर्ष का लाभ (IX+X)**		**2,40,022**	**2,09,976**
XII	**अन्य व्यापक आय/(हानि)**			
	ऐसी मदें जिन्हें लाभ या हानि के बाद पुन:वर्गीकृत नहीं किया जाएगा			
	- निवल निर्धारित अनुलाभ देयता / परिसंपत्ति का पुनर्मापन		(19,926)	(11,703)
	- अन्य व्यापक आय द्वारा इक्विटी विलेख		1	1
	- इक्विटी विधि के तहत परिकलित एसोसिएट की कुल व्यापक आय का हिस्सा (निवल कर)		(6)	4
	- इन मदों से संबंधित आय कर		5,014	2,947
	कुल अन्य व्यापक आय /(हानि) (निवल कर)		**(14,917)**	**(8,751)**

लाभ व हानि का समेकित विवरण

(₹ लाख में)

क्र. सं.	विवरण	टिप्पणी सं.	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
XIII	वर्ष की कुल व्यापक आय (XI+XII) [वर्ष के लाभ तथा अन्य व्यापक आय सहित]		2,25,105	2,01,225
XIV	निम्नलिखित से संबंधित निवल लाभ/ (हानि)			
	क) कंपनी के स्वामी		2,39,887	2,09,894
	ख) नियंत्रण रहित हित		135	82
	निम्नलिखित से संबंधित अन्य व्यापक आय			
	क) कंपनी के स्वामी		(14,917)	(8,751)
	ख) नियंत्रण रहित हित		-	-
	निम्नलिखित से संबंधित कुल व्यापक आय			
	क) कंपनी के स्वामी		2,24,970	2,01,143
	ख) नियंत्रण रहित हित		135	82
XV	**प्रति इक्विटी शेयर आर्जन (₹ 1/- प्रत्येक का अंकित मूल्य) -**	30(1)		
	(1) मूल [आईएनआर में]		9.85	8.62
	(2) परिवर्तित [आईएनआर में]		9.85	8.62

उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ एवं साथ में दी गई टिप्पणियाँ वित्तीय विवरणों का अभिन्न हिस्सा हैं।

हमारी संलग्न समान दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार।

कृते **गुरु एंड जना**
सनदी लेखाकार
फर्म पंजी. सं. 006826एस

आनंदी रामलिंगम
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

दिनेश कुमार बत्रा
निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ

अनंत प्रसाद बी आर
साझेदार
सदस्यता सं. - 218145

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

वाराणसी
23 मई 2022

इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण

(₹ लाख में)

क. इक्विटी शेयर पूँजी

विवरण	टिप्पणी सं.	राशि
यथा 1 अप्रैल 2021 को शेष		24,366
वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर पूँजी में परिवर्तन		
- शेयर जारी करना	16	-
- शेयरों की पुनर्खरीद		-
31 मार्च 2022 को शेष		**24,366**

विवरण	टिप्पणी सं.	राशि
यथा 1 अप्रैल 2020 को शेष		24,366
वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर पूँजी में परिवर्तन		
- शेयर जारी करना	16	-
- शेयरों की पुनर्खरीद		-
31 मार्च 2021 को शेष		**24,366**

ख. अन्य इक्विटी

विवरण	टिप्पणी सं.	प्रारक्षण व अधिशेष					अन्य प्रारक्षण		नियंत्रण रहित हित	कुल अन्य इक्विटी
		पूँजीगत प्रारक्षण *	सहायक कंपनी के समेकन पर पूँजीगत प्रारक्षण *	पूँजी मोचन प्रारक्षण *	सामान्य प्रारक्षण	प्रतिधारित अर्जन	अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी विलेख *	अन्य व्यापक आय *		
1 अप्रैल 2021 को शेष		**4,669**	**362**	**1,868**	**3,99,546**	**7,03,455**	**8**	**(28,316)**	**1,499**	**10,83,091**
वर्ष का लाभ		-	-	-	-	2,40,022	-	-	135	2,40,157
समेकन समायोजन		-	-	-	-	(135)	-	-	-	(135)
वर्ष के दौरान परिवर्धन		-	-	-	-	-	1	(14,918)	-	(14,917)
कुल		**4,669**	**362**	**1,868**	**3,99,546**	**9,43,342**	**9**	**(43,234)**	**1,634**	**13,08,196**
सामान्य प्रारक्षण को अंतरित राशि		-	-	-	40,000	(40,000)	-	-	-	-
पूँजीगत प्रारक्षण को अंतरित राशि		-	-	-	-	-	-	-	-	-
स्वामी के ओहदे में स्वामियों के साथ लेनदेन										
लाभांश	16	-	-	-	-	(1,02,335)	-	-	-	(1,02,335)
लाभांश वितरण कर	16	-	-	-	-	-	-	-	-	-
शेयर जारी करना	16	-	-	-	-	-	-	-	-	-
यथा 31 मार्च 2022को शेष		**4,669**	**362**	**1,868**	**4,39,546**	**8,01,007**	**9**	**(43,234)**	**1,634**	**12,05,861**

इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण

(₹ लाख में)

विवरण	टिप्पणी सं.	प्रारक्षण व अधिशेष					अन्य प्रारक्षण		नियंत्रण रहित हित	कुल अन्य इक्विटी
		पूँजीगत प्रारक्षण *	सहायक कंपनी के समेकन पर पूँजीगत प्रारक्षण *	पूँजी मोचन प्रारक्षण *	सामान्य प्रारक्षण	प्रतिधारित अर्जन	अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी विलेख *	अन्य व्यापक आय *		
1 अप्रैल 2020 को शेष		**4,669**	**362**	**1,868**	**3,59,546**	**6,35,899**	**7**	**(19,564)**	**1,417**	**9,84,204**
वर्ष का लाभ		-	-	-	-	2,09,976	-	-	82	2,10,058
समेकन समायोजन		-	-	-	-	(82)	-	-	-	(82)
वर्ष के दौरान परिवर्धन		-	-	-	-	-	1	(8,752)	-	(8,751)
कुल		**4,669**	**362**	**1,868**	**3,59,546**	**8,45,793**	**8**	**(28,316)**	**1,499**	**11,85,429**
सामान्य प्रारक्षण को अंतरित राशि		-	-	-	40,000	(40,000)	-	-	-	-
पूँजीगत प्रारक्षण को अंतरित राशि		-	-	-	-	-	-	-	-	-
स्वामी के ओहदे में स्वामियों के साथ लेनदेन										
लाभांश	16	-	-	-	-	(1,02,338)	-	-	-	(1,02,338)
शेयर जारी करना	16	-	-	-	-	-	-	-	-	-
शेयरों की पुनर्खरीद	16	-	-	-	-	-	-	-	-	-
यथा 31 मार्च 2021 को शेष		**4,669**	**362**	**1,868**	**3,99,546**	**7,03,455**	**8**	**(28,316)**	**1,499**	**10,83,091**

* टिप्पणी 16 (ख) देखें

उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ एवं साथ में दी गई टिप्पणियाँ वित्तीय विवरणों का अभिन्न हिस्सा हैं।

हमारी संलग्न समान दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार।

कृते **गुरु एंड जना**
सनदी लेखाकार
फर्म पंजी. सं. 006826एस

आनंदी रामलिंगम
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

दिनेश कुमार बत्रा
निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ

अनंत प्रसाद वी आर
साझेदार
सदस्यता सं. - 218145

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

वाराणसी
23 मई 2022

समेकित नकदी प्राप्ति विवरण

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
क. प्रचालनीय कार्यकलापों से नकदी प्राप्ति -		
संबंद्ध संस्थान के शेयर के बाद परंतु असाधरण मदों और कर से पहले लाभ	3,21,200	2,97,220
इनके लिए समायोजन		
मूल्यह्रास एवं परिशोधन व्यय	40,113	38,732
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों का प्रावधान	-	7,213
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ, जिन्हें प्रभारित किया गया	-	75
प्रभारित डबल्यूआईपी पूँजी	-	1,468
कार्पोरेट सामाजिक दायित्व	5,348	4,711
सरकारी अनुदान से अंतरण	(1,713)	(1,736)
ब्याज की आय	(17,645)	(6,050)
पट्टे की देयता पर ब्याज	306	24
वित्त लागत	199	613
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की बिक्री पर लाभ	(45)	(121)
कार्यशील पूँजी में परिवर्तन से पहले प्रचालनीय लाभ	**3,47,763**	**3,42,149**
निम्नलिखित के कारण वृद्धि / (कमी)		
व्यापार प्राप्य	45,390	16,203
ऋण	12	4,079
अन्य वित्तीय लागत	(3,456)	(2,713)
अन्य परिसंपत्तिया	(1,15,459)	(90,272)
वस्तुसूचियाँ	(61,188)	(99,651)
व्यापार देय	7,045	84,886
अन्य वित्तीय देयताएँ	6,093	7,891
प्रावधान	26,755	14,650
अन्य देयताएँ	2,60,611	2,97,706
चालू कर परिसंपत्तियाँ	(12,415)	(12,299)
प्रचालनों से जनित नकद	**5,01,151**	**5,62,629**
अदा किया गया आय कर (निवल)	(80,429)	(53,307)
असाधारण मदों से पहले नकदी प्राप्ति	**4,20,722**	**5,09,322**
असाधारण मदें	-	-
प्रचालनीय कार्यकलापों से / (में प्रयुक्त) निवल नकद	**4,20,722**	**5,09,322**
ख. निवेश संबंधी कार्यकलापों से नकदी प्राप्ति-		
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण तथा अन्य अमूर्त परिसंपत्तियों की खरीद	(55,456)	(46,925)
घटाएँ- अनुदान की प्राप्ति	-	-
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण तथा अन्य अमूर्त परिसंपत्तियों की खरीद (निवल)	(55,456)	(46,925)
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण की बिक्री से प्राप्ति	740	133
मियादी जमा तथा अन्य बैंक शेष से वृद्धि / (कमी)	(4,23,480)	(1,99,223)
अन्य निवेश	(26,615)	(19,557)
प्राप्त ब्याज	17,645	6,050
निवेश संबंधी कार्यकलापों से / (में प्रयुक्त) निवल नकदी	**(4,87,166)**	**(2,59,522)**

समेकित नकदी प्राप्ति विवरण

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
ग. वित्त संबंधी कार्यकलापों से नकदी प्राप्ति-		
उधार से प्राप्ति / चुकौती (निवल)	-	(833)
कार्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) खर्च	(4,757)	(3,670)
अदा किया गया लाभांश (लाभांश कर सहित)	(1,02,331)	(1,02,274)
पट्टे की देयता पर ब्याज	(167)	(159)
पट्टे की देयता पर ब्याज	(306)	(24)
वित्त लागत	(199)	(613)
वित्त संबंधी कार्यकलापों से / (में प्रयुक्त) निवल नकदी	**(1,07,760)**	**(1,07,573)**
नकद और नकद समतुल्यों में निवल वृद्धि / (कमी) (क+ख+ग)	**(1,74,204)**	**1,42,227**
वर्ष के प्रारंभ में नकद और नकद समतुल्य	**3,04,290**	**1,62,063**
वर्ष के अंत में नकद और नकद समतुल्य	**1,30,086**	**3,04,290**

1. वित्त संबंधी कार्यकलापों के कारण देयताओं के संबंध में निर्धारित नकद-इतर परिवर्तन
   (i) मूल कंपनी - कुछ नहीं (कुछ नहीं)
   (ii) सहायक कंपनी बेलोप - कुछ नहीं (कुछ नहीं)
   (iii) सहायक कंपनी बीईएल-थेलेस - कुछ नहीं (कुछ नहीं)
2. उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ एवं साथ में दी गई टिप्पणियाँ वित्तीय विवरणों का अभिन्न हिस्सा है ।

हमारी संलग्न समान दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार।

कृते गुरु एंड जना
सनदी लेखाकार
फर्म पंजी. सं. 006826एस

आनंदी रामलिंगम
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

दिनेश कुमार बत्रा
निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ

अनंत प्रसाद वी आर
साझेदार
सदस्यता सं. - 218145

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

वाराणसी
23 मई 2022

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

टिप्पणी 1 - संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण

विवरण	सकल वहनीय राशि				मूल्यह्रास/परिशोधन				निवल वहनीय राशि	
	यथा 1 अप्रैल 2021	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2022	यथा 1 अप्रैल 2021 को संचित मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष का मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2022	यथा 31 मार्च, 2022	यथा 31 मार्च, 2021
स्वामित्व की परिसंपत्ति										
पूर्णस्वामित्व की भूमि	13,711	606	-	14,317	-	-	-	-	14,317	13,711
सड़क और पुलिया	2,216	55	-	2,271	396	117	-	513	1,758	1,820
इमारतें	82,826	5,718	-	88,544	12,158	3,400	-	15,558	72,986	70,668
संस्थापनाएँ	4,847	275	2	5,120	2,432	450	2	2,880	2,240	2,415
संयंत्र और मशीनरी	1,61,274	14,915	146	1,76,043	70,442	15,697	146	85,993	90,050	90,832
इलेक्ट्रॉनिक उपकरण	60,147	5,169	511	64,805	37,802	7,220	363	44,659	20,146	22,345
अनु. व वि. लैब के उपकरण	46,958	5,567	34	52,491	30,260	7,241	34	37,467	15,024	16,698
वाहन	875	271	50	1,096	540	136	32	644	452	335
कार्यालयीन उपकरण	12,260	1,882	51	14,091	7,837	1,750	51	9,536	4,555	4,423
फर्नीचर, फिक्सर तथा अन्य उपस्कर	9,439	802	63	10,178	5,014	940	62	5,892	4,286	4,425
प्रायोजित अनुसंधान के लिए अर्जित परिसंपत्तियाँ	65	-	-	65	65	-	-	65	-	-
परिसंपत्ति के उपयोग का अधिकार										
पट्टाधारित भूमि	20,839	757	541	21,055	203	163	13	353	20,702	20,636
अन्य परिसंपत्तियों का पट्टा	440	4,459	37	4,862	198	280	37	441	4,421	242
कुल	**4,15,897**	**40,476**	**1,435**	**4,54,938**	**1,67,347**	**37,394**	**740**	**2,04,001**	**2,50,937**	**2,48,550**

विवरण	सकल वहनीय राशि				मूल्यह्रास/परिशोधन				निवल वहनीय राशि	
	यथा 1 अप्रैल 2020	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2021	यथा 1 अप्रैल 2020 को संचित मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष का मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2021	यथा 31 मार्च, 2021	यथा 31 मार्च, 2020
स्वामित्व की परिसंपत्ति										
पूर्णस्वामित्व की भूमि	13,711	-	-	13,711	-	-	-	-	13,711	13,711
सड़क और पुलिया	2,191	25	-	2,216	281	115	-	396	1,820	1,910
इमारतें	76,614	6,212	-	82,826	8,995	3,163	-	12,158	70,668	67,619
संस्थापनाएँ	4,365	532	50	4,847	2,053	429	50	2,432	2,415	2,312
संयंत्र और मशीनरी	1,48,160	13,264	150	1,61,274	55,391	15,195	144	70,442	90,832	92,769
इलेक्ट्रॉनिक उपकरण	58,210	1,982	45	60,147	30,075	7,771	44	37,802	22,345	28,135
अनु. व वि. लैब के उपकरण	43,197	3,775	14	46,958	23,230	7,044	14	30,260	16,698	19,967
वाहन	713	173	11	875	421	125	6	540	335	292
कार्यालयीन उपकरण	10,624	1,668	32	12,260	6,210	1,656	29	7,837	4,423	4,414
फर्नीचर, फिक्सर तथा अन्य उपस्कर	8,807	664	32	9,439	4,098	948	32	5,014	4,425	4,709
प्रायोजित अनुसंधान के लिए अर्जित परिसंपत्तियाँ	65	-	-	65	65	-	-	65	-	-
परिसंपत्ति के उपयोग का अधिकार										
पट्टाधारित भूमि	20,721	118	-	20,839	62	141	-	203	20,636	20,659
इमारतों का पट्टा	400	109	69	440	120	147	69	198	242	280
कुल	**3,87,778**	**28,522**	**403**	**4,15,897**	**1,31,001**	**36,734**	**388**	**1,67,347**	**2,48,550**	**2,56,777**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

i. पूर्ण स्वामित्व की भूमि में 2,081.80 एकड़ (2072.87 एकड़) और पट्टाधारित भूमि में 992.66 एकड़ (951.58 एकड़) शामिल हैं।

ii. पूर्ण स्वामित्व की भूमि में 5.32 एकड़ (7.21 एकड़) व्यावसायिक / धार्मिक संगठनों को पट्टाधारित एवं उनके कब्ज़े में शामिल है ।

iii. पट्टाधारित भूमि में निर्माण के दौरान सरकारी संगठन को पट्टे पर दी गई 9.62 एकड़ (9.62 एकड़) है जो वर्षांत में एनसीआरटीसी के अधिकार में है।

iv. सहायक कंपनी डबेलोप.ने नए नियमों और शर्तों पर 95 वर्ष के नवीकरणीय विकल्प के साथ दिनांक 25.11.1991 को ₹ 21 साल की लागत पर एमआईडीसी से 95 वर्ष के लिए 3.38 एकड़ जमीन पट्टे पर ली है ।

v. मूल कंपनी की आर एंड डी परिसंपत्तियों के परिवर्धन में केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं / उत्पाद विकास एवं नवोन्मेष केंद्र और पुणे यूनिट की परिसंपत्तियों से संबंधित ₹ 995 (₹ 2,074), और कुछ नहीं (₹ 17) शामिल हैं जिन्हें प्राकृतिक कूट शीर्षों के तहत परिकलित किया गया है।

vi. इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के मूल्य में रु. 886 (₹ 1,026) मूल्य की पीओएस मशीनें शामिल हैं जो हरियाणा सरकार (प्रचालित पट्टा) के नियंत्रण में हैं।

vii. **स्थल पुन:स्थापन बाध्यता**

पवन चक्की और सौर शक्ति संयंत्रों के संबंध में स्थल पुन:स्थापन बाध्यता के लिए टिप्पणी 21 देखें ।

संयंत्र और मशीनरी के सकल ब्लॉक मूल्य में पवन चक्की और सौर शक्ति संयंत्रों से संबंधित रु. 2318 (₹ 2,105) की स्थल पुन:स्थापन बाध्यता शामिल है।

viii. **संविदाजन्य प्रतिबद्धताएं**

बकाया संविदाजन्य प्रतिबद्धताओं के लिए टिप्पणी 30(9) देखें।

ix. **मानी गई लागत**

भारतीय ए.एस. (01.04.2015) अपनाने से, कंपनी ने यथा 1 अप्रैल 2015 को अपनी सभी संपत्तियों, संयंत्रों और उपकरणों के वहनीय मूल्य को जारी रखने का विकल्प लिया जिन्हें पिछले जीएएपी के अनुसार मापा गया और इसमें वहनीय मूल्य को संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की मानी गई लागत के रूप में प्रयोग किया जाता है ।

x. **परिसंपत्तियाँ के उपयोगी जीवनकाल का प्राक्कलन**

ठप्रबंधन ने परिसंपत्तियों की अपेक्षित उपयोगिता, तकनीकी और वाणिज्यिक अप्रचलन के जोखिम आदि जैसे कारकों पर विचार करते हुए मूर्त परिसंपत्तियों (जो कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची घ्घ में दर्शित उपयोगी जीवनकाल से अलग हैं) के विभिन्न वर्गों के उपयोगी जीवनकाल का प्राक्कलन किया है ।

मूल कंपनी के मूर्त परिसंपत्तियों के विभिन्न वर्गों के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल इस प्रकार हैं -

परिसंपत्तियों का वर्ग	वर्ष
भवन	20 - 40
सड़क और पुलिया	20 - 40
संस्थापना	10
संयंत्र एवं मशीनरी	2 - 25
इलेक्ट्रॉनिक उपकरण	5 - 7
वाहन	4 - 5
कार्यालयीन उपकरण	5 - 7
फर्नीचर, जुड़नार और उपकरण	6 - 10
अनु. व वि. लैब के उपकरण	5

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

सहायक, सहयोगी के संबंध में कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची छ्छ के अनुसार केवल निम्न मामलों को छोड़कर अनुमानित उपयोगी जीवनकाल को अभिस्वीकृत किया गया है -

परिसंपत्तियों का वर्ग	वर्ष
बेलॉप	
संयंत्र एवं मशीनरी - निरंतर प्रक्रिया संयंत्र	15
बीईएल थैलेस	
संयंत्र एवं मशीनरी	5 - 15
इलेक्ट्रॉनिक उपकरण	5
कंप्यूटर प्रणाली	5

xi. **मूल्यह्रास / परिशोधन**

मूल्यह्रास की गणना परिसंपत्तियों के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल पर सीधी रेखा के आधार पर की जाती है।

पट्टे की परिसंपत्तियों को उनके प्राक्कलित जीवकाल या उनकी संबंधित पट्टा अवधि, इनमें से जो भी कम हो, के आधार पर सीधी रेखा के आधार पर परिशोधित किया जाता है।

xii. **मूल्यह्रास के लेखांकन की विधि**

मूल्यह्रास/परिशोधन की गणना कंपनी की लेखा नीति संख्या 8 के अनुसार की गई है और इसे लाभ और हानि के विवरण में खर्च के रूप में अभिचिह्नित किया गया है। अन्य परिसंपत्तियों के लागत के भाग के रूप में अभिचिह्नित मूल्यह्रास राशि कुछ नहीं (₹ 3) है ।

xiii. **परिसंपत्तियों की ह्रास**

टिप्पणी 30 (7) देखें।

xiv. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के लिए भुगतान किए गए असमायोजित पूँजी अग्रिम के संबंध में टिप्पणी 12 देखें।

xv. कुछ यूनिटों में सरकार से निशुल्क अधिग्रहित भूमि का परिकलन भारतीय एएस 101 के प्रावधानों के अनुरूप किया गया है।

xvi. **पंजीकरण लंबित मुकदमेबाजी आदि का विवरण [मूल कंपनी]**

क बीईएल, हैदराबाद को मल्लापुर में आबंटित 5.60 एकड़ (5.60 एकड़) की भूमि के संबंध में हक / बिक्री विलेख किया जाना और आंध्र प्रदेश औद्योगिक अवसंरचना निगम (एपीआईआईसी) द्वारा आबंटित भूमि का वास्तविक अधिकार सौंपा जाना लंबित होने और मामला मुकदमेबाजी में होने के कारण, लेखा बहियों में पंजीकरण और अन्य लागतों का कोई प्रावधान नहीं किया गया। एपीआईआईसी को अदा की गई भूमि की लागत ₹ 65 (₹ 65) पूंजी अग्रिम में शामिल की गई है।

ख रक्षा प्राधिकारियों के साथ किए गए समझौता ज्ञापन के आधार पर, ऐसी परिसंपत्तियां जो बीईएल को आवंटित भूमि पर निर्मित की गई हैं और जो बीईएल के अधिकार में हैं, को हैदराबाद यूनिट स्थापित करने के लिए संबंधित शीर्षों के तहत पूंजीकृत किया गया है। संबंधित प्राधिकारियों द्वारा निबंधन व शर्तों को अंतिम रूप दिया लंबित होने पर, 25.11 एकड़ (25.11 एकड़) की भूमि की लागत को लेखा बहियों में हिसाब में नहीं लिया गया है।

ग इब्राहिपटनम में एपीआईआईआईसी / टीएसआईआईसी द्वारा आवंटित 122.82 एकड़ (122.82 एकड़) भूमि जिसका कब्जा दिया गया है जिसका बिक्री विलेख लंबित है ।

घ 22.375 एकड़ (22.375 एकड़) की भूमि जो ऊपर उल्लिखित पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि का भाग है, के लिए दिनांक 31.01.2015 को टीएसआईआईसी से अतिरिक्त क्षतिपूर्ति के लिए नगर सिविल न्यायालय, हैदराबाद द्वारा की गई डिक्री की क्षतिपूर्ति राशि का 50% के रूप में ₹ 256 (₹ 256) की डिमांड प्राप्त हुई है। यह डिमांड विवाद के अधीन है, इसलिए, लेखा बहियों में इसके संबंध में कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

ङ 1.22 एकड़ (1.22 एकड़) की पूर्ण स्वामित्व की भूमि जो 1.24 एकड़ (1.24 एकड़) भूमि सौंपने के एवज में सरकारी प्राधिकारियों द्वारा आबंटित की गई थी, मुकदमेबाज़ी के अधीन है ।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

च कंपनी ने तीन स्थलों में पवन चक्की जनरेटर स्थापित किए हैं । पवन चक्की जनरेटर-I को वर्ष 2006-07 में पट्टे की भूमि में पूँजीकृत किया गया। इस पट्टे का अग्रिम किराया कुछ नहीं है और भूमि के पट्टे के करार को अंतिम रूप दिया जाना लंबित है । पवन चक्की जनरेटर - II को ₹ 36 के पट्टे का अग्रिम किराया अदा करते हुए पट्टाधारित भूमि पर वर्ष 2007-08 में पूँजीकृत किया गया । भूमि के पट्टे के करार को अंतिम रूप दिया जाना लंबित है।

छ 0.30 एकड़ (0.30 एकड़) की भूमि से संबंधित अधिकार विलेख मुकदमेबाज़ी के अधीन है। इस संबंध में दो मामले लंबित हैं ।

ज पठानकोट में 8.93 एकड़ (8.93 एकड़) की पट्टाधारित भूमि को पूर्णस्वामित्व की भूमि में परिवर्तित किया गया। इसका पंजीकरण लंबित होने के कारण लेखा बहियों में पंजीकरण और अन्य लागत के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया।

झ पालसमुद्रम, अनंतपुर जिला, आंध्र प्रदेश में 913.99 एकड़ (913.99 एकड़) की भूमि की बिक्री विलेख को अंतिम रूप देना लंबित है ।

xvii. मूल कंपनी ने ओ.एफ.बी. मेडक, तेलंगाणा, इटारसी, बोलांगीर और एच.वी.एफ. आवड़ी, जीसीएफ जबलपुर, वीएफजे जबलपुर, हजरतपुर, मुरादनगर, नालंदा, एमएसएफ इशापुर में प्रत्येक संयंत्र के लिए वार्षिक पट्टा किराया के रूप में आई.ए.आर. 1डपरम अंक दर्शाता है.का नाममात्र मूल्य अदा करते हुए पट्टे की भूमि पर सौर शक्ति संयंत्र स्थापित किया है ।

xviii. मूल कंपनी ने 3 मेगावॉट हासन और 8.4 मेगावॉट दावणगेरे के लिए पूर्वदत्त किराए का भुगतान किया है जिसे भारतीय लेखा मानक 116 अपनाने के कारण प्रयोग के अधिकार के रूप में पूंजीकृत किया गया है।

xix. मूल कंपनी के पास देवनहल्ली, बेंगलूरु में स्थित 31.15 एकड़ (31.15 एकड़) की भूमि है जिसे कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) से प्राप्त किया गया है और ₹ 7,974 (₹ 7,856) की भूमि के पंजीकरण की लागत के साथ भूमि की लागत को पट्टाधारित भूमि के तहत पूंजीकृत किया गया है। पट्टा करार के निबंधनों के अनुसार, परियोजना के सफल कार्यारंभ पर, इसे पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि में रूपांतरित किया जाएगा।

xx. कर्मचारियों के क्वार्टर के प्रति ₹ 974 (₹ 729) (समायोजित ब्याज की आय) की उधार लागत पूँजीकृत किया है । पूँजीकरण दर प्रति वर्ष 6.47% (प्रति वर्ष 6.47%) है ।

xxi. वर्ष के दौरान खर्च की गई अल्पकालिक पट्टे की राशि शून्य (शून्य) है।

xxii. 29 वर्षों के लिए 50 एकड़ के पट्टे के लिए तमिल नाडु इंडस्ट्रियल एक्सप्लोज़िव लि. (टीईएल) चेन्नै के साथ पट्टा करार किया गया और वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान ₹ 5,166 के कुल मूल्य के आर.ओ.यू. के रूप में पूंजीकृत किया गया। पट्टे की देयता पर ब्याज व्यय ₹ 289 है। भारतीय-एएस 116 के अनुसार 6.95% बट्टा दर (यानी लागू वृद्धिशील उधार दर) पर विचार किया गया। टीईएल के पट्टे का कुल नकदी प्रवाह ₹ 13,685 है।

xxiii. "इलेक्ट्रॉनिक्स कंप्यूटर सिस्टम" से संबंधित उपकरण जिसका सकल ब्लॉक ₹ 3 (₹ 3) और संचित मूल्यह्रास ₹ 3 (₹ 2) और "विविध अनुरक्षण उपकरण" से संबंधित उपकरण जिसका सकल ब्लॉक ₹ 2 (₹ 1) और संचित मूल्यह्रास ₹ 1 (₹ 1) है, नौसैनिक गोदी, वैजाग में है।

xxiv. यूनिट द्वारा डीएवी पब्लिक स्कूल को पट्टाधारित भूमि का हिस्सा प्रदान किया गया था। यूनिट ने इसे खाली कराने के लिए डीएवी पब्लिक स्कूल के विरुद्ध मामला दाखिल किया है (मूल कंपनी की गाज़ियाबाद यूनिट)।

xxv. वर्ष के दौरान पट्टे का चुकतान ₹ 167 (₹ 159) है।

xxvi. **प्रतिभूति, दृष्टिबंधन आदि**

टिप्पणी 35 देखें।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

टिप्पणी 2 - पूँजीगत चालू कार्य

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
सिविल निर्माण कार्य	20,913	12,193
संयंत्र एवं मशीनरी	21,592	21,365
अन्य	1,643	4,489
मार्गस्थ पूँजीगत मदें	569	1,824
	44,717	**39,871**
घटाएँ - ह्रास का प्रावधान	(124)	(124)
	44,593	**39,747**

पूंजीगत चालू कार्य 2021-2022

सीडबल्यूआईपी	इस अवधि के लिए सीडबल्यूआईपी में राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
चालू परियोजनाएं	22,074	7,245	2,821	6,629	38,769
अन्य	4,816	489	178	341	5,824
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएं	-	-	-	124	124
अनर्जकता का प्रावधान	-	-	-	(124)	(124)
कुल	**26,890**	**7,734**	**2,999**	**6,970**	**44,593**

समापन अनुसूची - समय और लागत विस्तारण

सीडबल्यूआईपी	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
एलआरसैम	18,023	-	-	-	18,023
डीएसआईसी पालसमुद्रम	565	-	-	274	839
उत्पादन भवन	124	-	-	-	124
टीईएल कारखाना	104	-	-	-	104
एमडबल्यूसी भवन	11	-	-	87	98
परियोजना - इब्राहिमपट्नम	47	-	-	-	47
एमसीजी सीएडीडीएस भवन	-	-	-	38	38
फ्लैप बैरियर	-	26	-	-	26
कुल	**18,874**	**26**	-	**399**	**19,299**

समापन अनुसूची - निलंबित परियोजनाएं

सीडबल्यूआईपी	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
उत्पादन भवन	124	-	-	-	124
कुल	**124**	-	-	-	**124**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

पूंजीगत चालू कार्य 2020-2021

सीडबल्यूआईपी	इस अवधि के लिए सीडबल्यूआईपी में राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
चालू परियोजनाएं	19,034	4,190	372	6,603	30,199
अन्य	5,958	295	1,018	2,277	9,548
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएं	-	-	-	124	124
अनर्जकता का प्रावधान	-	-	-	(124)	(124)
कुल	**24,992**	**4,485**	**1,390**	**8,880**	**39,747**

समापन अनुसूची - समय और लागत विस्तारण

सीडबल्यूआईपी	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
एलआरसैम	14,208	-	-	-	14,208
आरएफ सीकर सुविधा	1,811	-	-	-	1,811
डीएसआईसी पालसमुद्रम	592	-	-	272	864
उत्पादन भवन	-	124	-	-	124
परियोजना - इब्राहिमपट्नम	-	47	-	-	47
मेगा सोलर शक्ति संयंत्र	27	-	-	-	27
कुल	**16,638**	**171**	**-**	**272**	**17,081**

समापन अनुसूची - निलंबित परियोजनाएं

सीडबल्यूआईपी	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
उत्पादन भवन	-	124	-	-	124
कुल	**-**	**124**	**-**	**-**	**124**

i. सिविल निर्माण में मुख्यत: उत्पादन संबंधी इमारत, अनु. व वि. इमारत और कर्मचारियों के क्वार्टर शामिल हैं।

ii. निर्माणाधीन कर्मचारियों के क्वार्टर के संबंध में उधार की लागत ₹ कुछ नहीं (₹ 245) [ब्याज की निवल आय] को पूंजीगत चालू कार्य में शामिल किया गया है। पूँजीकरण की दर 6.74% प्रतिवर्ष (6.74% प्रतिवर्ष) है।

iii. संविदाजन्य प्रतिबद्धताओं के संबंध में टिप्पणी 30 (9) देखें।

iv. संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के लिए अदा किए गए असमायोजित पूँजी अग्रिम के लिए टिप्पणी 12 देखें।

v. **परिसंपत्तियों की ह्रास**

मूल कंपनी के संबंध में, ₹ 124 के वहनीय मूल्य का निर्माणाधीन भवन को तीन वर्षों से अधिक अवधि के लिए रोका गया क्योंकि जिस ठेकेदार को यह कार्य दिया गया था, काम बंद कर रहा है और कार्य में कोई प्रगति नहीं हो रही थी। वर्ष के दौरान स्वतंत्र मूल्यांकन की रिपोर्ट के आधार पर आधिकारिक परिसमापक को ₹ 1,398 का दावा पेश किया गया। आधिकारिक परिसमापक (उच्च न्यायालय, मद्रास) ने बीईएल को देरी के लिए क्षमा के साथ दावा प्रस्तुत करने को कहा है। कंपनी इसे प्रस्तुत करने जा रही है। वित्तीय वर्ष 2018-19 में ₹ 124 की राशि अनर्जक थी। टिप्पणी 30 (7) देखें।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

टिप्पणी 3 - निवेश संपत्ति

विवरण	सकल वहनीय राशि				मूल्यह्रास				निवल वहनीय राशि	
	1 अप्रैल, 2021 को	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2022	1 अप्रैल, 2021 को	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2022	यथा 31 मार्च, 2022	यथा 31 मार्च, 2021
पूर्ण स्वामित्व की भूमि*	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
इमारतें	14	-	-	14	6	1	-	7	7	8
कुल	**14**	**-**	**-**	**14**	**6**	**1**	**-**	**7**	**7**	**8**

* पूर्ण स्वामित्व की भूमि में आईएनआर 3,830 (आईएनआर 3,830) [समग्र अंक] शामिल है जिसे पूर्णांकित किया गया है ।

विवरण	सकल वहनीय राशि				मूल्यह्रास				निवल वहनीय राशि	
	1 अप्रैल, 2020 को	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2021	1 अप्रैल, 2020 को	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2021	यथा 31 मार्च, 2021	यथा 31 मार्च, 2020
पूर्ण स्वामित्व की भूमि*	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
इमारतें	14	-	-	14	5	1	-	6	8	9
कुल	**14**	**-**	**-**	**14**	**5**	**1**	**-**	**6**	**8**	**9**

* पूर्ण स्वामित्व की भूमि में आईएनआर 3,830 (आईएनआर 3,830) [समग्र अंक] शामिल है जिसे पूर्णांकित किया गया है ।

i. **लाभ व हानि के विवरण में दर्शित राशि**

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
क. किराए की आय	145	150
ख. किराए की आय प्रदान करने वाली संपत्ति से प्रत्यक्ष प्रचालनीय व्यय (आर एंड एम सहित)	-	-
ग. उपर्युक्त को छोड़कर प्रत्यक्ष प्रचालनीय व्यय (आर एंड एम सहित)	-	-
घ. मूल्यह्रास	1	1
ङ. निवेश संपत्ति से लाभ	**144**	**149**

ii. संविदाजन्य प्रतिबद्धताओं के लिए टिप्पणी 30 (9) देखें।

iii. **निवेश संपत्तियों का अंकित मूल्य**

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
भूमि	2,896	2,255
इमारत	**839**	**903**

iv. भूमि जिसमें मूल कंपनी की 1.48 एकड़ (1.48 एकड़) की पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि शामिल है।

v. **उचित मूल्य का प्राक्कलन**

मूल कंपनी ने निवेश संपत्ति के स्थान में इसी प्रकार की संपत्तियों के सरकारी मार्गदर्शी मूल्य (नगरपालिका मूल्य) के आधार पर निवेश संपत्ति के उचित मूल्य का प्राक्कलन किया है, पंजीकृत मूल्यांकक के मूल्यांकन के आधार पर नहीं। निवेश संपत्तियों के सभी परिणामी उचित मूल्य प्राक्कलन स्तर 2 में शामिल किए गए हैं।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

vi. **मानी गई लागत**

भारतीय ए.एस. (01.04.2015) अपनाने से, मूल कंपनी ने यथा 1 अप्रैल 2015 को अपनी सभी संपत्तियों, संयंत्रों और उपकरणों के वहनीय मूल्य को जारी रखने का विकल्प लिया जिन्हें पिछले जीएएपी के अनुसार मापा गया और इसमें वहनीय मूल्य को संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की मानी गई लागत के रूप में प्रयोग किया जाता है।

vii. **परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवनकाल का प्राक्कलन**

मूल कंपनी ने परिसंपत्तियों की अपेक्षित उपयोगिता, तकनीकी और वाणिज्यिक अप्रचलन के जोखिम आदि जैसे कारकों पर विचार करते हुए मूर्त परिसंपत्तियों (जो कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में दर्शित उपयोगी जीवनकाल से अलग हैं) के विभिन्न वर्गों के उपयोगी जीवनकाल का प्राक्कलन किया है।

मूर्त परिसंपत्तियों के विभिन्न वर्गों के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल इस प्रकार हैं -

परिसंपत्तियों का वर्ग	वर्ष
इमारत	40

viii. **मूल्यह्रास**

मूल्यह्रास की गणना परिसंपत्तियों के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल पर सीधी रेखा के आधार पर की जाती है।

मूल्यह्रास की राशि को लाभ व हानि के विवरण में व्यय के रूप में अभिचिह्नित किया जाता है।

ix. **मूल्यह्रास के लेखांकन की विधि**

मूल्यह्रास/परिशोधन की गणना कंपनी की लेखा नीति संख्या 8 के अनुसार की गई है और इसे लाभ और हानि के विवरण में खर्च के रूप में अभिचिह्नित किया गया है।

x. **परिसंपत्तियों की ह्रास**

चूँकि निवेश संपत्ति का अंकित मूल्य उसके वहनीय मूल्य से अधिक है, ह्रास का कोई संकेत नहीं है।

xi. **निवेश की गई संपत्ति पर प्रतिबंध**

भूमि भारत सरकार द्वारा आबंटित की गई है।

xii. **पंजीकरण, लंबित मुकदमों आदि के विवरण**

शून्य (शून्य)

टिप्पणी 4 - अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ

विवरण	सकल वहनीय राशि				परिशोधन				निवल वहनीय राशि	
	यथा 1 अप्रैल 2021 को	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2022	संचित परिशोधन यथा 1 अप्रैल 2021	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च 2022 को	यथा 31 मार्च 2022 को	यथा 31 मार्च 2021 को
अमूर्त परिसंपत्तियाँ - अन्य										
कंप्यूटर ऑपरेटिंग सिस्टम*	2	1	-	3	1	-	-	1	2	1
लाइसेंस शुल्क	18,424	-	-	18,424	7,500	1,250	-	8,750	9,674	10,924
साफ्टवेयर लाइसेंस / इंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) का कार्यान्वयन	291	2,323	-	2,614	286	394	-	680	1,934	5
अन्य (विकास लागत)**	6,919	320	-	7,239	1,193	1,074	-	2,267	4,972	5,726
कुल	**25,636**	**2,644**	**-**	**28,280**	**8,980**	**2,718**	**-**	**11,698**	**16,582**	**16,656**

* वर्ष के परिशोधन में आईएनआर 25311 (आईएनआर 18,863) [समग्र अंक] शामिल है जिसे पूर्णांकित किया गया है।

** इसमें अन्य विकास एजेंसियों को वित्तपोषण शामिल है ।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

विवरण	सकल वहनीय राशि				परिशोधन				निवल वहनीय राशि	
	यथा 1 अप्रैल 2020 को	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2021	संचित परिशोधन यथा 1 अप्रैल 2020	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च 2021 को	यथा 31 मार्च 2021 को	यथा 31 मार्च 2020 को
अमूर्त परिसंपत्तियाँ - अन्य										
कंप्यूटर ऑपरेटिंग सिस्टम*	2	-	-	2	1	-	-	1	1	1
लाइसेंस शुल्क	18,424	-	-	18,424	6,250	1,250	-	7,500	10,924	12,174
साफ्टवेयर लाइसेंस / इंटरप्राइज़ रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) का कार्यान्वयन	285	6	-	291	255	31	-	286	5	30
अन्य (विकास लागत)	2,745	4,174	-	6,919	477	716	-	1,193	5,726	2,268
कुल	**21,456**	**4,180**	**-**	**25,636**	**6,983**	**1,997**	**-**	**8,980**	**16,656**	**14,473**

* वर्ष के परिशोधन में आईएनआर 18,863 (आईएनआर 18,863) [समग्र अंक] शामिल है जिसे पूर्णांकित किया गया है।

i. मानी गई लागत

भारतीय एएस (01.04.2015) में संक्रमण पर, समूह ने पिछले सभी जीएएपी के अनुसार मापा गया 1 अप्रैल 2015 को अपनी सभी अमूर्त संपत्तियों के वाहक मूल्य को जारी रखने के लिए चुना है और अन्य अमूर्त संपत्तियों की समेकित लागत के रूप में मूल्य का उपयोग किया है ।

ii. प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल

अन्य अमूर्त परिसंपत्तियों [मूल कंपनी] का प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल इस प्रकार है -

परिसंपत्तियों का वर्ग	वर्ष
साफ्टवेयर लाइसेंस / इंटरप्राइज़ रिसोर्स प्लानिंग (ई.आर.पी.) का कार्यान्वयन	3
अन्य (विकास लागत)	3 - 15

iii. परिशोधन

परिशोधन की गणना परिसंपत्तियों के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल पर सीधी रेखा के आधार पर की जाती है।

परिशोधन की राशि को लाभ व हानि के विवरण में व्यय के रूप में निर्धारित किया जाता है।

iv. परिशोधन के लेखांकन की विधि

परिशोधन की गणना कंपनी की लेखा नीति संख्या 8 के अनुसार की गई है और इसे लाभ और हानि के विवरण में खर्च के रूप में निर्धारित किया गया है।

v. संविदाजन्य प्रतिबद्धताओं के लिए टिप्पणी 30 (9) देखें।

vi. परिसंपत्तियों की ह्रास

टिप्पणी 30 (7) देखें।

vii. परिसंपत्तियों के अधिकार पर प्रतिबंध करार की शर्तें द्वारा नियंत्रित होता है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 5 - विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
आंतरिक रूप से विकसित*	63,224	55,734
घटाएँ - ह्रास का प्रावधान	(7,213)	(7,213)
	56,011	**48,521**

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां 2021-2022

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां	इस अवधि के लिए आईएयूडी में राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्षों से अधिक	
चालू परियोजनाएं	6,673	1,707	4,371	42,404	55,155
अन्य	856	-	277	6,936	8,069
अनर्जकता का प्रावधान	-	-	(277)	(6,936)	(7,213)
कुल	**7,529**	**1,707**	**4,371**	**42,404**	**56,011**

समापन अनुसूची - समय और लागत विस्तारण

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्षों से अधिक	
क्यूआर सैम	17,105	-	-	-	17,105
अतुल्य	8,416	-	-	-	8,416
सारंग के लिए क्यूटी मॉडल	478	-	-	-	478
एएफसी गेट की डिज़ाइन और विकास	242	-	-	-	242
निकष सिस्टम का विकास कार्य	173	-	-	-	173
पॉरपाएज़ अपग्रेडेशन परियोजना	118	-	-	-	118
सर्वधारी सिस्टम का विकास कार्य	104	-	-	-	104
समुद्रिका परियोजना का विकास	97	-	-	-	97
सारक्षी का क्यूटी मॉडल	36	-	-	-	36
तुषार का यूईटी मॉडल	15	-	-	-	15
कुल	**26,784**	-	-	-	**26,784**

समापन अनुसूची - निलंबित परियोजनाएं

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्षों से अधिक	
	-	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-	-

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां 2020-2021

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां	इस अवधि के लिए आईएयूडी में राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्षों से अधिक	
चालू परियोजनाएं	1,747	4,371	9,072	33,331	48,521
अन्य	-	277	725	6,211	7,213
अनर्जकता का प्रावधान	-	(277)	(725)	(6,211)	(7,213)
कुल	**1,747**	**4,371**	**9,072**	**33,331**	**48,521**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

समापन अनुसूची - समय और लागत विस्तारण

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्षों से अधिक	
क्यूआर सैम	-	16,082	-	-	16,082
अतुल्य	7,364	-	-	-	7,364
कुल	**7,364**	**16,082**	**-**	**-**	**23,446**

समापन अनुसूची - निलंबित परियोजनाएं

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्षों से अधिक	
	-	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-	-

* अन्य विकास एजेंसियों को वित्त पोषण शामिल है।

i. संविदाजन्य प्रतिबद्धताओं के लिए टिप्पणी 30 (9) देखें।

ii. परिसंपत्तियों का ह्रास [मूल कंपनी] -

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान ₹ 7,213 की राशि का प्रावधान ह्रास के रूप में किया गया है क्योंकि विकास कार्य वर्तमान में जारी नहीं है और साथ ही, आर्थिक अनुलाभ सृजित करने के लिए कंपनी का आंकलन निश्चित नहीं है (टिप्पणी 30(7) देखें)।

टिप्पणी 6 - निवेश

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
(I) इक्विटी विलेखों में निवेश (अनुद्धत)		
(क) अन्य (एफवीओसीआई पर) (नीचे दी गई टिप्पणी v देखें)		
मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि., हैदराबाद		
प्रत्येक ₹ 1000 पूर्ण चुकता के 500 (500) इक्विटी शेयर	13	12
डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन, बेंगलूरु		
प्रत्येक ₹ 1000 पूर्ण चुकता के 50 (50) इक्विटी शेयर	1	1
(II) अन्य निवेश (अनुद्धत)		
क) कोऑपरेटिव सोसाइटियों में निवेश (लागत पर) *		
कफ़ परेड पर्सोपोलिस प्रिमाइसेस कोऑपरेटिव सोसाइटी, मुंबई		
आई.एन.आर. 50 प्रत्येक पूर्ण चुकता के 40 (40) इक्विटी शेयर	-	-
सुखसागर प्रिमाइसेस कोऑपरेटिव, सोसाइटी, मुंबई		
आईएनआर 50 प्रत्येक पूर्ण चुकता के 10 (10) इक्विटी शेयर	-	-
श्री सप्तरत्न कोऑप. सोसाइटी लि., मुंबई		
आई.एन.आर.50 प्रत्येक पूर्ण चुकता के 10 (10) इक्विटी शेयर	-	-
दालामल पार्क कोऑप. सोसाइटी लि., मुंबई		
आई.एन.आर. 50 प्रत्येक पूर्ण चुकता के 5 (5) इक्विटी शेयर	-	-
चंद्रलोक कोऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., पुणे		
आई.एन.आर. 50 प्रत्येक पूर्ण चुकता के 30 (30) इक्विटी शेयर	-	-
ख) अन्य (एफवीटीपीएल पर)		
भारतीय जीवन बीमा निगम (टिप्पणी ii देखें)	1,33,896	1,11,592
	1,33,910	**1,11,605**

*आईएनआर 4,750 (आईएनआर 4,750) [समग्र अंक] जिसे पूर्णांकित किया गया। यह हाउसिंग सोसाइटियों में उनके उप-नियमों के अनुसार अर्जित शेयर का मूल्य दर्शाते हैं।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

i.

विवरण	2021-22	2020-21
उद्धृत निवेशों का कुल मूल्य और उनका बाज़ार मूल्य	-	-
अनुद्धृत निवेशों का कुल मूल्य	1,33,910	1,11,605
निवेश के मूल्य में ह्रास की कुल राशि	-	-

ii. कंपनी ने अपने छुट्टी नकदीकरण और "बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना" (बीईआरईसीएचएस) देयताओं को क्रमश: एलआईसी की न्यू ग्रूप लीव एनकैशमेंट प्लान और न्यू ग्रूप सुपरएन्युएशन कैश एक्यूमिलेशन प्लान में निवेश किया है [टिप्पणी 21 देखें]।

iii. वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

iv. मे. डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन (डी.आई.ओ.) में इक्विटी पूँजी के लिए आईएनआर 50,000 [समग्र अंक] की राशि का अंशदान दिया गया है। डी.आई.ओ. को रक्षा क्षेत्र में नवोन्मेष का वित्त-पोषण करने के उद्देश्य से ₹ 100 (बीईएल : 50%; एचएएल : 50%) की प्राधिकृत शेयर पूँजी के साथ कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के अनुसार 'लाभरहित' कंपनी के रूप में 10 अगस्त, 2017 को निगमित किया गया । इस कंपनी का पंजीकृत कार्यालय बेंगलूरु में बीईएल के परिसर में स्थित है ।

प्रारंभिक कॉर्पस निधि के लिए ₹ 5,000 की राशि का प्रावधान किया गया है, जिसमें से ₹ 4000 (₹ 4000) की राशि भुगतान के लिए लंबित है ।

v. क. कंपनी ने एफवीओसीआई में मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि. तथा डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन, बेंगलूरु के इक्विटी शेयरों में निवेश किया है क्योंकि ये इक्विटी शेयर ऐसे निवेश को दर्शाते हैं जो रणनीतिक प्रयोजन से लंबे समय तक धारित करने के लिए आशयित हैं। निवल परिसंपत्ति मूल्य विधि के आधार पर निवेश का अंकित मूल्य इस प्रकार है -

विवरण	31 मार्च 2022 को अंकित मूल्य	2021-22 के दौरान निर्धारित लाभांश आय	31 मार्च 2021 को अंकित मूल्य	2020-21 के दौरान निर्धारित लाभांश आय
मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि.में निवेश	13	-	12	-
डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन, बेंगलूरु में निवेश	1	-	1	-

ख. कंपनी ने इन निवेशों पर अब तक कोई लाभांश प्राप्त नहीं किया है।

ग. 2021-22, के दौरान कोई रणनीतिक निवेश को निपटाया नहीं गया और इन निवेशों के संबंध में इक्विटी में कोई संचित लब्धि या हानि अंतरित नहीं की गई।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

टिप्पणी 7 - व्यापार प्राप्य

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
गैर चालू		
अरक्षित, जिन्हें संदिग्ध माना गया		
व्यापार प्राप्य	1,59,043	1,43,607
घटाएँ - प्रावधान*	(1,59,043)	(1,43,607)
उप कुल (क)	-	-
चालू		
रक्षित, जिन्हें खरा माना गया	785	901
अरक्षित, जिन्हें खरा माना गया	6,10,024	6,55,298
उप कुल (ख)	**6,10,809**	**6,56,199**
कुल (क+ख)	**6,10,809**	**6,56,199**

* इसमें प्राप्य जो क्रेडिट ह्रासमान हैं, से संबंधित ₹ 339 (₹ 339) [₹ 339 मूल कंपनी और ₹ 20 बेलोप] शामिल है ।

गैर चालू व्यापार लेनदारी 2021-2022

विवरण	बिल नहीं किए गए	बिल किए गए, पर देय नहीं	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया					कुल
			6 माह से कम	6 माह - 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) अविवादित व्यापार लेनदारी - संदिग्ध	8,582	59	10,507	7,287	14,348	15,291	86,192	1,42,266
(ii) अविवादित व्यापार लेनदारी - जिससे ऋण जोखिम पर उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-	-	-	-	-	-	-
(iii) अविवादित व्यापार लेनदारी - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	339	339
(iv) विवादित व्यापार लेनदारी - खरा माना गया	-	-	-	-	-	-	16,438	16,438
(v) विवादित व्यापार लेनदारी - जिससे ऋण जोखिम पर उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-	-	-	-	-	-	-
(vi) विवादित व्यापार लेनदारी - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-
घटाएं - प्रावधान	(8,582)	(59)	(10,507)	(7,287)	(14,348)	(15,291)	(1,02,969)	(1,59,043)
उप कुल (क)	-	-	-	-	-	-	-	-

चालू व्यापार लेनदारी 2021-2022

विवरण	बिल नहीं किए गए	बिल किए गए, पर देय नहीं	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया					कुल
			6 माह से कम	6 माह - 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) अविवादित व्यापार लेनदारी - खरा माना गया	82,466	3,362	3,11,755	68,267	71,828	45,315	27,015	6,10,008
(ii) अविवादित व्यापार लेनदारी - जिससे ऋण जोखिम पर उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-	-	-	-	-	-	-
(iii) अविवादित व्यापार लेनदारी - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-
(iv) विवादित व्यापार लेनदारी - खरा माना गया	-	-	-	-	-	-	801	801
(v) विवादित व्यापार लेनदारी - जिससे ऋण जोखिम पर उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-	-	-	-	-	-	-
(vi) विवादित व्यापार लेनदारी - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-
उप कुल (ख)	**82,466**	**3,362**	**3,11,755**	**68,267**	**71,828**	**45,315**	**27,816**	**6,10,809**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

गैर चालू व्यापार लेनदारी 2020-2021

विवरण		बिल नहीं किए गए	बिल किए गए, पर देय नहीं	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया					कुल
				6 माह से कम	6 माह - 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i)	अविवादित व्यापार लेनदारी - संदिग्ध	1,036	230	10,029	3,533	21,739	15,551	74,692	1,26,810
(ii)	अविवादित व्यापार लेनदारी - जिससे ऋण जोखिम पर उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-	-	-	-	-	-	-
(iii)	अविवादित व्यापार लेनदारी - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	359	359
(iv)	विवादित व्यापार लेनदारी - खरा माना गया	-	-	-	-	-	-	16,438	16,438
(v)	विवादित व्यापार लेनदारी - जिससे ऋण जोखिम पर उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-	-	-	-	-	-	-
(vi)	विवादित व्यापार लेनदारी - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-
विवादित व्यापार लेनदारी - अनर्जक ऋण		(1,036)	(230)	(10,029)	(3,533)	(21,739)	(15,551)	(91,489)	(1,43,607)
उप कुल (क)		**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**

चालू व्यापार लेनदारी 2020-2021

विवरण		बिल नहीं किए गए	बिल किए गए, पर देय नहीं	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया					कुल
				6 माह से कम	6 माह - 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i)	अविवादित व्यापार लेनदारी - खरा माना गया	1,17,316	4,931	3,05,825	74,772	97,125	24,029	31,400	6,55,398
(ii)	अविवादित व्यापार लेनदारी - जिससे ऋण जोखिम पर उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-	-	-	-	-	-	-
(iii)	अविवादित व्यापार लेनदारी - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-
(iv)	विवादित व्यापार लेनदारी - खरा माना गया	-	-	-	-	-	-	801	801
(v)	विवादित व्यापार लेनदारी - जिससे ऋण जोखिम पर उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-	-	-	-	-	-	-
(vi)	विवादित व्यापार लेनदारी - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-
उप कुल (ख)		**1,17,316**	**4,931**	**3,05,825**	**74,772**	**97,125**	**24,029**	**32,201**	**6,56,199**

i. भुगतान के निबंधन

क. अधिकांश संविदाओं में, मदों की सुपुर्दगी पर भुगतान (प्राप्त अग्रिम, यदि कोई हो, का निवल) देय है। बहरहाल, कुछ संविदाओं में देयों का एक हिस्सा (सामान्यत: 5% से 10%) अतिरिक्त कार्य-निष्पादन देयता की संतुष्टि से जुड़ा है जैसे संस्थापना एवं कार्यारंभ संबंधी कार्यों को पूरा करना आदि। टर्नकी संविदाओं के संबंध में, भुगतान (निवल अग्रिम, यदि कोई हो) निर्दिष्ट उपलब्धियों को प्राप्त करने से जुड़ा होता है।

ख. ग्राहक से प्राप्त प्रगामी भुगतानों सहित अग्रिम को संविदा की देयता के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और संबंधित कार्य-निष्पादन देयता के समापन पर समायोजित किया जाता है।

ग. संविदा में अन्य कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने के साथ भुगतान को जोड़ने के कारण पूरी की गई कार्य-निष्पादन देयता के संबंध में ग्राहकों द्वारा रोक रखी गई राशि को संविदा परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

ii. वित्तीय विलेख

वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

iii. वित्तीय परिसंपत्तियों की ह्रास

ह्रास का प्रावधान ग्रूप की लेखा नीति सं. 29 के अनुरुप किया गया है।

iv. संबंधित पक्षकारों के प्रकटण

संबंधित पक्षकारों के प्रकटण के लिए टिप्पणी 31 देखें।

v. सुरक्षा, दृष्टिबंधन आदि

टिप्पणी 35 देखें।

टिप्पणी 8 - ऋण

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
गैर चालू		
अरक्षित, जिन्हें खरा माना गया		
कर्मचारियों को ऋण	728	736
	728	**736**
अरक्षित, जिन्हें संदिग्ध माना गया		
अन्य		
कर्मचारियों को ऋण	1	1
घटाएँ - प्रावधान	(1)	(1)
	-	-
अन्य को ऋण	132	132
घटाएँ - प्रावधान*	(132)	(132)
	-	-
उप कुल (क)	**728**	**736**
चालू		
अरक्षित, जिन्हें खरा माना गया		
अन्य		
कर्मचारियों को ऋण	148	152
अन्य को ऋण	-	-
उप कुल (ख)	**148**	**152**
कुल (क+ख)	**876**	**888**

* इसमें ऐसे ऋणों से संबंधित रु.132 (रु.132) शामिल है जो क्रेडिट ह्रासमान हैं।

i. वित्तीय विलेख

वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

ii. वित्तीय परिसंपत्तियों का ह्रास

ह्रास का प्रावधान ग्रूप की लेखा नीति सं. 29 के अनुरुप किया गया है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 9 - अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
गैर चालू		
अरक्षित, जिन्हें खरा माना गया		
सुरक्षा जमा	2,112	2,624
अन्य को दिए गए अग्रिम	-	-
व्यापार प्राप्यों के अलावा प्राप्य	-	26
मीयादी जमा पर अर्जित ब्याज	1	-
बारह महीनों की परिपक्वता से अधिक बैंक जमा राशियां **	278	195
अन्य परिसंपत्तियाँ	26	26
	2,417	**2,871**
असुरक्षित, संदिग्ध माना जाता है		
सुरक्षा जमा	80	104
घटाएँ - प्रावधान	(80)	(104)
	-	-
अन्य को दिए गए अग्रिम	14	12
घटाएँ - प्रावधान	(14)	(12)
	-	-
व्यापार प्राप्यों के अलावा प्राप्य	969	966
घटाएँ - प्रावधान *	(969)	(966)
	-	-
अन्य परिसंपत्तियाँ	74	74
घटाएँ - प्रावधान	(74)	(74)
	-	-
उप कुल (क)	**2,417**	**2,871**
चालू		
अरक्षित, जिन्हें खरा माना गया		
सुरक्षा जमा	1,881	1,414
कर्मचारियों को दिए गए अग्रिम	168	165
अन्य को दिए गए अग्रिम	3	5
प्रोद्भत ब्याज परंतु मीयादी जमा पर देय नहीं	3,795	1,300
व्यापार प्राप्यों के अलावा प्राप्य	2,540	588
अन्य परिसंपत्तियाँ	1,867	2,594
उप कुल (ख)	**10,254**	**6,066**
कुल (क+ख)	**12,671**	**8,937**

* टिप्पणी 30(20) देखें

** बैंक गारंटी के समक्ष मार्जिन राशि के रूप में धारित शेष दर्शाता है।

i. वित्तीय विलेख

वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

ii. वित्तीय परिसंपत्तियों की ह्रास

ह्रास का प्रावधान ग्रूप की लेखा नीति सं. 29 के अनुरुप किया गया है।

iii. कुछ नहीं (कुछ नहीं) की निवल वहनीय राशि को संपत्ति, संयंत्र और उपकरण जो सक्रिय प्रयोग में नहीं हैं, के संबंध में अन्य परिसंपत्तियों में शामिल किया गया है।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

टिप्पणी 10 - आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (देयताएं)

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)		
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ	83,543	69,271
आस्थगित कर देयताएँ	(21,449)	(22,925)
	62,094	**46,346**
आस्थगित कर देयताएँ (निवल)		
आस्थगित कर देयताएँ	809	837
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ	(664)	(801)
	145	**36**

i. लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित आय

क्र. सं.	विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
1	**आय कर के व्यय**		
	- चालू अवधि	91,431	82,654
	- पूर्व के वर्षों से संबंधित प्राक्कलनों में परिवर्तन	6	(2,492)
2	**आस्थगित कर**		
	- अस्थायी अंतरों का उद्गम और व्युत्क्रमण	**(10,259)**	**7,082**
3	**आस्थगित कर के कुल व्यय (अनुलाभ)**	**(10,259)**	**7,082**
4	**आय कर के व्यय**	**81,178**	**87,244**

ii. अन्य व्यापक आय में निर्धारित आय कर

क्र. सं.	विवरण	यथा 31.03.2022			यथा 31.03.2021		
		कर पूर्व	कर (व्यय)/ अनुलाभ	निवल कर	कर पूर्व	कर (व्यय)/ अनुलाभ	निवल कर
1	निवल निर्धारित अनुलाभ देयता/ (परिसंपत्ति) का पुन:मापन	(19,925)	5,015	(14,910)	(11,703)	2,948	(8,755)
2	अन्य द्वारा इक्विटी विलेख व्यापक आय	1	(1)	-	1	(1)	-
	कुल	**(19,924)**	**5,014**	**(14,910)**	**(11,702)**	**2,947**	**(8,755)**

iii. इक्विटी में प्रत्यक्ष रूप से निर्धारित आय कर

इक्विटी 31 मार्च 2022 को और 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए इक्विटी में प्रत्यक्ष रूप से अभिचिह्नत कोई आय कर नहीं है।

iv. प्रभावी कर दरों का समाधान

विवरण	यथा 31.03.2022		यथा 31.03.2021	
	दर	राशि	दर	राशि
कर पूर्व लाभ		3,16,624		2,94,178
कंपनी की घरेलू कर दर का इस्तेमाल करते हुए कर	25.17%	79,688	25.17%	74,039
प्रभाव				
अनुसंधान एवं विकास व्ययों पर अतिरिक्त कटौती का प्रभाव	-	-	-	-
छूट प्राप्त आय	-	-	-	-
कर प्रोत्साहन	-	-	-	-
पिछले वर्षों से संबंधित प्राक्कलनों में परिवर्तन	-	-	-0.64%	(1,888)
गैर-कटौती योग्य व्यय	0.41%	1,309	0.40%	1,190
कर उद्देश्यों के लिए त्वरित मूल्यह्रास	-	-	0.00%	(11)
कर दर में परिवर्तन का प्रभाव	-	-	4.76%	13,993
अन्य	0.06%	181	-0.03%	(79)
प्रभावी कर दर	**25.64%**	**81,178**	**29.66%**	**87,244**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

v. आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ) और देयताएँ निम्नलिखित के कारण हैं -

क्र. सं.	विवरण	आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ) यथा		आस्थगित कर देयताएँ यथा		निवल आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ)/ देयताएँ यथा	
		31.03.2022	31.03.2021	31.03.2022	31.03.2021	31.03.2022	31.03.2021
1	व्यापार प्राप्य	(11,026)	(10,198)	-	-	(11,026)	(10,198)
2	वस्तुसूची	(11,797)	(11,039)	-	-	(11,797)	(11,039)
3	प्रावधान अन्य	(17,867)	(14,830)	-	-	(17,867)	(14,830)
4	कर्मचारी अनुलाभ	(39,541)	(30,561)	-	-	(39,541)	(30,561)
5	अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	-	-	1,037	1,002	1,037	1,002
6	आस्थगित राजस्व	(261)	(268)	-	-	(261)	(268)
7	अन्य परिसंपत्तियाँ	-	-	-	1	-	1
8	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	(19)	(7)	16,747	18,287	16,728	18,280
9	आईसीडीएस समायोजन	-	-	-	-	-	-
10	इक्विटी निवेश	-	-	2	3	2	3
11	अन्य वित्तीय देयताएँ	-	-	8	7	8	7
12	ह्रास का प्रावधान	(3,394)	(2,687)	-	-	(3,394)	(2,687)
13	विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	-	-	4,463	4,463	4,463	4,463
14	व्यापार देयताएँ	(6)	(6)	-	-	(6)	(6)
15	कर हानि	-	-	-	-	-	-
16	बोनस	(1)	(1)	-	-	(1)	(1)
17	अधिवर्षता	(22)	(17)	-	-	(22)	(17)
18	एमएटी क्रेडिट	(272)	(458)	-	-	(272)	(458)
19	**कुल**	**(84,206)**	**(70,073)**	**22,257**	**23,763**	**(61,949)**	**(46,310)**
20	(परिसंपत्ति)/ देयता का पृथक्करण	22,112	23,727	(22,112)	(23,727)	-	-
	निवल आस्थगित कर (परिसंपत्ति)/ देयता	**(62,094)**	**(46,346)**	**145**	**36**	**(61,949)**	**(46,310)**

vi. आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ) एवं देयताओं का संचलन

क्र. सं.	विवरण	यथा 01.04.2021 को शेष	2021-22 के दौरान लाभ व हानि में निर्धारित	2021-22 के दौरान ओसीआई में निर्धारित	यथा 31.03.2022 को शेष
1	व्यापार प्राप्य	(10,198)	(828)	-	(11,026)
2	वस्तुसूची	(11,039)	(758)	-	(11,797)
3	अन्य प्रावधान	(14,830)	(3,037)	-	(17,867)
4	कर्मचारी अनुलाभ	(30,561)	(3,413)	(5,567)	(39,541)
5	अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	1,002	35	-	1,037
6	आस्थगित राजस्व	(268)	7	-	(261)
7	अन्य परिसंपत्तियाँ	1	(1)	-	-
8	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	18,280	(1,552)	-	16,728
9	आईसीडीएस समायोजन	-	-	-	-
10	इक्विटी निवेश	3	(1)	-	2
11	अन्य वित्तीय देयताएँ	7	1	-	8
12	ह्रास का प्रावधान	(2,687)	(707)	-	(3,394)
13	विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	4,463	-	-	4,463
14	व्यापार देयताएँ	(6)	-	-	(6)
15	कर हानि	-	-	-	-
16	बोनस	(1)	-	-	(1)
17	अधिवर्षता	(17)	(5)	-	(22)
18	एमएटी क्रेडिट	(458)	-	-	(272)
	कुल	**(46,310)**	**(10,259)**	**(5,567)**	**(61,949)**

नोट- वर्ष के दौरान सहायक कंपनी -बेलॉप, एमएटी क्रेडिट के संबंध में पिछले वर्ष के ₹ (187) ₹ 15 शामिल है ।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

vii. आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ) एवं देयताओं का संचलन

क्र. सं.	विवरण	यथा 01.04.2020 को शेष	2020-21 के दौरान लाभ व हानि में निर्धारित	2020-21 के दौरान ओसीआई में निर्धारित	यथा 31.03.2021 को शेष
1	व्यापार प्राप्य	(14,570)	4,372	-	(10,198)
2	वस्तुसूची	(14,954)	3,915	-	(11,039)
3	अन्य प्रावधान	(18,168)	3,338	-	(14,830)
4	कर्मचारी अनुलाभ	(34,319)	7,295	(3,537)	(30,561)
5	अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	704	298	-	1,002
6	आस्थगित राजस्व	(373)	105	-	(268)
7	अन्य परिसंपत्तियाँ	1	-	-	1
8	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	27,071	(8,791)	-	18,280
9	आईसीडीएस समायोजन	-	-	-	-
10	इक्विटी निवेश	2	-	1	3
11	अन्य वित्तीय देयताएँ	10	(3)	-	7
12	ह्रास का प्रावधान	(2,006)	(681)	-	(2,687)
13	देय व्यापार	(6)	-	-	(6)
14	विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	7,277	(2,814)	-	4,463
15	बोनस	-	(1)	-	(1)
16	कर हानि	(54)	54	-	-
17	अधिवर्षिता	(12)	(5)	-	(17)
18	एमएटी क्रेडिट	(473)	-	-	(458)
	कुल	**(49,870)**	**7,082**	**(3,536)**	**(46,310)**

viii. अनिर्धारित आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ) / देयताएँ -

निम्नलिखित मदों के संबंध में स्थगित कर संपत्ति को मान्यता नहीं दी गई है, क्योंकि यह संभव नहीं है कि भविष्य में कर योग्य लाभ उपलब्ध होंगे जिसके समक्ष कटौती योग्य अस्थायी अंतर का उपयोग किया जा सकता है।

विवरण	संस्था	यथा 31.03.2022	यथा 31.03.2021
कर घाटे	धारक कंपनी	कोई अस्थायी अंतर नहीं है जिस पर स्थगित कर (संपत्ति) / देयता को पहचाना नहीं गया है	
	बेलोप		
	बीईएल-थालेस सिस्टम	118	548

ix. कर घाटा आगे बढ़ाया

विवरण	संस्था	यथा 31.03.2022		यथा 31.03.2021	
		राशि	समाप्त तिथि	राशि	समाप्त तिथि
समय सीमा समाप्त	धारक कंपनी	कोई कर हानि नहीं है जिस पर स्थगित कर संपत्ति को पहचाना गया है			
कभी समाप्त नहीं हो					
समय सीमा समाप्त	बेलोप	-	-	-	-
कभी समाप्त नहीं हो		-	-		-
समय सीमा समाप्त	बीईएल-थालेस सिस्टम	74	2023-27	469	2023-27
कभी समाप्त नहीं हो		44	-	80	-

x. समाधान के लिए प्रयुक्त कर दर आय कर अधिनियम, 1961 के तहत कर योग्य लाभों पर कार्पोरेट संस्थाओं द्वारा देय 25.168% (25.168%) की कार्पोरेट कर दर है। पिछले वर्ष के दौरान, कंपनी ने आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 115 बीएए जिसे कराधान कानून (संशोधन) अधिनियम, 2019 द्वारा जोड़ा गया, के तहत निम्नतर कर दर का विकल्प लिया है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 11 - वस्तुसूची

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
गैर चालू		
कच्चा माल और घटक	49,046	47,121
जोड़ें - मार्गस्थ कच्चा माल और घटक	64	91
घटाएँ - प्रावधान	(46,463)	(43,364)
	2,647	**3,848**
व्यापारगत स्टॉक	88	188
घटाएँ - प्रावधान	(88)	(188)
	-	-
भंडार व पुर्जे	275	257
घटाएँ - प्रावधान	(246)	(236)
	29	**21**
खुले औजार	127	147
घटाएँ - प्रावधान	(69)	(78)
	58	**69**
उप कुल (क)	**2,734**	**3,938**
चालू		
कच्चा माल और घटक	3,37,602	2,91,959
जोड़ें - मार्गस्थ कच्चा माल और घटक	21,517	29,168
	3,59,119	**3,21,127**
चालू कार्य	1,70,163	1,38,550
तैयार माल	14,536	17,874
जोड़ें - मार्गस्थ तैयार माल	9,712	9,801
	24,248	**27,675**
व्यापारगत स्टॉक	1,647	6,053
जोड़ें - मार्गस्थ व्यापारगत स्टॉक	5	-
	1,652	**6,053**
भंडार व पुर्जे	3,259	2,547
जोड़ें - मार्गस्थ भंडार व पुर्जे	-	6
	3,259	**2,553**
खुले औजार	814	747
जोड़ें - मार्गस्थ खुले औजार	-	-
	814	**747**
निपटान की रद्दी	236	323
	5,59,491	**4,97,028**
बेची न गई वस्तुसूची में अप्राप्य लाभ	(301)	(230)
उप कुल (ख)	**5,59,190**	**4,96,798**
कुल (क+ख)	**5,61,924**	**5,00,736**

i. कच्चे माल और घटकों में ₹ 14,722 (₹ 8,440) शामिल हैं जो उप-ठेकेदारों के पास धारित माल है जिसमें ₹ 386 (रु.694) का माल पुष्टिकरण और समाधान के अधीन है । ₹ 386 (रु.694) के समक्ष, ₹ 386 (₹ 694) की राशि का प्रावधान किया गया है ।

ii. वर्ष की स्टॉक सत्यापन विसंगतियाँ इस प्रकार हैं -

₹ 705 (₹ 473) की कमी और ₹ 389 (₹ 405) का अधिशेष। समाधान के लंबित होने पर, ₹ 316 (₹ 68) की राशि का प्रावधान किया गया है।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

iii. वस्तुसूचियों का मूल्यांकन ग्रूप की लेखा नीति सं. 17 के अनुसार किया गया है ।

iv. क. संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सचिवालय ने 05.11.2007 से 31.03.2012 की सत्यापन अवधि के लिए 2.5 मे.वॉ. बीईएल ग्रिड कनेक्टेड पवन शक्ति परियोजना, दावणगेरे जिला, कर्नाटक के लिए, पूर्व के वर्षों के दौरान 15,856 (15,856) टन CO2EQ कार्बन क्रेडिट मंजूर किया है। इन कार्बन क्रेडिट को ₹ 2 (₹ 2) के मूल्य पर तैयार माल के तहत शामिल किया जाता है। सी.ई.आर. को आईसीएआई द्वारा जारी सीईआर संबंधी मार्गदर्शी टिप्पणी द्वारा यथा अपेक्षित लागत पर मूल्यांकित किया जाता है ।

ख. प्रमाणीकरण के तहत सीईआर - कुछ नहीं (कुछ नहीं)

ग. वर्ष के दौरान उत्सर्जन कम करने वाले उपकरणों का मूल्यहास और प्रचालन -

क्र.सं.	विवरण	2021-22	2020-21
i.	मूल्यहास	287	287
ii.	उत्सर्जन कम करने वाले उपकरणों की प्रचालनीय लागत	201	154
	कुल	**488**	**441**

v. सुरक्षा, दृष्टिबंधन आदि

टिप्पणी 35 देखें।

vi. लाभ व हानि का विवरण में दर्शित राशि

वस्तुसूचियों को निवल वसूली योग्य मूल्य में बट्टे खाते में डालने की राशि ₹ 1,575 (₹ 1599) है, को लाभ व हानि के विवरण में दर्शाया गया ।

vii. वर्ष के दौरान वस्तुसूचियों को बट्टे खाते में डालने का ₹ 539 (1,985) का व्युत्क्रमण किया गया जिन्हें पिछले वर्ष में व्यय के रूप में दर्शाया गया ।

viii. परिसंपत्तियों की ह्रास

वस्तुसूची का प्रावधान ग्रूप की लेखा नीति सं. 17 के अनुरूप किया गया है।

ix. ₹ 4,350 (₹ 4370) राशि की सामग्री को ग्राहक के परिसर में वास्तविक रूप से देखा गया ।

x. कंपनी ने ठेकों की शर्तों के अनुसार ग्राहक की परिसंपत्तियाँ प्राप्त / प्रतिधारित की है और वे वस्तुसूची में नहीं है ।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 12 - अन्य परिसंपत्तियाँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
गैर चालू		
पूँजीगत अग्रिम	3,025	1,805
क्रय के लिए अग्रिम	2,764	2,765
घटाएँ - प्रावधान	(2,764)	(2,765)
	-	-
संविदा परिसंपत्ति	15,282	13,363
घटाएँ - प्रावधान	(15,282)	(13,363)
	-	-
अन्य		
सीमा शुल्क, पत्तन न्यास तथा अन्य सरकारी प्राधिकरणों के पास शेष	554	527
घटाएँ - प्रावधान	(424)	(397)
	130	**130**
पूर्वदत्त व्यय	516	76
प्राप्त दावे - क्रय	1,102	973
घटाएँ - प्रावधान	(1,102)	(973)
	-	-
संविदा की लागत	64,631	37,578
अन्य - परिसंपत्तियाँ	99	109
घटाएँ - प्रावधान	(19)	(29)
	80	**80**
उप कुल (क)	**68,382**	**39,669**
चालू		
पूँजीगत अग्रिमों के अलावा अग्रिम		
कर्मचारियों को दिए गए अग्रिम	781	638
क्रय के लिए दिए गए अग्रिम	1,41,390	1,66,407
संविदा परिसंपत्ति	5,67,139	4,66,695
अन्य		
सीमा शुल्क, पत्तन न्यास तथा अन्य सरकारी प्राधिकरणों के पास शेष *	36,912	29,075
पूर्वदत्त व्यय	5,368	5,658
पूर्वदत्त कर	6,178	6,037
प्राप्त दावे - क्रय	2,370	1,431
संविदा की लागत	16,760	14,392
अन्य - परिसंपत्तियाँ	1,224	1,043
उप कुल (ख)	**7,78,122**	**6,91,376**
कुल (क+ख)	**8,46,504**	**7,31,045**

* माननीय उच्च न्यायालय, मद्रास के एकल और बृहत् खंडपीठ से बीईएल के पक्ष में दो फैसले लिए गए। सर्वोच्च न्यायालय में प्रतिवाद दाखिल किया जीएसटी विभाग को क्रेडिट का उपयोग करने के लिए बीईएल के सक्षम बनाने के लिए समझाया गया। उपयोग के लिए ₹ 1,497 (₹ 1,497) का जीएसटी संक्रमणकालीन क्रेडिट लंबित है।

i. परिसंपत्तियों की ह्रास

गैर वित्तीय परिसंपत्तियों के ह्रास का प्रावधान कंपनी की लेखा नीति सं. 13 के अनुरूप किया गया है।

ii. संविदा परिसंपत्तियों की ह्रास

संविदा परिसंपत्तियों की ह्रास ₹ 881 (₹ 3210)

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

iii. संविदा के परिशोधन और ह्रास की लागत

संविदा के परिशोधन और ह्रास की लागत- संविदा के परिशोधन की लागत संविदा की लागत ₹ 11717 (₹ 7,527) से अपेक्षित अनुलाभ की अवधि के आधार पर निर्धारित की जाती है। निर्धारित संविदा परिशोधन और ह्रास की लागत कुछ नहीं (कुछ नहीं) हैं।

iv. उचित मूल्य का मापन्

विवरण	यथा 31 मार्च 2022			यथा 31 मार्च 2021		
	FVPL	FVOCI	परिशोधित लागत	FVPL	FVOCI	परिशोधित लागत
संविदा परिसंपत्ति	-	-	5,67,139	-	-	4,66,695

v. संविदा की लागत का अंतिम शेष ग्राहकों से ₹ 7,970 (₹ 6,329) की संविदा प्राप्त करने की लागत दर्शाता है तथा संविदा पूरा करने की लागत ₹ 73,421 (₹ 45,641) है ।

टिप्पणी 13 - नकद और नकद समतुल्य

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
बैंकों के पास शेष	41,182	51,511
हस्तस्थ नकद	1	1
मीयादी जमा	88,903	2,52,778
	1,30,086	**3,04,290**

i. नकद व नकद समतुल्य में तीन महीनों तक की मूल परिपक्वता अवधि की मीयादी जमा शामिल हैं। तीन महीनों से लेकर बारह महीनों तक की मूल परिपक्वता अवधि की मीयादी जमा को बैंक शेष में शामिल किया गया है (टिप्पणी 14 देखें) और बारह महीनों से अधिक की मूल परिपक्वता अवधि की मीयादी जमाओं को अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों में शामिल किया जाता है (टिप्पणी 9 देखें)।

ii. वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

iii. बैंकों के शेष में [मूल कंपनी] शामिल है

a. कर्नाटक के माननीय उच्च न्यायालय से प्राप्त स्थगल आदेश के अनुपालन में, बैंक प्राधिकारियों ने वसूली अधिकारी - ईएसआई निगम द्वारा जारी गारनिशी आदेश के आधार पर ₹ 46 (₹ 46) रोक रखा है।

iv. नकद व नकद समतुल्य के संबंध में कोई प्रत्यावर्ती प्रतिबंध नहीं है।

टिप्पणी 14 - बैंक शेष [उपर्युक्त (ii) के अलावा]

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
मीयादी जमा	6,24,578	2,01,830
अदत्त लाभांश खाता*	1,710	1,256
	6,26,288	**2,03,086**

* इसमें लाभांश के वितरण पर रोका गया ₹ 1495 (₹ 1,045) का कर शामिल है [मूल कंपनी]।

i. वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

ii. नकद व नकद समतुल्य के संबंध में कोई प्रत्यावर्ती प्रतिबंध नहीं है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 15 - चालू कर संपत्तियाँ / देयताएँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
चालू कर संपत्तियाँ (निवल)		
आय कर का अग्रिम भुगतान	14,474	13,364
	14,474	**13,364**
चालू कर देयता (निवल)		
कराधान का प्रावधान	69	-
	69	**-**

टिप्पणी 16

क. इक्विटी शेयर पूँजी

	विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
i.	**अधिकृत पूँजी**		
	आईएनआर 1 (आईएनआर 1) प्रत्येक के 250,00,00,000 (250,00,00,000) इक्विटी शेयर	25,000	25,000
ii.	**जारी, अभिदत्त एवं पूर्ण चुकता पूँजी**		
	आईएनआर 1 (आईएनआर 1) प्रत्येक के 243,65,92,943 (243,65,92,943) इक्विटी शेयर	24,366	24,366

iii. अवधि के प्रारंभ और अंत में बकाया शेयरों की संख्या का समाधान

विवरण	यथा 31 मार्च 2022		यथा 31 मार्च 2021	
	शेयरों की सं.	राशि	शेयरों की सं.	राशि
रिपोर्टिंग अवधि के प्रारंभ में बकाया शेयर	2,43,65,92,943	24,366	2,43,65,92,943	24,366
जोड़ें - वर्ष के दौरान जारी शेयर	-	-	-	-
घटाएँ - वर्ष के दौरान पुन:खरीद किए गए शेयर	-	-	-	-
रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बकाया शेयर	2,43,65,92,943	24,366	2,43,65,92,943	24,366

iv. कंपनी में 5% से अधिक शेयर धारित करने वाले प्रत्येक शेयरधारक द्वारा धारित शेयर

शेयरधारक का नाम	यथा 31 मार्च 2022		यथा 31 मार्च 2021	
	शेयरों की सं.	शेयरधारण का %	शेयरों की सं.	शेयरधारण का %
भारत सरकार	1,24,59,73,978	51.14%	1,24,59,73,978	51.14%
सीपीएसई विनिमय व्यापार योजना (सीपीएसई ईटीएफ)	-	-	13,75,69,765	5.65%
एचडीएफसी ट्रस्टी कंपनी लि. - ए/सी एचडीएफसी एमआईडी सीएपी ओपरच्युनिटी फंड	12,65,04,722	5.19%	13,63,88,678	5.60%

v. पिछले 5 वर्षों के दौरान बोनस शेयरों द्वारा पूर्ण चुकता के रूप में आबंटित शेयरों की कुल संख्या और वर्ग।

बोनस शेयरों द्वारा पूर्ण चुकता के रूप में आबंटित इक्विटी शेयर -

वर्ष	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21
शेयरों की संख्या	-	22,33,62,793	-	-	-

vi. पिछले 5 वर्षों के दौरान पुन:खरीदे गए शेयरों की कुल संख्या और वर्ग।

पुन:खरीदे गए इक्विटी शेयर -

वर्ष	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21
शेयरों की संख्या	1,66,37,207	2,03,97,780	-	-	-

vii. पिछले पांच वर्षों के दौरान मूल कंपनी ने संविदा के अनुसार नकद भुगतान प्राप्त किए बिना पूर्ण चुकता शेयर आबंटित नहीं किया है।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
viii.	विकल्प के तहत जारी करने के लिए आरक्षित शेयर तथा शेयर / विनिवेश की बिक्री की संविदाएँ/प्रतिबद्धताएँ कुछ नहीं	कुछ नहीं	कुछ नहीं
ix.	अदत्त कॉल का कुल मूल्य (कंपनी के निदेशकों और अधिकारियों सहित)	कुछ नहीं	कुछ नहीं
x.	जब्त शेयर	कुछ नहीं	कुछ नहीं

xi. प्रत्येक वर्ग के शेयर से संबद्ध निबंधन, अधिकार, अधिमानता और प्रतिबंध

क मूल कंपनी में केवल एक वर्ग के शेयर नामत: इक्विटी शेयर हैं।

ख इक्विटी शेयर के प्रत्येक धारक हाथ दिखाकर एक मत के हकदार होंगे और धारित शेयरों की संख्या के अनुपात में मतदान कर सकेंगे।

ग प्रत्येक शेयरधारक को कंपनी द्वारा घोषित लाभांश प्राप्त करने का अधिकार है।

घ कंपनी के समापन पर, इक्विटी शेयरधारक नियमों के अनुसार सभी अधिमान राशियों के वितरण के बाद, कंपनी की शेष परिसंपत्तियाँ, यदि कोई हो, के वसूल किए जाने वाले मूल्य के हकदार होंगे।

xii. क) अंतरिम लाभांश और अंतिम लाभांश

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
वित्तीय वर्ष 2020-21 और वित्तीय वर्ष 2019-20 के क्रमश: अंतिम लाभांश	29,239	34,112
वित्तीय वर्ष 2021-22 और वित्तीय वर्ष 2020-21 के क्रमश: अंतरिम लाभांश	73,098	68,225

ख. प्रारक्षणों की प्रकृति और उद्देश्य

i. पूँजीगत प्रारक्षण

पूँजी प्रारक्षण प्रतिधारित अर्जन से अंतरण करते हुए बनाया जाता है जो कंपनी द्वारा अर्जित पूँजीगत लाभ के समतुल्य राशि होती है । इस प्रारक्षण का उपयोग कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है ।

ii. पूँजी मोचन प्रारक्षण

पूँजी मोचन प्रारक्षण सामान्य प्रारक्षण से अंतरण करते हुए बनाया जाता है जो पुन:खरीद किए गए शेयरों के अंकित मूल्य के समतुल्य राशि होती है। इस प्रारक्षण का उपयोग कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है।

iii. अन्य व्यापक आय (ओसीआई) द्वारा इक्विटी निवेश

कंपनी ने अन्य व्यापक आय में कुछेक इक्विटी निवेशों के उचित मूल्य में परिवर्तनों को दर्शाने का विकल्प लिया है। उचित मूल्य में परिवर्तन इस प्रारक्षण में संचित होता है। जब कभी निवेश को न दर्शाने का विकल्प लिया जाता है, संचित राशि को प्रतिधारित अर्जन को अंतरित कर दिया जाता है।

iv. अन्य व्यापक आय (ओसीआई)

अन्य व्यापक आय ऐसी लब्धियाँ और हानियाँ होती हैं जिनकी वसूली अभी नहीं हुई है और जिन्हें लाभ व हानि के विवरण में शामिल नहीं किया गया है। इसमें मुख्य रूप से निवल निर्धारित अनुलाभ देयता / परिसंपत्ति (निवल कर) का पुनर्मापन शामिल किया जाता है।

v. प्रमोटर होने के नाते भारत सरकार यथा 31.03.2022 को 51.14% (51.14 %) शेयर धारित करती है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 17 - आस्थगित आय

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
गैर चालू		
सरकारी अनुदान - आस्थगित	14,843	16,499
उप कुल(क)	**14,843**	**16,499**
चालू		
सरकारी अनुदान - आस्थगित	1,654	1,711
उप कुल (ख)	**1,654**	**1,711**
कुल (क+ख)	**16,497**	**18,210**

i. प्रस्तुतीकरण की विधि के लिए लेखा नीति 16 देखें

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
ii. सरकारी अनुदान की उपयोगिता की प्रकृति		
क) राजस्व खर्च	-	-
ख) पूँजीगत खर्च		
- संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	16,497	18,210
iii. अन्य प्रकार की सरकारी सहायता जिससे कंपनी को प्रत्यक्ष रूप से लाभ मिला है	-	-
iv. सरकारी अनुदान से संबद्ध पूरी न की गई शर्तों के विवरण	-	-
v. सरकारी अनुदान से संबद्ध आकस्मिकताएँ	-	-

vi. प्राप्त उक्त अनुदान सौर शक्ति संयंत्रो के लिए व्यवहार्यता कमी के वित्त-पोषण, रूफ़ टॉप सौर प्रणालियों तथा ज़ेडएनएस परियोजना के लिए विशेष प्रोत्साहन पैकेज योजना (एम-शिप) संशोधित सहायता को दर्शाते हैं।

vii. सहायक कंपनी [बेलॉप] के मामले में

सहायक कंपनी ने बेलॉप में उच्चतर विनिर्देश के आई.आई. ट्यूबों का निर्माण करने के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण हेतु मे. फोटोनिस, फ्रांस के साथ करार किया है जो अनुदान द्वारा वित्त-पोषित है। वर्ष 2021-22 में टीओटी के लिए उपगत व्यय का अनुदान से टीओटी की लागत के 74.30% प्रतिशत को लाभ व हानि के विवरण में आय में अंतरित किया गया और संबंधित व्यय को लाभ व हानि के विवरण में नामे किया गया।

टिप्पणी 18 - उधार

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
गैर चालू		
रक्षित		
बैंकों से मीयादी ऋण	-	-
उप कुल	-	-
चालू		
रक्षित		
बैंकों से मीयादी ऋण	-	-
उप कुल (ख)	-	-
कुल (क + ख)	-	-

i. सुरक्षा की प्रकृति-

टिप्पणी 35 देखें ।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

टिप्पणी 19 - व्यापार देय

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
गैर चालू		
- अन्य	34	29
उप कुल(क)	**34**	**29**
चालू		
- सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को देय	24,844	15,343
- अन्य	3,12,086	3,14,547
उप कुल(ख)	**3,36,930**	**3,29,890**
कुल(क+ख)	**3,36,964**	**3,29,919**

गैर-चालू व्यापार प्रदेय 2021-2022

विवरण	बिल न किए गए	बिल किए गए परंतु देय नहीं	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया				कुल
			1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) एमएसएमई	-	-	-	-	-	-	-
(ii) अन्य	-	-	-	-	-	34	34
(iii) विवादित बकाया - एमएसएमई	-	-	-	-	-	-	-
(iv) विवादित बकाया - अन्य	-	-	-	-	-	-	-
कुल	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**34**	**34**

चालू व्यापार प्रदेय 2021-2022

विवरण	बिल न किए गए	बिल किए गए परंतु देय नहीं	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया				कुल
			1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) एमएसएमई	4,125	12,188	8,365	6	1	1	24,686
(ii) अन्य	25,424	1,90,432	75,906	12,439	2,289	5,296	3,11,786
(iii) विवादित बकाया - एमएसएमई	-	158	-	-	-	-	158
(iv) विवादित बकाया - अन्य	-	217	-	-	11	72	300
कुल	**29,549**	**2,02,995**	**84,271**	**12,445**	**2,301**	**5,369**	**3,36,930**

गैर-चालू व्यापार प्रदेय 2020-2021

विवरण	बिल न किए गए	बिल किए गए परंतु देय नहीं	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया				कुल
			1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) एमएसएमई	-	-	-	-	-	-	-
(ii) अन्य	-	-	-	-	-	29	29
(iii) विवादित बकाया - एमएसएमई	-	-	-	-	-	-	-
(iv) विवादित बकाया - अन्य	-	-	-	-	-	-	-
कुल	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**29**	**29**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

चालू व्यापार प्रदेय 2020-2021

विवरण		बिन न किए गए	बिल किए गए परंतु देय नहीं	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया				कुल
				1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i)	एमएसएमई	1,084	5,216	8,884	2	-	-	15,186
(ii)	अन्य	29,255	1,26,444	1,46,789	4,037	2,278	5,541	3,14,344
(iii)	विवादित बकाया - एमएसएमई	-	158	-	-	-	-	158
(iv)	विवादित बकाया - अन्य	-	203	-	-	-	-	203
कुल		**30,339**	**1,32,020**	**1,55,673**	**4,039**	**2,278**	**5,541**	**3,29,890**

i. 31 मार्च, 2022 को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास (एमएसएमईडी) अधिनियम, 2006 के तहत यथा अपेक्षित सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को देय संबंधी सूचना नीचे दी गई है -

	विवरण	2021-22	2020-21
क.	उस पर देय मूलधन और ब्याज जो 31 मार्च को अदत्त थे -		
	मूलधन *	25,181	15,551
	ब्याज	14	6
ख.	एमएसएमईडी अधिनियम की धारा 16 के परिप्रेक्ष्य में कंपनी द्वारा अदा किया गया ब्याज और 31 मार्च को समाप्त वर्ष के दौरान निर्धारित दिन के बाद किए गए भुगतान की राशि -		
	मूलधन	-	-
	ब्याज	4	5
ग.	31 मार्च को समाप्त वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा व्युत्क्रमित ब्याज	-	-
घ.	विलंब की अवधि के लिए देय और प्रदेय ब्याज (जिसका भुगतान तो किया गया लेकिन वर्ष के दौरान निर्धारित दिन के बाद) परंतु अधिनियम के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना।**	-	-
ङ.	31 मार्च को समाप्त वर्ष के अंत में प्रोद्भत एवं अदत्त ब्याज	14	6
च.	ब्याज जो बाद के वर्षों में भी देय और प्रदेय तब तक बना रहा जब तक उपरोक्तानुसार ब्याज की देय राशियाँ एमएसएमईडी अधिनियम की धारा 23 के तहत कटौती करने योग्य खर्च के रूप में अस्वीकृत करने के प्रयोजनार्थ लघु उद्यम को वास्तविक रूप से अदा नहीं कर दी गई।	12	4

* इसमें टिप्पणी 20 में दर्शित राशि शामिल है

**आईएनआर 8470(आईएनआर 3,499) [परम अंक दर्शाता है] शामिल है, जो पूर्णांकित किया गया है । (मूल कंपनी)

साथ ही चालू वर्ष के संबंध में पहले से अदा किए गए आईएनआर कुछ नहीं (कुछ नहीं) के मूलधन के लिए प्रदेय और देय ब्याज [परम अंक दर्शाता है] को पूर्णांकित किया गया और 31.03.2021 को आईएनआर 22,111 [परम अंक दर्शाता है] पूर्णांकित किया गया [बेलोप]।

ii. यह सूचना ऐसे पूर्तिकर्ताओं, जहाँ तक उन्हें कंपनी के पास उपलब्ध सूचना के आधार पर सूक्ष्म एवं लघु उद्यम के रूप में निर्धारित किया जा सका, के संबंध में दी गई है और इस बारे में लेखा परीक्षकों द्वारा उत्तर दिया गया है।

iii. वित्तीय विलेख

वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

iv. व्यापार देय के संबंध में मुद्रा तथा चलनिधि के जोखिम के प्रति कंपनी का एक्सपोज़र टिप्पणी 34 में प्रकट किया गया है।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

टिप्पणी 20 - अन्य वित्तीय देयताएँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
गैर चालू		
सुरक्षा जमा	2,022	671
उप कुल(क)	**2,022**	**671**
चालू		
सुरक्षा जमा	28,517	26,607
व्यापार देय पर प्रोद्भूत एवं देय ब्याज[1]	14	6
अन्य व्यापार देय	8,749	20,948
अदत्त परिपक्व जमा राशियाँ	37	37
अदत्त लाभांश	215	211
सूक्ष्म व लघु उद्यम को देय गैर-व्यापार देय[2]	337	208
बकाया व्यय	57,012	46,709
अन्य देयताएँ	1,162	1,169
उप कुल(ख)	**96,043**	**95,895**
कुल (क+ख)	**98,065**	**96,566**
तुलन-पत्र की तारीख को निवेशक शिक्षा और सुरक्षा निधि को अंतरित की जाने वाली राशि.	कुछ नहीं	कुछ नहीं

[1] टिप्पणी (19) देखें

i. वित्तीय विलेख

वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

टिप्पणी 21 - प्रावधान

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
गैर चालू		
कर्मचारी अनुलाभ		
उपदान	3	-
दीर्घकालीन प्रतिपूरक अनुपस्थितियाँ	37,967	36,560
बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना (बीईआरईसीएचएस)	1,06,186	75,567
अन्य		
दुर्वह संविदाओं का प्रावधान	628	573
कार्य-निष्पादन वारंटी का प्रावधान	33,377	26,345
स्थल पुन:स्थापन देयता का प्रावधान	2,371	2,158
उप कुल (क)	**1,80,532**	**1,41,203**
चालू		
कर्मचारी अनुलाभ		
उपदान *	(2,172)	(1,376)
दीर्घकालीन प्रतिपूरक अनुपस्थितियाँ	3,983	3,728
बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना (बीईआरईसीएचएस)	10,308	6,940
अधिवर्षिता (पेंशन) योजना में प्रबंधन का योगदान	80	-
वार्षिक प्रोत्साहन राशि	143	123
अन्य		
दुर्वह संविदाओं का प्रावधान	3,173	1,248
कार्य-निष्पादन वारंटी का प्रावधान	26,867	24,365
उप कुल (ख)	**42,382**	**35,028**
कुल (क+ख)	**2,22,914**	**1,76,231**

* मूल कंपनी के संबंध में ₹ 2210 (₹ 1501) बाध्यता पर योजित परिसंपत्ति का अधिशेष दर्शाता है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

i. 2021-22 को समाप्त वर्ष के लिए प्रावधानों का संचलन

विवरण	कार्य-निष्पादन वारंटी	दुर्वह संविदा	स्थल पुन:स्थापन देयता
1 अप्रैल को	**50,710**	**1,821**	**2,158**
वर्ष के दौरान अभिचिह्नित अतिरिक्त प्रावधान	33,188	2,527	213
वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि (नीचे की टिप्पणी vi देखें)	9	-	-
वर्ष के दौरान व्युत्क्रमित अप्रयुक्त राशि	23,645	547	-
31 मार्च को	**60,244**	**3,801**	**2,371**

2020-21 को समाप्त वर्ष के लिए प्रावधानों का संचलन

विवरण	कार्य-निष्पादन वारंटी	दुर्वह संविदा	स्थल पुन:स्थापन देयता
1 अप्रैल को	**44,776**	**1,665**	**2,114**
वर्ष के दौरान अभिचिह्नित अतिरिक्त प्रावधान	27,161	1,294	44
वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि (नीचे की टिप्पणी vi देखें)	9	-	-
वर्ष के दौरान व्युत्क्रमित अप्रयुक्त राशि	21,218	1,137	-
31 मार्च को	**50,710**	**1,821**	**2,158**

ii. वारंटियों का प्रावधान - ग्रूप की लेखा नीति 19 के अनुसार।

ऐसे उत्पादों के संबंध में वारंटियों का प्रावधान किया जाता है जिनकी सामान्य वारंटी अवधि बकाया होती है। चूंकि वारंटी प्रावधान की अवधि उत्पाद-दर-उत्पाद अलग भिन्न होती है, वारंटी अवधि की औसत अवधि के आधार पर रणनीतिक कारोबारी यूनिट (एसबीयू) स्तर पर प्रावधान किया जाता है। संभावित व्ययों की प्रवृत्ति आधारित प्राक्कलन के आधार पर प्रावधान किया जाता है। इस प्रावधान का मापन वारंटी की प्राक्कलित लागत के वर्तमान मूल्य पर किया जाता है।

iii. स्थल पुन:स्थापन का प्रावधान - ग्रूप की लेखा नीति 22 के अनुसार

पट्टादाता के साथ किए गए पट्टा करार के निबंधनों व शर्तों के अनुसार, मूल कंपनी को भूमि उसकी मूल स्थिति में वापस करना है। तदनुसार, स्थल पुन:स्थापन देयता का प्रावधान किया गया है। इस प्रावधान की समीक्षा की जाती है और प्रत्येक वर्षांत में आवश्यक समायोजन किए जाते हैं।

इस प्रावधान का मापन पुन:स्थापन की लागत के सर्वोत्तम प्राक्कलन के वर्तमान मूल्य पर किया जाता है।

iv. दुर्वह संविदाओं का प्रावधान - ग्रूप की लेखा नीति 22 के अनुसार

मूल कंपनी द्वारा की गई कुछेक संविदाओं के संबंध में, यह अपेक्षा की जाती है कि संविदा को पूरी करने की संभावित लागत संविदा के समक्ष प्राप्त / प्राप्य राजस्व से अधिक होगी। ऐसे मामलों में, संभावित हानियों का प्रावधान किया गया। इस प्रावधान की समीक्षा की जाती है और प्रत्येक वर्षांत में आवश्यक समायोजन किए जाते हैं। इस प्रावधान का मापन संभावित हानि की प्राक्कलित लागत के वर्तमान मूल्य पर किया जाता है।

v. बिक्री के संबंध में कार्य-निष्पादन वारंटी की देयता जहाँ पूर्तिकर्ता की दोतरफा वारंटी उपलब्ध है, पूर्तिकर्ता द्वारा चूक किए जाने की स्थिति में संभावित देयता, यदि कोई हो, निर्धारित नहीं की जाती और इसका उल्लेखनीय होना अपेक्षित नहीं है।

vi. प्रारंभिक प्रावधान को नामे की गई राशि

vii. वारंटी की लागत के संबंध में नैसर्गिक कोड शीर्ष के समक्ष रु. 7,555 (रु.7,873) की राशि नामें की गई ।

स्थल पुन:स्थापन की देयता के संबंध में नैसर्गिक कोड शीर्षक के समक्ष कुछ नहीं (कुछ नहीं) नामे की गई ।

viii. वेंटिलेटर परियोजना से संबंधित कार्य-निष्पादन वारंटी मूल कंपनी के सर्वोत्तम प्राक्कलनों के आधार पर किए गए थे क्योंकि सामान्य क्रम में प्रवृत्ति निर्धारित नहीं की गई थी।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

(क). नियोजन पश्चात् कर्मचारी अनुलाभ देयता

(i) उपदान - (मूल कंपनी के संबंध में)

कंपनी भारत में उपदान संदाय अधिनियम, 1972 के अनुसार कर्मचारियों को उपदान प्रदान करती है। कंपनी में अपने कर्मचारियों के लिए एक उपदान योजना है जो वित्त-पोषित योजना है। प्रत्येक वर्ष कंपनी निधि देयताओं पर परिसंपत्तियों की कमी की सीमा तक इस उपदान ट्रस्ट में निधि विप्रेषित करती है जो बीमांकक मूल्यांकन द्वारा तय की जाती है। इस उपदान योजना के अनुसार, कंपनी में कम से कम पाँच वर्षों की सतत् सेवा प्रदान करने के बाद सेवा समाप्ति पर कर्मचारी को देय होता है। सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष या छ: महीनों की अवधि से अधिक भाग के लिए, कंपनी अंतिम आहरित मूल वेतन और महंगाई भत्ते के आधार पर पंद्रह दिन के वेतन की दर से कर्मचारी को उपदान का भुगतान करती है।

निम्नलिखित टेबल में लाभ व हानि की विवरणी में निर्धारित निवल अनुलाभ व्यय के घटक और तुलन-पत्र में निर्धारित राशियों का सार और बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार वर्षों के दौरान निवल निर्धारित अनुलाभ देयता का संचलन दिया गया है -

विवरण	2021-22	2020-21
i) देयताओं के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन -		
वर्ष के प्रारंभ में देयताओं का वर्तमान मूल्य	70,202	71,304
चालू सेवा लागत	1,574	1,783
ब्याज की लागत	4,661	4,559
विगत सेवा लागत	-	-
अदा किए गए अनुलाभ	(6,471)	(5,490)
अन्य व्यापक आय में निर्धारित बीमांकिक (लब्धि) / हानि		
योजित देयता में वित्तीय मान्यताओं का परिवर्तन - हानि / (लब्धि)	(2,217)	(1,938)
योजित देयता में अनुभव समायोजन - हानि / (लब्धि)	352	(16)
अवधि के अंत में देयताओं का वर्तमान मूल्य	**68,101**	**70,202**
ii) योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन -		
वर्ष के प्रारंभ में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	71,703	69,702
योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	4,765	4,532
अंशदान	-	2,400
अदा किए गए अनुलाभ	(6,471)	(5,490)
अन्य व्यापक आय में निर्धारित योजित परिसंपत्तियों पर बीमांकक लब्धि / (हानि)	378	559
अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**70,375**	**71,703**
निर्धारित अनुलाभ (परिसंपत्ति) / देयता	**(2,274)**	**(1,501)**
परिसंपत्ति की ऊपरी सीमा के प्रभाव - वर्ष के प्रारंभ में	**-**	**-**
परिसंपत्ति की ऊपरी सीमा के प्रभाव - वर्ष के अंत में	**64**	**-**
निवल निर्धारित अनुलाभ (परिसंपत्ति) / देयता	**(2,210)**	**(1,501)**
iii) लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय -		
चालू सेवा लागत	1,574	1,783
निवल निर्धारित अनुलाभ देयता पर निवल ब्याज	(104)	27
विगत सेवा लागत	-	-
लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय	1,470	1,810
iv) अन्य व्यापक आय के विवरण में निर्धारित राशियाँ (पुन:मापन) -		
योजित देयताओं पर बीमांकिक (लब्धि) / हानि	(1,865)	(1,954)
योजित परिसंपत्तियों पर वास्तविक प्राप्ति और ब्याज की आय के बीच का अंतर - (लब्धि) / हानि	(378)	(559)
तुलन-पत्र की परिसंपत्ति सीमा का प्रभाव	64	-
अन्य व्यापक आय के विवरण में निर्धारित राशियाँ	(2,179)	(2,513)

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

विवरण	2021-22	2020-21
v) तुलन-पत्र में निर्धारित राशियाँ -		
अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	68,101	70,202
अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	70,375	71,703
वित्त पोषण की स्थिति [(अधिशेष) / कमी]	**(2,274)**	**(1,501)**
परिसंपत्ति की सीमा के प्रभाव - वर्ष के प्रारंभ में	**-**	**-**
परिसंपत्ति की सीमा के प्रभाव - वर्ष के अंत में	**64**	**-**
तुलन-पत्र के अनुसार 31 मार्च को वर्ष की देयता / (परिसंपत्ति)	**(2,210)**	**(1,501)**
vi) योजित परिसंपत्तियाँ		
योजित परिसंपत्तियों के वर्ग इस प्रकार हैं -		
राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ	0.11%	0.11%
भारत सरकार की प्रतिभूतियाँ	1.21%	1.18%
उच्च गुणता के कार्पोरेट बांड	-	-
बीमाकर्ता के पास निवेश	98.67%	98.70%
अन्य (बैंक शेष)	0.01%	0.01%
vii) बीमांकक मान्यताएँ -		
बट्टे की दर	7.34%	6.96%
प्रतिपूरक स्तर में वृद्धि की दर	7.00%	7.00%
योजित परिसंपत्तियों पर प्राप्ति की अपेक्षित दर	7.34%	6.96%
अनुमानित औसत भावी कार्यशील जीवन	15.10	15.30
viii) अदा किए जाने वाले अंशदान का सर्वोत्तम प्राक्कलन -		
तुलन-पत्र के बाद शुरु होने वाली वार्षिक अवधि के दौरान उपदान के लिए अदा किए जाने वाले अंशदान का सर्वोत्तम प्राक्कलन रु. कुछ नहीं (कुछ नहीं) है।		
ix) संवेदनशीलता विश्लेषण -		
बट्टे की दर (0.50% संचलन) में वृद्धि	7.84%	7.46%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	(2,722)	(2,931)
बट्टे की दर (0.50% संचलन) में कमी	6.84%	6.46%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	2,945	3,176
वेतन वृद्धि दर (0.50% संचलन) में वृद्धि	7.50%	7.50%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	741	904
वेतन वृद्धि दर (0.50% संचलन) में कमी	6.50%	6.50%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	(820)	(960)

अतिरिक्त प्रकटण -

i. संवेदनशीलता विश्लेषण में अन्य मान्यताओं को ध्यान में रखते हुए एक समय में एक प्रमुख बीमांकिक मान्यता का परिवर्तन शामिल है। संवेदनशील विश्लेषण 50 मूल अंकों तक जोड़ते या घटाते हुए परिवर्तित मान्यताओं के संपूर्ण मूल्यांकन मॉडल को दोबारा चलाते हुए प्रत्यक्ष विधि का प्रयोग करते हुए किया गया है।

ii. पिछले वर्ष की तुलना में संवेदनशीलता विश्लेषण करने में प्रयुक्त विधियों और मान्यताओं में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

iii. उपदान निर्धारित अनुलाभ देयता का परिपक्वता प्रोफाइल नीचे दिए गया है -

वर्ष	31 मार्च 2022 को	31 मार्च 2021 को
वर्ष 1	4,134	3,774
वर्ष 2	10,010	9,324
वर्ष 3	8,441	7,180
वर्ष 4	8,085	8,270
वर्ष 5	7,399	7,967
अगले 5 वर्ष	27,642	30,750

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

(i) उपदान विवरण (सहायक कंपनी - बेलॉप के संबंध में)-

भारतीय लेखा मानक 19 कर्मचारी लाभ द्वारा आवश्यक कर्मचारी लाभों का विवरण निम्नानुसार हैं-

परिभाषित लाभ योजना

i) लाभ और हानि के बयान में मान्यता प्राप्त परिभाषित लाभ योजनाओं के संबंध में बीमांकिक लाभ और हानि रु.53 (पिछले वर्ष रु.61) है।

ii) अन्य लाभकारी आय विवरण में मान्यता प्राप्त लाभ योजनाओं के संबंध में बीमांकिक लाभ और हानि रु. 15 (पिछले वर्ष रु.64) ।

iii) उपदान एक कर्मचारी की सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए 15 दिनों अंतिम आहरित वेतन के आधार पर कर्मचारी को दिए जाने वाला लाभ है।

iv) उपदान योजना वित्त पोषित है।

		विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
क		**परिभाषित दायित्व के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन, उसके शुरुवाती और अंतिम समय के शेष का प्रतिनिधित्व निम्नानुसार हैं-**		
	1	अवधि की शुरुआत में परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	1,004	844
	2	ब्याज लागत	69	57
	3	चालू सेवा लागत	44	40
	4	पूर्व सेवा लागत	-	-
	5	परिसंपत्तियों का हस्तांतरित इन / अभिग्रहण	-	-
	6	(परिसंपत्तियां हस्तांतरित आउट / विनिवेश)	-	-
	7	काट छांट पर हानि/(लाभ)	-	-
	8	परिशोधन पर शामक देयताएँ	-	-
	9	(नियोक्ता द्वारा प्रत्यक्ष रूप से भुगतान किया गया लाभ)	-	-
	10	(निधि से भुगतान किया गया लाभ)	(12)	(12)
	11	विदेशी मुद्रा दरों में परिवर्तन का प्रभाव	-	-
	12	बीमांकिक (लाभ) / दायित्वों पर नुकसान - जनसांख्यिकी मान्यताओं में बदलाव के कारण	1	-
	13	बीमांकिक (लाभ) / दायित्वों पर नुकसान - वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन के कारण	(10)	(2)
	14	बीमांकिक दायित्वों पर (लाभ) / नुकसान - अनुभव के कारण	3	77
	15	यथा तुलन पत्र की दिनांक के अनुसार निर्धारित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	1,099	1,004
ख		**परिभाषित दायित्व के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन, उसके शुरुवाती और अंतिम समय के शेष का प्रतिनिधित्व निम्नानुसार हैं-**		
	1	अवधि की शुरुआत में योजना की संपत्ति का उचित मूल्य	879	544
	2	ब्याज आय	60	36
	3	नियोक्ताओं द्वारा वास्तविक योगदान	126	300
	4	कर्मचारियों द्वारा अपेक्षित योगदान	-	-
	5	परिसंपत्तियों का हस्तांतरित इन / अधिग्रहण	-	-
	6	(परिसंपत्तियां हस्तांतरित आउट / विनिवेश)	-	-
	7	(फंड से भुगतान की गई लाभ)	(12)	(12)
	8	(परिशोधन पर वितरित परिसंपत्तियां)	-	-
	9	परिसंपत्ति की उच्चतम सीनी पर प्रभाव	-	-
	10	विदेशी मुद्रा दरों में परिवर्तन का प्रभाव	-	-
	11	योजनाबद्ध परिसंपत्तियों पर रिटर्न, ब्याज आय को छोड़कर	8	11
	12	अवधि के अंत में योजना की संपत्ति का उचित मूल्य	1,061	879

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

विवरण			यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
ग	तुलन पत्र में मान्यता प्राप्त राशि-			
	1	अवधि के अंत में परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	(1,099)	(1,004)
	2	वर्ष के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	1,061	879
	3	वित्त पोषित स्थिति [अधिशेष / (घाटा)]	(38)	(125)
	4	तुलन पत्र में मान्यता प्राप्त निवल परिसंपत्ति / (देयता)	(38)	(125)
घ	तुलन पत्र में मान्यता प्राप्त राशि दिखाने वाली योजना परिसंपत्तियों के परिभाषित लाभ दायित्व और उचित मूल्य के वर्तमान मूल्य का सामंजस्य-			
	1	अवधि के अंत में परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	(1,099)	(1,004)
	2	अवधि के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	1,061	879
	3	वित्त पोषित स्थिति [अधिशेष / (कमी)]	(38)	(125)
	4	गैर-मान्यता प्राप्त विगत सेवा लागत	-	-
	5	तुलन पत्र में मान्यता प्राप्त शुद्ध संपत्ति / (देयता)	(38)	(125)
ङ	वर्तमान अवधि के लिए लाभ या हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त व्यय			
	1	वर्तमान सेवा की लागत	45	41
	2	ब्याज लागत	8	20
	3	पिछली सेवा लागत	-	-
	4	(कर्मचारियों द्वारा अपेक्षित अंशदान)	-	-
	5	काट छांट व परिशोधन पर हानि / (लाभ)	-	-
	6	विदेशी मुद्रा दरों में बदलाव का शुद्ध प्रभाव	-	-
	7	उपदान फंड में योगदान के तहत लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त कुल व्यय	53	61
च	अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में मान्यता प्राप्त व्यय			
	1	अवधि के लिए दायित्व में बीमांकिक (लाभ) / हानि	(7)	75
	2	योजनाबद्ध परिसंपत्तियों पर प्राप्ति, ब्याज आय को छोड़कर	(8)	(11)
	3	परिसंपत्ति की उच्चतम सीमा में बदलाव	-	-
	4	ओसीआई में मान्यता प्राप्त अवधि के लिए निवल (आय) / व्यय	(15)	64

छ उपदान और सेवानिवृत्ति के संबंध में वित्त-पोषित अनुलाभों के संबंध में, योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य "बीमाकर्ता द्वारा प्रबंधित निधि" के माध्यम से निवेश की गई राशियों को दर्शाता है।

ज प्रधान बीमांकिक अनुमान-

		2021-22	2020-21
1	छूट की दर (%)	6.98%	6.86%
2	योजनागत संपत्ति पर संभावित लाभ (%)	6.98%	6.86%
3	वेतन वृद्धि (%)	10.50%	10.50%
4	कर्मचारी आवर्त की दर	2.00%	2.00%

क) छूट की दर दायित्वों की अनुमानित शर्तों के लिए तुलन पत्र की तारीख के अनुसार भारत सरकार की प्रतिभूतियों के प्रचलित बाजार लब्धियों पर आधारित है।

ख) योजित परिसंपत्तियों की प्राप्ति की अपेक्षित दर- यह दायित्वों की अनुमानित अवधि के दौरान निधि के निवेश पर अपेक्षित लंबी अवधि की औसत प्राप्ति की अपेक्षा पर आधारित है।

ग) वेतन वृद्धि दर- भविष्य के वेतन वृद्धि के अनुमानों पर मुद्रास्फीति, वरिष्ठता, पदोन्नति और अन्य प्रासंगिक कारकों को ध्यान में रखा जाता है।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

I संवेदनशीलता विश्लेषण

विवरण		यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
वर्तमान अनुमानों पर अनुमानित लाभ दायित्व		1,099	1,004
1	डेल्टा प्रभाव + 1% छूट की दर में परिवर्तन	(80)	(78)
2	डेल्टा प्रभाव -1% छूट की दर में परिवर्तन	89	88
3	डेल्टा प्रभाव +1% वेतन वृद्धि की दर में बदलाव	86	84
4	डेल्टा प्रभाव -1% वेतन वृद्धि की दर में बदलाव	(78)	(76)
5	डेल्टा प्रभाव +1% कर्मचारी विक्रयावर्त की दर में परिवर्तन	(15)	(16)
6	डेल्टा प्रभाव -1% कर्मचारी विक्रयावर्त की दर में परिवर्तन	17	17

(ञ) उपदान फंड का निवेश बीमा कंपनी के पास है -

निर्धारित अंशदान योजनाएं (सहायक कंपनी - बीईएल थालेस सिस्टम लिमिटेड के संबंध में)

कंपनी के कर्मचारी धारक कंपनी "मे. भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड" से और संबंधित पक्ष "थालेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड" और बीईएल - थालेस सिस्टम्स लिमिटेड के कर्मचारी प्रतिनियुक्ति पर हैं। संबंधित कंपनियों के प्रतिनियुक्ति आदेशों के अनुसार निम्नलिखित अंशदान कर्मचारी के वेतन के निर्दिष्ट प्रतिशत पर आवधिक रूप से धारक कंपनी और थालेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को आवधिक रूप से विप्रेषित किए जाते हैं-

क) भविष्य निधि को अंशदान

ख) कर्मचारी अधिवार्षिता निधि

ग) उपदान

घ) कर्मचारी छुट्टी अनुलाभ

अंशदान प्रोद्भूत होने पर लाभ व हानि के विवरण को प्रभारित किए जाते हैं।

कंपनी में बीईएल-थालेस सिस्टम्स लिमिटेड के कर्मचारियों के लिए निर्धारित अनुलाभ उपदान योजना (गैर वित्त-पोषित) है।

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष
भविष्य निधि में अंशदान को भविष्य निधि तथा अन्य निधियों में अंशदान के तहत शामिल किया गया है	29	29
कुल	**29**	**29**

निर्धारित अनुलाभ योजनाएं

(i) उपदान

कंपनी में पात्र कर्मचारियों के लिए उपदान, एक निर्धारित अनुलाभ सेवानिवृत्ति योजना ("उपदान योजना") का प्रावधान है। उपदान योजना में सेवानिवृत्ति, मृत्यु, नियोजन के असामर्थ्य या समापन पर अधिकार प्राप्त कर्मचारियों को संबंधित कर्मचारी के वेतन तथा नियोजन के कार्यकाल के आधार पर निर्धारित राशि का एकमुश्त भुगतान करने का प्रावधान है। अधिकार निधान पांच वर्षों की सेवा समाप्त होने पर लागू होता है। उपदान योजना से संबंधित देयताएं तुलन-पत्र की तारीख में बीमांकिक मूल्यांकन द्वारा निर्धारित की जाती है। यथा 31 मार्च, 2021 को कंपनी की उपदान योजना गैर वित्त-पोषित है और कंपनी द्वारा कोई परिसंपत्ति नहीं रखी जाती तथा परिसंपत्ति मूल्य शून्य माना जाता है; नकद का अभाव होने के कारण चलनिधि का जोखिम हो सकता है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

ऐसी योजनाओं से कंपनी को सामान्य रूप से बीमांकिक जोखिम हो सकता जैसे ब्याज दर का जोखिम, चलनिधि का जोखिम, वेतन वृद्धि का जोखिम, जनसांख्यिकीय जोखिम तथा विनियामक जोखिम।

ब्याज दर का जोखिम	योजना से कंपनी को ब्याज दर में गिरावट का जोखिम हो सकता है। ब्याज दर में कमी से उक्त अनुलाभ प्रदान करने की अंतिम लागत बढ़ती है और इस प्रकार, देयता के मूल्य में भी वृद्धि होती है (वित्तीय विवरणों में बताए गए अनुसार)।
चलनिधि का जोखिम	यह वह जोखिम है जिसे कंपनी अल्पकालीन उपदान भुगतानों से पूरा नहीं कर पता है। देयताएं पूरा करने के लिए पर्याप्त नकद/ नकद समतुल्य न होने या समय पर न बिक रही गैर चलनिधि परिसंपत्तियों को धारित करने से ऐसी समस्या हो सकती है।
वेतन वृद्धि का जोखिम	निर्धारित अनुलाभ योजना के वर्तमान मूल्य का परिकलन भविष्य में योजना के सहभागियों की वेतन वृद्धि दर को मानकर किया जाता है। देयता का वर्तमान मूल्य तय करने के लिए प्रयुक्त वेतन में बढ़ोत्तरी की दर से योजना के प्रतिभागियों के लिए भविष्य में वेतन वृद्धि की दर में विचलन का योजना की देयता पर प्रभाव पड़ेगा।
जनसांख्यिकीय जोखिम	कंपनी ने देयता के मूल्यांकन में कुछेक मृत्यु दर और संघर्षण मान्यताओं का प्रयोग किया है। कंपनी को वास्तविक अनुभव के जोखिम का एक्सपोज़र है जो मान्यताओं से तुलना करने पर अधिक बुरा हो रहा है।
विनियामक जोखिम	उपदान अनुलाभ उपदान अधिनियम, 1972 (समय-समय पर यथा संशोधित) की आवश्यकताओं के अनुसार उपदान अनुलाभ अदा किए जाते हैं। उपदान के अधिक भुगतान करने वाले विनियम आने का जोखिम होता है (जैसे उपदान की अधिकतम सीमा ₹ 20,00,000 से अधिक होना)।

बीमांकिक मूल्यांकन विधि-

निर्धारित अनुलाभ देयताओं तथा संबंधित चालू सेवा लागत और जहां लागू हो, विगत सेवा लागत का वर्तमान मूल्य निर्धारित करने के लिए भारतीय ए.एस. 19 के अनुसार प्रक्षेपित यूनिट क्रेडिट विधि का प्रयोग करते हुए मूल्यांकन किया गया है।

विवरण	31 मार्च 2022 को उपदान
लाभ व हानि खाते के विवरण में कर्मचारी लागत में निर्धारित निवल कर्मचारी अनुलाभ व्यय	
चालू सेवा लागत	1
अनुलाभ देयता पर ब्याज की लागत	-
विगत सेवा लागत	1
योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	-
उप कुल	**2**
अन्य व्यापक आय में निर्धारित	
योजित परिसंपत्तियो पर वर्ष में निर्धारित निवल बीमांकिक (लब्धि)/हानि	1
योजित परिसंपत्तियों पर वास्तविक प्राप्ति और ब्याज की आय के बीच का अंतर - (लब्धि)/हानि	-
तुलन-पत्र परिसंपत्ति सीमा का प्रभाव	-
उप कुल	**1**
निवल अनुलाभ व्यय	**3**
तुलन पत्र	
अनुलाभ परिसंपत्ति / देयता	-
निर्धारित अनुलाभ देयता का वर्तमान मूल्य	3
योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	
तुलन पत्र में निर्धारित परिसंपत्तियां / (देयता)	3
निर्धारित अनुलाभ देयता के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन	
प्रारंभिक निर्धारित अनुलाभ देयता	-
अंदर अंतरित अनुलाभ	-
बाहर अंतरित अनुलाभ	-
अदा किए गए अनुलाभ	-
अधिग्रहण समायोजन	-
लाभ व हानि खाते के विवरण में निर्धारित व्यय	
चालू सेवा लागत	1
अनुलाभ देयता पर ब्याज लागत	-
विगत सेवा लागत	1

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2022 को उपदान
अन्य व्यापक आय में निर्धारित	
देयता पर बीमांकिक (लब्धि) / हानि	1
अंतिम निर्धारित अनुलाभ देयता	3
वर्ष के अंत में देयता के वर्तमान मूल्य का विभाजन	
चालू देयता (अल्पकालिक)	-
गैर चालू देयता (दीर्घकालिक)	3
देयता का वर्तमान मूल्य	3
योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन	
योजित परिसंपत्तियों का प्रारंभिक उचित मूल्य	-
नियोक्ता का अंशदान	-
निवेश आय	-
अदा किए गए अनुलाभ	-
योजित परिसंपत्तियों पर प्राप्ति, निवल ब्याज व्यय में निर्धारित राशि को छोड़कर	-
योजित परिसंपत्तियों का अंतिम उचित मूल्य	-
मान्यताएं	
बट्टे की दर (% प्रति वर्ष)	6.69%
वेतन वृद्धि की अपेक्षित दर (%)	3.00%
मृत्यु दर	(% of IALM 2012-14)
सेवानिवृत्ति की सामान्य आयु	60 वर्ष
संघर्षण / वापसी दर प्रति वर्ष	14.28%

बीमांकिक मूल्यांकन में विचार की गई भावी वेतन वृद्धियों के प्राक्कलन में मुद्रास्फीति, वरिष्ठता, पदोन्नति तथा अन्य संबंधित कारकों पर विचार किया गया है जैसे नियोजन के क्षेत्र में पूर्ति और मांग।

चालू और पिछली अवधियों के लिए निर्धारित अनुलाभ योजना की राशियां इस प्रकार हैं -

विवरण	निर्धारित अनुलाभ देयता का वर्तमान मूल्य	अधिशेष / (कमी)	योजित देयताओं पर अनुभव समायोजन - (हानि)/ लब्धि	योजित देयताओं पर मान्यताओं में परिवर्तन का प्रभाव - (हानि) / लब्धि	योजित परिसंपत्तियों पर अनुभव समायोजन - (हानि) / लब्धि
31 मार्च, 2022	3	(3)	(1)	(1)	-

निर्धारित अनुलाभ देयता का संवेदनशीलता विश्लेषण

मान्यताएं	बट्टे की दर		वेतन वृद्धि दर	
संवेदनशीलता स्तर	+50 आधार बिंदु	-50 आधार बिंदु	+50 आधार बिंदु	-50 आधार बिंदु
0.50% संचलन	7.19%	6.19%	3.50%	2.50%
निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	3	3	3	3
चालू सेवा लागत में वृद्धि / (कमी)	1	1	1	1

विवरण	31 मार्च 2022 को
प्रतिपूरक अनुपस्थितियां	
लाभ व हानि के विवरण में प्रभार	14
वर्षांत में देयता	3
बीमांकिक मान्यताएं	
बट्टे की दर	6.69%
वेतन बढ़ोत्तरी	3.00%
सेवानिवृत्ति का आयु	60 वर्ष
संघर्षष दर	14.28%

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

(ii) बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना (बीईआरईसीएचएस) - (मूल कंपनी के संबंध में)

कंपनी में अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए एक अंशदायी स्वास्थ्य योजना "बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना" (बीईआरईसीएचएस) है जो गैर-वित्त पोषित योजना है। इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य अधिवार्षिता की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों या वीआरएस लेने वाले कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना है। इस योजना के तहत अनुलाभ ऐसे कर्मचारियों को उपलब्ध होते हैं जो स्वयं और जिनकी पत्नी/पति मात्र इसके सदस्य बनते हैं।

निम्नलिखित टेबल में लाभ व हानि की विवरणी में निर्धारित निवल अनुलाभ व्यय के घटक और तुलन-पत्र में निर्धारित राशियों का सार और बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार वर्षों के दौरान निवल निर्धारित अनुलाभ देयता का संचलन दिया गया है -

विवरण		2021-22	2020-21
i)	**देयताओं के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन -**		
	वर्ष के प्रारंभ में देयताओं का वर्तमान मूल्य (पीवीओ)	82,507	60,905
	चालू सेवा लागत	4,348	3,185
	ब्याज की लागत	5,775	4,050
	विगत सेवा लागत	1,727	-
	अदा किए गए अनुलाभ	920	(18)
	अन्य व्यापक आय में निर्धारित बीमांकिक (लब्धि) / हानि		
	गैर-योजित देयता पर वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन - हानि / (लब्धि)	(2,312)	(1,104)
	गैर-योजित देयता पर अनुभव समायोजन - हानि / (लब्धि)	23,529	14,482
	योजित देयता पर जनसांख्यिकीय मान्यताओं में परिवर्तन का प्रभाव - हानि / (लब्धि)	-	1,007
	अवधि के अंत में देयताओं का वर्तमान मूल्य	**1,16,494**	**82,507**
ii)	**गैर-योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन (प्रतिपूर्ति के अधिकार)**		
	वर्ष के प्रारंभ में गैर-योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	72,230	59,839
	गैर-योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	5,549	4,262
	प्रत्यक्ष अनुलाभ भुगतान करने के लिए प्रत्यक्ष अंशदान	4,629	4,280
	अदा किए गए अनुलाभ	(4,629)	(4,280)
	अन्य व्यापक आय में निर्धारित गैर-योजित परिसंपत्तियों पर बीमांकक लब्धि / (हानि)	(902)	(371)
	गैर-योजित परिसंपत्तियों में अंशदान	15,000	8,500
	अवधि के अंत में गैर-योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**91,877**	**72,230**
iii)	**लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय**		
	प्रारंभिक निवल देयता	-	-
	चालू सेवा लागत	4,348	3,185
	निर्धारित अनुलाभ देयता पर ब्याज	5,775	4,050
	विगत सेवा लागत	1,727	-
	लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित निवल व्यय	**11,850**	**7,235**
	व्यय - कुछ नहीं (₹ 389), प्रावधान - ₹ 11850 (₹ 6846)		
iv)	**अन्य व्यापक आय के विवरण में निर्धारित राशियाँ (पुन:मापन) -**		
	गैर-योजित देयताओं पर बीमांकिक (लब्धि) / हानि	21,217	14,385
	गैर-योजित परिसंपत्तियों पर बीमांकिक (लब्धि) / हानि	902	371
	अन्य व्यापक आय के विवरण में निर्धारित राशियाँ	**22,119**	**14,756**
v)	**तुलन-पत्र में निर्धारित राशियाँ -**		
	अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	1,16,494	82,507
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-
	वित्त-पोषण की स्थिति	(1,16,494)	(82,507)
	तुलन-पत्र में निर्धारित देयता (बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार)	**1,16,494**	**82,507**
	अगले बारह महीनों में प्रदेय के लिए अपेक्षित	**10,308**	**6,940**
	अगले बारह महीनों के बाद प्रदेय के लिए अपेक्षित	**1,06,186**	**75,567**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

विवरण	2021-22	2020-21
vi) बीमांकक मान्यताएँ -		
बट्टे की दर	7.34%	6.96%
चिकित्सा स्फीति दर	6.50%	6.25%
पलायन दर	1.00%	1.00%
vii) सेवा लागत और ब्याज की लागत तथा निर्धारित अनुलाभ देयता के योग पर मानी गई स्वास्थ्य सेवा लागत की प्रवृत्ति दरों में एक प्रतिशत बिंदु वृद्धि का प्रभाव -		
सेवा लागत और ब्याज की लागत के योग पर प्रभाव	1,511	1,442
निर्धारित अनुलाभ देयता पर प्रभाव	11,987	11,798
सेवा लागत और ब्याज की लागत तथा निर्धारित अनुलाभ देयता के योग पर मानी गई स्वास्थ्य सेवा लागत की प्रवृत्ति दरों में एक प्रतिशत बिंदु कमी -		
सेवा लागत और ब्याज की लागत के योग पर प्रभाव	(1,306)	(1,174)
निर्धारित अनुलाभ देयता पर प्रभाव	(10,365)	(9,600)
viii) संवेदनशीलता विश्लेषण -		
बट्टे की दर में (0.50% संचलन) वृद्धि	7.84%	7.46%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	(6,306)	(4,948)
बट्टे की दर में (0.50% संचलन) कमी	6.84%	6.46%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	6,975	5,524
चिकित्सा स्फीति दर में (0.50% संचलन) वृद्धि	7.00%	6.75%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	5,772	5,586
चिकित्सा स्फीति दर में (0.50% संचलन) कमी	6.00%	5.75%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	(5,368)	(5,039)

अतिरिक्त प्रकटण -

i. संवेदनशीलता विश्लेषण में अन्य मान्यताओं को ध्यान में रखते हुए एक समय में एक प्रमुख बीमांकक मान्यता का परिवर्तन शामिल है। संवेदनशील विश्लेषण 50 मूल अंकों तक जोड़ते या घटाते हुए परिवर्तित मान्यताओं के संपूर्ण मूल्यांकन मॉडल को दोबारा चलाते हुए प्रत्यक्ष विधि का प्रयोग करते हुए किया गया है।

ii. पिछले वर्ष की तुलना में संवेदनशीलता विश्लेषण करने में प्रयुक्त विधियों और मान्यताओं में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

iii. बीईआरईसीएचएस का परिपक्वता प्रोफाइल नीचे दिए गया है -

वर्ष	31 मार्च 2022 को	31 मार्च 2021 को
वर्ष 1	6,446	4,507
वर्ष 2	6,834	4,818
वर्ष 3	7,241	5,147
वर्ष 4	7,672	5,514
वर्ष 5	8,089	5,903
अगले 5 वर्ष	46,160	34,182

ख. दीर्घकालीन क्षतिपूरक अनुपस्थिति - (मूल कंपनी के संबंध में)

कंपनी में अपने कर्मचारियों के लिए दीर्घकालीन क्षतिपूरक अनुपस्थिति योजना है जो गैर वित्त-पोषित योजना है। कंपनी के कर्मचारी दो प्रकार की दीर्घकालीन क्षतिपूरक अनुपस्थितियाँ लेने के हकदार होते हैं - कार्यपालकों के लिए वार्षिक छुट्टी (ए.एल.) और आधे वेतन की छुट्टी (एच.एल.) और गैर-कार्यपालकों के लिए वार्षिक छुट्टी (ए.एल.) और बीमारी छुट्टी (एस.एल.)। इस योजना में अधिवार्षिता की आयु प्राप्त करने पर प्राप्त न की गई छुट्टी (कार्यपालकों के लिए ए.एल. और एच.एल. और गैर-कार्यपालकों के लिए ए.एल. और एस.एल.) के समक्ष कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति देने का प्रावधान होता है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

निम्नलिखित टेबल में लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित निवल अनुलाभ व्यय के घटक और बीमांकक द्वारा दी गई प्रकटण रिपोर्ट में दिए गए अनुसार, योजना के लिए तुलन-पत्र में निर्धारित राशि के विवरण दिए गए हैं -

विवरण		2021-22	2020-21
i)	**लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय -**		
	लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित निवल व्यय	3,492	5,552
	[2021-22 नकदीकृत छुट्टी - ₹ 1,890, प्रावधान - ₹ 1602]		
	[2020-21 नकदीकृत छुट्टी - ₹ 1,437, प्रावधान - ₹ 4,115]		
ii)	**तुलन-पत्र में निर्धारित की जाने वाली राशियाँ -**		
	तुलन-पत्र में निर्धारित देयता डबीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार)	41,416	39,814
iii)	**बीमांकिक मान्यताएँ -**		
	बट्टे की दर	7.34%	6.96%
	क्षतिपूरण स्तर में वृद्धि की दर	7.00%	7.00%
iv)	विगत अनुभव के आधार पर, कंपनी यह अपेक्षा नहीं करती है कि अगले 12 महीनों में सभी कर्मचारी प्रोद्भत छुट्टी की पूर्ण राशि लेंगे या इसका भुगतान करने की आवश्यकता होगी। निम्नलिखित राशियाँ ऐसी छुट्टी को दर्शाते हैं जिसे अगले 12 महीनों के भीतर / 12 महीनों के बाद लिया जाएगा या भुगतान किया जाएगा।		
	चालू छुट्टी की देयता अगले 12 महीनों में निपटाना अपेक्षित है	3,972	3,713
	12 महीनों के बाद निपटाने के लिए अपेक्षि छुट्टी की देयता	37,444	36,101
कुल		**41,416**	**39,814**

लंबी अवधि के मुआवजे की अनुपस्थिति (सहायक कंपनी - बेलॉप के संबंध में)

नकदीकरण अवकाश

कंपनी में छुट्टी नकदीकरण की योजना है जो गैर वित्त-पोषित योजना है।

योजना के अनुसार, कंपनी के सभी कर्मचारी अपने संचित वार्षिक अवकाश के अधीन प्रत्येक ग्रेड के लिए निर्धारित न्यूनतम अवकाश के प्रतिधारण को प्राप्त करने के हकदार हैं। नकदीकृत अवकाश प्रति दिन (बेसिक + डीए) / 30 की दर से देय है।

लंबी अवधि के मुआवजे के अभाव के लिए देयता जैसे कि बीमांकिक आधार पर वार्षिक छुट्टी का मूल्य 31.03.2022 के अनुसार ₹ 531 है (पिछले साल ₹ 474)। पीयूसी पद्धति का उपयोग करके बीमांकिक मूल्यांकन किया गया है।

विवरण	31 मार्च 2022	31 मार्च2021
सेवानिवृत्ति आयु	58 years	58 years
आर्कषक मुल्य	2%	2%
भावी वेतन वृद्धि	10.50%	10.50%
छूट की दर	6.98%	6.86%
मृत्यु दर तालिका	भारतीय आश्वासित मृत्यु दर (2006-08)	भारतीय आश्वासित मृत्यु दर (2006-08)

लंबी अवधि के मुआवजे के अभावों पर देयता की राशि को बीमांकक की रिपोर्ट के आधार पर वर्तमान और गैर-वर्तमान के बीच द्विभाजित किया गया है।

विवरण	31 मार्च 2022	31 मार्च2021
चालू देयताएँ	10	15
गैर चालू देयताएँ	521	459
कुल	**531**	**474**

ग. पेंशन योजना- [मूल कंपनी के संबंध में]

कंपनी में अपने कर्मचारियों के लिए एक निर्धारित अंशदान पेंशन अनुलाभ योजना है जिसमें इस प्रयोजनार्थ स्थापित ट्रस्ट में वार्षिक आधार पर अंशदान दिया जाता है।

इस योजना के तहत अनुलाभ इस संबंध में निर्धारित नियमों के अनुसार कर्मचारियों पर लागू होते हैं।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

i) निर्धारित अनुलाभ योजना (यानी उपदान और बीईआरईसीएचएस) के कारण पैदा होने वाले विशिष्ट या असाधारण जोखिमों का व्याख्यात्मक वर्णन

निर्धारित अनुलाभ योजनाओं से संबंधित विशिष्ट जोखिम इस प्रकार हैं -

दो रिपोर्टिंग अवधियों के बीच दीर्घकालीन सरकारी बांड दर में संचलन बट्टे की दर को प्रभावित करेगा और इसके परिणामस्वरूप देयताओं का वर्तमान मूल्य प्रभावित होगा।

वित्तीय वर्ष में वास्तविक अनुभव के समक्ष मूल्यांकन के लिए विचार किए गए उच्चतर / निम्नतर वेतन वृद्धि / अनुलाभ का जोखिम।

बहरहाल, दोनों प्रकार की जोखिमों को नियमित आधार यानी वार्षिक रूप से कम किया जाता है क्योंकि अद्यतन मान्यताओं के आधार पर ये मूल्यांकन प्रत्येक वर्ष के बाद किए जाते हैं।

ii) किसी परिसंपत्ति - देयता की मेल करने वाली रणनीति का व्याख्यात्मक वर्णन

कंपनी की उपदान योजना वित्त-पोषित योजना है। इस योजना की समर्थक परिसंपत्तियाँ मुख्यत: बीमाकर्ता द्वारा व्यवस्थित निधियाँ होती हैं। इसलिए, इस योजना के लिए परिसंपत्ति-देयता का मेल करने वाली रणनीतियों को कार्यान्वित करने के परिप्रेक्ष्य में, कंपनी की सीमित लोचता होती है।

कंपनी की सेवानिवृत्ति के बाद की चिकित्सा योजना गैर-वित्त पोषित योजना है। इसलिए, परिसंपत्ति-देयता का मेल करने वाली रणनीतियाँ इस योजना के लिए संगत नहीं हैं।

iii) वित्त-पोषण की व्यवस्थाओं और वित्त-पोषण की नीति का वर्णन

कंपनी की उपदान योजना वित्त-पोषित योजना है। इस योजना की योजित परिसंपत्तियों का 98.67% (98.70%) बीमाकर्ता द्वारा व्यवस्थित परिसंपत्तियाँ होती हैं और योजित परिसंपत्तियों का 1.32% (1.29%) निवेश केंद्र और राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में किया जाता है। इस निधि का वार्षिक अंशदान आम तौर पर अनुलाभ देयताओं के पूर्ववर्ती बीमांकिक मूल्यांकन द्वारा प्रकट किए गए अनुसार, कमी के समतुल्य तय किया जाता है।

सेवानिवृत्ति के बाद की चिकित्सा योजना [बीईआरईसीएचएस] गैर-वित्त पोषित योजना है।

(iii) कर्मचारी भविष्य निधि [ब्याज में कमी]- (मूल कंपनी के संबंध में)

कर्मचारी भविष्य निधि का प्रबंध कंपनी के भविष्य निधि ट्रस्ट द्वारा किया जाता है। कंपनी इस ट्रस्ट में कर्मचारी भविष्य निधि के प्रति देय प्रबंधन का अंशदान देती है।

कंपनी ने 31 मार्च 2022 को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर यह निर्धारित किया है कि मूल्यांकन की तारीख पर ब्याज की कमी से कोई देयता नहीं है (जो योजना के निबंधनों से संबंधित है कि ट्रस्ट को भविष्य निधि के शेषों पर अतिरिक्त ब्याज होने पर या इसके माध्यम से अधिशेष के किसी भाग का वितरण करने की कोई अनिवार्यता नहीं होती है)।

विवरण	2021-22	2020-21
i) अनुलाभ देयता के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन -		
वर्ष के प्रारंभ में देयता का वर्तमान मूल्य	3,34,350	3,00,068
चालू सेवा लागत	11,723	18,912
ब्याज की लागत	23,058	20,115
विगत सेवा लागत (अनिहित अनुलाभ)	-	-
विगत सेवा लागत (निहित अनुलाभ)	-	-
बीमांकिक (लब्धि) / हानि	9,944	9,171
प्रदेय / अदा किए गए अनुलाभ	(70,067)	(58,897)
अंशदान	53,017	44,981
अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	**3,62,025**	**3,34,350**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

विवरण		2021-22	2020-21
ii)	**योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन -**		
	वर्ष के प्रारंभ में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	3,40,609	2,99,644
	योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	23,494	20,087
	अंशदान	63,958	63,722
	प्रदेय / अदा किए गए अनुलाभ	(70,067)	(58,897)
	योजित परिसंपत्तियों पर बीमांकिक लब्धि / (हानि)	12,222	16,053
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**3,70,216**	**3,40,609**
iii)	**लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय -**		
	प्रारंभिक निवल देयता	-	-
	चालू सेवा लागत	11,723	18,912
	ब्याज की लागत	23,058	20,115
	योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	(23,494)	(20,087)
	अवधि में निर्धारित निवल बीमांकिक (लब्धि) / हानि	-	-
	विगत सेवा लागत (अनिहित अनुलाभ)	-	-
	विगत सेवा लागत (निहित अनुलाभ)	-	-
	लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय	**11,287**	**18,940**
iv)	**तुलन-पत्र में निर्धारित राशियाँ -**		
	अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	3,62,025	3,34,350
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	3,70,216	3,40,609
	तुलन-पत्र की परिसंपत्ति सीमा का प्रभाव	8,191	6,259
	अंतर	-	-
	अनिर्धारित बीमांकिक (लब्धि) / हानि	-	-
	तुलन-पत्र में निर्धारित देयता	**-**	**-**
v)	**चालू अवधि की राशि -**		
	देयता का वर्तमान मूल्य	3,62,025	3,34,350
	योजित परिसंपत्तियाँ	3,70,216	3,40,609
	तुलन-पत्र की परिसंपत्ति सीमा का प्रभाव	8,191	6,259
	अधिशेष / (कमी)	-	-
	योजित परिसंपत्तियों पर अनुभव समायोजन - (हानि) / लब्धि	(9,991)	(9,266)
	योजित परिसंपत्तियों पर अनुभव समायोजन - (हानि) / लब्धि	12,222	16,053
vi)	**अन्य व्यापक आय के विवरण में निर्धारित राशियाँ (पुन: मापन) -**		
	योजित देयताओं पर बीमांकिक (लब्धि)/ हानि	9,944	9,171
	योजित परिसंपत्तियों पर वास्तविक प्राप्ति और ब्याज की आय के बीच का अंतर - (लब्धि) / हानि	(12,222)	(16,053)
	तुलन-पत्र की परिसंपत्ति सीमा का प्रभाव	2,278	6,279
	अन्य व्यापक आय के विवरण में निर्धारित राशियाँ	-	(603)
vii)	**यथा 31 मार्च को परिसंपत्तियों का वर्ग -**		
	भारत सरकार की प्रतिभूतियाँ और राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ	54.49%/61.35%	53.72%/58.96%
	उच्च गुणता के कार्पोरेट बांड	32.88%/24.69%	33.93%/24.34%
	म्युच्युअल फंड	2.71%/1.59%	2.14%/1.47%
	अन्य	8.55%/8.55%	9.87%/11.39%
	उद्यम से वसूल किए गए *	1.37%/3.82%	0.34%/3.84%
	कुल	**100%/100%**	**100%/100%**
viii)	**बीमांकिक मान्यताएँ -**		
	बट्टे की दर	7.34%	6.96%
	वेतन वृद्धि दर	7.00%	7.00%
	योजित परिसंपत्तियों पर प्राप्ति की अपेक्षित दर	8.07%/8.30%	8.27%/8.52%

** **नोट** - निवेश का अरक्षित / रक्षित (मूलधन) हिस्सा जो ₹ 8551 (₹ 5,740) बनता है, को ट्रस्ट ने गैर-निष्पादनीय निवेश माना है और इस राशि को चूक की स्थिति में उद्यम से वसूल की जाने वाली राशि के रूप में वर्गीकृत किया गया है और तदनुसार इसका प्रावधान किया गया है।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

टिप्पणी 22 - अन्य देयताएं

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
गैर चालू		
आस्थगित राजस्व - ग्राहक अनुदान	-	-
उप कुल (क)	**-**	**-**
चालू		
आस्थगित राजस्व - ग्राहक अनुदान	-	112
संविदा देयता		
- ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम	14,50,765	11,82,315
- आस्थगित राजस्व	7,173	3,522
सांविधिक देयताएं	17,699	32,175
अन्य	5,270	2,172
उप कुल (ख)	**14,80,907**	**12,20,296**
कुल (क+ख)	**14,80,907**	**12,20,296**

i. संविदा देयता

अवधि के दौरान निर्धारित राजस्व रु. 4,84,774 (₹ 1,30,065) है जिसे अवधि के प्रारंभ में संविदा देयता के शेष में शामिल किया गया था।

टिप्पणी 23 - प्रचालनों से राजस्व

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	
उत्पादों की बिक्री	13,60,863		12,43,893	
सेवाओं से आय	1,47,611		1,41,078	
		15,08,474		**13,84,971**
अन्य प्रचालनीय राजस्व				
रद्दी की बिक्री		882		402
परिवहन की रसीदें		360		276
किराए की रसीदें		643		675
कैन्टीन प्राप्ति		1,202		887
संग्रहित बिजली प्रभार		246		208
संग्रहित जल प्रभार		47		50
आहरित प्रावधान				
- संदिग्ध ऋण, निर्णीत हर्जाना	8,280		7,736	
- वस्तुसूची	2,957		4,728	
- ऋण व अग्रिम	108		138	
- अन्य	1		4	
		11,346		**12,606**
शुल्क वापसी सहित सरकारी अनुदान		1,937		2,334
ग्राहक के अनुदान		112		1,041
विविध		11,569		7,419
		15,36,818		**14,10,869**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

(i) ग्राहकों की संविदाओं के समक्ष निर्धारित राजस्व के भिन्न-भिन्न आंकड़े(2021-22)

विवरण	देशीय			निर्यात	कुल
	भारत सरकार		अन्य		
	रक्षा	रक्षा इतर			
उत्पादों की बिक्री	12,37,975	73,050	28,011	21,827	13,60,863
सेवाओं से आय	1,15,531	29,863	445	1,772	1,47,611
कुल	**13,53,506**	**1,02,913**	**28,456**	**23,599**	**15,08,474**

उपर्युक्त में से ₹ 23,599 की ग्रूप की निर्यात बिक्री मूल कंपनी से संबंधित है । इसके अलावा, जीई-बीई प्रा. लि. का निर्यात ₹ 1,40,547 (जिसका मूल्य ऊपर शामिल नहीं है) है ।

ग्राहकों की संविदाओं के समक्ष निर्धारित राजस्व के भिन्न-भिन्न आंकड़े (2020-21)

विवरण	देशीय			निर्यात	कुल
	भारत सरकार		अन्य		
	रक्षा	रक्षा इतर			
उत्पादों की बिक्री	9,65,822	1,69,274	71,105	37,692	12,43,893
सेवाओं से आय	1,10,476	29,018	1,445	139	1,41,078
कुल	**10,76,298**	**1,98,292**	**72,550**	**37,831**	**13,84,971**

उपर्युक्त में से ₹ 37,831 की ग्रूप की निर्यात बिक्री मूल कंपनी से संबंधित है । इसके अलावा, जीई-बीई प्रा. लि. का निर्यात ₹ 1,11,238 (जिसका मूल्य ऊपर शामिल नहीं है) है ।

(ii) लाभ व हानि के विवरण में संविदा के मूल्य सहित निर्धारित राजस्व का समाधान

विवरण	2021-22		2020-21	
	राशि	राशि	राशि	राशि
लाभ व हानि के विवरण के अनुसार राजस्व				
उत्पादों की बिक्री	13,60,863		12,43,893	
सेवाओं से आय	1,47,611		1,41,078	
कुल (क)		**15,08,474**		**13,84,971**
संविदा के मूल्य में समायोजन जोड़ें / (घटाएँ)				
विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव के दावे	(28,596)		(21,802)	
मूल्य पुनरीक्षण	-		-	
दी गई छूट और रिबेट	1,026		357	
अन्य	(2,501)		(4,528)	
कुल समायोजन (ख)		**(30,071)**		**(25,973)**
संविदा मूल्य (क+ख)		**14,78,403**		**13,58,998**

कार्य-निष्पादन देयता पूरी करना

क. अधिकांश संविदाओं में, कार्य-निष्पादन की देयता ऐसे “समय-बिंदु” में पूरी की जाती है जो प्राथमिक रूप से ग्राहक द्वारा परिसंपत्ति पर नियंत्रण प्राप्त करने से निर्धारित होती है। इसके लिए विचार किया गया एक प्रमुख संसूचक उल्लेखनीय जोखिम का अंतरण और ग्राहकों का पारितोषिक है जो इन्को की शर्तों पर आधारित होता है। जहाँ संविदा में एक से अधिक कार्य-निष्पादन देयताएँ होती हैं तो कार्य-निष्पादन देयता पूरी करने का समय-बिंदु तय करने के लिए भारतीय ए.एस. 115 में निर्दिष्ट मानदंड लागू किया जाता है।

ख. “बिल एंड होल्ड” व्यवस्था में, कार्य-निष्पादन देयता संविदा में माल के निस्शर्त विनियोजन पर पूरी की जाती है। सामान्य रूप से, अभिरक्षा सेवा के लिए कोई देयता नहीं होती।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

ग. ग्राहक के साथ की गई संविदा में आम तौर पर महत्वपूर्ण वित्तीय घटक नहीं होता और ग्राहक द्वारा प्राप्त अग्रिम भुगतान तथा / या प्रतिधारित राशि संविदा के दोनों पक्षकारों की रक्षा करने के आशय से रखी जाती है।

घ. परिवर्ती प्रतिफल में प्राथमिक रूप से विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव खंड के समक्ष प्राप्य / प्रतिपूर्ति योग्य राशि शामिल होती है। इसके संबंध में निर्धारित राजस्व की राशि संविदा में निर्दिष्ट कार्यप्रणाली के आधार पर तय की जाती है। इस राशि को ग्राहक का दावा प्रोद्भू होने / स्वीकार करने पर राजस्व के रूप में निर्धारित किया जाता है।

ङ. कंपनी के कुल कारोबार में मुख्य रूप से रक्षा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और प्रणालियों की आपूर्ति शामिल है।

च. ग्राहकों के साथ की गई संविदा में सामान्य रूप से वापसी / धन-वापसी का खंड नहीं होता है।

छ. प्रदान की गई वारंटियाँ मुख्य रूप से कार्य-निष्पादन वारंटी की प्रकृति की होती हैं।

ज. कंपनी ऐसी संविदाओं के संबंध में राजस्व निर्धारित करने के लिए सामान्य रूप से निविष्टि विधि का उपयोग करती है जिनमें कार्य-निष्पादन देयता एक समयावधि में पूरी की जाती है। राजस्व निर्धारित करने के लिए, समापन प्रतिशत विधि अपनाई जाती है जिसमें निर्धारित किए जाने वाले राजस्व की प्रमात्रा तय करने के लिए संविदा की कीमत में कुल प्राक्कलित लागत में उपगत वास्तविक लागत का प्रतिशत लागू किया जाता है।

झ. ग्राहकों के साथ की गई संविदा (ए.एम.सी. को छोड़कर) जिसके संबंध में राजस्व एक समयावधि में निर्धारित की गई है, में सामान्य रूप से विभिन्न प्रकृति के अनेक कार्यकलाप शामिल होते हैं जैसे भवन निर्माण, उपकरणों की आपूर्ति और संस्थापना, उपकरण और सिस्टम की नेटवर्किंग आदि। इसके कारण, किए गए कार्य (यानी उत्पादन) की मात्रा को विश्वसनीय रूप से वास्तविक परिप्रेक्ष्य में निर्धारित करना संभव नहीं होता है। जबकि, निविष्टि विधि के अंतर्गत, इन विविध कार्यकलापों के संबंध में उपगत लागत प्राप्त की जा सकती है और समापन का प्रतिशत ज्ञात करने के लिए आने वाली लागत (जिसका प्राक्कलन विश्वसनीय रूप से किया जा सकता है) के कुल प्राक्कलित लागत से इसकी तुलना की जा सकती है। ए.एम.सी. संविदाओं के मामले में, राजस्व निर्धारित करने के लिए उत्पादन विधि का उपयोग किया जाता है जहाँ कार्य-निष्पादन देयता पूरी करने के लिए समय अंतराल मानदंड होता है।

ञ. "समय-बिंदु" पर पूरी की गई कार्य-निष्पादन देयता के संबंध में राजस्व निर्धारित करने के लिए, यह तय करने के लिए कि क्या ग्राहक ने "परिसंपत्ति पर नियंत्रण" प्राप्त किया है या नहीं, निम्नलिखित मानदंड का उपयोग किया जाता है -

- उल्लेखनीय जोखिम और परितोष का अंतरण
- ग्राहक का परिसंपत्ति पर कानूनी हक है
- संस्थान ने परिसंपत्ति का वास्तविक अधिकार अंतरित कर दिया है
- ग्राहक ने परिसंपत्ति को स्वीकार किया है
- संस्थान का परिसंपत्ति का भुगतान करने का वर्तमान अधिकार है

ट. लेनदेन की कीमत का निर्धारण सामान्य रूप से ग्राहक के साथ की गई संविदा पर आधारित होता है। अनेक देयताओं के संबंध में लेनदेन की कीमत का आबंटन सापेक्ष स्टैंडअलोन बिक्री कीमत पर आधारित होता है।

ठ. चालू / पिछले वर्ष के दौरान कोई नकद-रहित प्रतिफल प्राप्त नहीं किया गया / दिया गया।

(iii) पिछली अवधियों में पूरी की गई कार्य-निष्पादन देयता में से वर्ष के दौरान राजस्व के रूप में ₹ 247(₹ 7043) (निवल) की राशि निर्धारित की गई।

(iv) मूल कंपनी की परियोजना में, 10 में से 01 साइट ग्राहक द्वारा सौंपी जानी है जिसे 2015 से अब तक सौंपा नहीं गया है। अन्य 9 साइटों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और कंपनी को इन 9 साइटों के लिए समय विस्तारण मिला है, इसलिए प्रबंधन द्वारा प्राप्त विचार के आधार पर क्रमश: 09 साइटों और 01 साइट को अलग निष्पादन देयता माना गया है। इसके कारण वर्ष के राजस्व में कुछ नहीं (₹ 8,786) और लाभ मे कुछ नहीं (₹ 8,540) की वृद्धि हुई।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 24 - अन्य आय

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
मीयादी जमा पर ब्याज की आय	17,645	6,050
स्टाफ़/ आयकर वापसी / अन्य से ब्याज की आय	310	338
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की बिक्री का लाभ	45	121
विदेशी मुद्रा विनिमय की विभेदक लब्धि	4,148	5,605
किराए की आय - निवेश संपत्ति	146	150
म्यूचुअल फंड में लब्धि / (हानि)	587	-
विविध (व्यय का निवल)	273	232
	23,154	**12,496**

विदेशी मुद्रा के लेनदेन को दर्ज करने की तारीख और उसके निपटान / रिपोर्टिंग की तारीख के बीच ऐसे लेनदेन से होने वाले उतार-चढ़ाव की दर के कारण विदेशी मुद्रा की लब्धि / हानि.

टिप्पणी 25 - तैयार माल, चालू कार्य और रद्दी की वस्तुसूचियाँ में परिवर्तन

विवरण	31 मार्च 202 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 201 को समाप्त वर्ष के लिए	
चालू कार्य -				
अंतिम वस्तुसूची	1,70,163		1,38,550	
प्रारंभिक वस्तुसूची	**1,38,550**		**1,29,731**	
		(31,613)		**(8,819)**
तैयार माल -				
अंतिम वस्तुसूची	24,248		27,675	
प्रारंभिक वस्तुसूची	27,675		24,146	
		3,427		**(3,529)**
रद्दी -				
अंतिम वस्तुसूची	236		323	
प्रारंभिक वस्तुसूची	323		193	
		87		**(130)**
		(28,099)		**(12,478)**
घटाएं- स्टॉक पर अवास्तविक लाभ		(71)		(9)
		(28,028)		**(12,469)**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

टिप्पणी 26 - कर्मचारी अनुलाभ व्यय

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	
वेतन, मजदूरी और बोनस / अनुग्रह राशि		1,65,753		1,59,172
सेवानिवृत्ति अनुलाभ व्यय				
उपदान	1,513		1,871	
भविष्य निधि और पेंशन निधियों में अंशदान	11,917		11,341	
बीईएल अधिवार्षिता (पेंशन) योजना में प्रबंधन का अंशदान	6,088		5,772	
बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना का प्रावधान	11,868		6,846	
		31,386		**25,830**
कल्याण संबंधी व्ययङ [वेतन सहित ₹ 1,107 (₹ 1,114) पी.एफ. अंशदान ₹ 117 (₹ 116)]		15,662		10,614
		2,12,801		**1,95,616**
घटाएं-पूँजीगत कार्यों के लिए आबंटित खर्च		-		(27)
		2,12,801		**1,95,589**

मुख्य प्रबंधन कार्मिक के पारिश्रमिक के लिए टिप्पणी 31 देखें

*टिप्पणी 21 (ए) देखें, तदनुसार ₹ 2811 (कुछ नहीं) का प्रावधान किया गया।

टिप्पणी 27 - वित्त लागत

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	
ब्याज व्यय				
सूक्ष्म व लघु उद्यों को देय राशि पर ब्याज	13		4	
बैंकों से मीयादी ऋण पर ब्याज	306		24	
अन्य ब्याज व्यय	147		553	
		466		**581**
अन्य उधार की लागत				
ऋण प्रसंस्करण प्रभार		39		56
		505		**637**

टिप्पणी 28 - मूल्यह्रास / परिशोधन

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों पर मूल्यह्रास / परिशोधन	36,951	36,446
निवेश संपत्ति पर मूल्यह्रास	1	1
अन्य अमूर्त परिसंपत्तियों का परिशोधन	2,718	1,997
परिसंपत्तियों के उपयोग के अधिकार का मूल्यह्रास	443	288
	40,113	**38,732**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 29 - अन्य व्यय

विवरण	31 मार्च 202 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 201 को समाप्त वर्ष के लिए	
बिजली और ईंधन*		3,891		3,435
जल प्रभार		422		377
रॉयल्टी और तकनीकी सहायता		1,346		17,472
किराया		1,713		1,609
दर व कर		550		453
बीमा		2,454		2,441
लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक				
लेखा परीक्षा शुल्क	37		27	
कर लेखा परीक्षा शुल्क	6		7	
अन्य सेवाएँ (प्रमाणीकरण शुल्क)	9		10	
व्ययों की प्रतिपूर्ति	12		6	
		64		**50**
लागत लेखा परीक्षा शुल्क		4		4
मरम्मत और रख-रखाव				
इमारतें	2,603		1,983	
संयंत्र और मशीनरी	1,166		1,408	
अन्य	11,542		9,551	
		15,311		**12,942**
बैंक प्रभार		350		324
मुद्रण व लेखन-सामग्री		283		232
विज्ञापन व प्रचार		289		404
यात्रा व्यय		7,859		4,050
वैन / टैक्सी का भाड़ा प्रभार		1,124		1,126
पैकिंग और अग्रेषण		2,845		2,287
अशोध्य ऋण व अग्रिम जिन्हें बट्टे खाते में डाला गया	1,307		1,627	
घटाएँ - प्रावधान को प्रभारित	(1,307)		(1,618)	
		-		**9**
अप्रचलन / अप्रयुक्त सामग्री का प्रावधान		6,878		6,990
संदिग्ध ऋण, एलडी, ग्राहक के दावों और अस्वीकृतियों का प्रावधान		26,963		21,161
संदिग्ध अग्रिमों, दावों का प्रावधान		219		736
कार्य-निष्पादन वारंटी का प्रावधान (निवल) **		9,544		5,944
प्रावधान - दुर्वह संविदा (निवल)		1,980		157
अप्रचलन और अप्रयुक्तता के कारण कच्चे माल, भंडार और घटकों को बट्टा खाते में डालना	936		1,266	
घटाएँ - प्रावधान को प्रभारित	(920)		(1,248)	
		16		**18**
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों का प्रावधान		-		7,213
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्ति जिसे प्रभारित किया गया		-		75
प्रभारित पूँजी डबल्यूआईपी		-		1,468
कार्पोरेट सामाजिक दायित्व		5,094		4,490
अन्य				
अन्य विविध प्रत्यक्ष खर्च	7,856		11,736	
बिक्री पश्चात सेवा	316		424	
टेलीफ़ोन	773		900	
संगोष्ठियों और पाठ्यक्रमों पर खर्च	685		839	
अन्य बिक्री व्यय	1,250		378	
विविध	5,095		3,956	
		15,975		**18,233**
		1,05,174		**1,13,700**
घटाएँ - पूँजीगत कार्यों के लिए आबंटित खर्च		(4,961)		(2,075)
		1,00,213		**1,11,625**

* वर्ष के दौरान उपगत बिजली खर्च ₹ 1,627 (₹ 1,623) के पवन ऊर्जा सृजन को समायोजित करने के बाद है।

** टिप्पणी 21 देखें

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

टिप्पणी 30 - लेखों की सामान्य टिप्पणियाँ

1 **अर्जित प्रति इक्विटी शेयर**

विवरण		2021-22	2020-21
क	**जारी प्रचालनों से**		
	मूल अर्जित प्रति शेयर (आईएनआर)	9.85	8.62
	परिवर्तित अर्जित प्रति शेयर (आईएनआर)	9.85	8.62
ख	प्रति शेयर अर्जन मूल और परिवर्तन आय की गणना में संख्याओं के रूप में उपयोग की जाने वाली राशि	2,40,022	2,09,976
ग	प्रति शेयर अर्जन का परिकलन करने में प्रयुक्त शेयरों की सं.	2,43,65,92,943	2,43,65,92,943

2 **समेकन की प्रक्रिया**

समेकित वित्तीय विवरण ("सीएफएस") मूल कंपनी यानी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), उसकी सहायक कंपनियों नामत: बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाइसेस लिमिटेड, पुणे (शेयर धारण 100%) और बीईएल-थालेस सिस्टम्स लिमिटेड, बेंगलूरु (शेयर धारण 74%) और सहयोगी कंपनी नामत: जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलूरु (शेयर धारण 26%) के लेखा परीक्षित वित्तीय विवरणों के आधार पर तैयार किए गए हैं। मूल और उसकी सहायक कंपनियों के वित्तीय विवरण आंतर-समूह के लेनदेनों तथा वसूल न किए गए लाभ / हानि को हटाने के बाद, परिसंपत्तियों, देयताओं, आय और व्यय जैसी मदों को एक साथ जोड़ते हुए लाइन-बाई-लाइन आधार पर संयोजित किए गए हैं। जहां कही समूह के पास चालू कर देयताओं के समक्ष चालू कर परिसंपत्तियों को समंजित करनेका कानूनी प्रवर्तनीय अधिकार है और जहां आस्थगित कर परिसंपत्तियां और आस्थगित कर देयताएं समान कराधान प्राधिकारी द्वारा उगाही गए आय कर से संबंधित हैं।

सहयोगी कंपनी जीई बीई प्रा. लि. के संबंध में, समेकन इक्विटी विधि के आधार पर किया गया है। सहायक और सहयोगी कंपनियों के वित्तीय विवरण उसी रिपोर्टिंग तारीख तक के लिए बनाए गए हैं जो मूल कंपनी की रिपोर्टिंग तारीख है।

दूसरी सहयोगी कंपनी, डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन (डीआईओ) जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के तहत पंजीकृत लाभ-रहित कंपनी है, को समेकन के लिए विचार में नहीं लिया गया है क्योंकि मूल कंपनी का इक्विटी निवेश के अलावा, परिवर्ती प्राप्तियों पर कोई नियंत्रण नहीं है और कोई अधिकार भी नहीं है।

3 नियंत्रण हित के अधिग्रहण की तारीख के संदर्भ में सहायक कंपनियों में इसके निवेश पर मूल कंपनी की लागत और सहायक कंपनी में इक्विटी के मूल कंपनी के भाग के बीच के अंतर को वित्तीय विवरणों में सुनाम / पूँजीगत प्रारक्षण के रूप में निर्धारित किया गया है। मूल कंपनी का सहायक कंपनियों के लाभ / हानि अधिग्रहति करने के बाद का हिस्सा राजस्व प्रारक्षणों में समायोजित किया गया है।

4 प्रचालनों के निवल परिणामों और सहायक कंपनियों की निवल परिसंपत्तियों में नियंत्रणेतर हित यह दर्शाते हैं कि लाभ / हानि और निवल परिसंपत्तियों का हिस्सा मूल कंपनी के कारण नहीं हैं।

5 मूल तथा सहायक कंपनियों / सहयोगी कंपनियों के वैयक्तिक वित्तीय विवरणों में प्रकट की गई अतिरिक्त सूचना जिनका समेकित वित्तीय विवरणों की सच्ची और सही स्थिति से कोई संबंध नहीं है और ऐसी मदों से संबंधित सूचना जो महत्वपूर्ण नहीं है, समेकित वित्तीय विवरणों में प्रकट नहीं किए गए हैं।

6 **अनुपालन का विवरण**

समेकित वित्तीय विवरण भारतीय लेखा मानक (भारतीय ए.एस.) [जैसा कि कंपनी अधिनियम, 2013 ("एक्ट") की धारा 133 जिसे कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015, यथा संशोधित, के नियम 3 के साथ पढ़ा जाना है, के तहत यथा अधिसूचित] तथा उक्त अधिनियम के अन्य संगत प्रावधानों के अनुसार तैयार किए गए हैं।

31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष तक और उस तारीख तक के लिए कंपनी के समेकित वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 तथा अधिनियम के अन्य संगत प्रावधानों के तहत अधिसूचित, कंपनी (लेखा मानक) नियम, 2006 के अनुसार तैयार किए गए हैं।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

7 **परिसंपत्तियों की अनर्जकता**

मूल कंपनी ने प्रत्येक भौगोलिक सम्मिश्रित निर्माणी यूनिट जिसे नकद सृजित करने वाली यूनिट (सी.जी.यू.) माना गया है, की परिसंपत्तियों की अनर्जकता की संसूचना का विश्लेषण किया है। आंतरिक और बाहरी कारकों का आंकलन करने के आधार पर, अनर्जकता के प्रावधान के लिए ₹ 7,337(₹ 7,337) की राशि का प्रावधान किया गया है। सहायक कंपनियों (बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाइसेस लिमिटेड और बीईएल-थालेस सिस्टम्स लिमिटेड) तथा सहयोगी कंपनी (जीई बीई प्राइवेट लि.) ने भी परिसंपत्तियों की अनर्जकता की संसूचना का विश्लेषण किया है और परिसंपत्तियों की अनर्जकता की कोई सूचना नहीं पाई गई है, इसलिए, इसका प्रावधान करना आवश्यक नहीं समझा गया।

8 **अल्पकालीन उधार**

क मूल कंपनी को संघीय बैंकों (एसबीआई अग्रणी बैंक) द्वारा ₹ 400,000 की कार्यशील पूँजी सीमा मंजूर की गई है। इस मंजूर सीमा में ₹ 50,000 की निधि आधारित सीमा और ₹ 3,50,000 की गैर निधि आधारित सीमा शामिल है।

ख निधि आधारित सीमा पर देय ब्याज दर एसबीआई की 1 वर्ष की एमसीएलआर दर से जुड़ी है। [31.03.2022 को देय ब्याज दर 6.65% (7.00%) प्रति वर्ष है].

ग प्रयुक्त राशि की चुकौती मांग पर की जाती है। यथा 31.03.2022 को यह उपयोगिता कुछ नहीं (कुछ नहीं) है।

घ उक्त मंजूरी सीमा मूल कंपनी की चालू परिसंपत्तियों के दृष्टिबंधन द्वारा रक्षित है (टिप्पणी 35 देखें)

सहायक कंपनी डबेलॉप.को एसबीआई के संघीय बैंकों (अग्रणी बैंक) और एक्सिस बैंक द्वारा ₹ 2,500/- की कार्यशील पूँजी सीमा मंजूर की गई है। इसकी ब्याज दर 7.10% (7.10%) प्रतिवर्ष डएसबीआई.है।

9 **संविदाजन्य प्रतिबद्धताएँ**

	विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
क.	संविदाओं की प्राक्कलित राशि जो पूँजी खाते में निष्पादित की जानी है और 31 मार्च को जिनका प्रावधान नहीं किया गया है		
	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	43,333	46,723
	निवेश संपत्ति	-	-
	अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	4,473	1,267
ख.	निवेश संपत्ति की मरम्मत और रख-रखाव तथा वर्धन के लिए संविदाजन्य प्रतिबद्धता	-	-
ग.	31 मार्च को अन्य प्रतिबद्धताएँ यानी निरस्त न करने योग्य संविदाजन्य प्रतिबद्धताएँ (यानी जिसे निरस्त करने से संबंधित अनुलाभ के लिए अनुपातरहित जुर्माना लगाया जाएगा)	-	-

10 **आकस्मिक देयताएँ -**

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
दावे जिन्हें ऋण नहीं माना गया	1,00,769	98,932
बकाया साख पत्र	73,031	72,543
अन्य	3,486	2,946
ग्राहक के अनिषादित आदेश जहाँ सुपुर्दगी की तारीख समाप्त हो चुकी है, में 31 मर्च तक का अनंतिम निर्णीत हर्जाना	35,986	26,305

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

11 आकस्मिक परिसंपत्तियाँ -

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
कुछ नहीं	-	-

12 पट्टा

भारतीय ए.एस. 116 को अपनाना

1 अप्रैल, 2019 से प्रभावी करते हुए कंपनी ने संशोधित पूर्वप्रभावी दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए भारतीय ए.एस. 116 "पट्टे" को अपनाया है, इसलिए, तुलनात्मक सूचना दोबारा नहीं बताई जा रही है। इस मानक को अपनाने से कंपनी के वित्तीय परिणामों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ता है।

क) पट्टाकर्ता के रूप में [मूल कंपनी] -

i) भावी प्राप्त न्यूनतम पट्टा किराया

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
एक वर्ष से अधिक नहीं	53	322
एक वर्ष से अधिक परंतु पाँच वर्षों से अधिक नहीं	241	230
पाँच वर्षों से अधिक	2,785	2,847

कंपनी ने 2016-17 से 2021-22 तक की अवधि के लिए हरियाणा सरकार को प्वाइंट ऑफ सेल्स मशीनों को पट्टे पर दिया है।

कंपनी ने रद्द न करने योग्य प्रचालनीय पट्टे के तहत विभिन्न संगठनों को भूमि का कुछ हिस्सा पट्टे पर दिया है। पट्टे की अवधि वर्ष 1967 से 2077 तक की है। पट्टों की विभिन्न शर्तें, वृद्धि खंड, पट्टा नवीकरण अधिकार आदि है। नवीकरण पर, पट्टे की शर्त दोबारा वार्ता कर तय की जाती हैं।

कंपनी ने आकस्मिक किराए के रूप में कोई आय निर्धारित नहीं की है।

ख) पट्टेदार के रूप में -

ग्रूप में ऐसे पट्टे हैं जिन्हें भारतीय ए.एस. 17 लागू करते हुए वित्त पट्टों के रूप में वर्गीकृत किया गया था, ऐसे पट्टों के लिए, भारतीय ए.एस. 116 के प्रारंभिक अनुप्रयोग की तारीख में उपयोग के अधिकार की राशि की वहनीय राशि, भारतीय ए.एस. 17 को लागू करते हुए मापे गए अनुसार संक्रमण की तारीख पर पट्टे की वहनीय राशि है। तदनुसार, संपत्ति, संयंत्र और उपकरण से ₹ 1,293 [मूल कंपनी ₹ 1,275 और बेलोप ₹ 18] की राशि परिसंपत्तियों के उपयोग के अधिकार में वर्गीकृत की गई ।

संक्रमण पर, कंपनी पट्टे की समाप्त न हुई अवधि के लिए अंतर्निहित परिसंपत्ति के उपयोग के अपने अधिकार को दर्शाते हुए परिसंपत्ति के उपयोग का अधिकार निर्धारित करती है।

उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति को इसमें निर्धारित किया जाता है -

क) पूर्वदत्त किराए की वहनीय राशि जब कोई भावी पट्टा भुगतान देय नहीं होता है; या

ख) वहनीय राशि तथा वृद्धिशील उधार दर पर भुनाया गया। तदनुसार, उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति ₹ 365 है और पट्टे की संबंधित देयता ₹ 365 निर्धारित की गई। इन परिसंपत्तियों के संबंध में भारतीय ए.एस. 116 को लागू करने पर, व्ययों की प्रकृति को पट्टे के किराए से उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति की मूल्यह्रास लागत में और पट्टे की देयता पर प्रोद्भूत ब्याज की वित्त लागत में पुन:वर्गीकृत किया गया ।

कंपनी द्वारा दर्ज उक्त पट्टे की संविदाएँ सौर परियोजना द्वारा बिजली पैदा करने और कारोबारी प्रयोजनों के लिए भवन निर्माण के लिए पट्टे पर ली गई भूमि से संबंधित हैं। इन परिसंपत्तियों का निपटान करना कंपनी के लिए प्रतिबंधित है।

कंपनी ने आकस्मिक किराए के रूप में कोई व्यय निर्धारित नहीं किया है।

पट्टे की देयताओं की संविदाजन्य नकदी प्राप्ति का परिपक्वता विश्लेषण टिप्पणी सं. 34 में उल्लिखित है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

13 शेषों का पुष्टिकरण

व्यापार की लेनदारियों, व्यापार प्रदेयों, अग्रिमों और जमा राशियों के संबंध में शेषों के पुष्टिकरण के अनुरोध पत्र भेजे गए हैं। जहां कहीं उत्तर प्राप्त हुए हैं, समाधान प्रगति में है और वित्तीय विवरणों पर इसका प्रभाव महत्वपूर्ण होना अपेक्षित नहीं है।

14 खंडवार रिपोर्टिंग

कार्पोरेट कार्य मंत्रालय ने अपनी अधिसूचना सं. 463 (ई) दिनांक 5 जून, 2015, यथा संशोधित द्वारा रक्षा उत्पादनों में लगी हुई कंपनियों को खंडवार रिपोर्टिंग की आवश्यकता से छूट प्रदान की है।

15 कोविड-19 का प्रभाव

ग्रूप ने वित्तीय और गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों की वहनीय राशि की वसूली सहित, इन समेकित वित्तीय विवरणों को तैयार करने में कोविड 19 महामारी के कारण होने वाले संभावित प्रभावों पर विचार किया है। महामारी के कारण वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों में संभावित भावी अनिश्चितता से संबंधित मान्यताएं तय करने में, ग्रूप ने सूचना और आर्थिक पूर्वानुमानों के उपलब्ध आंतरिक और बाहरी स्रोतों का प्रयोग किया है और यह अपेक्षा करता है कि इन परिसंपत्तियों की वहनीय राशि वसूल की जाएगी। समेकित वित्तीय विवरणों पर कोविड-19 का प्रभाव इन समेकित वित्तीय विवरणों के अनुमोदन की तारीख पर किए गए प्राक्कलनों से अलग हो सकता है।

16 रिपोर्टिंग अवधि के अंत में निर्धारित न किया गया लाभांश [मूल कंपनी]

निदेशकों ने प्रति शेयर आईएनआर 1.50 (आईएनआर 1.20) के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है।

प्रस्तावित लाभांश आगामी वार्षिक सामान्य बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन की शर्त पर है और यदि अनुमोदन प्रदान किया जाता है तो इसके कारण लगभग ₹ 36,549 (₹ 29,239) का नकदी बहिर्वाह होगा।

17 शेष कार्य-निष्पादन देयता का मूल्य (लंबित आदेश जिनका निष्पादन करना है)

ग्राहकों की संविदाओं से अनिर्धारित राजस्व जिन्हें आंशिक रूप से पूरा किया गया है या पूरा नहीं किया गया है (लंबित आदेश जिनका निष्पादन करना है)

विवरण	कुल राशि	एक वर्ष के भीतर	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्षों से अधिक
अनिष्पादित आदेश का मूल्य	57,62,444	24,67,163	16,35,665	6,51,770	10,07,846

विशेष रूप से प्रमुख आदेश रक्षा से प्राप्त होते हैं जिनकी उत्पादन-पूर्व अवधि लंबी होती है। कंपनी पूरी न की गई (या आंशिक रूप से पूरी न की गई) कार्य-निष्पादन देयता के संबंध में कंपनी 3 से 5 वर्षों की अवधि में राजस्व को अभिचिह्नित करने की आशा करती है।

18 चालू वर्ष के दौरान, बीईएल-थालिस सिस्टम्स लिमिटेड (सहायक कंपनी) ने वित्त वर्ष 2020-21 की प्रमाणन लेखा परीक्षा के दौरान सी एंड एजी को दिए गए आश्वासन के आधार पर पिछले वर्ष के शेषों का पुनर्वर्गीकरण किया है। वित्त वर्ष 2021-22 के समेकित वित्तीय विवरणों को तैयार करते समय इन पुनर्वर्गीकरणों पर विचार किया गया है।

19 अनुसूची III में किए गए संशोधनों के अनुसार यथा अपेक्षित अन्य प्रकटण

क कंपनी में कोई बेनामी संपत्ति नहीं है जिसमें किसी प्रकार की बेनामी संपत्ति धारित करने के लिए कंपनी के विरुद्ध कोई कार्यवाही शुरु की गई हो या लंबित हो।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

ख प्रभावित कंपनियां (मूल कंपनी)

₹ आईएनआर में (परम अंक दर्शाताहै)

प्रभावित कंपनी का नाम	प्रभावित कंपनी के साथ किए गए लेनदेन की प्रकृति	प्रभावित कंपनी के साथ संबंध, यदि प्रकट करने योग्य हो	31 मार्च 2022 को	31 मार्च 2021 को
मुस्कान इंटरप्राइजेस प्रा. लि.	अग्रिम प्राप्त	-	3,012	3,012
राजू इंटरप्राइजेस प्रा. लि.	अग्रिम प्राप्त	-	1,67,649	1,67,649
हेमा इंटरप्राइजेस प्रा. लि.	अग्रिम प्राप्त	-	16,815	16,815
शॉर्प प्रॉडक्ट्स प्रा. लि.	अग्रिम प्राप्त	-	28,932	28,932
एम एस इंटरप्राइजेस प्रा. लि.	प्रतिभूति जमा प्राप्त	-	53,640	-
एम एस इंटरप्राइजेस प्रा. लि.	व्यापार लेनदारी	-	22,443	11,043
एस पी इंटरप्राइजेस प्रा. लि.	अग्रिम प्राप्त	-	1,908	-
एयरकम्फोर्ट इंजीनियर्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	32,253	32,253
आर्कटिक इंडिया सेल्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	1,10,520	26,583
बर्जेन एसोसिएट्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	3,07,390	68,510
बिगटेक साफ्टवेयर प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	68,759	68,759
चावला हेल्थ केयर प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	1,57,976	1,69,603
चावला हेल्थ केयर प्रा. लि.	प्रतिभूति जमा प्राप्त	-	4,87,435	2,34,588
चावला हेल्थ केयर प्रा. लि.	अग्रिम अदा किया गया	-	-	4,305
कंप्यू लीज़ नेटवर्क्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	12,86,926	27,12,177
ईएल कैमिनो टेक्नालाजीस प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	19,500	19,500
एम्बेडेड साफ्टवेयर डेवलपमेंट प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	8,13,920	8,13,920
एक्सीजेंट सॉल्यूशन्स प्रा. लि.	अग्रिम अदा किया गया	-	19,50,934	19,50,934
एक्सीजेंट सॉल्यूशन्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	72,632	72,632
इन्नोवायर टेक्नालाजीस प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	4,98,550	4,98,550
इंटेग्रा माइक्रो सिस्टम्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	1,95,216	1,95,216
कैपट्रॉन प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	1,26,000	1,26,000
रोड कैरियर ऑफ इंडिया प्रा. लि.	प्रतिभूति जमा प्राप्त	-	25,000	25,000
एस.बी.एस. टेक्नोकाट्र्स एंड इंजीनियर्स प्रा. लि.	प्रतिभूति जमा प्राप्त	-	2,23,054	2,23,054
एस.बी.एस. टेक्नोकाट्र्स एंड इंजीनियर्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	3,74,973	3,74,973
सोलास्टेक नेटवर्क सिस्टम्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	11,02,839	11,02,839
स्टार इन्फार्मेटिक्स प्रा. लि.	प्रतिभूति जमा प्राप्त	-	1,50,450	1,50,450
सुमिट्रॉन एक्सपोर्ट्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	41,681	29,581
स्वाति एयरकंडीशनिंग प्रा.लि.	प्रतिभूति जमा प्राप्त	-	6,251	6,251
वैल्यू प्वाइंट आईटी सर्विसेस प्रा.लि.	प्रतिभूति जमा प्राप्त	-	2,000	2,000
वैल्यू प्वाइंट आईटी सर्विसेस प्रा.लि.	व्यापार प्रदेय	-	1,971	1,971
सतिदम इंडस्ट्रीज़ प्रा.लि.	शेयरधारक	-	12,000	5,300
गर्ग कैपिटल एंड स्टॉक प्रा.लि.	शेयरधारक	-	3,300	3,300
डी आर शेयर्स प्रा.लि.	शेयरधारक	-	3,300	3,300
सलासार सेक्योरिटीज़ प्रा.लि.	शेयरधारक	-	1,200	1,500
ऐस्ट्रल ऑटो पाट्र्स प्रा.लि.	शेयरधारक	-	1,100	4,000
अरविंद सेक्योरिटीज़ प्रा.लि.	शेयरधारक	-	198	198

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

ग कंपनी में ऐसे कोई प्रभार या संतुष्टि नहीं है जिसे सांविधिक अवधि के बाद कंपनी पंजीयक (आरओसी) के पास दर्ज किया जाना हो।

घ कंपनी ने वित्त वर्ष के दौरान क्रिप्टो मुद्रा या आभासी मुद्रा में कोई लेनदेन या निवेश नहीं किया है।

ङ कंपनी ने इस आशय के साथ विदेशी संस्थानों (मध्यस्थ) सहित किसी अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों को कोई अग्रिम राशि नहीं दी है या उनमें निधियों का निवेश नहीं किया है जो -

क. कंपनी (अंतिम हितलाभी) द्वारा या उसकी ओर से किसी भी ढंग से अभिचिह्नित अन्य व्यक्तियों या संस्थानों को प्रत्याक्ष या परोक्ष रूप से उधार देंगे या निवेश करेंगे यी

ख. अंतिम हितलाभियों को या उसकी ओर से कोई गारंटी, प्रतिभूति या इसी प्रकार की अन्य प्रदान करेंगे।

च कंपनी ने इस आशय के साथ (जो लिखित या अन्यथा दर्ज हो) विदेशी संस्थानों (वित्त-पोषण पक्ष) सहित किसी भी व्यक्ति या संस्थान से कोई निधि प्राप्त नहीं की है जिससे कंपनी को -

क. वित्त-पोषण पक्ष (अंतिम हितलाभी) द्वारा या उसकी ओर से किसी भी ढंग से अभिचिह्नित अन्य व्यक्तियों या संस्थानों को प्रत्याक्ष या परोक्ष रूप से उधार देना या निवेश करना पड़ा हो या

ख. अंतिम हितलाभियों की ओर से कोई गारंटी, प्रतिभूति या इसी प्रकार की अन्य प्रदान करना पड़ा हो।

छ कंपनी ने ऐसा कोई लेनदेन नहीं किया है जो लेखा बहियों में दर्ज न किया गया हो जिसे आय कर अधिनियम, 1961 के तहत कर निर्धारत में वर्ष के दौरान आय के रूप में अभ्यर्पित या प्रकट किया गया हो (जैसे खोज या सर्वेक्षण या आय कर अधिनियम, 1961 का कोई अन्य संगत प्रावधान)।

20 वर्ष 2019-20 के दौरान, नेमी आंतरिक लेखा परीक्षा के दौरान कर्मचारियों द्वारा कंपनी के साथ ₹ 1,000 की धोखाधड़ी की घटना का पता चला है। उक्त राशि में से, ₹ 64 की वसूली की गई और शेष ₹ 936 की राशि को लेनदारी के रूप में निर्धारित किया गया, वसूली के लंबित होने के कारण, इसे लाभ व हानि के विवरण में संदिग्ध माना गया है। कंपनी ने इस संबंध में उचित कार्रवाई की है और जाँच प्रगति में है।

21 मूल कंपनी द्वारा कुछ नहीं (रु.25) की राशि रक्षा उत्पादन के आई.टी. प्रभाग को अंशदान में दी गई है जिसे आयुध निर्माणी बोर्ड (ओएफबी) और रक्षा सरकारी क्षेत्र की यूनिटों सहित रक्षा उत्पादन विभाग में आई.टी. संबंधी पहल को कार्यान्वित करने के लिए एचएएल के एक प्रभाग के रूप में तैयार किया गया है।

22 सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के लागू होने की तारीख अधिसूचित नहीं की गई है और ग्रूप इस संहिता के लागू होने पर उसके प्रभाव का आकलन करेगा और संहित के प्रभावी होने की अवधि में उसके प्रभाव को दर्ज करेगा।

23 **प्रतिधारण बिक्री [मूल कंपनी]**

वर्ष के दौरान कुल कारोबार में शामिल प्रतिधारण बिक्री (यानी ग्राहक के अनुरोध पर और उसके जोखिम पर कंपनी में रखा गया माल) का मूल्य ₹ 80,880 (₹ 49,302) है। इसमें से कारखाना बाह्य बिक्री का मूल्य शून्य (₹ 6,884) है।

24 कोष्ठक में दिए गए आंकड़े पिछले वर्ष से संबंधित हैं।

25 समेकित वित्तीय विवरणों के सभी आंकड़ों को निकटतम लाख में पूर्णांकित किया गया है जब तक कि अन्यथा उल्लिखित न हो।

26 समेकित भारतीय ए.एस. वित्तीय विवरणों को दिनांक 23 मई 2022 को निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

टिप्पणी 31 - संबंधित पक्षकार के लेनदेन

क. संबंद्ध कंपनियाँ

स्वत्व का नाम	कारोबार का स्थान	मूल कंपनी द्वारा धारित स्वामित्व हित		नियंत्रणरहित हितों द्वारा धारित स्वामित्व हित		प्रधान कार्यकलाप
		यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021	
जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड	भारत	26%	26%	-	-	चिकित्सा उपकरणों का निर्माण
डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइ. जेशन	भारत	50%	50%	50%	50%	रक्षा संबंधी अनुसंधान एवं विकास कार्यकलाप

ख. मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों के विवरण

i. मुख्य प्रबंधन कार्मिकों के नाम

- श्रीमती आनंदी रामलिंगम, निदेशक डविपणन, 01.07.2021 से अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार
- श्री विनय कुमार कत्याल, निदेशक [बेंगलूरु कॉम्प्लेक्स]
- श्री दिनेश कुमार बत्रा, निदेशक [वित्त.एवं सीएफओ]
- श्री राजशेखर एम वी, निदेशक [आर एंड डी]
- श्री एम वी गौतमा, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, 30.06.2021 तक
- श्रीमती शिखा गुप्ता, निदेशक [अन्य यूनिटें] 08.05.2021 तक
- श्री शिवकुमारन के एम, निदेशक [मानव संसाधन] 31.08.2021 तक
- श्री महेश वी, निदेशक [आर एंड डी] 31.08.2020 तक
- श्री कोशी एलेक्ज़ांडर, निदेशक [वित्त] एवं सीएफओ 31.07.2020 तक
- श्री एस श्रीनिवास, कंपनी सचिव
- श्री डीसीएन श्रीनिवास राव, सीईओ - बेलॉप
- श्री पी सरकार, सीएफओ - बेलॉप
- श्रीमती प्रिया एस अय्यर, कंपनी सचिव - बेलॉप
- श्री नरसिम्ह प्रसाद के, सीईओ - बीईएल थालेस सिस्टम्स
- श्री अभिषेक कुमार, सीएफओ - बीईएल थालेस सिस्टम्स
- श्री संजोग मोहापात्रा, कंपन सचिव, बीईएल थालेस सिस्टम्स
- श्री एमैनुअल डे रॉकफ्यूइल, निदेशक - बीईएल थालेस सिस्टम्स, 06.07.2021 तक
- श्री राजीव कुमार सिक्का, सीईओ - बीईएल थालेस सिस्टम्स 28.02.2021 तक

ii. मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों के प्रतिपूर्ति

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
अल्पकालीन कर्मचारी हितलाभ	475	525
नियोजन के बाद के हितलाभ	43	40
दीर्घकालीन कर्मचारी हितलाभ	62	39
सेवानिवृत्ति के लाभ	-	-
शेयर आधारित भुगतान	-	-
कुल	**580**	**604**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

ग. मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों के अलावा संबंधित पक्षकारों के साथ किए गए लेनदेन इस प्रकार हैं (पिछले वर्ष के आंकड़े कोष्ठक में दर्शाए गए हैं) -

विवरण	संबद्ध कंपनी	
	जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड	डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन
माल की खरीद	**2,297**	**-**
	(1,690)	-
यथा 31.03.2022 को बकाया व्यापार प्राप्य	**606**	**-**
	(540)	-
यथा 31.03.2022 को इक्विटी में निवेश	**260**	**1**
	(260)	(1)
यथा 31.03.2022 को बकाया अंशदान	**-**	**4,000**
	-	(4,000)

घ. संबंधित पक्षकारों के साथ किए गए सभी लेनदेन स्वतंत्र संव्यवहार आधार पर हैं।

ङ सभी बकाया शेष अरक्षित हैं और अगले 6 महीनों के भीतर नकद में चुकौती/प्राप्य योग्य हैं।

च मूल कंपनी द्वारा सरकार और सरकार संबंधी निकायों के साथ लेनदेन-

चूँकि बीईएल रक्षा मंत्रालय के नियंत्रण के अधीन एक सरकारी कंपनी है, कंपनी ने सरकार और सरकारी निकायों के साथ लेनदेन के संबंध में भारतीय ए.एस. 24 के तहत अपेक्षित विवरणों को प्रकट करने से छूट प्राप्त की है।

बहरहाल, भारतीय ए.एस. 24 के तहत यथा अपेक्षित, निम्नलिखित लेनदेन वैयक्तिक रूप से उल्लेखनीय हैं -

₹ 52,331 (₹ 52,331) की राशि वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान लाभांश के रूप में अदा की गई।

उपर्युक्त के अलावा, कंपनी के कुल कारोबार का लगभग 97% (92%), व्यापार प्राप्य का लगभग 99% (95%) और ग्राहकों के अग्रिम का लगभग 99% (99%) सरकार और सरकार संबंधी निकायों से संबंधित है।

छ कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के प्रावधानों के अनुसार, 10 अप्रैल 2017 को लाभ रहित कंपनी के रूप में डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन (डीआईओ) की स्थापना रक्षा क्षेत्र में नवोन्मेषी कार्य का वित्त पोषण करने के उद्देश्य से ₹ 100 बीईएल- 50%; एचएएल- 50%) की प्राधिकृत शेयर पूँजी के साथ की गई। कंपनी का पंजीकृत कार्यालय बेंगलूरु में बीईएल के परिसर में स्थित है।

टिप्पणी 32 - अन्य संस्थानों में हित

क. सहायक कंपनियाँ

स्वत्व का नाम	कारोबार का स्थान	मूल कंपनी द्वारा धारित स्वामित्व हित		नियंत्रणरहित हितों द्वारा धारित स्वामित्व हित		प्रधान कार्यकलाप
		यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021	
बीईएल ऑप्ट्रॉनिक्स डिवाइसेस लिमिटेड (बेलोप)	भारत	100%	100%	-	-	इमेज इंटेंसीफायर ट्यूबों का निर्माण एवं आपूर्ति।
बीईएल - थालेस सिस्टम लिमिटेड	भारत	74%	74%	26%	26%	रक्षा और सिविल रेडारों की डिजइन, विकास, आपूर्ति और समर्थन।

इक्विटी शेयर के प्रत्येक धारक अपने हाथ दिखाकर एक वोट देने और धारित शेयरों की संख्या के अनुपात में मतदान करने के हकदार हैं।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

ख. नियंत्रणेतर हित (एनसीआई)

i. कंपनी की प्रत्येक सहायक कंपनी जिसका किसी अंतर्समूह विलोपन से पहले महत्वपूर्ण नियंत्रणेतर हित है, से संबंधित संक्षिप्त वित्तीय सूचना

संक्षिप्त तुलन-पत्र	बीईएल- थालेस सिस्टम लि.	
	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
एनसीआई का प्रतिशत	**26%**	**26%**
गैर - चालू परिसंपत्तियाँ	1,742	1,859
चालू परिसंपत्तियाँ	7,320	8,063
कुल परिसंपत्तियाँ	**9,062**	**9,922**
गैर - चालू देयताएँ	53	89
चालू देयताएँ	2,723	4,067
कुल देयताएँ	**2,776**	**4,156**
निवल परिसंपत्तियाँ	**6,286**	**5,766**
एनसीआई के कारण निवल परिसंपत्ति	**1,634**	**1,499**

संक्षिप्त लाभ व हानि का विवरण	बीईएल- थालेस सिस्टम लि.	
	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
राजस्व	4,091	3,872
लाभ	521	315
अन्य व्यापक आय (ओसीआई)	-	-
कुल व्यापक आय	**521**	**315**
एनसीआई को आबंटित लाभ	**135**	**82**
एनसीआई को आबंटित ओसीआई	-	-
एनसीआई को आबंटित कुल व्यापक आय	**135**	**82**

संक्षिप्त नकदी प्राप्ति का सार	बीईएल- थालेस सिस्टम लि.	
	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
प्रचालनात्मक गतिविधियों से नकदी प्राप्ति	(2,143)	(2,818)
निवेश संबंधी गतिविधियों से नकदी प्राप्ति	3,687	279
वित्तीय गतिविधियों से नकदी प्राप्ति	(45)	(43)
नकद और नकद समतुल्य में निवल बढ़ोत्तरी / (कमी)	**1,499**	**(2,582)**

ii. नियंत्रणेतर हितों का लेन-देन - कुछ नहीं (कुछ नहीं)

ग. एसोसिएट में हित

स्वत्व का नाम	कारोबार का स्थान / निगम का स्थान	स्वामित्व हित का प्रतिशत %	संबंध	लेखा विधि	वहनीय राशि	
					यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड	भारत	26%	संबद्ध कंपनी	इक्विटी विधि	23,292	18,989
रक्षा नवोन्मेष संगठन	भारत	50%	संबद्ध कंपनी	#	1	1

वर्ष के दौरान कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के तहत पंजीकृत लाभ रहित कंपनी, डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गनाइज़ेशन में किए गए निवेश को दर्शाता है। आई.एन.आर. 50,000 [परम अंक को दर्शाता है] के इक्विटी निवेश को छोड़कर, मूल कंपनी का सहयोगी कंपनियों की परिवर्ती प्राप्तियों पर कोई नियंत्रण और कोई अधिकार नहीं होता है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

एसोसिएट में निवेश का उचित मूल्य प्रकट नहीं किया गया है क्योंकि जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड की इक्विटी अनुद्धृत है।

जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड चिकित्सा यंत्रों का निर्माण करती है और इसके उत्पाद बीईएल बेंगलूरु के कंपोनेंट एसबीयू और बीईएल की पुणे यूनिट के कारोबार को सहायता प्रदान करते हैं।

जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड में कंपनी के हित की वहनीय राशि (लेखा परीक्षित)

संक्षिप्त तुलन-पत्र	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
गैर - चालू परिसंपत्तियाँ	24,378	23,303
चालू परिसंपत्तियाँ -		
नकद व नकद समतुल्य	1,344	53
अन्य परिसंपत्तियाँ	92,831	76,552
कुल चालू परिसंपत्तियाँ	**94,175**	**76,605**
कुल परिसंपत्तियाँ	**1,18,553**	**99,908**
गैर - चालू देयताएँ -		
व्यापार देय के अलावा वित्तीय देयताएँ	18	31
अन्य देयताएँ	439	688
कुल गैर - चालू देयताएँ	**457**	**719**
चालू देयताएँ -		
व्यापार देय के अलावा वित्तीय देयताएँ	771	713
अन्य देयताएँ	27,714	25,419
कुल चालू देयताएँ	**28,485**	**26,132**
कुल देयताएँ	**28,942**	**26,851**
निवल परिसंपत्तियाँ	89,611	73,057
स्टॉक पर आप्राप्त लाभ हटाएं	(7)	(6)
निवल परिसंपत्तियों में कंपनी का हिस्सा	**23,292**	**18,989**

संक्षिप्त लाभ व हानि का विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
राजस्व	1,56,672	1,23,839
ब्याज की आय	1,682	1,403
मूल्यह्रास और ह्रास	3,598	3,481
ब्याज का व्यय	16	32
आय कर व्यय	**6,041**	**3,890**
वर्ष का लाभ	**17,578**	**11,673**
अन्य व्यापक आय	(24)	14
कुल व्यापक आय	**17,554**	**11,687**
लाभ में कंपनी का हिस्सा	4,570	3,035
स्टॉक पर प्राप्त नहीं किया गया लाभ	7	7
लाभ में कंपनी का निवल हिस्सा	4,577	3,042
कंपनी का ओसीआई हिस्सा	(6)	4
कुल व्यापक आय में कंपनी का हिस्सा	**4,571**	**3,046**

मूल कंपनी ने उसकी संबंद्ध कंपनी (जीई प्राइवेट लिमिटेड) से प्राप्त लाभांश ₹ 260 (₹ 260) है ।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

वहनीय राशियों का समाधान

विवरण	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए
प्रारंभिक निवल परिसंपत्तियाँ	18,989	16,209
वर्ष का लाभ	4,577	3,042
अन्य व्यापक आय	(6)	4
स्टॉक पर अप्राप्त लाभ	(7)	(6)
अदा किया गया लाभांश	260	260
अंतिम निवल परिसंपत्तियाँ	**23,293**	**18,989**

एसोसिएट से संबंधित प्रतिबद्धताएँ और आकस्मिक देयताएँ-

विवरण	जीई वीई प्राइवेट लिमिटेड	
	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
पूँजीगत प्रतिबद्धताएँ	180	174
अन्य प्रतिबद्धताएँ	-	-
अन्य आकस्मिक देयताएँ	831	831

स्वत्व का नाम		डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन
कारोबार / निगमन का स्थान		भारत
स्वामित्व हित का %		50%
संबंध		एसोसिएट
वहनीय राशि	2021-22	1
	2020-21	1

घ. अनुसूची III के तहत अपेक्षित अतिरिक्त सूचना

संस्था का नाम	वर्ष	निवल परिसंपत्तियां जैसे कुल परिसंपत्तियों में से कुल देयताएँ घटाकर		लाभ व हानि में हिस्सा		कुल व्यापक आय में हिस्सा		कुल व्यापक आय में हिस्सा	
		समेकित निवल परिसंपत्तियाँ के % में	राशि	समेकित लाभ व हानि के ₹ में	राशि	समेकित अन्य व्यापक आय के % में	राशि	समेकित कुल व्यापक आय के % में	राशि
मूल कंपनी -									
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि.	2021-22	95.61%	11,76,218	97.66%	2,34,409	100.03%	(14,921)	97.51%	2,19,488
	2020-21	95.59%	10,58,651	98.17%	2,06,129	99.52%	(8,709)	98.11%	1,97,420
सहायक कंपनियां -									
भारतीय									
बीईएल ऑप्ट्रानिक डिवाइसेस लि. (बेलॉप)	2021-22	1.99%	24,432	0.21%	516	-0.07₹	11	0.23%	527
	2020-21	2.17%	24,052	0.23%	490	0.53₹	(46)	0.22%	444
बीईएल - थालेस सिस्टम्स लि.	2021-22	0.38%	4,651	0.16%	386	-	(1)	0.17%	385
	2020-21	0.39%	4,266	0.11%	233	-	-	0.12%	233
सहायक कंपनी में नियंत्रणेतर हित-									
भारतीय									
बीईएल - थालेस सिस्टम्स लि.	2021-22	0.13%	1,634	0.06₹	135	-	-	0.06%	135
	2020-21	0.14%	1,499	0.04₹	82	-	-	0.04%	82
एसोसिएट (इक्विटी विधि के अनुसार निवेश) -									
भारतीय									
जीई बीई प्रा. लि.	2021-22	1.89%	23,292	1.91%	4,576	0.04%	(6)	2.03%	4,570
	2020-21	1.71%	18,989	1.45%	3,042	-0.05%	4	1.51%	3,046
कुल	2021-22	**100%**	**12,30,227**	**100%**	**2,40,022**	**100%**	**(14,917)**	**100%**	**2,25,105**
	2020-21	**100%**	**11,07,457**	**100%**	**2,09,976**	**100%**	**(8,751)**	**100%**	**2,01,225**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 33 - वित्तीय विलेख - उचित मूल्य मापन

1 लेखा वर्गीकरण एवं उचित मूल्य

निम्नलिखित टेबल वित्तीय परिसंपत्तियों एवं देयताओं की वहनीय राशि और उचित मूल्य दर्शाता है -

	विवरण	यथा 31 मार्च 2022			यथा 31 मार्च 2021		
		FVPL	FVOCI	परिशोधित लागत	FVPL	FVOCI	परिशोधित लागत
	उचित मूल्य में मापित वित्तीय परिसंपत्तियाँ						
I	**निवेश**						
i	इक्विटी विलेख - मना एफ्लूएंट ट्रीटमेंट प्रा. लि.	-	13	-	-	12	-
ii	इक्विटी विलेख - डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन	-	1	-	-	1	-
iii	अन्य निवेश						
क	भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में निवेश (छुट्टी नकदीकरण और बीईआरईसीएचएस के लिए)	1,33,896	-	-	1,11,592	-	-
	उप कुल	**1,33,896**	**14**	**-**	**1,11,592**	**13**	**-**
	वित्तीय परिसंपत्तियाँ जिन्हें उचित मूल्य में नहीं मापा गया						
II	**व्यापार प्राप्य**	-	-	6,10,809	-	-	6,56,199
III	**ऋण**						
क	कर्मचारियों को ऋण	-	-	876	-	-	888
IV	**नकद और नकद समतुल्य**	-	-	1,30,086	-	-	3,04,290
V	**अन्य बैंक शेष**	-	-	6,26,288	-	-	2,03,086
VI	**अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ**						
क	प्रतिभूति जमा	-	-	3,993	-	-	4,038
ख	कर्मचारियों को अग्रिम	-	-	168	-	-	165
ग	अन्य को अग्रिम	-	-	3	-	-	5
घ	व्यापार-इतर प्राप्य	-	-	2,540	-	-	614
ङ	मीयादी जमा पर प्रोद्भुत ब्याज	-	-	1	-	-	-
च	12 महीनों से अधिक परिपक्वता के बैंक जमा	-	-	278	-	-	195
छ	प्रोद्भूत ब्याज जो मीयादी जमा पर देय नहीं हुई	-	-	3,795	-	-	1,300
ज	अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	-	-	1,893	-	-	2,620
	अन्य निवेश						
क	को-ऑपरेटिव सोसाइटियों, हाउसिंग सोसाइटियों आदि में निवेश*	-	-	-	-	-	-
	उप कुल	**-**	**-**	**13,80,730**	**-**	**-**	**11,73,400**
	कुल	**1,33,896**	**14**	**13,80,730**	**1,11,592**	**13**	**11,73,400**

* आईएनआर 4,750 (आईएनआर 4,750) [परम अंक दर्शाता है] जिसे पूर्णांकित किया गया।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	विवरण	यथा 31 मार्च 2022			यथा 31 मार्च 2021		
		FVPL	FVOCI	परिशोधित लागत	FVPL	FVOCI	परिशोधित लागत
	उचित मूल्य में मापित वित्तीय परिसंपत्तियाँ	-	-	-	-	-	-
	कुल	-	-	-	-	-	-
	उचित मूल्य में मापित वित्तीय परिसंपत्तियाँ						
I	उधार	-	-	-	-	-	-
II	व्यापार प्राप्य	-	-	3,36,964	-	-	3,29,919
III	**अन्य वित्तीय देयताएँ**						
क	व्यापार देय पर प्रोद्भूत और देय ब्याज	-	-	14	-	-	6
ख	प्रतिभूति जमा	-	-	30,539	-	-	27,278
ग	अदत्त परिपक्व जमा राशियाँ	-	-	37	-	-	37
घ	अदत्त लाभांश		-	215	-	-	211
ङ	एमएसएमई को बकाया व्यापर इतर देय	-	-	337	-	-	208
च	बकाया व्यय	-	-	57,012	-	-	46,709
छ	अन्य व्यापार देयता	-	-	8,749	-	-	20,948
ज	प्रोद्भूत ब्याज और मीयादी जमा पर देय	-	-	-	-	-	-
झ	पट्टे की अन्य देयता	-	-	5,270	-	-	252
ञ	अन्य देयताएँ	-	-	1,162	-	-	1,169
	कुल	**-**	**-**	**4,40,299**	**-**	**-**	**4,26,737**

2 उचित मूल्य का पदानुक्रम

वित्तीय विलेखों के उचित मूल्य मापन, जहाँ लागू हो, के लिए प्रयुक्त पदानुक्रम स्तर नीचे दिए गए हैं -

	विवरण	टिप्पणी	यथा 31 मार्च 2022			यथा 31 मार्च 2021		
			स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3
I	**उचित मूल्य पर मापित वित्तीय परिसंपत्तियाँ एवं देयताएँ - आवर्ती उचित मूल्य मापन**							
क	वित्तीय परिसंपत्तियाँ							
i	FVPL में वित्तीय निवेश	6	-	1,33,896	-	-	1,11,592	-
ii	FVOCI में वित्तीय निवेश - अनुद्धत	6	-	-	14	-	-	13
II	**वित्तीय परिसंपत्तियाँ एवं देयताएं जिन्हें परिशोधित लागत पर मापा गया**		अपना उचित मूल्य दर्शाने वाली इन परिसंपत्तियों के वहनीय मूल्य के रूप में कोई अलग उचित मूल्य प्रकट नहीं किया गया है।					

स्तर 1- स्तर 1 के पदानुक्रम में उद्धत कीमतों का उपयोग करते हुए मापित वित्तीय विलेख शामिल हैं।

स्तर 2- ऐसे वित्तीय विलेख जिनका लेनदेन सक्रिय बज़ार में नहीं किया गया है, का उचित मूल्य ऐसी मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग कर तय किया जाता है जो प्रेक्षणीय बाज़ार आंकड़ों का उपयोग अधिकतम करते हैं और निकाय के विशिष्ट प्राक्कलनों पर कम से कम निर्भर होते हैं।

स्तर 3- यदि एक या एक से अधिक महत्वपूर्ण निविष्टियाँ प्रेक्षणीय बाज़ार आंकड़ों पर आधारित नहीं होती हैं तो विलेख को स्तर 3 में शामिल किया जाता है। गैर-सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों के मामलों में ऐसा किया जाता है।

3 उचित मूल्य तय करने में प्रयुक्त मूल्यांकन तकनीक [मूल कंपनी] :-

क एलआईसी निवेश - (स्तर 2)

एलआईसी की योजना के मूल्यांकन रिपोर्ट पर आधारित

ख मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि. - (स्तर 3)

बीईएल ने मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि. जो कि गैर-सूचीबद्ध कंपनी है, की इक्विटी प्रतिभूतियों में निवेश किया है। मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि. में निवेश की कंपनी की लागत केवल रु. 5 (रु. 163 की जारी शेयर पूँजी में से) है। कंपनी ने उचित मूल्यांकन के लिए निवल परिसंपत्ति मूल्य विधि चुना है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

ग **डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन (डीआईओ) - (स्तर 3)**

बीईएल ने डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन (डीआईओ) जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के प्रावधानों के अनुसार एक 'लाभरहित कंपनी' है और जिसका उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में नवोन्मेष का वित्त-पोषण करना है, की इक्विटी पूँजी में अंशदान किया है। कंपनी ने उचित मूल्यांकन के लिए निवल परिसंपत्ति मूल्य विधि चुना है।

टिप्पणी 34 - वित्तीय जोखिम प्रबंधन

i. जोखिम प्रबंधन का ढांचा और नीतियाँ

ग्रूप में वित्तीय विलेखों के परिणामस्वरूप व्यापक रूप से क्रेडिट जोखिम, चलनिधि जोखिम और बाज़ार का जोखिम (विनिमय दरों, ब्याज की दरों और कीमत जोखिम में उतार-चढ़ाव) बना रहता है।

कंपनी की जोखिम प्रबंधन संरचना की संस्थापना, निगरानी और पर्यवेक्षण की समग्र जिम्मेदारी निदेशक मंडल की होगी। मंडल ने इस प्रयोजनार्थ एक जोखिम प्रबंधन समिति गठित की है जो जोखिम प्रबंधन नीतियों को तैयार करने और उनकी निगरानी करने के लिए जिम्मेदार होगी। कंपनी ने एक जोखिम प्रबंधन नीति तैयार की है जिसमें जोखिम प्रबंधन की संरचना दी गई है और वित्त तथा प्रचालन से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी विभिन्न जोखिमों की पहचान, मूल्यांकन, वरीयता और उपचार की व्यापक संरचना दी गई है।

मूल कंपनी में एक केंद्रीकृत निधि विभाग है जो मंडल द्वारा तैयार की गई नीतियों और प्रक्रियाओं के अनुसार वित्तीय जोखिमों को कम करने के उचित उपाय करता है। बचाव संबंधी व्यवहार बाहरी विशेषज्ञ के सलाह से उपयुक्त कौशल और अनुभव रखने वाली टीम द्वारा किए जाते हैं। कंपनी सट्टा बाज़ार में व्यापार नहीं करती।

ii. बाज़ार जोखिम

बाजार जोखिम वह जोखिम है जो विदेशी मुद्रा दरों के रूप में बाजार मूल्य में परिवर्तन करता है, ब्याज दरें कंपनी की आय या वित्तीय साधनों की इसकी होल्डिंग के मूल्य को प्रभावित करेगी। बाजार जोखिम प्रबंधन का उद्देश्य रिटर्न को अनुकूलित करते हुए स्वीकार्य मापदंडों के भीतर बाजार जोखिम जोखिमों का प्रबंधन और नियंत्रण करना है।

ग्रूप की गतिविधियाँ मुख्य रूप से विदेशी विनिमय दरों और ब्याज दर आंदोलनों में बदलाव के वित्तीय जोखिमों को उजागर करती हैं (मुद्रा जोखिम और ब्याज जोखिम के नीचे के नोटों देखें)।

iii. मुद्रा जोखिम

ग्रूप विदेशी मुद्रा संचालन से उत्पन्न होने वाले विदेशी विनिमय जोखिम खासकर अमेरिकी डॉलर, यूरो, ग्रेट ब्रिटेन पाउंड, स्विस फ्रैंक और जापानीस येन जैसे विदेशी मुद्राओं में खरीदी और बिक्री से संबंधित होता है इसका खुलासा करता है। विदेशी मुद्रा जोखिम मौजूदा और भविष्य के वाणिज्यिक लेनदेन से उत्पन्न होता है और मान्यता प्राप्त परिसंपत्तियों और देनदारियों की मुद्रा मानी जाती है जो कि कंपनी की कार्यात्मक मुद्रा (आई.एन.आर.) नहीं है ।

ग्रूप के पास जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा कार्यान्वित एक बोर्ड अनुमोदित मुद्रा जोखिम प्रबंधन नीति है जो इस जोखिम के लिए कंपनी के जोखिम को नियमित आधार पर समीक्षा करती है। जोखिम प्रबंधन नीति खुली विदेशी मुद्रा जोखिम के 50% तक बचाव व्यवस्था की सिफारिश करती है। हालांकि बचाव व्यवस्था में प्रवेश करने का निर्णय प्रासंगिक डेटा आदानों के आधार पर जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा किया जाता है और इस उद्देश्य के लिए बनाए गए बाहरी विशेषज्ञ सलाहकार की सलाह दी जाती है।

मूल कंपनी का निर्यात आय ज्यादातर एक निर्यात अर्जक विदेशी मुद्रा खाते (ईईएफसी) में प्रेषण द्वारा महसूस होता है, जिसका उपयोग विदेशी मुद्रा में किए जाने वाले भुगतानों के लिए किया जाता है, जिससे निर्यात पर मुद्रा जोखिम को कम किया जा सकता है। लगभग 8% (8%) वार्षिक विदेशी मुद्रा के बाहर जाने का आयात संबंधित ग्राहक संविदा में विनिमय दर भिन्नता (ईआरवी) खंड द्वारा कवर नहीं किया गया है और इसलिए यह मुद्रा जोखिम के लिए खुला होता है। इन आयातों को मामले दर मामले के आधार पर नीति और जोखिम को कवर करने के लिए उचित निर्णय मामले के आधार पर मानदंड किया जाता है। जहां भी जरूरत हो, कंपनी की मुद्रा जोखिम नीति आगे की आवश्यकता के मुताबिक जोखिम को कम करने के लिए बचाव व्यवस्था संविदा का समर्थन करती है।

यथा 31 मार्च 2022 को, कोई बकाया वायदा संविदा नहीं है।.

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

प्रमुख मुद्राओं के संबंध में विदेशी मुद्रा जोखिम हेतु ग्रूप एक्सपोज़र नीचे दिए गए है -

विवरण	यथा 31 मार्च 2022					यथा 31 मार्च 2021				
	USD	EURO	GBP	CHF	J Yen	USD	EURO	GBP	CHF	J Yen
व्यापार प्रदेय	626	204	10	10	11	615	163	22	11	117
व्यापार प्राप्य / संविदा संपत्ति	134	10	-	-	-	275	23	-	-	-
निवल एक्सपोज़र	**492**	**194**	**10**	**10**	**11**	**340**	**140**	**22**	**11**	**117**

iv. विदेशी मुद्रा संवेदनशीलता

विनिमय दर में होने वाले लाभ या हानियों की संवेदनशीलता मुख्य रूप से विदेशी मुद्रा में निहित वित्तीय साधनों से होती है । प्रमुख मुद्राओं के संबंध में संवेदनशीलता की विविधता नीचे दी गई है । यह विश्लेषण स्पष्ट करता है कि अन्य सभी परिवर्तनशील लगातार बने रहते हैं।

विवरण	लाभ पर प्रभाव	
	यथा 31 मार्च 2022 को	यथा 31 मार्च 2021 को
USD – 5% बढ़ोत्तरी	1,885	1,264
USD – 5% कमी	(1,885)	(1,264)
EURO – 5% बढ़ोत्तरी	835	613
EURO – 5% कमी	(835)	(613)
GBP – 5% बढ़ोत्तरी	51	113
GBP – 5% कमी	(51)	(113)
CHF – 5% बढ़ोत्तरी	42	44
CHF – 5% कमी	(42)	(44)
J Yen – 5% बढ़ोत्तरी	-	4
J Yen – 5% कमी	-	(4)

v ब्याज दर जोखिम

ब्याज दर जोखिम या तो उचित मूल्य ब्याज दर जोखिम या नकदी प्रवाह ब्याज दर जोखिम हो सकता है। उचित मूल्य ब्याज दर जोखिम ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के कारण निश्चित ब्याज वाले निवेश के उचित मूल्यों में होने वाले बदलावों का जोखिम है। नकदी प्रवाह ब्याज दर जोखिम वह जोखिम है ताकि बाजार में ब्याज दर में उतार-चढ़ाव की वजह से चलायमान ब्याज वाले उपकरणों के भविष्य के नकदी प्रवाह में उतार-चढ़ाव होगा।

vi. परिवर्तनीय दर उधार-

मूल कंपनी को 4,00,000 की कार्यशील पूँजी की सीमा को मंजूरी दी गई है। स्वीकृत सीमा में निधि आधारित सीमा 50,000 रुपये और गैर-आधारित आधार सीमा ₹ 3,50,000 शामिल हैं। वर्ष के दौरान ₹ 50,000 की निधि आधारित सीमा का उपयोग नहीं किया गया है [31 मार्च 2022 तक बकाया शून्य है (31 मार्च 2021 शून्य है)]। नॉनफंड आधारित सीमा के संबंध में 31.03.2022 को बकाया राशि ₹ 2,69,500 (₹ 2,80,322) है। यह ब्याज एसबीआई की 3 महीने (1 वर्ष) की एमसीएलआर दर के आधार पर देय है। चूंकि ऋण लेना शून्य है, इसलिए ब्याज दरों में संभावित बदलाव का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

सहायक कंपनी [बेलॉप] के मामले में भी एसबीआई के संघीय बैंकों (अग्रणी बैंक) और एक्सिस बैंक द्वारा ₹ 2,500/- की वित्त आधारित और गैर-वित्त आधारित कार्यशील पूँजी सीमा मंजूर की गई है। इसकी ब्याज दर 7.10% प्रतिवर्ष (एसबीआई) है। एसबीआई और एक्सिस बैंक द्वारा प्रभारित ब्याज दर उनके आधार दर से जुड़े होते हैं जिनमें उतार-चढ़ाव हो सकता है। 31 मार्च 2022को बकाया कुछ नहीं है जिसके संबंध में देय ब्याज एसबीआई और एक्सिस बैंक की आधार पर पर आधारित है (निबंधन व शर्तों के अनुसार, एसबीआई और एक्सिस दोनों बैंक आवधिक आधार पर प्रभारित ब्याज को पुन: निर्धारित करने के पात्र हैं।)

vii. इक्विटी मूल्य जोखिम

इक्विटी मूल्य जोखिम के संबंध में ग्रूप का निवेश नगण्य है क्योंकि इसके औचित्य निवेश (सहायक के अलावा) नगण्य है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

viii. चलनिधि जोखिम

चलनिधि जोखिम वह जोखिम है कि ग्रूप को वित्तीय देनदारियों से जुड़ी दायित्वों को पूरा करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है, नकदी और अन्य वित्तीय संपत्ति या जोखिम के जरिये कंपनी को अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधनों को बढ़ाने में कठिनाई का सामना करना होगा। लिक्विडिटी जोखिम के लिए ग्रूप का अनावरण बहुत कम है क्योंकि इसमें एक विवेकपूर्ण चलनिधि जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया होती है, जिसकी वजह से पर्याप्त दायित्वों का भुगतान करने के लिए पर्याप्त नकदी और बिक्री योग्य प्रतिभूतियां बनाए रखता है। जब आवश्यक हो वित्तपोषण की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए, कंपनी को बैंक ओवरड्राफ्ट सुविधा, नकद ऋण सुविधा और अल्पकालिक उधार की प्रकृति में अपनी चालू कार्यशील पूँजी आवश्यकताओं और विकास की जरूरतों के लिए उपयोग किया जाता है।

ग्रूप अपनी चलनिधि आवश्यकताओं को पूरा करती है मुख्य रूप से आंतरिक रूप से उत्पन्न नकदी प्रवाहों के माध्यम से जो कि राजकोष द्वारा मुख्य बिन्दु पर निगरानी रखी जाती है। विभिन्न ऑपरेटिंग यूनिटों से नकद पूर्वानुमान के रोलिंग की एक स्थापित प्रक्रिया है जो देयताओं को पूरा करने के लिए अपेक्षित नकदी प्रवाह को अंकित करने का आधार बनाती है।

नीचे दी गई तालिका में ग्रूप की वित्तीय देनदारियों का विश्लेषण किया गया है, जो उनके संविदा संबंधी परिपक्वता पर आधारित हैं। दर्शित राशि संविदात्मक और रियायती नकदी प्रवाह है।

यथा 31 मार्च 2022

विवरण	3 महीनों से कम	3 से 6 महीने	6 महीनों से 1 वर्ष	1 या 2 वर्षों के बीच	2 या 5 वर्षों के बीच	5 वर्षों से अधिक	कुल
उधार	-	-	-	-	-	-	-
व्यापार प्रदेय	3,11,116	11,751	14,063	-	34	-	3,36,964
व्यापार प्रदेय पर दावे एवं प्रोद्भूत ब्याज	14	-	-	-	-	-	14
पट्टे की देयता	275	36	46	245	676	3,992	5,270
अन्य वित्तीय देयताएँ	72,603	2,894	20,232	2,266	59	-	98,052

यथा 31 मार्च 2021

विवरण	3 महीनों से कम	3 से 6 महीने	6 महीनों से 1 वर्ष	1 या 2 वर्षों के बीच	2 या 5 वर्षों के बीच	5 वर्षों से अधिक	कुल
उधार	-	-	-	-	-	-	-
व्यापार प्रदेय	3,13,546	13,106	3,238	29	-	-	3,29,919
व्यापार प्रदेय पर दावे एवं प्रोद्भूत ब्याज	6	-	-	-	-	-	6
पट्टे की देयता	36	33	66	68	38	11	252
अन्य वित्तीय देयताएँ	74,307	5,246	16,336	501	170	-	96,560

31 मार्च 2022को ग्रूप में कोई बकाया व्युत्पन्नी नहीं है।

ix. ऋण जोखिम

ऋण जोखिम ऐसे जोखिम को दर्शाता है जिससे कारण प्रति-पक्षकार द्वारा अपने संविदा संबंधी दायित्वों पर चूक करने के परिणामस्वरूप कंपनी को वित्तीय नुकसान होता है । ग्राहकों से ऋण जोखिम, बैंकों के साथ नकदी और नकद समकक्ष, सुरक्षा जमा और ऋण से ऋण जोखिम उत्पन्न होता है।

कंपनी के ऋण जोखिम को जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा एक कॉरपोरेट स्तर पर प्रबंधित किया जाता है जिसने अपने ग्राहकों और अन्य प्राप्तियों के लिए क्रेडिट नीति के मानदंडों की स्थापना की है। व्यापार प्राप्तियों की महत्वपूर्ण मात्रा सरकारी / सरकारी विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) की वजह से होती है जिसके परिणामस्वरूप कंपनी को ऐसी प्राप्तियों के साथ जुड़े क्रेडिट जोखिम नहीं मिलता है। गैर सरकारी व्यापार प्राप्तियों के मामले में, आम तौर पर बिक्री ग्राहक द्वारा स्थापित साख-पत्र के आधार पर किया जाता है जिससे क्रेडिट जोखिम कम हो जाता है।

कुछ मामलों में, ग्राहक की शोधन क्षमता का आकलन करने के बाद और ऋण योग्यता को निर्धारित करने के लिए आवश्यक कारणों से बाजार की स्थितियों के आधार पर ग्राहकों के ऋण को बढ़ाया जाता है। अग्रिम भुगतान बैंक गारंटी के प्रतिकूल किए जाते हैं जो इस तरह के भुगतान से जुड़े क्रेडिट जोखिम को

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

सुरक्षित रखते हैं। वित्तीय परिसंपत्तियों पर नुकसान हानि (जो मुख्य रूप से विलंबित सुपुर्दगियों तथा अन्य अस्वीकृतियों के लिए उगाही योग्य निर्णीत हर्जाने को दर्शाते हैं) संविदा के नियमों आदि कारकों और अन्य संकेतकों के बाद किया गया है।

बैंकों के साथ नकद और नकद समकक्ष 1 वर्ष तक की परिपक्वता अवधि के परिप्रेक्ष्य अवधि के साथ अल्पकालिक जमा के रूप में हैं। कंपनी की एक अच्छी तरह से संरचित जोखिम निवारण नीति है जिसके तहत प्रत्येक बैंक के लिए अपनी कुल मूल्य और कमाई क्षमता के आधार पर निर्धारित सीमाएं हैं, जो कि आवधिक आधार पर समीक्षा की जाती हैं। कंपनी ने जमाओं पर बैंकों से चूक के कारण किसी भी प्रकार की हानि नहीं की है ।

अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के संबंध में ऋण जोखिम नगण्य है क्योंकि वे ज्यादातर सरकारी विभाग / पक्षकारों के कारण होते हैं।

x. पूँजी प्रबंधन

ग्रूप का पूँजी प्रबंधन का उद्देश्य शेयरधारकों को पर्याप्त रिटर्न प्रदान करने के लिए एक मजबूत पूँजी आधार बनाए रखना है और कंपनी की क्षमता बढ़ती चिता के रूप में जारी रखने की क्षमता सुनिश्चित करना है। कंपनी के पास ऋण के माध्यम से पूँजी जुटाने के लिए एक रूढ़िवादी दृष्टिकोण है, लेकिन यह उचित समय पर इस विकल्प का लाभ उठाने और इष्टतम पूँजी संरचना को बनाए रखने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

मूल कंपनी के पास एक अच्छी तरह से निर्धारित लाभांश वितरण नीति है जो भविष्य के विकास और शेयर धारकों के धन को बढ़ाने के लिए अधिशेष के लाभांश और प्रतिधारण के भुगतान के लिए रूपरेखा तैयार करती है। कंपनी ने क्वार्टर के निर्माण के लिए बैंक से ₹10,000 की राशि उधार ली है। कंपनी को बैंकों के साथ उधार की सीमा को 4,00,000 की मंजूरी दी गई है।

गियरिंग अनुपात -

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
निवल ऋण	-	-
कुल इक्विटी	12,28,593	11,05,958
निवल ऋण से इक्विटी का अनुपात	-	-

टिप्पणी 35 - सुरक्षा हेतु गिरवी परिसंपत्तियाँ

मियादी ऋण एवं चालू पूँजी उधार राशियाँ के लिए सुरक्षा हेतु गिरवी परिसंपत्तियाँ का स्वीकृत राशि -

विवरण	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2021
(i) वस्तुसूचियाँ	5,59,190	4,96,798
(ii) व्यापार प्राप्य	6,10,809	6,56,199
(iii) नकद एवं नकद समतुल्य	1,30,039	3,04,177
(iv) बैंक शेष [उपर्युक्त (iii) के अलावा]	6,24,578	2,01,830
(v) ऋण	148	152
(vi) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	10,254	6,066
(vii) अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	7,49,816	6,65,289
सुरक्षा हेतु गिरवी कुल चालू परिसंपत्तियाँ	**26,84,834**	**23,30,511**

उधार राशियाँ के विवरण हेतु टिप्पणी 18 देखें ।

सहायक कंपनी बेलोप के मामले में, कार्यशील पूँजी को भूमि और भवन पर साम्य गिरवी के माध्यम से सममात्रा प्रभार से भी रक्षित किया जाता है ।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 36 - महत्वपूर्ण प्राक्कलन और फैसले [मूल कंपनी]

वित्तीय विवरणों की तैयारी करते समय, प्रबंधन ने कुछ निर्णय, प्राक्कलन और धारणाएं बनाई हैं जो लेखांकन नीतियों के अनुप्रयोग और परिसंपत्तियों, देनदारियों, आय और व्यय की रिपोर्ट की मात्रा को प्रभावित करती हैं। वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से अलग हो सकते हैं।

अनुमान और अंतर्निहित मान्यताओं की निरंतर आधार पर समीक्षा की जाती है। लेखांकन अनुमानों के लिए संशोधनों को भविष्य में मान्यता प्राप्त है।

लेखा नीतियों को कार्यान्वित करते समय लिए गए फैसले वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त राशि पर महत्वपूर्ण प्रभाव है जिसके तहत सामग्री समायोजन में जिसके परिणामस्वरूप होने का एक महत्वपूर्ण जोखिम इस प्रकार है -

i. अनुसंधान और विकास व्यय - लेखा नीति सं. 10 (टिप्पणी संख्या 5 एवं 12 देखें)

नहीं लागत नहीं प्रतिबद्धता (एनसीएनसी) परियोजनाओं और संयुक्त विकास परियोजनाओं के संबंध में किए गए विकास संबंधी व्यय जो कि विकास साझेदार द्वारा पूरी तरह से क्षतिपूरण नहीं किए जाते हैं, परियोजना के पूरा होने तक आगे किए जा रहे हैं।

ii. निर्धारित लाभ दायित्व का अनुमान - मुख्य बीमांकिक मान्यताएं - (टिप्पणी संख्या 21 देखें)

iii. वारंटी दावों के प्रावधान का आकलन (टिप्पणी संख्या 21 देखें)

वारंटी प्रावधान गणना में प्रवृत्ति आधारित विश्लेषण के आधार पर औसत वारंटी लागत का आकलन शामिल है। यदि विविध अनुमान लगाया जाए, तो यह उसी मान्य व्यय को प्रभावित करेगा।

iv. राजस्व का निर्धारण अभिचिह्नन - (टिप्पणी संख्या 23 देखें)

पूर्णता विधि का प्रतिशत संविदा पूरा करने के लिए अनुमानित कुल लागतों के वास्तविक लागत के आधार पर पूरा होने के चरण का अनुमान लगाता है। अगर विविध अनुमान लगाए जाए, तो यह उसी संबंधित राजस्व को प्रभावित करेगा।

v. अमूर्त परिसंपत्तियाँ - (टिप्पणी संख्या 4 और 5 देखें)

अन्य अमूर्त संपत्ति और विकास के तहत अमूर्त संपत्ति के रूप में आगे की गई राशि को भविष्य के आर्थिक लाभों की निश्चितता के संबंध में प्रतिवर्ष हानि के लिए परीक्षण किया जाता है।

vi. पट्टा (टिप्पणी 1 देखें)

यदि भारतीय ए.एस. 116 की अपेक्षाओं के अनुसार कोई करार पट्टे के रूप में योग्य बनता है तो कंपनी इसका मूल्यांकन करती है। पट्टे की पहचान करना निर्णायक होता है। कंपनी पट्टे के निबंधन (प्रत्याशित नवीकरणों सहित) और लागू बट्टा दर का मूल्यांकन करने में महत्वपूर्ण निर्णय लेती है।

बट्टे की दर सामान्य रूप से मूल्यांकन किए जा रहे पट्टे की वृद्धिशील उधार दर पर आधारित होती है।

टिप्पणी 37 - हाल ही में की गई लेखा उद्घोषणाएं

कार्पोरेट कार्य मंत्राचलय ("एमसीए") ने समय-समय पर जारी कंपनी (भारतीय लेखा मानक) के तहत मौजूदा मानकों में नए मानक या संशोधन अधिसूचित किए हैं। 23 मार्च, 2022 को एमसीए ने कंपनी (भारतीय लेखा मानक) संशोधन नियम, 2022 में निम्नानुसार संशोधन किया है-

भारतीय एएस 16 - संपत्ति, संयंत्र और उपकरण - इस संशोधन में स्पष्ट किया गया है कि परीक्षण की लागत पर निर्मित उत्पादों की निवल बिक्री प्राप्ति का अतिरेक, यदि कोई हो, लाभ या हानि में निर्धारित नहीं किया जाएगा बल्कि संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की मद की लागत के भाग के रूप में विचार की गई प्रत्यक्ष रूप से स्रोतजन्य लागतों से काटा जाएगा। इस संशोधन को अपनाने की प्रभावी तारीख 1 अप्रैल, 2022 के बाद से शुरु होने वाली वार्षिक अवधि होगी। कंपनी ने इस संशोधन का आकलन किया है और इसकी समेकित वित्तीय विवरणों पर इसका कोई प्रभाव नहीं है।

भारतीय एएस 37 - प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक परिसंपत्तियां - इस संशोधन में स्पष्ट किया गया है कि संविदा 'पूरी करने की लागत' में 'संविदा से प्रत्यक्ष रूप से संबंधित लागत' शामिल होगी। ऐसी लागत जो संविदा से प्रत्यक्ष रूप से संबंधित है उस लागत को पूरा करने की वृद्धिशील लागत हो सकती है (जैसे प्रत्यक्ष श्रम, सामग्री) या अन्य लागतों का आवंटन जो संविदा को पूरी करने से प्रत्यक्ष रूप से संबंधित होती हैं (जैसे संविदा पूरा करने में प्रयुक्त संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की मद के लिए मूल्यह्रास प्रभार का आवंटन)। इस संशोधन को अपनाने की प्रभावी तारीख 1 अप्रैल, 2022 के बाद से शुरु होने वाली वार्षिक अवधि होगी हालांकि इससे पहले अपनाने की अनुमति है। कंपनी ने इस संशोधन का आकलन किया है और इसका प्रभाव महत्वपूर्ण होना अपेक्षित नहीं है।

भारतीय लेखा मानक समेकित वित्तीय विवरणों पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

कार्पोरेट सूचना

साथ में दिए गए वित्तीय विवरणों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (धारक कंपनी) के वित्तीय विवरण हैं। कंपनी भारत में स्थित एक सरकारी कंपनी है और भारत में लागू कंपनी अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत निगमित है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर भारत में दो मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं। कंपनी का पंजीकृत कार्यालय और इसके कारोबार का मुख्य स्थान बेंगलूरु, कर्नाटक, भारत में स्थित है ।

कंपनी रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन एक सरकारी क्षेत्र का उद्यम है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड रक्षा क्षेत्र के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और प्रणालियों का निर्माण और आपूर्ति करती है। रक्षा क्षेत्र के अलावा, कंपनी असैनिक बाजार में भी सीमित स्तर तक मौजूद है।

उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

1. तैयार करने का आधार

वित्तीय विवरण भारत में आम तौर पर मान्य लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के अनुसार तैयार किए जाते हैं और प्रस्तुत किए जाते हैं जिनमें अनिवार्य भारतीय लेखा मानक (भारतीय एएस) [कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 जिसे कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के नियम 3 के साथ पढ़ा जाना है], के तहत यथा अधिसूचित, समय-समय पर यथा संशोधित, और जो जहाँ तक लागू हैं, कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधान शामिल हैं और इन्हें निरंतरता के साथ लागू किया गया है।

2. प्राक्कलनों का प्रयोग

जीएएपी के अनुरूप वित्तीय विवरण की तैयारी के लिए प्रबंधन के लिए यह आवश्यक होता है कि वह ऐसे अनुमान और पूर्वानुमान लगाए जो वित्तीय विवरणों की तारीख पर रिपोर्ट की गई परिसंपत्तियों और देनदारियों की रिपोर्ट की गई राशियों, आकस्मिक देयता और आकस्मिक परिसंपत्तियों के प्रकटण को प्रभावित करते हैं। यद्यपि ऐसे अनुमान सभी उपलब्ध सूचनाओं को ध्यान में रखते हुए औचित्यपूर्ण और दूरदर्शी आधार पर किए जाते हैं, तथापि वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं और ऐसे अंतरों को उस अवधि में निर्धारित किया जाता है जिसमें परिणाम अभिनिश्चित किए जाते हैं।

3. मापन का आधार

वित्तीय विवरणों को ऐतिहासिक लागत के आधार पर तैयार किया गया है सिवाय निम्नलिखित परिसंपत्तियों और दायित्वों के, जिन्हें उचित मूल्य पर मापा गया है-

- व्युत्पन्नी वित्तीय विलेख, यदि कोई हो
- वित्तीय परिसंपत्तियाँ और देयताएँ जो उचित मूल्य पर मापे जाने योग्य हैं
- निर्धारित अनुलाभ परिसंपत्ति / देयता को निर्धारित अनुलाभ देयता के वर्तमान मूल्य में से योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य को घटाकर निर्धारित किया जाता है ।

4. कार्यात्मक और प्रस्तुति मुद्रा

वित्तीय विवरण भारतीय रुपए (आईएनआर) में प्रस्तुत किए जाते हैं जो कंपनी की कार्यात्मक और प्रस्तुति मुद्रा है ।

5. राजस्व का निर्धारण

A. ग्राहकों के साथ ठेका से राजस्व

i. राजस्व को तब निर्धारित किया जाता है जब (या जैसे) कंपनी ग्राहक को वचनबद्ध माल या सेवाओं (जैसे परिसंपत्ति) को अंतरित करते हुए कार्य-निष्पादन की देयता को पूरी करती है ।

ii. **समय के साथ कार्य-निष्पादन देयता को पूरा करना**

क. राजस्व को ऐसे समय के दौरान निर्धारित किया जाता है जहाँ उस कार्य-निष्पादन देयता की पूर्ति के लिए हुई प्रगति को मापते हुए समय के साथ माल या सेवाओं का नियंत्रण अंतरित किया जाता है यदि निम्न से कोई भी एक मानदंड पूरा किया जाता हो-

- कंपनी के कार्य-निष्पादन से ग्राहक को कंपनी के कार्य-निष्पादन करने के साथ-साथ अनुलाभ प्राप्त करने और उनका उपभोग करने का हक मिलता है।
- कंपनी के कार्य-निष्पादन से किसी परिसंपत्ति को तैयार किया जाता है या बढ़ाया जाता है जिसे ग्राहक परिसंपत्ति सृजित करने या बढ़ने के साथ-साथ नियंत्रित करता है।
- कंपनी के कार्य-निष्पादन से कंपनी के वैकल्पिक उपयोग के साथ परिसंपत्ति तैयार नहीं की जाती और कंपनी को यथातिथि पूर्ण किए गए कार्य-निष्पादन के लिए भुगतान का प्रवर्तनीय हक होता है।

ख. कार्य-निष्पादन देयता को पूर्ण करने के लिए की हुई प्रगति का आंकलन रिपोर्टिंग की तारीख तक संविदा पर उपगत वास्तविक लागत से संविदा को पूरा करने के लिए अपेक्षित कुल प्राक्कलित लागत के अनुपात के आधार पर किया जाता है। यदि कार्य-निष्पादन देयता के परिणाम का विश्वसनीय अनुमान नहीं लगाया जा सकता है और जहां यह संभव है कि लागत की वसूली हो जाएगी, राजस्व को उपगत लागत की सीमा तक निर्धारित किया जाता है ।

ग. एएमसी संविदाओं के मामले में जहाँ समय विस्तारण कार्य-निष्पादन देयताओं को पूर्ण करने का एक मापदंड होता है, राजस्व को निर्गत पद्धति के अनुसार निर्धारित किया जाता है।

iii. **किसी निश्चित समय में कार्य-निष्पादन देयता को पूर्ण करना**

क. ऐसे मामलों में जहाँ नियंत्रण का अंतरण समय के साथ नहीं होता है, कंपनी उस समय बिंदु पर राजस्व को निर्धारित करती है जब कार्य-निष्पादन देयताएँ पूरी की जाती हैं।

ख. कार्य-निष्पादन देयता को तब पूरा माना जाता है जब ग्राहक परिसंपत्ति का नियंत्रण प्राप्त करता है। नियंत्रण को अंतरित करने के सूचकों में निम्नलिखित शामिल हैं -

- कंपनी ने परिसंपत्ति के भौतिक स्वामित्व का अंतरण किया है
- ग्राहक के पास परिसंपत्ति का न्यायिक अधिकार है
- ग्राहक ने परिसंपत्ति को स्वीकार किया है
- जब कंपनी को परिसंपत्ति पर भुगतान का वर्तमान अधिकार है
- ग्राहक के पास परिसंपत्ति के स्वामित्व का महत्वपूर्ण जोखिम और प्रतिफल है। महत्वपूर्ण जोखिम और प्रतिफल स्वामित्व के अंतरण का आंकलन संविदाओं के अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक शर्तों (इन्को-टर्म) के आधार पर किया जाता है ।

कारखाना बाह्य संविदा- कारखाना बाह्य संविदाओं के मामले में, राजस्व तब निर्धारित किया जाता है, जब पूर्व निरीक्षण और स्वीकृति, यदि आवश्यक हो, के बाद निर्दिष्ट माल को किसी शर्त के बिना विनियोजित किया जाता है।

एफ.ओ.आर. संविदाएँ- एफ.ओ.आर. संविदाओं के मामले में, राजस्व को तब निर्धारित किया जाता है, जब माल पूर्व निरीक्षण और स्वीकृति यदि निर्दिष्ट हो, के बाद वाहक को खरीददार तक पारेषित करने के लिए सौंप दिया जाता है, और एफ.ओ.आर. गंतव्य संविदाओं के मामले में, यदि इस बात की उचित अपेक्षा हो कि माल लेखांकन अवधि के भीतर गंतव्य तक पहुंच जाएगा।

ग. **बिल और होल्ड बिक्री**

बिल और होल्ड बिक्री को तब निर्धारित किया जाता है जब निम्नलिखित मानदंडों को पूरा किया जाता है-

- बिल और होल्ड बिक्री का समुचित कारण है
- उत्पाद की अलग से पहचान की गई है कि वह ग्राहक का है
- उत्पाद वर्तमान में ग्राहक को भौतिक हस्तांतरण के लिए तैयार है
- कंपनी उत्पाद का उपयोग करने या किसी अन्य ग्राहक को निर्देशित करने में असमर्थ है।

iv. मापन

क. राजस्व को लेनदेन मूल्य की ऐसी राशि में निर्धारित किया जाता है जो कार्य-निष्पादन देयता के लिए आबंटित की गई है।

लेन-देन की कीमत उस प्रतिफल की राशि है, जिसके लिए कंपनी को उम्मीद है कि वह तीसरे पक्ष की ओर से एकत्र की गई राशि को छोड़कर, किसी ग्राहक को वचनबद्ध माल या सेवाओं को स्थानांतरित करने के बदले में हकदार होगी।

मूल्य वृद्धि और ईआरवी के मामले में, राजस्व का निर्धारण संविदाजन्य शर्तों के अनुसार ग्राहक से वसूल की जाने वाली सर्वाधिक संभावित राशि पर किया जाता है ।

ख. जहां संविदाओं में कई कार्य-निष्पादन देयताएँ शामिल हैं, कंपनी संबंधित स्टैंड-अलोन बिक्री मूल्य के आधार पर प्रत्येक कार्य-निष्पादन दायित्व के लिए लेनदेन मूल्य आबंटित करती है।

संयुक्त संविदाएँ - संयुक्त संविदा के मामले में, जहां संस्थापना और कार्यारंभ या अलग से निर्धारित किए जाने वाले किसी अन्य घटक के लिए अलग शुल्क निर्धारित नहीं है, कंपनी लेनदेन के अलग से पहचाने जाने योग्य घटकों (माल की बिक्री, संस्थापना और कार्यारंभ आदि) का निर्धारण मानदंड लागू करती है और राजस्व को इन घटकों को स्टैंडअलोन बिक्री दर के आधार पर आबंटित करती है।

एकाधिक तत्व - ऐसे मामलों में जहाँ संस्थापना और कार्यारंभ अथवा कोई अलग से निर्धारित किए जाने वाला घटक निर्दिष्ट किया गया है जिसकी कीमत पर अलग से सहमति हुई है, तो कंपनी ऐसे लेनदेन के अलग से निर्धारित किए जाने योग्य घटक (माल की बिक्री तथा संस्थापना एवं कार्यारंभ आदि) पर निर्धाण मानदंड लागू करती है और ऐसे अलग घटकों की स्टैंडअलोन बिक्री कीमत के आधार पर उनके लिए राजस्व आबंटित करती है।

ग. अगर स्टैंड-अलोन बिक्री कीमत उपलब्ध नहीं है तो कंपनी स्टैंड-अलोन बिक्री कीमत का अनुमान लगाती है।

v. **जुर्माना**

संविदा में निर्दिष्ट जुर्माने (सुपुर्दगी में देरी के लिए निर्णीत हर्जाने सहित) को लेनदेन की कीमत दर का अंतर्निहित हिस्सा नहीं माना जाता यदि उसकी उगाही ग्राहक के समीक्षाधीन हो।

vi. **महत्वपूर्ण वित्तीय घटक**

रक्षा संबंधी परियोजनाओं के निष्पादन के लिए प्राप्त अग्रिमों को महत्वपूर्ण वित्तपोषण घटक निर्धारित करने के लिए विचार में नहीं लिया जाता क्योंकि इसका उद्देश्य संविदा में शामिल पक्षकारों के हितों की रक्षा करना है।

अन्य संविदाओं के लिए, महत्वपूर्ण वित्तपोषण घटक की विद्यमानता की समीक्षा मामला-दर-मामला आधार पर की जाती है।

ख. अन्य आय

अन्य आय का निर्धारण इस प्रकार किया जाता है -

i. ब्याज आय

ब्याज आय को प्रभावी ब्याज दर विधि का उपयोग करते हुए निर्धारित किया जाता है ।

ii. लाभांश आय

कंपनी द्वारा भुगतान प्राप्त करने का अधिकार स्थापित होने पर लाभांश आय को निर्धारित किया जाता है।

iii. किराए की आय

प्रचालनीय पट्टों से होने वाली किराए की आय का परिकलन पट्टे की अवधि पर सीधी रेखा आधार पर किया जाता है, जब तक किराए में वृद्धि अपेक्षित मुद्रास्फीति के अनुरूप नहीं होती है या अन्यथा उचित होती है।

iv. शुल्क की कमियां

निर्यात पर शुल्क की कमी के दावों का परिकलन प्रोद्भूत आधार पर किया जाता है।

v. अन्य आय

अन्य आय जिसे ऊपर विशिष्ट रूप से नहीं बताया गया है, को प्रोदभूत आधार निर्धारित किया जाता है।

6. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण, पूंजीगत चालू कार्य

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण को शुरू में लागत पर मापा जाता है और बाद में लागत में से संचित मूल्यह्रास और संचयी अनर्जक हानि, यदि कोई हो, को घटाकर मापा जाता है । इस उद्देश्य के लिए लागत में परिसंपत्ति को उसके स्थान और स्थिति में लाने से संबंधित सभी लागत शामिल किए जाते हैं। यदि किसी प्रावधान के लिए निर्धारण मानदंडों को पूरा किया जाता है, तो परिसंपत्ति को इसके उपयोग के बाद समाप्त करने के लिए अपेक्षित लागत का वर्तमान मूल्य संबंधित परिसंपत्ति की लागत में शामिल किया जाता है।

संपत्ति, संयंत्र और उपस्कर की लागत जो प्रत्येक रिपोर्टिंग तारीख पर उनके आशयित उपयोग के लिए तैयार नहीं है, को पूंजीगत चालू कार्य के रूप में प्रकट किया जाता है।

पूंजीगत चालू कार्य में आपूर्ति-सह-निर्माण संविदाएं, स्थल पर प्राप्त एवं स्वीकृत पूंजी और मार्गस्थ एवं निरीक्षणाधीन पूंजीगत माल शामिल होते हैं।

7. अमूर्त परिसंपत्तियाँ, विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्ति

आंतरिक उपयोग के लिए अर्जित साफ्टवेयर (जो संबंधित हार्डवेयर का एक अभिन्न हिस्सा नहीं है) और जिससे भविष्य में महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ अपेक्षित है, उपयोग के लिए तैयार होने पर उसकी लागत को लेखा बहियों में एक अमूर्त परिसंपत्ति के रूप में निर्धारित किया जाता है। अमूर्त परिसंपत्तियाँ जो रिपोर्ट करने की तारीख तक अपने आशयित उपयोग के लिए तैयार नहीं हैं, को "विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्ति" के रूप में वर्गीकृत किया जाता है ।

पूरे किए गए विकास कार्य की लागत, जहाँ कहीं अर्ह हो, को अमूर्त परिसंपत्ति के रूप में निर्धारित किया जाता है।

विकासाधीन कार्य की लागत, जहाँ कहीं अर्ह हो, को "विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ" के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्ति में विकास परियोजनाओं के लिए बाहरी एजें ंसियों को कंपनी द्वारा वित्त पोषित राशि और कंपनी द्वारा सामग्री की लागत, कर्मचारी लागत तथा अन्य प्रत्यक्ष व्यय पर उपगत व्यय शामिल होते हैं।

अमूर्त परिसंपत्तियों को प्रारंभिक रूप से लागत पर और उसके बाद लागत में से संचित परिशोधन और संचित अनर्जक हानि, यदि कोई हो, को घटाकर मापा जाता है।

अमूर्त परिसंपत्ति को निपटान पर या जब उसके उपयोग अथवा निपटान से कोई भावी आर्थिक अनुलाभ अपेक्षित नहीं होते हैं, निर्धारण से बाहर किया जाता है। अमूर्त परिसंपत्तियों को निर्धारण से बाहर किए जाने से होने वाली लब्धि या हानि, यदि कोई हो, को लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित किया जाता है।

8. मूल्यह्रास / परिशोधन

मूल्यह्रास का परिकलन परिसंपत्तियों के अनुमानित उपयोगी जीवन पर सीधी रेखा आधार पर किया जाता है। तकनीकी आकलन के आधार पर कंपनी भवन, संयंत्र और उपकरण की कुछेक मदों तथा परिसंपत्तियों के अन्य वर्गों का मूल्यह्रास प्राक्कलित उपयोगी जीवन पर करती है जो कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची छ्में वर्णित उपयोगी जीवनकाल से अलग होते हैं। प्रबंधन का मानना है कि ये प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल वास्तविक हैं और उस अवधि के निष्पक्ष अनुमान को प्रतिबिंबित करते हैं जिन पर संपत्ति का उपयोग होने की संभावना है।

जहाँ परिसंपत्ति के किसी भाग की लागत उस परिसंपत्ति की कुल लागत के लिए उल्लेखनीय होती है और उस भाग का प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल शेष परिसंपत्ति के अनुमानित उपयोगी जीवनकाल से अलग होता है तो ऐसे उल्लेखनीय भाग के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल का अलग से निर्धारण किया जाता है और उल्लेखनीय भाग को उसके प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल पर सीधी-रेखा पद्धति आधार पर मूल्यह्रास किया जाता है।

संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के अवशिष्ट मूल्य, उपयोगी जीवन और मूल्यह्रास की विधियों की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में की जाती है और यदि उपयुक्त हो, तो भविष्यलक्षी रूप से समायोजित किया जाता है।

अमूर्त परिसंपत्तियों को उनके उपयोग के लिए उपलब्ध होने की तारीख से, उनके वैयक्तिक प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल पर सीधी रेखा पद्धति आधार पर परिशोधित किया जाता है। अवशिष्ट मूल्य, उपयोगी जीवन और परिशोधन के तरीकों की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में की जाती है और उपयुक्त होने पर भविष्यलक्षी रूप से समायोजित किया जाता है।

9. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का निपटान

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की कोई मद तथा उसका कोई भाग जिसे प्रारंभ में निर्धारित किया जाता है, को उनके निपटान पर या जब उनके उपयोग या निपटान से भविष्य में कोई आर्थिक अनुलाभ अपेक्षित नहीं होता है, को निर्धारण से बाहर किया जाता है। संपत्ति, संयंत्र और उपकरण को निर्धारण से बाहर करने के कारण प्राप्त लब्धि या हानि (जिसका परिकलन निवल निपटान प्राप्ति, यदि कोई हो, और संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की वहनीय राशि के बीच के अंतर के रूप में किया जाता है) को संपत्ति, संयंत्र और उपकरण को निर्धारण से बाह करने पर लाभ व हानि के विवरण में शामिल किया जाता है।

10. अनुसंधान और विकास व्यय

(i) अनुसंधान गतिविधि पर व्यय को उसके खर्चे की अवधि के दौरान व्यय के रूप में निर्धारित किया जाता है ।

(ii) विकास व्यय (ग्राहक के अनुरोध पर शुरू किए गए विशिष्ट विकास-सह-बिक्री संविदा और विकास संबंधी परियोजनाओं के अलावा), को उपगत होने पर व्यय के रूप में प्रभारित किया जाता है। विकास-सह-बिक्री संविदाओं और विकास संबंधी परियोजनाएं जो, ग्राहक के अनुरोध पर शुरू किए जाते हैं, पर विकास संबंधी व्यय को अन्य बिक्री संविदाओं के समान माना जाता है।

संयुक्त विकास परियोजनाओं के संबंध में किए गए विकास व्यय, जो विकास साझेदार द्वारा पूरी तरह से प्रतिपूर्ति नहीं किए गए हैं, आगे ले जाया जाते हैं जहां कंपनी को उत्पादन एजेंसी के रूप में नामित किया गया है और जिनसे भविष्य के आर्थिक लाभ की उम्मीद है।

विकास परियोजनाओं की आवधिक समीक्षा की जाती है और अग्रेनीत राशि, यदि कोई हो, को ग्राहक द्वारा आदेश के लिए किसी प्रतिबद्धता के बिना परियोजना को बंद घोषित किए जाने पर शुल्क लिया जाता है।

(iii) अन्य विकास कार्यों से संबंधित व्यय (बाहरी एजेंसियों के सहयोग से किए जाने वाले संयुक्त विकास कार्य सहित) जहाँ अनुसंधान के परिणामों या अन्य ज्ञान का उपयोग नए या वर्धिक उत्पादों या प्रक्रियाओं को विकसित करने के लिए किया जाता है, को अमूर्त परिसंपत्ति के रूप में निर्धारित किया जाता है यदि भारतीय एएस 38 में दिए निर्धारण मानदंड पूरे किए जाते हों और जब विकसित उत्पाद या प्रक्रिया को तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से उपयोग करने की अपेक्षा हो, कंपनी के पास इसको पूर्ण रूप से विकसित कर इस अमूर्त परिसंपत्ति का उपयोग करने या बिक्री करने के लिए पर्याप्त संसाधन हों और वह उत्पाद या प्रक्रिया से भावी आर्थिक अनुलाभ प्राप्त होने की संभावना हो।

(iv) ग्राहक से प्राप्त कोटेशन के अनुरोध के आधार पर, लागत नहीं, प्रतिबद्धता नहीं (एनसीएनसी) परीक्षणों में भाग लेने के लिए विकास संबंधी परियोजनाओं पर किए गए खर्च को परीक्षण समाप्त होने तक आगे ले जाया जाता है और इन्हें आदेशों के प्राप्त होने पर परिशोधित किया जाता है।

यदि ग्राहक का आदेश तुरंत प्राप्त नहीं होने वाला है -

- राशि पूँजीकृत कर दी जाती है यदि उसके उपयोग से अतिरिक्त आर्थिक अनुलाभ अपेक्षित हो, या
- परियोजना को ग्राहक / अंतिम प्रयोक्ता द्वारा आदेश देने की किसी प्रतिबद्धता के बिना बंद किए जाने पर राशि प्रभारित कर दी जाती है।

11. तकनीकी जानकारी पर व्यय

तकनीकी जानकारी पर किए गए खर्च को ऐसे खर्च के उपगत होने पर लाभ व हानि के विवरण में प्रभारित किया जाता है जब तक कि वह पृथक रूप से स्वयं या अन्य परिसंपत्तियों / व्ययों के संयोजन से एक अमूर्त परिसंपत्ति के रूप में निर्धारित करने के लिए अर्ह नहीं बन जाता है ।

12. निवेश संपत्ति

निवेश संपत्तियों को प्रारंभ में लेनदेन लागत सहित लागत पर मापा जाता है। प्रारंभिक निर्धारण के बाद निवेश संपत्तियों को लागत में से संचित मूल्यह्रास और संचित हानि के नुकसान, यदि कोई हो, पर मापा जाता है।

13. गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों का ह्रास

कंपनी प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर यह मूल्यांकन करती है कि क्या किसी परिसंपत्ति के ह्रास होने के कोई संकेत तो नहीं है। अगर कोई संकेत मौजूद है, या जब परिसंपत्ति के लिए वार्षिक हानि जांच की आवश्यकता होती है, तो कंपनी परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाती है। एक परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि उसे माना जाता है जो परिसंपत्ति या नकद-पैदा करने वाली यूनिट (सीजीयू) के उचित मूल्य में से उसके निपटान लागत और उपयोग के दौरान उसके मूल्य को घटाकर जो राशि बचती है, उससे अधिक हो। किसी वैयक्तिक परिसंपत्ति की वसूल योग्य राशि निर्धारित की जाती है जब तक कि परिसंपत्ति द्वारा ऐसी नकदी प्राप्ति नहीं होती जो अन्य परिसंपत्तियों या परिसंपत्ति के समूह से उत्पन्न नकदी प्रवाह से अधिकतर स्वतंत्र नहीं है। जब किसी परिसंपत्ति या सीजीयू की वहनीय राशि इसकी वसूली योग्य राशि से अधिक होती है, तो परिसंपत्ति को ह्रासमान माना जाता है और उसे उसकी वसूली योग्य राशि से बट्टे खाते में डाल दिया जाता है।

उपयोग के दौरान मूल्य का आंकलन करने में प्राक्कलित भावी नकदी प्रवाह को उस समय प्रचलित बाज़ार मूल्यांकन को और उचित मूल्य में से निपटान की लागत को घटाकर उसे निर्धारित करने में परिसंपत्ति विशिष्ट जोखिम को प्रतिबिंबित करने वाले कर-पूर्व डिस्काउंट दर का उपयोग करते हुए उसके वर्तमान मूल्य पर बट्टा दिया जाता है।

ह्रास के प्रावधान को तब व्युत्क्रमित किया जाता है जब किसी परिसंपत्ति या नकद सृजित करने वाली यूनिट (सीजीयू) की प्राक्कलित सेवा संभाव्यता में, ऐसी परिसंपत्ति के ह्रास को अंतिम बार निर्धारित करने की तारीख के बाद, पुनर्मूल्यांकन पर, उपयोग या बिक्री से, बढ़ोत्तरी होती हो।

14. पट्टे

पट्टेदार के रूप में कंपनी-

तृतीय पक्षकारों की संविदाएँ जिनसे कंपनी को किसी परिसंपत्ति के उपयोग का अधिकार प्राप्त होता है, का परिकलन भारतीय ए.एस. 116 - पट्टे के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है, यदि लेखा मानक में निर्दिष्ट निर्धारण मानदंड पूरे होते हों।

अल्पकालिक पट्टों से और कम मूल्य की परिसंपत्तियों से संबंधित पट्टों के भुगतान को पट्टे की अवधि पर सीधी रेखा आधार पर या अन्य क्रमबद्ध आधार, जो लागू हो, पर व्ययों के रूप में प्रभारित किया जाता है।

प्रारंभ की तारीख पर, "प्रयोग का अधिकार" के मूल्य को पट्टे के बकाया मूल्य के वर्तमान मूल्य तथा अंतर्निहित परिसंपत्ति को अलग करने या हटाने तथा जिसे संयंत्र, संपत्ति और उपकरण के भाग के रूप में प्रस्तुत किया गया है, की किसी प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागत या प्राक्कलित लागत, यदि कोई हो, पर पूँजीकृत किया जाता है।

इसके बाद प्रयोग का अधिकार परिसंपत्ति का मापन लागत मॉडल द्वारा किया जाता है।

पट्टे की देयता उस राशि के लिए सृजित की जाती है जो पट्टे के बकाया भुगतान के वर्तमान मूल्य के समतुल्य हो और उसे उधार के रूप में दर्शाया जाता है।

पट्टे के प्रत्येक भुगतान को सृजित देयता और वित्त लागत के बीच आबंटित किया जाता है। वित्त लागत को पट्टे की अवधि पर लाभ व हानि के विवरण में प्रभारित किया जाता है ताकि इससे प्रत्येक अवधि के लिए देयता की शेष राशि पर ब्याज की स्थिर आवधिक दर प्राप्त हो सके।

प्रयोग के अधिकार की परिसंपत्ति का मूल्यह्रास परिसंपत्ति के उपयोगी जीवनकाल से कम अवधि पर और सीधी रेखा आधार पर पट्टे की अवधि पर किया जाता है ।

पट्टे के भुगतान को पट्टे में निहित ब्याज दर का उपयोग कर भुनाया जाता है यदि इसकी दर निर्धारित की जा सकती हो या कंपनी की वृद्धिशील उधार दर पर भुनाया जाता है।

पट्टे के संशोधन, यदि कोई हो, का परिकलन अलग पट्टे के रूप में किया जाता है यदि मानक में निर्दिष्ट मानदंड पूरे किए जाते हों।

पट्टाकर्ता के रूप में कंपनी-

पट्टों को भारतीय ए.एस. - पट्टे में निर्दिष्ट निर्धारण मानदंडों के आधार पर प्रचालन पट्टे या वित्त पट्टे के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

क. वित्तीय पट्टा -

प्रारंभ की तारीख में, "पट्टे में निवल निवेश" के समतुल्य राशि लेनदारी के रूप में दर्शाई जाती है। "पट्टे में निवल निवेश" के मूल्य का मापन करने के लिए अंतर्निहित ब्याज दर का उपयोग किया जाता है।

पट्टे के प्रत्येक भुगतान को सृजित लेनदारी और वित्त आय के बीच आबंटित किया जाता है। वित्त लागत को पट्टे की अवधि पर लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित किया जाता है ताकि पट्टे में निवल निवेश पर प्राप्ति की स्थिर आवधिक दर दर्शाई जा सके।

परिसंपत्ति की जाँच विनिर्धारण और भारतीय ए.एस. 109 - वित्तीय विलेख के अनुसार अनर्जकता की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए की जाती है।

पट्टे के संशोधन, यदि कोई हों, का परिकलन अलग पट्टे के रूप में किया जाता है यदि उक्त मानक में निर्दिष्ट निर्धारण मानदंड पूरे किए जाते हों।

ख. प्रचालनीय पट्टा -

कंपनी प्रचालनीय पट्टों के पट्टे के भुगतान को सीधी-रेखा आधार या किसी दूसरे क्रमबद्ध आधार, यदि आवश्यक हो, पर आय के रूप में निर्धारित करती है।

पट्टे के संशोधन, यदि कोई हों, का परिकलन अलग पट्टे के रूप में किया जाता है यदि उक्त मानक में निर्दिष्ट निर्धारण मानदंड पूरे किए जाते हों।

15. उधार की लागत

उधार की लागतें प्रत्यक्ष रूप से ऐसी परिसंपत्ति के अधिग्रहण, निर्माण या उत्पादन के कारण होती है जिसमें उसके आशयित उपयोग के लिए तैयार होने की सारभूत अवधि आवश्यक रूप से लगती है या बिक्री को परिसंपत्ति की लागत के भाग के रूप में पूँजीकृत किया जाता है । उधार की सामान्य लागतों को उस परिसंपत्ति पर खर्च की पूँजीकरण दर का उपयोग करते हुए अर्हक परिसंपत्तियों में पूँजीकृत किया जाता है । पूँजीकरण की दर विशिष्ट उधार को छोड़कर, सामान्य उधार बकाया पर लागू उधार की लागतों का भारित औसत होती है । उधार की अन्य सभी लागतों के व्यय उस अवधि में किए जाते हैं जिसमें वे उपगत होते हैं । उधार की लागतों में ब्याज और ऐसी अन्य लागतें शामिल होती है जो एक निकाय निधियों के उधार के संबंध में उपगत करता है । उधार की लागत में विनिमय के ऐसे अंतर भी शामिल होते हैं जहाँ तक उन्हें उधार की लागतों का समायोजन माना जाता है ।

16. सरकारी अनुदान

सरकार से प्राप्त अनुदान उचित मूल्य पर मापे जाते हैं जिन्हें शुरू में आस्थगित आय के रूप में निर्धारित किया जाता है।

अचल परिसंपत्ति के अधिग्रहण के कारण आस्थगित आय में उपलब्ध राशि को संबंधित परिसंपत्ति का ह्रास मूल्य के अनुपात में अधिग्रहण के लिए उपयोग किए जाने वाले सरकारी अनुदानों तक सीमित करते हुए लाभ और हानि विवरण में स्थानांतरित किया जाता है।

राजस्व व्यय के कारण आस्थगित आय में उपलब्ध राशि को कुल मंजूर लागत और वित्त-पोषण के अनुपात अनुमान के अनुसार व्यय और

सरकारी अनुदान तक सीमित रखते हुए वहित लाभ और हानि विवरण में स्थानांतरित किया जाता है।

17. वस्तुसूचियां

प्रयोज्य रद्दी को छोड़कर कंपनी के सभी वस्तु सूचियां मूल्य या निवल वसूली योग्य मूल्य में से कम पर मूल्यित किए जाते है। रद्दी अनुमानित निवल प्राप्य मूल्य पर मूल्यित किया जाता है। सामग्री की लागत का भारित औसत लागत सूत्र का उपयोग करते हुए पता लगाया जाता है।

कार्य प्रगति और तैयार माल की लागत में सामग्री, प्रत्यक्ष श्रम और उपयुक्त उपरिव्यय शामिल हैं।

वस्तु सूचियों के लिए पर्याप्त प्रावधान किया जाता है जो पांच वर्ष से अधिक पुराना हो, जो आगे उपयोग के लिए आवश्यक नहीं हो सकता है।

18. आय कर

आयकर में मौजूदा और आस्थगित कर शामिल हैं।

(i) वर्तमान आय कर

वर्तमान कर परिसंपत्तियां और देनदारियां कराधान प्रधिकारियों से अपेक्षित वसूली की या भुगतान की राशि पर मापे जाते है। इस राशि की गणना करने के लिए प्रयुक्त कर की दरें और कर कानून उन रिपोर्टिंग तारीखों पर अधिनियमित या मूल रूप से अधिनियमित होते हैं। ऐसी मदों से संबंधिक चालू कर जिसे प्रत्यक्ष रूप से अन्य व्यापक आय में निर्धारित किया जाता है या इक्विटी को अन्य व्यापक आय में या इक्विटी में निर्धारित किया जाता है, लाभ और हानि के विवरण में नहीं।

(ii) आस्थगित कर

आस्थगित कर रिपोर्टिंग तिथि पर वित्तीय रिपोर्टिंग प्रयोजनों के लिए परिसंपत्तियों और देनदारियों के कर आधारों के बीच अस्थायी अंतर और उनकी आगे लाई गई राशि के साथ तुलन-पत्र विधि का उपयोग करते हुए प्रदान किया जाता है।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों को सभी कटौती योग्य अस्थायी अंतर, अप्रयुक्त कर क्रेडिट को आगे ले जाते हुए और अप्रयुक्त कर हानियों के लिए निर्धारित किया जाता है जहाँ तक कि इस बात की संभावना हो कि कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसके समक्ष कटौती योग्य अस्थायी अंतर का उपयोग किया जा सकता है।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों की मात्रा प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर समीक्षा की जाती है और इस हद तक कम हो जाती है कि यह अब संभव नहीं है कि आस्थगित कर संपत्ति के सभी या हिस्से का उपयोग करने के लिए पर्याप्त कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा।

19. वारंटियों के लिए प्रावधान

कार्य-निषादन की गारंटी और बेचे गए माल के प्रतिस्थापन / मरम्मत के कारण व्यय का प्रावधान प्रवृत्ति आधारित अनुमानों के आधार पर किया जाता है। ऐसे मामलों में जहाँ ऐसी प्रवृत्ति अभिनिश्चित नहीं की जा सकती, प्रबंधन के सर्वोत्तम प्राक्कलनों के आधार पर वारंटी का प्रावधान किया जाता है।

20. विदेशी मुद्राएं के लेनदेन और रूपांतरण

विदेशी मुद्राओं में लेन-देन शुरू में कंपनी द्वारा उस तारीख की संबंधित मुद्रा विनिमय दरों पर दर्ज किया जाता है जिस तारीख में ऐसे लेनदेन निर्धारित करने के लिए पहले अर्ह होते हैं। विदेशी मुद्रा में मूल्यवर्गित मौद्रिक परिसंपत्तियों और देयताओं को रिपोर्टिंग की तारीख में अंतिम मुद्रा-विनिमय दर का प्रयोग करते हुए कार्यशील मुद्रा में रूपांतरित किया जाता है। मौद्रिक मदों के निपटान या रूपांतरण से आने वाले अंतर को लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित किया जाता है। गैर-मौद्रिक मदें जिन्हें विदेशी मुद्रा में ऐतिहासिक लागत के परिप्रेक्ष्य में मापा जाता है, को प्रारंभिक लेनदेन की तारीखों की मुद्रा-विनिमय दर का प्रयोग करते हुए रूपांतरित किया जाता है।

21. कर्मचारी हितलाभ

(i) संबंधित सेवाएँ प्रदान करने के बारह महीनों के भीतर पूरी तरह देय सभी कर्मचारी हितलाभों को अल्पावधि कर्मचारी हितलाभ के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और उनमे मुख्य रूप से शामिल हैं (क) मजदूरी और वेतन; (ख) अल्पकालिक प्रतिपूरक अनुपस्थिति; (ग) लाभ-भाजन, प्रोत्साहन और बोनस और (घ) गैर-मौद्रिक लाभ जैसे चिकित्सा देखभाल, सहायता-प्राप्त परिवहन, कैंटीन सुविधाएं आदि, जिन्हें बट्टारहित आधार पर मूल्यांकित किया जाता है और संबंधित सेवाएं प्रदान करने की अवधि के दौरान निर्धारित किया जाता है।

(ii) दीर्घकालीन प्रतिपूरक अनुपस्थितियाँ जैसे वार्षिक छुट्टी, बीमारी छुट्टी और आधा वेतन छुट्टी को प्रक्षेपित यूनिट क्रेडिट विधि का प्रयोग करते हुए बीमांकिक आधार पर वार्षिक रूप से निर्धारित देयता के वर्तमान मूल्य तथा तुलन-पत्र में किए गए प्रावधान के वहनीय मूल्य के बीच के अंतर के रूप में निर्धारित किया जाता है और इसका प्रावधान किया जाता है।

(iii) कर्मचारियों को उपदान और कर्मचारी भविष्य निधि के भुगतान के लिए वृद्धिशील देयता का निर्धारण प्रक्षेपित यूनिट क्रेडिट विधि का प्रयोग करते हुए बीमांकिक आधार पर वार्षिक रूप से निर्धारित देयता के वर्तमान मूल्य और इस प्रयोजनार्थ स्थापित अनुमोदित ट्रस्ट जिसके लिए भविष्य निधि के मामले में मासिक अंशदान किए जाते हैं और उपदान के मामले में एकमुश्त अंशदान दिए जाते हैं, में वित्त-पोषित योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य के बीच के अंतर के रूप में निर्धारित की जाती है।

(iv) बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना (बीईआरईसीएचएस) के तहत वृद्धिशील देयता का निर्धारण प्रक्षेपित यूनिट क्रेडिट विधि का प्रयोग करते हुए बीमांकिक आधार पर वार्षिक रूप से किया जाता है और इसका प्रावधान किया जाता है।

(v) वर्ष की बीमांकिक देयता का निर्धारण प्रत्येक वर्ष जनवरी के अंत में कर्मचारियों के संदर्भ में किया जाता है।

(vi) बीमांकिक लाभ और हानि और योजित परिसंपत्तियों (ब्याज को छोड़कर) पर प्राप्ति और परिसंपत्ति की ऊपरी सीमा का प्रभाव (यदि कोई हो, ब्याज को छोड़कर) का निर्धारण अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में तुरंत किया जाता है। निवल निर्धारित देयता (परिसंपत्ति) पर निवल ब्याज व्यय (आय) का परिकलन बट्टे की दर लागू करते हुए किया जाता है जिसका प्रयोग वर्ष के दौरान अंशदान और अनुलाभ भुगतानों के परिणामस्वरूप, किसी परिवर्तन को ध्यान में रखने के बाद, वित्तीय वर्ष के प्रारंभ में निवल निर्धारित देयता (परिसंपत्ति) में निवल निर्धारित देयता (परिसंपत्ति) को मापने में किया जाता है। निर्धारित अनुलाभ योजनाओं से संबंधित निवल ब्याज व्यय तथा अन्य व्ययों को लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित किया जाता है।

जब किसी योजना का लाभ बदल जाता है या जब कोई योजना कम की जाती है, तो अनुलाभ में परिणामी परिवर्तन जो पिछली सेवा से या ऐसी कटौती पर लब्धि या हानि से संबंधित होता है, को लाभ व हानि के विवरण में तुरंत निर्धारित किया जाता है।

(vii) स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति अनुलाभों का भुगतान होने पर उसे राजस्व को प्रभारित किया जाता है।

(नगग) निर्धारित अंशदान योजना

कंपनी अपने कर्मचारियों के लिए कर्मचारी पेंशन योजना और अधिवार्षिता पेंशन योजना संचालित करती है जिन्हें निर्धारित योगदान योजनाओं के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। निर्धारित अंशदान योजनाओं के लिए, कंपनी कर्मचारियों के वेतन के एक निश्चित प्रतिशत पर स्वतंत्र रूप से संचालित निधियों में अंशदान देती है। इन योगदानों को लाभ व हानि के विवरण में दर्ज किया गया है। कंपनी की देयता इन योजनाओं में दिए गए अंशदान की सीमा तक ही सीमित है।

22. प्रावधान

A. प्रावधान

प्रावधान तब निर्धारित किए जाते हैं जब किसी पिछली घटना के परिणामस्वरूप कंपनी की वर्तमान देयता (कानूनी या प्रलक्षित) होती है, हो सकता है कि आर्थिक लाभों में शामिल संसाधनों का बहिर्वाह देयता के निपटान के लिए आवश्यक हो और ऐसी देयता की राशि का विश्वसनीय अनुमान लगाया जा सकता हो। जब कंपनी कुछ या सभी प्रावधानों की प्रतिपूर्ति की अपेक्षा करती है, उदाहरण के लिए, बीमा संविदा के तहत, प्रतिपूर्ति एक अलग परिसंपत्ति के रूप में निर्धारित की जाती है, लेकिन केवल तभी, जब प्रतिपूर्ति लगभग निश्चित हो। ऐसे प्रावधान से संबंधित व्यय किसी भी प्रतिपूर्ति के निवल के रूप में लाभ व हानि के विवरण में दर्शाया जाता है।

दुर्वह संविदाओं का प्रावधान तब निर्धारित किया जाता है जब संविदा से कंपनी को प्राप्त होने वाले अपेक्षित अनुलाभ संविदा के तहत इसकी देयताओं को पूरा करने की अपरिहार्य लागत से कम होते हैं। ऐसे प्रावधान को संविदा समाप्त होने की अपेक्षित लागत से कम के वर्तमान मूल्य और संविदा जारी रखने की अपेक्षित निवल लागत से मापा जाता है। प्रावधान स्थापित करने से पहले, कंपनी ऐसी संविदा से जुड़ी परिसंपत्तियों पर किसी प्रकार की अनर्जक हानि को निर्धारित करती है।

यदि धन के समय मूल्य का प्रभाव महत्वपूर्ण होता है तो चालू कर-पूर्व दर जो विनियोजित होने पर देयता के लिए विशिष्ट जोखिम दर्शाता है, का प्रयोग करते हुए ऐसे प्रावधानों को भुनाया जाता है। जब ऐसी भुनाई का उपयोग किया जाता है, तो समय बीतने के कारण प्रावधान में बढ़ोत्तरी को वित्त लागत के रूप में निर्धारित किया जाता है।

ख. आकस्मिक देयताएं / परिसंपत्तियाँ

आकस्मिक देनदारियों / परिसंपत्तियों को प्रबंधन की जानकारी तक वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों के माध्यम से प्रकट किया जाता है।

23. नकद प्राप्ति विवरण

नकद प्राप्ति का विवरण भारतीय एएस 7 - नकदी प्राप्ति विवरण में वर्णित अप्रत्यक्ष विधि के अनुसार तैयार किया जाताहै।

24. उचित मूल्य का मापन

कंपनी कुछ वित्तीय विलेखों को अपने वित्तीय विवरणों में प्रत्येक रिपोर्टिंग तारीख पर उचित मूल्य पर मापती है जैसे व्युत्पन्नी तथा अन्य मदें।

सभी परिसंपत्तियां और देनदारियां जिनके लिए उचित मूल्य को वित्तीय विवरणों में मापा या प्रकट किया गया है, को निम्नतम स्तर इनपुट जो संपूर्ण रूप से उचित मूल्य के मापन के लिए महत्वपूर्ण है, के आधार पर उचित मूल्य के पदानुक्रम में वर्गीकृत किया जाता है -

स्तर 1 - समरूप परिसंपत्तियों या देयताओं के लिए सक्रिय बाजार में कोट की गई कीमतें (असमायोजित)।

स्तर 2 - स्तर 1 में शामिल कोट की गई कीमतों के अलावा अन्य निविष्टियाँ जो प्रत्यक्ष रूप से (यानी कीमतों के रूप में) या परोक्ष रूप से (यानी कीमतों से व्युत्पन्न) परिसंपत्ति या देयता के लिए प्रेक्षणीय है।

स्तर 3 - ऐसी परिसंपत्तियों या देयताओं की निविष्टियाँ जो प्रेक्षणीय बाज़ार आंकड़ों पर आधारित नहीं हैं (अप्रेक्षणीय निविष्टियां)।

उचित मूल्य प्रकटीकरण के प्रयोजनार्थ, कंपनी ने प्रकृति, विशेषताओं और परिसंपत्तियों या देयताओं के जोखिमों और उचित मूल्य पदानुक्रम के स्तर के आधार पर परिसंपत्तियों और देयताओं के वर्गों का निर्धारण किया है।

25. वित्तीय परिसंपत्तियां

(i) प्रारंभिक निर्धारण और मापन

सभी वित्तीय परिसंपत्तियां शुरू में उचित मूल्य पर निर्धारित की जाती हैं। यदि वित्तीय परिसंपत्तियों को लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर दर्ज नहीं किया जाता है, तो लेनदेन की लागत वित्तीय परिसंपत्ति के अधिग्रहण के कारण होती है जिसे परिसंपत्ति की लागत में शामिल किया जाता है।

(ii) अनुवर्ती मापन

अनुवर्ती माप के प्रयोजनार्थ, वित्तीय परिसंपत्तियों को चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है-

- परिशोधित लागत पर मापे गए ऋण विलेख,
- अन्य व्यापक आय (एफवीटीओसीआई) के माध्यम से उचित मूल्य पर मापे गए ऋण विलेख,
- लाभ या हानि (एफवीटीपीएल) के माध्यम से उचित मूल्य पर मापे गए ऋण विलेख, व्युत्पन्नी और इक्विटी विलेख,
- अन्य व्यापक आय (एफवीटीओसीआई) के माध्यम से उचित मूल्य पर मापे गए इक्विटी विलेख।

(iii) विनिर्धारण

किसी वित्तीय परिसंपत्ति या उसका हिस्से को तब विनिर्धारित किया जाता है जब परिसंपत्ति से नकदी प्राप्त करने के अधिकार की समय सीमा समाप्त हो जाती है।

(iv) व्यापार और अन्य लेनदारियां

लेनदारियों को प्रारम्भ में उचित मूल्य पर निर्धारित किया जाता है, जो ज्यादातर मामलों में मामूली मूल्य के लगभग होता है। यदि ऐसा कोई अनुवर्ती संकेत हो कि उन परिसंपत्तियों का ह्रास हो सकता है, तो हानि के लिए उनकी समीक्षा की जाती हैं।

26. वायदा संविदाएं

कंपनी अपने विदेशी मुद्रा जोखिमों का बचाव करने के लिए वायदा मुद्रा संविदा जैसे व्युत्पन्नी वित्तीय विलेखों का उपयोग करती है। ऐसे व्युत्पन्न वित्तीय विलेखों को प्रारंभ में उस तारीख को उचित मूल्य पर निर्धारित किया जाता है जिस पर व्युत्पन्नी संविदा की जाती है और बाद में उचित मूल्य पर फिर से मापा जाता है। व्युत्पन्नी को वित्तीय संपत्ति के रूप में लिया जाता है जब उचित मूल्य धनात्मक होता है और वित्तीय देयताओं के रूप में उचित मूल्य ऋणात्मक होता है।

27. अंतर्निहित व्युत्पन्नी

आवश्यकता पड़ने पर अंतर्निहित व्युत्पन्नी को समूह संविदा से अलग किया जाता है और उचित मूल्य पर मापा जाता है।

28. नकद और नकद समतुल्य

नकद में हस्तस्थ नकद और मांग जमा शामिल हैं। नकद समतुल्य तीन महीने या उससे कम की मूल परिपक्वता के अत्यधिक अल्पकालिक चलनिधि निवेश होते हैं जो नकदी की ज्ञात राशि में आसानी से परिवर्तनीय होते हैं और जो मूल्य में परिवर्तन के मामूली जोखिम के अधीन होता है।

बैंक ओवरड्राफ्ट, यदि कोई हो, को तुलन-पत्र में चालू देयताओं के तहत उधार के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

29. वित्तीय परिसंपत्तियों का ह्रास

भारतीय ए.एस. 109 के अनुसार, कंपनी ऋण जोखिम वाली वित्तीय परिसंपत्तियों के ह्रास के मापन एवं निर्धारण के लिए प्रत्याशित क्रेडिट हानि (ईसीएल) पद्धति का उपयोग करती है।

क. सरकार / सरकारी विभागों / सरकारी कंपनियों से कालातीत बकाया राशि को आम तौर पर ऐसी वित्तीय परिसंपत्तियों के क्रेडिट जोखिम में वृद्धि नहीं माना जाता है।

ख. यदि देय कानूनी कार्यवाही में विवादित होते हैं तो वहां प्रावधान किया जाता है अगर कोई निर्णय कंपनी के खिलाफ दिया जाता है, भले ही इसके लिए उच्चतर प्राधिकारियों / न्यायालयों में अपील की गई हो।

ग. समय की महत्वपूर्ण अवधि के बकाया देय की समीक्षा की जाती है और मामला-दर-मामला आधार पर प्रावधान किया जाता है।

हानि भत्ता (या व्युत्क्रमण) को लाभ व हानि के विवरण में व्यय / आय के रूप में निर्धारित किया जाता है ।

30. वित्तीय देयताएं

(i) प्रारंभिक निर्धारण और मापन

वित्तीय देयताओं को ऋण, उधार, प्रदेय या व्युत्पन्नी, के रूप में लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य में, जैसा उपयुक्त हो, पर वर्गीकृत किया जाता है ।

ऋण, उधार और प्रदेय को लेनदेनों की ऐसी निवल लागत उन पर दर्शाया जाता है जो प्रत्यक्ष रूप से उनके कारण सृजित होते हैं।

(ii) अनुवर्ती मापन

वित्तीय देयताओं का मापन नीचे बताए गए अनुसार उनके वर्गीकरण पर निर्भर करता है-

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताएं-

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताओं में लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य में प्रारंभिक निर्धारण पर दी गई वित्तीय देयताएं शामिल हैं। इस श्रेणी में कंपनी द्वारा तैयार किए गए ऐसे व्युत्पन्नी वित्तीय विलेख भी शामिल हैं, जिन्हें भारतीय ए.एस. 109 में परिभाषित बचाव संबंधों में बचाव विलेख के रूप में निर्दिष्ट नहीं किया गया है। विलगित अंतर्निहित व्युत्पन्नों को भी व्यापार के लिए धारित के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जब तक कि उन्हें प्रभावी बचाव विलेख नहीं कहा जाता है। व्यापार के लिए धारित देयताओं पर लाभ या हानि को लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित किया जाता है ।

(iii) ऋण और उधार

प्रारंभिक निर्धारण के बाद, ब्याजयुक्त ऋणों और उधार को कबाद में प्रभावी ब्याज दर पद्धति (ईआईआर) का उपयोग करते हुए परिशोधित लागत पर मापा जाता है। लाभ और हानि को लाभ या हानि के रूप में तब निर्धारित किया जाता है जब देयताओं को ईआईआर परिशोधन प्रक्रिया के साथ-साथ विनिर्धारित किया जाता है ।

वित्तीय देयता को तब विनिर्धारित किया जाता है जब देयता के तहत दायित्व का निर्वहन किया जाता है या उसे रद्द या समाप्त किया जाता है।

(iv) व्यापार और अन्य देय

देयताओं का निर्धारण प्राप्त माल या सेवाओं के लि भविष्य में अदा की गई राशि के लिए किया जाता है चाहे वे आपूर्तिकर्ता द्वारा बिल किए गए हों या न हों।

31. वित्तीय विलेखों का पुन: वर्गीकरण

कंपनी प्रारंभिक निर्धारण पर वित्तीय परिसंपत्तियों और देनदारियों का वर्गीकरण निर्धारित करती है। प्रारंभिक निर्धारण के बाद, वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए कोई पुनर्वितरण नहीं किया जाता है जो इक्विटी उपकरण और वित्तीय देनदारियां हैं। वित्तीय साधनों के लिए जो ऋण के साधन हैं, एक पुनर्वर्गीकरण केवल तभी किया जाता है जब उन परिसंपत्तियों के प्रबंधन के लिए व्यापार मॉडल में बदलाव होता है। यदि कंपनी वित्तीय परिसंपत्तियों का पुनर्वर्गीकरण करती है, ऐसा पुनर्वर्गीकरण भविष्यलक्षी रूप से किया जाता है।

32. वित्तीय विलेखों का समंजन

वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताओं का समंजन किया जाता है और निवल राशि की रिपोर्ट तुलन-पत्र में की जाती है यदि वर्तमान में निर्धारित राशियों को समंजित करने का कानूनी अधिकार प्रवर्तनीय हो और परिसंपत्तियों को वसूल करने और देयताओं को एक साथ निपटाने के लिए, निवल आधार पर निपटाने का आशय हो।

33. इक्विटी धारकों को नकद लाभांश और गैर-नकद वितरण

कंपनी इक्विटी धारकों को नकद या गैर नकद वितरण करने के लिए देयता निर्धारित करती है जब ऐसा वितरण अधिकृत हो और कंपनी के विवेकाधिकार में न हो।

34. त्रुटियां और अनुमान

यदि भारतीय ए.एस. में परिवर्तन के कारण या यदि परिवर्तन करने से वित्तीय विवरणओं के उपयोगकर्ताओं को अधिक संगत और विश्वसनीय सूचना मिलती है, तो कंपनी अपनी लेखांकन नीतियों का संशोधन करती है। लेखा नीतियों में परिवर्तन पूर्वव्यापी रूप से किए जाते हैं जब तक कि ऐसा करना अव्यवहार्य न हो ।

लेखा अनुमान में बदलाव, जिसके परिणामस्वरूप निर्धारित परिसंपत्तियों या देयताएं की मात्रा में परिवर्तन या लाभ और हानि का ब्यौरा परिवर्तन की अवधि (ओं) में भविष्यलक्षी रूप से लागू किया जाता है।

महत्वपूर्ण त्रुटियों की खोज पूर्वावधि, जिसमें ऐसी त्रुटि ज्ञात हुई की परिसंपत्तियो, देयताओं और इक्विटी की तुलनात्मक राशियों को दोबारा दर्शाते हुए पूर्व प्रभावी रूप से पुनरीक्षण में परिणामित होती हैं । पूर्व की अवधि के प्रारंभिक शेषों को भी दोबारा बताया जाता है ।

35. प्रति शेयर अर्जन

कंपनी अपने साधारण शेयरों के लिए मूल एवं परिवर्तन प्रति शेयर अर्जन डेटा दर्शाती है। प्रति शेयर मूल आय की गणना कंपनी के साधारण इक्विटी धारकों के लिए लाभ या हानि को विभाजित कर सामान्य शेयरधारकों की भारित औसत संख्या द्वारा, उस समय के दौरान बकाया साधारण शेयरों से की जाती है, जो अपने शेयरों के लिए समायोजित होते हैं। परिवर्तित प्रति शेयर अर्जत कमाई सामान्य इक्विटी धारकों के लिए मुनाफे या हानि का समायोजन करते हुए और बकाया साधारण शेयरों की भारित औसत संख्या, सभी शेयरों के लिए समायोजित, सभी परिवर्तित संभावित साधारण शेयरों के प्रभावों के लिए निर्धारित करते हुए निर्धारित की जाती है।

36. रिपोर्टिंग अवधि के बाद की घटनाएं

समायोजनीय घटनाएं ऐसी घटनाएं होती हैं जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में मौजूद परिस्थितियों का अतिरिक्त साक्ष्य प्रदान करती हैं । ऐसी घटनाओं के लिए वित्तीय विवरणों को जारी करने के प्राधिकरण से पहले समायोजित किया जाता है।

गैर-समायोजन घटनाएं ऐसी घटनाएं हैं जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक उत्पन्न होने वाली स्थिति की संकेतक हैं। रिपोर्टिंग की तारीख के बाद गैर-समायोजन घटनाओं को हिसाब में नहीं लिया गया है, परंतु उन्हें प्रकट किया गया है।

37. समेकन के सिद्धांत

धारक कंपनी के वित्तीय विवरण, उसकी सहायक कंपनियों और उप-अनुषंगी संस्थाओं के लेखा परीक्षित वित्तीय विवरणों के साथ, अंतर समूह के सभी शेषों और लेनदेनों को हटाने के बाद परिसंपत्तियों, देयताओं, आय और व्यय की सभी मदों को एक साथ जोड़ते हुए लाइन-दर-लाइन आधार पर संयोजित किया गया है। एसोसिएट के ब्याज का परिकलन इक्विटी विधि का प्रयोग करते हुए किया जाता है। इन्हें प्रारंभिक रूप से लागत पर निर्धारित किया जाता है जिसमें लेनदेन की लागत शामिल है। प्रारंभिक निर्धारण के बाद, समेकित वित्तीय विवरणों में ग्रूप के लाभ व हानि का हिस्सा तथा इक्विटी परिकलित निवेश-स्वीकर्ता की अन्य व्यापक आय उस तारीख तक शामिल की जाती है जिसमें महत्वपूर्ण प्रभाव समाप्त होते हैं।

प्रारक्षण के संबंध में दर्शित राशि में धारक कंपनी के तुलन-पत्र के अनुसार संबंधित प्रारक्षण की राशि और सहायक कंपनियों तथा उप-अनुषंगी कंपनी

की संबंधित बढ़ोत्तरी में अधिग्रहण के बाद की बढ़ोत्तरी में इसका हिस्सा शामिल है।

समेकित वित्तीय विवरणों को समान परिस्थितियों में सदृश्य लेनदेनों एवं अन्य घटनाओं की एक समान लेखांकन नीतियों का प्रयोग करते हुए तैयार किया गया है जिन्हें जहाँ तक संभव हो, धारक कंपनी के वित्तीय विवरणों की भांति प्रस्तुत किया गया है।

जिस तारीख को निवेश किए गए हैं, उस तारीख में सहायक कंपनियों तथा उप-अनुषंगी कंपनी की इक्विटी के इसके शेयर में सहायक कंपनियों तथा उप-अनुषंगी कंपनी में अपने निवेश हेतु कंपनी की लागत के अतिरेख को "समेकन पर सुनाम" रूप में निर्धारित किया गया है जो समेकित वित्तीय विवरणों में परिसंपत्ति मानी जाती है। वैकल्पिक रूप से, जहाँ निवेश की तारीख में सहायक कंपनियों तथा उप-अनुषंगी कंपनी में इक्विटी का हिस्सा धारक कंपनी के निवेश की लागत से अधिक हो, इसे "पूँजीगत प्रारक्षण" के रूप में निर्धारित किया जाता है और समेकित वित्तीय विवरणों में "प्रारक्षण एवं अधिशेष" शीर्ष के तहत दर्शाया जाता है।

हमारी संलग्न समान दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार।

कृते गुरु एंड जना
सनदी लेखाकार
फर्म पंजी. सं. 006826एस

आनंदी रामलिंगम
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

दिनेश कुमार बत्रा
निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ

अनंत प्रसाद वी आर
साझेदार
सदस्यता सं. - 218145

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

वाराणसी
23 मई 2022

फार्म ए.ओ.सी.-I

(₹ लाख में)

भाग "क"- सहायक कंपनियां

क्र. सं.	विवरण		
1	सहायक कंपनी का नाम	बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाइसेस लिमिटेड	बीईएल थालेस सिस्टम्स लिमिटेड
2	संबंधित सहायक कंपनी की रिपोर्टिंग अवधि, यदि मूल कंपनी की रिपोर्टिंग अवधि से अलग हो	लागू नहीं	लागू नहीं
3	विदेशी सहायक कंपनियों के मामले में संबंधित वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख को रिपोर्टिंग मुद्रा और मुद्रा विनिमय दर	लागू नहीं	लागू नहीं
4	शेयर पूंजी	8,451	5,762
5	प्रारक्षण व अधिशेष	15,981	524
6	कुल परिसंपत्तियां	36,815	9,062
7	कुल देयताएं	12,383	2,776
8	निवेश	-	-
9	कुल कारोबार	4,586	3,901
10	कराधान से पूर्व लाभ	769	560
11	कराधान का प्रावधान	253	39
12	कराधान के बाद लाभ	516	521
13	प्रस्तावित लाभांश	155	116
14	शेयरधारण का %	100%	74%

1	सहायक कंपनियां जिन्होंने अब तक कामकाज शुरु नहीं किया है, के नाम	कुछ नहीं	कुछ नहीं
2	सहायक कंपनियां जिन्हें वर्ष के दौरान परिसमाप्त या बेच दिया गया है, के नाम	कुछ नहीं	कुछ नहीं

फार्म ए.ओ.सी.-I

(₹ लाख में)

भाग "ख"- सहयोगी कंपनियां और संयुक्त उद्यम

क्र. सं.	सहयोगी कंपनियों के नाम	जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड	डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन
1	नवीनतम लेखा परीक्षित तुलन-पत्र की तारीख	31 मार्च 2022	31 मार्च 2022
2	कंपनी द्वारा वर्षांत में धारित सहयोगी कंपनी के शेयर		
	सं.	26,00,000	50
	सहयोगी कंपनी में निवेश की राशि	260	1
	धारण का %	26%	50%
3	उल्लेखनीय प्रभाव दर्शाने संबंधी विवरण	मतदान के अधिकार	मतदान के अधिकार
4	सहयोगी कंपनी का समेकन न करने का कारण	लागू नहीं	*
5	नवीनतम लेखा परीक्षित तुलन-पत्र के अनुसार शेयरधारण के कारण निवल मालियत	23,299	-
6	वर्ष का लाभ / की हानि		
	i. समेकन में विचार किया गया	4,570	-
	ii. समेकन में विचार नहीं किया गया	-	-

* कोई नियंत्रण नहीं किया और साथ ही, इक्विटी निवेश के अलावा परिवर्ती प्राप्तियों पर कोई अधिकार नहीं

1	सहयोगी कंपनियों के नाम जिन्होंने अभी कामकाज शुरु नहीं किया है	कुछ नहीं	कुछ नहीं
2	सहयोगी कंपनियों के नाम जिन्हें वर्ष के दौरान परिसमाप्त किया गया	कुछ नहीं	कुछ नहीं

इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते गुरु एंड जना
सनदी लेखाकार
फर्म पंजी. सं. 006826एस

आनंदी रामलिंगम
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

दिनेश कुमार बत्रा
निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ

अनंत प्रसाद बी आर
साझेदार
सदस्यता सं. - 218145

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

वाराणसी
23 मई 2022

टिप्पणियाँ

टिप्पणियाँ

टिप्पणियाँ

BHARAT ELECTRONICS
QUALITY, TECHNOLOGY, INNOVATION

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
(रक्षा मंत्रालय के अधीन भारत सरकार का उद्यम)
सीआईएन- L32309KA1954GOI000787

पंजीकृत और कार्पोरेट कार्यालय
आउटर रिंग रोड, नागवारा,
बेंगलूरु - 560 045, भारत
फोन : +91-80-2503 9300
: +91-80-6700 9300
फैक्स : +91-80-2503 9266
ई-मेल : secretary@bel.co.in
वेबसाइट : www.bel-india.in
टोल फ्री : 1800 425 0433

Concept, Content & Design WYATT Prism COMMUNICATIONS (info@wyatt.co.in)